# SPATIAL ANALYSIS OF ELECTORAL SUPPORT IN THE CONSTITUENCIES OF ALLAHABAD DISTRICT

## लाहाबाद जिले के निर्वाच क्षेत्रों में नि ाचकीय समर्थन का स्था नि वि लेषण
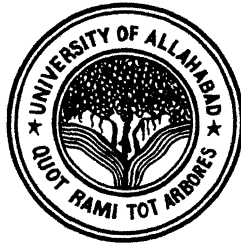
**इलाहाबाद विश्वविद्याल की डी0 फिल् (भूगोल)**
**उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध प्रबन्ध**

पर्यवेक्षक

**डा0 मन र ा सि ा**

रीडर, भूगोल विभाग

शोधकर्ता

**राज प्रसाद सिंह**

भूगोल विभाग

लाहाबाद विश्वविद्यालय

लाहाबाद

# समर्पण

*मेरा यह प्रयास आत्मबोध की दिशा मे*

*श्रद्धा–सुमन के रूप मे*

*हार्दिक चरण स्पर्श के साथ*

*स्वर्गीय पिता श्री राम अचल सिह जी*

*की पुण्य–स्मृति मे*

*सादर समर्पित*

# विषयानुक्रम

## *तृतीय अध्याय*

*चतुर्थ अध्याय*

***षष्टम अध्याय***

## *सप्तम अध्याय*

## *अष्टम अध्याय*

## *नवम् अध्याय*

## *दशम अध्याय*

# 'LIST OF MAPS'

# कृतज्ञता ज्ञापन

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध तथ्यात्मक ज्ञान की तर्क सगत विवेचना है जिसमे सत्यता का समायोजन है। इस सत्य को निरूपित एव प्रदर्शित करने के लिए अनेक विद्वानो एव सहयोगियो के विचारो को समाहित किया है। एतदर्थ आत्मा से उनके प्रति श्रद्धावनत हूँ।

शोध पर्यवेक्षक डा0 मनोरमा सिन्हा रीडर भूगोल विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद का हृदय से आभारी हूँ, जिन्होने प्रस्तुत शोध प्रबन्ध को पूर्ण कराने मे उत्तरदायित्वपूर्ण सजग आत्मीय स्नहिल निर्देशन प्रदान किया।

गुरू प्रवर डा0 मिथलश कुमार श्रीवास्तव का हृदय से आभारी हूँ, जिनका स्नेहिल आर्शीवाद बचपन म मिला करता था किन्तु आज उनकी पुण्य स्मृति ही मरे अन्तर्मन की मौन प्रेरणा बन गई है।

भूगोल विभागाध्यक्ष डा0 सबिन्द्र सिह जी डा0 आर0 सी0 तिवारी डा0 एच0 एन0 मिश्रा भूगोल परिवार के अन्य समस्त सदस्यो के प्रति हम कृतज्ञ है जिनके सहयोग एव सुझावो से यह कार्य सम्पन्न हो सका।

मनुष्य के ज्ञान के विपरीत ईश्वर का ज्ञान पूर्ण एव असीम है। इस असीम ज्ञान के कुछ अश प्रदान करने के सहयोगार्थ अपने धर्म गुरु आचार्य प्रवर श्री राम आधार चर्तुवेदी का हृदय से आभारी हूँ, जिनका असीम स्नेह हमारे ऊपर विद्यमान है।

सजय गाधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी (म0 प्र0) के प्राचार्य डा0 लाल जी खरे विभागाध्यक्ष भूगोल एव हमारे सहयोगी मित्र डा0 एस0 यू0 खान डा0 एच0 एल0 शर्मा डा0 जै सिह चौहान डा0 एम0 के0 सिह के प्रति मै कृतज्ञता प्रदर्शित करता हूँ, जिनका सहयोग सुझाव सदा हमारे साथ रहा।

भारतीय निर्वाचन आयोग निर्वाचन कार्यालय इलाहाबाद जनगणना एव साख्यिकी विभाग निर्वाचन कार्यालय लखनऊ बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय बनारस

इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद एव अन्य पुस्तकालयो के प्रति भी कृतज्ञ हूँ, जिनके अधिकारियो एव कर्मचारियो ने आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई।

शोध प्रबन्ध को पूर्ण करने के लिए टीचर्स फैलोसिप परियोजना के अन्तर्गत टीचर्स फैलोसिप प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग मध्य क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल एव उसके सयुक्त निदेशक डा0 कमलाकर सिह जी का हृदय से आभारी हूँ, जिनके सहयोग से यह कार्य सम्पन्न हुआ।

अपने मित्र डा0 सुनील त्रिपाठी (इलाहाबाद डिग्री कालेज इलाहाबाद) डा0 अर्चना पाल (जगत तारन गर्ल्स डिग्री कालेज इलाहाबाद) के प्रति मै विशेष आभारी हूँ जिन्होने आवश्यकतानुसार सहायता प्रदान की है।

'पूज्य पिता स्वर्गीय श्री राम अचल सिह जी की पुण्य स्मृति ही आज मेरे लिए आशीष एव सम्बल है उनके प्रति श्रद्धावनत होते हुए मॉ श्रीमती सती रामा जी भाई ऋषि प्रसाद सिह प्रवक्ता भूगोल श्री शम्भू शरण सिह भतीजे सुनील सिह एव अन्य सम्बन्धियो शुभेच्छुओ का हृदय से कृतज्ञ हूँ, जिनकी प्रेरणा मेरे इस शोध कार्य मे पाथेय सिद्ध हुई है।
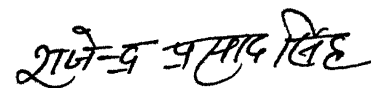
पत्नी श्रीमती नीलम सिह ने इस शोध कार्य मे मेरी बहुत सहायता की है अत सहयोग के लिए उसके प्रति हार्दिक कृतज्ञता की अनुभूति सहज स्वाभाविक है।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के टकण का दायित्व श्री अशीष एव सुमित जी ने वहन किया मानचित्रो को सुन्दर सुनियोजित किया श्री अनवर सईद सिद्दकी जी ने अत इन सभी साथियो के प्रति मै हृदय से कृतज्ञ हूँ।

अन्त मे पुन डा0 (श्रीमती) मनोरमा सिन्हा जी का चिरऋणी रहूँगा जिनके अप्रतिम स्नेह एव विद्वतापूर्ण मार्गदर्शन से यह कार्य सम्पन्न हो सका है।

भूगोल विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय
इलाहाबाद

राजेन्द्र प्रसाद सिंह
(राजेन्द्र प्रसाद सिह)

11 जुलाई 1999

## प्रथम अध्याय

# विषय प्रवेश

# 1 विषय प्रवेश

एक युग था जब भूगोल को पर्वतो पठारो नदियो समुद्रो एव नगरो का कोश समझा जाता था किन्तु आज का भूगोल वैज्ञानिक विषयो की तरह एक गत्यात्मक विज्ञान है। जिसका आधार वर्णन नही अपितु व्याख्या है। आज का भूगोल मानवीय कार्यकलापो के मूलतत्वो की पारस्परिक अवस्थिति एव उनके समुच्चयिक स्वरूप के सभी अन्तर्प्रवाहिनी सकल्पनाओ को एक स्वरूप मे पिरोने का प्रयत्न करता है। वास्तविक रूप मे वर्तमान भूगोल का सर्वोपरि उद्देश्य मानव कल्याण है। मानव कल्याण हेतु भूगोल मे सामाजिक आर्थिक राजनेतिक सास्कृतिक तत्वो के विश्लेषण से सामाजिक विभेदो को समझने मे सरलता रहती है। भूगोल की प्रमुख समस्या यही रही है कि मानवीय समस्याओ को कैसे उजागर किया जाए क्योकि समस्याओ का यह क्षेत्र विस्तृत होता जा रहा था अत इस समस्या के समाधान हेतु इसकी अनेक शाखाएँ एव प्रशाखाएँ हो गयी जैसे प्राकृतिक भूगोल गणितीय भूगाल जलवायु विज्ञान समुद्रविज्ञान आर्थिक भूगोल ऐतिहासिक भूगोल राजनैतिक भूगोल सामाजिक भूगोल आदि। जिसमे राजनैतिक भूगोल का सम्बन्ध राजनैतिक क्षेत्रो की इकाई के भूगोल से है इसमे विभिन्न राष्ट्रो के मध्य पारस्परिक सम्बन्धो के अध्ययन के साथ राष्ट्रीय समस्याओ एव सम्बन्धो का अध्ययन होता है। इसमे राज्य एव भूभाग के समागम तथा दोनो के मध्य स्थापित होने वाले सम्बन्धो का भी अध्ययन होता है। राजनीतिक भूगोल की शाखा निर्वाचन भूगोल मे भारतीय राजनीति के क्षेत्रीय एव सामाजिक व्यवहारो के अध्ययन का एक लघु प्रयास यह शोध प्रबन्ध है।

भारत दुनिया का सबसे बडा लोकतन्त्रात्मक देश है। अनादिकाल स सत्ता की राजनीति यहॉ एक जटिल खेल रहा है। मानव सभ्यता के पॉच हजार वर्ष से

भी पुराने इतिहास मे कही भी कभी भी इतने व्यापक पैमाने पर लोकतात्रिक प्रयोग नही चला जैसा की भारत मे स्वाधीनता के बाद से चल रहा है। आज स्वाधीनता के 50 वर्ष पूर्ण हो गये इस अवधि मे भारत के मानचित्र मे अनेक राजनैतिक सामाजिक परिवर्तन हुए। यह परिवर्तन मुख्यत देश की एकता को बनाये रखने के लिए हुआ क्योकि भारत मे व्यक्ति को लोकतन्त्र की इकाई मानते हुए राष्ट्रीय एकता को महत्वपूर्ण आधार दिया गया है। भारतीय लोकतन्त्र मात्र राजनैतिक एव सामाजिक परिस्थिति ही नही अपितु वह शासन और जीवन की लोकजयी नैतिक धारणा भी है। इसी लोकजयी नैतिक धारणा के आधार पर राजनीतिक प्रक्रिया द्वारा सामाजिक ढाचे एव मूल्यो को बदलने मे सहयोग मिला और राजनैतिक व्यवस्था ने जनता को राजनीतिक प्रक्रिया मे भाग लेने के लिए प्रेरित किया। राजनीति की बढती हुई इसी प्रवृत्ति के कारण अब तक जो गाव समाज वर्ग और सम्प्रदाय राजनीतिक व्यवस्था से दूर थे वे निकट आ रहे है जिसका मुख्य कारण खुली हुई राजनीतिक व्यवस्था है। इसी व्यवस्था के अन्तर्गत केन्द्रीय सत्ता को बाहरी एव विजातीय सत्ता के रूप मे लादा नही जाता बल्कि यह प्रयास किया गया है कि व्यवस्था मे विभिन्न वर्गो के लोग स्थान पा सके।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध मे राजनीतिक व्यवस्था के कुछ विशिष्ट आयामो के साथ–साथ निर्वाचन का सक्षिप्त परिचय अध्ययन का विकास क्रम विधितन्त्रात्मक औचित्य अध्ययन की प्रक्रिया का विश्लेषण निर्वाचन की पृष्ठभूमि उत्तर प्रदश के इलाहाबाद जनपद के ससदीय एव विधान सभायी निर्वाचन क्षेत्रो का एक रचनात्मक एव साख्यिकीय विश्लेषण निर्वाचको का दायित्व उनकी दुर्बलता एव सबलता का विश्लेषणात्मक अध्ययन साथ मे लोकतन्त्र को सुदृढ बनाने का सुझाव तथा भारतीय तन्त्र के भविष्य का विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है।

प्रस्तुत अध्याय को 10 अनुभागो मे विभक्त किया गया है। प्रथम अनुभाग मे निर्वाचन भृगोल सक्षिप्त परिचय द्वितीय मे अध्ययन का विकास क्रम तृतीय मे भारत मे निर्वाचन सम्बन्धी अध्ययन चतुर्थ मे सकल्पना पचम मे अध्ययन का उद्देश्य षष्टम मे विधितात्रात्मक औचित्य सप्तम मे उपागम एव विधि अष्टम मे अध्ययन क्षेत्र परिचय नवम मे अध्ययन से सम्बन्धित समस्याओ आदि का वर्णन है।

## *'निर्वाचन भूगोल सक्षिप्त परिचय"*

राजनीतिक स्वेच्छा का भूगोल की सज्ञा से अभिहित निर्वाचन भूगोल राजनीति भूगोल की एक नवीन शाखा है। निर्वाचन भूगोल निर्वाचन एव भूगोल दो शब्दो का मेल है। निर्वाचन का अर्थ है चुनाव (राजनीतिक व्यक्ति का चुनाव) और भूगोल का पृथ्वी का अध्ययन करने वाला विज्ञान या क्षेत्रीय विभिन्नता का अध्ययन करने वाला विज्ञान। इस प्रकार एक विशेष भौगोलिक क्षेत्र मे जन प्रतिनिधि के चुनाव का अध्ययन जिस भूगोल की शाखा से किया जाता है उसे निर्वाचन भूगोल कहते है। विभिन्न राजनीतिक भूगोल वेत्ताओ ने निर्वाचन भूगोल की भिन्न–भिन्न परिभाषाये दी है उसमे प्रमुख कुछ निम्न है–

वे सभी अध्ययन जो भूगोल मे निर्वाचन प्रक्रिया की व्याख्या करने मे प्रयोग होता है जब कि निर्वाचन सम्बन्धी विचार भूगोल के क्षेत्र से अलग है फिर भी एक तार्किक पृष्ठिभूमि मे भूगोल समाजिक और राजनैतिक कार्यक्षेत्र होने से निर्वाचन सम्बन्धी प्रक्रिया का अध्ययन करता है निर्वाचन भूगोल कहलाता है। (प्रेस काट Precott)।

निर्वाचन मानचित्र कार्यों की प्रादेशिक विभिन्नता को प्रकट करता है जिसमे लोग सामान्यत निरपेक्ष विषय वस्तु पर विचार प्रकट करते है निश्चित दशाओ के

अन्तर्गत चुनाव (निर्वाचन) अध्ययन राजनीतिक भूगोल मे खोज के लिए प्रारम्भिक विन्दु हो सकता है राज्य के प्रोदशिक विभाजन प्रस्तुत करने के सिद्धान्त के द्वारा स्पष्ट रूप से निर्वाचन भूगोल का मुख्य योगदान प्रादेशिक और राज्य के राजनीतिक भूगोल से ही (HORT SHONE 1950)।

स्पष्ट है कि निर्वाचन भूगोल राजनीतिक भूगोल की वह शाखा है जो निश्चित भौगोलिक परिस्थितियो की परिसीमा मे चुनाव का अध्ययन करती है।

## निर्वाचन भूगोल के अध्ययन का विकास क्रम

निर्वाचन भूगोल को अन्य विज्ञानो की भॉति वर्तमान स्वरूप मे आने के लिए अनेक अवस्थाओ से गुजरना पडा। यूॅ तो निर्वाचन का इतिहास उतना ही पुराना है जितना की मानव जन्म का इतिहास किन्तु यह तब तक राजनीतिक भूगोल के साये मे पलता रहा जब कि एक महान पाश्चात्य भूगोल वेत्ता (Edward krehfied's) की नवीनतम विचारधारा निर्वाचन भूगोल के रूप मे उभर कर नही आ गयी। यह स्वार्णिम काल जो निर्वाचन भूगोल का जन्म काल माना जा सकता है वह सन 1885 है।

निर्वाचन भूगोल के अध्ययन का विकास निम्न चरणो मे हुआ–

(I) प्रारम्भिक काल (सन 1885 ई0 से 1916 ई0 तक)

(II) पूर्व मध्य काल (सन 1916 ई0 से 1940 ई0 तक)

(III) मध्यकाल (सन 1940 ई0 से 1960 ई0 तक)

(IV) उत्तर मध्यकाल (सन 1960 ई0 से 1980 ई0 तक)

(V) आधुनिक काल (सन 1980 ई0 से आज तक)

पाश्चात्य भूगोल वेत्ता (Edward krehfied's) एक ऐसा व्यक्तित्व था जिसने ब्रिटिश निर्वाचन प्रणाली के आधार पर निर्वाचन भूगोल की प्रथम विचारधारा प्रस्तुत की। जिसमे उन्होने निर्वाचन के परिणाम पर वातावरण का प्रभाव बताया तथा उन्होने मतदान प्रक्रिया मे क्षेत्रीय सगठन का सिद्धान्त स्थापित किया। इसके अतिरिक्त इस दिशा मे कार्य सेगफ्रेड (1913) और क्रेबहेल (1916) का रहा। 1916 मे क्रेबहेल ने ब्रिटेन के ससदीय चुनावो का विश्लेषण किया।

सन 1985 ई0 1916 तक एडवर्ड क्रीयफील्ड की परिकल्पना व्यवहार मे थी। बाद मे अनेक विद्वानो के द्वारा अनेक नवीन विचारो का प्रतिपादन हुआ। प्रसिद्ध समाजशास्त्री twart rice की राजनीति मे मात्रात्मक पद्धति की विचारधारा प्रमुख थी जिसमे उन्होने मतदान प्रक्रिया का वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। 1932 मे जे0 के0 राइट ने स0 रा0 अमेरिका के 1876 से 1928 तक के राष्ट्रपति चुनावो के परिणामो को मानचित्रो द्वारा अकित कर उनका विश्लेषण प्रस्तुत किया सन 1932 मे C O PAULLIM के द्वारा सयुक्त राज्य के ऐतिहासिक भूगोल का एटलस लेख मे मतदान परिणाम का मानचित्रीकरण किया गया। 1935 ई0 मे HAROLD GOSMELL के द्वारा मानचित्रीय साख्यिकीय का क्रमबद्ध विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। इसी समय शिकागो के F W OGBURN और J A JAFFE ने 1936 म निर्वाचन ओर स्वतन्त्र मतदाता के सम्बन्ध की व्याख्या प्रस्तुत करने का प्रयास किया। इस तरह 1940 ई0 तक मतदान प्रक्रिया विकसित हो चुकी थी।

1940 से 1960 ई0 के काल मे मतदान प्रक्रिया मे एक नवीन दृष्टिकोण का विकास हुआ। इस समय के अग्रदूत समाजशास्त्रीय थे जो यह मानते थे कि व्यक्तिगत व्यवहार (प्रक्रियाओ) की व्याख्या सामूहिक आकडो से नही की जा सकती है इसलिए वे राजनीतिक पक्षो की व्याख्या करने के लिए व्यक्तित्व पर

अधिक ध्यान देते थे तथा वातावरण का सयोजन भी करते थे। इस प्रकार के आकडो की इस तकनीकी पद्धति का नाम पैनल मैथड के नाम से जाना जाता है। द्वितीय महायुद्ध के बाद इस क्षेत्र मे अनेक महत्वपूर्ण कार्य हुए। महान विचारक F LAZARSFELD'S ने अपनी कृति The PEOPLE,S CHOICE (1948) मे उल्लेख किया कि लोगो की मतदान प्रक्रिया का चुनाव पूरी तरह से सामुदायिक वातावरण से प्रभावित हुए विना नही रहता। 1949 मे बी0 के0 डीन ने न्यूफाडण्डलैण्ड के निर्यावन आकडो का स्थानीय भौगोलिक स्वरूप प्रस्तुत किया। इसी समय रावर्ट एम0 क्रिस्टल महोदय ने चुनाव प्रक्रिया का विश्लेषण अपनी प्रसिद्ध कृति ज्योग्राफिकल रिव्यू (Geogrophical Review April 1952) मे किया तथा स्मिथ और हार्ट महोदय ने क्षेत्रीय विविधता का वास्तविक स्वरूप प्रस्तुत किया।

1960 से 1980 ई0 के दो दशको मे विद्वानो ने निर्वाचनो मे भौगोलिक अध्ययन ही प्रमुख आधार है इसे मानने से इन्कार कर दिया उन्होने भौगोलिक अध्ययन के साथ–साथ प्रक्रिया वातावरण सामाजिक बन्धन रीति रिवाज साक्षरता को भी आधार मानते हुए मात्रात्मक विधि का प्रयोग किया। इस प्रकार वास्तविक निर्वाचन भूगोल का विकास इन्ही दो दशका मे हुआ। प्रमुख अमेरिकन विचारक ROGER KASPERSON'S ने अपने प्रसिद्ध लेख "ON THE IMPACT OF NEGRO MIGRATION ON THE ELECTORAL GEOGRAPHY OF FLINT MICHIGM" (1965) मे जनसख्या के स्थानान्तरण का निर्वाचन प्रक्रिया से पडने वाले प्रभाव का अध्ययन किया इसी समय 1970 मे ROBERT NORRIS ने सर्वप्रथम भौगोलिक अध्ययन मे सर्वेक्षण अनुसधान विधि का उपयोग किया। KEVIN COX के द्वारा महानगरीय पद्धति तथा एडवार्ड वॉन और इजर द्वारा गणतन्त्रतीय मतदान प्रणाली अनेक नगरीय एव अर्धनगरीय प्रणालियो पर लेख

लिखे गये। STANLY D BRUMN के लेख "GEOGRAPHY AND POLITICS IN AMERICA' (1974) तथा ROBERT E NORRIS THE CANADIN RIVER SPLiT AN ANALYSIS OF VOTING IN OKLAHOMA (1974) से पता चलता है कि इस समय भूगोलवेत्ताओ ने निर्वाचन प्रक्रिया का अध्ययन व्यापक क्षेत्र मे किया।

1980 से आज तक के काल मे निर्वाचन भूगोल मे जो दोषपूर्ण तकनीक विद्यमान थी उसे लगभग समाप्त कर दिया गया है। राष्ट्रस्तर पर अध्ययन तो हो ही रहे हे किन्तु स्थानीय अध्ययन म भी जागरूकता आयी है। आज प्रक्रिया और व्यावहारिकता मे व्यापक परिवर्तन हुआ है। इस समय मत की नवीन पद्धति सुगम तकनीकी क्षेत्रीय प्रचार प्रक्रिया एव राजनीति प्रक्रियाओ को विधिवत क्रमबद्ध एव वैसानिक समालोचनात्मक रूप मे प्रस्तुत किया जा रहा है। 1980 से आज तक काल मे कतिपय भूगोल वेत्ता एव विद्वानो ने निर्वाचन भूगोल पर अपने सारगर्भित लेख प्रकाशित किये जैसे – R J JOHNSTON (1982) SHORT TERM ELECTORAL CHANGE IN ENGLAND ESTIMATE OF ITS SPATIAL VARIATION, M K SRIVASTAVA (1982) ELECTORAL GEOGRAPHY OF AN INDIAN STATE, SPACE-TIME SOCIOLOGICAL MODELS OF CONGRESS SUPPORT IN UTTAR PRADESH, P J TAYLER, S R MAHESHWARI, इत्यादि।

## भारत मे निर्वाचन सम्बन्धी अध्ययन

वीसवी सदी के उत्तरार्ध मे भूगोल की मात्रात्मक क्राति से निर्वाचन सम्बन्धी अध्ययन को महत्व दिया जाने लगा। क्योकि सत्तर के दशक मे अनेक सामाजिक राजनैतिक मानवीय समस्याओ का उदय हुआ। यद्यपि भारत मे इस प्रकार के अध्ययनो

का प्रारम्भ 1952 के प्रथम लोक सभा एव विधान सभा चुनाव के उपरान्त ही प्रारम्भ हो गया था। फिर भी यह कार्य नगण्य ही था। वास्तविक रूप से भारत मे 1970 के दशक से निर्वाचन सम्बन्धी कार्यो को महत्व दिया जाने लगा। निर्वाचन सम्बन्धी तथ्यो का यह विश्लेषण मात्र भूगोल मे ही नही अपितु समाजशास्त्र राजनीतिशास्त्र मनोविज्ञान जैसे विषयो मे भी हुआ। भूगोल मे निर्वाचन सम्बन्धी तथ्यो का विश्लेषण यद्यपि कलकत्ता विश्वविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय चण्डीगढ विश्वविद्यालय मे हुआ फिर भी वर्तमान समय मे निर्वाचन भूगोल के अध्ययन का केन्द्र इलाहाबाद विश्वविद्यालय है। इसका प्रमाण हाल के वर्षो मे प्रस्तुत शोध प्रबन्ध है। सिन्हा मनोरमा (1977) जे0सी0 शर्मा (1980) सिह सी0पी0 (1981) श्रीवास्तव एम0 के0 (1982) तिवारी विनोद कुमार (1982) विश्वास जै श्री (1984) सिह उमाशकर (1985) पाण्डेय राजकुमार–1985 श्रीवास्तव अशोक कुमार (1987) श्री वास्तव गिरजेश लाल (1987) दूबे बटुकनाथ (1988) खॉन शमशाद अहमद (1989) पाल अर्चना (1990) राम अजिन (1992) शाह तनवीर अहमद (1993)।

**अध्ययन का उद्देश्य** राजनीति भूगोल के अध्ययन मे निर्वाचन राजनीति एक आधार पक्ष है तथा समाज की वास्तविक मानसिकता का नियामक है। इसके अन्तर्गत न केवल वर्तमान निर्वाचन तन्त्र का बल्कि भूत भविष्य के निर्वाचन स्वरूप का वास्तविक अध्ययन सम्भव है। इसके अन्तर्गत मुख्य विषयो यथा निर्वाचन की समस्या निर्वाचको की समस्या निर्वाचन आयाम मतदान मतदान स्वरूप विभिन्न दल दलो का विचार एव घोषणा पत्र प्रतिनिधित्व निर्वाचन सुधार जनमत सग्रह जनमत का रूख निर्वाचन का सवैधानिक स्वरूप निर्वाचन कर्त्ताओ के अधिकार निर्वाचन की धार्मिक राजनैतिक आर्थिक चुनौतियॉ उनका समाधान सासदो विधायको के पक्ष मे पडने वाले मत के भौगोलिक सास्कृतिक प्रतिरूप को सम्मिलित किया गया है। उत्तर प्रदेश की राजनीति मे तीन लोकसभा एव

चौदह विधान सभा सदस्यो को चुनने वाला जनपद इलाहाबाद का विशेष महत्व है क्योकि जहॉ इस जनपद से राज्य की राजनीति प्रभावित है वही देश की राजनीति को भी इलाहाबाद जनपद प्रभावित करता है इस जनपद की भौगालिक सास्कृतिक आर्थिक राजनैतिक सामाजिक परिस्थितियो मे अत्यधिक विविधता है। अस्तु जनपद की जनता का मतदान के व्यवहार एव परिणाम पर क्या प्रभाव पडता है उसको अध्ययन मे विश्लेषित किया गया है। जनपद मे 1952 से 1991 तक क चुनाव परिणामो का विश्लेषण क्षत्रीय आधार पर मानचित्रो के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। इस प्रस्तुतीकरण का उद्देश्य जनता के व्यावहारिक मतदान रूपो को क्रमबद्ध ढग से निरूपित करना है। इस उद्देश्य के साथ की ये मानचित्र चुनाव आयोग सरकार राजनीतिक दल एव जन सामान्य के लिए उपयोगी होगे। इसके अन्तर्गत न केवल वर्तमान का अपितु भावी स्वरूप के आकलन को लेकर सरकार राजनीतिक दल राजनेता के सामने निर्वाचन क्षेत्रो की समस्याये क्या है उनको क्रमबद्ध ढग से रेखाकित किया गया है साथ ही 1952 से अब तक चुनाव मे मतदान व्यवहार के कौन से कारक किस वर्ष अधिक प्रभावी थे उनके प्रभावी होने का क्या कारण था को तर्क के द्वारा सैद्धान्तिक रूप मे विश्लेषित किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन मे इस तथ्य का भी ध्यान रखा गया है कि किन–किन निर्वाचन वर्षो मे कौन–कौन से वातावरणीय तत्व किस रूप मे मतदाताओ को प्रभावित किये है उसको क्रमबद्ध ढग से विवेचित करने का तर्क सगत प्रयास किया गया है। साथ ही विभिन्न राष्ट्रीय राज्य स्तरीय एव क्षेत्रीय दलो की वास्तविक स्थिति को अनेक रूपो मे प्रस्तुत किया गया है।

## सकल्पना

भौगोलिक अध्ययन 1960 ई0 के पूर्व वर्णन प्रधान था। परम्परागत एव क्षेत्रीय विषमता की सकल्पना से भूगोल के प्रत्येक क्षेत्र मे अतिरजित वर्णन की

प्रधानता थी। सिद्धान्तो के प्रतिपादन का सर्वथा अभाव था। 1960 1970 1980 1990 के इन चार दशको मे भूगोल मे विभिन्न अभिनव प्रवृत्तियो जैसे स्थानीयकरण सम्बन्धी नियम एव तथ्यात्मक प्रक्रियाओ की व्याख्या होने लगी। जैसा कि निश्चित है कि आदर्श सकल्पना के द्वारा किसी विषय का वास्तविक निर्धारण होता है। निर्वाचन से सम्बन्धित अध्ययन प्रारम्भ म राजनीति शास्त्र समाजशास्त्र जैसे विषयो मे होते आये है विगत 35 वर्षो से इसका अध्ययन निर्वाचन भूगोल के अन्तर्गत प्रारम्भ हो गया। प्रस्तुत शोध प्रबन्ध की सकल्पना का निर्धारण प्रारम्भ से अन्त तक के अध्ययनो के सहारे हो सका। इस शोध प्रबन्ध मे निर्वाचन के विभिन्न तथ्यो यथा निर्वाचन का उद्भव निर्वाचन पृष्ठभूमि अवस्थिति निर्धारण चुनावी राजनीति एव मतदान व्यवहार मानचित्रीकरण एव चरो का सम्बन्ध क्रमबद्ध ढग से प्रस्तुत किया गया है। निर्वाचन की विशिष्टता का प्रकटीकरण केवल सैद्धान्तिक दृष्टि से ही नही अपितु व्यावहारिक दृष्टि से भी किया गया है साथ मे ऐसे प्रभावकारी तत्वो या घटनाओ का विश्लेषण भी है जो निर्वाचन पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालत हे। प्रस्तुत शोध प्रबन्ध मे विवरण को जितना महत्त्व दिया गया है उतना ही महत्त्व विवेचन की क्रमबद्धता स्पष्टता एव तार्किकता को भी।

शोध प्रबन्ध मे निगमनात्मक उपागम (सिद्धान्तो को विशिष्ट परिस्थितियो मे कार्यान्वित कर उनके परिणामो को देखना) के माध्यम से प्रत्यक्ष आधार पर प्राप्त सामाजिक राजनैतिक आर्थिक आकडो का विश्लेषण किया गया है। चरो के एकल एव मिश्रित प्रभावो का विश्लेषण व्यावहारिक उपागम के माध्यम से प्रस्तुत है। निर्वाचन परिणामो पर क्षेत्रीय समस्याओ आर्थिक सामाजिक वर्गवाद जातिवाद सम्प्रदायवाद का कैसा प्रभाव रहा उसे साख्यिकीय विश्लेषण के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। इन तत्वो के अतिरिक्त साख्यिकीय विश्लेषण एव प्रक्रियात्मक विवेचन की विधि बडे पैमाने पर अपनायी गयी है। अध्ययन मे दलो

की दलगत राजनीति दलो की प्रगाढता दलो के विजित एव पराजित होने का परिस्थिति को व्यावहारिक माध्यम से विवेचित किया गया है।

## विधितन्त्रात्मक औचित्य

विधितन्त्र का तात्पर्य विश्लेषण की विधि (TECHNIQUF OF ANAI YSIS) नही अपितु विषय की सम्पूर्ण विज्ञान के सन्दर्भ मे क्या **स्थिति एव महत्त** है अर्थात वास्तविकता के आकलन मे सकल्पनात्मक स्तर पर इसका क्या विशिष्ट स्थान एव योगदान है इसकी समीक्षा से है।

जैसा कि जानते है निर्वाचन भूगोल राजनीति भूगोल की एक प्रमुख शाखा है। जिसका प्रारम्भ अलग विज्ञान के रूप मे 1916 (क्रेसिल) की कृति से माना जाता है परन्तु विज्ञान की इस शाखा (निर्वाचन भूगोल) को प्रमुख स्थान 1971 के आस–पास प्राप्त हुआ जब इसमे व्यवहार परक अध्ययनो को प्राथमिकता दी जाने लगी। जिस देश मे दुनिया के सबसे विविध चरित्रो एव मान्यताओ वाले 47 5 कराड के लगभग मतदाता हो साथ ही राजनेतिक माहोल बेहद अनिश्चित हो मतदाता की आस्था मजबूत न हो राजनीति मे अपराधीकरण की प्रवृत्ति बढ रही हो नैतिक मूल्यो का तीव्र ह्रास हो रहा हो राजनैतिक विघटन की प्रक्रिया प्रारम्भ हो गयी हो जनतन्त्र की प्रवृत्ति का ह्रास हो रहा हो वहॉ निर्वाचन विज्ञान (भूगोल) का एक विषय के रूप मे महत्व बढ जाता है क्योकि निर्वाचन राजनीति को पर्यावरण का अध्ययन व्यावहारिक सैद्धान्तिक माध्यम से क्रमबद्ध ढग से एक अतिरिक्त विकसित विज्ञान मे ही हो सकता है। इस तथ्य को ध्यान मे रखकर 1971 के बाद राजनीति भूगोल के अन्तर्गत निर्वाचन भूगोल की इकाई का महत्व बढ गया जिससे अलग विज्ञान के रूप मे इसका विकास सम्भव हुआ इस विज्ञान मे अनेक ऐसे कार्य हो चुके है जिसके माध्यम से सामाजिक ढाचे की प्रवृत्तियो के

अध्ययन मे सुगमता आ गयी है। आज इस विज्ञान मे वैज्ञानिकतावाद तत्ववाद का पूर्ण समन्वय हो चुका है जिससे राजनीतिक व्यवस्था का सूक्ष्म परीक्षण करके उसकी विसगतियो पर प्रकाश डाला जा रहा है।

सक्षेप एव सरल शब्द्दो मे निर्वाचन भूगोल राजनैतिक स्वरूप प्रक्रिया सरचना के अध्ययन के साथ राजनैतिक मूल्यो मे गिरती प्रवृत्ति का व्यापक अध्ययन वर्णित विभिन्न आधारो पर प्रस्तुत करती है तथा भविष्य के राजनैतिक माहौल (व्यवस्था) का आकलन मात्रात्मक विश्लेषण से प्रस्तुत करती है। आज राज की निर्वाचन राजनीति मे साख्यिकीय विधियो का अधिक सक्षम एव विश्वासपूर्ण उपयोग हा रहा है। इनके प्रयोग से व्यापक एव सार्थक प्रश्न उठने लगे है जिनका समाधान सक्षमता एव नयी विधि (साख्यिकीय) से हो रहा है।

## उपागम एव विधि (ऐतिहासिक, क्षेत्रीय व्यावहारिक उपागम

उपागम एव विधि से अभिप्राय वास्तविकता को जानने के लिए समस्याओ या प्रश्नो मे प्रयुक्त कसौटिया है जिसके आधार पर विचार–विमर्श के लिए प्रश्न और आधार सामग्री लेने या छोडने का निर्णय किया जाता है। इसी उपागम का कार्य जब विचाराधीन विषय के बारे मे समस्याओ और आधार सामग्री के चुनाव से आगे निकल जाता है तब उसे सिद्धान्त कहा जाता है तब वही उपागम सिद्धान्त का रूप तो लेता है। निर्वाचन अध्ययन के भौगोलिक आयाम मे अभी तक निम्न उपागमो का प्रयोग किया गया है।

1) ऐतिहासिक उपागम

11) क्षेत्रीय उपागम या सूक्ष्म उपागम

111) क्रमबद्ध उपागम या व्यापक उपागम

iv) व्यावहारिक उपागम

ऐतिहासिक उपागम मे सम्पूर्ण राजनीतिक व्यवस्था का अध्ययन एतिहासिक परिप्रक्ष्य म किया जाता हे चूँकि वर्तमान अतीत का फल है अत इस अतीत के प्रकाश मे ही समझा जा सकता है। इसके अन्तर्गत यह विचार किया जाता है कि राजनीतिक सस्थाओ का राजनीतिक व्यवस्था का विकास क्यो और कैसे हुआ अतीत मे इसका क्या स्वरूप था।

क्षेत्रीय उपागम की विधि निर्वाचन भूगोल मे एक सूक्ष्म अध्ययन के रूप मे प्रस्तुत की जाती है। इसके अन्तर्गत भौतिक तथा सामाजिक और मतदान प्रतिरूप के मध्य निहित सह–सम्बन्ध को सूक्ष्म अध्ययन के उपरान्त व्यक्त किया जाता है। इस उपागम के द्वारा छॉटे गये प्रश्नो मे पूर्व–निर्धारित कसौटी के आधार पर समॉग गुण प्राप्त होते है। इसमे मानचित्रीय तथ्यो का प्रयोग अधिक होता है। इस दिशा मे सेगफ्रेड (1913 1949) मैकार्टी (1960) मोसर और स्कार्ट (1961) राबटर्स (1965) बून (1970) तथा प्रेस काट (1972) का कार्य उल्लेखनीय है।

क्रमबद्ध उपागम या व्यापक उपागम जिसे "TOPICAL APPROACH" भी कहा जाता है। इस उपागम के अन्तर्गत ससार के देशो के निर्वाचन पद्धति का अध्ययन व्यापक पैमाने पर किया जाता है इसके अन्तर्गत विभिन्न क्षेत्रो की जनसख्या का स्थानान्तरण जनसख्या और जलवायु जनसख्या और भू–आकृति जनसख्या और अधिवास तथा वैज्ञानिकी–करण आदि का चुनाव प्रक्रिया पर होने वाले प्रभाव का व्यापक अध्ययन सम्मिलित है साथ ही तकनीकी एव प्रचार माध्यमो का भी अध्ययन इस विधि के अन्तर्गत व्यापक रूप से किया जाता है। इसकी प्रमुख विशेषता यह है कि इसके अलग–अलग लक्षणो का अध्ययन क्रमबद्ध ढग से किया जाता है।

व्यावहारिक उपागम निर्वाचन राजनीति का सहचर है क्योकि यह इससे इतना अधिक जुडा है कि यह विश्लेषण की एक महत्वपूर्ण इकाई हो गयी है। इसम यह जानने की कोशिश की जाती है कि व्यक्ति का आचरण या व्यवहार कैसा है कौन सा तत्व उसे प्रभावित कर रहा है और वह किस प्रकार निर्वाचन–प्रक्रिया को प्रभावित करता है। डेविड ट्र मैन के अनुसार– व्यवहारवादी उपागम से अभिप्राय है कि अनुसधान क्रमबद्ध हो तथा अनुभवात्मक तरीको का प्रयोग किया जाए।

निर्वाचन राजनीति का अन्तरग समझने के लिए मानव व्यवहार वातावरण एव मतदान सम्बन्ध का अध्ययन नये तरीके से किया जाता है यह तरीका कोई विधि नही है। अपितु विभिन्न विधियो एव मॉडलो का समायोजन है। इसी के आधार पर यह पता लगाया जाता है कि भारत मे धार्मिक आधार पर किन–किन दलो का निर्माण हुआ है तथा चुनाव मे समर्थन और मत प्राप्त करने मे क्या धर्म का सहारा लिया जाता ह। निर्वाचन म वर्ग सम्प्रदाय जाति सम्पत्ति व्यक्तिगत प्रभाव और क्षेत्रीयता की भूमिका का स्पष्टीकरण भी इन अध्ययनो से होता है। किन्तु इस उपागम के द्वारा विस्तृत क्षेत्र का अध्ययन सम्भव नही हो पाता है। मानचित्रण भी कठिन होता है। जब कि निर्वाचन भूगोल जैसे विषय मे मानचित्रण एक परम्परागत उपागम है। इसके उपरान्त भी यह उपागम निर्वाचन राजनीति की समस्याओ को समझाने मे हद तक सफल है इसलिए अधिकतर भूगोलविद इस उपागम का प्रयोग अधिक करते है। यह उपागम लघुक्षेत्रो के निर्वाचन व्यवहार को समझने मे अधिक सटीक प्रतीत होता है अस्तु इसका प्रयोग लघु क्षेत्रो के लिए समीचीन है।

## अध्ययन क्षेत्र परिचय

उत्तर प्रदेश के दक्षिण पूर्व क्षेत्र मे स्थित इलाहाबाद जनपद प्रस्तुत शोध प्रबन्ध का अध्ययन क्षेत्र है। जिसे पूर्व काल मे प्रयाग एव तीर्थराज नामो से भी
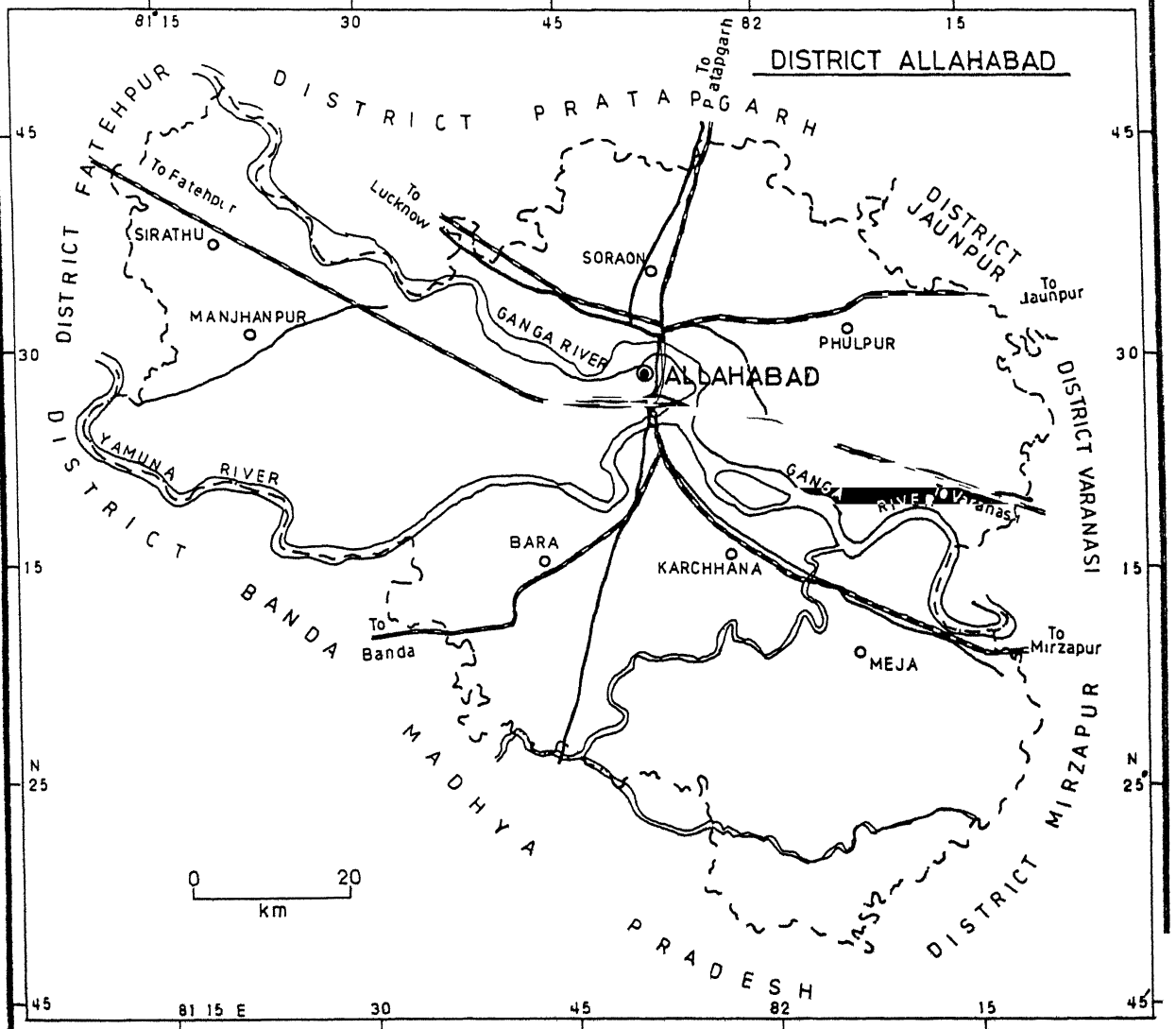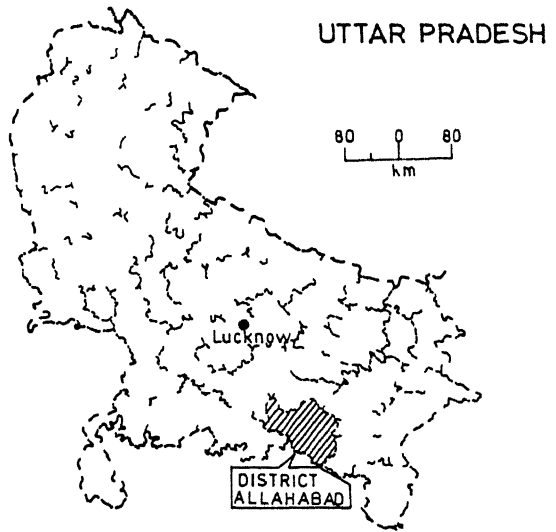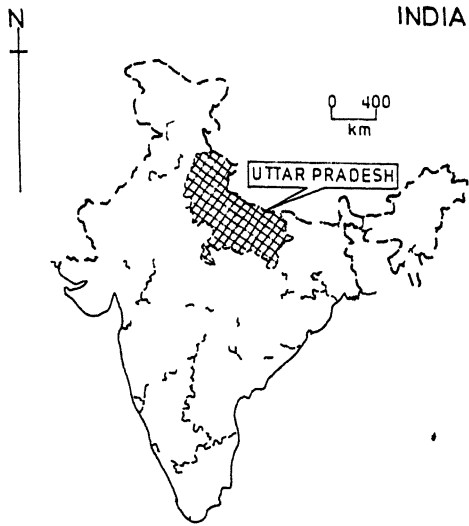
Fig 11 Location Map of Allahabad

अभिहित किया जाता था। ऐतिहासिक एव राजनैतिक दृष्टि स आज भी विशिष्टता को धारण किये गगा नदी के मैदानी भाग की मध्यवर्ती घाटी मे ($24^0$ 47' से $25^0$ 48' उत्तरी अक्षाश तथा $81^0$ 19' से $82^0$ 21' पूर्वी देशान्तर के मध्य) स्थित इस जनपद का क्षेत्रफल 7261 (सात हजार दो सौ इकसठ) वर्ग कि0 मी0 है। इलाहाबाद जनपद पूर्व मे वाराणसी पूर्वोत्तर मे जौनपुर पश्चिम मे फतेहपुर दक्षिण मे बॉदा एव मध्य प्रदेश राज्य का रीवा जनपद दक्षिण–पूर्व मे मिर्जापुर एव उत्तर मे प्रतापगढ जिले की सीमा का स्पर्श करती है। इलाहाबाद नगर जो कभी सयुक्त प्रान्त की राजधानी थी का विस्तार $25^0$ 31' उत्तर से $81^0$ 55' पश्चिम है। सागरतल से इलाहाबाद नगर की ऊँचाई (85 मीटर) है।

उत्तर प्रदेश राज्य के कुल क्षेत्रफल के 2 4 प्रतिशत भाग पर विस्तृत इलाहाबाद जनपद मे राज्य की कुल 4921313 (1991) जनता निवास करती है। जो राज्य की जनसख्या का (3 54 प्रतिशत) है तथा जनघनत्व 677 77 व्यक्ति प्रतिवर्ग कि0मी0 है। अधिकतम क्षेत्रफल तथा अधिकतम जनसख्या वाले जनपद इलाहाबाद को सिराथू, चायल सोराव फूलपुर हडिया बारा मेजा करछना मझनपुर नौ तहसीलो मे बॉटा गया है। यह उत्तर भारत का मुख्य प्रशासनिक आर्थिक सास्कृतिक एव राजनैतिक क्षेत्र है। अधिकाश जनता ग्रामीण है। सम्पूर्ण जिले मे 28 ब्लाक क्षेत्र 3953 गाव 2366 गाव सभाये तथा 344 न्याय पचायते है। यहॉ पर नगरीय आकारिकी का भी सम्यक विकास हुआ है एक महानगर एव 16 कस्बा क्षेत्र (टाऊन एरिया) स्थित है।

राज्य को जनसख्या के आधार पर प्राय समान निर्वाचन क्षेत्रो मे विभाजित किया जाता है। विभाजन इस प्रकार किया जाता है कि कम से कम 75 हजार जनसख्या का प्रतिनिधित्व एक विधान सभा सदस्य करे। इस विभाजन मे इलाहाबाद जनपद के तीन लोकसभा (फतेहपुर की खागा विधान सभा सीट को

मिलाकर) तथा 14 विधान सभा क्षेत्र आते है। जनपद की तीन लोकसभा सीटो (I) इलाहाबाद ससदीय क्षेत्र (II) फूलपुर ससदीय क्षेत्र (III) चायल ससदीय क्षेत्र मे विधान सभाओ का समायोजन इस प्रकार किया गया है–

इलाहाबाद ससदीय क्षेत्र मे मेजा करछना बारा इलाहाबाद उत्तरी तथा इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा क्षेत्र को सम्मिलित किया गया है। फूलपुर ससदीय क्षेत्र मे झूसी हडिया प्रतापपुर सोराव नवाबगज को सम्मिलित किया गया है। चायल ससदीय क्षेत्र मे इलाहाबाद पश्चिमी चायल मझनपुर सिराथू तथा फतहपुर जनपद की खागा विधान सभा क्षेत्र को सम्मिलित किया गया है। मेजा चायल मझनपुर सिराथू विधान सभा क्षेत्र अनुसूचित जाति के लोगो के लिए सवैधानिक नियमो के आधार पर आरक्षित किया गया है।

प्रशासनिक दृष्टि से नौ तहसीलो मे बॅटे इस जनपद मे निर्माण उद्योग लघु एव कुटीर उद्योगो की प्रधानता है तथापि इस जनपद का भाग्य अभी कृषि व्यवसाय से जुडा है एव अधिकाश क्षेत्र कृषित है। विगत दो दशको से जिले का औद्योगिक विकास तीव्र गति से हुआ है। लगभग प्रत्येक विकास खण्ड एव तहसीलो मे औद्योगिक इकाइयॉ विकसित हो रही है। जिसमे नैनी इन्डस्ट्रीयल काम्पलेक्स महत्वपूर्ण है। नैनी इन्डस्ट्रीयल काम्पलेक्स के अतिरिक्त फूलपुर औद्योगिक क्षेत्र मेजा औद्योगिक क्षेत्र भी तीव्रगति से विकास कर रहा है।

साक्षरता का लक्ष्य एक राष्ट्रीय पद्धति स्थापित करना होता है जिसमे समाज की सस्कृति का एकात्मक पक्ष तो प्रविष्ट होता ही है साथ मे प्रजातात्रिक उदात्त और धर्म निरपेक्ष समाज के आवश्यक मूल्य भी स्थापित होते है। साक्षर उस व्यक्ति को माना जाता है जो किसी भी एक भाषा मे लिख पढ सकता हो। साक्षर व्यक्ति के लिए यह आवश्यक नही है कि उसने विधिवत किसी विद्यालय मे

शिक्षा प्राप्त की हो या कोई परीक्षा उत्तीर्ण की हो। यह समाज के आर्थिक प्रतिरूपो नगरीकरण जीवनस्तर जातीय सरचना स्त्रियो की स्थिति शैक्षणिक सुविधाओ यातायात एव परिवहन तकनीकी आदि के वास्तविक विकास का सूचक है। जनपद इलाहाबाद के विभिन्न क्षेत्रो (तहसील स्तर) पर साक्षरता का विवरण इस प्रकार है – सर्वाधिक साक्षरता चायल (49 9 प्रतिशत) है। इसके उपरान्त क्रमश फूलपुर (30 56 प्रतिशत) करछना (29 62 प्रतिशत) बारा (29 34 प्रतिशत) सोराव (29 34 प्रतिशत) मेजा (29 03 प्रतिशत) हडिया (28 04 प्रतिशत) सिराथू (23 40 प्रतिशत) मझनपुर (21 43 प्रतिशत)। शोध प्रबन्ध मे साक्षरता के मूल्याकन से यह स्पष्ट है कि कम साक्षरता वाले क्षेत्रो मे राजनैतिक दल विभिन्न कल्पित आयामो के द्वारा जनता को अपने पक्ष मे कर लेते है तथा अवैध मत अधिक पडते है परन्तु अधिक साक्षरता वाले क्षेत्रो मे उन्हे अपने कार्यो का वास्तविक रूप जनता को दिखाना होता है।

मानव सभ्यता और सस्कृति के विकास मे धर्मो की बडी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वर्तमान मे धर्म का निर्वाचन राजनीति पर व्यापक प्रभाव है। विभिन्न क्षेत्रो मे धर्म को राजनीति का मोहरा बनाकर राजनीतिज्ञ निर्वाचन मे भाग लेते है अस्तु इस सन्दर्भ मे इलाहाबाद जनपद मे विभिन्न धर्मो की स्थिति का सक्षिप्त अवलोकन प्रस्तुत है। जनपद मे 86 72 प्रतिशत हिन्दू धर्म के लोग रहते है। इसके अतिरिक्त मुस्लिम 12 96 प्रतिशत क्रिश्चियन 0 18 प्रतिशत सिक्ख 0 06 प्रतिशत जैन 0 03 प्रतिशत तथा बौद्ध 0 01 प्रतिशत। मुस्लिम सम्प्रदाय की अधिकाश जनता नगरो कस्बो मे बसी है। इसलिए जनपदीय (जिला स्तर की) राजनीति मे इनका व्यापक प्रभाव है।

परिवहन तन्त्र क्षेत्रीय विकास को समझने का एक प्रत्यक्ष कारक नही है फिर भी इसके द्वारा किसी क्षेत्र का आर्थिक सामाजिक, राजनैतिक शैक्षणिक

विकास प्रभावित होता है। परिवहन तन्त्र क्षेत्र की भौगोलिक दशाओ से प्रभावित होते है इलाहाबाद जनपद एक समतल क्षेत्र है (कुछ क्षेत्रो को छोडकर)। यहॉ सडक एव रेल परिवहन का विकास सुगमता से हुआ है। विमान सेवा भी यहॉ उपलब्ध है। प्राचीन काल मे जनपद मे परिवहन के मुख्य साधन नदिया एव सडके थी उन्नीसवी शताब्दी मे यहॉ सडक तथा रेल परिवहन का पूर्ण विकास हुआ। इलाहाबाद जनपद पूर्व पश्चिम उत्तर दक्षिण चारो तरफ से ब्राड गेज (बडी लाइन) एव मीटर गेज (छोटी लाइन) से घिरा है। पूर्व मे वाराणसी जनपद पश्चिम मे फतेहपुर जनपद दक्षिण मे सतना एव उत्तर मे प्रतापगढ सीमावर्ती जिलो को इलाहाबाद जनपद रेल लाइनो से जोडता है। यहॉ से होकर अनेक तीव्रगामी गाडियॉ गुजरती है। यहॉ से गुजरने वाली रेलवे की मुख्य शाखाय इस प्रकार है–

1) दिल्ली से अलीगढ कानपुर इलाहाबाद मुगलसराय होती हुई वाराणसी।

11) इलाहाबाद से वाराणसी होती हुई गोरखपुर।

111) इलाहाबाद से भोपाल होते हुए इन्दौर।

1V) इलाहाबाद से वाराणसी होते हुए कलकत्ता आदि।

जनपद मे कम्प्यूटरीकृत आरक्षण होता है। यहॉ पर रेलवे भर्ती बोर्ड भी है। जिसका चेयरमैन यहॉ बैठता है जो नियुक्ति एव अन्य प्रशासकीय कार्य करता है। जनपद मे सडको का विकास विभिन्न पचवर्षीय योजनाओ के अन्तर्गत किया गया है। यहॉ से ग्रैड ट्रक रोड गुजरती है। इसके अलावा पडोसी जनपदो से भी पक्की सडक मार्गो से जनपद पूरी तरह जुडा हुआ है। इस तरह जनपद मे परिवहन की सुविधा आवश्यकता के अनुरूप परिलक्षित होती है।

विकास प्रभावित होता है। परिवहन तन्त्र क्षेत्र की भौगोलिक दशाओ से प्रभावित होते है इलाहाबाद जनपद एक समतल क्षेत्र है (कुछ क्षेत्रो को छोडकर)। यहॉ सडक एव रेल परिवहन का विकास सुगमता से हुआ है। विमान सेवा भी यहॉ उपलब्ध है। प्राचीन काल मे जनपद मे परिवहन के मुख्य साधन नदिया एव सडके थी उन्नीसवी शताब्दी मे यहॉ सडक तथा रेल परिवहन का पूर्ण विकास हुआ। इलाहाबाद जनपद पूर्व पश्चिम उत्तर दक्षिण चारो तरफ से ब्राड गेज (बडी लाइन) एव मीटर गेज (छोटी लाइन) से घिरा है। पूर्व मे वाराणसी जनपद पश्चिम मे फतेहपुर जनपद दक्षिण मे सतना एव उत्तर मे प्रतापगढ सीमावर्ती जिलो को इलाहाबाद जनपद रेल लाइनो से जोडता है। यहॉ से होकर अनेक तीव्रगामी गाडियॉ गुजरती है। यहॉ से गुजरने वाली रेलवे की मुख्य शाखाये इस प्रकार है–

i) दिल्ली से अलीगढ कानपुर इलाहाबाद मुगलसराय होती हुई वाराणसी।

ii) इलाहाबाद से वाराणसी होती हुई गोरखपुर।

iii) इलाहाबाद से भोपाल होते हुए इन्दौर।

iv) इलाहाबाद से वाराणसी होते हुए कलकत्ता आदि।

जनपद मे कम्प्यूटरीकृत आरक्षण होता है। यहॉ पर रेलवे भर्ती बोर्ड भी है। जिसका चेयरमैन यहॉ बैठता है जो नियुक्ति एव अन्य प्रशासकीय कार्य करता है। जनपद मे सडको का विकास विभिन्न पचवर्षीय योजनाओ के अन्तर्गत किया गया है। यहॉ से ग्रैड ट्रक रोड गुजरती है। इसके अलावा पडोसी जनपदो से भी पक्की सडक मार्गो से जनपद पूरी तरह जुडा हुआ है। इस तरह जनपद मे परिवहन की सुविधा आवश्यकता के अनुरूप परिलक्षित होती है।

## अध्ययन कार्य से सम्बन्धित समस्यॉए

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध को जिस रूप मे प्रस्तुत करने का विचार था जितना समय जितना कार्य आकडो के सकलन के लिए निर्धारित किया गया था वह समय पर पूर्ण न हो सका क्योकि कार्यालयो मे जाने पर पता चलता था कि आज कार्यालय का मुख्य अधिकारी बाहर गया है बिना उसकी अनुमति के आवश्यक जानकारी नही मिल पायेगी फलत मै लौट आता था। पुन दूसरे कार्यालय पहुॅचता तो कभी अधिकारी है तो सम्बन्धित विषय का कार्यालय सहायक छुट्टी पर है। इस तरह अनावश्यक समय एव धन की बर्बादी होती थी जिससे समय कुछ लम्बा खिच गया।

शोध कार्य को पूर्ण करने मे आने वाली कुछ मुख्य समस्याये प्रस्तुत है–

i) निर्वाचन आकडो का सम्बन्धित विभाग (जिला निर्वाचन कार्यालय) मे अव्यवस्थित रूप मे मिलना जिसको व्यवस्थित रूप मे लाने मे अनावश्यक समय की बर्बादी।

ii) कायालया मे ऐसे अविकारिया एव कर्मचारियो का मिलना जो जानकारी उपलब्ध कराने मे रूचि नही लेते।

iii) जिला जनगणना पुस्तिका एक स्थान पर उपलब्ध न होना जैसे 1952 की जिला जनगणना हस्तपुस्तिका सरकारी प्रेस मे नही मिली। कई पुस्तकालया मे तलासने के बाद उपलब्ध हो पायी।

iv) कार्यालयीन कर्मचारी का कार्य का बहाना बनाकर इधर–उधर चले जाना और फिर घटो बाद वापस आना इसके बाद भी कार्य का बहाना बनाकर फाइले इधर–उधर करते रहना।

v) मानचित्र के लिए कोई भी अधिकारी पटवारी समय पर न मिले फलत उन्हे तलाशने एव आवश्यक जानकारी प्राप्त करने मे अनावश्यक समय लगता था तथा मानसिक परेशानी भी होती थी।

उपरोक्त समस्यायो के अलावा ऐसी अनेक समस्याये सामने आयी जिनकी विवेचना समीचीन नही है। चक्का जाम कर्फ्यू या बीच मे स्थानीय अवकाश (जिसकी जानकारी शोधकर्ता को नही होती थी) पड जाने के कारण भी कार्यगति मे अवरोध उत्पन्न हो जाता था।

## अध्ययन कार्य की उपलब्धियॉ

इलाहाबाद जनपद के निर्वाचको का निर्वाचकीय सर्मथन विषय पर निर्वाचको की भूमिका उनका निर्वहन उनकी विशिष्ट विशेषताये उनके विभिन्न उत्तरदायी कारको का सुसगत क्रमबद्ध साख्यिकीय विवेचन एव विश्लेषण करन का यह एक प्रयास है।

इस अध्ययन मे शोधकार्य के सभी द्वितीयक ऑकडे विश्वसनीय एव प्रामाणिक स्रोतो से प्राप्त किये गये हे। जब कि प्राथमिक आकडे शोधकर्ता द्वारा स्वय काफी सावधानी से एकत्रित किये गये है। प्रयुक्त चर उनकी तालिकाए क्रमबद्ध ढग से एव सावधानी से तैयार की गयी है। राजनैतिक सामाजिक आर्थिक चरो को आवश्यकतानुसार ही समावेशित किया गया है। आवश्यक मानचित्र प्रमाणित स्रोतो से लिये गये है कुछ शोध कार्य मे प्रयुक्त आकडो पर आधारित है जो स्वय शोधकर्ता द्वारा तैयार किया गया है। आकडो एव मानचित्रो का विश्लेषण यहॉ के भौगोलिक राजनैतिक सामाजिक सास्कृतिक परिप्रेक्ष्य मे प्रस्तुत करने का प्रयास है। अत शोध कार्य के प्रस्तावित उद्देश्य को ध्यान मे रखते हुए प्रस्तुत अध्ययन को शोधकर्ता की उपलब्धि माना जा सकता है जिसकी उपयोगिता एव विश्वसनीयता पर सदेह की सम्भावना नही रह जाती।

द्वितीय अध्याय

# अध्ययन प्रक्रिया विश्लेषण

# 2 शोध योजना

वर्तमान मे राजनीतिक प्रक्रियाओ की वास्तविकता को परखन के लिए राजनीतिक व्यवस्था मे भाग लेने वाले समाजिक तत्वो मूल्यो एव दशाओ का महत्वपूर्ण स्थान है। सामाजिक परिवर्तन की वास्तविक स्थिति के द्वारा राजनैतिक परिवर्तन स्वत सम्भव होता है। अत सामाजिक परिवर्तन राजनीति को किस प्रकार प्रभावित करते है इसका विवेचन आसानी से किया जा सकता है। प्रस्तुत शोध मे विषय वस्तु को ध्यान मे रखकर द्वितीय प्रकार के आकडो को प्रयोग म लाया गया है। सामाजिक एव निर्वाचन सम्बन्धी प्रमुख आकडो के द्वारा समस्या क विश्लेषण मे जिन विधियो का प्रयोग हुआ है उनका वर्णन प्रस्तुत अध्याय मे किया जा रहा है। प्रस्तुत अध्ययन को निम्न भागो मे विभाजित कर विश्लेषण किया गया हे। प्रथम भाग मे आकडो के सकलन एव स्रोतो का विवेचन है। द्वितीय भाग मे आकडो का शुद्धिकरण आकडा सम्बनधी समस्या तथा उनका समाधान प्रस्तुत किया गया है। तृतीय भाग मे आकडो का पूर्व नियोजन कर आकडो की विसगति (कालिक इकाई विसगति) का विवेचन है। चतुर्थ भाग मे आकडो का साख्यिकीय (आर्थिक सामाजिक) विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। अन्तिम भाग मे मुख्य चरो का विश्लेषण मानचित्रण एव छायाचित्रण हेतु प्रयुक्त विधियो पर प्रकाश डाला गया है।

## ऑकडा सकलन एव श्रोत

**आकडो का सकलन** प्रस्तुत शोध प्रबन्ध मे दो प्रकार के आकडो का प्रयोग किया गया है। प्रथम निर्वाचन सम्बन्धी द्वितीय सामाजिक–आर्थिक परिस्थितियो से सम्बन्धित जो निर्वाचन व्यवहार के कारक के रूप मे सकलित हुए है। इस शोध प्रबन्ध मे प्रयुक्त समस्त आकडे प्रकाशित स्रोतो से लिये गये है। चरो

का चयन विशेष रूप से इस प्रकार किया गया है जिससे निर्वाचन व्यवहार एव निर्वाचको की सामाजिक विशिष्टताओ का गहन अध्ययन हो सके।

निर्वाचन सम्बन्धी आकडे विविध है किन्तु मुख्य रूप से निर्वाचन आकडो को दो वर्गो मे रखा जा सकता है। प्रथम वर्ग मे लोक सभा चुनाव से सम्बन्धित आकडे जो 1952 से अब तक प्राप्त है द्वितीय वर्ग मे विधान सभा से से सम्बन्धित आकडे जो 1952 से 1991 तक प्राप्त है।

सामाजिक आर्थिक तथ्यो से सम्बन्धित आकडो के विश्लेषण के लिए 15 चरो का प्रयोग किया गया है। उपरोक्त उपलब्ध आकडो द्वारा इलाहाबाद ससदीय क्षेत्रो के निर्वाचको की वास्तविक प्रवृत्तियो को समझने के लिए एक नवीनतम सदर्श का प्रयोग किया गया है। आकडो के आधार पर ही मानचित्र तैयार किये गये है जिनकी शुद्धता एव पूर्णता आकडो पर निर्भर है।

## आकडो के स्रोत

सामान्यत प्रकाशित आकडो को निम्न वर्गो मे रखा जा सकता है। प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय द्वितीय राष्ट्रीय प्रकाशन। प्रस्तुत अध्ययन मे राष्ट्रीय प्रकाशन एव साख्यिकीय सूचना केन्द्रो का सहारा मुख्य रूप से लिया गया है। चरो के स्रोतो का उल्लेख तालिका (2 1) मे प्रस्तुत है–

तालिका (2 1)

### चर सूची

| क्रम सख्या | चर | स्रोत |
|---|---|---|
| (क) | **निर्वाचन आकडे** | केन्द्र |

| 1) | प्रथम लोकसभा मतदान– | 1952 | निर्वाचन आयोग रिपोर्ट |
|---|---|---|---|
| 2) | द्वितीय लोकसभा मतदान– | 1957 | निर्वाचन आयोग रिपोर्ट |
| 3) | तृतीय लोकसभा मतदान– | 1962 | निर्वाचन आयोग रिपोर्ट |
| 4) | चतुर्थ लोकसभा मतदान– | 1967 | निर्वाचन आयोग रिपोर्ट |
| 5) | पचम लोकसभा मतदान– | 1971 | निर्वाचन आयोग रिपोर्ट |
| 6) | षष्टम लोकसभा मतदान– | 1977 | निर्वाचन आयोग रिपोर्ट |
| 7) | सप्तम लोकसभा मतदान– | 1980 | निर्वाचन आयोग रिपोर्ट |
| 8) | अष्टम लोकसभा मतदान– | 1985 | निर्वाचन आयोग रिपोर्ट |
| 9) | नवम लोकसभा मतदान– | 1981 | निर्वाचन आयोग रिपोर्ट |
| 10) | दशम लोकसभा मतदान– | 1991 | निर्वाचन आयोग रिपोर्ट |
| 11) | प्रथम विधान सभा मतदान– | 1952 | निर्वाचन आयोग रिपोर्ट |
| 12) | द्वितीय विधान सभा मतदान | 1957 | निर्वाचन आयोग रिपोर्ट |
| 13) | तृतीय विधान सभा मतदान– | 1962 | निर्वाचन आयोग रिपोर्ट |
| 14) | चतुर्थ विधान सभा मतदान– | 1967 | निर्वाचन आयोग रिपोर्ट |
| 15) | पचम विधान सभा मतदान– | 1974 | निर्वाचन आयोग रिपोर्ट |
| 16) | षष्टम विधान सभा मतदान– | 1977 | निर्वाचन आयोग रिपोर्ट |
| 17) | सप्तम विधान सभा मतदान– | 1980 | निर्वाचन आयोग रिपोर्ट |
| 18) | अष्टम विधान सभा मतदान– | 1985 | निर्वाचन आयोग रिपोर्ट |

| 19) | नवम विधान सभा मतदान– | 1989 | निर्वाचन आयोग रिपोर्ट |
|---|---|---|---|
| 20) | दशम विधान सभा मतदान– | 1991 | निर्वाचन आयोग रिपोर्ट |
| (ख) | **सामाजिक आर्थिक चर** | | |
| 1) | सामाजिक आर्थिक आकडे | 1951 | जनपद गजेटियर भारतीय जनगणना रिर्पोट |
| 2) | सामाजिक आर्थिक आकडे | 1961 | " |
| 3) | सामाजिक आर्थिक आकडे | 1971 | " |
| 4) | सामाजिक आर्थिक आकडे | 1981 | " |
| 5) | सामाजिक आर्थिक आकडे | 1991 | " |
| समस्त आकडे प्रतिशत मे सगणित कर प्रयोग मे लाये गये है | | | |

# आकडो का शुद्धीकरण

अध्ययन की विषयवस्तु को देखते हुए इलाहाबाद जिले की लोकसभा एव विधानसभा के मतदान सर्मथन को जानने के लिए द्वितीयक स्रोत के आकडे प्रयोग मे लाये गये है। ये आकडे शुद्धता की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ और उपयुक्त होते है। इसलिए इसमे विशेष शुद्धीकरण की आवश्यकता नही समझी गयी। निर्वाचन आकडो का एकीकरण क्रमिक रूप से किया गया तथा सामाजिक–आर्थिक आकडो का भी एकीकरण किया गया। एकीकरण के उपरान्त आकडो को एक मापक पर लाकर उनका प्रभाव देखा गया जिसका विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। मूल रूप से निर्वाचन आकडे निर्वाचन आयोग से प्राप्त है तथा सामाजिक–आर्थिक आकडे भारतीय जनगणना रिपोर्ट पर आधारित है। अत ये पूर्णत शुद्ध है।

# आकडा सम्बन्धी समस्या एव समाधान

आकडो को चूकि विभिन्न स्रोतो से प्राप्त किया गया इसलिए उसम कालिक विसगति इकाई विसगति स्थानिक विसगति का पाया जाना स्वाभाविक है। इनकी समस्या एव समाधान निम्न रूप मे प्रस्तुत है।

## कालिक विसगति

निर्वाचन सम्बन्धी आकडे वर्ष 1952 1957 1962 1967 1974 1977 1980 1985 1989 1991 के लिए एकत्रित किये गये जब कि सामाजिक आर्थिक आकडे जिन पर निर्वाचन व्यवहार व्याख्येय है 1951 61 71 81 91 से प्राप्त किये गये हे। फलस्वरूप जनगणना और निर्वाचन वर्ष मे सामजस्य का अभाव है स्पष्ट है कि दोनो के वर्षो मे कालिक विसगति व्याप्त है। इन आकडो को प्रतिशत मे लाकर एक मूल्य पर स्थापित किया गया।

## ईकाई विसगति

निर्वाचन सम्बन्धी आकडे निर्वाचन क्षेत्रानुसार (लोकसभा विधान सभा) तथा जनगणना सम्बन्धी आकडे तहसील स्तर पर प्राप्त है। दोनो आकडो के मध्य सामजस्य स्थापित करने के लिए रैखिक अन्तर्वेशन विधि (1969 पृष्ठ—110) का प्रयोग किया गया है। अन्तर्वेशन विधि द्वारा उसे निर्वाचन क्षेत्र की इकाई पर लाया गया है।

## स्थानिक विसगति

औसत उच्चता विधि के अनुसार लोकसभा क्षेत्र एव विधान सभा क्षत्र के आकडो को तहसील स्तर पर स्थानान्तरित किया गया। इसमे सर्वप्रथम मानचित्र
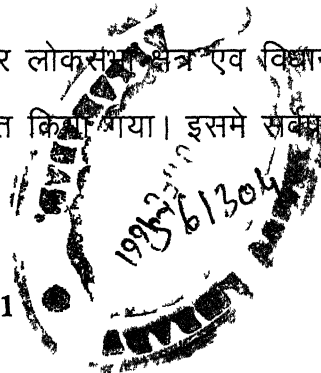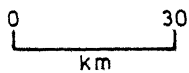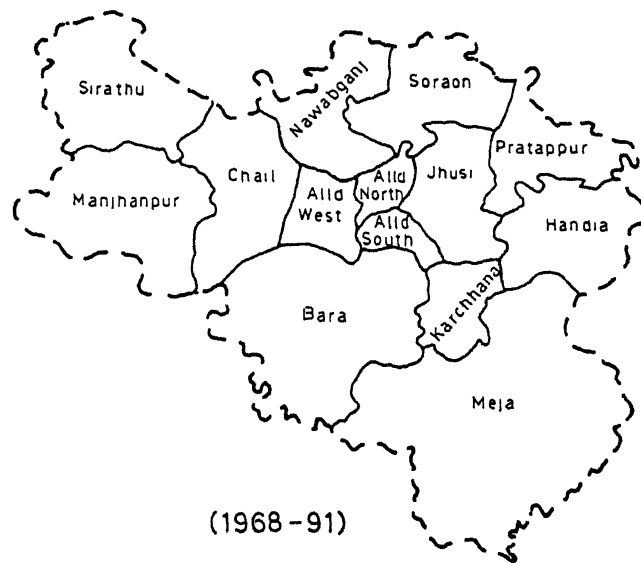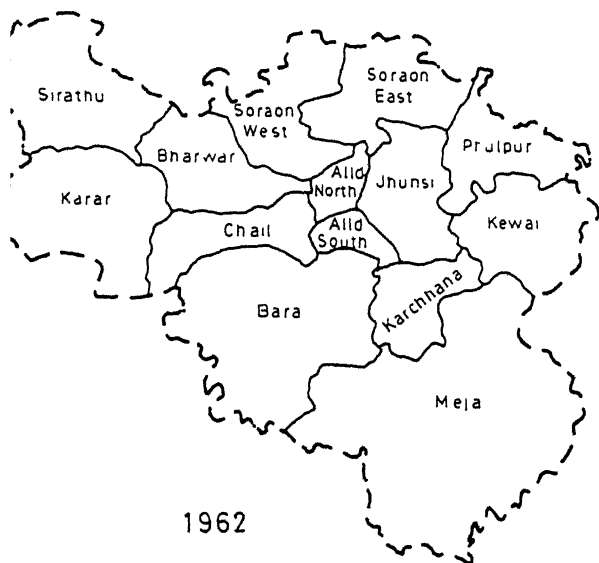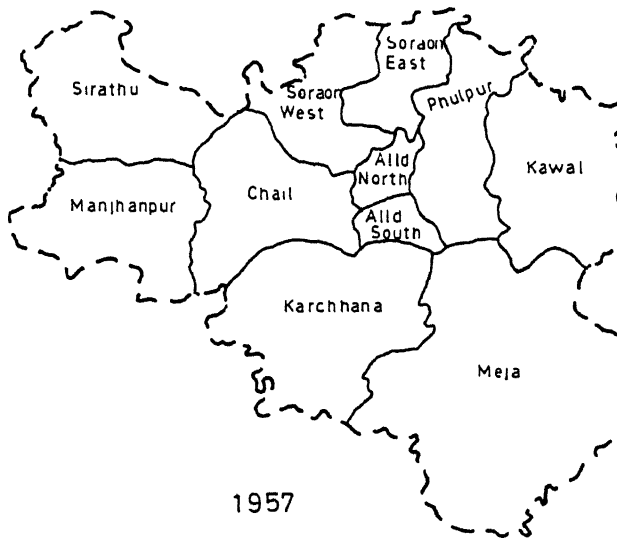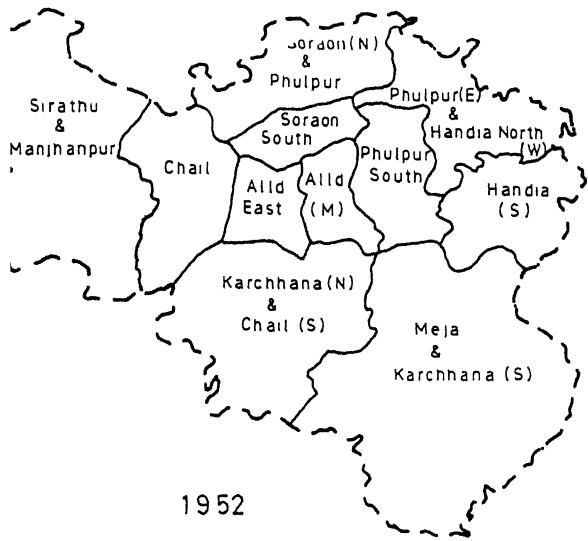
g 2 1 Electoral Data Unit Vidhan Sabha Constituency(1952-91
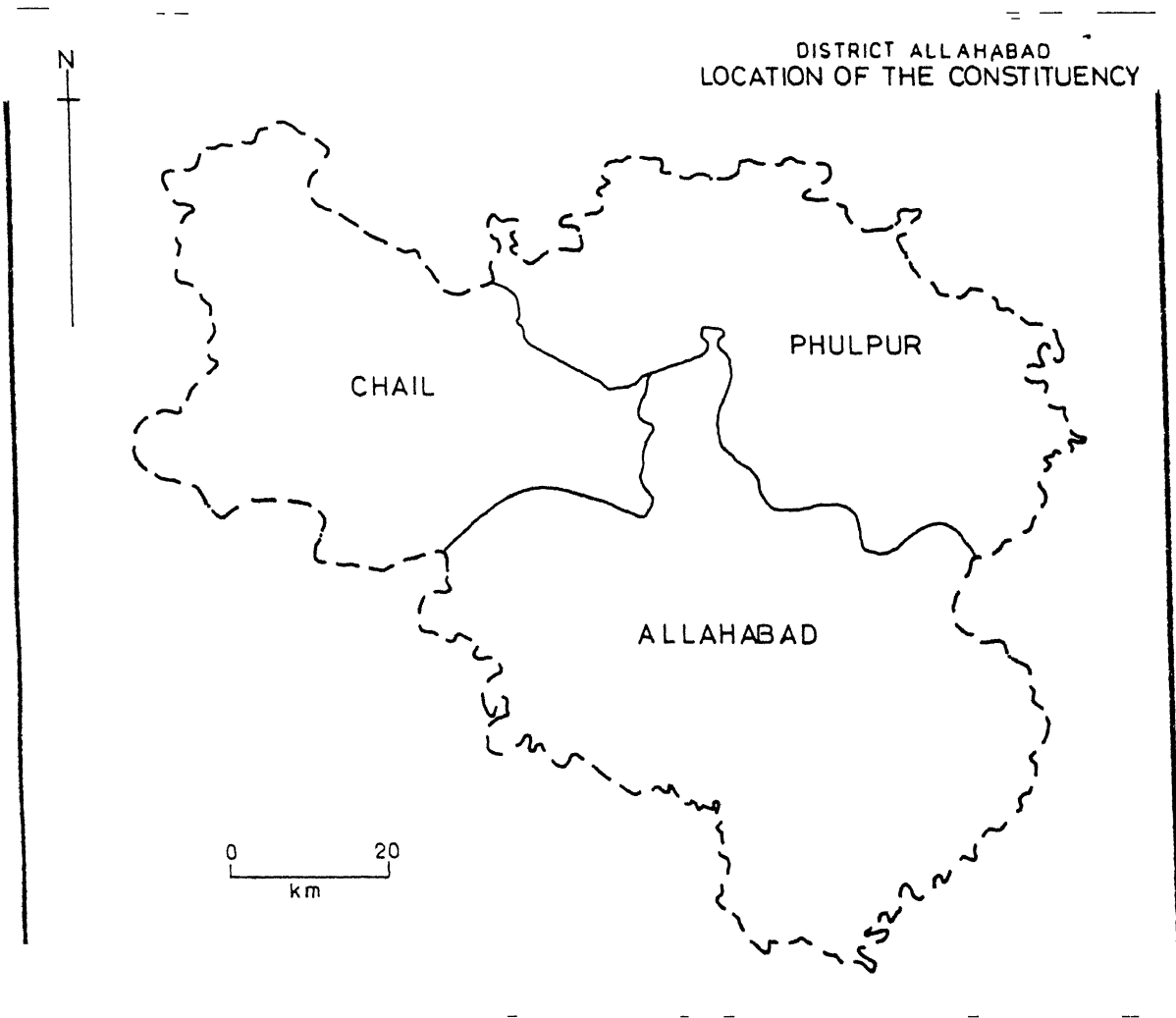
Fig 2 2 Electoral Data Unit (LOKE SABHA CONTITUENCIES)

(निर्वाचन एव तहसील) को एक मानक पर लाया गया। इच्छित बिन्दुओ के लिए आकडे उत्पन्न किय गये इससे समस्या का निदान हुआ और व्याख्यार्थ आकडे प्रयोग मे लाये गये। आकडो की स्थानिक विषमता निम्न तालिकाओ क्रमश 22 23 24 से स्पष्ट है।

### तालिका 22

## लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र

| क्रमाक | 1952 | 1957 | 1962 |
|---|---|---|---|
| 1 | इलाहाबाद जिला पश्चिमी लोकसभा क्षेत्र | 1 इलाहाबाद लोक सभा क्षेत्र | 1 इलाहावाद लोक सभा क्षेत्र |
| 2 | इलाहाबाद जिला (पूर्वी + जौनपुर) लोकसभा क्षेत्र | 2 फूलपुर लोकसभा क्षेत्र | 2 चायल लोकसभा क्षेत्र<br>3 फूलपुर लोकसभा क्षेत्र |
| **नोट**—1962 के बाद आज तक इलाहाबाद जिले मे तीन लोक सभा क्षेत्र है। | | | |

### तालिका 22

## विधानसभा क्षेत्र

| वर्ष क्र0 | 1952 विधानसभा क्षेत्र | 1952 विधानसभा क्षेत्र | 1952 विधानसभा क्षेत्र | 1952 विधानसभा क्षेत्र | 1952 विधानसभा क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| 1) | मेजा (करक्षना सम्मिलित क्षेत्र) दक्षिण | मेजा | मेजा | मेजा | मेजा |
| 2) | करछना उत्तरी एव चायल दक्षिणी | करछना | करछना | करछना | करछना |
| 3) | सोराव उत्तर एव फूलपुर पश्चि0 | सोराव पश्चि0 | सोराव पश्चि0 | सोराव | सोराव |
| 4) | सोराव दक्षिण | सोराव पूरब | सोराव पूरब | प्रतापपुर | प्रतापपुर |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 5) | फूलपुर मध्य | फूलपुर | फूलपुर | बहादुरपुर | प्रतापपुर |
| 6) | फूलपुर पूर्व एव हडिया उत्तर पश्चिम | केवाई | केवाई | हडिया | हडिया |
| 7) | हडिया दक्षिण | चायल | चायल | चायल | चायल |
| 8) | सिराथू एव मझनपुर | मझनपुर | झूसी | इलाहाबाद दाक्षीण | झूसी |
| 9) | इलाहाबाद शहर पूर्व | इलाहाबाद शहर उत्तरी | इलाहाबाद शहर उत्तरी | इलाहाबाद शहर उत्तरी | इलाहाबाद शहर उत्तरी |
| 10) | इलाहाबाद शहर मध्य | इलाहाबाद दाक्षीणी | इलाहाबाद शहर दक्षिण | इलाहाबाद पश्चिम | इलाहाबाद दाक्षीणी |
| 11) | चायल उत्तर | ------- | भरवारी | मझनपुर | मझनपुर |
| 12) | ------- | ------- | करारी | कोरिधर | नवाबगज |
| 13) | ------- | ------- | सिराथू | सिराथू | सिराथू |
| 14) | ------- | ------- | बारा | बारा | बारा |
| नोट – 1974 के बाद आज तक विधानसभाओ की सीमाओ तथा क्षेत्रो के नाम मे कोई परिवर्तन नही हुआ। | | | | | |

**तालिका 24**

## इलाहाबाद जिले की तहसीले

| वर्ष क्रमाक | 1981 | 1991 |
|---|---|---|
| 1 | सिराथू | सिराथू |
| 2 | चायल | चायल |
| 3 | सोराव | सोराव |
| 4 | फूलपुर | फूलपुर |
| 5 | हडिया | हडिया |
| 6 | मेजा | बारा |
| 7 | करछना | मेजा |
| 8 | मझनपुर | करछना |
| 9 | ----------- | मझनपुर |
| नोट – 1951 से 1981 तक 8 तहसीले थी 1991 मे 9 तहसीले हो गयी। | | |
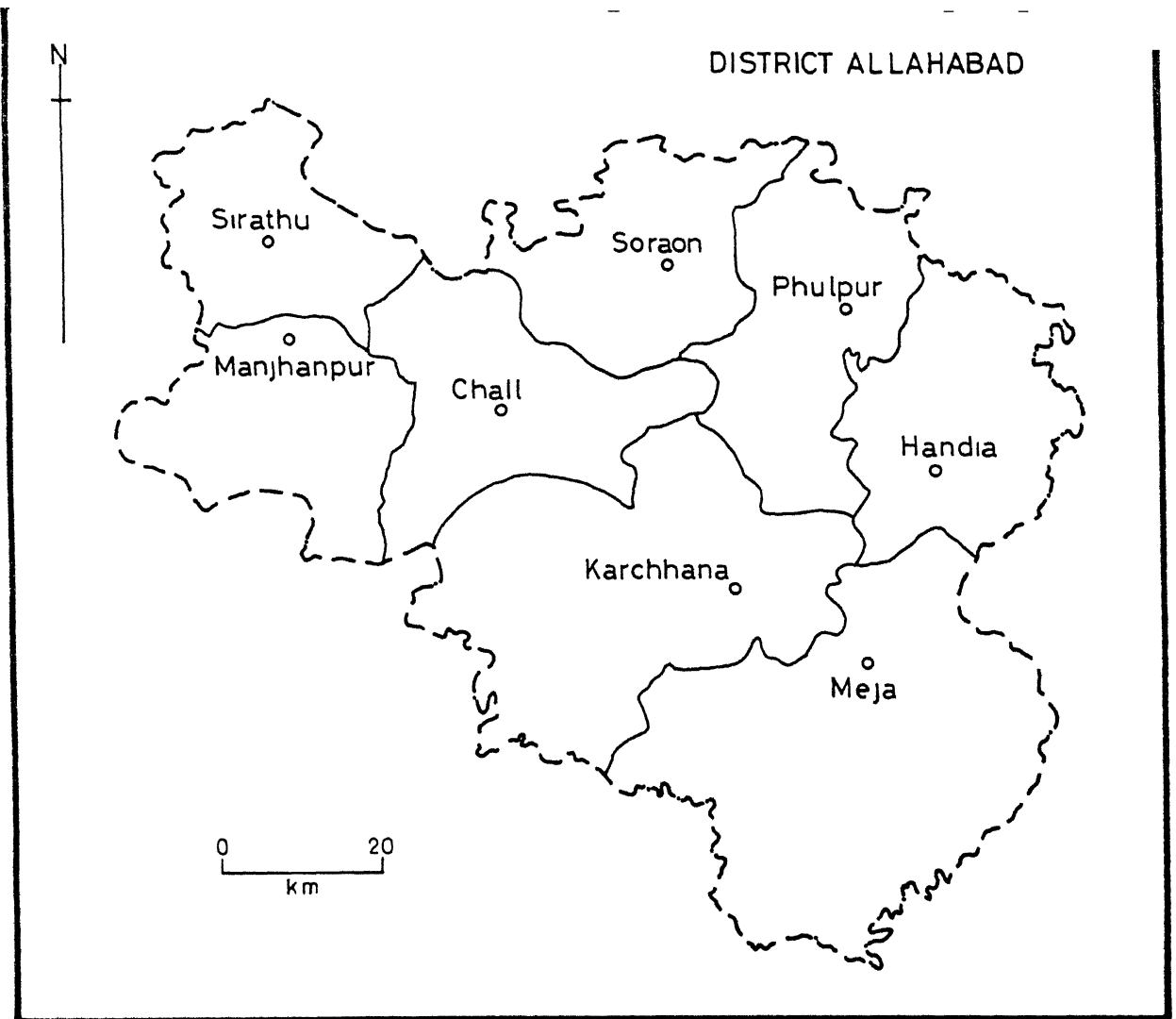
Fig 2 3 Social Data Unit (TAHSILS)

## 2 6 1 आकडो का साख्यिकीय विश्लेषण

शोध अध्ययन के विस्तृत और क्रमिक विश्लेषण के लिए निर्वाचन–व्यवहार से सम्बन्धित कई बिन्दु लिये गये है। इसमे कुल मतदान वैध मतदान अवैध मतदान विजयी पाटी को प्राप्त मत द्वितीय पार्टी को प्राप्त मत। विभिन्न दल क्रमश काग्रेस (I) भा0 ज0 पा0 लोकदल जनता दल ब0 स0 पार्टी को प्राप्त मत अन्य दलो को प्राप्त सम्मिलित किया गया है। इन मतो का विश्लेषण इस प्रकार प्रस्तुत किया गया है–

### 2 6 1 1 वितरण विश्लेषण

इलाहाबाद जनपद मे निर्वाचको के वितरण काग्रेस मत मतदान का वितरण काग्रेस मत का वितरण भारतीय जनता पार्टी का वितरण लोकदल मत का वितरण कम्युनिस्ट पार्टी का मत एव विभिन्न वर्षो मे अन्य दलो के मतो के वितरण को भौगोलिक अध्ययन के लिए अवस्थितिकी विश्लेषण हेतु विभिन्न साख्यिकीय विधिया का प्रयाग करके निम्नलिखित रूप म वितरण विश्लषण प्रस्तुत किया गया है।

#### 2 6 1 1 1 वास्तविक वितरण

वितरण प्रस्तुत करने के लिए सर्वप्रथम इलाहाबाद जनपद मे कुल मतदान काग्रेस मत भा0 ज0 पार्टी मत लोकदल मत जनता दल मत ब0 स0 पा0 मत एव अन्य पार्टियो के मतो का वितरण प्रतिशत (%) रूप और मानक लब्धि के रूप मे निर्वाचन क्षेत्रानुसार मानचित्रित किया गया है। तथा उसके निरपेक्ष वितरण को स्पष्ट किया गया है। निरपेक्ष वितरण पर प्रभावी कारको का प्रभाव तार्कित ढग से प्रस्तुत किया गया है।

## 2 6 1 1 2 सापेक्षिक वितरण

सापेक्षिक वितरण मे वितरण विश्लेषण के तथ्यो को सम्मिलित किया गया है। क्षेत्रीय सकेन्द्रण सूचकाक के माध्यम से यह विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। सम्पूर्ण क्षेत्र के औसत के द्वारा धनात्मक एव ऋणात्मक क्षेत्रो को प्रदर्शित किया गया है।

$$C = \frac{X}{X}$$

यहॉ C साद्रण X विभिन्न इकाइयो से सम्बन्धित आकडे और X उसका माध्य प्रस्तुत करता है।

## प्रमुख चर विश्लेषण

सामाजिक आर्थिक आकडो की प्रारम्भिक मैट्रिक को अधिक बोधगम्य बनाने के लिए प्रमुख चर विश्लेषण विधि का सहारा लिया गया है।–जिसका विस्तृत विवेचन जानसन 11/97811 से प्राप्त किया गया है चर लब्धि के सगणन का सूत्र निम्न है।

S I K = N

D I J  L J K

J = I

जहा D I J = पर्यवेक्षण I का चर J पर मानक मूल्य

L J K = घटक K पर चर J का

N = पर्यवेक्षण सख्या

सम्बन्धित चर निर्धारण—निर्धारण के प्रथम चरण मे जनगणना वर्ष 1951 1961 1971 1981 1999 के लिए सकलित 15 चरो मे से मुख्य चरो का मतदान पर प्रभाव निरूपित किया गया है।

## 6 3 1 4 सह सम्बन्ध एव समाश्रयण विश्लेषण

इलाहाबाद जिले के निर्वाचन तथ्यो कुल मतदान वैध मतदान अवैध मतदान काग्रेस (आई) मत भा0 ज0 पा0 मत जनतादल ब0 स0 पा0 लोकदल पार्टी मत एव अन्य पार्टियो के मत का सामाजिक आर्थिक वातावरण को व्यक्त करने वाले घटको के बीच सम्बन्ध व्यक्त किया गया है सह सम्बन्ध एव समाभ्रमण तकनीक के द्वारा निम्न बाते स्पष्ट हुई।

1) मतदान की सरचना पर सामाजिक घटको का प्रभाव 1952 से 1991 तक।

11) काग्रेस भ0 ज0 पा0 वोट पर सामाजिक घटको का प्रभाव 1952 से 91 तक।

111)सामाजिक घटको का अन्य दलो के मत पर प्रभाव।

1v)चरो की बहुविकल्पीय प्रकृति को बेहतर ढग से समझने के लिए ऐसी पद्धति अपनायी गयी कि यह प्रतिमान निम्न रूप मे रेखीय रहा।

$$Y = a + bx_1 + 6bx_2 + bx_3 + bx_4 + bx_5 + bx_6$$

यहा पर y चर मतदान एव काग्रेस के लिए गए $x_1$ $x_2$ $x_3$ $x_4$ $x_5$ $x_6$ सामाजिक घटको के लिए प्रयुक्त है।

## मानचित्रण

मानचित्र स्थानिक वितरणो को समझने मे सहायक होते है तथा उनके द्वारा अध्ययन स्पष्ट सरल सुग्राह्य हो जाता है इन मानचित्रो द्वारा तुलनात्मक

आकडो का स्पष्ट एव सरलीकृत प्रदर्शन भी हो जाता है जिसमे स्थानिक वितरणो का तात्कालिक गुण ग्रहण सम्भव हो जाता है अस्तु विषय को स्पष्ट करने के लिए परिणामो को मानचित्रित किया गया है। चरो की समस्या को ध्यान मे रखते हुए मानचित्रण की विभिन्न विधियो का प्रयोग किया गया है। इसमे दो प्रमुख विधिया मुख्य है। प्रथम सममान रेखी विधि तथा वर्णभासी मानचित्रण विधि तथा द्वितीय छाया विधि है।

## सममान रेखी विधि

स्थानिक वितरणो के साथ ही कुछ मात्राओ का सकेत देने वाले मानचित्रो को **मात्रात्मक क्षेत्रीय मानचित्र** कहते है। इसक`दो मुख्य भाग है प्रथम मे ऐसे मानचित्र सम्मलित है जिन्हे सममान रेखाओ से दिखलाया जाता है। दूसरे वे मानचित्र है जिसमे प्रशासनिक प्रदेश मे जिले के उपलब्ध आकडो को औसतमान प्रति इकाई क्षेत्रफल मे दर्शाते है। प्रस्तुत अध्ययन मे द्वितीय विधि पर बल दिया गया है। जिसमे चरा की मानक लब्धि को प्रदर्शित किया गया है। समरेखाओ मे अर्न्तवेशन को ज्यामितीय ढग से दर्शाया गया है।

## छायाकरण विधि

अमात्रात्मक मानचित्र पर किसी विशिष्ट वितरण का प्रभेद करने के लिए या सममान रेखी अन्तरो को प्रस्तुत करने के लिए या सममान रेखी अन्तरो को प्रस्तुत करने एव उसके महत्व को ध्यान मे रखते हुए उचित रगो का सावधानी से प्रयोग करते हुए छायाकृत मानचित्र बनाये गये है। इस विधि का प्रयोग समरेखी विधि द्वारा चित्रित ऐसे अशो के लिए करते है जो उसमे छूट गये है। कभी–कभी ऐसा भी होता है कि इकाइया इतनी सूक्ष्म होती है कि वहॉ सममान रेखी मानचित्र बनाना सम्भव नही होता है।

## तृतीय अध्याय

# भारत में निर्वाचन पृष्ठभूमि

# 3 निर्वाचन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

भारत मे निर्वाचन की परम्परा अति प्राचीन है। वैदिक साहित्य के अध्ययन से ज्ञात होता है कि इस काल मे निर्वाचन सकेत प्रणाली पर आधारित था। उस समय निर्वाचन मे चयन एव सस्तुति जैसी पद्धतियो का प्रचलन था। इस काल (वैदिक) मे दो प्रकार की शासन पद्धतिया प्रचलित थी–राजतन्त्र एव प्रजातन्त्र। राजतन्त्र मे राजा वश परम्परागत होता था और प्रजातन्त्र मे राजा का चुनाव होता था। दोनो मे राज्याभिषेक होता था। राजा के निर्वाचन मे भाग लेने वाले को राजकृत कहा जाता था। जिसकी आधुनिक शब्दावली निर्वाचक है। उस समय निर्वाचन प्रक्रिया मे पॉच प्रकार के व्यक्ति थे।

1) राजान (अधीनस्थ राजा या राज–परिवार के व्यक्ति)

2) सूत

3) ग्रामणी

4) रथकार

5) कर्मार

**स्त्रोत अथर्ववेद – 3 5 6 और 7**

वैदिक काल मे समाज राजनीतिक दृष्टि से 5 भागो मे बटा हुआ था (1) गृह या कुल (2) ग्राम (3) विश (ग्राम से बडी इकाई मण्डल या जिला) (4) जन (विश से बडी इकाई जनपद या कमिश्नरी) (5) राष्ट्र (प्रदेश)

अथर्ववेद मे विश के प्रतिनिधियो द्वारा राजा के निर्वाचन का उल्लेख मिलता है–

**विशस्त्वा सर्वा वाञ्छन्तु** (अथर्व0 6–87–9) अर्थात सभी विश के प्रतिनिधि आपको (राजा के रूप मे) चाहते है।

तथा

त्वा विशो वृजती राज्याय।

(अथर्ववेद–3–4–2)

अर्थात विश के प्रतिनिधि राज्य के लिए आपका वरण निर्वाचन चुनाव कर रहे है।

बौद्ध साहित्य मे निर्वाचन की अनेक पद्धतियो का उल्लेख मिलता है। इसमे चुनाव द्वारा गण सभाओ का गठन होता था। जो जनता के प्रति उत्तरदायी होते थे। धीरे धीरे चुनाव व्यवस्था क्षीण होती गयी एव राजतन्त्रात्मक शक्ति का उदय हुआ। राजतन्त्रात्मक शक्ति बहुत दिनो तक विद्यमान रही।

नवी शताब्दी मे दक्षिण मे चोलवश की स्थापना हुई। यह प्रशासन भारतीय इतिहास मे ऐतिहासिक महत्व रखता है क्योकि इनका शासन जनतात्रिक व्यवस्था पर आधारित था निर्वाचन इस तत्र की प्रमुख व्यवस्था थी। कालान्तर मे मुस्लिम शासको ने भारत मे राज विस्तार किया जिसमे निर्वाचन परम्परा पूर्ण रूप से समाप्त हो गयी।

पुन भारत मे लोकतन्त्र की स्थापना का प्रयास 1909 मे मिटो–मार्ले सुधार के साथ स्थापित हुआ। जब विधान परिषदो के लिए अप्रत्यक्ष रूप से चुनाव कराये गये। भारत सरकार अधिनियम 1919 (माटेग्यू चेम्सफोर्ड अधिनियम) के द्वारा केन्द्रीय एव प्रातीय विधान सभाओ के चुनाव कराये गये। किन्तु यह एक ऐसी सभा थी जो ब्रिटिश शासन के उपाग के रूप मे कार्यरत थी। इसलिए

चुनावी दृष्टि से महत्वहीन थी। भारत सरकार अधिनियम 1935 मे भी चुनाव की व्यवस्था थी किन्तु उपरोक्त सभी चुनाव लोकतान्त्रिक न होकर एक विदेशी राज्य द्वारा शासित थे। इस तरह ब्रिटिश शासन के प्रभाव के कारण जनता निर्वाचन से अछूती रही।

ब्रिटिश शासन की समाप्ति के बाद भारत मे भारतीय सविधान के अनुसार लोक प्रतिनिधित्व अधीनियम 1950 एव 1951 के अन्तर्गत चुनावो का वास्तविक सचालन किया गया। प्रथम बार शिक्षित अशिक्षित ग्रामीण नगरीय धनी निर्धन सभी भारतीयो को वोट देने का अवसर प्राप्त हुआ जिनकी उम्र 21 वर्ष से ऊपर हो। इधर के वर्षो मे उम्र सीमा घटाकर 18 वर्ष कर दी गयी।

इस प्रकार जहा ब्रिटेन अमेरिका जैसे देशो मे शताब्दियो बाद लोगो को वोट देने का अधिकार प्राप्त हुआ वही भारतीय लोगो को यह अधिकार एक ही बार मे प्राप्त हो गया। यह स्वच्छ प्रजातन्त्र की अनॅूठी मिसाल है।

भारत मे जब तक राष्ट्रीय स्तर पर 1952 1957 1962 1967 1971 1977 1980 1985 1989 1991 मे ससदीय निर्वाचन सम्पन्न हुए। वही उत्तर प्रदेश मे 1952 57 62 1967 1969 1974 1977 1980 1985 1991 मे विधान सभा निर्वाचन सम्पन्न हुए। ये निर्वाचन भारत मे ही नही अपितु विश्व मे अपनी स्वच्छ परम्परा के द्योतक सिद्ध हुए। भारतीय निर्वाचन प्रणाली का उदाहरण देते हुए अन्य लोकतान्त्रिक देश इसकी नकल करते है। विगत कुछ चुनाव तो भारतीय राजनीति के लिए आधार पक्ष है क्योकि ये निर्वाचन निष्पक्षता की स्वच्छ मिसाल है।

## वर्तमान भारतीय निर्वाचन प्रणाली

स्वतन्त्रता समानता और विश्वबन्धुत्व की भावना को आदर्श स्थिति मे कायम रखने के लिए निष्पक्ष निर्वाचन की महत्वपूर्ण भूमिका है। भारतीय सविधान

के साथ भारतीय लोकतत्र को उन्नत बनाये रखने के लिए एक निष्पक्ष निर्वाचन प्रणाली का स्वरूप निष्पादित किया गया जो 1952 से आज तक भारतीय लोक सभा एव विधान सभा चुनावो को निष्पच्छ रूप से सम्पादित करते हुए भारतीय राजनैतिक प्रणाली को शक्ति एव स्थायित्व प्रदान कर रहा है। इन चुनावो की सुव्यवस्था एव निष्पक्षता की सराहना सारी दुनिया के देशो ने किया।

भारतीय निर्वाचन प्रणाली लोकतत्रीय शासन चलाने की एक पद्वति मात्र नही अपितु ऐसा विकासशील मार्ग है जिसके सहारे अधिकार कायम है। इसकी निष्पक्षता ही भारतीय जीवन का आधार है। जिसके लिए भारतीय सविधान मे स्पष्ट प्रावधान है।

भारतीय सविधान के पन्द्रहवे अध्याय मे निर्वाचन आयोग की व्यवस्था का वर्णन हुआ है। भारत मे निर्वाचन चुनाव का सचालन लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 एव लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के अन्तर्गत किया जाता है।

सम्बन्धित सरकार की सस्तुति पर चुनाव आयोग चुनाव का कार्यक्रम निश्चित करता है। लेकिन चुनाव प्रक्रिया की शुरूआत स्थिति के अनुसार राष्ट्रपति या राज्यपाल की घोषणा के बाद होती है। उम्मीदवार को नामाकन पत्र दाखिल करने के लिए 8 आठ दिन का समय दिया जाता है। कोई भी उम्मीदवार चाहे जितनी सीट से चुनाव लडने के लिए स्वतन्त्र होता है। नामाकन पत्र की जाच 8 दिन बाद शुरू होती है। इसके बाद पीठासीन अधिकारी उम्मीदवारो की सूची क्षेत्रवार तैयार करता है। और उन्हे चुनाव चिन्ह आवटित करता है। नामाकन पत्र वापस करने की तिथि से कम से कम 20 दिन का समय उम्मीदवार को चुनाव अभियान के लिए दिया जाता है। लोक सभा एव विधान सभा के चुनाव खर्च के लिए अधिकतम सीमा निर्धारित की गयी है जिसके पीछे मन्तव्य यह है कि उम्मीदवार समानता से प्रचार कार्य करे। लोक सभा चुनाव के

लिए बडे राज्यो के लिए 1 5 लाख एव छोटे राज्यो के लिए 1 3 लाख व्यय की सीमा निर्धारित की गयी है। राज्य विधान सभा चुनाव के लिए विभिन्न राज्यो के लिए 10 हजार से लेकर 15 हजार तक अधिकतम व्यय सीमा निर्धारित की गयी है।

## 3 निर्वाचन प्रणाली का सवैधानिक ढाचा

3 1– **निर्वाचन आयोग** – सविधान के अनुच्छेद 324 मे निर्वाचन के सचालन एव निर्देशन के लिए चुनाव आयोग के गठन का प्रावधान किया गया है।

चुनाव आयोग मे मुख्य चुनाव आयुक्त एव अन्य क्षेत्रीय चुनाव आयुक्तो की नियुक्ति ससद द्वारा बनाये गये प्रावधानो के अन्तर्गत की जाती है। इनकी नियुक्ति राष्ट्रपति करता है। चुनाव आयुक्त का कार्यकाल एव सेवा शर्ते ससद द्वारा बनाए गये नियमो के आधार पर राष्ट्रपति करता है। किन्तु मुख्य चुनाव आयुक्त को पदच्युत करने का अधिकार राष्ट्रपति को नही दिया गया है। इसका कारण मुख्यत चुनाव आयोग की स्वायत्तता को पूरी तरह बनाये रखना है। मुख्य चुनाव आयुक्त की पदच्युति उन्ही प्रकियाओ द्वारा होती है जिन सवैधानिक प्रक्रियाओ के द्वारा उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशो की पदच्युति होती है। (मुख्य चुनाव आयुक्त की अनुशसा पर राष्ट्रपति पदच्युत कर सकता है।) चुनाव आयोग केन्द्र मे राष्ट्रपति एव राज्य मे राज्यपाल से चुनाव कार्यो के लिए केन्द्र एव राज्य सरकार के कर्मचारियो को माग सकता है। ससद को यह शक्ति प्राप्त है। कि वह ससद के किसी भी सदन अथवा राज्य व्यवस्थापिका के सदन मे निर्वाचनो से सम्बन्धित नियमो का निर्माण कर सकता है। जिसे मानने के लिए निर्वाचन आयोग बाध्य है। ससद द्वारा अथवा राज्य व्यवस्थापिका द्वारा निर्वाचन क्षेत्र से सम्बन्धित अथवा उनमे सीटो के आवटन से सबधित किसी भी नियम को

न्यायालय मे चुनौती नही दी जा सकती। उन्ही निर्धारित क्षेत्रो के आधार पर निर्वाचन आयोग क्षेत्रो का परिसीमन करता है।

3 2 **निर्वाचन आयोग के कार्य**—अनुच्छेद 324 के अनुसार चुनाव आयोग का मुख्य कार्य चुनाव क्षेत्रो का परिसीमन मतदाता सूची तैयार करना सीटो का आरक्षण करना चुनाव चिन्हो का आवटन करना अर्धन्यायिक कार्य करना राजनीतिक दलो के लिए आचार सहिता तैयार करना राजनीतिक दलो को आकाशवाणी पर चुनाव प्रचार की सुविधा दिलवाना उम्मीदवारो द्वारा व्यय की राशि निश्चित करना मतदाताओ मतदान करवाने वाले कर्मचारियो को प्रशिक्षण देना याचिकाओ के सम्बन्ध मे उचित परामर्श देना है। चुनाव आयोग चुनाव कार्यकम की घोषणा सरकार की सस्तुति पर करता है किन्तु चुनाव प्रकिया की शुरूआत स्थिति के अनुसार राष्ट्रपति या सम्बन्धित राज्यपाल की घोषणा के बाद होती है।

इसके अतिरिक्त चुनाव आयोग के कुछ कार्य और है यथा —

1 राष्ट्रपति या राज्यपाल से जिसका सम्बन्ध हो किसी सदन के सदस्य की योग्यता के सन्दर्भ मे परामर्श देना।

2 चुनाव सम्बन्धी अनियमितता के बारे मे उठे सन्देहो व विवादो के निरीक्षण के लिए चुनाव अधिकारियो की नियुक्ति करना।

3 विशेष परिस्थितियो मे पुन निर्वाचन का आदेश देना।

4 क्षेत्र परिसीमन मे आयोग की लिपिकीय त्रुटियो को पुर्वानुमान से ठीक करना।

5 चुनाव प्रक्रिया के सम्बन्ध मे जनमत को शान्त करने के लिए सकटग्रस्त क्षेत्रो की यात्रा करना एव जनसचार माध्यमो का प्रयोग करना।

सक्षेपत स्वतन्त्र व निष्पक्ष निर्वाचन करने के लिए आयोग सभी सवैधानिक प्रक्रियाए अपनाने के लिए सक्षम है।

3 2 1 **निर्वाचन क्षेत्र परिसीमा** –चुनाव आयोग का प्रमुख कार्य सर्वप्रथम लोकसभा एव विधानसभा क्षेत्रो की सीमा का निर्धारण करना है। प्रथम बार आम चुनाव 1952 मे निर्वाचन क्षेत्रो का सीमाकन जनप्रतिनिधत्व अधिनियम 1951 के अन्तर्गत राष्ट्रपति के आदेश के तहत किया गया था। किन्तु कतिपय अव्यवस्था के कारण ससद ने सीमा निर्धारण कार्य परिसीमा आयोग 1952 के अधिनियम द्वारा निर्धारित किया। इस अधिनियम मे यह व्यवस्था की गई है कि प्रत्येक जनगणना के उपरान्त निर्वाचन क्षेत्रो का सीमाकन किया जाना चाहिए इस आयोग का अध्यक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त होता है। इसके अतिरिक्त इसके दो सदस्य सर्वोच्च न्यायालय एव उच्च न्यायालय के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश होते है। परिसीमन आयोग की सहायता के लिए प्रत्येक राज्य से 2 से लेकर 7 सदस्यो की व्यवस्था है। ये सदस्य सहायक सदस्य के रूप मे माने जाते है। इनका इनका निर्वाचन सम्बद्ध राज्य के लोक सभा एव राज्य सभा के सदस्यो मे से होता है। इस सीमाकन आयोग के गठन का उद्देश्य यह है कि निर्वाचन क्षेत्रो के परिसीमन मे कोई पक्षपात न हो सके। इस कार्य के लिए समान जनसख्या को आधार बनाया गया है।

जनसख्या के अलावा उच्चावच आवागमन के साधन एव जनसामान्य की अन्य गति विधियो को भी ध्यान मे रखा जाता है।

1956 मे राज्यो के नवनिर्माण के कारण निर्वाचन क्षेत्रो मे पूर्णत परिवर्तन हो गया था।

3 2 2 **सीटो का आरक्षण** –सविधान के अनुच्छेद 330 एव 332 मे क्रमश लोकसभा एव विधानसभाओ मे अनुसूचित जाति एव अनुसूचित जन

जातियो के लिए उनकी जनसख्या के अनुपात मे स्थान आरक्षित करने का उपबन्ध है।

अनुच्छेद 331 के अनुसार यदि राष्ट्रपति आग्ल भारतीय समुदाय के प्रतिनिधित्व को लोकसभा मे अपर्याप्त समझता है तो दो सदस्यो को नामाकित कर सकता है। इसी तरह राज्यपाल अनु0 333 के अनुसार विधानसभा मे एक सदस्य नामाकित कर सकता है।

उपरोक्त अधिनियम को ध्यान मे रखकर वर्तमान समय मे लोकसभा मे अनुसूचित जाति के लिए 78 (अठहत्तर) एव अनुसूचित जनजाति असम क्षेत्रो की जनजाति को छोडकर) के लिए 30 स्थान आरक्षित किया गया है।

लोकसभा विधानसभाओ मे आरक्षण की वास्तविक स्थिति तालिका न0 3 1 3 2 3 3 एव 3 4 से स्पष्ट है–

**तालिका न0 3 1**

***उ0प्र0 मे लोकसभा सीटो का आरक्षण***

| वर्ष | सम्पूर्ण सीट | अनु0 जाति के लिए आरक्षित सीट | अनु0 जनजाति के लिए आरक्षित सीट | सामान्य सीट |
|---|---|---|---|---|
| 1952 | 88 | 17 | NIL | 69 |
| 1957 | 86 | 18 | NIL | 68 |
| 1962 | 86 | 18 | NIL | 68 |
| 1967 | 85 | 18 | NIL | 67 |
| 1971 | 85 | 18 | NIL | 67 |
| 1977 | 85 | 18 | NIL | 67 |

| 1980 | 85 | 18 | NIL | 67 |
|---|---|---|---|---|
| 1985 | 85 | 18 | NIL | 67 |
| 1989 | 85 | 18 | NIL | 67 |
| 1991 | 85 | 18 | NIL | 67 |

## तालिका न0 3 2

### *उ0प्र0 मे विधानसभा मे सीटो का आरक्षण*

| वर्ष | सम्पूर्ण सीट | अनु0 जाति के लिए आरक्षित सीट | अनु0 जनजाति के लिए आरक्षित सीट | सामान्य सीट |
|---|---|---|---|---|
| 1952 | 430 | 83 | NIL | 347 |
| 1957 | 430 | 89 | NIL | 341 |
| 1962 | 430 | 89 | NIL | 341 |
| 1967 | 425 | 89 | 16 | 320 |
| 1969 | 425 | 89 | 16 | 320 |
| 1974 | 425 | 89 | 16 | 320 |
| 1977 | 425 | 89 | 16 | 320 |
| 1980 | 425 | 92 | 16 | 320 |
| 1985 | 425 | 92 | 16 | 320 |
| 1989 | 425 | 92 | 16 | 320 |
| 1991 | 425 | 92 | 16 | 320 |

## तालिका न0 33

### *इलाहाबाद जिले की लोकसभा क्षेत्रो मे सीटो का आरक्षण*

| निर्वाचन वर्ष | सम्पूर्ण सीट | अनु0 जाति के लिए आरक्षित सीट | अनु0 जनजाति के लिए आरक्षित सीट | सामान्य सीट |
|---|---|---|---|---|
| 1952 | 02 | अप्राप्त | अप्राप्त | 02 |
| 1957 | 02 | अप्राप्त | अप्राप्त | 02 |
| 1962 | 03 | 01 | अप्राप्त | 02 |
| 1967 | 03 | 01 | अप्राप्त | 02 |
| 1971 | 03 | 01 | अप्राप्त | 02 |
| 1977 | 03 | 01 | अप्राप्त | 02 |
| 1980 | 03 | 01 | अप्राप्त | 02 |
| 1985 | 03 | 01 | अप्राप्त | 02 |
| 1989 | 03 | 01 | अप्राप्त | 02 |
| 1991 | 03 | 01 | अप्राप्त | 02 |
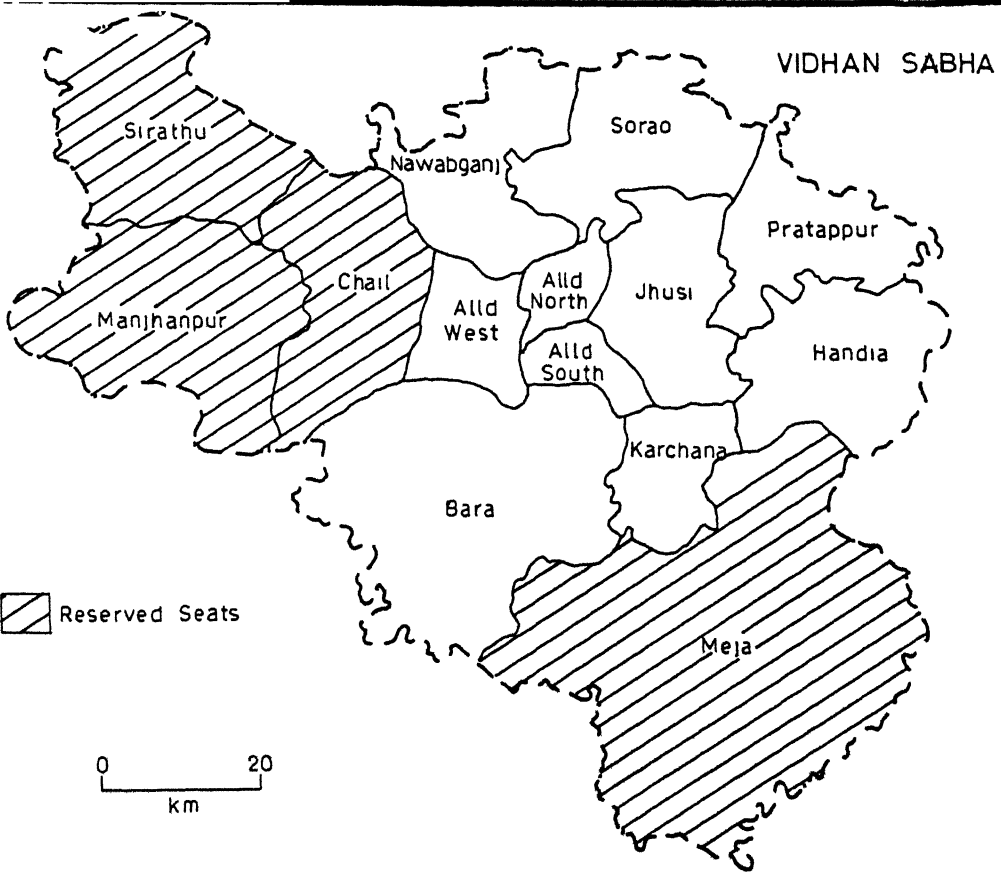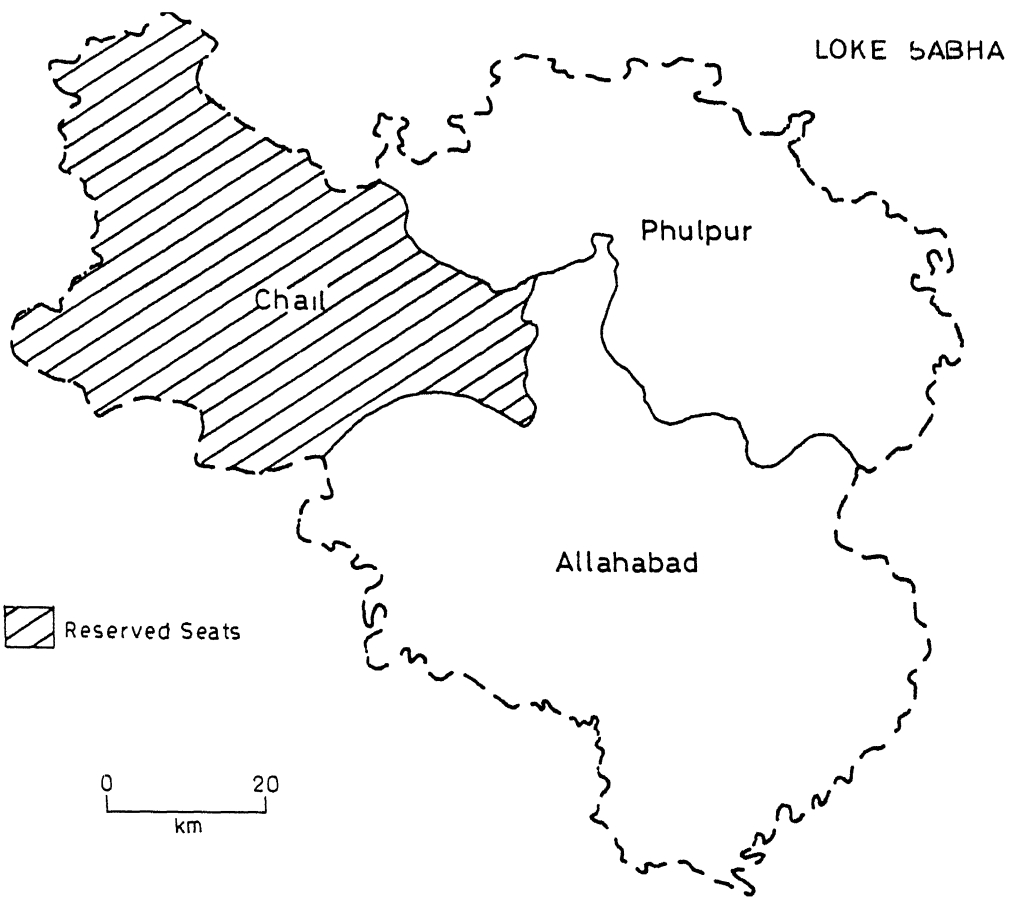
Fig 3 1 Reserved Seats

## तालिका न0 3 4

### *इलाहाबाद जिले की विधानसभा मे सीटो का आरक्षण*

| निर्वाचन वर्ष | सम्पूर्ण सीट | अनु0 जाति के लिए आरक्षित सीट | अनु0 जनजाति के लिए आरक्षित सीट | सामान्य सीट |
|---|---|---|---|---|
| 1952 | 14+ | अप्राप्त | – | 11 |
| 1957 | 14 | 03 | – | 10 |
| 1962 | 14 | 04 | – | 10 |
| 1967 | 14 | 04 | – | 11 |
| 1974 | 14 | 03 | – | 11 |
| 1977 | 14 | 03 | – | 11 |
| 1980 | 14 | 03 | – | 11 |
| 1985 | 14 | 03 | – | 11 |
| 1989 | 14 | 03 | – | 11 |
| 1991 | 14 | 03 | – | 11 |

3 2 3 **निर्वाचन नामाकन** चुनाव प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण है। चुनावो की तिथि नामाकन के लिए काफी समय पूर्व ही तय कर दी जाती है।

राजनैतिक दल विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रो के लिए अपने–अपने उम्मीदवारो का चयन करते ही दलो द्वारा मनोनीत किये उम्मीदवार सम्बद्ध क्षेत्र के निर्वाचन अधिकारी के सम्मुख अपने–अपने नामाकन पत्र प्रस्तुत करते है। नामाकन पत्रो की जाच की जाती है। जाच पूरी होने के दो–तीन दिन पश्चात नामाकन वापस लेने की अतिम तिथि होती है। कोई भी उम्मीदवार यदि चुनाव न लडने का निर्णय करे तो वह अपना नामाकन वापस ले सकता है।

नामाकन की यह प्रक्रिया मतो के अपव्यय को रोकने मे सहायक होती है।

**3 2 4 चुनाव चिन्ह आवटन** चुनाव आयोग विभिन्न राजनीतिक दलो को आरक्षित चुनाव–चिन्ह प्रदान करता है। जहा तक सम्भव हो आयोग दल की पसद का चिन्ह स्वीकार कर लेता है। परन्तु ऐसा करते समय निर्वाचन आयोग यह भी सुनिश्चित कर लेता है कि विभिन्न दलो के चुनाव–चिन्ह मिलते जुलते तथा भ्रमात्मक न हो।

प्रत्येक राजनैतिक दल का चुनाव चिन्ह एक विशिष्टता को इगित करता है जिससे मतदाता भी आसानी से अपने पसद के उम्मीदवार का चयन कर सकता है।

## निर्वाचको की यो्यता[7]

लोकसभा एव विधानसभा का निर्वाचन सार्वजनिक वयस्क मताधिकार के आधार पर होता है। इसलिए मतदाताओ के लिए निम्न योग्यताए निर्धारित की गई है।

1– वह भारत का नागरिक हो।

2– उसकी आयु 18 वर्ष पूरी हो चुकी हो।

3– वह सम्बन्धित क्षेत्र मे कम से कम 180 दिनो तक निवास कर चुका हो।

4– वह निर्वाचन सम्बन्धी किसी अपराध का दोषी न हो।

5– ससद एव विधानसभा द्वारा निर्धारित किसी भी प्रकार की अयोग्यता उसमे न हो।

# लोकसभा एव निर्वाचन प्रक्रिया

भारतीय सविधान के अनुसार लोकसभा जनता का प्रतिनिधि सदन है। अर्थात इसके सदस्य जनता द्वारा प्रत्यक्षरूप से निर्वाचित होते है। लोकसभा भारतीय राजनीति के गुरुत्वाकर्षण का केन्द्र है। चूकि यह वयस्क मताधिकार वाली आम जनता के लिए निर्मित सदन है। यही देश के लोक कल्याण कारी कानून को पारित कर उसे लागू करवाती है। इसका सगठन कुछ इस प्रकार से है–

**5 1 लोकसभा सगठन**–भारतीय सविधान के अनुच्छेद 81 द्वारा लोकसभा के सदस्यो की सख्या 500 निर्धारित की गई थी। किन्तु वे सशोधन द्वारा इसके सदस्यो की सख्या 500 से बढाकर 520 कर दी गई और पुन उसे 51वे सवैधानिक सशोधन द्वारा बढाकर 544 कर दिया गया इसमे 542 सदस्या का चुनाव विभिन्न राज्यो तथा केन्द्रशासित प्रदेशो की जनता द्वारा होता है। सविधान क अनुच्छद 331 के अनुसार राष्ट्रपति दा आग्ल भारतीयो का लोकसभा मे मनोनीत कर सकता है।

**5 2 लोकसभा निर्वाचन पद्धति**–लोकसभा के सदस्य जनता द्वारा प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा चुने जाते है। निर्वाचित प्रतिनिधियो का निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर होता है। चुनाव के लिए समस्त भारत मे एक सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्रो का निर्माण किया जाता है। मूल सविधान मे निर्वाचन क्षेत्रो का निर्माण 7 5 लाख जनसख्या पर कम से कम एक सदस्य और प्रत्येक 5 लाख की जनसख्या के लिए अधिक से अधिक एक सदस्य थे। 1952 के द्वितीय सविधान सशोधन द्वारा प्रत्येक 7 5 लाख जनसख्या पर एक सदस्य निर्धारित किया गया। 1956 ई0 के सविधान सशोधन अधिनियम द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि निर्वाचन क्षेत्र मे

निर्माण के लिए एक राज्य के किसी भाग को दूसरे राज्य मे नही मिलाया जायेगा।

**5 3 लोकसभा सदस्यो की योग्यताए**–भारतीय सविधान के अनु सार लोकसभा का सदस्य निर्वाचित होने के लिए निम्नलिखित योग्यताए होनी चाहिए–

i) वह भारत का नागरिक हो।

ii) उसकी आयु 25 वर्ष से कम नही होनी चाहिए।

iii) ऐसी योग्यताए रखता हो जो ससद विधि द्वारा निर्धारित की गयी हो।

लोकसभा की सदस्यता के लिए किसी भी प्रत्याशी मे निम्नलिखित अयोग्यताए नही होनी चाहिए–

i) वह किसी लाभ के पद पर न हो।

ii) किसी (उपयुक्त) न्यायालय द्वारा पागल करार नही दिया गया हो।

iii) दिवालिया न हो।

iv) भारत की नागरिकता छोड दी हो। तथा किसी विदेश की नागरिकता ग्रहण कर ली हो।

1951 ई0 मे भारतीय ससद ने अग्रलिखित अयोग्यता का निर्धारण किया–

i) वह निर्वाचन सम्बन्धी किसी अपराध मे दोषी न हो।

ii) वह किसी भी सरकारी नौकरी से भ्रष्टाचार के आधार पर न निकाला गया हो।

iii) वह सरकार से सम्बन्धित किसी अनुबन्ध या कारखाने का हिस्सेदार न हो।

**5 4 लोकसभा का कार्य–काल एव विघटन** लोकसभा का सामान्य कार्यकाल 5 वर्ष का होता है। यदि इसके पहले राष्ट्रपति के द्वारा यह विघटित न की गयी हो। यह अवधि आम निर्वाचन के बाद पहले सत्र की पहली बैठक से ली जाती है। आपातकाल मे इसकी अवधि ससद द्वारा पारित नियम के आधार पर एक बार मे अधिक से अधिक एक वर्ष के लिए बढाई जा सकती है। आपातकाल की समाप्ति के बाद इसकी अवधि 6–6 महीने के लिए बढाई जा सकती है।

लोकसभा के विघटन के सम्बन्ध मे राष्ट्रपति उस प्रधानमत्री के परामर्श की अवहेलना नही कर सकता है। जिसे ससद का विश्वास प्राप्त हो। प्रधानमत्री ससद मे पराजित होने के बाद या एक अल्पमत प्रधानमत्री जिसे ससद मे विश्वास प्राप्त करना हो यदि विघटन की माग करे तो राष्ट्रपति पूर्णतया अपनी स्वेच्छा का प्रयोग कर सकता है और ऐसी स्थिति मे उसे प्रधानमत्री की राय को स्वीकार नही करना चाहिए।

## विधान सभा निर्वाचन प्रक्रिया

राज्य विधान मण्डल का निम्न एव प्रथम सदन विधानसभा है। केन्द्र मे जो काम लोकसभा का है वही काम राज्य मे विधानसभा का है। यह जनता की प्रतिनिधि सभा है राज्य की मत्रिपरिषद विधान सभा के प्रति उत्तरदायी होती है।

**6 1 विधानसभा का गठन** राज्य की विधानसभा मे सदस्यो की सख्या अधिकतम 500 और न्यूनतम 60 होनी चाहिए सभा के सदस्यो का निर्धारण सम्बन्धित राज्य की जनसख्या के आधार पर किया जाता है। विधान सभा के

सदस्यो का निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर उस राज्य की जनता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से होता है। उत्तर प्रदेश राज्य मे विधानसभा के कुल सदस्यो की सख्या 425 निर्धारित है। जिसमे अनुसूचित जाति के लिए 89 एव अनुसूचित जनजाति के लिए 16 सीटे आरक्षित की गई है।

**62 विधान सभा सदस्यो की योग्यताए एव अयोग्यताए** विधान सभा का सदस्य होने के लिए निम्नलिखित योग्यताए होनी आवश्यक है।

i) वह भारत का नागरिक हो।

ii) उसकी उम्र कम से कम 25 वर्ष हो।

iii) वह ससद एव राज्य विधान मण्डल द्वारा निर्धारित समस्य योग्यताए पूरी करता हो।

**अयोग्यताए** कोई भी व्यक्ति यदि उसमे निम्नलिखित अयोग्यताए पायी जाती है तो विधान सभा का सदस्य नही हो सकता यदि–

i) वह भारत सरकार या किसी राज्य सरकार के अधीन किसी ऐसे पद पर जिस पद को कानून द्वारा राज्य के मण्डल ने उन्मुक्ति नही दी है।

ii) किसी न्यायालय द्वारा अपराधी घोषित कर दिया गया हो।

iii) वह दिवालिया घोषित हो।

iv) वह भारत का नागरिक न हो। या किसी अन्य विदेशी राज्य की नागरिकता ग्रहण कर ली हो।

v) वह ससद विधि द्वारा निर्योग्य न हो।

**विधान सभा का कार्यकाल एव विघटन** विधि के अनुसार विधान सभा का कार्यकाल पाच वर्षो का होता है। यह अवधि विधानसभा के पहले सत्र के प्रथम बैठक से ली जाती है। पॉच साल के बाद यह स्वत समाप्त हो जाती है। लेकिन आपात–काल की घोषणा के दौरान ससदीय कानून द्वारा इस अवधि को एक बार मे एक वर्ष के लिए बढाया जा सकता है। आपातकाल की समाप्ति के बाद किसी भी स्थिति मे विधन सभा की अवधि छ महीने से अधिक नही बढाई जा सकती। इसके लिए राज्यपाल विधानसभा को अवधि से पहले भग कर सकता है।

## निर्वाचन की राजनैतिक पृष्ठभूमि

प्रस्तुत अनुभाग मे प्रथम आम चुनाव 1952 से लेकर 1991 तक हुए चुनावो की राजनीतिक परिस्थितियो का वृहद विश्लेषण इलाहाबाद जिले के सन्दर्भ मे किया जा रहा है। जिससे निर्वाचको के मनोभावो का पता लग जायेगा अर्थात आज तक के निर्वाचन मे मतदाताओ ने कब–2 किन दलो को पसन्द किया ओर उसके पीछे कारण क्या था?

तालिका क्रमाक 35 एव 36 से सम्पूर्ण जिले मे दलो की वस्तुस्थिति स्पष्ट हो रही है।

जो इस प्रकार है–

**तालिका–35**

**विभिन्न वर्षो मे विजयी दल द्वितीय दल एव अन्य दलो द्वारा प्राप्त मत % मे लोक सभा**

| क्र0 स0 | वर्ष | कुल लोक | काग्रेस जीती | अन्य दल जीते | विजयी दल को प्राप्त वोट | द्वितीय दल को प्राप्त वोट | अन्य/निर्दलीय को |
|---|---|---|---|---|---|---|---|

| | | सभा क्षेत्र | | | % | % | प्राप्त वोट % |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 1952 | 02 | 02 | NIL | 45 80 | 27 40 | 26 80 |
| 2 | 1957 | 02 | 02 | NIL | 47 60 | 32 20 | 20 20 |
| 3 | 1962 | 03 | 03 | NIL | 54 03 | 26 10 | 19 87 |
| 4 | 1967 | 03 | 03 | NIL | 44 94 | 32 75 | 22 31 |
| 5 | 1971 | 03 | 03(J) | NIL | 56 78 | 25 16 | 18 06 |
| 6 | 1977 | 03 | NIL | 03(भा0लो0दल) | 64 11 | 26 53 | 09 34 |
| 7 | 1980 | 03 | 02 | 01 (जनता S) | 42 68 | 29 68 | 27 63 |
| 8 | 1985 | 03 | 03 | NIL | 56 53 | 33 37 | 10 08 |
| 9 | 1989 | 03 | 01 | 02 (जनता S) | 41 89 | 35 50 | 22 61 |
| 10 | 1991 | 03 | NIL | 03 (जनता S) | 32 59 | 25 40 | 42 00 |

## तालिका–3 6
## विभिन्न वर्षो मे विजयी दल द्वितीय दल एव अन्य दलो द्वारा प्राप्त मत मे विधान सभा

| क्र0 स0 | वर्ष | कुल विधान सभा क्षेत्र | काग्रेस जीती | विजयी दल को प्राप्त वोट % | द्वितीय दल को प्राप्त वोट % | अन्य निर्दलीय को प्राप्त % |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 1952 | $14^{+}$ | 14 | 43 16 | 9 52 | 47 32 |
| 2 | 1957 | $14^{+}$ | 13 | 46 31 | 26 34 | 27 35 |
| 3 | 1962 | 14 | 07 | 47 28 | 26 87 | 25 85 |
| 4 | 1967 | 14 | 08 | 38 43 | 26 49 | 35 08 |
| 5 | 1971 | 14 | 03 | 39 24 | 26 42 | 34 64 |
| 6 | 1977 | 14 | NIL | 48 85 | 33 03 | 18 12 |
| 7 | 1980 | 14 | 12 | 41 88 | 28 00 | 30 21 |
| 8 | 1985 | 14 | 08 | 41 49 | 27 31 | 31 19 |
| 9 | 1989 | 14 | 02 | 41 27 | 27 25 | 31 48 |
| 10 | 1991 | 14 | NIL | 36 03 | 23 97 | 40 00 |

**7 1 प्रथम लोकसभा विधानसभा निर्वाचन 1952** 1952 मे हुआ प्रथम आम चुनाव वास्तव मे एक वृहद लोकप्रिय कार्यवाही की तरह था। इस चुनाव ने पहली बार राजनैतिक दृष्टि से महत्त्वाकाक्षी असन्तुष्ट वर्ग को अपना भाग्य

आजमाने का अवसर प्रदान किया। काग्रेस साम्यवादी जनसघ व समाजवादी प्रमुख दलो के अलावा छोटे–छोटे दलो (जैसे रामराज्य परिषद् जनता पार्टी कृषक लोकपार्टी आदि) ने भी हिस्सा लिया।

प्रथम आम चुनाव इलाहाबाद जनपद मे लोकसभा की 2 सीटो एव विधान सभा की 14 सीटो मे काग्रेस ने विजय प्राप्त की। क्योकि इस चुनाव मे जनपद से पडित जवाहर लाल जैसे व्यक्तित्व का प्रभाव था। जनपद मे कुल 47 51 प्रतिशत मतदाताओ ने हिस्सा लिया। काग्रेस पार्टी को कुल पडे मतो का लोकसभा मे 45 80 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ। जब कि शेष मत अन्य पार्टी एव निर्दलीया का मिला। इसी तरह 14 विधानसभाओ मे कुल पडे मतो का 43 16 प्रतिशत भाग काग्रेस के हिस्से मे आया।

इस तरह स्पष्ट है कि इलाहाबाद जनपद की राजनीति मे नेहरू शास्त्री सप्रू एव अन्य राजनीतिज्ञो के कार्य से जनता पूरी तरह सतुष्ट थी। तथा काग्रेस को भारी विजय दिलायी। काग्रेस की इस विजय से विरोधी दल के नेताओ को धुव्रीकरण की दिशा मे सोचने को विवश किया। परिणामस्वरूप 1952 मे समाजवादी व कृषक–मजदूर प्रजापार्टी ने मिलकर प्रजा समाजवादी दल बनाया। प्रजासमाजवादी दल मे काग्रेस समर्थन के विषय पर इसी समय विवाद हुआ जिससे लोहियावादी गुट अलग हो गया।

**7 2 द्वितीय आम निर्वाचन लोकसभा विधानसभा 1957** प्रथम आमचुनाव 1952 मे विरोधी दल बुरी तरह से पराजित हुए थे। जिससे 1957 के आम चुनाव मे विरोधी दलो ने अपनी स्थिति को मजबूत कर चुनाव मे सम्मिलित हुए। किन्तु काग्रेस के सत्ता मे होने के कारण तथा राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वो को पूरा करने के कारण जनता ने विरोधी दलो को समर्थन नही दिया।

कागेस ने 1951 मे प्रथम पचवर्षीय योजना का शुभारम्भ किया। 1955 के आवडी अधिवेशन मे समाजवादी समाज की रचना का लक्ष्य ग्रहण किया। राष्ट्र के उद्देश्य की व्याख्या की। आर्थिक एव वार्षिक नीति का उद्देश्य का समान वटवारा बताया। उपरोक्त सभी तथ्यो का प्रभाव जनमानस पर स्पष्ट रूप से पडा। जिससे द्वितीय आम चुनाव मे काग्रेस दल ने क्षेत्रीय दलो एव सगठनो का वर्चस्व समाप्त कर दिया।

लोकसभा की 2 सीटो मे से दोनो कागेस को प्राप्त हुई तथा विधानसभा की 10 सीटो मे 9 सीट पर विजय प्राप्त हुई। कुल वैध मतो का 47 60% मत लोकसभा मे एव 46 31 प्रतिशत मत विधानसभा मे अकेले काग्रेस को प्राप्त हुआ। विधानसभा की 1 मात्र सीट पी एस पी ने जीता। जहा वैधमतो का 52 45 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ। जबकि काग्रेस को 47 55 प्रतिशत मत प्राप्त किया।

**7 3 तृतीय आम चुनाव मे लोकसभा एव विधानसभा 1962** द्वितीय आम निर्वाचन के बाद कई महत्वपूर्ण घटनाए घटित हुई जिन्होने तृतीय आम चुनाव मे कुछ महत्वपूर्ण विशेषताए समाने आयी। बहुल सदस्यीय निर्वाचन क्षत्र पद्धति समाप्त हो गयी। भारत चीन सीमा टकराव जोरो पर था। काग्रेस द्वारा सहकारी खेती पद्धति सम्बन्धी प्रस्ताव पारित करने के विरोध मे दक्षिण पथिया ने एक नया राष्ट्रीय एव धर्मनिरपेक्ष सगठन बनाया।

उपरोक्त कारणो से जनता स्पष्ट रूप से प्रभावित हो गयी तथा काग्रेस ने लोकसभा मे अपार सफलता प्राप्त की। किन्तु विधान सभाओ मे उसका प्रदर्शन सराहनीय नही रहा।

इलाहाबाद जिले मे काग्रेस ने लोकसभा की तीनो सीटो पर विजय हासिल की पडित जवाहर लाल नेहरू फूलपुर से निर्वाचित हुए। उन्हे कुल वैधमतो का

61 62% मत प्राप्त हुआ इलाहाबाद ससदीय क्षेत्र से लालबहादुर शास्त्री निर्वाचित हुए। उन्हे कुल वैध मतो का 58 06% मत प्राप्त हुआ। तीसरी सीट चायल (आ0जा0) भी काग्रेस ने ही जीती। कुल मिलाकर इलाहाबाद जिले मे कुल ससदीय बैधमतो का 54 03% मत काग्रेस ने प्राप्त किया जबकि शेष विपक्षी दलो एव निर्दलीयो ने प्राप्त किया। किन्तु इनके मतो का प्रतिशत भी उच्च रहा क्योकि डा0 राममनोहर लोहिया जैसा व्यक्तित्व चुनाव मे नेहरू जी के विपरीत रह था।

विधानसभा की 14 सीटो मे से 7 सीट काग्रेस ने जीती तथा पी एस पी–5 जनसघ–1 निर्दलीय–1 सीट विजयी रहे प्राप्त की।

स्पष्ट है कि जनपद के मतदाताओ ने केन्द्र मे काग्रेस को स्वीकार किये। किन्तु राज्य मे क्षेत्रीय दलो को महत्व दिया। फिर भी राज्य मे सरकार काग्रेस की ही बनी।

**7 4 चतुर्थ लोकसभा विधानसभा निर्वाचन 1967** 1962 के तृतीय आम चुनाव के बाद देश की राजनैतिक परिस्थिति बहुत बदल चुकी थी। अक्टूबर 1962 के भारत चीन युद्ध से नेहरू के नेतृत्व वाली सरकार की उपलब्धियो को गहरा धक्का लगा। मई 1964 मे नेहरू की मृत्यु के पश्चात काग्रेस के सबल नेतृत्व व स्थित की अपूण्रनीय क्षति हुई। कई क्षेत्रीय दलो ने राज्य मे अपनी उपस्थिति का प्रमाण दिया। दश के कई भागो मे हिसात्मक तोड–फाड हुई। जिससे भारतीय राजनैतिक व्यपस्था की स्थिरता ही खतरे मे पड गई तथापि काग्रेस ने जनमत मे अपना बहुमत बनाये रखा। इलाहाबाद जिले मे उपरोक्त तथ्यो का प्रभाव विशेष नही पडा। क्योकि लोकसभा की तीनो सीटे काग्रेस ने ही जीती। किन्तु उसके मतो की सख्या कम हुई। जहा 1962 के चुनाव मे उसे वैधमतो का 54 03% प्राप्त हुआ था वही 1967 के चुनाव मे उसे कुल वैध मतो का

44 94% ही प्राप्त हुआ। एसएसपी एव रिपब्लिकन ने अपने मतो के % मे बढोत्तरी की और उन्हे वैधमतो का 32 75 मत % प्राप्त हुआ। विधान सभा चुनाव मे काग्रेस ने 14 सीटो मे से 8 सीटो पर विजय हासिल की जबकि एसएस पी –3 जनसघ–1 निर्दलीय 2 पर रहे। स्पष्ट है कि विधानसभा मे सीटो का पूर्णरूप से बॅटवारा हो गया और काग्रेस वर्चस्व को चुनौती मिली।

**7 5 पचम लोकसभा मध्यावधि चुनाव 1971** 1969 मे काग्रेस विभाजन से लोकसभा मे काग्रसी सरकार का स्पष्ट बहुमत खत्म हो गया अत प्रधानमत्री ने जनता का नया आदेश लेने का निर्णय लिया। 1969 मे बैको का राष्ट्रीयकरण वाले मामले मे सर्वोच्च न्यायालय का प्रतिकूल निर्णय। काग्रेस के प्रगतिशील नीति के क्रियान्वयन पर मुहर लगाने के लिए सरकार ने लोकसभा भग कर निर्वाचन की घोषणा की। मतदाताओ ने श्रीमती इन्दिरागाधी के रचनात्मक नारे गरीबी हटाओ को विपरीत दलो के नकारात्मक नारे इन्दिरा हटाओ की अपेक्षा अधिक महत्व दिया किन्तु इलाहाबाद जिले मे काग्रेस (जे) का वर्चस्व रहा यहा लोकसभा की तीनो सीटे कागेस (जे) के खाते म गयी और उसे कुल वैधमत का 56 78% प्राप्त हुआ जबकि अन्य दलो काग्रेस (N) वी0के0डी को 25 16% एव निर्दलीय को 18 06% मत प्राप्त हुए।

**7 6 षष्टम विधानसभा निर्वाचन 1974** 1974 का विधानसभा चुनाव विषमपरिस्थितियो मे सम्पन्न हुआ काग्रेस के गरीबी हटाओ नारे ने जनता को काफी प्रभावित किया। प्रदेश के 425 विधान सभा सीटो मे काग्रेस को स्थान मिले। इलाहाबाद जिले के 14 विधान सभा सीटो मे से काग्रेस (आई) एव अन्य दलो को प्राप्त सीटो का विवरण इस प्रकार है।

| पार्टी | सीट |
|---|---|
| काग्रेस सत्तारूढ | 2 |
| काग्रेस सगठन | 1 |
| काग्रेस (एस) | 1 |
| भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस | 3 |
| भारतीय क्रातिदल | 5 |
| काग्रस (R) | 1 |
| भारतीय जनसघ | 1 |
| | 14 |

तालिका– 36 से निर्धारित होता है कि 1974 के विधानसभा चुनाव मे कदापि काग्रेस ने 3 सीटे ही जीती किन्तु उसे कुल 39 94% मत मिले जो उसके लिए एक उपलब्धि रही तालिका से यह स्पष्ट है कि मतो को विभाजन उच्च स्तर पर हुआ अन्य/निर्दलीय को 36 64% मत मिले। अन्य क्षेत्रो मे काग्रेस के पराजित होने का कारण मतो का निर्दलीय उम्मीदवार की तरफ झुकाव। झुकाव का कारण क्षेत्रीय विकास को राष्ट्रीय पार्टियो द्वारा महत्व न देना निर्दलीयो द्वारा यह आश्वासन देना की कम समय मे तीव्र विकास किया जायेगा।

**7 7 सप्तम [illegible] विधानसभा निर्वाचन 1977** वर्ष 1977 के निर्वाचन की परिस्थितिया अन्य निर्वाचन वर्षो से भिन्न थी। 26 जून 1975 से 18 जनवरी 1977 के आपातकाल के बाद यह चुनाव हुआ। काग्रेस इस चुनाव मे मतदाताओ का विश्वास खो चुकी थी। देश का पूरा राजनीतिक ढाचा दो भागो मे

विभाजित था। काग्रेस सी0पी0 आदि अन्ना–डी0एम0 के एकतरफ। दूसरी तरफ लोकदल जनसघ सगठन काग्रेस समाजवादियो ने एक नये दल जनतापार्टी का गठन किया। परिणामस्वरूप भारत के आम निर्वाचन के इतिहास मे पहलीबार काग्रेस व उनके विरोधियो मे सीधा सघर्ष हुआ। चुनाव का परिणाम बडा ही विस्मयकारी था। इसमे काग्रेस का पतन एव उसके मलवे पर जनता पार्टी का अभ्युदय था।

पूरे भारत मे इस निर्वाचन वर्ष मे जनतापार्टी एव उसके सहयोगियो को 295 स्थान प्राप्त हुआ जब कि काग्रेस को मात्र 154 स्थान। इलाहाबाद जिले की तीनो लोकसभा सीट भारतीय लोकदल के खाते मे गयी। भारतीय लोकदल का कुल वैधमतो का 64 11% मत प्राप्त हुआ। जबकि काग्रेस को मात्र 26 55% मत। विधानसभा परिणाम भी काग्रेस के विपक्ष मे गया। यहा 14 विधान सभा सीटो मे काग्रेस एक सीट भी न प्राप्त कर सकी। समस्त सीट जनतापार्टी ने जीता। 14 विधान सभा क्षेत्र की समस्त सीटो मे वैधमतो का 48 85% भारतीय जनतापार्टी ने प्राप्त किया। जबकि काग्रेस को 33 05% मत मिला। यह पराजित दल (तृतीय दल) के रूप मे रहे।

**7 8 अष्टम लोकसभा एव विधानसभा निर्वाचन–1980** वर्ष 1980 के ससदीय एव विधानसभायी चुनाव निम्न तत्वो के परिणाम थे–

1) जनतापार्टी एक वैकल्पिक राष्ट्रीय सगठन नही बना पायी।

2) जनता पार्टी सरकार मे रहकर हरिजनो मुसलमानो और निर्बलवर्ग की सुरक्षाा नही कर सकी।

3) जनता पार्टी के शासनकाल मे अनेक साम्प्रदायिक दग्रे हुए।

4) चुनाव मे जनता से किये गये वादो को यह पार्टी पूरा करने म विफल रही।

वही 1980 के चुनाव मे काग्रेस ने जनता पार्टी के दुश्शासन एव मुख्य नीतियो को जनता के सामने विश्लेषणात्मक रूप मे प्रस्तुत किया।

1977 मे जनतापार्टी की भारी विजय का कारण सगठित विपक्ष था। जो 1980 मे जनता के सामने काग्रेस के अलावा कोई विकल्प नही रह गया और काग्रेस भारी मतो से विजयी हुई। प्रदेश की 425 विधानसभा सीटो मे से काग्रेस को 300 स्थान प्राप्त हुए। इलाहाबाद जनपद मे लोकसभा की तीन सीटो मे से 2 सीट काग्रेस को मिली तथा एक सीट जनतापार्टी (एस) को प्राप्त हुई। काग्रेस (आई) ने इलाहाबाद एव चायल ससदीय क्षेत्रो से वैधमतो का 43 36% मत प्राप्त किया।

विधानसभा की 14 सीटो मे से काग्रेस को 12 सीटे प्राप्त हुई। 2 सीटे जनता पार्टी (5) को चौधरीचरण को प्राप्त हुई। ये सीटे भी पार्टी छवि के कारण नही वरन उम्मीदवार छवि के कारण प्राप्त हुई।

**7 9 नवम लोकसभा विधानसभा निर्वाचन 1984–85** दिसम्बर 1984 मे हुए लोकसभा चुनाव मे मतदाताओ ने काग्रेस (I) भारी विजय दिलायी किन्तु मार्च 1985 म हुए विधानसभाआ क चुनाव म विपक्ष न अपन स्थान का एहसास दिला दिया। विधानसभा चुनाव मे लोकसभा चुनाव जैसी प्रबल राजीव लहर नही चल सकी।

लोकसभा चुनाव मे इलाहाबाद जनपद की तीनो ससदीय सीटो पर काग्रेस (I) ने भारी बहुमत से विजय प्राप्त की। काग्रेस को कुल वैधमतो का 55 53 मत प्राप्त हुआ जो कि एक कीर्तिमान था। विधानसभा चुनावो मे काग्रेस ने 14 मे से

मात्र आठ सीटो पर विजय प्राप्त की। 3 सीटे लोकसदल एव 3 निर्दलीय उम्मीदर विजयी हुए।

**7 10 दशम लोकसभा विधान सभा निर्वाचन 1989** 1989 का चुनाव नवी लोकसभा एव दसवी विधानसभा के लिए हुआ। लोकसभा चुनाव मे राजनीतिक दलो के पास अनेक मुद्दे थे काग्रेस (I) ने लोगो के सामने यह मुद्दा रखा की केन्द्र मे स्थाई सरकार केवल वही बना सकती है। इसके साथ–2 काग्रेस ने पचायती राज विधेयक नगरपालिका विधेयक का व्योरा देते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष ने उसे पारित नही होने दिया। इधर विपक्ष के पास भी मुद्दो की कमी नही थी भ्रष्टाचार मूल्यो मे वृद्धि देश भर मे साम्प्रदायिक उफान और केन्द्र व राज्य की उपेक्षा और सबसे बडा मुद्दा था बोफोर्स तोप सौदे मे दलाली का आरोप रामजन्मभूमि बाबरी मस्जिद विवाद पूरे देश मे फैल गया। सम्पूर्ण देश मे अल्पसख्यको मे असुरक्षा की भावना घर कर गयी। विपक्ष ने विश्वास दिलाया की सत्ता परिवर्तन ही उनकी सुरक्षा का कवच बन सकेगा।

लोकसभा की 525 सीटो के लिए चुनाव हुआ। काग्रेस (I) 193 सीटे प्राप्त कर सबसे बडी पार्टी बन गयी। काग्रेस (आई) को 1985 मे 48 1 प्रतिशत मत मिले जो कि 1989 मे घटकर 38 2% हो गया।

इलाहाबाद जनपद मे 1989 के चुनाव मे काग्रेस का प्रदर्शन बहुत खराब था। 3 लोकसभा सीटो मे से काग्रेस (आई) मात्र एक सीट पर विजय प्राप्त की। शेष दो सीटे जनतादल के खाते मे गयी। जनतादल को कुल वेधमतो का 40 79 प्रतिशत मत मिला तथा काग्रेस (आई) को 36 60 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ। विधानसभा की 14 सीटो मे जनता दल ने नौ सीटो पर विजय हासिल की जब काग्रेस ने 2 सीटो पर विजय प्राप्त की 2 सीटो पर भा0ज0पा0 तथा 1 सीट निर्दलीय ने विजय प्राप्त की। जनतादल को कुल वैध मतो का 43 53 प्रतिशत मत प्राप्त हुए।

**7 11 एकादश लोकसभा विधानसभा निर्वाचन–1991** 1991 के लोकसभा चुनाव मे विभिन्न राजनीतिक दलो ने अपने–अपने नीतियो एव कार्यक्रमो से जनता को प्रभावित करने का प्रयास किया। काग्रेस ने यह चुनाव राजीव गाधी के नेतृत्व मे लडा किन्तु दुर्भाग्य यह रहा कि प्रथम चरण चुनाव के बाद 21 मई को उनका देहावसान हो गया। काग्रेस मूल्यवृद्धि रोजगार मे वृद्धि श्रमिको के लिए पेशन अल्पसख्यको के अधिकारो की रक्षा जैसे मुद्दो पर चुनाव लडी तो भा0ज0पा0 स्वदेश व स्वधर्म की नीति छद्म धर्मनिरपेक्षता का विरोध अयोध्या मे राम मन्दिर का निर्माण उत्तराचल को अलग राज्य बनाना सरकारिया आयोग की रिर्पोट लागू करना जैसे मुद्दो पर चुनाव लडी। दोनो दलो ने उपरोक्त मुद्दो पर जनमत को अपनी ओर आकर्षित करने का पूर्ण प्रयास किया।

लोकसभा चुनाव मे काग्रेस को 225 स्थान भा0ज0पा0 को 119 स्थान मिले और केन्द्र मे काग्रेस (आई) की सरकार बनी किन्तु उ0प्र0 विधानसभा मे 211 स्थान प्राप्त कर भा0ज0पा0 ने अपनी सरकार का निर्माण किया।

इलाहाबाद जिले मे काग्रेस (आई) की स्थिति शून्य रही है। तीनो ससदीय क्षेत्रो मे जनतादल ने विजय हासिल की जब भा0ज0पा0 दूसरे स्थान पर रही। काग्रेस को जिले के मतदाताओ ने पूर्णरूप से अस्वीकार कर दिया। 1991 के निर्वाचन मे इलाहाबाद जनपद के मतदाताओ ने जनतादल को स्वीकार किया और उसे कुल वैध मतो का 32 59 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ। जब कि भारतीय जनता पार्टी को 29 17 प्रतिशत प्राप्त हुआ। विधानसभा चुनाव मे मतदाताओ का झुकाव जनतादल की तरफ ही रहा। 14 विधान सभा सीटो मे से 09 सीटे जनतादल 03 सीटे भा0ज0पा0 01 सीट स0पा0 और 01 सीट निर्दलीय को प्राप्त हुई। जनतादल को कुल वैधमतो का 36 03 प्रतिशत एव भारतीय जनता पार्टी को 23 97 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ।

## चर्तुथ अध्याय

# सीट वितरण प्रतिरूप

# 4 सीट वितरण प्रतिरूप

प्रस्तुत अध्याय मे उ0प्र0 के इलाहाबाद जनपद मे 1952 से 1991 तक सम्पन्न हुए लोकसभा एव विधानसभा निर्वाचन मे विजित सीटो की दलीय स्थिति वितरण प्रतिरूप आरक्षित सीटो तथा प्रतियोगियो की प्रगाढता का अध्ययन किया गया है। अध्ययन को सुविधा की दृष्टि से छ भागो मे विभाजित किया गया। प्रथम भाग 4 1 मे लाकसभा सीट वितरण प्रतिरूप मे दला की वास्तविक स्थिति सापेक्षिक स्थिति तथा वितरण प्रतिरूप का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। द्वितीय भाग 4 2 मे विधानसभा सीट वितरण प्रतिरूप दलो की वास्तविक स्थिति सापेक्षिक स्थिति तथा वितरण प्रतिरूप को दर्शाया गया है। तृतीय भाग 4 3 मे दल प्रतियोगिता विश्लेषण लोकसभा एव विधानसभा प्रस्तुत किया गया है। चतुर्थ भाग 4 4 मे विधानसभा दल प्रतियोगिता विश्लेषण निरूपित किया गया है। पचम भाग 4 5 मे प्रतियोगियो की प्रगाढता लोकसभा एव विधानसभा दर्शाया गया है। अन्तिम भाग 4 6 मे आरक्षित एव सामान्य सीटो का वर्णन लोकसभा विधानसभा प्रस्तुत किया गया है साथ मे आरक्षित एव सामान्य सीटो मे मतदान को दर्शाया गया है।

## 4 1 लोकसभा वितरण प्रतिरूप

**4 1 1 सीट** प्रस्तुत भाग मे उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद जिले मे 1952 से 1991 तक सम्पन्न लोकसभा निर्वाचन मे दलो की वास्तविक स्थिति सापेक्षिक स्थिति एव वितरण प्रतिरूप का विशद् विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है।

4 1 1 1 **दलो की वास्तविक स्थिति** 1952 से 1991 के लोकसभा निर्वाचन मे वास्तविक दलीय स्थिति तालिका क्रमाक 4 1 मे प्रस्तुत है–

## तालिका 4 1 – दलीय स्थिति 1952–1991

| दल का नाम | 1952 | 1957 | 1962 | 1967 | 1971 | 1977 | 1980 | 1985 | 1989 | 1991 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस (I)/(J) | 02 | 02 | 03 | 03 | 03 | | 02 | 03 | 01 | – |
| कम्युनिस्ट पार्टी | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – |
| जनता पार्टी | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – |
| एस एस पी | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – |
| जनसघ | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – |
| भा ज पा | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – |
| जनता दल | – | – | – | – | – | – | – | – | 02 | 03 |
| जनता (S) | – | – | – | – | – | – | 01 | – | – | – |
| भारतीय लोक दल | – | – | – | – | – | 03 | – | – | – | – |
| अन्य निर्दलीय | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – |

तालिका 4 1 से स्पष्ट है कि काग्रेस इलाहाबाद जिले के तीनो ससदीय क्षेत्र 1952 से 1971 तक अपना एकाधिकार बनाये रखी। इन वर्षो मे काग्रेस (भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस (आई) के अलावा अन्य कोई दल कभी भी चुनाव मे एक भी स्थान प्राप्त न कर सके। कारण स्वतन्त्रता आन्दोलन का केन्द्र इलाहाबाद होने के साथ–2 पडित जवाहर लाल नेहरू लालबहादुर शास्त्री जैसे राष्ट्रीय नेता इस पार्टी के साथ जुडे थे। 1977 के लोकसभा निर्वाचन मे काग्रेस ने अपना अस्तित्व खो दिया। तीनो ससदीय क्षेत्रो मे से काग्रेस (आई) एक पर भी विजय प्राप्त न कर सकी। तीनो सीटे लोकदल के पक्ष मे गई जनता ने काग्रेस की तानाशाही नीतियो का खुल कर विरोध किया। 1980 के निर्वाचन वर्ष मे काग्रेस ने पुन अपना प्रभाव बढाया तथा 3 लोकसभा क्षेत्रो मे से 2 स्थान उसे प्राप्त हुए। एक स्थान फूलपुर जनता पार्टी (एस) को प्राप्त हुआ। पुन 1985 के चुनाव मे

Seats won by Dıfferent Partıes (1952-1991)
Lok Sabha
Seats
3
2 5
2
1 5
1
0 5
0
1952
1957
1962
1967
1971
1977
1980
1985
1989
1991
Year
Congress
Janta Dal
Janta S
Lok Dal
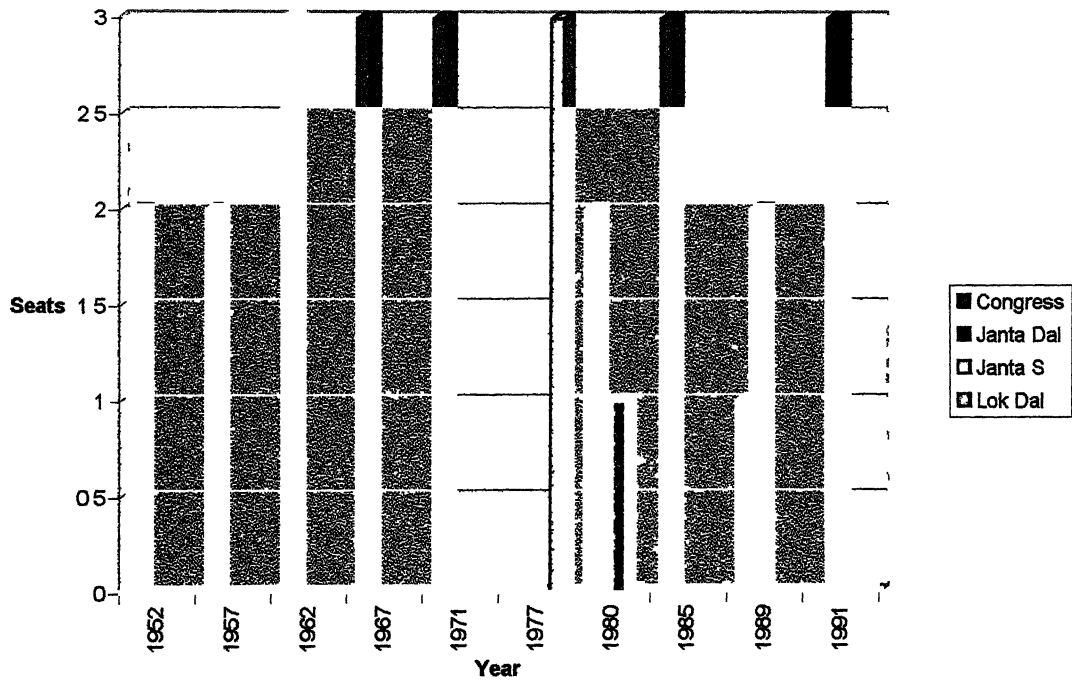
Table 4 1

काग्रेस (आई) ने अपने पुराने प्रभाव का प्रदर्शन किया राजीव लहर ने काग्रेस (आई) को तीनो सीटो पर विजय दिलायी। 1989 मे काग्रेस से अलग हुए कुछ राष्ट्रीय नेताओ एव विपक्ष ने मिलकर काग्रेस (आई) के विरोध मे चुनाव लडा जिसका प्रभाव निर्वाचन पर पूर्ण रूप से पडा क्योकि काग्रेस (आई) ने मात्र एक सीट पर विजय प्राप्त की जबकि जनतादल ने 2 सीटो पर विजय प्राप्त की। पुन 1991 के चुनाव काग्रेस (आई) ने इलाहाबाद ससदीय क्षेत्र से अपना प्रभाव पुन खो दिया क्योकि इस चुनाव मे तीनो सीटो पर जनतादल ने विजय प्राप्त की।

**दलो की सापेक्षिक स्थिति** **1952 से 1991** तक के निर्वाचन की इलाहाबाद जनपद मे ससदीय क्षेत्रो की सापेक्षिक दलीय स्थिति तालिका 4 2 मे प्रदर्शित है–

**तालिका 4 2**

| दल का नाम | 1952 | 1957 | 1962 | 1967 | 1971 | 1977 | 1980 | 1985 | 1989 | 1991 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस (I)/(J) | 73 20 | 79 80 | 54 03 | 44 94 | 25 98 | 26 55 | 39 01 | 56 53 | 36 63 | 10 10 |
| कम्युनिस्ट पार्टी | | | | | | | | | | |
| जनता पार्टी | | | | | | | 15 72 | | | 10 78 |
| एस एस पी | | | | 32 75 | 0 43 | | | | | |
| जनसघ | | | 25 06 | | | | | | | |
| भा ज पा | | | | | | | | | | 28 94 |
| जनता दल | | | | | | | | | 40 80 | 32 56 |
| जनता (S) | - | | | | | | 33 36 | | | |
| भारतीय लोकदल | | | | | | 64 11 | | 33 37 | | |
| सोसलिस्ट | - | | 9 39 | | | | | | | |
| अन्य/निर्दलीय | 26 80 | 20 20 | 11 52 | 22 81 | 8 96 | 9 30 | 11 31 | 10 17 | 3 77 | 1 98 |
| काग्रेस (J) | | | | | | 0 04 | | | | |
| भारतीय क्रान्तिदल | | | | | 7 85 | | - | | | |
| काग्रेस (J) | - | | | | 56 78 | | | | | |
| बीएसपी. | | | | | | | | | 18 83 | 15 88 |

तालिका 4 2 से स्पष्ट है कि वर्ष 1952 के प्रथम नव निर्वाचन मे काग्रेस ने जनमत पर पूरी तरह से कब्जा किया था क्योकि उसे 1952 मे कुल बैध मतो का 73 20 प्रतिशत मत अकेले प्राप्त हुआ। पाच साल सत्ता मे रहने के बाद भी जनमत का काग्रेस से मोहभग नही हुआ क्योकि काग्रेस मे पडित जवाहर लाल नेहरू एव लालबहादुर शास्त्री जैसे व्यक्तित्व थे। 1957 के निर्वाचन वर्ष मे काग्रेस की छवि सुधरी और उसे 79 80 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ। दोनो महानिर्वाचनो के बाद 1962 मे जिस समय चीन भारत तनाव चल रहा था उस वर्ष नेहरू की नीतियो के कारण जनमत कई दिशाओ मे बट गया। 1962 के महानिर्वाचन मे कुल वैध मतो का काग्रेस को केवल 54 03 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ जबकि जनसघ को 25 06 एव सोसलिस्ट पार्टी को 9 39 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ। काग्रेस के लिए जनमत की चेतावनी थी कि हर गलत–सही निर्णयो पर जनता अपना समर्थन नही करेगी। 1967 के महानिर्वाचन मे काग्रेस का जनमत 9 09 प्रतिशत नीचे गिरा अर्थात कुल वैध मतो का काग्रेस को केवल 44 94 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ वही जनसघ को वोट बैक बढा उसे कुल वैधमत का 32 75 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ। 1971 के चुनाव काग्रेस (J) नयी पार्टी के रूप मे उभरी जिसने भा0रा0काग्रेस की छवि धूमिल कर दी। इस निर्वाचन मे जहॉ काग्रेस (आई) को 25 98 प्रतिशत मत मिले वही काग्रेस (जे) को 57 78 प्रतिशत मत मिले अन्य छोटे–छोटे क्षेत्रीय दलो की ओर भी जनमत आकृष्ट हुआ जिसस भारतीय क्रान्ति दल को 7 8 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ। 1977 के महानिर्वाचन मे इलाहाबाद ससदीय क्षेत्रीय से भा0रा0 काग्रेस का अस्तित्व लगभग समाप्त सा हो गया क्योकि तीन सीटो मे से भारतीय काग्रेस को एक सीट पर भी विजय नही मिली। तीनो सीटो पर भारतीय लोकदल ने विजय हासिल की उसे कुल वैध मतो का 64 11 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ काग्रेस को 25 55 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ 1980 के निर्वाचन मे भा0रा0 काग्रेस ने अपनी स्थिति मे सुधार किया उसे कुल वैध मतो का 39 01 प्रतिशत मत मिला जबकि जनता (S) जो काग्रेस की मुख्य प्रतिद्वन्द्वी

थी उसे वैध मतो का 33 36 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ। 1985 के महानिर्वाचन मे काग्रेस (आई) को राजीव जैसा व्यक्ति मिला वैध मतो मे वृद्धि बहुत तो नही हुई किन्तु काग्रेस ने तीनो सीटो पर विजय प्राप्त कर 56 53 प्रतिशत मत प्राप्त किया वही उसकी प्रतिद्वन्द्वी भारतीय लोकदल ने 33 37 प्रतिशत मत प्राप्त किया। 1989 का निर्वाचन वर्ष काग्रेस (आई) के लिए चुनौती भरा था क्योकि कई राष्ट्रीय नेताओ एव क्षेत्रीय पार्टियो के मिलकर काग्रेस (आई) के खिलाफ एक मोर्चा खडा किया। इस वर्ष काग्रेस को मात्र एक सीट पर विजय प्राप्त हुई वह भी उम्मीदवार छवि के कारण। काग्रेस (आई) को कुल वैध मतो का 36 60 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ जब कि जनतादल को 40 80 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ। क्षेत्रीय पार्टी के रूप मे उभरी बी एस पी ने जो कि मोर्चे मे शामिल नही हुई अपने नीति एव कार्यक्रम के आधार पर कुल वैध मतो का 18 83 प्रतिशत भाग प्राप्त किया। निर्वाचन वर्ष 1991 जनमत के लिए चुनौती भरा था क्योकि इस चुनाव के पहले राजनैतिक उठापटक अपने चरम विन्दु थी। जनता पूरी तरह से भ्रमित थी किन्तु चुनाव के समय जनता ने राजनेताओ को अपनी सोच का एहसास करा दिया। काग्रेस (आई) को 10 90 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ जो कि इस पार्टी के लिए एक चेतावनी थी। 1952 से 1991 तक कभी भी इतना खराब प्रदर्शन काग्रेस का नही रहा। जनता दल मुख्य पार्टी के रूप मे उभरी उसे कुल वैधमतो का 32 56 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ। जनतापार्टी को 10 78 प्रतिशत एव बी एस पी को 15 88 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ। अर्थात क्षेत्रीय दलो का अस्तित्व जनमत ने स्वीकार किया।

## वितरण–प्रतिरूप

प्रस्तुत भाग मे लोकसभा सीटो का वितरण प्रतिरूप इलाहाबाद जनपद मे 1952 से 1991 तक प्रस्तुत किया गया। विजयी दलो मे वितरण के साथ–साथ द्वितीय दल वितरण एव अन्य दलो के वितरण प्रतिरूप को प्रस्तुत किया गया है।
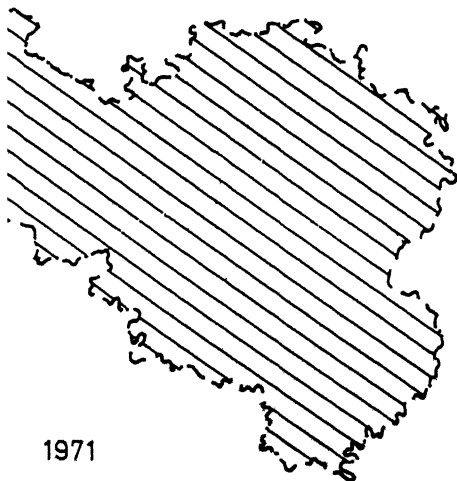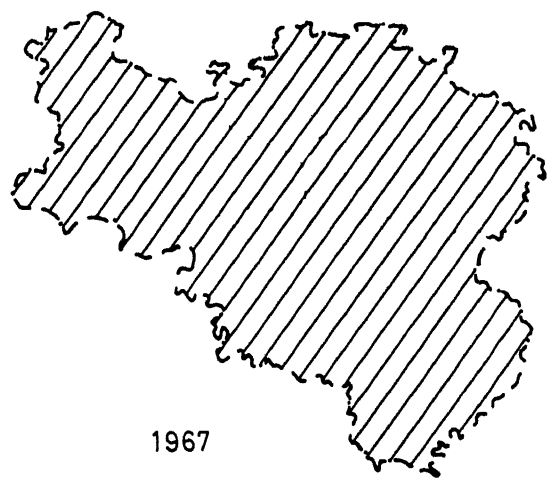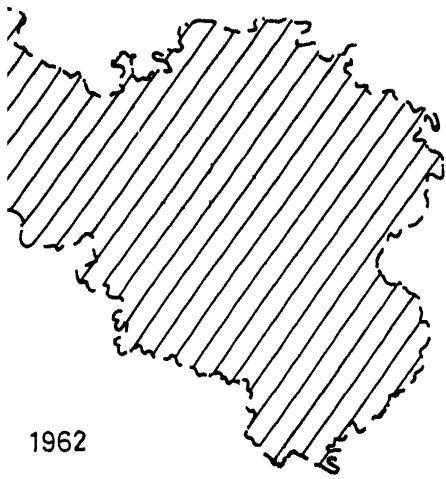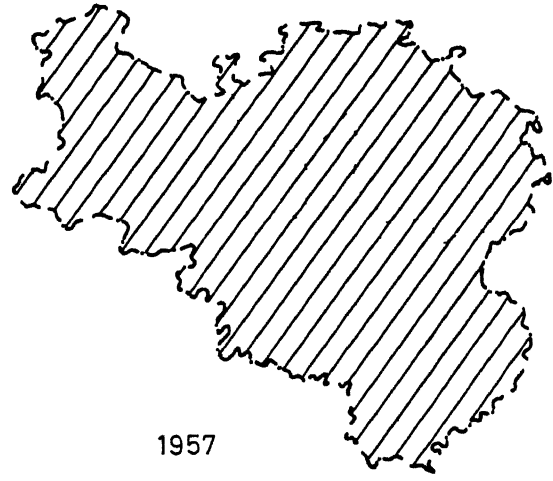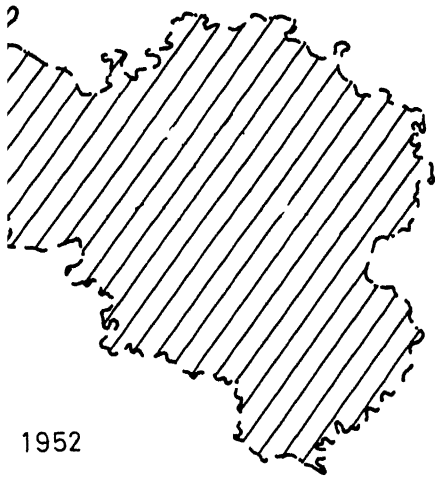
11 Party Distribution 1952 to 1971 Loke Sabha (Winning Parties)
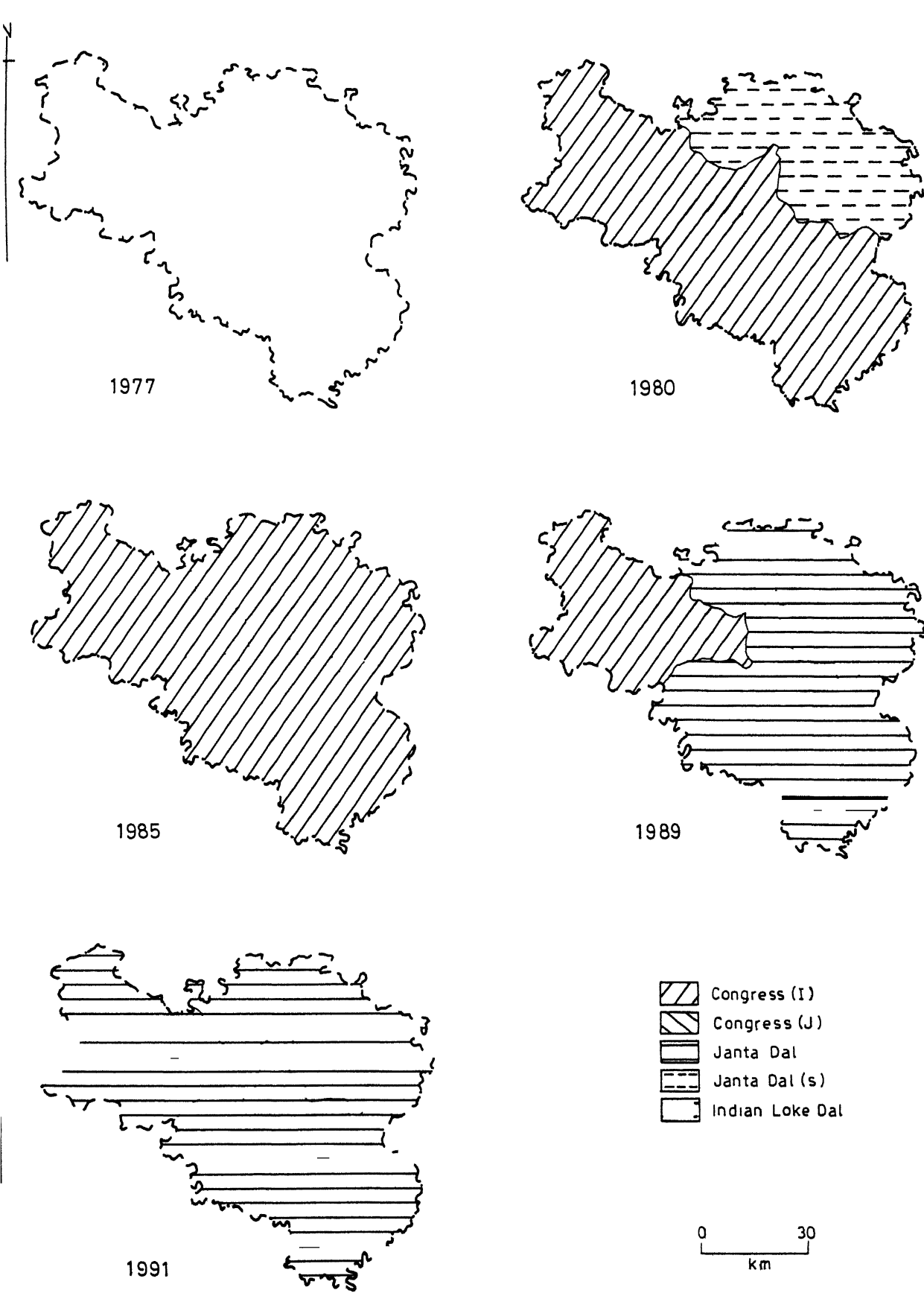
Fig 4.12 Party Distribution 1977 to 1991 Loke Sabha (Winning Parties)

## विजयी दल का वितरण

1992 से 1991 तक के निर्वाचन वर्षो मे विजयी दलो का वितरण मानचित्र 4 1 1 एव 4 1 2 मे प्रस्तुत किया गया। मानचित्रानुसार विभिन्न दलो का वितरण प्रतिरूप निम्न प्रकार से है।

1952 के लोकसभा चुनाव मे काग्रेस लोकसभा के तीनो क्षेत्रो मे फैली रही। 1957 1962 एव 1967 मे काग्रेस सम्पूर्ण जनपद मे फैली रही। 1971 के लोकसभा चुनाव मे काग्रेस (जे) ने भा0 रा0 काग्रेस के तीनो स्थानो पर अपना प्रमुख स्थान कायम किया 1977 मे तीनो लोकसभा इलाहाबाद चायल फूलपुर पर लोकदल ने विजय प्राप्त किया। 1980 मे अ0 भा0 काग्रेस ने दो सीटो क्रमश इलाहाबाद चायल पर विजय प्राप्त की। जब कि फूलपुर सीट जनता पार्टी (S) का क्षेत्र बना। पुन 1985 मे लोकसभा की तीनो सीटे काग्रेस (आई) के खाते मे गयी। 1989 के निर्वाचन वर्ष मे पुन क्षेत्रीय वितरण मे परिवर्तन हुआ। इस चुनाव मे काग्रेस (आई) ने चायल ससदीय निर्वाचन क्षेत्र मे विजय प्राप्त की जब कि जनता दल ने इलाहाबाद एव फूलपुर ससदीय क्षेत्रो मे विजय हासिल की। 1991 के चुनाव मे इलाहाबाद जनपद के तीनो ससदीय क्षेत्र इलाहाबाद चायल फूलपुर **जनता दल** का क्षेत्र बन गया।

## [illegible] द्वितीय दल का वितरण

इस अनुभाग मे निर्वाचन क्षेत्रो मे द्वितीयक दल वितरण को प्रस्तुत किया गया। 1952 से 1991 तक लोकसभा निर्वाचन मे द्वितीयक दलो का वितरण मानचित्र 4 2 1 एव 4 2 2 मे प्रस्तुत किया गया है मानचित्र के अनुसार निम्नक्षेत्र पाये गये।
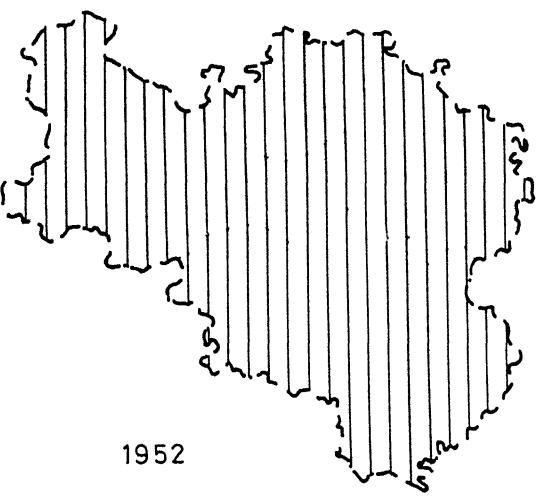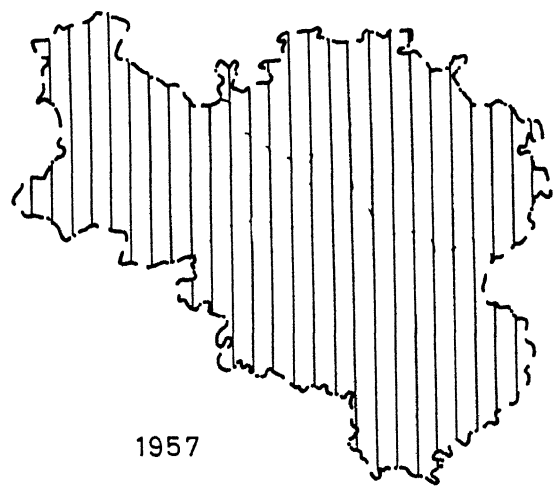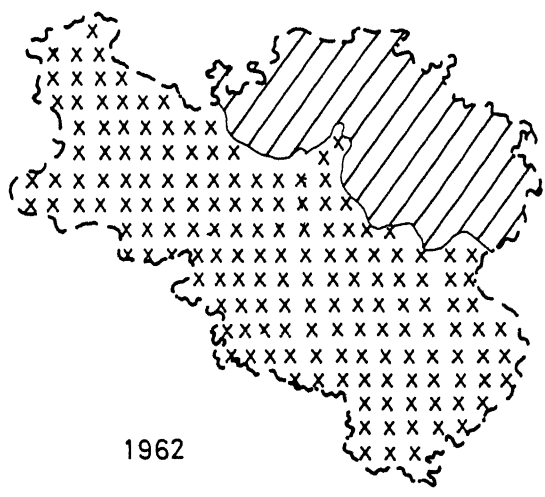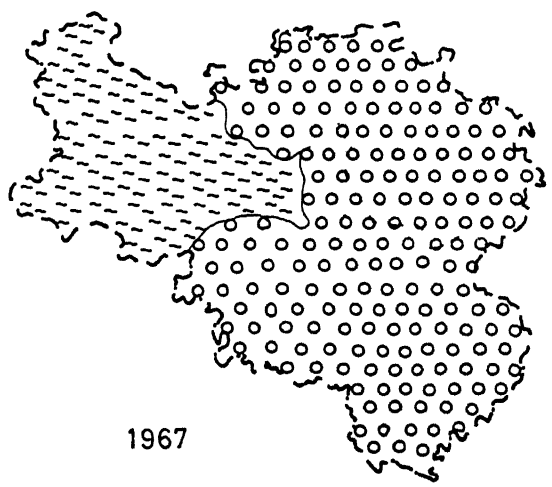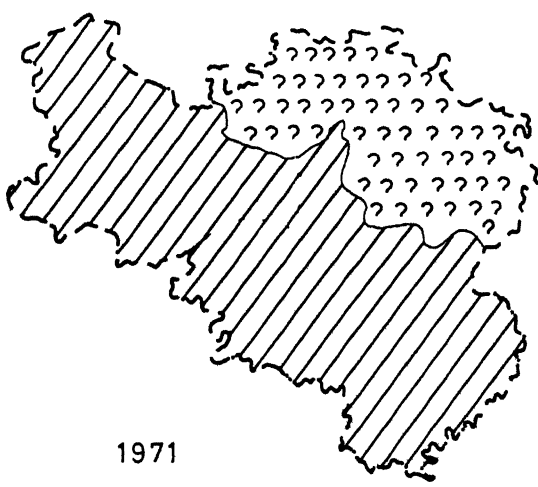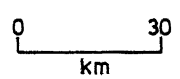
Fig 4 21 Party Distribution 1952 to 1971 Loke Sabha (Runner Parties)
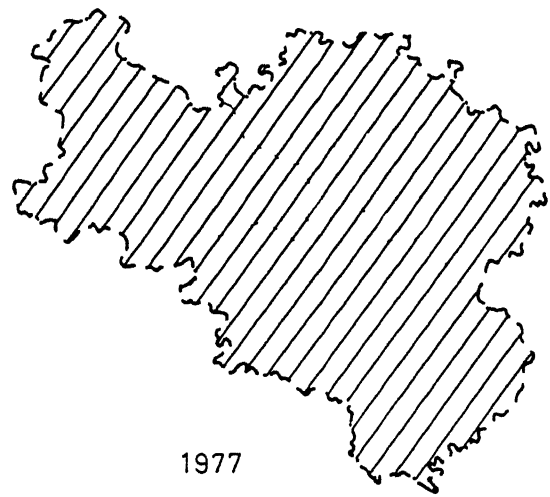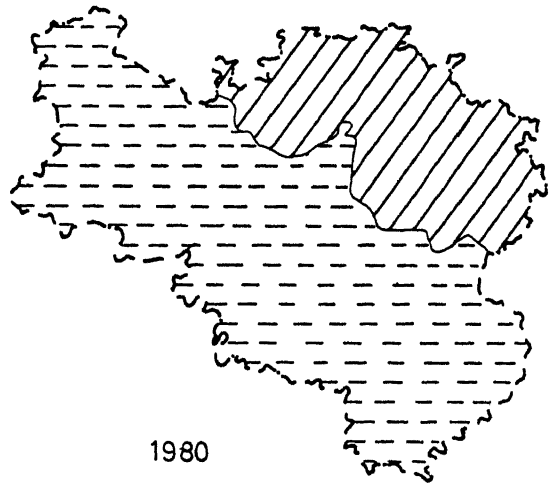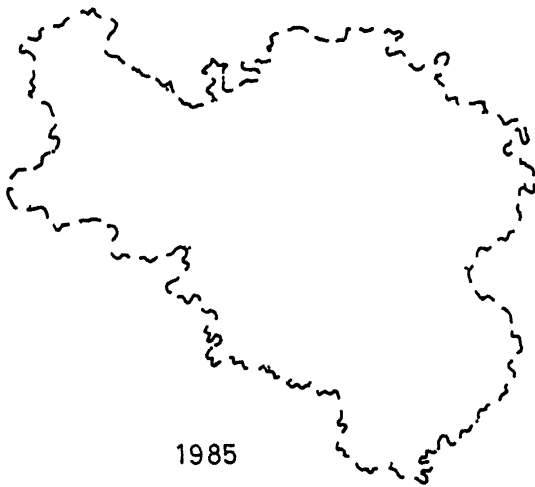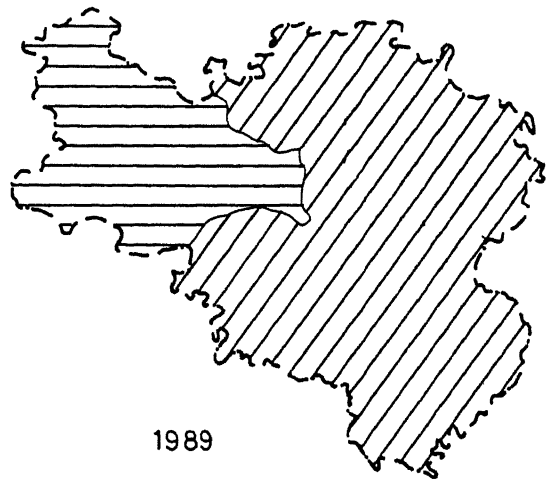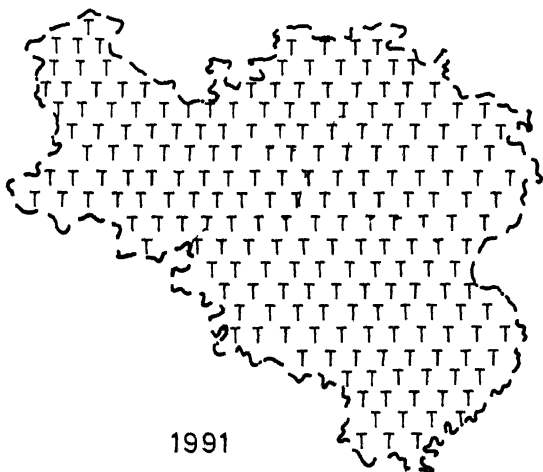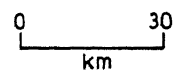
ig 4 2 2 Party Distribution 1977 to 1991 Loke Sabha (Runner Parties)

**भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस/काग्रेस (आई)** 1952 से 1991 तक के निर्वाचन मे 1971 मे इसका क्षेत्र इलाहाबाद चायल था। 1977 मे इलाहाबाद फूलपुर चायल तीनो क्षेत्र था। 1980 मे फूलपुर मे द्वितीय दल क्षेत्र था। 1989 के चुनाव मे इलाहाबाद एव फूलपुर क्षेत्र था जबकि 1991 के निर्वाचन मे भा0 रा0 काग्रेस/काग्रेस (आई) का इलाहाबाद जनपद मे कोई क्षेत्र नही रहा। द्वितीय दल के रूप जब भी काग्रेस स्थान प्राप्त किया इसके पीछे प्रमुख कारण काग्रेस का विभाजन या नेताओ का पलायन रहा है।

जनसघ द्वितीय दल के रूप मे जनसघ 1962 मे इलाहाबाद चायल ससदीय क्षेत्र मे था।

**भा0ज0पार्टी**—1991 मे चुनाव मे भा0ज0पा0 इलाहाबाद चायल फूलपुर ससदीय क्षेत्र मे द्वितीयक दल के रूप मे रही।

**जनता दल**—1989 मे चायल ससदीय क्षेत्र जनता दल के क्षेत्र मे था।

**लोकदल क्षेत्र**—1985 मे इलाहाबाद फूलपुर चायल तीनो ससदीय क्षेत्रो मे लोकदल द्वितीयक दल के रूप मे विद्यमान था।

**जनता (एस) क्षेत्र**—1980 मे निर्वाचन मे इलाहाबाद चायल ससदीय क्षेत्र मे जनता (एस) द्वितीयक दल के रूप मे विद्यमान थी।

**भारतीय क्रातिदल**—1971 मे फूलपुर ससदीय क्षेत्र मे भारतीय क्रान्ति दल का क्षेत्र था।

**एस—एस—पी**—1967 फूलपुर इलाहाबाद ससदीय क्षेत्र मे एस—एस—पी का क्षेत्र था।

**रिपब्लिकन क्षेत्र**–1967 मे चायल ससदीय क्षेत्र रिपब्लिकन पार्टी विद्यमान थी।

**सोसलिस्ट क्षेत्र**–1962 मे फूलपुर ससदीय क्षेत्र सोसलिस्ट के साथ थी।

### 4 2 – विधानसभा वितरण प्रतिरूप (1952–91)

**4 2 1 सीट**–प्रस्तुत भाग मे उ0प्र0 के इलाहाबाद जनपद मे विधानसभा निर्वाचन मे दलो की वास्तविक स्थिति सापेक्षिक स्थिति एव वितरण प्रतिरूप का वर्णन निर्वाचन वर्ष 1952 से 91 तक किया गया है। उपरोक्त स्थितियो का वर्णन करते समय तात्कालीन सामाजिक राजनैतिक आर्थिक नीतियो का प्रभाव निर्वाचन मत पर दर्शाया गया।

**4 2 1 1–दलो की वास्तविक स्थिति** निर्वाचन वर्ष 1952 से 1991 तक विधान सभा मे दलो की वास्तविक स्थिति तालिका क्रमाक 4 3 मे स्पष्ट रूप से प्रदर्शित है।

तालिका क्रमाक 4 3 से स्पष्ट है कि–विधानसभा चुनावो मे लोकसभा जैसी स्थिति नही थी। 1952 एव 1957 दो महानिर्वाचन वर्षो मे भा0रा0 काग्रेस को जनमत ने पूर्ण रूप से समर्थन दिया। किन्तु 1962 मे अखिल भारतीय काग्रेस के प्रति लोगो का मोहभग हुआ क्योकि क्षेत्रीय दलो का विकास हुआ। 1962 के चुनाव मे भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस ने अब 06 स्थानो पर विजय प्राप्त की जब 8 स्थान अन्य दलो एव विपक्ष ने जीता जिसमे जनसघ–1 पीएसपी–06 निर्दलीय–एक स्थान जीता। 1974 के निर्वाचन मे काग्रेस विभाजित हो चुकी थी इसलिए मतदाताओ को अधिक प्रभावित नही कर सकी। भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस को 03 स्थान काग्रेस सगठन को 01 स्थान काग्रेस सत्ता को 03 स्थान काग्रेस (आर) को 1 स्थान मिला वही विपक्षी पार्टी भारतीय क्रातिदल को 05 एव जनसघ

को 01 स्थान प्राप्त हुआ। चार भागो मे विभाजित काग्रेस स्पष्ट है पूरी तरह से इस निर्वाचन मे आन्तरिक कलह से ग्रस्त थी। 1977 के निर्वाचन मे जनमत ने

**तालिका—4 3**

| दल का नाम | 1952 | 1957 | 1962 | 1967 | 1974 | 1977 | 1980 | 1985 | 1989 | 1991 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भा रा काग्रस काग्रेस (I) | 14 | 14 | 06 | 08 | 03 | — | 12 | 10 | 05 | — |
| सोसलिस्ट | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| भा0ज0पा0 | — | — | — | — | — | — | — | — | 02 | 03 |
| जनसघ | — | — | 01 | 01 | 01 | — | — | — | — | — |
| कम्युनिस्ट | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| जनतापार्टी | — | — | — | — | — | 14 | — | 01 | — | — |
| जनतादल | — | — | — | — | — | — | — | — | 05 | 09 |
| काग्रेस सगठन | — | — | — | — | 01 | — | — | — | — | — |
| बी0एस0पी0 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 01 |
| पी एस पी | — | — | 06 | — | — | — | — | — | — | — |
| जनता पार्टी (s) | — | — | — | — | — | — | 02 | — | — | — |
| लोकदल | — | — | — | — | — | — | — | 03 | — | — |
| रिपलिक | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| लोकदल (ब) | — | — | — | — | — | — | — | — | 01 | — |
| आर आर पी | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| काग्रेस सत्ता | — | — | — | — | 03 | — | — | — | — | — |
| स्वतन्त्रपार्टी | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| भा0का दल | — | — | — | — | 05 | — | — | — | — | — |
| काग्रेस (R) | — | — | — | — | 01 | — | — | — | — | — |
| किसान मजदूर प्र पा | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| एस एस पी | — | — | — | 03 | — | — | — | — | — | — |
| अन्य / निर्दलीय | — | — | 01 | 02 | — | — | — | — | 01 | 01 |
| **योग** | **14** | **14** | **14** | **14** | **14** | **14** | **14** | **14** | **14** | **14** |

Seats won by Dıfferent Partıes (1952-1974)
Vıdhan Sabha

14
12
10
8
6
4
2
0
Seats
1952
1957
1962
1967
1974
Year

Congress
BJP
Jan Sangh
Janta Party
Janta Dal
Congress(S)
BSP
PSP
JP(S)
Lok Dal
Lok Dal(B)
Congress Satta
CPI(M)
Congress(R)
SSP
Other/Ind
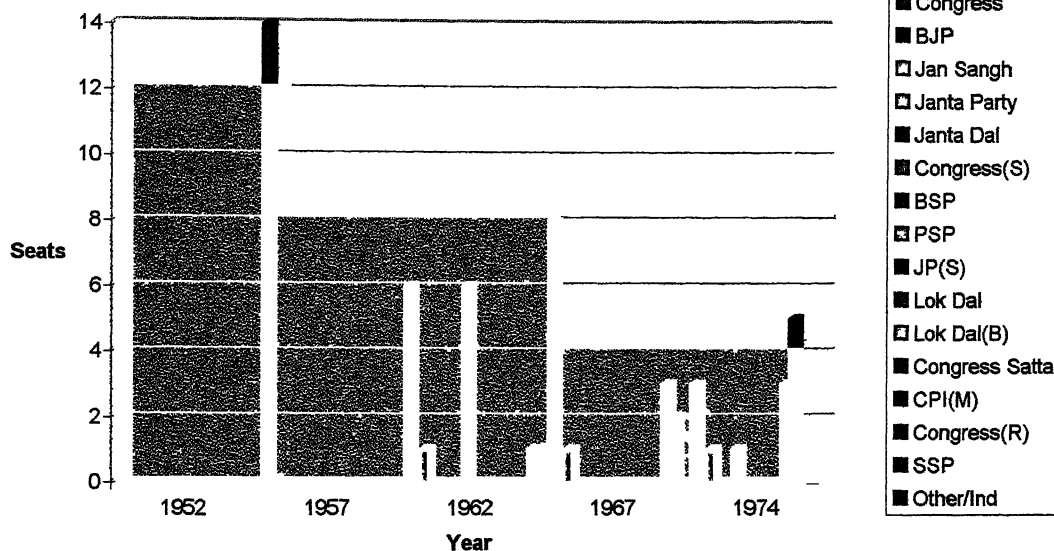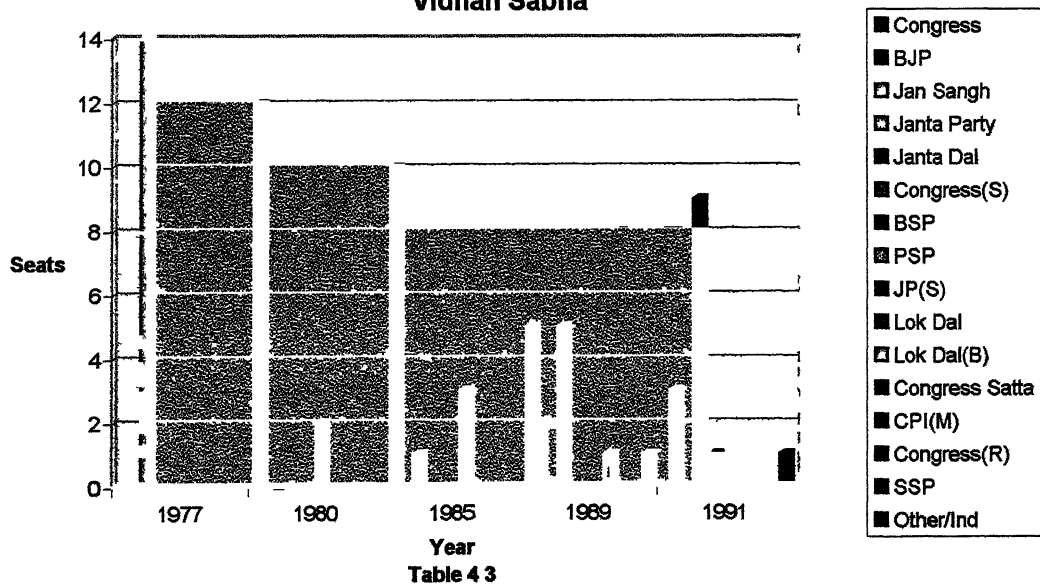
Table 4 3

भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस को स्वीकार नही किया। जनपद इलाहाबाद की 14 विधान सभा सीटे जनतापार्टी नामक नये दल ने जीता। किन्तु 1980 के निर्वाचन मे काग्रेस ने अपनी पराजय का बदला ले लिया उसे 14 सीटो मे से 12 सीटे प्राप्त हुई जब जनतापार्टी (s) को दो सीटे मिली। 1985 मे काग्रेस (I) ने जनपद की 14 सीटो मे से 10 सीटो पर विजय प्राप्त किया जबकि अन्य विपक्षी पार्टियो को क्रमश जनतापार्टी को 01 लोकदल को 03 स्थान प्राप्त हुए। 1989 का निर्वाचन काग्रेस (I) के लिए चुनौती भरा रहा जनमत काग्रेस से ऊब चुकी थी। इस निर्वाचन मे काग्रेस को मात्र 05 सीटो पर विजय मिली जबकि जनतादल –05 भाजपा 02 एव लोकदल (B) 01 स्थान पर रह। इसमे एक स्थान निर्दलीय को भी प्राप्त हुआ। 1989 की लहर 1991 के निर्वाचन मे कायम रही और काग्रेस का इलाहाबाद से पूरी तरह सफाया हो गया इसे जनपद मे कोई भी स्थान नही मिला जब कि विपक्षीदल जनता दल को 09 भाजपा को 03 बीएसपी को 01 एव निर्दलीय को 01 स्थान प्राप्त हुआ।

## दलो की सापेक्षिक स्थिति

दलो की सापेक्षिक स्थिति तालिका क्रमाक–4 4 से स्पष्ट होता है। तालिका से निम्न तथ्य उभर कर आते है। (1) काग्रेस की स्थिति विधान सभा चुनावो से लोकसभा चुनावो जैसी नही रहती है। 1952 मे काग्रेस को विधान सभा चुनावो मे मात्र 43 16 प्रतिशत मत मिले है जबकि 1952 मे लोकसभा चुनाव ने 73 20 प्रतिशत मत (तालिका 4 2) मिले थे। (2) विधान सभा चुनावो मे क्षेत्रीय मुद्दे उम्मीदवार का व्यक्तित्व पार्टी की साख आदि सभी प्रभाव डालते है।

(3) 1957 के चुनाव मे काग्रेस ने 46 31 प्रतिशत मत प्राप्त किया जब कि एक राष्ट्रीय पार्टी थी किन्तु पीएसपी ने 17 72 प्रतिशत मत प्राप्त कर काग्रेस को भविष्य के लिए चौकन्ना कर दिया।

(4) 1962 के महानिर्वाचन वर्ष मे भा0 रा0 काग्रेस को 42 32 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ वही पी0एस0पी0 ने अपना जनमत बढाते हुए 28 87 प्रतिशत मत प्राप्त किया। जनसघ एक तीसरी पार्टी के रूप मे ऊपरी और उसे कुल बैध मतो का 8 04 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ।

तालिका – 4 4

| | वर्ष | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दल का नाम | 1952 | 1957 | 1962 | 1967 | 1974 | 1977 | 1980 | 1985 | 1989 | 1991 |
| भा रा काग्रेस काग्रेस (I) | 43 16 | 46 31 | 42 32 | 36 10 | 11 59 | 33 03 | 41 34 | 36 36 | 23 18 | 11 32 |
| भा0ज0पा0 | | | | | | | 6 80 | 1 63 | 6 86 | 21 42 |
| जनसघ | | | 8 04 | 12 12 | 12 29 | | | | | |
| कम्युनिस्ट | 1 57 | | 0 25 | 0 08 | | | | 4 35 | | 0 14 |
| सोसलिस्ट | 1 05 | | | | 00 41 | | | | | |
| जनतापार्टी | | | | | | 48 85 | | 6 86 | 0 09 | 10 02 |
| रिपब्लिक | | | | | | | | | | |
| जनता दल | | | | | | | | | 30 70 | 30 05 |
| आर आर पी | 0 83 | | | | | | | | | |
| काग्रेस सगठन | | | | | 7 07 | | | | | |
| एस एस पी | | | | 24 92 | | | | | | |
| बहुजन स0 पार्टी | | | | | | | | | 16 20 | 15 02 |
| पी एस पी | | 17 72 | 28 87 | 2 48 | | | | | | |
| जनता पार्टी (S) | | | | | | 26 85 | | | | |
| लोकदल | | | | | | | 28 18 | | | |
| लोकदल (ब) | | | | | | | | | | |
| काग्रेस सत्ता | | | | 4 43 | | | | 7 74 | | |
| भा0का दल | | | | 25 13 | | | | | | |
| काग्रेस (R) | | | | | | | | | | |
| किसान मजदूर प्र पा | 8 41 | | | | | | | | | |
| अन्य / निर्दलीय | 44 89 | 35 97 | 20 16 | 23 64 | 39 08 | 18 12 | 25 05 | 22 62 | 15 21 | 11 98 |

(5) 1967 के महानिर्वाचन मे काग्रेस (भा0रा0) ने 36 10 प्रतिशत मत ही प्राप्त किया जब नयी पार्टी के रूप मे ऊभरी एस एस पी ने 24 92 प्रतिशत मत प्राप्त किया। जनसघ ने अपनी नीतियो कार्यक्रमो से भी रा0 काग्रेस को प्रभावित किया उसे कुल वैध मतो का 12 12 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ।

(6) 1974 के निर्वाचन मे काग्रेस को जनमत ने अपनी बौद्धिकता का पूरा परिचय दिया। क्योकि क्षेत्रीय पार्टी के रूप मे विकसित भारतीय क्रान्तिदल को जनमत ने स्वीकार किया। उसे कुल वैधमतो का 25 13 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ दूसरे स्थान पर रही जनसघ जिसे 12 29 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ। काग्रेस (भा0रा0) को मात्र 11 59 प्रतिशत मत ही मिले। काग्रेस पूरी तरह से इस निर्वाचन मे विखण्डित हो चुकी थी। भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस से अलग हुए गुट काग्रेस (सगठन) 7 07 काग्रेस (सत्ता) 4 43 प्रतिशत मत प्राप्त किया। अगर तीनो काग्रेस को साथ भी कर दिया जाता तो भी जनमत उन्हे स्वीकार नही करता।

(7) 1977 के निर्वाचन मे लगभग सभी विपक्षी दलो ने मिलकर जनतापार्टी नामक एक नया सगठन बनाया वे काग्रेस के नीतियो एव कार्यक्रमो के विरोध मे एक हुए थे। काग्रेस को बुरी तरह से हराकर। जनतापार्टी ने कुल वैध मतो का 48 85 प्रतिशत मत अकेले प्राप्त किया। जबकि काग्रेस 1952 से 77 तक कभी इतनै प्रतिशत वोट नही प्राप्त कर सकी थी। यद्यपि इस चुनाव मे काग्रेस को 33 03 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ था।

(8) 1980 के निर्वाचन मे काग्रेस को 41 36 प्रतिशत मत प्राप्त हुए। जनता पार्टी के आपसी मतभेदो के कारण जनमत उनसे पूरी तरह छुटकारा पाना चाहता था किन्तु 26 85 प्रतिशत मत जनता पार्टी (s) नाम से लडकर प्राप्त कर लिए वही अन्य एव निर्दलीय को 25 05 प्रतिशत मत प्राप्त हुए।

(9) 1985 के महानिर्वाचन मे विपक्ष पूरी तरह से विभाजित था जिसका फायदा काग्रेस ने उठाया उसे कुल वैध मतो का 36 36 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ तथा उसने 10 विधानसभा सीटो पर विजय प्राप्त की। वही विपक्षी दलो लोकदल–28 10 प्रतिशत जनतापार्टी 6 36 प्रतिशत कम्युनिष्ट 4 34 भाजपा 1 63 प्रतिशत तथा अन्य एव निर्दलीय उम्मीदवारो ने 22 62 प्रतिशत मत प्राप्त किया कुल मिलाकर जनपद 63 64 प्रतिशत मतदाता 4 सीटो पर विजय दिला पाये जब 36 36 प्रतिशत मतददताओ ने 10 सीटो पर विजय दिलायी। अर्थात मूलत जनमत काग्रेस मे नही था।

(10) 1989 के विधानसभा चुनाव मे काग्रेस के पास 23 18 प्रतिशत मतदाता ही रह गये। एक नये दल जनतादल ने काग्रेस का स्थान ग्रहण कर लिया उसे कुल वैध मतो का 30 70 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ। बहुजन समाज पार्टी ने इस विधान सभा चुनाव मे 16 20 प्रतिशत मत प्राप्तकर इलाहाबाद जनपद मे महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया। इन दलो के अतिरिक्त अन्य दलो ने भी मतदाताओे का समर्थन हासिल किया भा0ज0पा0 ने 6 86 प्रतिशत मत काग्रेस सत्ता को 7 74 प्रतिशत एव जनता पार्टी को 0 09 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ।

(11) 1991 का महानिर्वाचन वर्ष काग्रेस (I) के लिए निराशा पूर्ण रहा कयोकि 1952 के बाद पहली बार काग्रेस को सम्पूर्ण वैधमतो का मात्र 11 32 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ। जनमत ने पूरी तरह से काग्रेस (I) को अस्वीकार कर दिया। इस निर्वाचन वर्ष मे सर्वाधिक जनमत आकर्षण जनतादल की ओर हुआ दूसरे स्थान पर भा0ज0पा0 रही उसे 21 42 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ। बहुजन समाज पार्टी ने अपने जनमत को लगभग बनाये रखा उसे 15 02 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ। इसके अलावा जनता पार्टी को कुल वैध मतो का 10 02 प्रतिशत कम्युनिस्ट को 0 14 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ।
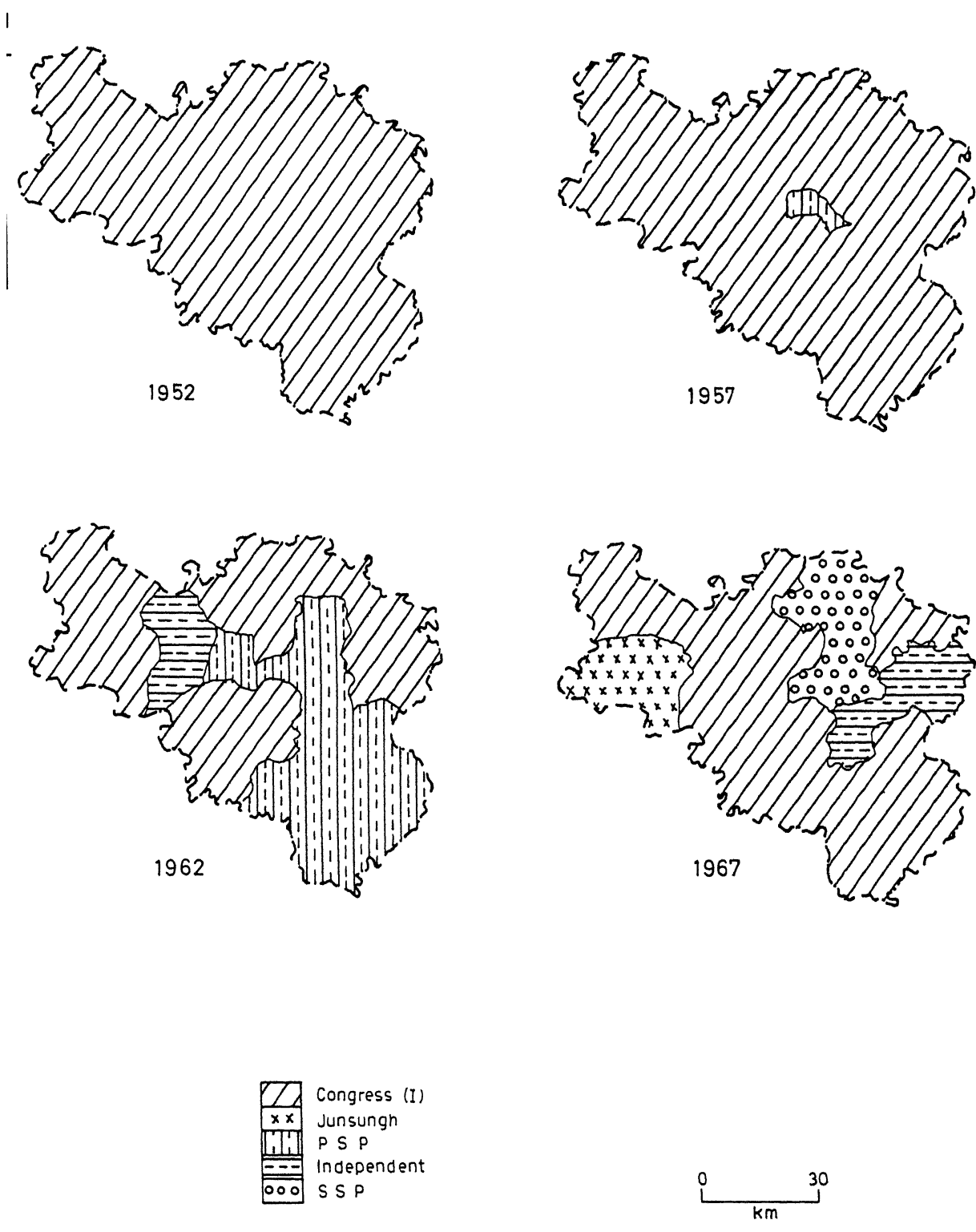
Fig 431 Party Distribution 1952 to 1967 (Winner Parties) Vidhan Sal
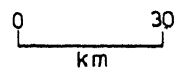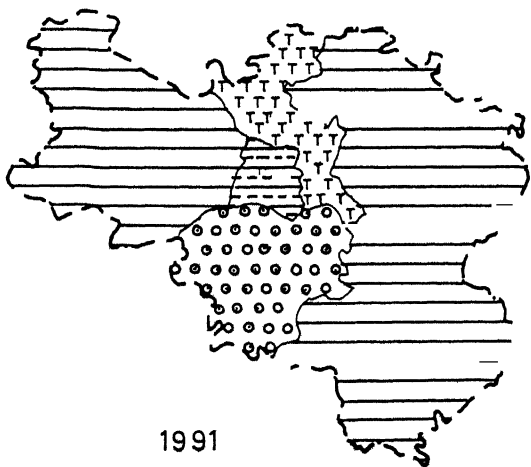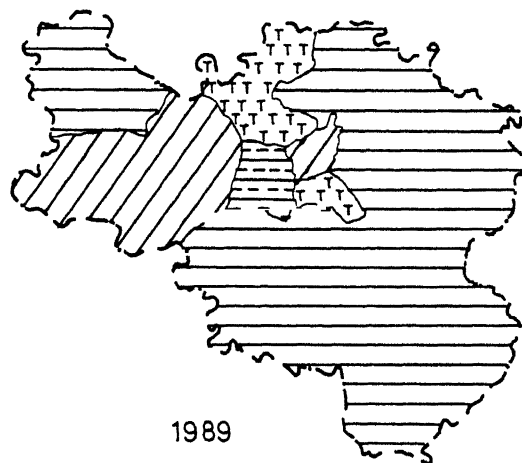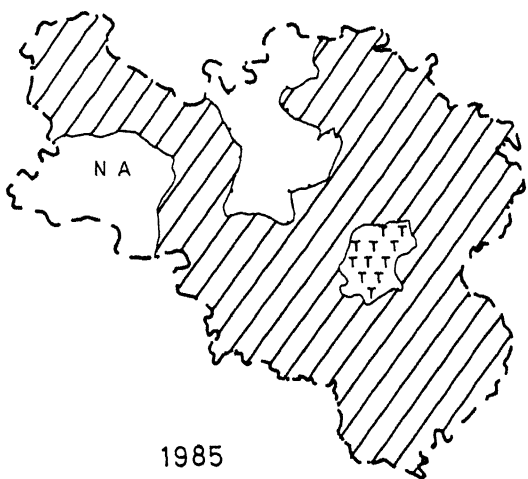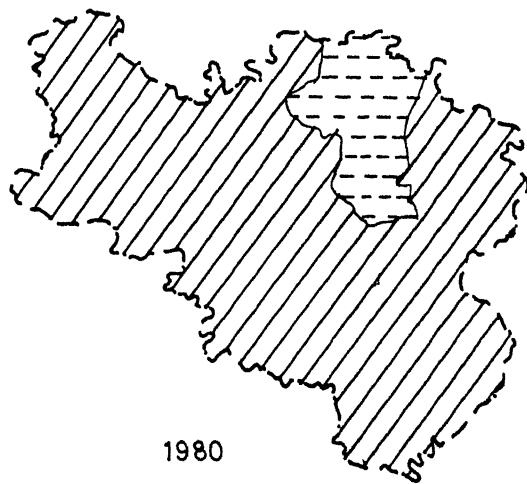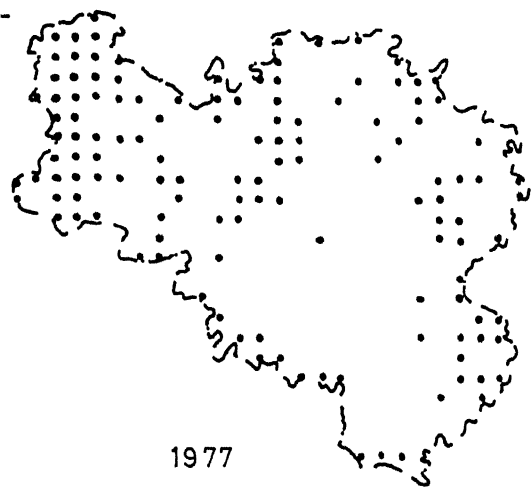
ig 4 3 2 Party Distribution 1977 to 1991 (Winner Parties) Vidhan Sabha

उपरोक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि 1952 से 1991 के निर्वाचन वर्षो मे काग्रेस ने धीरे–धीरे अपने जनमत को खो दिया। जनमत किसी दल विशेष के साथ अधिक निर्वाचन वर्षो तक नही रहता। एक या दो निर्वाचन के बाद जनमत सत्ता धारी दल को बदल कर अन्य दलो को महत्व देता है।

**4 2 1 3–वितरण प्रतिरूप** इस अनुभाग मे इलाहाबाद जनपद के विधानसभा चुनावो का 1952 से 1991 तक वितरण स्वरूप प्रदर्शित किया गया। वितरण प्रतिरूप विजयी एव पराजित दलो (द्वितीय दल) का प्रस्तुत किया गया है।

**4 2 1 3 1 विजयी दल का वितरण** विजय दलो वितरण मानचित्र 4 3 1 एव 4 3 2 मे प्रस्तुत है। मानचित्रानुसार 1952–1957 के निर्वाचन वर्ष मे भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस जनपद की सम्पूर्ण विधानसभा सीटो पर विजयी रही। किन्तु 1962 1967 के महानिर्वाचन वर्ष मे भरातीय राष्ट्रीय काग्रेस को क्रमश 6 8 सीटो पर विजय प्राप्त हुई। शेष सीटे क्रमश जनसघ को 1 पी एस पी को 06 एस एस पी 1962 मे शून्य 1967 मे 03 एव निर्दलीय उम्मीदवारो को प्राप्त हुई। 1974 मे भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस को मात्र 3 सीटे मिली शेष क्रमश जनसघ को 01 काग्रेस (सत्ता)–03 काग्रेस (R)–1 एव भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस को 6 द स्थान प्राप्त हुए। 1977 के निर्वाचन वर्ष मे विजयी पार्टी के रूप मे जनता पार्टी बनी उसे जनपद की 14 सीटो पर विजय प्राप्त हुई। 1980 एव 1985 के महानिर्वाचन मे काग्रेस को क्रमश 12 एव 10 स्थान प्राप्त हुए जब कि 1980 मे 2 स्थान जनता पार्टी (S) को मिला एव 1985 मे तीन स्थान लोकदल को एव 1 स्थान जनता पार्टी को मिला। 1989 के निर्वाचन वर्ष मे विजयी पार्टी के रूप मे

काग्रेस (R) एव जनता दल हुए उन्हे क्रमश 5 5 स्थान प्राप्त हुआ। 1991 के निर्वाचन मे जनता दल विजयी पार्टी के रूप मे आयी 14 विधानसभा क्षेत्रो मे से उसे 9 स्थान मिले जब कि भा ज पा को 03 बहुजन समाज पार्टी को 01 एव एक स्थान निर्दलीय को मिला।

**4 2 1 3 2 पराजित (द्वितीय) दल का विवरण**

प्रस्तुत भाग मे निर्वाचन क्षेत्रो मे द्वितीय दल विवरण मानचित्र 4 4 1 एव 4 4 2 मे प्रस्तुत किया गया है। मानचित्र के अनुसार विभिन्न दलो के विभिन्न वर्षो मे निम्नानुसार क्षेत्र पाये गये है।

**भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस या काग्रेस (I) क्षेत्र**—पराजित (द्वितीय दल) के रूप मे काग्रेस (I) या भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस 1962 के चुनाव मे आयी। 1962 मे काग्रेस का क्षेत्र मेजा झूसी सोराव पश्चिम इलाहाबाद शहर दक्षिणी चायल भरवारी था। 1967 मे काग्रेस का क्षेत्र द्वितीय दल के रूप मे निम्नानुसार था करछना बहादुरपुर हडिया सोराव इलाहाबाद दक्षिणी मझनपुर। 1974 प्रतापपुर इलाहाबाद दक्षिणी क्षेत्रो मे काग्रेस द्वितीय दल के रूप मे विधमान थी। 1977 मे भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस/काग्रेस (I) करछना बारा झूसी हडिया प्रतापपुर सोराव नवाबगज इलाहाबाद उत्तरी इलाहाबाद दक्षिणी और पश्चिमी चायल मझनपुर सिराथू, क्षेत्रो मे द्वितीय दल के रूप मे विद्यमान थी। 1980 मे इस स्थिति मे परिवर्तन आया और काग्रेस निम्न क्षेत्रो झूसी सोराव मे द्वितीय दल के रूप मे विद्यमान रही। 1985 के निर्वाचन वर्ष मे काग्रेस (I) द्वितीय दल के रूप मे निम्न क्षेत्रो मे रही नवाबगज इलाहाबाद (उत्तरी) इलाहाबाद पश्चिमी।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे काग्रेस इलाहाबाद दक्षिणी सिराथू, करछना, इलाहाबाद उत्तरी प्रतापपुर मेजा झूसी इलाहाबाद पश्चिमी क्षेत्रो मे पराजित
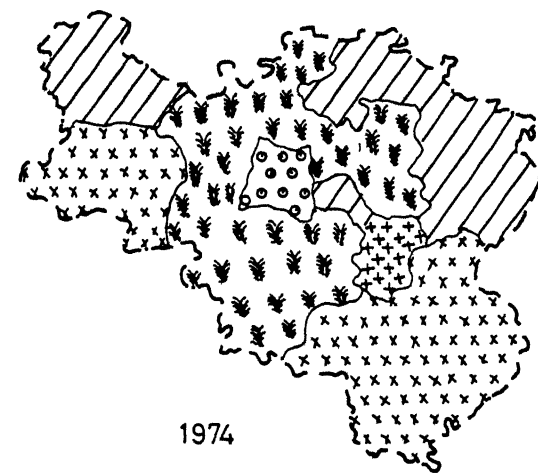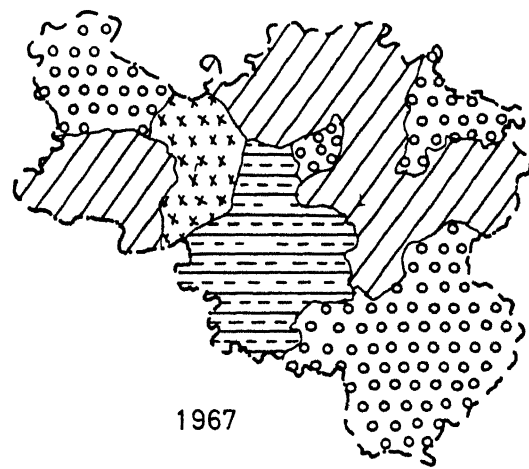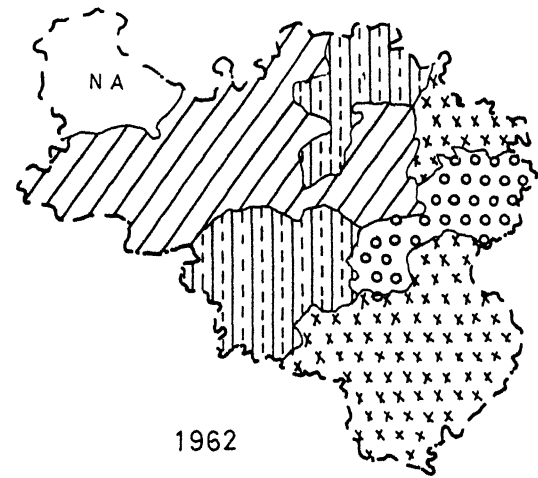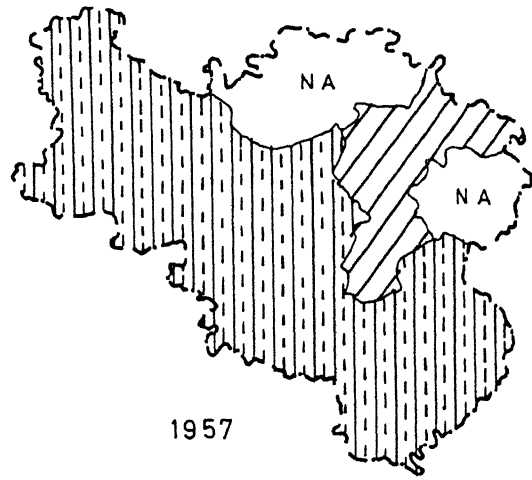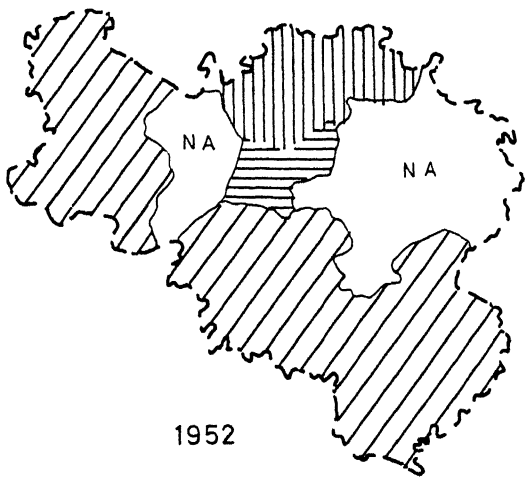
g 4 4 1 Party Distribution 1952 to 1974 (Runner Parties) Vidhan Sabh
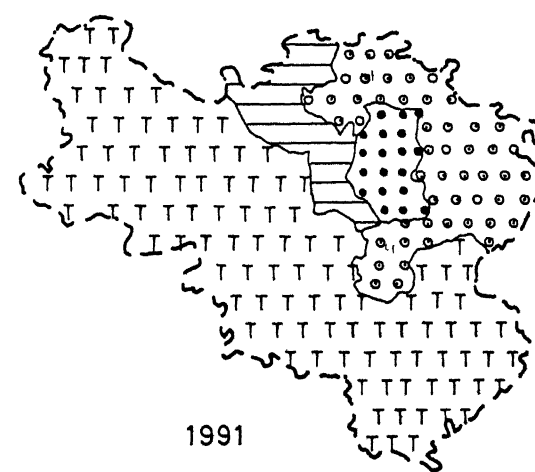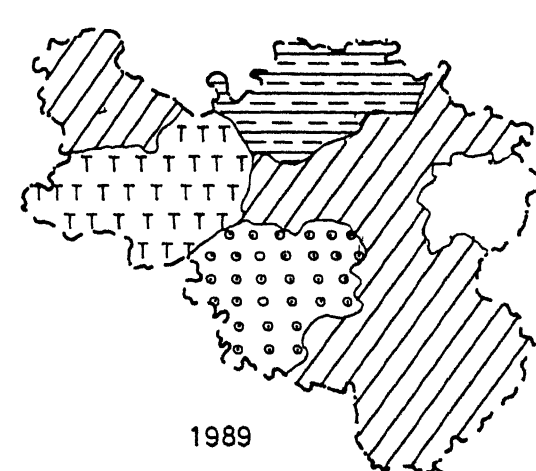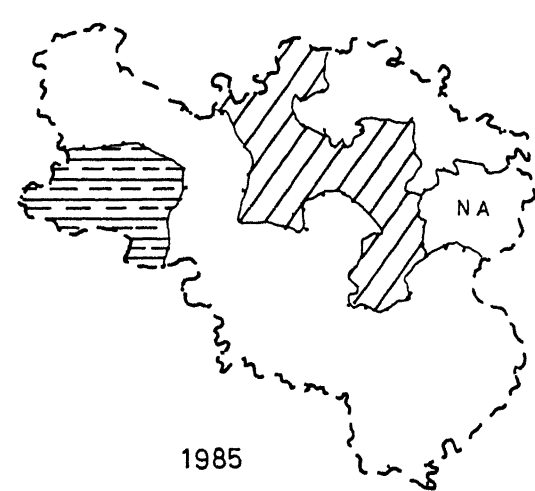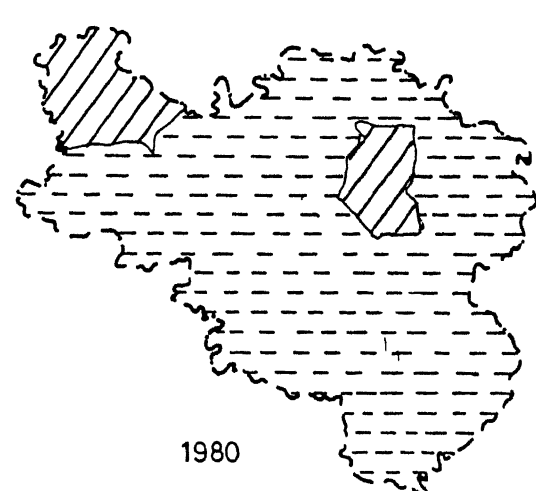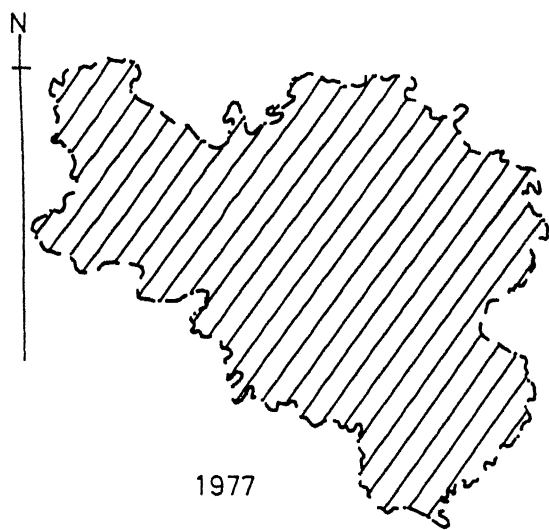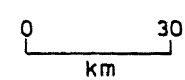
Fig 4.4.2 Party Distribution 1977 to 1991 (Runner Party) Vidhan Sabha

(द्वितीय) दल के रूप विस्तृत थी। 1991 मे काग्रेस तृतीय एव चतुर्थ दल के रूप मे विभिन्न क्षेत्रो मे रही।

**भा जा पा**—भारतीय जनतापार्टी निर्वाचन वर्ष 1991 मे मात्र निम्न क्षेत्रो मेजा बारा इलाहाबाद पश्चिमी चायल मझनपुर सिराथू मे पराजित (द्वितीय दल) के रूप मे स्थित थी।

**जनसघ**—जनसघ पराजित (द्वितीय दल) के रूप 1962 मे फूलपुर 1967 मे चायल एव 1974 मे मेजा मझनपुर मे द्वितीय दल के रूप मे फैली थी।

**पी एस पी**—पी एस पी 1957 के निर्वाचन मे निम्न क्षेत्रो मझनपुर चायल इलाहाबाद शहर उत्तरी केवाई करछना मेजा मे द्वितीय स्थान पर रही। 1962 मे बारा सोराव पूर्व इलाहाबाद शहर उत्तरी मे द्वितीय स्थार पर रही।

**एस एस पी**—एस एस पी इलाहाबाद विधानसभा मे 1967 के निर्वाचन मे मेजा प्रतापपुर इलाहाबाद उत्तरी तथा सिराथू मे द्वितीय स्थान पर रही।

**जनता दल**—जनता दल एक राष्ट्रीय पार्टी के रूप मे 1989 के 24 अक्टूबर को प्रकाश मे आयी। पराजित (द्वितीय दल) के रूप मे 1989 मे हडिया विधान सभा क्षेत्र रही। 1991 के निर्वाचन मे जनतादल नवाबगज इलाहाबाद उत्तरी इलाहाबाद दक्षिणी मे द्वितीय स्थान पर रही।

**भारतीय लोकदल**—1974 मे भारतीय लोकदल की स्थापना हुई। इसके बाद के निर्वाचन वर्षो मे लोकदल निम्न क्षेत्रो मे पराजित या द्वितीयदल के रूप मे रही।

**[illegible] वर्ष** 1985 मे मेजा बारा प्रतापपुर चायल सिराथू इलाहाबाद दक्षिणी सोराव। निर्वाचन वर्ष 1989 हडिया मे द्वितीय (पराजित) दल के रूप मे रही।

**बी एस पी** –बहुजन समाज पार्टी का विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे पराजित (द्वितीय दल) विवरण इस प्रकार है–

1991–करछना हडिया सोराव

1989–बारा

**जनता पार्टी एव जनता पार्टी** (S) विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे ये दोनो पार्टिया निम्नानुसार द्वितीय (पराजित) दल के रूप मे विद्यमान थी–

**1991 झूँसी** (JP) **1980**–मेजा करछना बारा हण्डिया प्रतापपुर सोराव नवाबगज इलाहाबाद दक्षिणी इलाहाबाद पश्चिमी चायल मझनपुर।

**जे पी एस** –उपरोक्त राजनीतिक दलो के अलावा अन्य छोटे दल एव निर्दलीय उम्मीदवार भी पराजित दल या उम्मीदवार के रूप मे विभिन्न वर्षो मे रहे है। जो इस प्रकार है–

1952 के निर्वाचन मे के0एम0पी0पी0–सोराव उत्तरी और फूलपुर तथा R R P सोराव दक्षिणी मे पराजित दल के रूप मे थी। 1962 के निर्वाचन मे सोसलिस्ट केवाई विधानसभा क्षेत्र मे द्वितीय स्थान पर थी। 1967 मे स्वतन्त्र उम्मीदवार कौरिहार इलाहाबाद विधानसभा क्षेत्र मे द्वितीय स्थान पर थे।

1974 के निर्वाचन मे काग्रेस सत्तारूढ करछना विधानसभा क्षेत्र मे द्वितीय स्थान पर थी जबकि बारा झूसी नवाबगज इलाहाबाद उत्तरी चायल विधानसभा क्षेत्रो मे भारतीय क्रान्तिदल द्वितीय दल के रूप मे रही। 1985 के निर्वाचन मे मझनपुर विधानसभा क्षेत्र एव 1987 मे सोराव नवाबगज विधानसभा क्षेत्र मे स्वतन्त्र उम्मीदवार पराजित दल के रूप मे थे।

**4 3 लोक सभा दल प्रतियोगिता विश्लेषण** प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग मे 1952 से 1991 के निर्वाचन वर्षो मे विभिन्न राजनीतिक दलो द्वारा विजयी दल एव पराजित (द्वितीय) दल के मध्य प्रतियोगिता के स्तर का निर्धारण किया गया है। मानचित्र 4 5 1 से 4 5 2 मे विवरण प्रस्तुत किया गया है। प्रतियोगिता के स्तर के निर्धारण मे विजयीदल एव पराजित दल के बीच प्राप्त वैध मत प्रतिशत अन्तराल प्रदर्शित किया गया है। दल प्रतियोगिता को पाच भागो मे बॉटा गया है जो इस प्रकार है–(I) उच्चतम दल 45 (II) उच्च दल 30–45 (III) मध्यमदल 15–30 (IV) निम्न दल 5–15 (V) निम्नतम दल 0–5

**उच्चतम दल प्रतियोगिता क्षेत्र** 45 प्रतिशत से अधिक प्रतियोगिता मूलक क्षेत्रो को इसमे सम्मिलित किया गया है। इलाहाबाद जनपद के एक ही निर्वाचन वर्ष मे उच्चतम प्रतियोगिता क्षेत्र पाया गया। जिसमे निर्वाचन वर्ष 1977 मे चायल लोकसभा क्षेत्र सम्मिलित है।

**उच्च दल प्रतियोगिता क्षेत्र** इसके अन्तर्गत इलाहाबाद जनपद मे निर्वाचन 1952–57 मे कोई क्षेत्र सम्मिलित नही है। 1962 मे फूलपुर 1971 मे इलाहाबाद 1977 फूलपुर 1985 इलाहाबाद ससदीय क्षेत्र सम्मिलित है। निर्वाचन वर्ष 1967 1980 1989 1991 मे कोई ससदीय क्षेत्र उच्चदल प्रतियोगिता मूलक नही था। तीनो क्षेत्र 30–45 प्रतिशत के मध्य प्रतियोगिता मूलक क्षेत्र है।

**मध्यमदल प्रतियोगिता क्षेत्र**–इसके अन्तर्गत उन क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है जो क्षेत्र 15 प्रतिशत से 30 प्रतिशत प्रतियोगिता मूलक है। मानचित्रानुसार इसमे निम्नलिखित क्षेत्र आते है। 1952 एव 1957 इलाहाबाद जिला पश्चिम ससदीय क्षेत्र इलाहाबाद जिला (इस्ट कम जोनपुर) ससदीय क्षेत्र सम्मिलित है। निर्वाचन वर्ष 1962 मे इलाहाबाद एव फूलपुर ससदीय क्षेत्र,
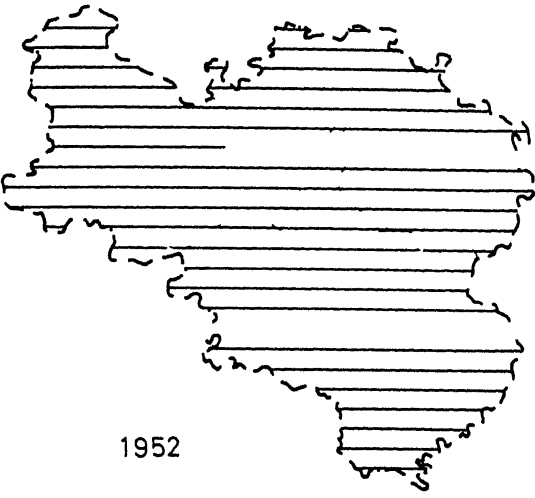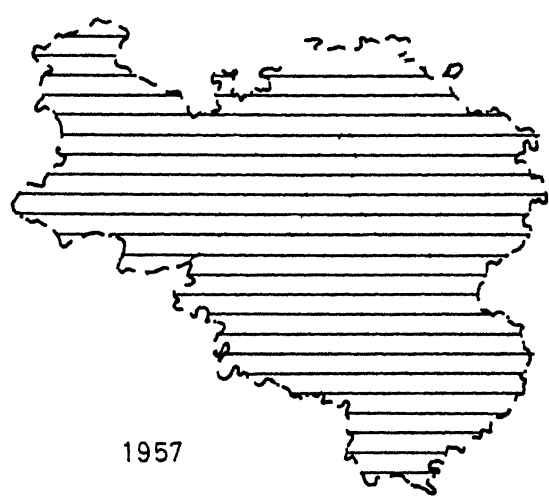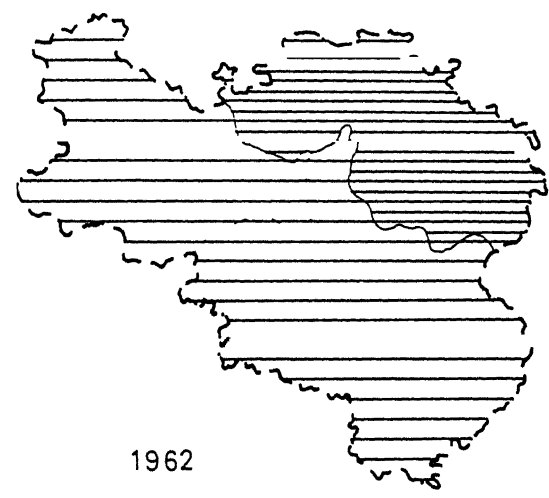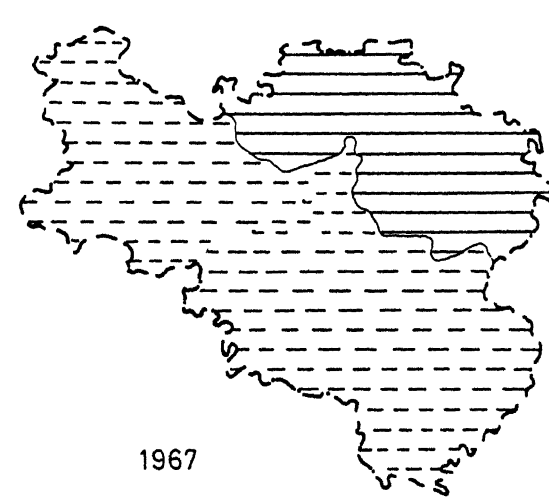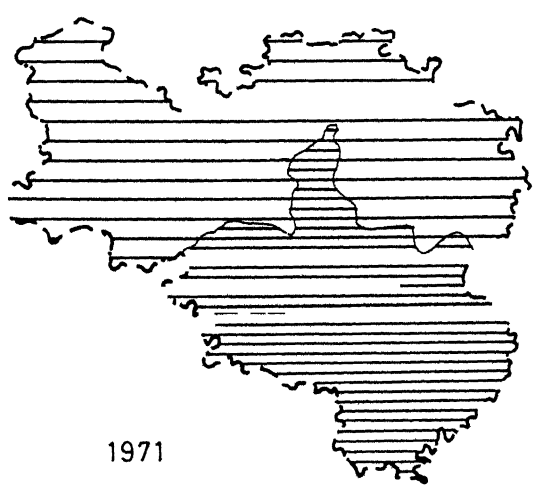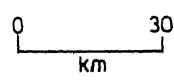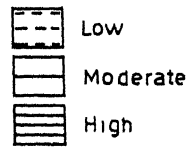
Fig 4 5 1 Competitiveness 1952 to 1971 (Loke Sabha Constituency)
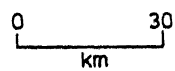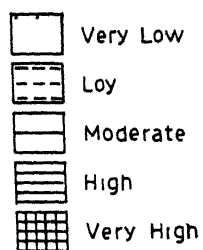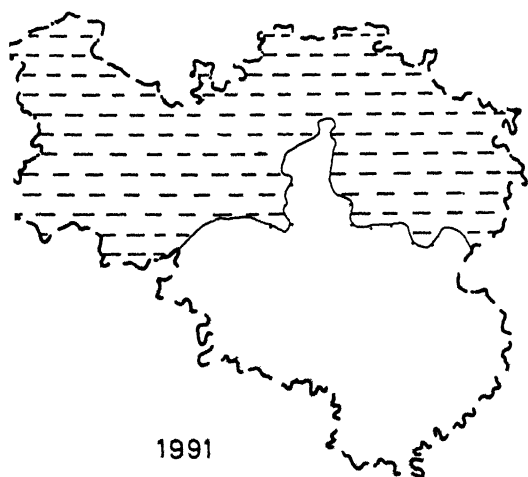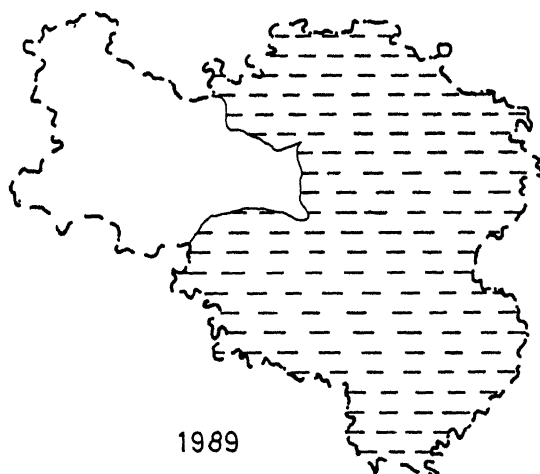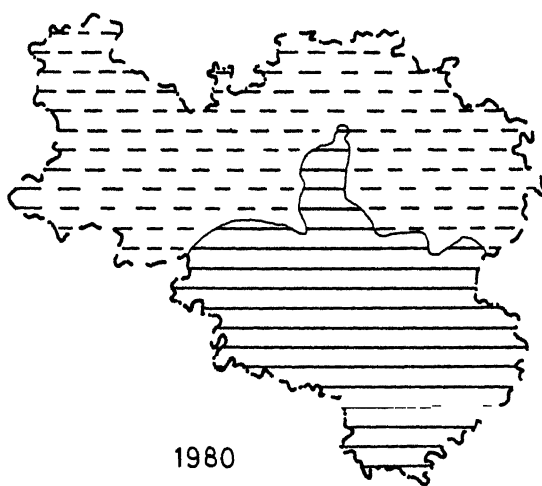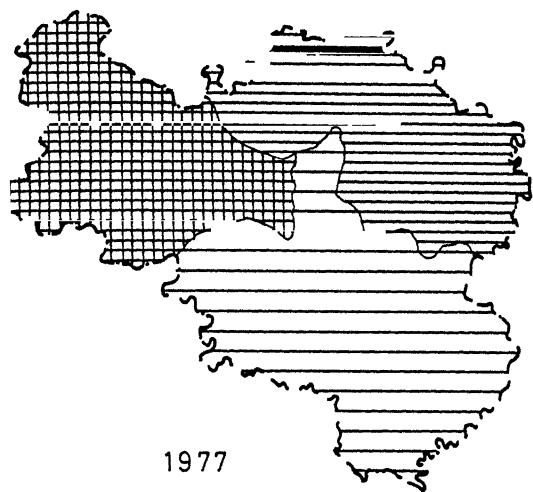
| 4 5 2 Competitiveness 1977 to 1991 (Loke Sabha Constituency)

निर्वाचन वर्ष 1967 मे फूलपुर ससदीय क्षेत्र निर्वाचन वर्ष 1971 मे चायल एव फूलपुर ससदीय क्षेत्र निर्वाचन वर्ष 1977 मे इलाहाबाद ससदीय क्षेत्र निर्वाचन वर्ष 1980 मे इलाहाबाद ससदीय क्षेत्र 1985 मे फूलपुर ससदीय क्षेत्र सम्मिलित है। 1989 एव 1991 के निर्वाचन वर्षो मे इसके अन्तर्गत कोई क्षेत्र नही आता है।

**निम्नदल प्रतियोगिता क्षेत्र** निम्नदल प्रतियोगिता मूलक क्षेत्र के अन्तर्गत विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे निम्नक्षेत्र सम्मिलित है। निर्वाचन वर्ष 1952 से 1962 तक इसके अन्तर्गत कोई क्षेत्र सम्मिलित नही है। निर्वाचन वर्ष 1967 मे इलाहाबाद एव चायल ससदीय क्षेत्र 1980 मे चायल फूलपुर निर्वाचन क्षेत्र 1989 फूलपुर इलाहाबाद क्षेत्र एव 1991 मे चायल फूलपुर ससदीय क्षेत्र इसके अन्तर्गत सम्मिलित है। 5 प्रतिशत से 15 प्रतिशत के प्रतियोगिता मूलक क्षेत्र इसके अन्तर्गत सम्मिलित है।

**निम्नतम दल प्रतियोगिता क्षेत्र** – इसके अन्तर्गत 0–5 प्रतिशत प्रतियोगिता मूलक क्षेत्र को सम्मिलित किया गया है। निर्वाचन वर्ष 1952 से 1980 तक इसके अन्तर्गत कोई क्षेत्र सम्मिलित नही है क्योकि उस समय तक प्रतियोगिता मे मतदाताओ ने स्पष्ट जनाधार दिया। किन्तु 1980 के बाद राजनैतिक माहौल बदला जनमत भ्रमित हुआ। तथा निम्नतम दल क्षेत्र विकसित हुए। इसक`अन्तर्गत 1985 मे चायल 1989 मे चायल और 1991 मे इलाहाबाद ससदीय क्षेत्र सम्मिलित है।

## 4 4 विधानसभा दल प्रतियोगिता विश्लेषण

प्रस्तुत अनुभाग मे निर्वाचन वर्ष 1952 से 1991 तक विभिन्न विधान सभा क्षेत्रो की दलीय प्रतियोगिता का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। मानचित्र 4 6 1 एव 4 6 2 के अनुसार दल प्रतियोगिता निम्नप्रकार है–

1) **उच्चतम दल प्रतियोगिता क्षेत्र**– इसके अन्तर्गत इलाहाबाद जिले के विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित है जिसका प्रतियोगिता मूलक प्रतिशत 45 प्रतिशत से ऊपर है। इसके अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1952 मे सोराव उत्तरी (फूलपुर) फूलपुर दक्षिणी हडिया दक्षिणी इलाहाबाद शहर पूर्व इलाहाबाद शहर मध्य चायल उत्तरी विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित है। 1957 निर्वाचन वर्ष मे फूलपुर दक्षिणी एव फूलपुर पूर्व हडिया उत्तर सोराव पूर्व विधान सभा क्षेत्र आते है निर्वाचन वर्ष 1962 मे हण्डिया निर्वाचन वर्ष 1980 मे सिराथू, 1985 मे इलाहाबाद उत्तरी क्षेत्र उच्चतम दल प्रतियोगिता क्षेत्र है। 1967 77 89 91 के निर्वाचन मे कोई क्षेत्र इस वर्ग मे नही आता है।

**उच्चदल प्रतियोगिता क्षेत्र**–30 से 45 प्रतिशत के बीच प्रतियोगिता मूलक क्षेत्र इसमे सम्मिलित है इसके अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1952 मे सोराव दक्षिणी 1957 मे सिराथू एव मझनपुर 1962 मे सोराव नवाबगज सिराथू, 1967 मे बार चायल 1974 मे करछना बारा 1977 मे इलाहाबाद दक्षिणी इलाहाबाद पश्चिमी 1985 मे मझनपुर विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित थे। 1991 मे मेजा ।

**मध्यमदल प्रतियोगिता क्षेत्र** मध्यम दल प्रतियोगिता मूलक क्षेत्र के अन्तर्गत 15 से 30 प्रतिशत के बीच वाले विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित है। इसके अन्तर्गत इलाहाबाद जनपद मे निर्वाचन वर्ष 1952 मे कोई विधानसभा क्षेत्र नही आता जबकि 1957 मे मात्र एक विधानसभा करछना आती है। 1962 के निर्वाचन वर्ष मे मेजा इलाहाबाद (उत्तरी) चायल, 1967 मे मेजा 1974 मे सोराव इलाहाबाद दक्षिणी वर्ष 1977 मे करछना सोराव इलाहबाद उत्तरी मझनपुर 1980 मे मेजा इलाहाबाद दक्षिणी मझनपुर विधानसभा क्षेत्र 1985 मे मेजा हण्डिया इलाहाबाद दक्षिणी चायल क्षेत्र वर्ष 1989 मे मेजा हण्डिया प्रतापपुर सोराव इलाहाबाद उत्री चायल मझनपुर सिराथू, 1991 के निर्वाचन मे करछना
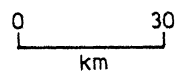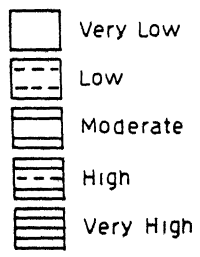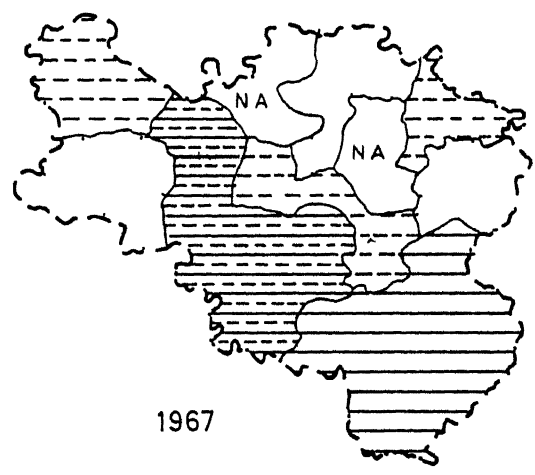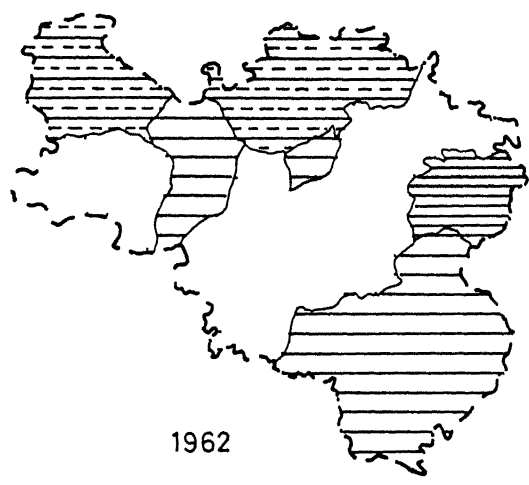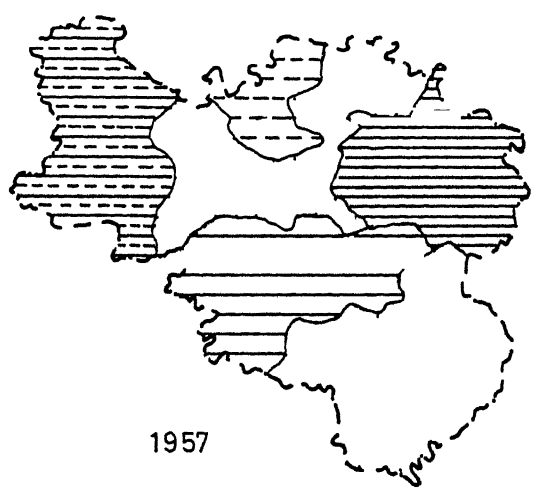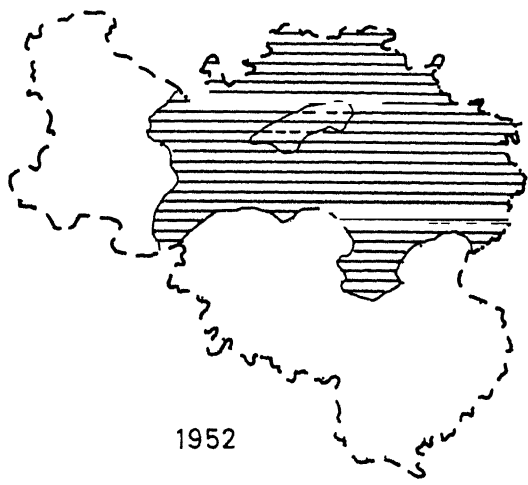
ɟ 4 6 1 Competitiveness 1952 to 1967 Vidhan Sabha Assembly
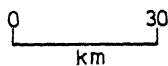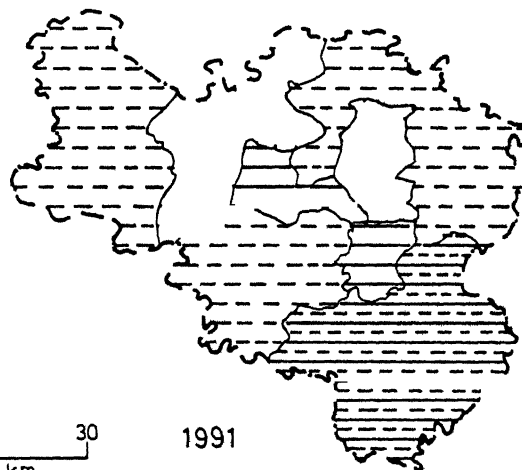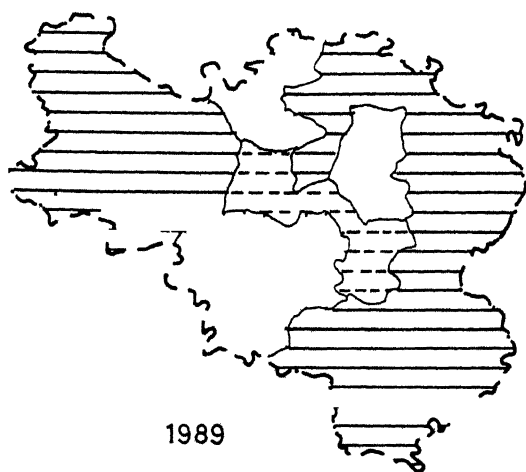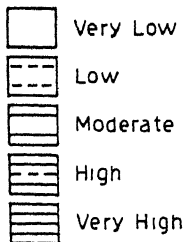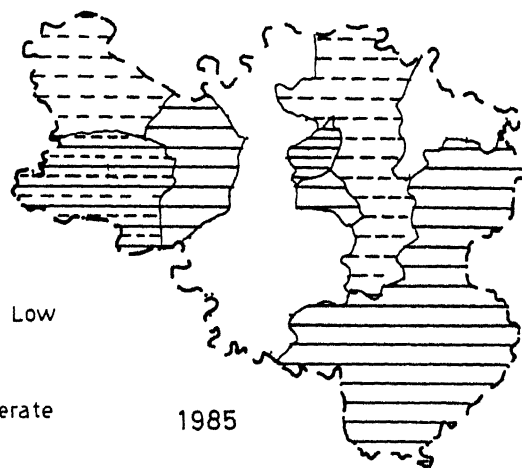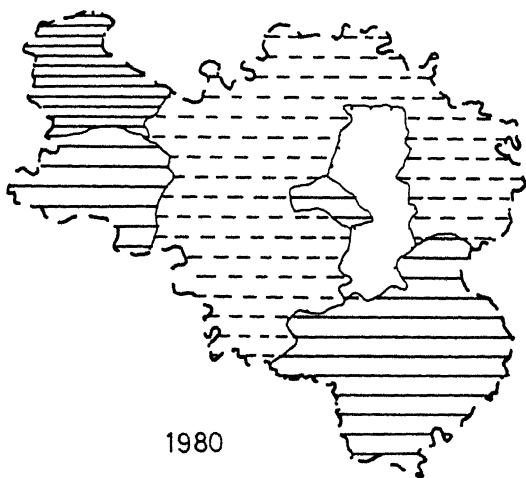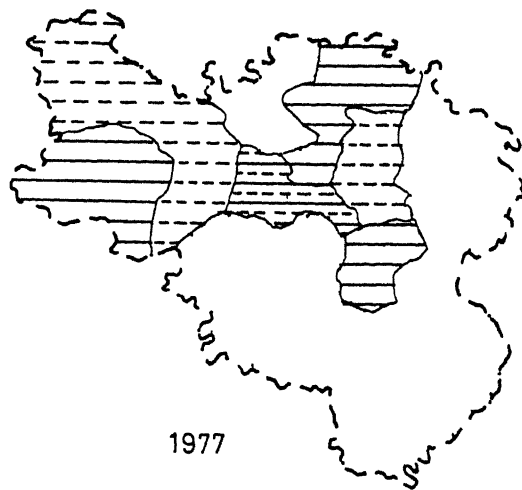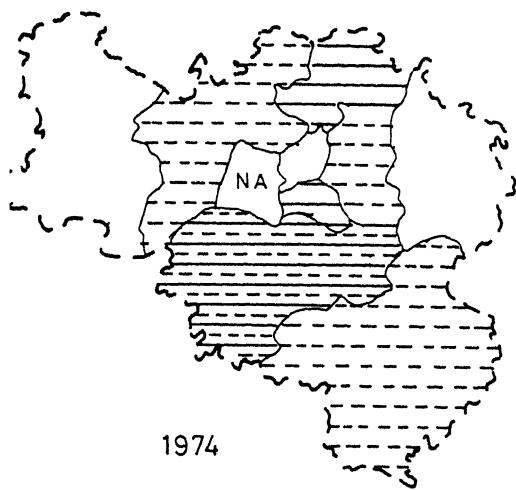
1 4 6 2 Competitiveness 1974 to 1991 (Vidhan Sabha Assembly)

इलाहाबाद उत्तरी इलाहाबाद पश्चिमी मध्यमदल प्रतियोगिता क्षेत्र के अन्तर्गत आते है।

**निम्नदल प्रतियोगिता क्षेत्र** इसके अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1957 के सोराव उत्तरी एव फूलपुर 1967 मे करछना प्रतापपुर इलाहाबाद दक्षिणी इलाहाबाद पश्चिमी सिराथू 1974 मे मेजा झूसी नवाबगज चायल 1977 मे झूसी चायल सिराथू 1980 मे बारा हण्डिया प्रतापपुर सोराव नवाबगज इलाहाबाद (उत्तरी) इलाहाबाद पश्चिमी चायल 1985 मे करछना झूसी सोराव सिराथू 1989 मे करछना इलाहाबाद दक्षिणी इलाहाबाद पश्चिमी 1991 मे–बारा हण्डिया प्रतापपुर सोराव इलाहाबाद उत्तरी मझनपुर सिराथू सम्मिलित है। 1952 62 के निर्वाचन वर्ष मे कोई विधानसभा क्षेत्र निम्न प्रतियोगिता मूलक क्षेत्र नही था। इसमे 5 प्रतिशत से 15 प्रतिशत अन्तराल वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है।

**निम्नतम दल प्रतियोगित क्षेत्र** 0 प्रतिशत से 0 5 प्रतिशत वोटो के अन्तरवाले विधानसभा क्षेत्रो को इसके सम्मिलित किया गया इस आधार पर निम्नतम दल प्रतियोगिता क्षेत्र मे निम्न क्षेत्र आते है। 1952 मे मेजा एव करछना दक्षिणी करछना उत्तरी एव चायल दक्षिणी सिराथू एव मझनपुर 1957 मे मझनपुर चायल इलाहाबाद शहर दक्षिणी फूलपुर मेजा। 1962 के निर्वाचन वर्ष मे करछना बारा झूसी इलाहाबाद दक्षिणी इलाहाबाद पश्चिमी विधान सभा क्षेत्र इसके अन्तर्गत आते। 1967 मे हण्डिया सोराव इलाहाबाद उत्तरी मझनपुर क्षेत्रो मे निम्नतम प्रतियोगिता थी। वर्ष 1974 मे हण्डिया प्रतापपुर इलाहाबाद (उत्तरी) मझनपुर सिराथू 1977 मे मेजा बारा हण्डिया प्रतापपुर नवाबगज वर्ष 1980 मे करछना झूसी 1985 मे बारा प्रतापपुर नवाबगज इलाहाबाद पश्चिमी 1989 मे
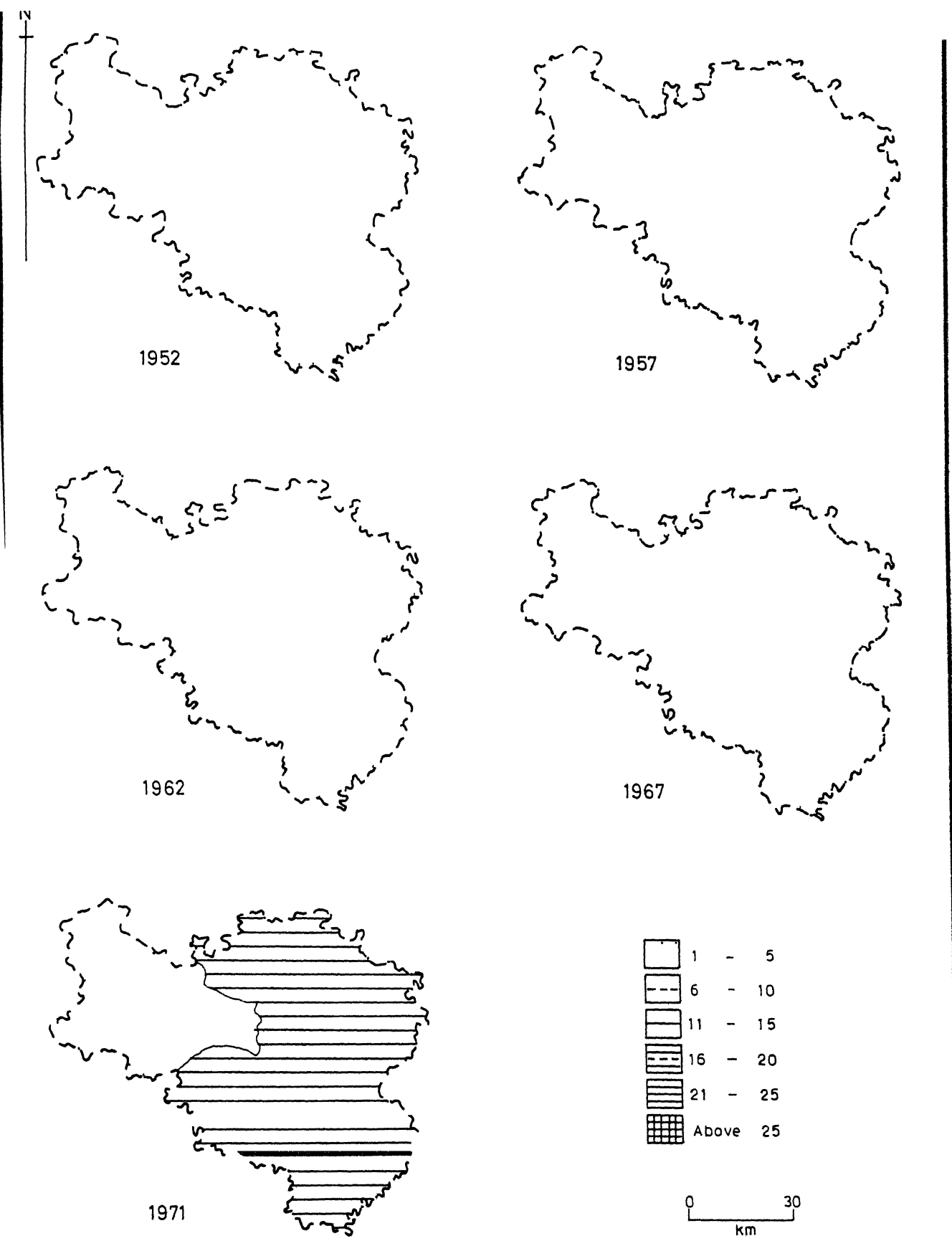
Fig 4 7 1 Contest Intensity 1952 to 1971 (Loke Sabha)
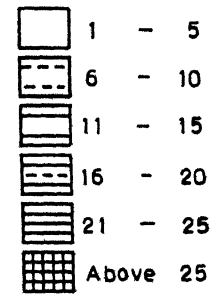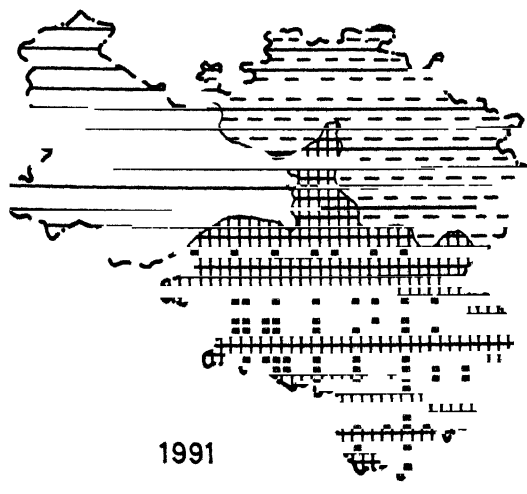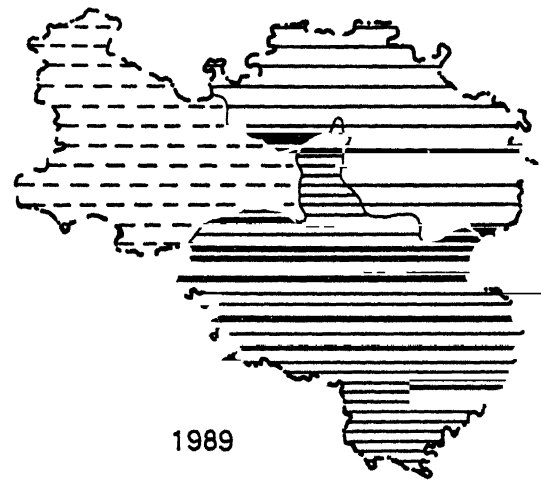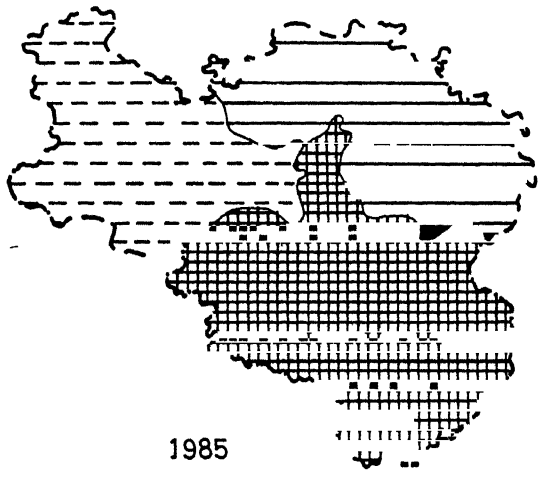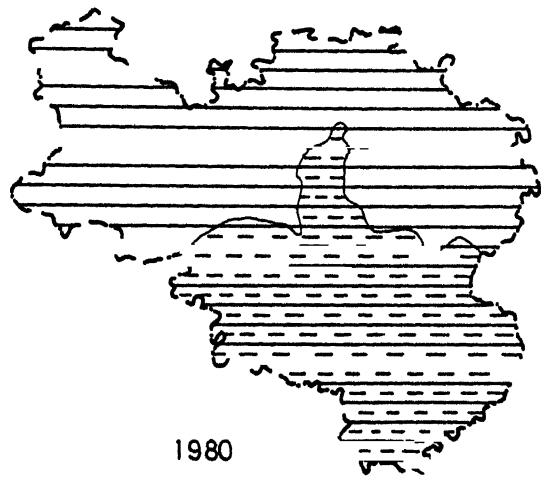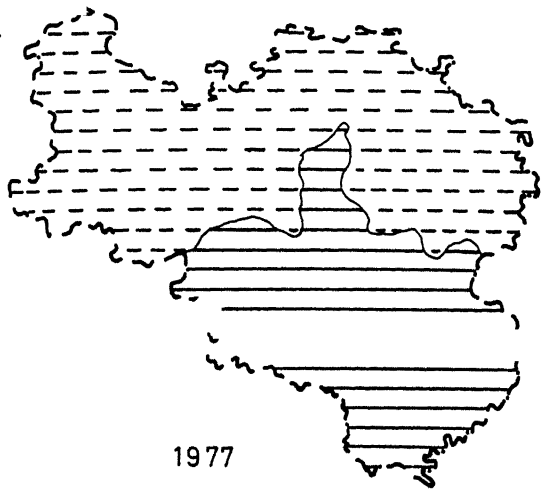
ig 4 7 2 Contest Intensity 1977 to 1991 (Loke Sabha)

बारा झूसी नवाबगज वर्ष 1991 मे झूसी चायल नवाबगज क्षेत्र निम्नतम दल प्रतियागिता क्षेत्र हे।

## 4 5 प्रतियोगियो की प्रगाढता

प्रतियोगियो की प्रगाढता प्रति सीट उम्मीदवारो की सख्या के आधार पर निश्चित होती है। यदि किसी निर्वाचन क्षेत्र मे उम्मीदवारो की सख्या आधिक हे तो वहॉ प्रतियोगियो की प्रगाढता कम होगी। किन्तु यदि उम्मीदवारो की सख्या कम है तो वहॉ पर प्रतियोगियो की प्रगाढता अधिक होगी। इलाहाबाद जिले के 1952 से 1991 तक सम्पन्न लोकसभा निर्वाचन मे प्रतियोगियो की प्रगाढता मानचित्र 4 7 एव 407A मे प्रस्तुत किया गया हे।

**4 5 1 लोकसभा प्रतियोगिय` की प्रगाढता**–तालिका 4 5 मे प्रतिसीट प्रतियोगियो की भागीदारी का प्रतिशत प्रदर्शित किया गया है। तालिका 4 5 से स्पष्ट है कि इलाहाबाद के लोकसभा चुनाव मे प्रतियोगियो की प्रगाढता विभिन्न वर्षो मे भिन्न–भिन्न रही है। निर्वाचन वर्ष 1952 1957 67 प्रतियोगियो की प्रगाढता बहुत अधिक भी क्योकि किसी भी निर्वाचन क्षेत्र मे 5 से अधिक उम्मीदवार नही थे। प्रति सीट 1–5 प्रतियोगी वाले क्षेत्र 1952 से 1967 तक 100 प्रतिशत था। 1967 के बाद 1971 के लोकसभा निर्वाचन मे प्रतियोगियो की प्रगाढता मे परिवर्तन हुआ। प्रतिसीट 1 से 5 उम्मीदवार अब 33 33 प्रतिशत सीटो पर रहे जबकि 6–10 उम्मीदवार किसी भी क्षेत्र मे नही थे

**तालिका–4 5**

**प्रतियोगियो की प्रगाढता (लोकसभा) इलाहाबाद जनपद (1952–91)**

| प्रति सीट उम्मीदवारो की सख्या | कुल सीटो का प्रतिशत वर्ष | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 1952 | 1957 | 1962 | 1967 | 1971 | 1977 | 1980 | 1985 | 1989 | 1991 |

**Contest Intensity Lok Sabha (1952-1991)**

Percentage: 0, 10, 20, 30, 40, 50, 60, 70, 80, 90, 100

Year: 1952, 1957, 1962, 1967, 1971, 1977, 1980, 1985, 1989, 1991

Legend: 1-5, 6-10, 11 15, 16-20, 21 25, 25-

Table No 4 5
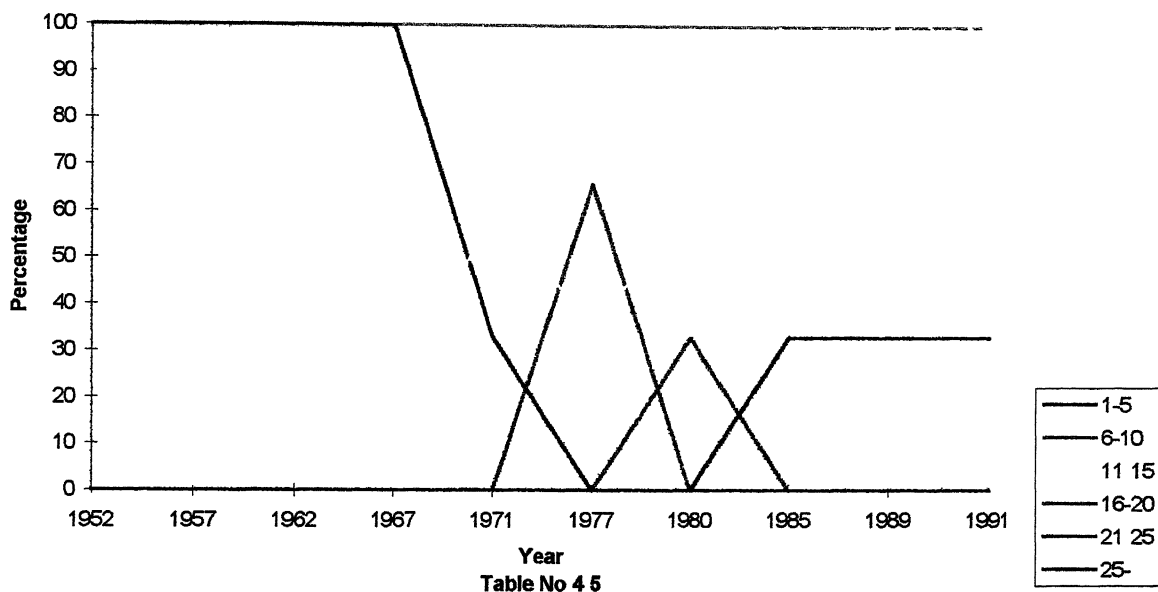
**Contest Intensity Vidhan Sabha(1952-1991)**

Percentage: 0, 10, 20, 30, 40, 50, 60, 70, 80, 90, 100

Year: 1952, 1957, 1962, 1967, 1974, 1977, 1980, 1985, 1989, 1991

Legend: 1-5, 6-10, 11 15, 16-20, 21 25, 25-

Table No 4 6
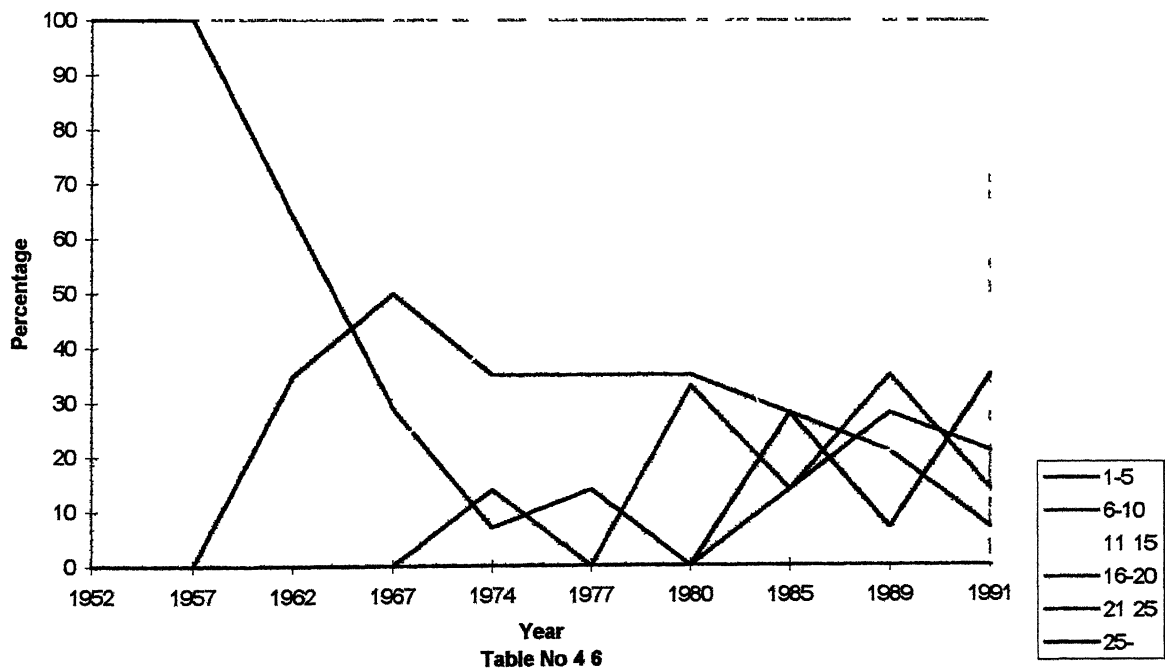
| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1–5 | 100⁄ | 100⁄ | 100⁄ | 100⁄ | 33 33 | NIL | NIL | – | – | – |
| 6–10 | – | – | – | – | – | 66 67 | NIL | 33 33 | 33 33 | – |
| 11–15 | – | – | – | – | 66 67 | 33 33 | 66 67 | 33 33 | 33 33 | 66 67 |
| 16–20 | – | – | – | – | – | – | 33 33 | – | – | – |
| 21–25 | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – |
| 25 से ऊपर | – | – | – | – | – | – | – | 33 33 | 33 33 | 33 33 |

प्रतिसीट 11 से 15 प्रतियोगियो वाले क्षेत्र 66 67 प्रतिशत सीटो मे रहा अर्थात प्रगाढता कम हुई। वर्ष 1977 मे प्रगाढता मध्यम थी क्योकि प्रतिसीट 6–10 उम्मीदवारो की सख्या 66 67 प्रतिशत क्षेत्र मे रही। जबकि 11 से 15 उम्मीदवार 33–33 प्रतिशत क्षेत्रो मे रहे। 1980 के निर्वाचन मे प्रतियोगियो की प्रगाढता 1971 की अपेक्षा कम थी क्योकि उम्मीदवारो की सख्या बढ गयी। 66 67 प्रतिशत सीटो मे प्रतिसीट उम्मीदवारो की सख्या 11 से 15 थी तथा 33 33 प्रतिशत सीटो पर उम्मीदवरो की सख्या 16 से 20 थी। तालिका से स्पष्ट है कि 1985 एव 1989 मे प्रतियोगियो की प्रगाढता समान थी दोनो वर्षो मे 33–33 प्रतिशत सीटो पर प्रतियोगियो कि सख्या क्रमश 6 से 10 11 से 15 एव 25 से ऊपर थी। 1952 से 1991 के निर्वाचन मे सबसे कम प्रगाढता 1991 के निर्वाचन मे थी अर्थात 1991 के निर्वाचन मे प्रतिसीट उम्मीदवारो की सख्या सर्वाधिक थी। तालिका 4 5 से स्पष्ट है कि 1991 मे 66 67 प्रतिशत सीटो पर उम्मीदवारो की प्रतिसीट सख्या 11 से 15 रही तथा 33 33 प्रतिशत सीटो पर उम्मीदवारो की सख्या प्रतिसीट 25 से ऊपर रही।
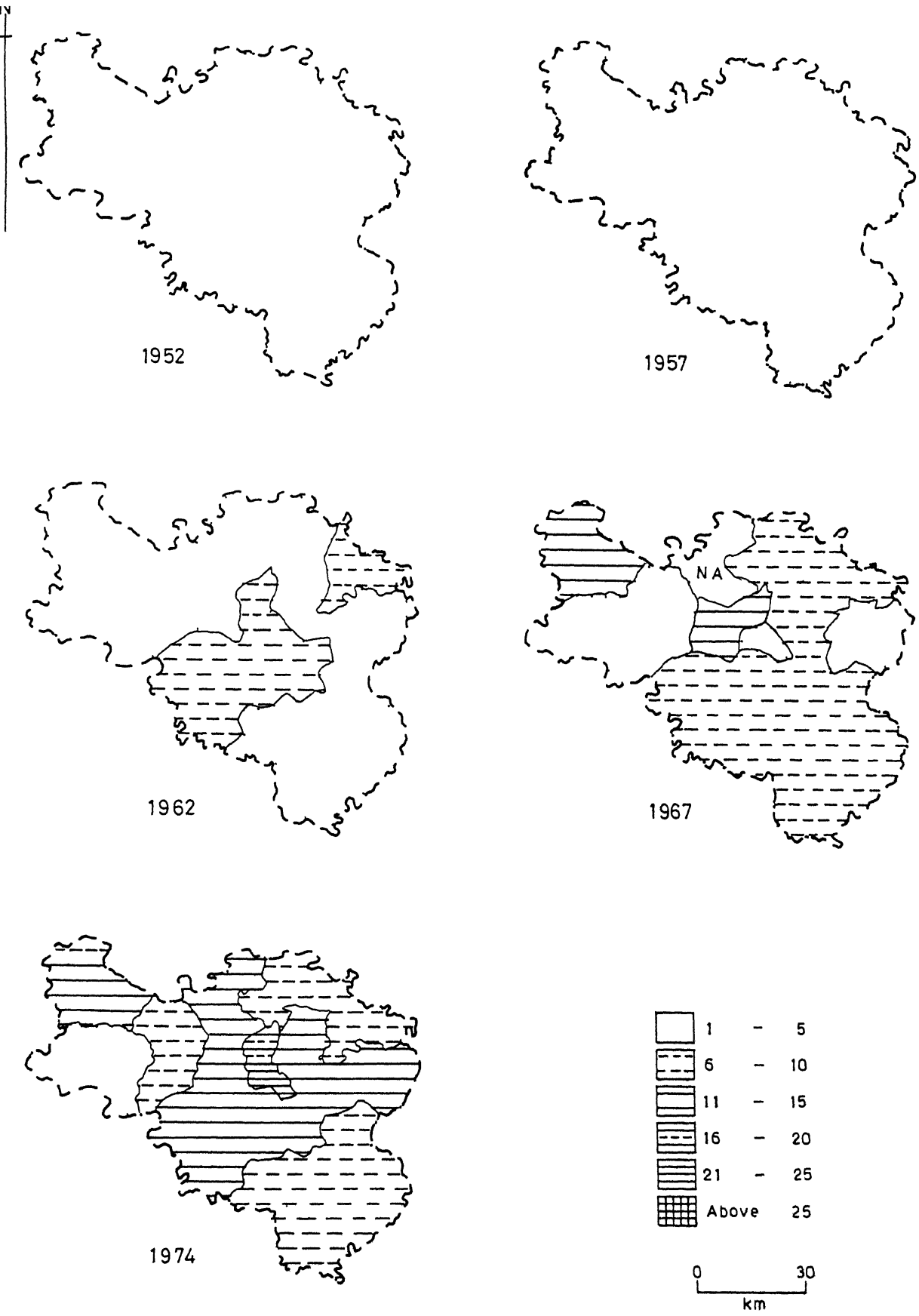
Fig 4 8 1 Contest Intensity 1952 to 1974 (Vidhan Sabha)
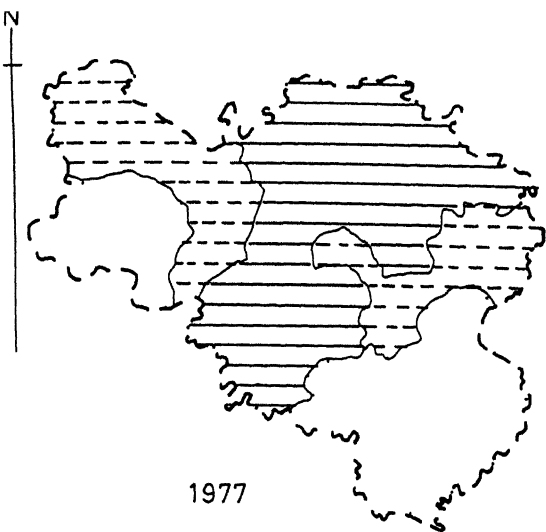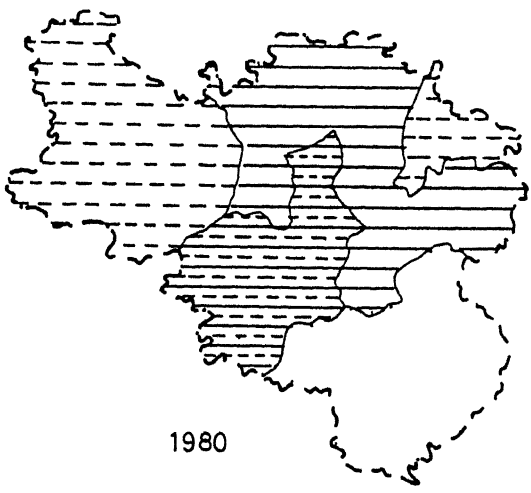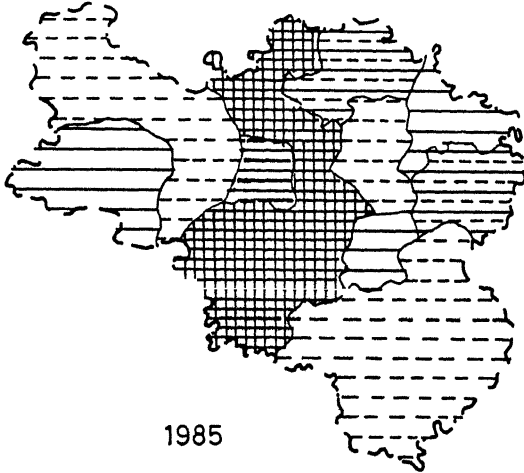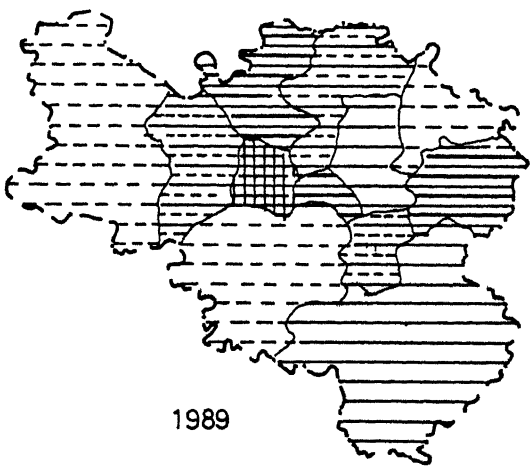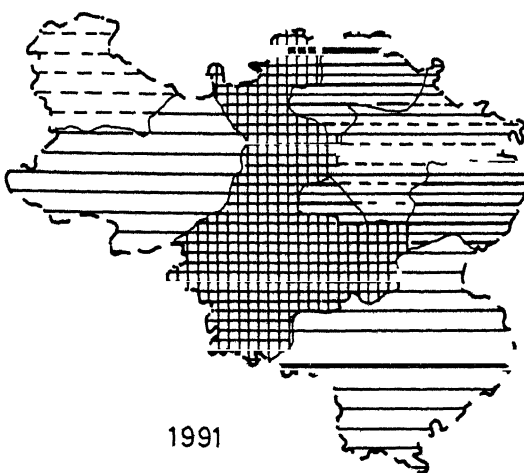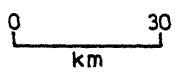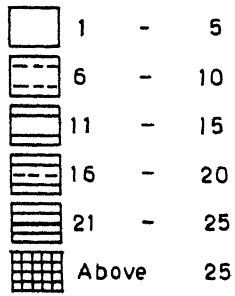
Fig 4 8 2 Contest Intensity 1977 to 1991 (Vidhan Sabha)

## 4 5 2 विधानसभा प्रतियोगियो की प्रगाढता

इलाहाबाद जिले मे विधानसभा प्रतियोगियो की प्रगाढता लोकसभा से भिन्न है। मानचित्र 4 8 1 एव 4 8 2 मे विधानसभा प्रतियोगियो की प्रगाढता प्रदर्शित की गयी है। तालिका 4 6 से स्पष्ट है कि सर्वाधिक प्रगाढता 1952 एव 1957 मे थी जब कि सबसे कम प्रगाढता 1985 से 1991 तक रही। जिसमे वर्ष 1991 के निर्वाचन की प्रगाढता सबसे कम रही। तालिका 4 6 के अनुसार विभिन्न वर्षो मे प्रतियोगियो की प्रगाढता इस प्रकार रही।

निर्वाचन वर्ष 1952 1957 मे 100 प्रतिशत सीटो पर उम्मीदवारो की सख्या 1 से 5 के बीच रही। 1962 मे 64 29 प्रतिशत सीटो पर प्रतिसीट 1 से 5 उम्मीदवार रहे जबकि 35 71 प्रतिशत सीटो पर प्रतिसीट उम्मीदवारो की सख्या 6 से 10 थी। 1967 के निर्वाचन मे उम्मीदवारो की सख्या मे वृद्धि हुई 50 प्रतिशत सीटो पर 6 से 10 उम्मीदवार थे जबकि 28 57 प्रतिशत सीटो पर प्रतिसीट 1 से 5 उम्मीदवार थे। 21 43 प्रतिशत सीटो पर 11 से 15 उम्मीदवार थे। 1974 मे प्रगाढता और कम हुई क्योकि 42 86 प्रतिशत सीटो पर प्रतिसीट 11 से 15 उम्मीदवार थे एव 14 28 प्रतिशत सीटो पर 16–20 उमेदवार थे। 35 71 प्रतिशत सीटो पर 6 से 10 उम्मीदवार प्रतिसीट मात्र 7 14 प्रतिशत सीट मे प्रगाढता अधिक रही अर्थात उम्मीदवारो की सख्या प्रतिसीट 1 से 5 थी। वर्ष 1977 के निर्वाचन मे प्रगाढता इस प्रकार रही 64 25 प्रतिशत सीटो पर 11 से 15 उम्मीदवार प्रतिसीट 35 71 प्रतिशत सीटो पर 6–10 प्रतिसीट उम्मीदवार एव 14 29 प्रतिशत सीटो पर 1 से 5 प्रतिसीट उम्मीदवार थे। 1980 मे 1977 से कम प्रगाढता थी। 64 29 प्रतिशत सीटो पर 11 से 15 उम्मीदवार 35 71 प्रतिशत सीटो पर 6 से 10 प्रतिसीट उम्मीदवार थे। वर्ष 1985 मे प्रगाढता मे काफी

## तालिका–4 6

## प्रतियोगियो की प्रगाढता (विधानसभा) इलाहाबाद जनपद (1952–91)

| | कुल सीटो का प्रतिशत वर्ष | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प्रति सीट उम्मीदवारो की सख्या | 1952 | 1957 | 1962 | 1967 | 1974 | 1977 | 1980 | 1985 | 1989 | 1991 |
| 1–5 | 100% | 100% | 64 29 | 28 57 | 7 14 | 14 29 | | | | |
| 6–10 | | | 35 71 | 50 00 | 35 71 | 35 71 | 35 71 | 28 58 | 21 43 | 7 14 |
| 11–15 | | | | 21 43 | 42 86 | 64 29 | 64 29 | 14 28 | 21 43 | 21 43 |
| 16–20 | | | | | 14 28 | | | 14 28 | 35 72 | 14 28 |
| 21–25 | | | | | | | | 14 28 | 28 58 | 21 43 |
| 25 से ऊपर | | | | | | | | 28 58 | 7 14 | 35 72 |

परिवर्तन हुआ जो 1991 के निर्वाचन तक हावी रहा। वर्ष 1985 मे 28 58 प्रतिशत सीटो पर उम्मीदवारो की सख्या प्रतिसीट 25 से अधिक रही। 14 28 प्रतिशत क्षेत्रो पर क्रमश 11 से 15 16–20 21–25 प्रतिसीट उम्मीदवार थे। 28 58 प्रतिशत सीट मे उम्मीदवारो की सख्या प्रतिसीट 6 से 10 रही। निर्वाचन 1989 मे प्रगाढता इस प्रकार रही 21 43 प्रतिशत क्षेत्र पर उम्मीदवारो की सख्या प्रतिसीट 6 से 10 पुन 21 43 प्रतिशत क्षेत्र मे उम्मीदवारो की सख्या प्रतिसीट 11–15 35 72 प्रतिशत क्षेत्र पर उम्मीदवारो की सख्या प्रतिसीट 16 से 20 रही। 28 58 प्रतिशत क्षेत्र मे उम्मीदवारो की सख्या प्रतिसीट 21–25 रही एव 7 14 प्रति0 क्षेत्र पर उम्मीदवारो की सख्या 25 से प्रतिसीट अधिक थी। वर्ष 1991 के निर्वाचन मे प्रगाढता अत्यल्प रही क्योकि 35 72 प्रतिशत क्षेत्र पर उम्मीदवारो की सख्या 25

से ऊपर थी। 21 43 प्रतिशत क्षेत्र पर 21 से 25 उम्मीदवार प्रतिसीट 14 28 प्रतिशत क्षेत्र पर 16 से 20 उम्मीदवार प्रतिसीट एव पुन 21 43 प्रतिशत क्षेत्र पर 11 से 15 उम्मीदवार प्रतिसीट थे। इस निर्वाचन मे 7 14 प्रतिशत क्षेत्र पर 6–10 उम्मीदवार प्रतिसीट थे।

लोकसभा एव विधानसभा निर्वाचनो के विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि चुनावो मे प्रगाढता लगभग हर वर्ष घटती जा रही है क्योकि 1952 62 67 मे सबसे अधिक प्रगाढता एव 1991 मे सबसे कम प्रगाढता है।

**4 6 आरक्षित एव सामान्य सीट**

भारतीय सविधान मे प्रारम्भ से ही लोकसभा एव विधानसभा निर्वाचन मे आरक्षित सीटो की व्यवस्था का प्रावधान था। प्रस्तुत अध्याय मे इलाहाबाद जनपद की लोकसभा एव विधानसभा सीटो मे आरक्षित एव सामान्य सीटो का विवेचन किया गया है। आरक्षित एव सामान्य सीटो पर विभिन्न दलो द्वारा प्राप्त सीटो का विवेचन 1952–91 तक समेकित रूप से प्रतिशत मे प्रस्तुत किया गया है।

**4 6 1–लोकसभा आरक्षित एव सामान्य सीट**

तालिका क्रमाक 4 7 मे 1952 से 1991 तक लोकसभा चुनाव मे इलाहाबाद जनपद मे आरक्षित सीट का विवरण दल अनुसार प्रस्तुत किया गया है। शेष सीटे सामान्य के अन्तर्गत समाहित है। 1952 से 1991 तक के निर्वाचन मे आरक्षित सीटो मे 62 50 प्रतिशत भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस/काग्रेस (I) ने अकेले प्राप्त किया। जबकि काग्रेस (J) एव भारतीय लोकदल ने क्रमश 12 50 प्रतिशत सीटे प्राप्त की। जनता दल ने 12 00 प्रतिशत आरक्षित सीटे प्राप्त की। अर्थात कुल आरक्षित सीटो का आधे से अधिकाश भाग काग्रेस (I) ने अकेले प्राप्त किया

## तालिका– 47

### लोकसभा आरक्षित सीट इलाहाबाद जनपद–1952–1991

| क्रमाक | दलो का नाम | प्राप्त सीटो मे आरक्षित सीटो का प्रतिशत | आरक्षित सीटो का प्रतिशत (कुल आरक्षित सीटो मे) |
|---|---|---|---|
| 1 | भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस /काग्रेस (I) | 31 25 | 62 50 |
| 2 | काग्रेस (J) | 33 33 | 12 50 |
| 3 | भारतीय लोकदल | 33 33 | 12 50 |
| 4 | जनता (एस) | 00 00 | 00 00 |
| 5 | कम्युनिस्ट | 00 00 | 00 00 |
| 6 | कम्युनिस्ट (मार्क्स) | 00 00 | 00 00 |
| 7 | जनता पार्टी | 00 00 | 00 00 |
| 8 | भा0 क्रा0दल | 00 00 | 00 00 |
| 9 | जनता दल | 20 00 | 12 00 |
| 10 | अन्य/निर्दलीय | 00 00 | 00 00 |

जब कि 3 दलो लोकदल काग्रेस (J) जनतादल को छोडकर किसी दल ने एक भी आरक्षित सीट पर विजय नही प्राप्त की। काग्रेस (I) को कुल प्राप्त सीटो मे 31 25 प्रतिशत आरक्षित सीटे थी तथा शेष सामान्य। काग्रेस (J) भारतीय लोकदल ने 33 33 प्रतिशत कुल प्राप्त सीटो मे आरक्षित सीटे प्राप्त की। जबकि जनता दल ने 20 प्रतिशत बाकी दलो ने सामान्य सीटो पर विजय प्राप्त की।

## तालिका 48

### विधानसभा आरक्षित सीट इलाहाबाद जनपद 1952–1991

| क्रमाक | दलो का नाम | प्राप्त सीटो मे (आरक्षित सीटो का प्रतिशत) | आरक्षित सीटो का प्रतिशत (कुल आरक्षित सीटो मे) |
|---|---|---|---|
| 1 | भा0रा0काग्रेस / काग्रेस(I) | 29 24 | 57 58 |
| 2 | काग्रेस (सत्ता) | 100 00 | 06 06 |
| 3 | काग्रेस (सगठन) | 00 00 | 00 00 |
| 4 | भा0ज0पार्टी | 00 00 | 00 00 |
| 5 | जनता दल | 23 53 | 12 12 |
| 6 | लोकदल | 00 00 | 00 00 |
| 7 | जनसघ | 66 67 | 06 06 |
| 8 | ब0स0पार्टी | 00 00 | 00 00 |
| 9 | जनता पार्टी | 21 33 | 09 09 |
| 10 | पी एस पी | 00 00 | 00 00 |
| 11 | सोसलिस्ट | 00 00 | 00 00 |
| 12 | कम्युनिस्ट | 00 00 | 00 00 |
| 13 | एस एस पी | 00 00 | 00 00 |
| 14 | भा क्रान्तिदल | 00 00 | 00 00 |
| 15 | अन्य / निर्दलीय | 33 33 | 09 09 |

### 4 6 2–विधानसभा आरक्षित सीट (1952–1991)

तालिका 4 8 के अवलोकन से स्पष्ट है कि विधानसभा निर्वाचन मे 1952 से 1991 तक कुल आरक्षित सीटो का 57 58 प्रतिशत भाग काग्रेस को प्राप्त हुआ

जबकि जनता दल को 12 12 प्रतिशत जनतापार्टी को 9 09 प्रतिशत काग्रेस (सत्ता) को 6 06 प्रतिशत जन सघ को 6 06 प्रतिशत एव निर्दलीय को 9 09 प्रति सीटे प्राप्त हुई।

1952 से 1991 तक प्राप्त कुल सीटो मे काग्रेस (I) ने 29 24 प्रतिशत आरक्षित सीटे प्राप्त की जब कि काग्रेस सत्ता ने 1952–91 तक जो सीट प्राप्त की आरक्षित सीटे ही प्राप्त की चाहे उनकी सख्या 01 ही रही हो। इसी तरह से कुल प्राप्त सीटो मे जनतादल न 23 53 प्रतिशत आरक्षित सीटे प्राप्त की जब कि जनसघ ने 66 67 प्रतिशत आरक्षित सीटे प्राप्त की शेष सामान्य। जनतापार्टी कुल प्राप्त सीटो का 21 33 प्रतिशत आरक्षित एव निर्दलीय 33 33 प्रतिशत आरक्षित सीटो पर विजयी रहे।

उपरोक्त तालिका 4 8 से यह स्पष्ट हो चुका कि ऐसे दल जिन्होने 1952 से 1991 तक 1 2 या 3 4 सीटो पर ही विजय हासिल की उनका आरक्षण प्रतिशत अधिक है क्योकि यदि 1 सीट प्राप्त की और वह भी आरक्षित मे तो उनका आरक्षित प्रतिशत 100 हो गया। सक्षेप मे यह तथ्य स्पष्ट है कि काग्रस (I) ही एक ऐसी पार्टी है जिसने 1952–91 तक सर्वाधिक आरक्षित सीटो एव सामान्य सीटो पर विजय हासिल किया है।

### 4 6 3 आरक्षित एव सामान्य सीटो मे मतदान (1952–91)

आरक्षित एव सामान्य सीटो मे मतदान प्रतिरूप को इस भाग मे प्रस्तुत किया गया है। 1952 से 1991 तक लोकसभा एव विधानसभा निर्वाचन मे सीटो पर पडे वैधमतो का प्रतिशत अलग–2 प्रदर्शित किया गया है।

**लोकसभा मे आरक्षित एव सामान्य मतदान (1952–91)** तालिका 4 9 से निम्न निष्कर्ष निकलता है–

1) इलाहाबाद जनपद के लोकसभा निर्वाचन मे 1952 से 1991 तक 50 00 प्रतिशत आरक्षित सीटो पर 20 से 30 प्रतिशत मतदान हुआ है। तथा 50 प्रति0 सीटो पर 30 से 40 प्रतिशत मतदान हुआ है।

2) सामान्य सीटो पर मतदान अधिक हुआ है। किसी भी सामान्य सीट पर 30 प्रतिशत से कम मतदान नही हुआ है। कुल सामान्य सीटो के 55 प्रतिशत भाग मे 30 से 40 प्रतिशत मतदान हुआ एव 40 प्रतिशत भाग मे 40 से 60 प्रतिशत मतदान हुआ। कुल सामान्य सीटो के 5 प्रतिशत भाग पर 60 से 70 प्रतिशत मतदान हुआ।

अत स्पष्ट है कि सामान्य सीटो पर लोकसभा क्षेत्रो मे औसत मतदान 45 प्रतिशत हुआ जबकि आरक्षित सीटो पर 30 प्रतिशत । जिसका कारण आरक्षित सीटो के मतदाताओ का मतदान के प्रति रूझान कम अशिक्षा गरीबी राजनैतिक चालो से दूर रहने की इच्छाशक्ति आदि रही है।

**तालिका – 49**

**लोकसभा मे आरक्षित एव सामान्य सीट मे मतदान प्रतिशत जनपद इलाहाबाद 1952–1991**

| मतदान | सामान्य सीट प्रतिशत (कुल सामान्य सीटो मे) | आरक्षित सीट प्रतिशत (कुल आरक्षित सीटो मे) |
|---|---|---|
| 0–10 | 00 00 | 00 00 |
| 10–20 | 00 00 | 00 00 |
| 20–30 | 00 00 | 50 00 |

| 30—40 | 55 00 | 50 00 |
|---|---|---|
| 40—60 | 40 00 | 00 00 |
| 60—70 | 05 00 | 00 00 |
| 70—80 | 00 00 | 00 00 |
| 80—90 | 00 00 | 00 00 |
| 90—100 | 00 00 | 00 00 |
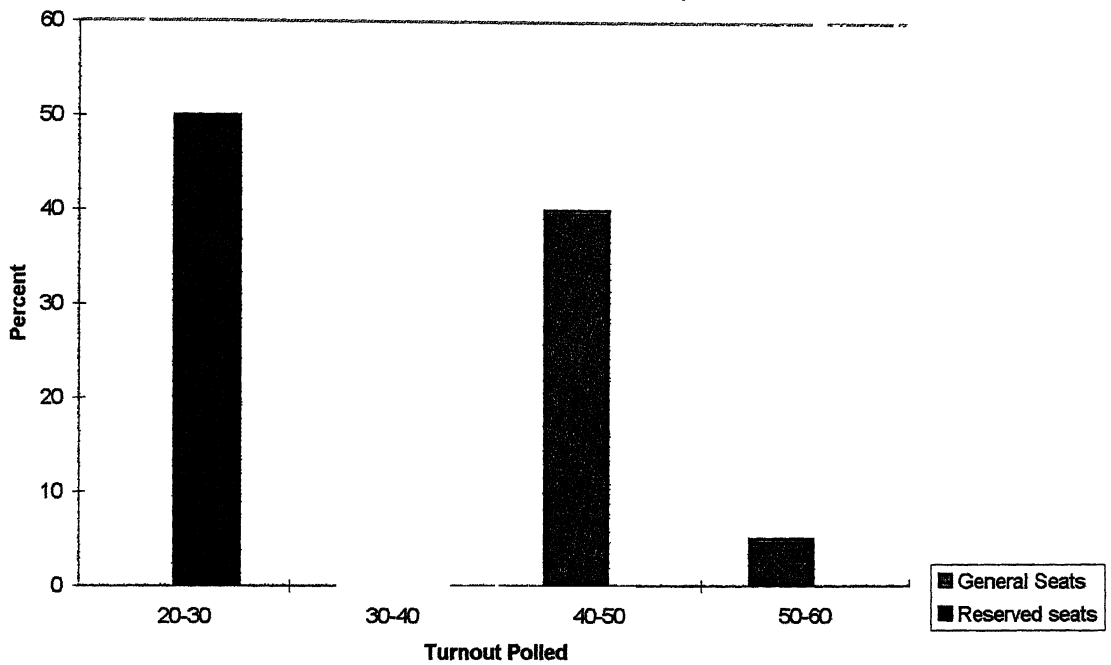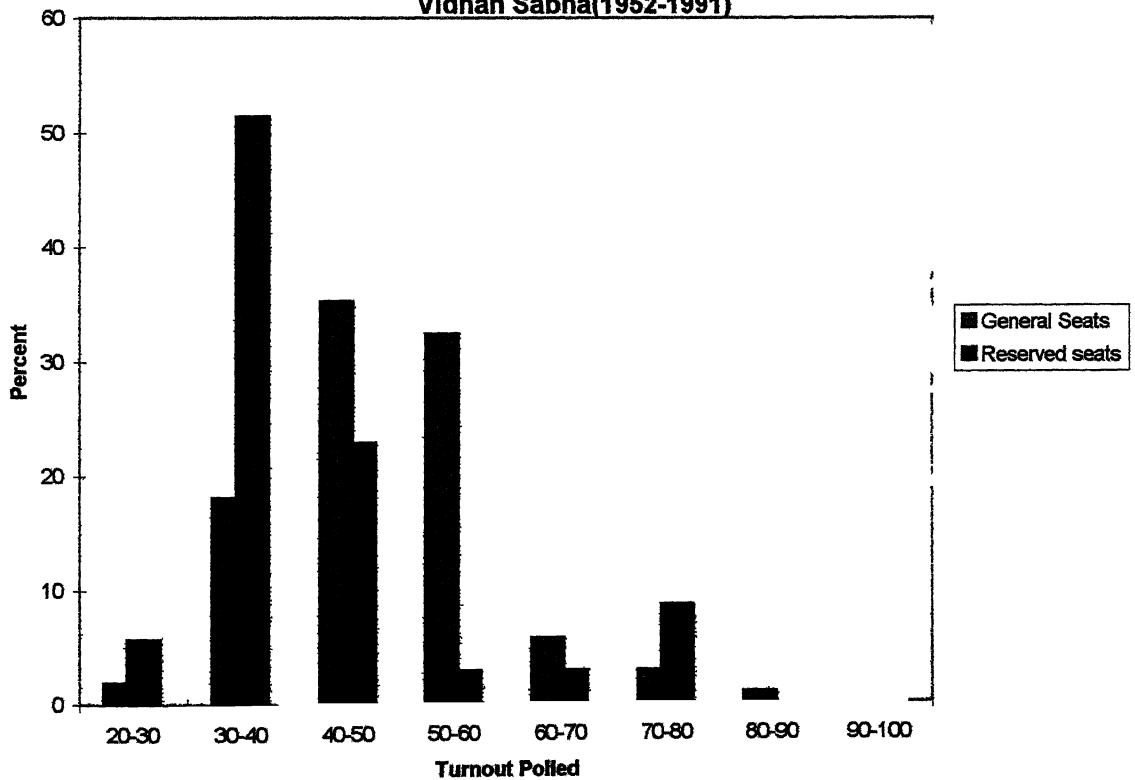
**4 6 3 2 विधानसभा मे आरक्षित एव सामान्य सीटो पर मतदान 1952 से 1991** — तालिका 4 10 से इलाहाबाद जनपद मे विधानसभा निर्वाचन मे आरक्षित एव सामान्य सीटो का विवरण प्रदर्शित होता है। उपरोक्त तालिका से निम्न निष्कर्ष निकलता है—

1) आरक्षित सीटो मे मतदान का प्रतिशत निम्न है अब कि सामान्य सीटो पर उच्च। कुल आरक्षित सीटो के 80 प्रतिशत भाग पर मतदान 50 प्रतिशत से कम हुआ है। जबकि सामान्य सीटो के 53 24 प्रतिशत भाग ही 50 प्रतिशत से कम मतदान है।

**तालिका — 4 10**

**विधान सभा मे आरक्षित एव सामान्य सीट मे मतदान प्रतिशत जनपद इलाहाबाद 1992—1991**

| मतदान प्रतिशत | सामान्य सीट प्रतिशत (कुल सामान्य सीटो मे) | आरक्षित सीट प्रतिशत (कुल आरक्षित सीटो मे) |
|---|---|---|
| 0—10 | — | — |
| 10—20 | — | 00 00 |

| 20—30 | 01 91 | 5 71 |
|---|---|---|
| 30—40 | 18 09 | 51 43 |
| 50—60 | 35 24 | 22 86 |
| 40—60 | 32 38 | 02 86 |
| 60—70 | 05 71 | 02 86 |
| 70—80 | 02 86 | 08 57 |
| 80—90 | 00 95 | 00 00 |
| 90—100 | 02 86 | 05 71 |

2) सामान्य सीटो के 32 38 प्रतिशत भाग पर मतदान 50 से 60 प्रतिशत के बीच हुआ है जबकि आरक्षित सीटो के मात्र 2 86 प्रतिशत भाग पर 50 से 30 प्रतिशत मतदान हुआ है।

3) तालिका से यह भी स्पष्ट है कि कुछ ऐसी आरक्षित सीटे है जहा मतदान का प्रतिशत 90प्रतिशत के ऊपर रहा है।

अत कुल मिलाकर मतदान का स्वरूप सम्बन्धित क्षेत्र मे राजनैतिक जागरूकता आर्थिक सम्पन्नता शिक्षा पर निर्भर है। मतदान का कुछ प्रतिशत क्षणिक सहायता जातीय समीकरण वर्ग समीकरण पर भी आधारित है।

**सक्षेप** मतदान का स्वरूप लोकसभा एव विधानसभा मे क्षेत्र की राजनैतिक जागरूकता पर ही निर्भर है। प्राय सामान्य क्षेत्रो मे यह जागरूकता अधिक पायी गई इसलिए वहा का मतदान प्रतिशत उच्च है। जब कि आरक्षित क्षेत्रो मे इसके विपरीत परिस्थितिया है।

## पचम् अध्याय

# मतदान वितरण प्रतिरूप

# 5 मतदान वितरण

लोकतात्रिक देशो म नागरिको को अधिकार प्रदान होते है। इन्ही अधिकारो के कारण वे नागरिक कहलाते है। नागरिको को सुखी तथा लोकतात्रिक जीवन व्यतीत करने के लिए अधिकारो की प्राप्ति आवश्यक है। इन्ही तथ्यो को ध्यान मे रखते हुए भारतीय सविधान ने लोकसभा एव विधान सभा सदस्यो का निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर प्रत्यक्ष मतदान द्वारा निश्चित किया। वयस्क मताधिकार का तात्पर्य कि 18 वर्ष के प्रत्येक नागरिक को मत देने का अधिकार है चाहे वह किसी धर्म जाति भाषा आदि का क्यो न हो। मतदान के द्वारा ही नागरिक अपनी इच्छानुसार नेता पार्टी का चयन करता है। जिस पार्टी के ऊपर अधिकाश मतदाताओ का विश्वास होता है वही सत्ता मे आती है जिसे जनता की सरकार नाम से जाना जाता है। **मतदान का स्वरूप** प्रत्येक राज्य मे जिले मे ब्लाक मे गाव मे समान रूप से नही पाया जा सकता है क्योकि राजनीतिक आर्थिक भौगोलिक सामाजिक भिन्नाताये सर्वत्र व्याप्त है। इन्ही भिन्नताओ काप्रभाव मतदाताओ पर पडता है। जिससे मतदान वितरण मे असमानता होती है। इसी असमानता को प्रस्तुत अध्याय मे विश्लेषित किया गया है क्योकि निर्वाचन मे मतदाताओ की सहभागिता ही सफल लोकतान्त्रिक व्यवस्था की सूचक है।

प्रस्तुत अध्याय मे मतदान के भौगोलिक राजनीतिक स्वरूप को साख्यिकीय विधियो द्वारा प्रस्तुत किया गया है। अध्याय के प्रथम अनुभाग (5 1) मे इलाहाबाद जनपद के मतदान का स्थानिक वितरण वर्णित है जिसमे 5 1 1 मे लोकसभा मतदान का वर्णन है। द्वितीय अनुभाग (5 1 2) मे लोकसभा मतदान की जेडलब्धि (Z) उपलब्धि प्रदर्शित है। तृतीय अनुभाग (5 1 3) मे विधानसभा मतदान का

स्थानिक वितरण दर्शाया गया है। चतुर्थ अनुभाग (5 1 4) को विधान सभा मतदान वितरण की जेडलब्धि दर्शित है। अनुभाग पचम (5 2) मे मतदान का क्षेत्रीय सकेन्द्रण प्रस्तुत किया गया है। जिसमे अनुभाग (5 2 1) मे लोकसभा मतदान का क्षेत्रीय सकेन्द्रण एव 5 22 मे विधानसभा मतदान का क्षेत्रीय सकेन्द्रण प्रस्तुत है।

तालिका क्रमाक 5 1 मे इलाहाबाद जिले के ससदीय चुनावो मे मतदान का प्रतिशत 1952 से 91 तक प्रदर्शित है जिससे स्पष्ट है कि 1985 के लोकसभा निर्वाधन मे सर्वाधिक मतदान 54 81 प्रतिशत हुआ है। इसके अलावा 1957 के निर्वाचन मे 52 26 प्रतिशत मतदान प्रदर्शित है बाकी के वर्षो मे 50 प्रतिशत से कम मतदान हुआ है। अर्थात 50 प्रतिशत जनता की सरकारो बनी है।

तालिका – 5 1

**इलाहाबाद जिले के ससदीय क्षेत्रो मे मतदान का प्रतिशत – 1952–91**

| क्रमाक | निर्वाचन वर्ष | मतदान का प्रतिशत |
|---|---|---|
| 1 | 1952 | 47 51 |
| 2 | 1957 | 52 26 |
| 3 | 1962 | 47 49 |
| 4 | 1967 | 47 78 |
| 5 | 1971 | 41 44 |
| 6 | 1977 | 49 55 |
| 7 | 1980 | 44 78 |
| 8 | 1985 | 54 81 |

Turnout Percent
Lok Sabha (1952-1991)
Percent
60
50
40
30
20
10
0
1952
1957
1962
1967
1971
1977
1980
1985
1989
1991
Year
Table No 5 1
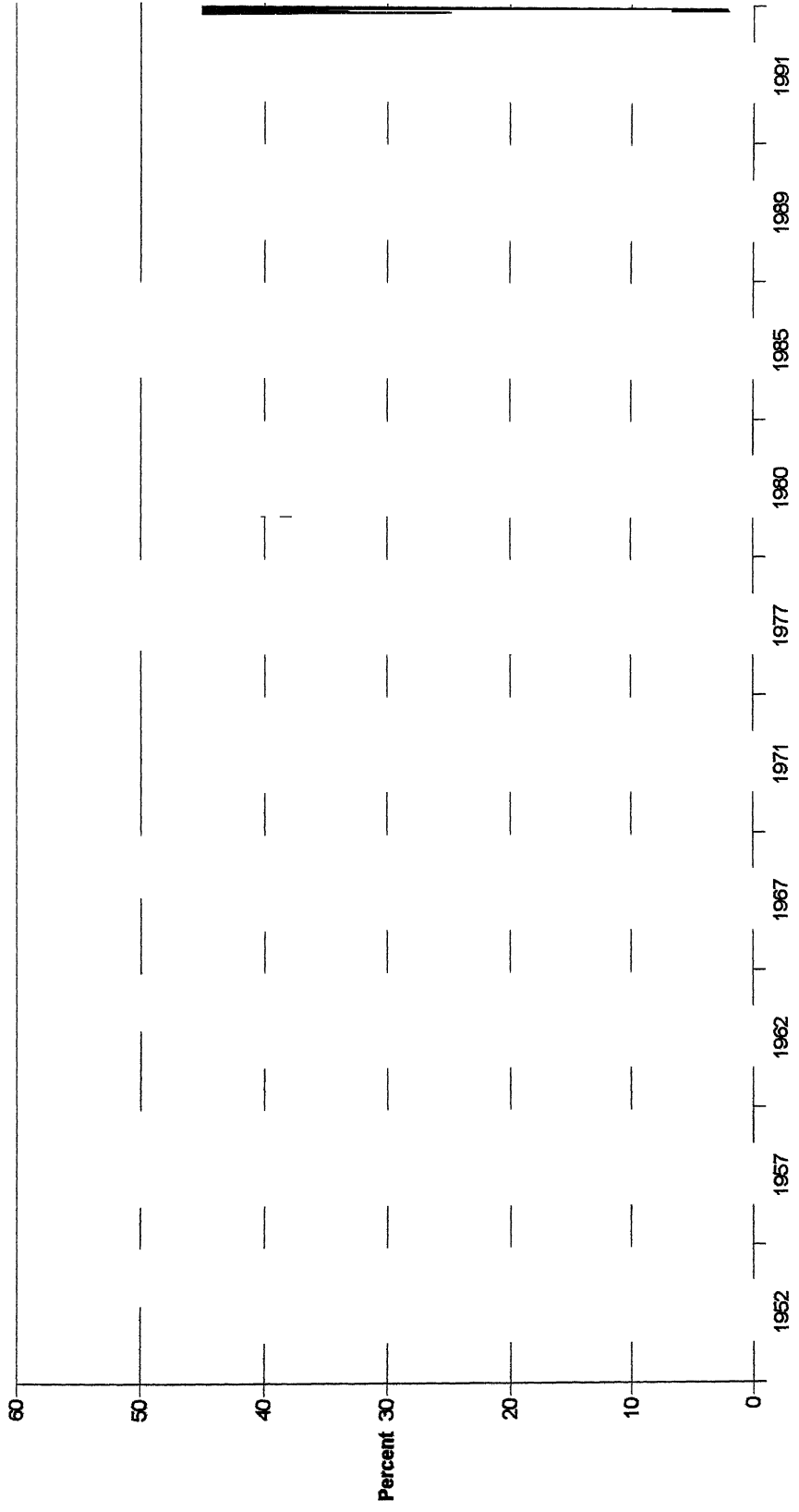
| | | |
|---|---|---|
| 9 | 1989 | 46 44 |
| 10 | 1991 | 42 74 |

तालिका क्रमाक 5 2 मे इलाहाबाद जिले के विधानसभा क्षेत्रो का मतदान प्रतिशत (1952–91) प्रदर्शित किया गया है। तालिका से स्पष्ट है कि 1952 57 74 के निर्वाचन वर्षो मे 50 प्रतिशत से कम मतदान हुआ है।

## तालिका – 5 2

**इलाहाबाद जिले के विधानसभा क्षेत्रो मे मतदान का प्रतिशत – 1952–91**

| क्रमाक | निर्वाचन वर्ष | मतदान का प्रतिशत |
|---|---|---|
| 1 | 1952 | 50 90 |
| 2 | 1957 | 60 82 |
| 3 | 1962 | 43 05 |
| 4 | 1967 | 40 91 |
| 5 | 1974 | 52 22 |
| 6 | 1977 | 41 99 |
| 7 | 1980 | 38 39 |
| 8 | 1985 | 38 53 |
| 9 | 1989 | 49 15 |
| 10 | 1991 | 42 25 |

Turnout Percent
Vidhan Sabha (1952-1991)
Percent
70
60
50
40
30
20
10
0
1952
1957
1962
1967
1974
1977
1980
1985
1989
1991
Year
Table No 5 2
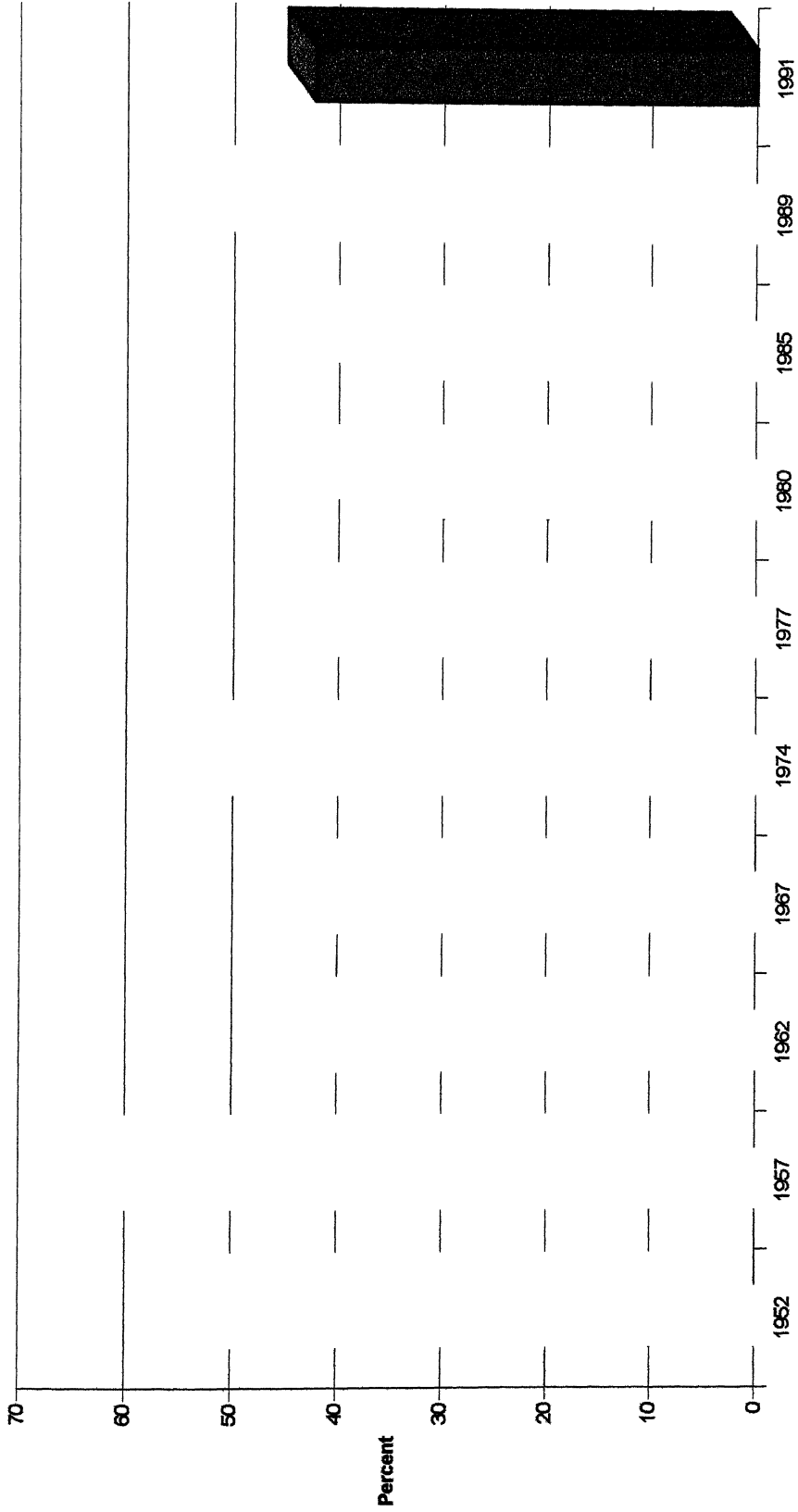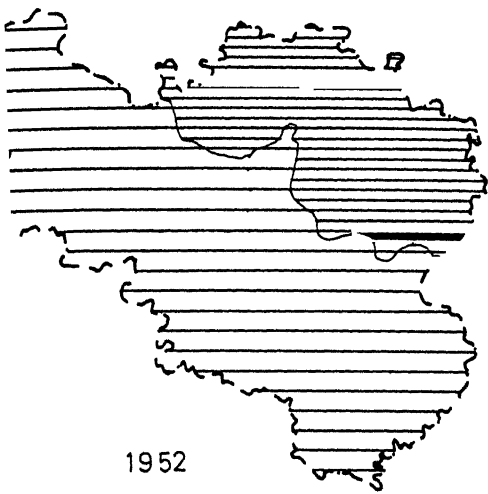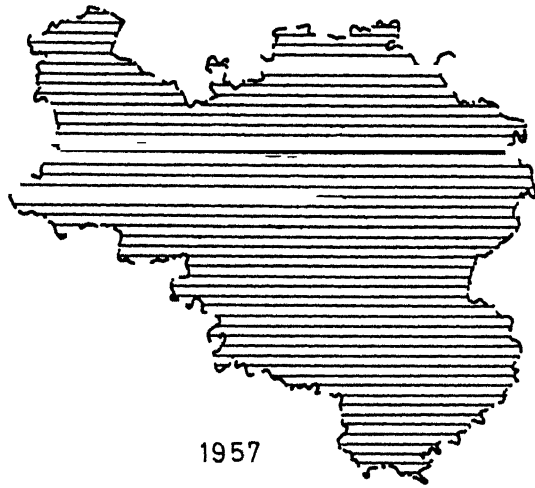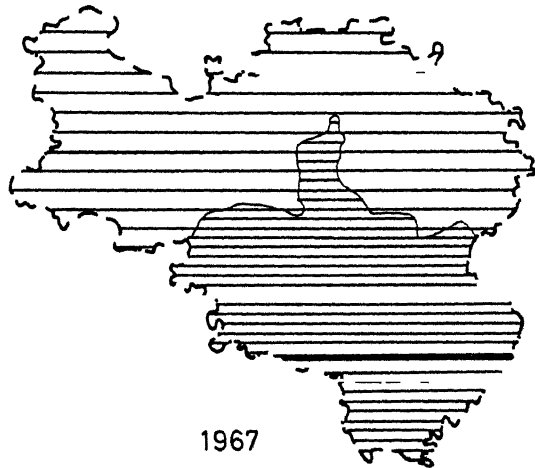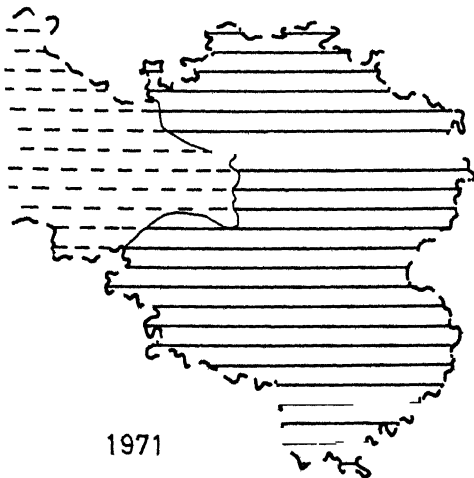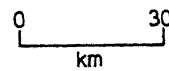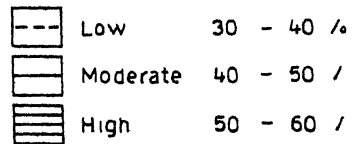
11 Absolute Distribution of Turnout 1952 to 1971 (Per cent) Loke Sabh

5 1 2 Absolute Distribution of Turnout 1977 to 1991 (Per cent) Loke Sab
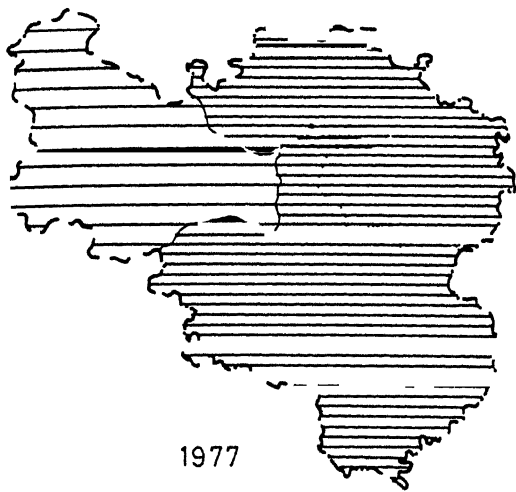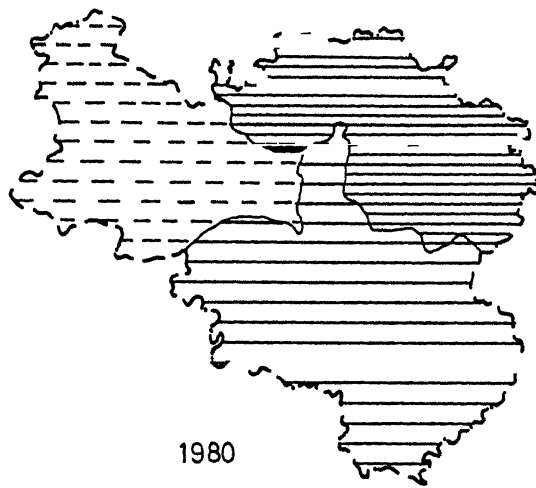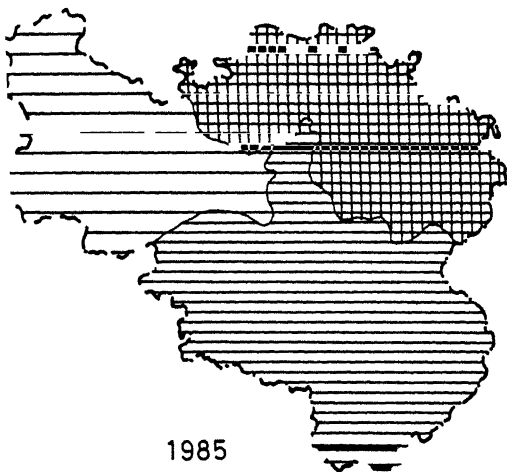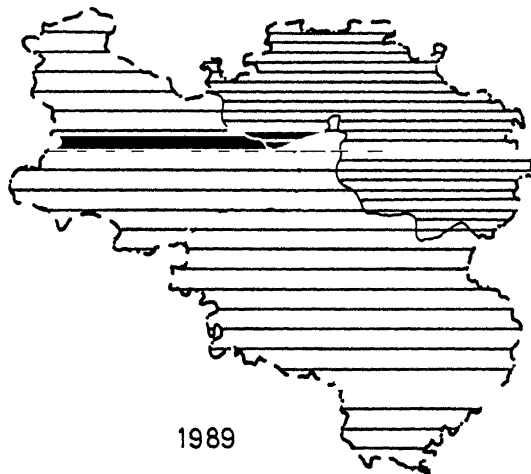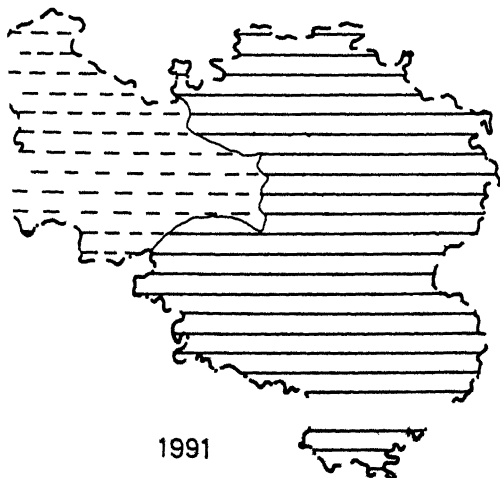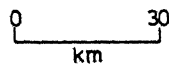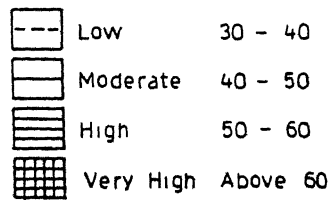
तालिका क्रमाक 5 1 एव 5 2 से स्पष्ट है कि अभी भी भारतीय जनमत पूरी तरह से सजग नही हुआ है जिसका परिणाम सरकारी नीतियो पर पड रहा है।

## 5 1 मतदान का स्थानिक वितरण

**5 1 1– लोकसभा मतदान का स्थानिक वितरण** प्रस्तुत अनुभाग मे इलाहाबाद जिले के 1952 से 1991 तक सम्पन्न लोकसभा चुनावो मे प्राप्त मतदान प्रतिशत के वास्तविक स्थानिक वितरण को प्रस्तुत किया गया है। जिसका मानचित्रण चित्र क्रमाक 5 1 1 एव 5 1 2 मे प्रदर्शित किया गया है। मतदानो के प्रतिशत को 5 भागो मे विभक्त किया गया है।

- **i)** उच्चतम मतदान क्षेत्र–जिसके अन्तर्गत ऐसे क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है जहॉ मतदान 60 प्रतिशत से अधिक हुआ है।
- **ii)** उच्च मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत 50 से 60 प्रतिशत मतदान वाले क्षेत्र सम्मिलित है।
- **iii)** मध्यम मतदान क्षेत्र–जिसके अनतर्गत 40 से 50 प्रतिशत मतदान वाले क्षेत्र आते है।
- **iv)** निम्न मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत 30 से 40 प्रतिशत मतदान वाले क्षेत्र को सम्मिलित किया गया है।
- **v)** निम्नतम मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत 30 प्रतिशत से कम मतदान वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है।

**5 1 1 1–उच्चतम मतदान क्षेत्र** 1952 से 1991 तक के निर्वाचन वर्षो मे निर्वाचन वर्ष 1985 मे फूलपुर ससदीय क्षेत्र उच्चतम मतदान क्षेत्र था। इसके

अतिरिक्त किसी भी निर्वाचन वर्ष मे इलाहाबाद जनपद के किसी भी लोकसभा क्षेत्र मे 60 प्रतिशत से अधिक मतदान नही हुआ।

**5 1 1 2–उच्चमतदान क्षेत्र** इलाहाबाद जनपद के निम्न लोकसभा क्षेत्र उच्च मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत आते है। निर्वाचन वर्ष 1952 मे इलाहाबाद जिला (ईस्टकम जौनपुर) 1957 फूलपुर इलाहाबाद 1962 इलाहाबाद शहर 1967 इलाहाबाद 1977 मे इलाहाबाद एव फूलपुर ससदीय क्षेत्र 1980 मे फूलपुर 1985 मे इलाहाबाद 1989 मे फूलपुर अर्थात इलाहाबाद एव फूलपुर जिले लगभग वर्षो मे उच्च मतदान क्षेत्र रहे है।

**5 1 1 3–मध्यम मतदान क्षेत्र** मध्यम मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न लोकसभा क्षेत्र आते है। 1952 के निर्वाचन वर्ष मे इलाहाबाद जिला पश्चिमी0 1962 मे इलाहाबाद फूलपुर 1967 फूलपुर चायल 1971 मे इलाहाबाद फूलपुर 1977 मे चायल 1980 मे इलाहाबाद 1985 मे चायल 1989 मे इलाहाबाद चायल 1991 मे इलाहाबाद फूलपुर।

**5 1 1 4–निम्न मतदान क्षेत्र** इसके अन्तर्गत 30 से 40 प्रतिशत मतदान वाले क्षेत्र सम्मिलित है। इसमे इलाहाबाद जिले के निम्न ससदीय क्षेत्र आते है 1962 मे निर्वाचन मे चायल 1971 मे चायल 1980 मे चायल 1991 मे चायल।

**5 1 1 5–निम्नतम मतदान क्षेत्र** निम्नतम मतदान क्षेत्र के अनतर्गत 30 प्रतिशत से कम मतदान वाले क्षेत्र आते है। इलाहाबाद जनपद के किसी लोकसभा क्षेत्र मे निम्नतम मतदान नही हुआ।

साराशत इलाहाबाद जिले की ससदीय सीटे निम्न मतदान आरक्षित सीटो पर ही हुआ है। सामान्य सीटो पर निम्न एव निम्नतम मतदान कभी नही हुआ। हमेशा मध्यम या उच्च मतदान इन क्षेत्रो मे हुआ।
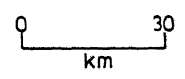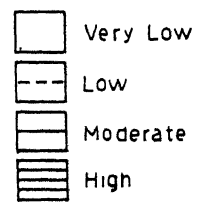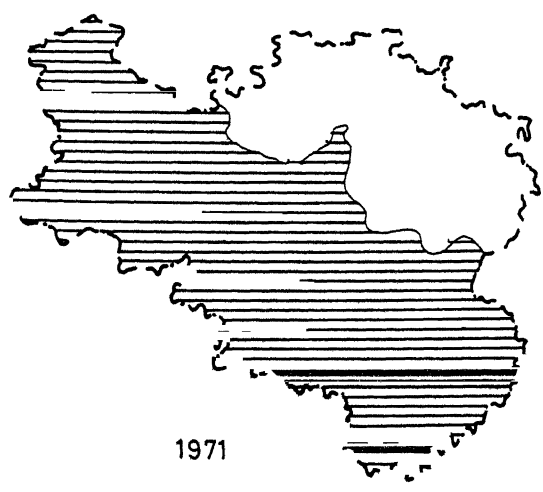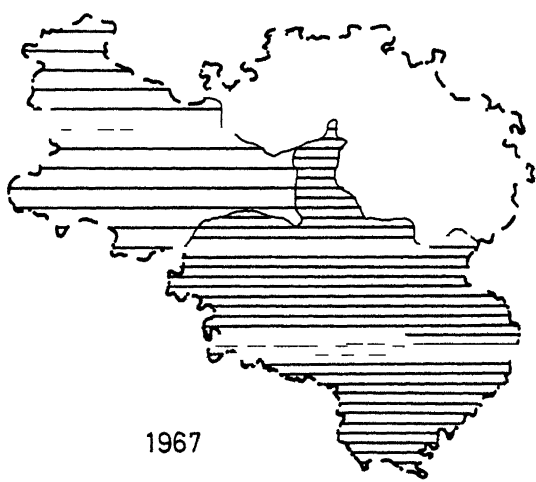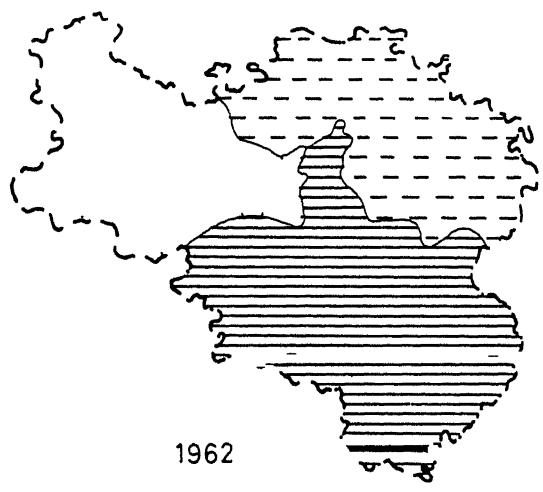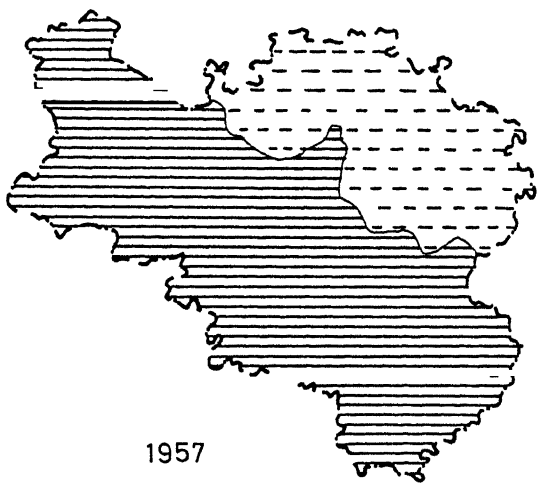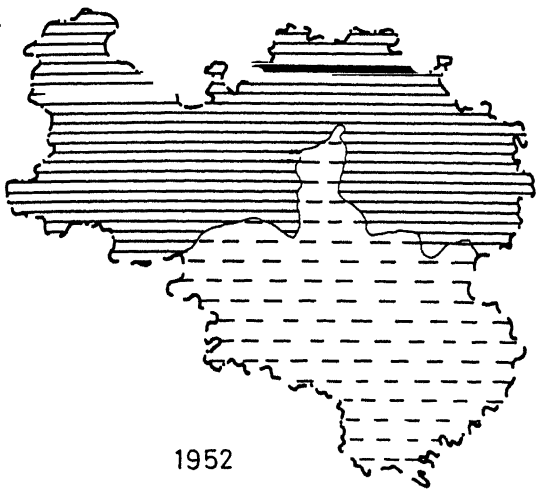
Fig 5.21 Turnout Distribution 1952 to 1971 (Z Score) (Loke Sabha)
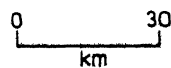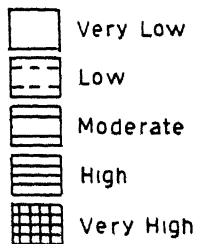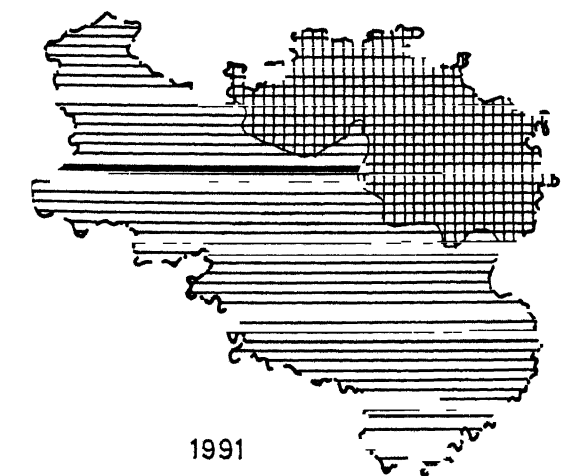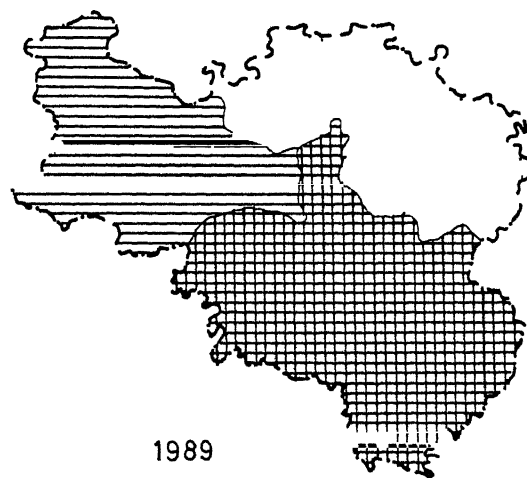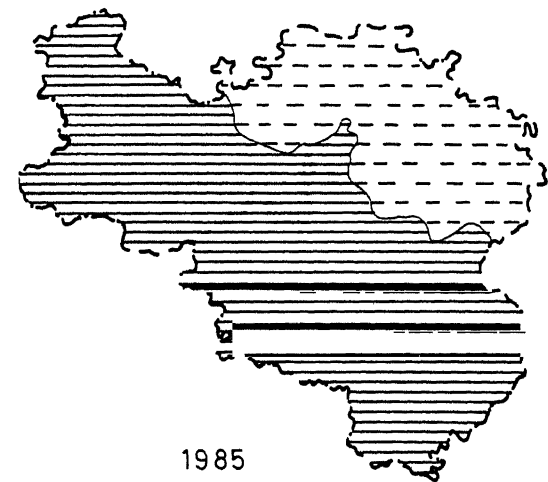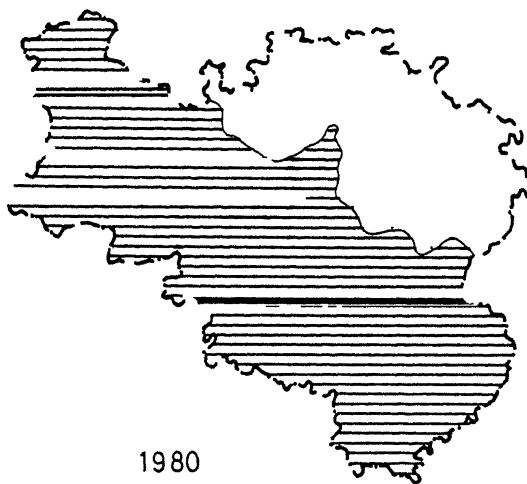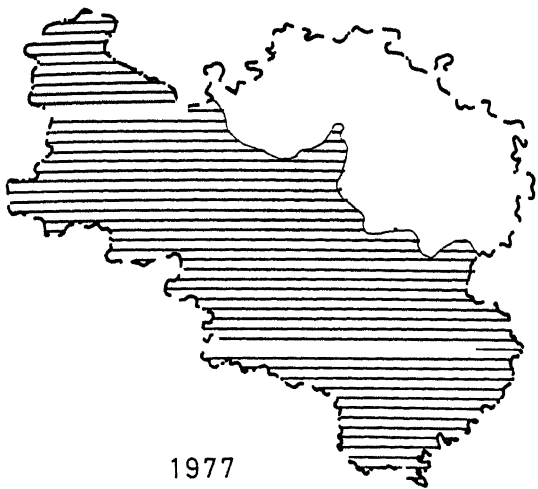
g 5 2 2 Turnout Distribution 1977 to 1991 (Z Score) Loke Sabha

## 5 1 2 लोकसभा मतदान वितरण (जेडलब्धि) 1952—91

प्रस्तुत अनुभाग मे इलाहाबाद जिले के 1952 से 1991 तक सम्पन्न लोकसभा चुनावो मे विभिन्न क्षेत्रो मे प्राप्त मतदान को जेडलब्धि के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शन मे प्राप्त परिणामो का विवेचन प्रस्तुत किया गया है। जिसको मानचित्र 5 2 1 एव 5 2 2 मे दर्शाया गया है—

**5 2 1—उच्चतम मतदान**—मानचित्र से स्पष्ट है कि उच्चतम मतदान वाले क्षेत्रो केवल दो वर्षो 1991 मे फूलपुर तथा 1989 मे इलाहाबाद ससदीय क्षेत्र मे उच्चतम Z लब्धि परिलक्षित होती है।

**5 2 2—उच्च मतदान**—इलाहाबाद जिले मे उच्च मतदान जेडलब्धि के क्षेत्र निम्नानुसार है वर्ष 1991 मे चायल इलाहाबाद 1989 मे चायल 1985 मे इलाहाबाद चायल 1980 मे इलाहाबाद चायल 1977 मे इलाहाबाद चायल 1971 मे इलाहाबाद चायल 1967 62 57 मे इलाहाबाद ससदीय क्षेत्र 1952 से 1991 तक प्राय सभी वर्षो मे जेडलब्धि इलाहाबाद एव चायल ससदीय क्षेत्र मे उच्च Z लब्धि रही है।

**5 2 3—मध्यम मतदान**—मध्यम मतदान Z' लब्धि जिले के ससदीय क्षेत्रो मे नही के बराबर पायी गयी है। वर्ष 1967 मे चायल ससदीय क्षेत्र मे मतदान Z' लब्धि मध्यम रही।

**5 2 4—निम्न मतदान**—इलाहाबाद जिले के ससदीय क्षेत्रो मे निम्न मतदान मतदान Z' लब्धि बहुत कम क्षेत्रो मे पायी गयी। इसका विवरण निम्नानुसार है—वर्ष 1957 62 85 मे फूलपुर ससदीय क्षेत्र मे तथा वर्ष 1952 मे इलाहाबाद ससदीय क्षेत्र मे निम्न मतदान Z' लब्धि पायी गई है।
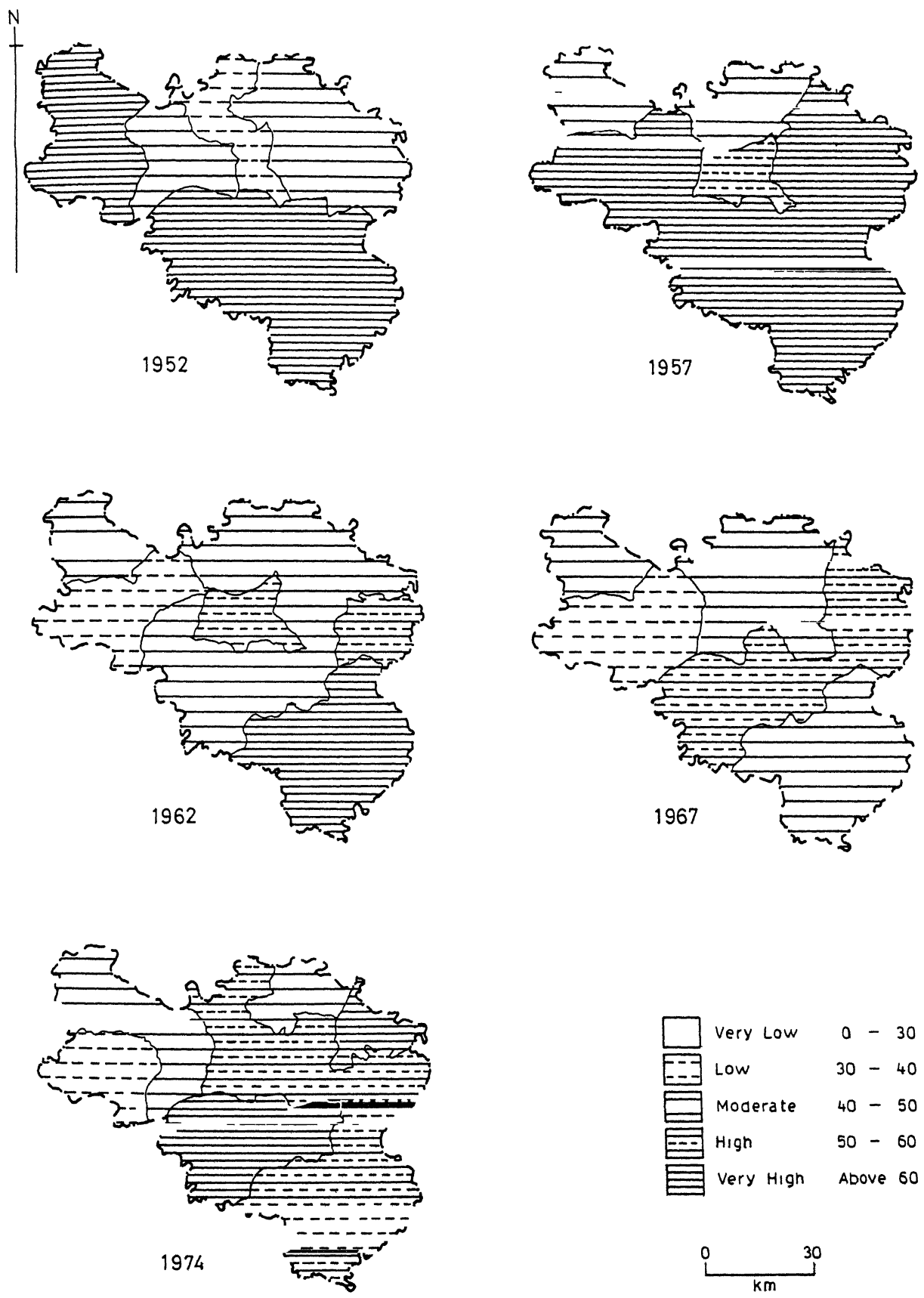
Fig 531 Absolute Distribution of Turnout 1952 to 1974 (Per cent) Vidhan Sabha
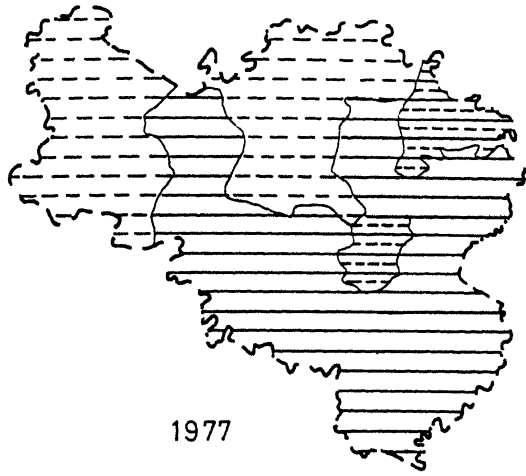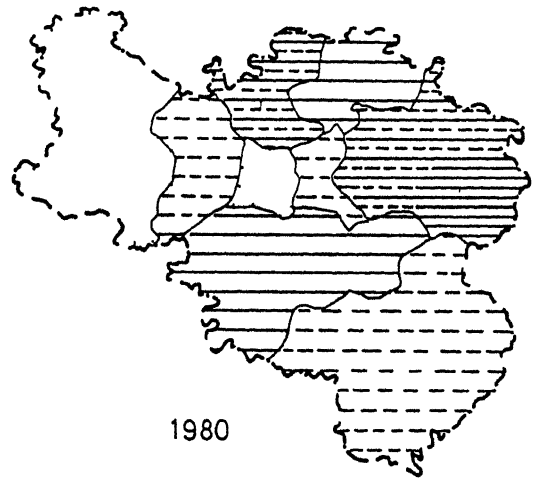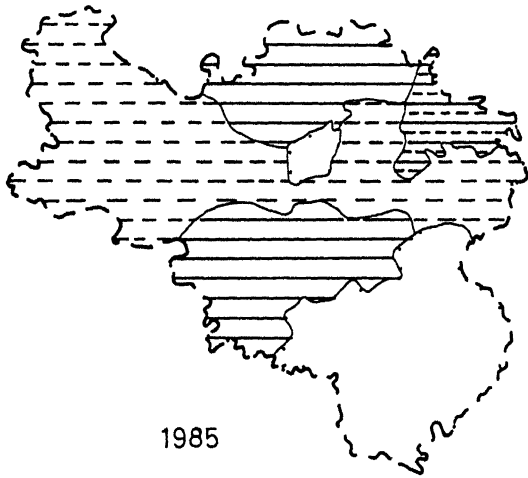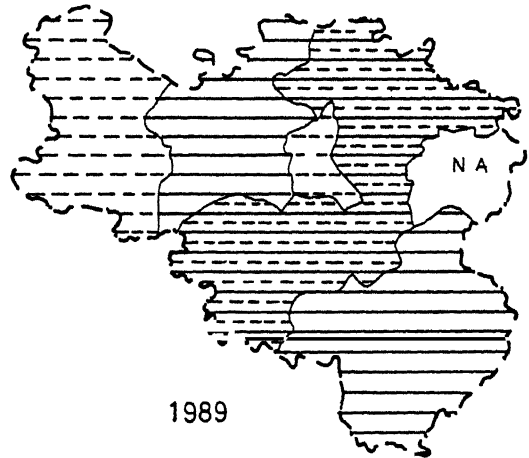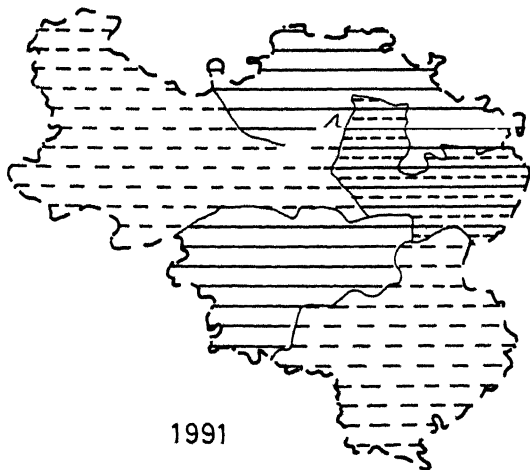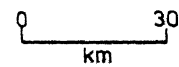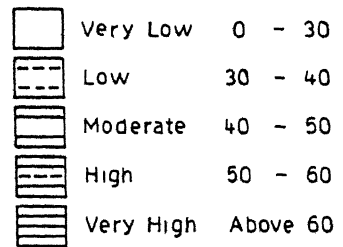
Fig 5 3 2 Absolute Distribution of Turnout 1977 to 1991 (Per cent) Vidhan Sabha

**5 2 5—निम्नतम मतदान**—निम्नतम मतदान Z लब्धि तल जिले के फूलपुर ससदीय क्षेत्र मे 1967 71 77 80 मे पायी गयी। 1962 मे चायल ससदीय क्षेत्र निम्नतम Z लब्धि उभरी। इस तरह स्पष्ट ही निम्नतम Z लब्धि तल विगत 4 वर्षो मे फूलपुर ससदीय क्षेत्र मे उभरा।

**5 1 3—विधानसभा मतदान का स्थानिक वितरण (1952—91)**—प्रस्तुत अनुभाग मे विधान सभा मतदान का स्थानिक वितरण 1952—91 तक के निर्वाचन का इलाहाबाद जिले के सन्दर्भ मे प्रस्तुत है। वास्तविक स्थानिक वितरण प्रतिशत मे प्रदर्शित किया गया। मानचित्र 5 3 1 एव 5 3 2 के अनुसार इलाहाबाद जनपद के विधानसभा क्षेत्रो मे मतदान का प्रारूप इस प्रकार है। समस्त जिले के मतदान प्रारूप को पॉच भागो मे बॉटा गया है।

i) उच्चतम मतदान क्षेत्र (60 प्रतिशत से अधिक मतदान)

ii) उच्च मतदान क्षेत्र (50 से 60 प्रतिशत मतदान)

iii) मध्यम मतदान क्षेत्र (40 से 50 प्रतिशत मतदान)

iv) निम्न मतदान क्षेत्र (30 से 40 प्रतिशत मतदान)

v) निम्नतम मतदान क्षेत्र (30 प्रतिशत से कम मतदान)

**5 1 3 1—उच्चतम मतदान क्षेत्र** 1952 से 1991 तक के निर्वाचन मे 60 प्रतिशत से कम मतदान 1967 77 80 91 के निर्वाचन वर्षो मे हुआ। 60 प्रतिशत से अधिक मतदान 1952 मे मेजा करछना करछना उत्तरी एव चायल सिराथू एव मझनपुर 1957 मे मझनपुर चायल फूलपुर मेजा 1962 मे मेजा 1974 मे करछना बारा प्रतापपुर 1980 मे हडिया विधान सभा क्षेत्र मे हुआ। अर्थात

उच्चतम मतदान सीमित क्षेत्रो मे है। 10 वर्षो के निर्वाचन मे मात्र 12 निर्वाचन क्षेत्रो मे उच्चतम मतदान हुआ।

**5 1 3 2–उच्च मतदान क्षेत्र** उच्च मतदान क्षेत्रो की सख्या अधिक है। किन्तु अधिकतम मतदान सामान्य विधान सभा क्षेत्रो मे हुआ है। 1952 मे किसी विधानसभा क्षेत्र मे उच्च मतदान नही हुआ। निर्वाचन वर्ष 1957 मे इलाहाबाद (उत्तरी) इलाहाबाद (दक्षिणी) करछना 1962 मे केवाई इलाहाबाद (उत्तरी) इलाहाबाद (दक्षिणी) 1967 मे करछना बारा हडिया प्रतापपुर इलाहाबाद (उत्तरी) इलाहाबाद (दक्षिणी) 1974 मे मेजा झूसी हडिया नवाबगज इलाहाबाद (उत्तरी) इलाहाबाद (दक्षिणी) इलाहाबाद (पश्चिमी) 1977 मे करछना प्रतापपुर 1980 मे झूसी नवाबगज प्रतापपुर 1985 मे प्रतापपुर 1989 मे करछना बारा झूसी प्रतापपुर सोराव 1991 मे झूसी हडिया उच्च मतदान केन्द्र थे। इलाहाबाद उत्तरी एव दक्षिणी विधानसभा क्षेत्रो मे प्राय उच्च मतदान हुआ है। जिसका कारण शहरी निर्वाचक का अपने अधिकारो के प्रति सचेत रहना।

**5 1 3 3–मध्यम मतदान क्षेत्र** 40 से 50 प्रतिशत मतदान वाले क्षेत्रो को इसके अन्तर्गत रखा गया है। जिसमे 1952 मे फूलपुर फूलपुर पूर्व एव हडिया उत्तरी हडिया दक्षिणी इलाहाबाद शहर पूर्व सम्मिलित है। 1957 मे सोराव पश्चिमी सोराव पूर्व एव केवारी 1962 मे बारा करछना झूसी फूलपुर सोराव पूरब सोराव पश्चिम चायल सिराथू, 1967 मे मेजा कोरिहार बहादुरपुर इलाहाबाद (उत्तरी) सोराव सिराथू 1974 मे सोराव सिराथू, चायल 1977 मे मेजा बारा झूसी हडिया चायल 1980 मे करछना बारा सोराव 1985 मे करछना बारा नवाबगज सोराव 1989 मे मेजा नवाबगज इलाहाबाद पश्चिम चायल 1991 मे करछना बारा प्रतापपुर सोराव नवाबगज विधानसभा क्षेत्र मध्यम

मतदान के अनतर्गत आते है। मध्यम मतदान 1952–91 तक कुल 41 विधान सभा क्षेत्रो मे हुआ है। अर्थात अधिकाश क्षेत्रो मे मध्यम मतदान हुआ है।

**5 1 3 4–निम्न मतदान क्षेत्र** निम्न मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत निम्नलिखित विधान सभा क्षेत्र सम्मिलित है। 1952 के निर्वाचन मे सोराव उत्तरी सोराव दक्षिणी इलाहाबाद शहर (मध्य) चायल उत्तरी 1962 मे भरवारी करारी 1967 चायल मझनपुर 1974 मझनपुर 1977 सोराव नवाबगज इलाहाबाद (उत्तरी) इलाबाद (दक्षिणी) इलाहाबाद (पश्चिमी) मझनपुर सिराथू 1980 मे मेजा इलाहाबाद (उत्तरी) इलाहाबाद (दक्षिणी) चायल 1985 मे इलाहाबाद पश्चिमी चायल मझनपुर सिराथू झूसी हडिया इलाहाबाद (दक्षिणी)। 1989 मे इलाहाबाद (उत्तरी) इलाहाबाद दक्षिणी मझनपुर सिराथू 1991 मे मेजा इलाहाबाद (उत्तरी) इलाबाद (दक्षिणी) इलाहाबाद (पश्चिमी) चायल मझनपुर सिराथू विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित है। इस वर्ग मे 1957 मे कोई विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित नही था। साराशत आरक्षित क्षेत्रो मे निम्न मतदान हुआ है।

**5 1 3 5–निम्नतम मतदान क्षेत्र**–30 प्रतिशत से कम मतदान वाले क्षेत्रो को इसके अन्तर्गत सम्मिलित किया गया है। 1952 से 1991 तक के नि र्वाचन वर्षो मे 1980 85 को छोडकर किसी भी निर्वाचन वर्ष मे निम्नतम मतदान नही हुआ। 1980 के निर्वाचन वर्ष मे इलाहाबाद (पश्चिमी) मझनपुर सिराथू एव 1985 मे मेजा इलाहाबाद (उत्तरी) मे निम्नतम मतदान हुआ। विश्लेषण से स्पष्ट है कि इलाहाबाद जिले मे मतदान जागरूकता पूर्ण रूप से व्याप्त थी। क्योकि निम्नतम मतदान अत्यल्प क्षेत्रो मे हुआ।

**5 1 4–विधान सभा मतदान वितरण (जेड लब्धि) 1952–1991**

प्रस्तुत अनुभाग मे इलाहाबाद जिले मे 1952–1991 तक सम्पन्न विधान सभा
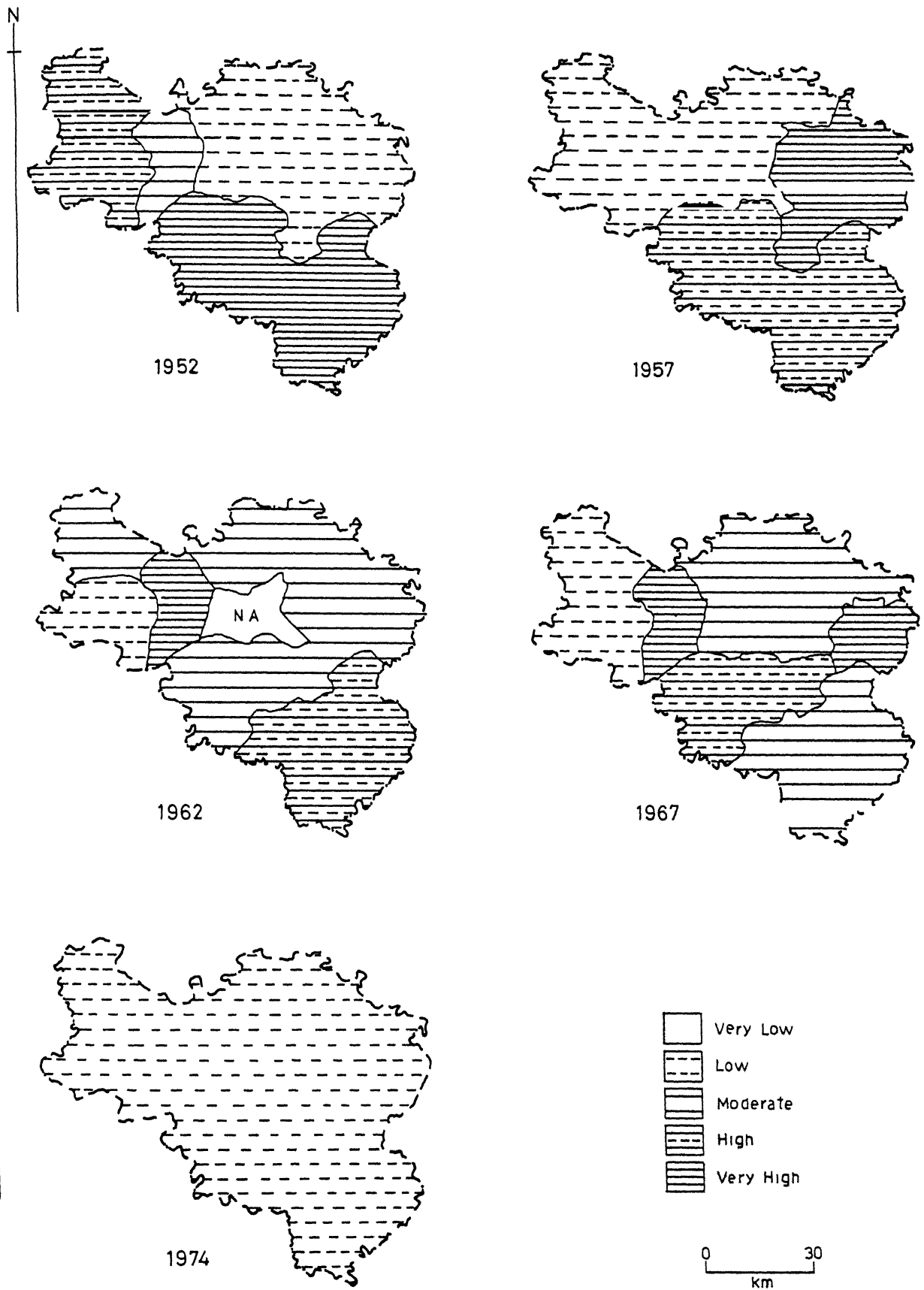
Fig 5 4 1 Turnout Distribution 1952 to 1974 (Z-Score) Vidhan Sabha
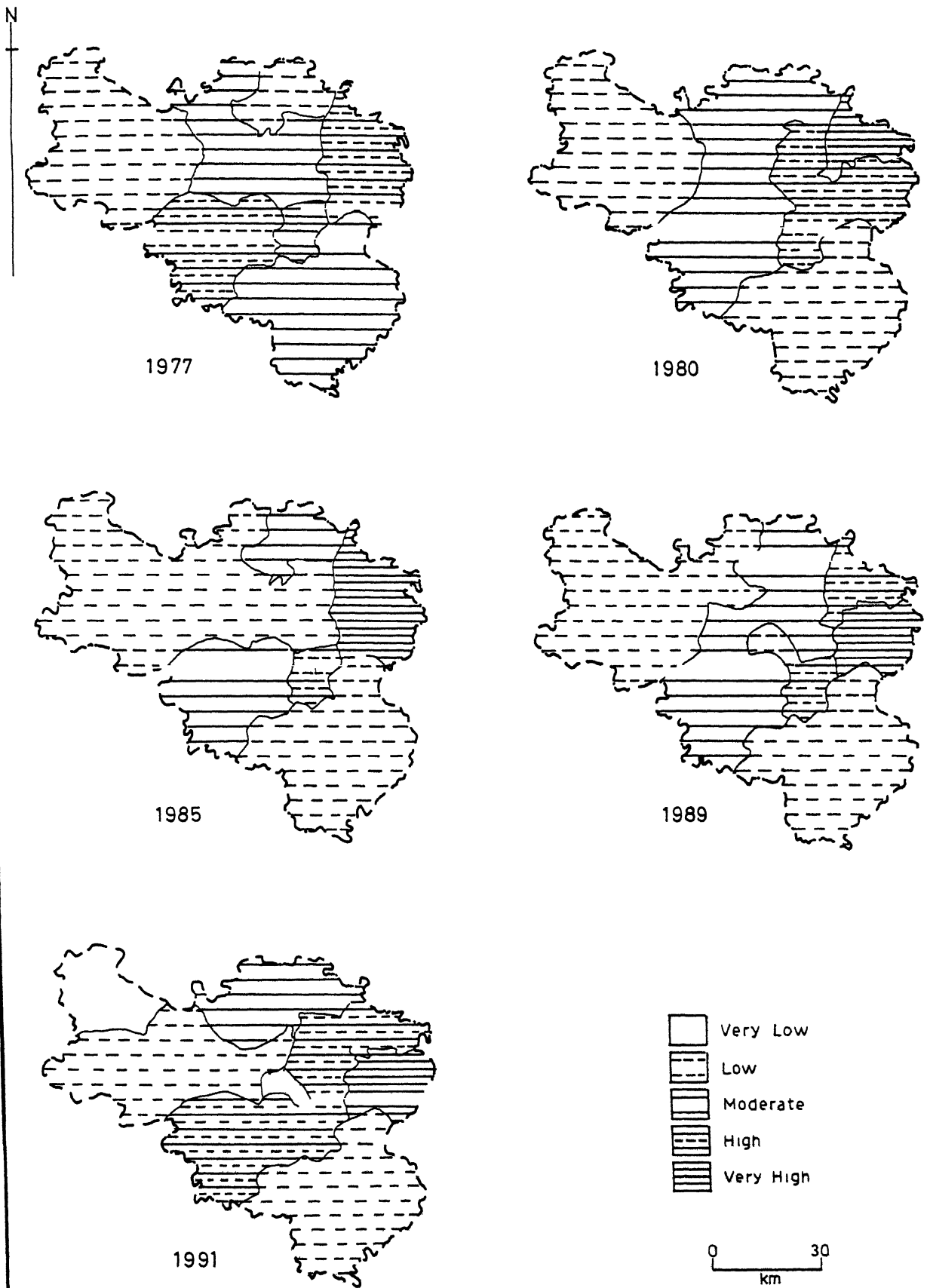
Fig 542 Turnout Distribution 1977 to 1991 (Z-Score) Vidhan Sabha

निर्वाचन के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रो मे प्राप्त मतदान को जेडलब्धि के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। प्राप्त परिणामो को मानचित्र 5 4 1 एव 5 4 2 मे प्रदर्शित कर उसका विवेचन किया गया है। मानचित्रानुसार निर्वाचन क्षेत्रो मे निम्न जेड लब्धि प्रारूप प्रस्तुत है।

**5 1 4 1—उच्चतम मतदान** उच्चतम मतदान जेड लब्धि विभिन्न वर्षो मे परिवर्तित होती रही है। 1957 उच्चतम जेड लब्धि फूलपुर मेजा करछना करछना चायल (S) मे रही। जब कि वर्ष 1962 एव 67 मे क्रमश भरवारी एव हडिया विधान सभा क्षेत्रो मे उच्चतम जेड लब्धि तल विद्यमान थी। इसी तरह से 1977 मे करछना 1980 मे प्रतापपुर 1985 मे प्रतापपुर हडिया 1989 1991 मे हडिया उच्चतम जेड लब्धि पायी गयी।

**5 1 4 2—उच्च मतदान** इसके अन्तर्गत मानचित्रानुसार निम्नरूप प्रदर्शित होता है। 1952 मे सिराथू एव मझनपुर 1957 मे मेजा मझनपुर चायल 1962 मेजा 1967 मे करछना बारा 1977 मे बारा हडिया प्रतापपुर 1980 मे करछना झूसी हडिया 1985 मे करछना 1989 मे प्रतापपुर करछना 1991 मे करछना बारा झासी प्रतापपुर उच्च मतदान जेड लब्धि पायी गयी है।

**5 1 4 3—मध्यम मतदान**—मध्यम मतदान जिले के लगभग सभी भागो मे एव सभी वर्षो मे पाया गया इसके अन्तर्गत निम्नानुसार विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित है— 1952 मे चायल (उत्तरी) 1962 मे बारा करछना केवाई झूसी फूलपुर सोराव (पू0) सोराव (प0) चायल सिराथू। 1967 मे मेजा सोराव बहादुरपुर प्रतापपुर इलाहाबाद (दक्षिणी) और इलाहाबाद (पश्चिमी)। 1977 मे मेजा झूसी नवाबगज इलाहाबाद (N) इलाहाबाद (S)। 1980 मे सोराव बारा नवाबगज इलाहाबाद उत्तरी दक्षिणी पश्चिमी चायल। 1985 मे बारा सोराव। 1989 मे सोराव बारा

झूसी इलाहाबाद (N & W)। 1991 मे सोराव नवाबगज करछना। 1957 मे किसी भी विधानसभा क्षेत्र मे मध्यम मतदान जेड लब्धि नही पायी गयी।

**5 1 4 4—निम्न मतदान**—निम्न मतदान जिले के सर्वाधिक विधान सभा क्षेत्रो मे पाया गया। इसके अन्तर्गत विभिन्न वर्षो मे विधानसभा क्षेत्रो की स्थिति इस प्रकार रही—1952 मे सोराव और फूलपुर (w) सोराव (दक्षिणी) फूलपुर (दक्षिणी) फूलपुर और हडिया हडिया (द) इलाहाबाद (पूर्वी) इलाहाबाद (पश्चिमी) 1957 मे इलाहाबाद (उ0) इलाहाबाद (दक्षिणी) सोराव (पूर्वी और पश्चिमी) केवाई करछना। 1962 करारी 1967 मे मझनपुर सिराथू, 1974 मे इलाहाबाद जिले की सम्पूर्ण विधान सभा क्षेत्रो मे निम्न मतदान जेड लब्धि पायी गयी। 1977 मे सोराव इलाहाबाद (पश्चिमी) मझनपुर सिराथू, चायल 1980 मे मेजा चायल मझनपुर सिराथू, 1985 मे मेजा नवाबगज इलाहाबाद (उत्तरी और दक्षिणी) इलाहाबाद पश्चिमी चायल मझनपुर सिराथू, झूसी 1989 मे सिराथू, मझनपुर चायल इलाहाबाद (दक्षिणी) नवाबगज मेजा। 1991 मे इलाहाबाद (उत्तरी) इलाहाबाद (पश्चिमी) चायल मझनपुर मेजा क्षेत्र सम्मिलित है।

**5 1 4 5—नि .त॰। मतदान** निम्न मतदान क्षेत्र इलाहाबाद जिले मे वास्तव मे निम्नतम विधान सभा क्षेत्रो मे है इसके अन्तर्गत 1952 से 1991 तक केवल 1991 मे सिराथू एव इलाहाबाद (दक्षिणी) मे निम्नतम मतदान पाया गया।

**5 2—मतदान का क्षेत्रीय सकेन्द्रण**

प्रस्तुत अनुभाग मे मतदान के सापेक्षिक क्षेत्रीय वितरण का वर्णन प्रस्तुत है। इसमे इलाहाबाद जनपद के औसत मतदान को प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के मतदान से भाग देकर 100 से गुणाकर क्षेत्रीय सकेन्द्रण का निर्धारण किया गया है। इस तरह वास्तविक सापेक्ष स्थिति का निर्धारण हुआ है। साराशत मतदानो

के सापेक्ष वितरण का विश्लेषण स्थानिक सकेन्द्रण विधि द्वारा गणना करके प्राप्त किया गया। जिसका सूत्र इस प्रकार है–

$$\text{क्षेत्रीय सकेन्द्रण} = \frac{\text{एक लोकसभा एव विधान सभा मे प्राप्त मत प्रतिशत}}{\text{पूरे जिले मे प्राप्त प्रतिशत का औसत मतदान}} \times 100$$

गणना के उपरान्त लोकसभा एव विधानसभा के प्राप्त परिणामो को पाच श्रेणीयो मे विभक्त किया गया है। यथा–उच्चतम उच्च मध्यम निम्न निम्नतम। लोकसभा एव विधानसभा के मतदान का सकेन्द्रण प्रतिशत निम्नवत है–

i) उच्चतम मतदान सकेन्द्रण क्षेत्र जिसके अन्तर्गत 115 प्रतिशत से अधिक मतदान सकेन्द्रण वाले क्षेत्र सम्मिलित किये गये है।

ii) उच्च मतदान सकन्द्रण क्षेत्र जिसके अन्तर्गत 100 से 115 प्रतिशत मतदान सकेन्द्रण वाले क्षेत्र को सम्मिलित किया गया है।

iii) मध्यम मतदान सकेन्द्रण क्षेत्र जिसके अन्तर्गत 85 से 100 प्रतिशत मतदान सकेन्द्रण वाले क्षेत्र को सम्मिलित किया गया है

iv) निम्न मतदान सकेन्द्रण क्षेत्र जिसके अन्तर्गत 70 से 85 प्रतिशत मतदान सकेन्द्रण वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है।

v) निम्नतम मतदान सकेन्द्रण क्षेत्र जिसके अन्तर्गत 70 प्रतिशत से कम मतदान सकेन्द्रण वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है।

**5 2 1–लोकसभा मतदान का क्षेत्रीय सकेन्द्रण** प्रस्तुत अनुभाग मे 1952 से 1991 तक लोकसभा निर्वाचन का मतदान सकेन्द्रण प्रस्तुत किया गया हे। निर्वाचन मे प्राप्त मतदानो का सापेक्ष स्थिति का मानचित्रण चित्र 5 5 1 एव 5 5 2
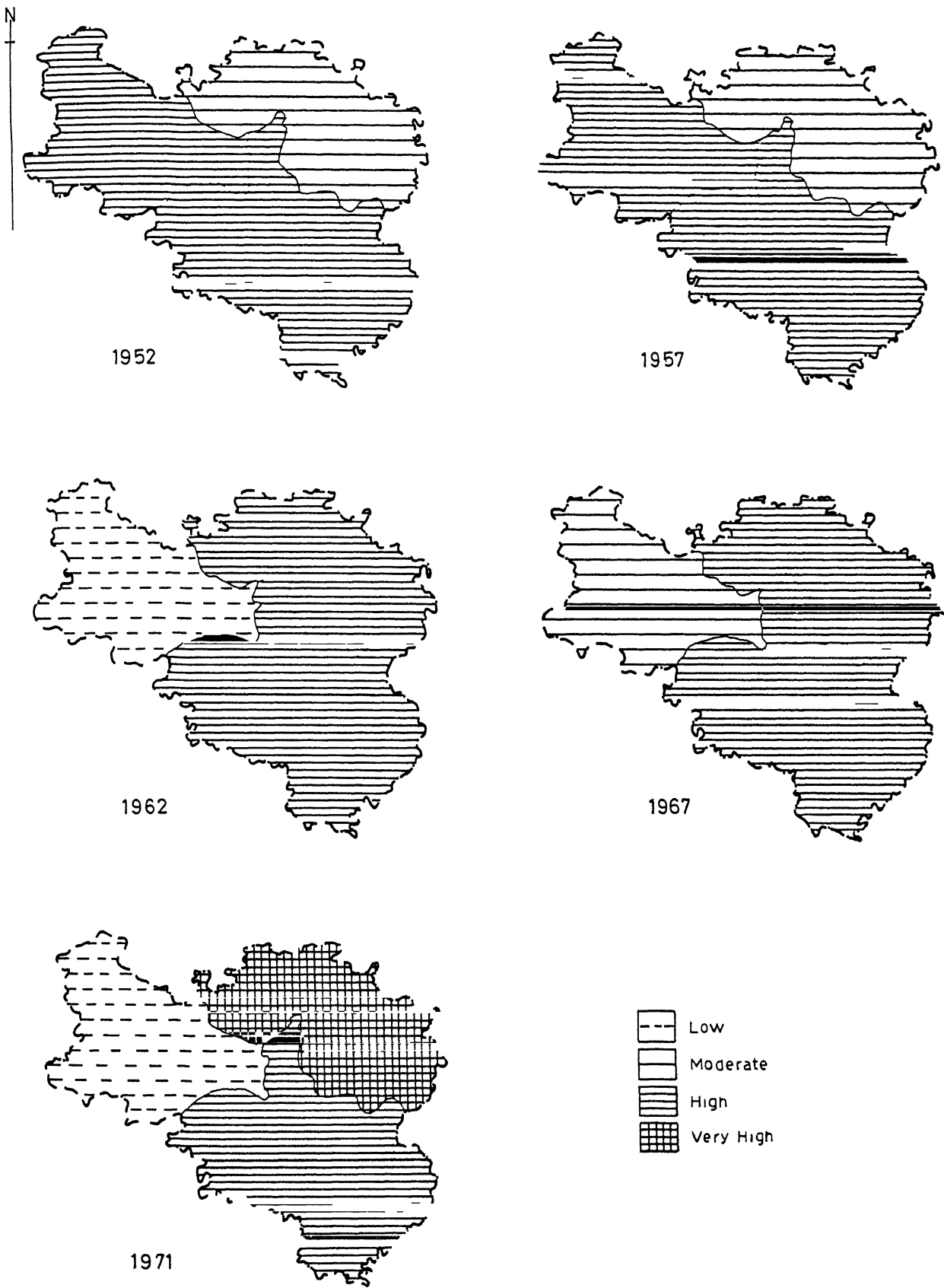
Fig 5 51 Spatial Concentration of Turnout 1952 to 1971 (Per cent) Loke Sabha
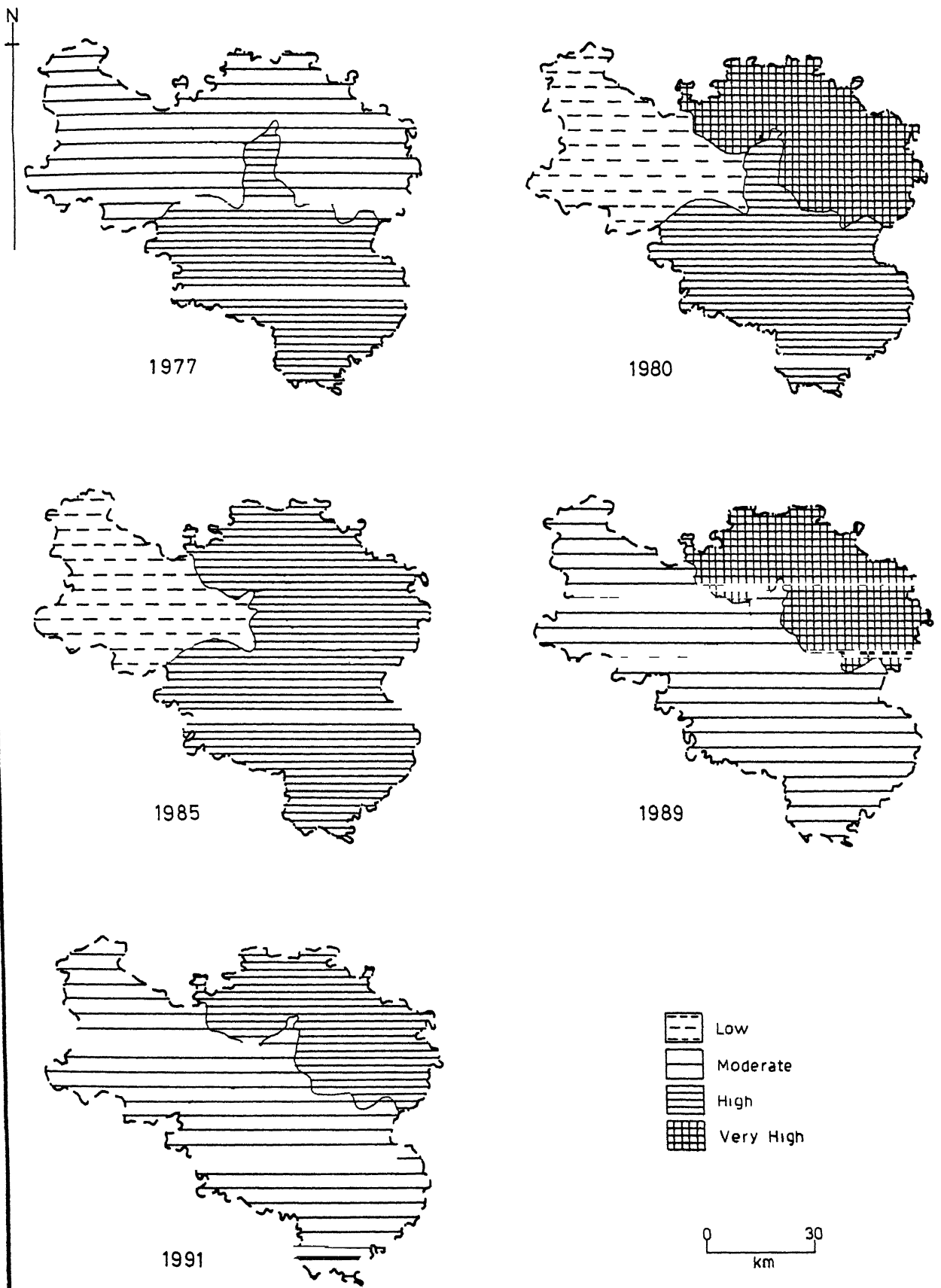
Fig 5 5 2 Spatial Concentration of Turnout 1977 to 1991 (Per cent) Loke Sabh

मे प्रदर्शित किया गया है। गणनानुसार लोकसभा मतदान के सकेन्द्रण का निम्न प्रतिरूप परिलक्षित हुआ है।

**5 2 1 1—उच्चतम सकेन्द्रण** इसके अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1971 1980 1989 मे फूलपुर लोकसभा क्षेत्र सम्मिलित है। फूलपुर ससदीय क्षेत्र इलाहाबाद जिले का महत्वपूर्ण क्षेत्र था स्वतन्त्रता आन्दोलन से जुडे राजनीतिज्ञो के कारण यहॉ सकेन्द्रण उच्चतम रहा।

**5 2 1 2—उच्च सकेन्द्रण** उच्च मतदान के सकेन्द्रण वाले क्षेत्र के अन्तर्गत इलाहाबाद जिले के निम्न ससदीय क्षेत्र सम्मिलित है। 1952 के निर्वाचन मे इलाहावाद (पूरव) 1957 म इलाहावाद 1962 67 के निर्वाचन मे इलाहावाद फूलपुर 1977 मे इलाहाबाद फूलपुर 1980 मे इलाहाबाद 1985 मे इलाहाबाद फूलपुर 1991 मे फूलपुर। मानचित्रानुसार उच्च सकेन्द्रण जिले के मध्य भाग मे विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे विस्तारित था। दूसरा महत्वपूर्ण तथ्य यह था कि इलाहाबाद मे उच्च सकेन्द्रण लगभग इलाहाबाद ससदीय क्षेत्र मे ही रहा।

**5 2 1 3—मध्यम सकेन्द्रण** मध्यम मतदान सकेन्द्रण के अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1952 89 91 मे इलाहाबाद लोकसभा 1957 मे फूलपुर लोकसभा 1977 67 89 91 मे चायल लोकसभा क्षेत्र सम्मिलित है। मध्यम सकेन्द्रण के अन्तर्गत चायल लोकसभा सभा क्षेत्र सर्वाधिक बार सम्मिलित हुआ है।

**5 2 1 4—निम्न सकेन्द्रण** निम्न सकेन्द्रण के अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1962 1971 80 85 तीनो वर्षो मे चायल लोकसभा सम्मिलित है।

**5 2 1 5—निम्नत सकेन्द्रण** इलाहाबाद जिले के किसी भी ससदीय क्षेत्र मे निम्नतम सकेन्द्रण नही था। यहॉ की जनता दूसरे शब्दो मे जनमत लोकसभा चुनावो के लिए पूर्णत जागरूक था।
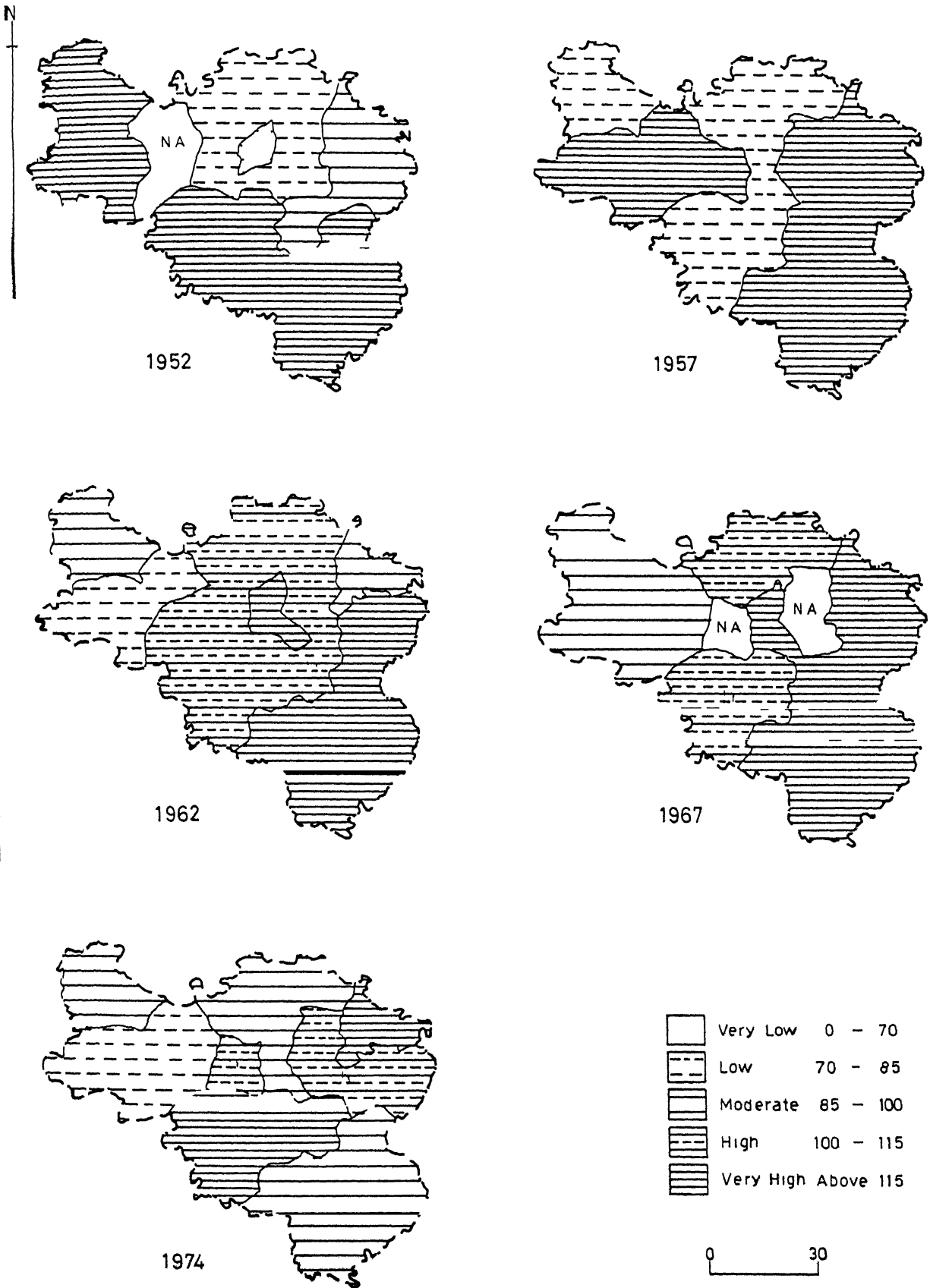
Fig 5 6.1 Spatial Concentration of Turnout 1952 to 1974 (Per cent) Vidhan Sabha
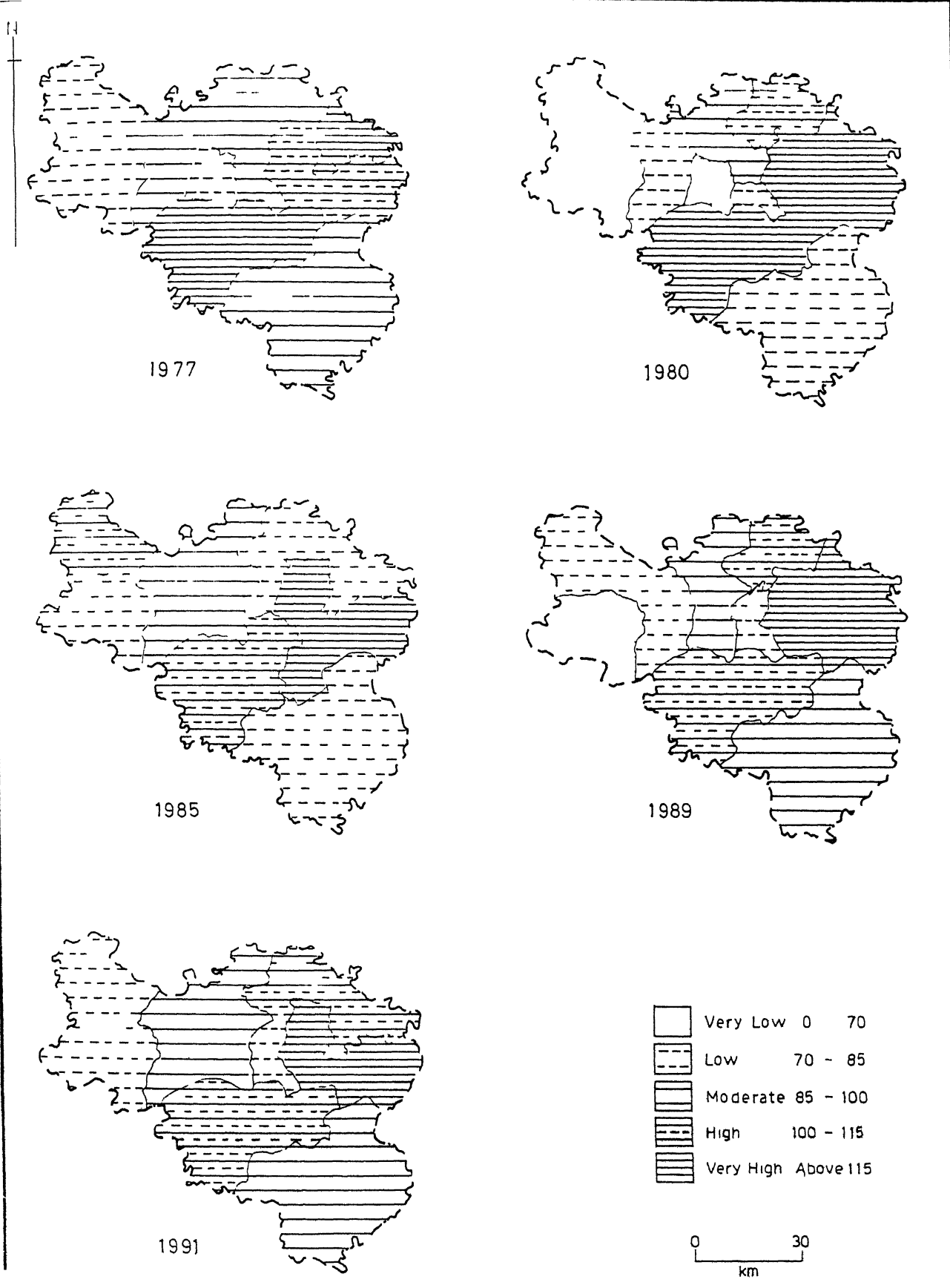
Fig 5 6 2 Spatial Concentration of Tournout 1977 to 1991 (Percent) Vidhan Sa

## 5 2 2–विधान सभा मतदान का क्षेत्रीय सकेन्द्रण (1952–1991)

प्रस्तुत अनुभाग मे इलाहाबाद जनपद के विधानसभाओ का क्षेत्रीय सकेन्द्रण 1952–91 तक प्रस्तुत किया गया है। विधान सभा निर्वाचन मे प्राप्त मतो की सापेक्ष स्थिति का निरूपण मानचित्र 5 6 1 एव 5 6 2 मे प्रदर्शित किया गया है। क्षेत्रीय सकेन्द्रण गणना के उपरान्त निम्न रूपो मे उभरा है। सर्वाधिक विधान सभाओ मे उच्चतम सकेन्द्रण था जबकि निम्नतम सकेन्द्रण सीमित मात्र विधानसभा क्षेत्रो मे स्थापित है। सम्पूर्ण सकेन्द्रण का प्रतिरूप निम्नानुसार है।

**5 2 2 1–उच्चतम सकेन्द्रण** इलाहाबाद जिले के निम्न विधान सभा क्षेत्रो मे उच्चतम सकेन्द्रण विद्यमान था। वर्ष 1952 मे मेजा और करछना दक्षिणी करछना उत्तरी और चायल दक्षिणी मझनपुर और सिराथू वर्ष 1957 मे मेजा फूलपुर चायल मझनपुर केवाई वर्ष 1962 मे मेजा केवाई इलाहाबाद (उ0) इलाहाबाद (द0) वर्ष 1967 मे मेजा करछना हडिया प्रतापपुर इलाहाबाद (दक्षिणी) इलाहाबाद (उत्तरी) वर्ष 1974 मे करछना बारा प्रतापपुर वर्ष 1977 मे बारा करछना प्रतापपुर वर्ष 1980 के निर्वाचन मे करछना बारा झूसी हडिया प्रतापपुर। वर्ष 1985 मे करछना झूसी हडिया वर्ष 1989 मे झूसी हडिया प्रतापपुर वर्ष 1991 के निर्वाचन मे झूसी हडिया।

उच्चतम सकेन्द्रण मेजा विधानसभा क्षेत्र मे निर्वाचन वर्ष 1952 से 1967 के निर्वाचन तक सतत विद्यमान था जबकि 1980 के निर्वाचन से 1991 तक के निर्वाचन मे सतत झूसी एव हडिया विधान सभा मे उच्चतम सकेन्द्रण था।

**5 2 2 2–उच्च सकेन्द्रण** निर्वाचन वर्ष 1952 1957 मे इलाहाबाद जिले के किसी भी विधान सभा मे उच्च सकेन्द्रण नही था। उच्च सकेन्द्रण प्रथमत 1962 से प्रारम्भ हुआ। 1962 के निर्वाचन मे करछना बारा झूसी सोराव सोराव

(पश्चिमी) चायल विधान सभा क्षत्र मे सकेन्द्रण उच्च था जबकि निर्वाचन वर्ष 67 मे बारा सोराव नवाबगज 1974 मे झूसी हडिया इलाहाबाद पश्चिमी 1977 मे झूसी हडिया 1980 मे सोराव 1985 मे बारा इलाहाबाद (दक्षिणी) सिराथू 1989 मे करछना, बारा सोराव 1991 के निर्वाचन मे करछना प्रतापपुर सोराव बारा मे उच्च सकेन्द्रण था।

**5 2 2 3—मध्यम सकेन्द्रण** मध्यम सक्रेन्द्रण इलाहाबाद जिले के उत्तर पश्चिम मे सर्वाधिक वर्षो मे रहा। इसके अन्तर्गत वर्ष 1952 मे फूलपुर पूर्व एव हडिया (उत्तर पश्चिम) हडिया (दक्षिण) वर्ष 1962 मे फूलपुर सिराथू 1967 मे चायल मझनपुर सिराथू 1974 मे मेजा सोराव नवाबगज इलाहाबाद (उत्तरी) इलाहाबाद (दक्षिणी) सिराथू 1977 मे मेजा सोराव नवाबगज इलाहाबाद (उत्तरी) इलाहाबाद दक्षिणी चायल 1980 मे नवाबगज इलाहाबाद (उत्तरी) 1985 मे नवाबगज इलाहाबाद (पश्चिमी) चायल 1989 मे इलाहाबाद पश्चिमी नवाबगज मेजा 1991 मे मेजा नवाबगज इलाहाबाद पश्चिमी चायल सम्मिलित है। मानचित्र से स्पष्ट है कि नवाबगज एव इलाहाबाद मे प्राय मध्यम सकेन्द्रण था।

**5 2 2 4—निम्न सकेन्द्रण** इस वर्ग के अन्तर्गत निम्न विधान क्षेत्र विभिन्न वर्षो मे सम्मिलित है। वर्ष 1952 के निर्वाचन मे फूलपुर दक्षिणी फूलपुर सोराव सोराव दक्षिणी इलाहाबाद पूर्व एव चायल विधानसभा निम्न सकेन्द्रण के अन्तर्गत सम्मिलित थे। इसी प्रकार वर्ष 1957 मे इलाहाबाद (उत्तरी) इलाहाबाद दक्षिणी सोराव (पूर्व) सोराव पश्चिम करछना केवाई 1962 मे भरवारी करारी 1974 मे चायल मझनपुर वर्ष 1977 मे इलाहाबाद पश्चिम मझनपुर सिराथू 1980 मे इलाहाबाद (दक्षिणी) चायल मेजा 1985 मे मेजा प्रतापपुर सोराव इलाहाबाद (उत्तरी) मझनपुर 1989 मे सिराथू चायल इलाहाबाद (उ0) इलाहाबाद (दक्षिणी)

1991 मे सिराथू, मझनपुर इलाहाबाद (उत्तरी) इलाहाबाद (दक्षिणी) विधानसभा निम्न सकेन्द्रण के अन्तर्गत सम्मिलित है।

**5225–निम्नतम सकेन्द्रण** निम्नतम सकेन्द्रण इलाहाबाद जिले मे विभिन्न वर्षो मे विभिन्न भागो मे व्याप्त था। इस वर्ग के अन्तर्गत निम्न सकेन्द्रण 10 निर्वाचनो मे मात्र 5 विधानसभाओ मे रहा। वर्ष 1952 मे इलाहाबाद पश्चिमी मझनपुर सिराथू, 1989 मे मझनपुर भी निम्नतम सकेन्द्रण था।

षष्ठम् अध्याय

# भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई) समर्थन

# 6 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई) समर्थन

लोकतन्त्र के लिए राजनीतिक दल आवश्यक तन्त्र है क्योकि इन्ही के द्वारा जनमत की बात ऊपर तक पहुँचती है सरकार की किसी भी नीति से जन साधारण असतुष्ट है तो इन्ही के माध्यम से जनमत की अभिव्यक्ति होती हे जिससे सरकार अपने कार्यो एव दायित्वो मे बदलाव लाती है जो जनता के अनुरूप होता है।

प्रस्तुत अध्याय भारतीय कांग्रेस (आई) के विवेचन एव विश्लेषण से सम्बन्धित है विश्लेषण मे साख्यिकीय विधियो का प्रयोग किया गया है। प्रग्तुत अध्याय को छ अनुभागो मे बाटा गया है। प्रथम अनुभाग मे लोकसभा के स्थानिक वितरण एव जेडलब्धि को 1952 से 1991 तक के निर्वाचन का प्रसतुत किया गया है। द्वितीय अनुभाग मे 1952–91 तक के निर्वाचन का स्थानिक एव जेडलब्धि वितरण दर्शाया गया है। तृतीय अनुभाग मे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई) के क्षेत्रीय सकेन्द्रण को प्रस्तुत किया गया है। क्षेत्रीय सकेन्द्रण के दो भागो से विश्लेषित किया गया है प्रथम भाग मे लोकसभा निर्वाचन का सकेन्द्रण (1952–91) एव द्वितीय भाग मे विधान सभा निर्वाचन सकेन्द्रण 1952–91 प्रस्तुत किया गया है। अनुभाग चार ने विजयी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई) दल को समीक्षात्मक रूप मे दर्शाया गया है। पचम अनुभाग मे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई) की जीत के कारण को प्रदर्शित किया गया है। षष्टम अनुभाग मे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई) दल के पराजय के कारणो को निरूपित किया गया है।

**6 1 लोकसभा चुनाव मे समर्थन (1952–91)** प्रस्तुत अनुभाग मे लोकसभा चुनाव मे विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई) का
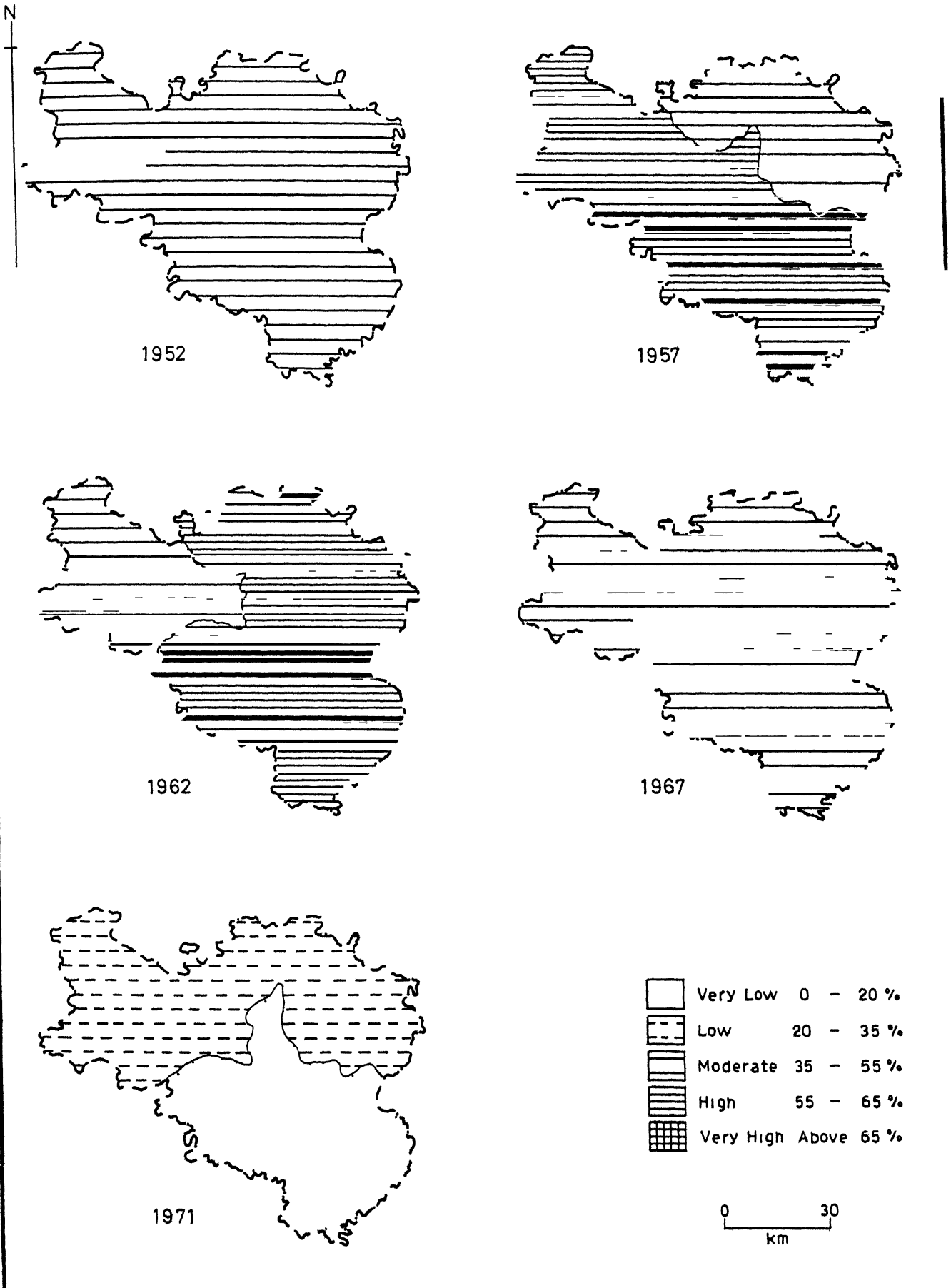
Fig 611 Absolute Distribution of Congress(I) Votes 1952 to 1971 (Per cent, Loke Sabha
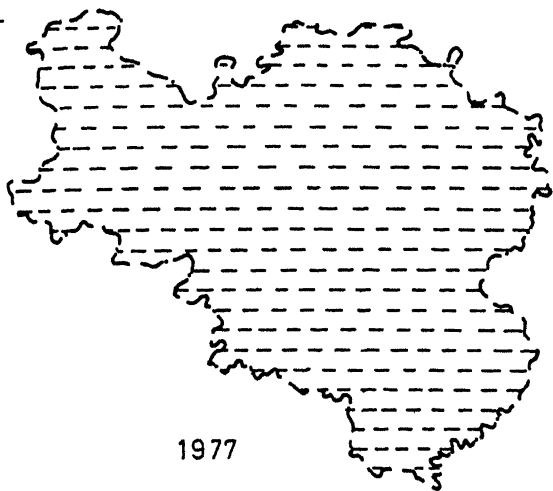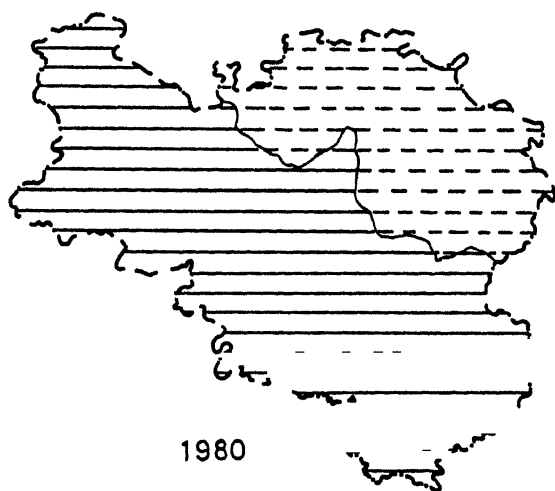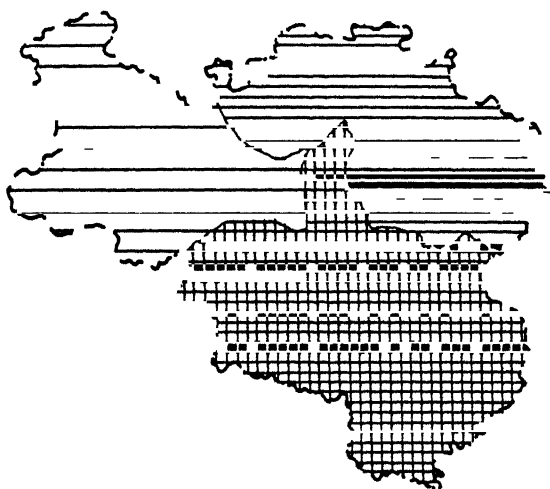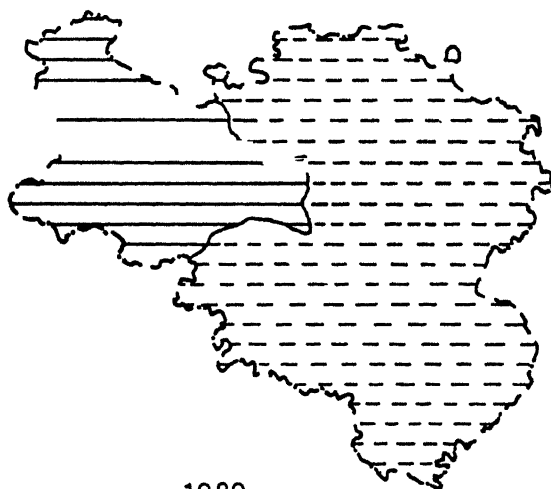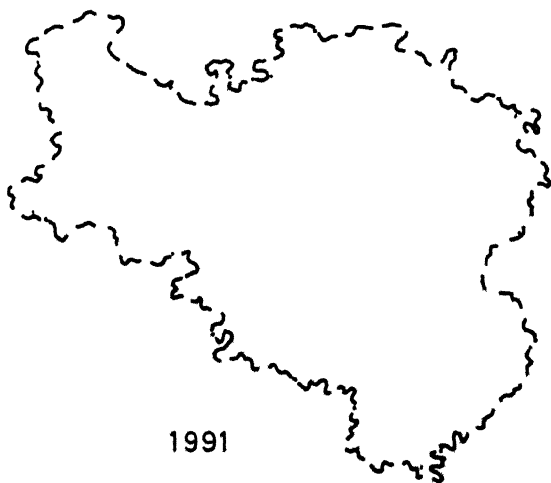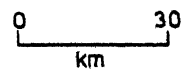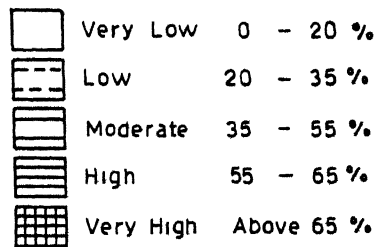
Fig 6.12 Absolute Distribution of Congress(I) Votes 1977 to 1991 (Per cent)

समर्थन मानचित्र 6 1 1 एव 6 1 2 मे निरूपित किया गया है। साख्यकीय विधि द्वारा समर्थन मे स्थानिक वितरण एव जेड लब्धि को प्रस्तुत किया गया है।

**6 1 1 स्थानिक वितरण प्रतिशत मे (1952—91)** मानचित्र 6 1 1 एव 6 1 2 के अनुसार काग्रेस (आई) के वास्तविक वितरण मे असमानता है। किसी—2 निर्वाचन क्षेत्र मे काग्रेस (आई) लगातार निर्वाचन वर्षो मे विजयी पार्टी रही है। किसी—2 क्षेत्र मे 1952—91 तक के निर्वाचन मे एक या दो बार विजय प्राप्त की है। अध्ययन की सुविधानुसार भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस (आई) के समर्थन को 5 भागो मे प्रस्तुत किया गया है।

1 उच्चतम समर्थन क्षेत्र (65 प्रतिशत से अधिक)

2 उच्च समर्थन क्षेत्र (55 से 65 प्रतिशत)

3 मध्यम समर्थन क्षेत्र (35 से 55 प्रतिशत)

4 निम्न समर्थन क्षेत्र (20 से 35 प्रतिशत)

5 निम्नतम समर्थन क्षेत्र (20 से कम)

**6 1 1 1 उच्चतम समर्थन क्षेत्र** विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस (आई) ने मात्र इलाहाबाद ससदीय निर्वाचन क्षेत्र से उच्चतम समर्थन 1985 के निर्वाचन मे प्राप्त किया। शेष निर्वाचन वर्षो मे अधिकाशत मध्यम समर्थन प्राप्त की। विभिन्न परिस्थितियो से गुजरने के उपरान्त भी काग्रेस दल का समर्थन शहरी क्षेत्र मे 1985 मे भी विद्यमान रहा अर्थात शिक्षित नगरीय मतदाता काग्रेस के प्रति आज भी आकर्षित है। इसका कारण अन्य दलो द्वारा राष्ट्रीय दल की भूमिका को निभाने मे अक्षम होना या अपने मे एकता को कायम न कर पाना।

**6 1 1 2 उच्च समर्थन क्षेत्र** उच्च समर्थन क्षेत्र के अन्तर्गत उन क्षेत्रो को सम्मिलित किया जाता है जहॉ काग्रेस (आई) ने कुल वैध मतो का 53 से 65 प्रतिशत समर्थन प्राप्त किया। इसके अन्तर्गत इलाहाबाद ससदीय क्षेत्र मे निर्वाचन वर्ष 1957 62 67 71 मे लगातार उच्च समर्थन प्राप्त किया जब कि 1962 मे फूलपुर 1971 मे चायल एव फूलपुर। वर्ष 1977 के निर्वाचन मे सम्पूर्ण इलाहाबाद जिले मे काग्रेस ने उच्च समर्थन प्राप्त किया जबकि 85 मे मात्र फूलपुर मे काग्रेस को उच्च समर्थन मिला।

विभिन्न निर्वाचन वर्षो के विश्लेषण से यह बात स्पष्ट हो चुकी है कि काग्रेस का स्थायी एव निश्चित जन समर्थन है कभी–2 वह पराजित तब हो जाती है जब सभी दल एक साथ हो जाते है।

**6 1 1 3 मध्यम समर्थन क्षेत्र** इसके अन्तर्गत 35 से 55 प्रतिशत समर्थन वाले क्षेत्र सम्मिलित है। निर्वाचन वर्ष 1952 से इलाहाबाद जिला (पश्चिम) इलाहाबाद जिला (पूर्व एव जौनपुर) सम्मिलित है फुलपुर ससदीय क्षेत्र मे निर्वाचन वर्ष 1957 85 मे मध्यम समर्थन था। 1967 मे तीनो लोकसभा क्षेत्रो मे मध्यम समर्थन था। चायल ससदीय क्षेत्र निर्वाचन वर्ष 1962 80 85 89 मे 35 से 53 प्रतिशत के मध्य मतदाताओ का समर्थन था। निर्वाचन वर्ष 80 मे इलाहाबाद ससदीय क्षेत्र मे मध्यम समर्थन काग्रेस को प्राप्त हुआ।

**6 1 1 4 निम्न समर्थन क्षेत्र** 20 से 35 प्रतिशत वैध मतो का समर्थन जिन क्षेत्रो मे भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस (आई) को प्राप्त हुआ वे निम्न समर्थन क्षेत्र के अन्तर्गत आते है निम्न प्रतिशत प्राप्त क्षेत्रो मे भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस (आई) पराजित हुई। इसके अन्तर्गत 67 मे फूलपुर चायल 80 मे फूलपुर 1989 मे इलाहाबाद एव फूलपुर ससदीय क्षेत्र सम्मिलित है।

**6 1 1 5 निम्नतम समर्थन क्षेत्र** 20 प्रतिशत से कम वाले क्षेत्र इसके अन्तर्गत सम्मिलित है वर्ष 1991 मे निर्वाचन मे भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस (आई) निम्न समर्थन इलाहाबाद की तीनो ससदीय क्षेत्र मे प्राप्त की है। चायल इलाहाबाद फूलपुर मे क्रमश 11 36 15 90 6 1 प्रतिशत मत प्रापत कर भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस (आई) ने निम्नतम समर्थन प्राप्त किया। निम्नतम समर्थन भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस (आई) को नवीनतम चुनावो मे प्राप्त हुआ क्योकि दल मे राजनेताओ की अपनी स्वार्थपरता के कारण विभाजन का होना जिससे दल की छवि गिर गई।

**6 1 2 जेडलब्धि** प्रस्तुत अनुभाग म लोकसभा निर्वाचन मे काग्रेस (आई) को प्राप्त कुल मत प्रतिशत को जोडलब्धि के माध्यम से प्रदर्शित कर विश्लेषित किया गया है विभिन्न वर्षो मे भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस (आई) के जेडलब्धि तल के अध्ययन से स्पष्ट होता है इसमे विभिन्न ससदीय क्षेत्र मे कोई व्यापक परिवर्तन नही हुआ है। विभिन्न वर्षो मे भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस (आई) जेडलब्धि तल मानचित्र 6 2 1 एव 6 2 2 के अनुसार निम्न रूप मे प्रकट होता है–

**6 1 2 1 उच्चतम क्षेत्र** जनपद इलाहाहाबाद के किसी भी ससदीय क्षेत्र का जेड लब्धि उच्चतम नही रहा। क्योकि भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस (आई) 1952 से 1991 तक प्राय मध्यम जनमत से पूर्ण बहुमत मे आती थी।

**6 1 2 2 उच्च** मानचित्र से स्पष्ट है कि इसके अन्तर्गत विभिगन्न वर्षो मे भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस (आई) का जेडलब्धि तल इस प्रकार है। इलाहाबाद ससदीय क्षेत्र मे 1991 1985 1989 1980 1977 1971 1967 62 मे उच्च जेड लब्धि तल रिही। अर्थात शहरी क्षेत्र का जेड लब्धितल लगभग वर्षो मे उच्च रहा। केवल 1989 मे फूलपुर ससदीय क्षेत्र मे उच्च 'Z' लब्धि रही।

**6 1 2 3 मध्यम क्षेत्र** इस वर्ग के अन्तर्गत मध्यम 'Z' लब्धितल मात्र की प्रवृत्ति इस प्रकार रही। चायल (1991) चायल (1989) तथा फूलपुर ससदीय क्षेत्र मे 1980 1985 1979 1971 1967 1962 मध्यम 'Z' लब्धि रही।

**6 1 2 4 निम्न क्षेत्र** इस वर्ग मे 'Z' लब्धितल विभिन्न वर्षो मे निम्नप्रकार थी– वर्ष–1981 मे फूलपुर मे निम्न 'Z' लब्धितल विद्यमान थी। इसके अतिरिक्त चायल ससदीय क्षेत्र मे वर्ष 1980 1985 1977 1971 1967 1962 मे निम्न 'Z' ल ब्धितल विधमान रही।

**6 1 2 5 निम्नतम** निम्नतम 'Z' लब्धि तल किसी भी ससदीय क्षेत्र मे किसी भी वर्ष मे नही रही।

इस प्रकार स्पष्ट है कि उच्च एव निम्नतम 'Z' लब्धि किसी भी क्षेत्र मे नही रही जबकि उच्च मध्यम निम्न 'Z' लब्धि विभिन्न वर्षो मे विभिन्न ससदीय क्षेत्रो मे विधमान रही।

## 6 2 विधान सभा चुनाव मे कांग्रेस (आई) समर्थन (1952–91 तक)

प्रस्तुत अनुभाग मे विधानसभा निर्वाचन मे काग्रेस (आई) के समर्थन को विभिन्न वर्षो मे (1952–91) तक प्रदर्शित किया गया है। विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे काग्रेस (आई) के स्थानिक समर्थन एव 'Z' लब्धि को दर्शित किया गया है। स्वतन्त्रता से लेकर अब तक काग्रेस (आई) के जनमत समर्थन का साख्यिकीय विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है क्योकि स्वतन्त्रता के समय मे काग्रेस (आई) भारत की एक मात्र पार्टी थी। जनमत के पास इसके अलावा कोई विशेष विकल्प नही था जो दल थे भी वे विखरे हुए थे एव जनमत मे उनका कोई महत्व नही था। विश्लेषण मे इस तथ्य पर प्रकाश डाला गया है कि धीरे–धीरे काग्रेस (आई) का वर्चस्व किस प्रकार खत्म हुआ।
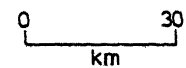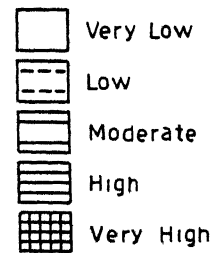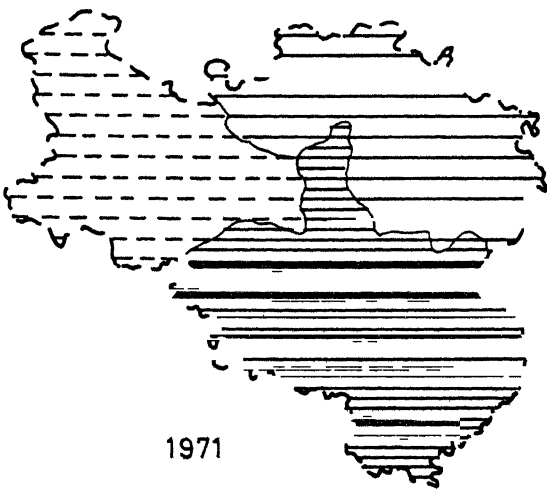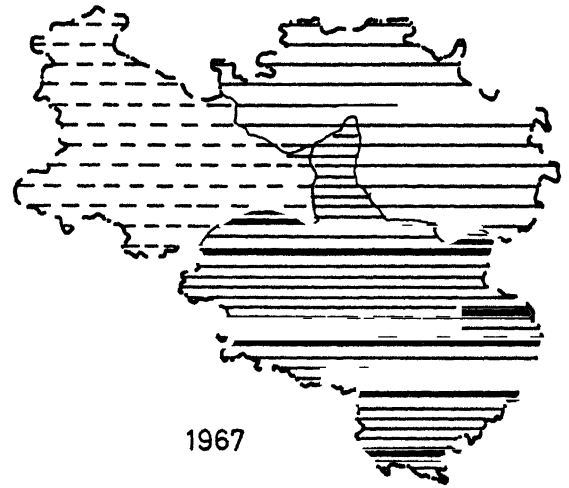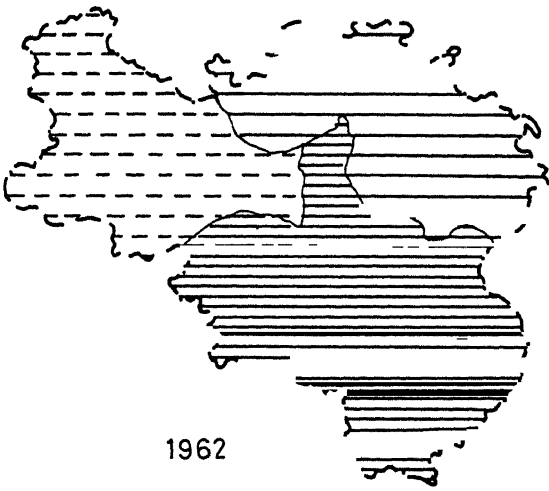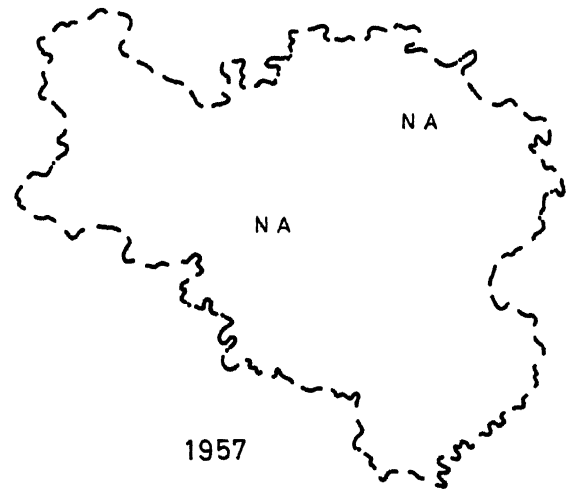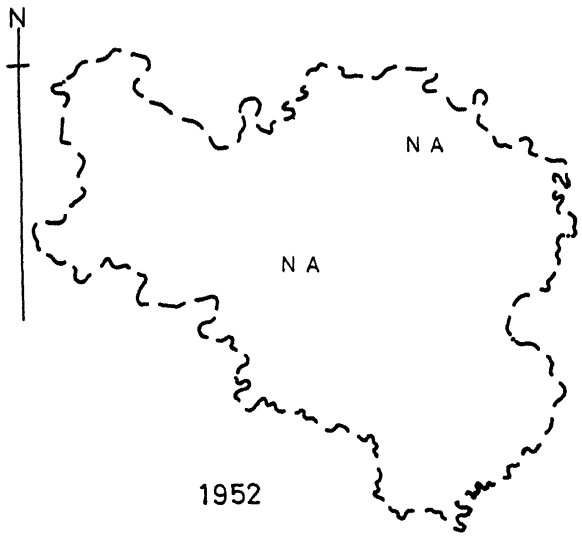
Fig 621 Distribution of Congress (I) Votes (Z Score) 1952 to 1971 Loke Sabha
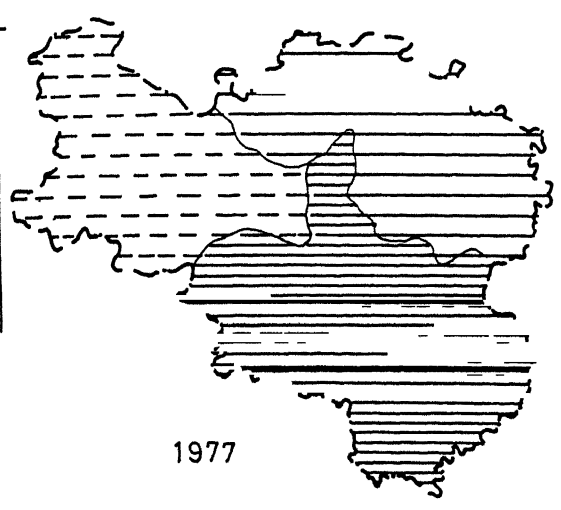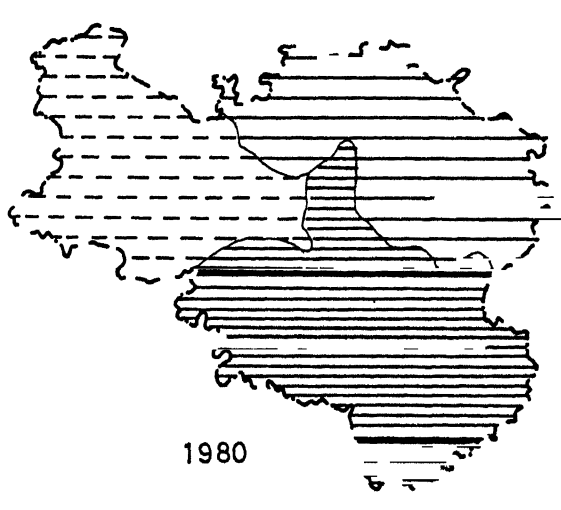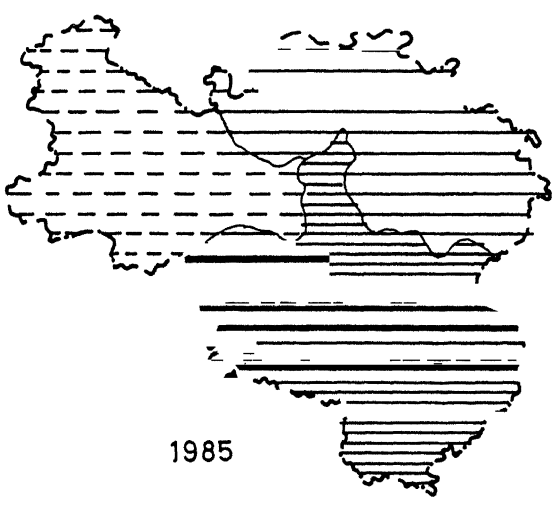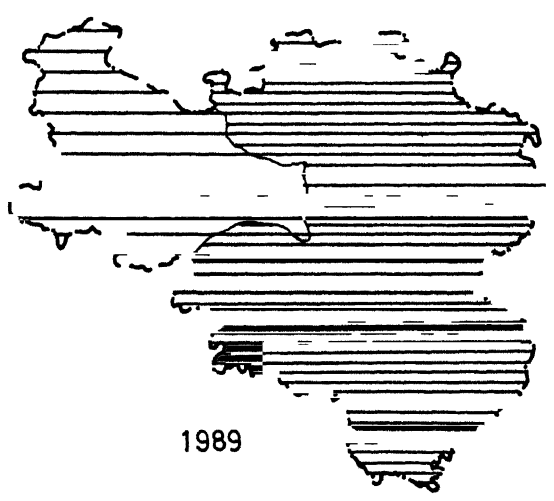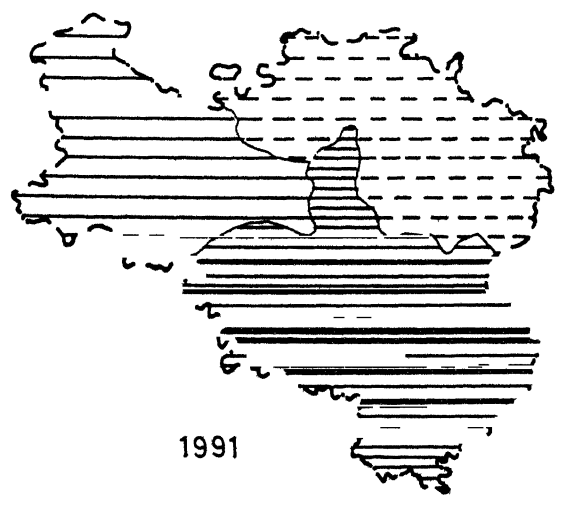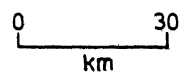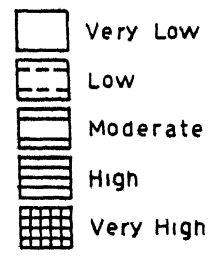
Fig 6 2 2 Distribution of Congress (I) Votes (Z Score) 1977 to 1991 Loke Sabha

**6 2 1 स्थानिक वितरण प्रतिशत मे (1952–91)** 1952 से 1991 तक के विधान सभा निर्वाचन मे प्राप्त काग्रेस (आई) के वितरणो को मानचित्र 6 3 1 एव 6 3 2 प्रस्तुत किया गया है। मानचित्रानुसार स्थानिक वितरण का प्रतिरूप निम्न रूपो मे स्पष्ट होता है। सम्पूर्ण निर्वाचन वर्षो मे काग्रेस (आई) के समर्थन के अवलोकन से स्पष्ट है कि इसका समर्थन निम्न रूपो मे है।

**6 2 1 1 उच्चतम समर्थन क्षेत्र** इसके अन्तर्गत 65 प्रतिशत से अधिक समर्थन वाले क्षेत्र सम्मिलित है। 1952 से 1991 तक के निर्वाचन मे मात्र दो क्षेत्रो से काग्रेस को उच्चतम समर्थन प्राप्त हुआ। 1952 के निर्वाचन मे सोराव उत्तर एव फूलपुर विधान क्षेत्र से काग्रेस (आई) ने कुल वैधमतो का 69 32 प्रतिशत मत प्राप्त की। इसी तरह 1962 के निर्वाचन से 69 91 प्रतिशत मत फूलपुर विधानसभा क्षेत्र से प्राप्त की थी। स्पष्ट है कि उक्त दोनो बार मूल रूप से उच्चतम समर्थन फूलपुर एव उसके आस–पास ही प्राप्त हुआ। जहॉ जनमत पर पडित नेहरू की छवि स्पष्ट रूप से प्रभावशाली थी।

**6 2 1 2 उच्च समर्थन क्षेत्र** उच्च समर्थन क्षेत्र मे उच्चतम समर्थन क्षेत्र की आस–पास की विधान सभाये सम्मिलित है। इसके अन्तर्गत 1952 मे सोराव दक्षिण चायल 1957 मे सोराव (पूर्व) के 1962 मे सोराव पूर्व 1985 मे चायल विधान सभा क्षेत्र सम्मिलित है। मानचित्र से स्पष्ट है कि चायल एव उसके आस–पास के क्षेत्र मे प्राय काग्रेस (आई) को उच्च समर्थन प्राप्त होता रहा। उच्च समर्थन के अन्तर्गत 55 से 65 प्रतिशत वोट समर्थन को सम्मिलित किया गया है।

**6 2 1 3 मध्यम समर्थन क्षेत्र** इसके अन्तर्गत उन विधान सभा को सम्मिलित किया गया है जिसमे काग्रेस (आई) को 35 से 55 प्रतिशत मत समर्थन
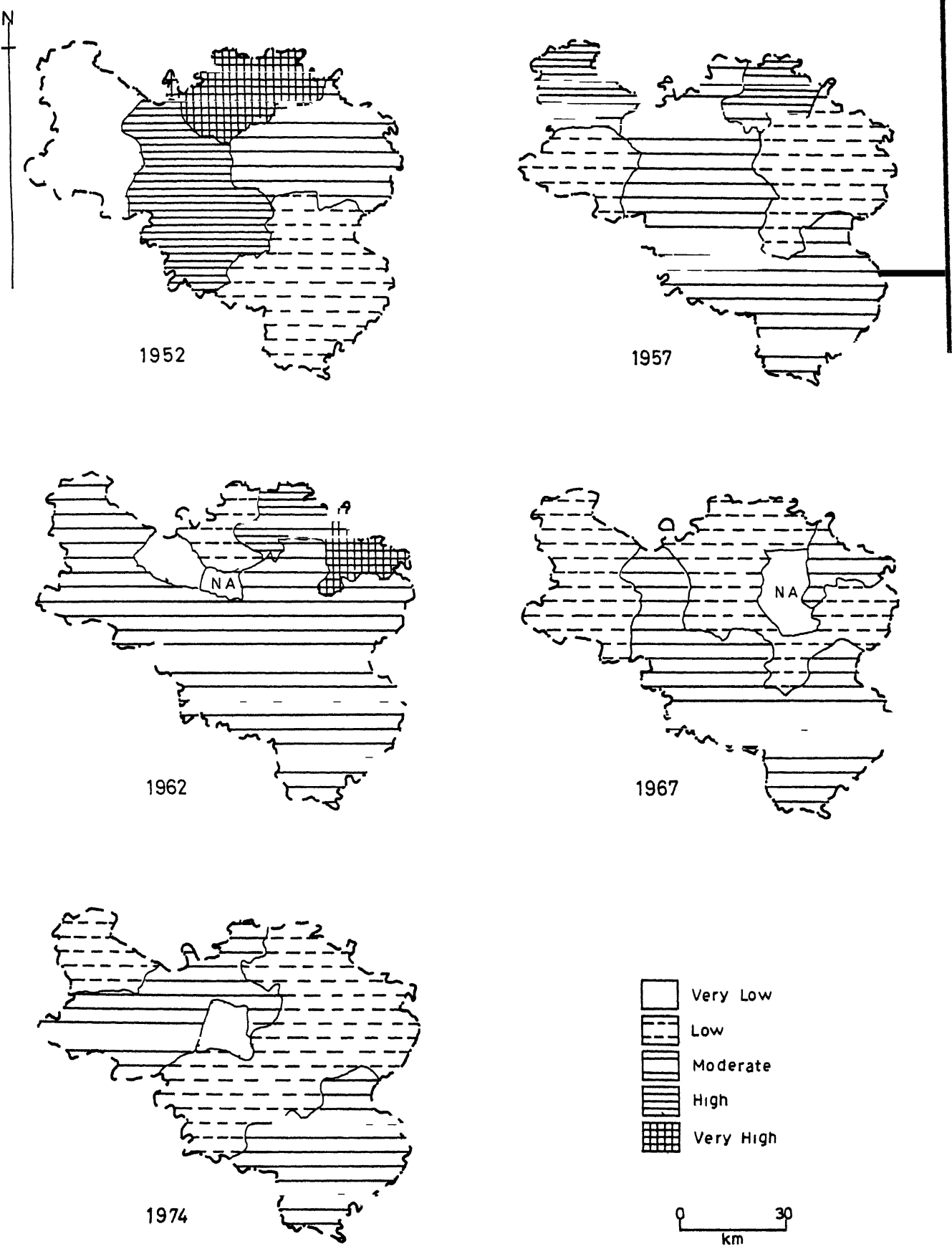
Fig 6.31 Absolute Distribution of Congress (I) Votes 1952 to 1974 (Per cent)
Vidhan Sabha
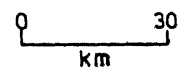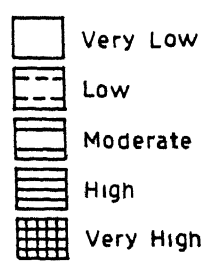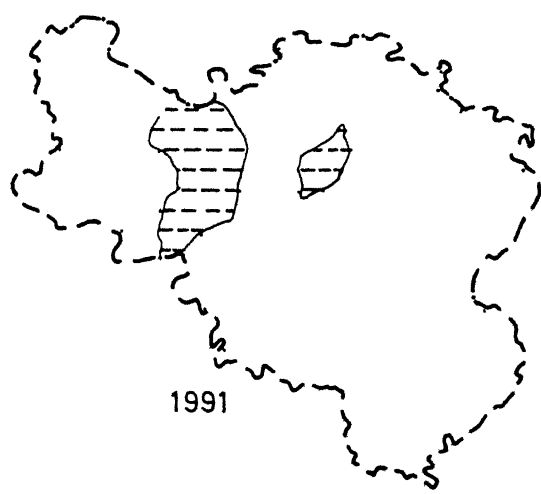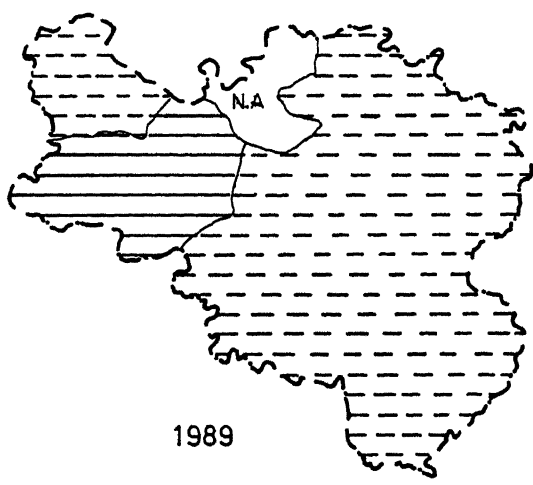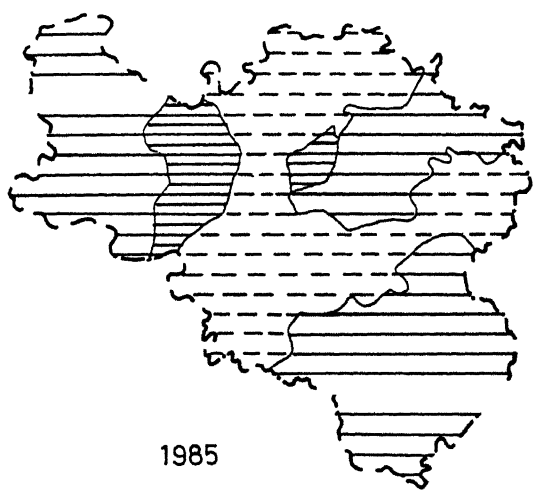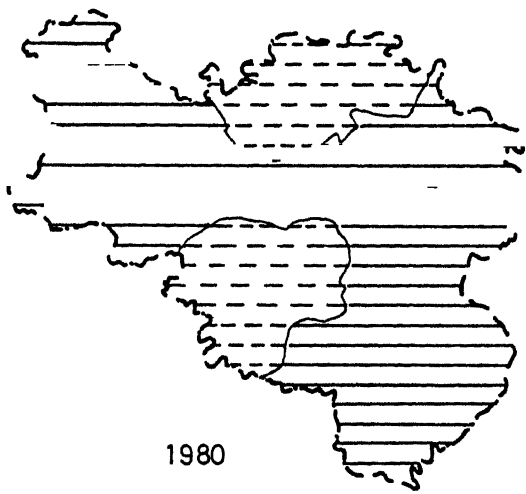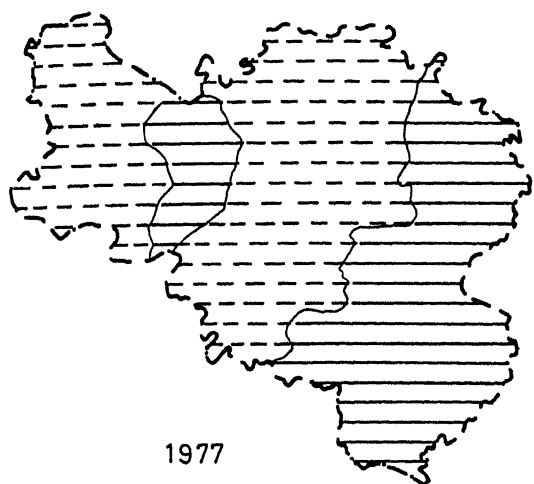
ıg 632 Absolute Distribution of Congress (I) Votes 1977 to 1991 (Per cent)
Vidhan Sabha

प्राप्त हुआ है। काग्रेस (आई) को 1952 मे फूलपुर पूर्व एव हडिया उत्तर फूलपुर दक्षिण हडिया दक्षिण इलाहाबाद शहर मध्य इलाहाबाद पूर्व मे मध्यम समर्थन प्राप्त हुआ। 1957 मे मेजा करछना सोराव पश्चिम चायल इलाहाबाद (मध्य) इलाहाबाद शहर (दक्षिण) 1962 मे मेजा करछना बारा झूसी केवाल इलाहाबाद शहर (उत्तर) इलाहाबाद दक्षिण चायल सिराथू, भरवारी मे मध्यम समर्थन प्राप्त हुआ। इसी प्रकार विभिन्न वर्षो मे मध्यम समर्थन निम्न क्षेत्रो मे रहा–

1967 – मेजा जसरा प्रतापपुर चायल भरवारी

1974 – मेजा नवाबगज इलाहाबाद (उ0) चायल मझनपुर

1977 – मेजा करछना हडिया प्रतापपुर चायल

1980 – मेजा करछना झूँसी हडिया प्रतापपुर इलाहाबाद उत्तरी इलाहाबाद दक्षिणी इलाहाबाद पश्चिमी चायल मझनपुर सिराथू।

1985 – मेजा झूसी प्रतापपुर इलाहाबाद (दक्षिणी) मझनपुर सिराथू

1989 – चायल मझनपुर।

उपरोक्त विधान सभा क्षेत्र मे काग्रेस को चूकि मध्यम समर्थन प्राप्त हुआ। इसलिए अधिकाश विधान सभाओ मे उसे पराजय का सामना करना पडा। जिसमे 1962 मे करछना इलाहाबाद शहर दक्षिणी 1977 मे मेजा करछना हडिया प्रतापपुर चायल 1980 मे झूसी प्रमुख है।

**6 2 1 4 निम्न समर्थन क्षेत्र** काग्रेस (आई) को निम्न समर्थन प्रारम्भ के चुनावो मे कम विधान सभाओ मे प्राप्त होता था अर्थात अधिकाश जनमत काग्रेस के पक्ष मे होता था किन्तु 1974 77 80, 89 मे विधान सभाओ मे इसे निम्न समर्थन मिला। 1991 मे पुन परिस्थिति बदली और इसे मात्र दो विधानसभा मे

निम्न समर्थन प्राप्त हुआ। **निम्न** समर्थन के अन्तर्गत **ऐसे** क्षेत्रो को सम्मिलित किया जाता है जहाँ पर काग्रेस (आई) को 20 से 35 प्रतिशत मत समर्थन मिला। इसके अन्तर्गत विभिन्न वर्षो मे काग्रेस (आई) की स्थिति निम्न प्रकार रही।

वर्ष 1952 के निर्वाचन मे निम्न समर्थन क्षेत्र मेजा एव करछना करछना उत्तर एव चायल दक्षिणी 1957 मे फूलपुर मझनपुर 1962 मे सोराव पश्चिमी 1967 नवाबगज सिराथू था अर्थात इन वर्षो मे 2 या 1 विधान सभा क्षेत्र मे निम्न समर्थन रहा किन्तु 1962 के बाद स्थिति मे परिवर्तन हुआ और उसे अधिकाश क्षेत्रो मे निम्न समर्थन मिला जिसका विवरण निम्ननुसार है—1967 मे 14 मे से 8 विधानसभा क्षेत्रो—करछना सोराव हडिया बहादुरपुर इलाहाबाद पश्चिमी इलाहाबाद शहर (उत्तर) इलाहाबाद दक्षिण मझनपुर निम्न समर्थन था। 1974 मे—फिर वही स्थिति रही और उसे करछना बारा झूसी हडिया प्रतापपुर सोराव इलाहाबाद दक्षिणी सिराथू मे निम्न समर्थन मिला। 1967 एव 74 की भॉति 1977 मे उसे 14 मे से 9 विधान सभाओ मे निम्न समर्थन प्राप्त हुआ जो इसे प्रकार है—बारा झूसी सोराव नवाबगज इलाहाबाद (उत्तर) इलाहाबाद (दक्षिण) इलाहाबाद (पश्चिम) मझनपुर सिराथू। 1980 मे स्थिति मे परिवर्तन हुआ और उसे मात्र तीन—बारा सोराव नवाबगज मे निम्न समर्थन मिला। अन्य वर्षो मे स्थिति निम्नानुसार रही। 1985 मे निम्न समर्थन क्षेत्र— करछना बारा हण्डिया सोराव नवाबगज इलाहाबाद पश्चिमी। 1989 मे निम्न समर्थन क्षेत्र—मेजा करछना बारा झूसी हण्डिया प्रतापपुर सोराव इलाहाबाद उत्तरी इलाहाबाद दक्षिणी इलाहाबाद पश्चिमी सिराथू रहा।

1991 मे स्थिति पूर्ण रूप से बदल गयी और इसे मात्र दो विधान सभाओ इलाहाबाद उत्तरी चायल मे निम्न समर्थन प्राप्त हुआ।

ज्ञातव्य है कि निम्न समर्थन क्षेत्रो मे काग्रेस अधिकाश विधान सभाओ मे पराजित हुई। काग्रेस (आई) को मात्र ऐसे ही निम्न समर्थन क्षेत्रो मे विजय प्राप्त हुई है जहॉ उम्मीदवारो की सख्या अधिक रही है।

**6 2 1 5 निम्नतम् समर्थन क्षेत्र** काग्रेस (आई) को उच्च उच्चतम मध्यम समर्थन विभिन्न निर्वाचन वर्षो अधिकाश विधान सभा क्षेत्रो मे प्राप्त हुआ। इसे निम्नतम समर्थन कम ही बार मिला है। 1952 मे सिराथू एव मझनपुर 1962 मे भरवारी 1974 मे इलाहाबाद पश्चिमी मझनपुर सिराथू मे इसे निम्नतम समर्थन प्राप्त हुआ। मानचित्र से स्पष्ट है कि निम्नतम समर्थन वर्ष 1991 के निर्वाचन मे अधिकाश क्षेत्रो से प्राप्त हुआ।

उपरोक्त विश्लेष्ण से स्पष्ट है कि विधान सभा चुनावो मे काग्रेस (आई) को अधिकाश वर्षो मे उच्च एव मध्यम समर्थन प्राप्त हुआ जब कि सीमित वर्षो मे निम्नतम समर्थन प्राप्त हुआ। यह स्थिति काग्रेस भी जनमत मे स्थायित्व का परिचायक है। दल के प्रति लोगो की आस्था का द्योतक है। किन्तु समयानुसार इसमे व्यापक परिवर्तन भी दृष्टिगत है जो पार्टी के जनमत वर्चस्व के धीरे–धीरे टूटने का द्योतक है फिर भी इस दल के प्रति कुछ न कुछ स्थायी वफादार जनमत मौजूद है।

**6 2 2 काग्रेस (आई) जेडलब्धि (1962–91)** 1962–91 विधान सभा निर्वाचन के लिए प्राप्त 'Z' लब्धि को मानचित्र 6 4 1 एव 6 4 2 मे प्रदर्शित किया गया है। मानचित्रानुसार काग्रेस (आई) 'Z' लब्धि को निम्न पाच भागो मे विभाजित किया गया उच्चतम क्षेत्र उच्च क्षेत्र मध्यम क्षेत्र निम्न क्षेत्र निम्नतम क्षेत्र।

**6 2 2 1 उच्चतम क्षेत्र** इसमे उन क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है जिनकी 'Z' लब्धि + 1 5 से अधिक थी। इसके अन्तर्गत जिले के विभिन्न वर्षो मे
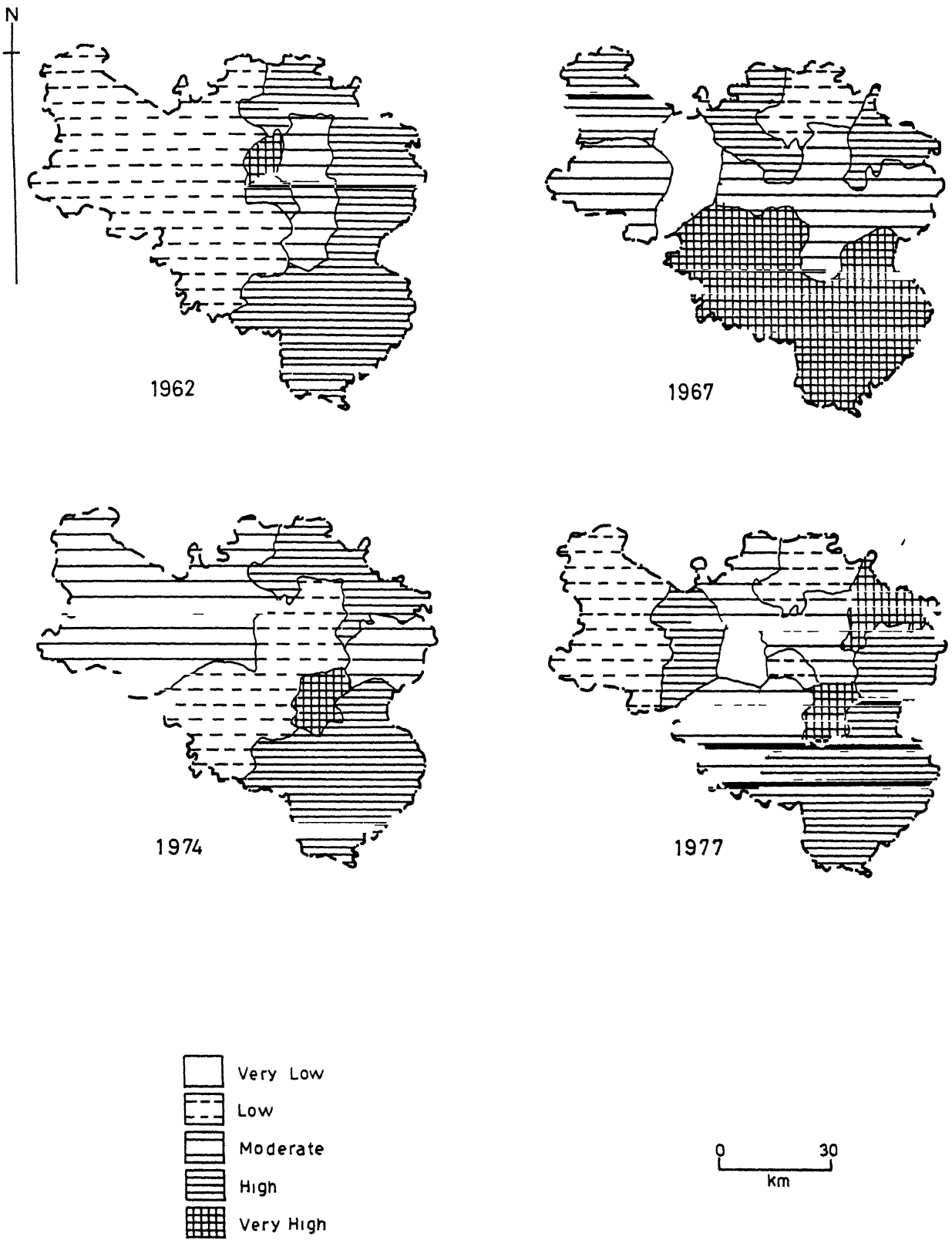
Fig 6 4 1 Distribution of Congress(I) Votes (Z-Score) 1962 to 1977 Vidhan Sabha
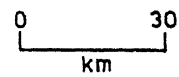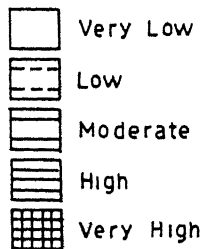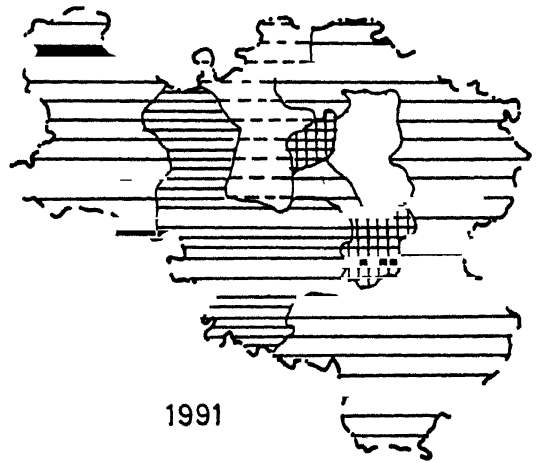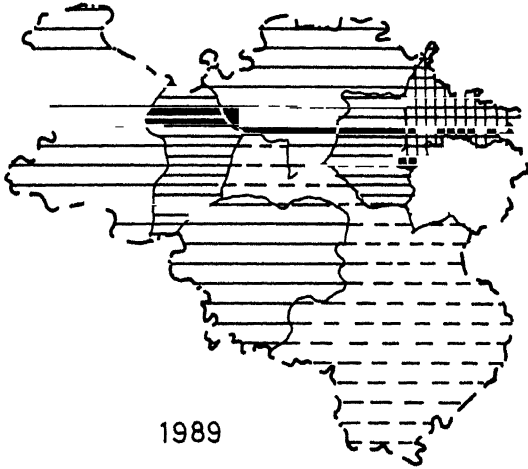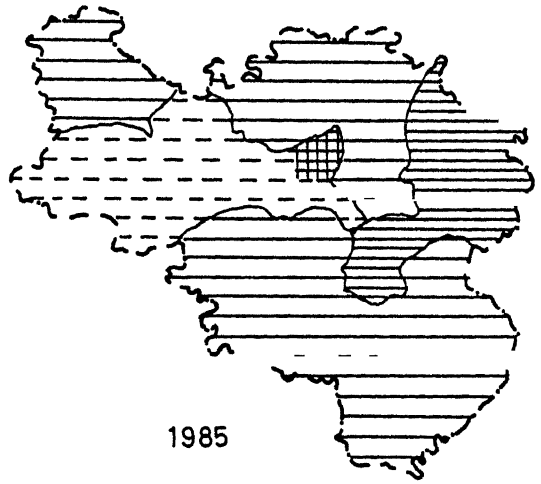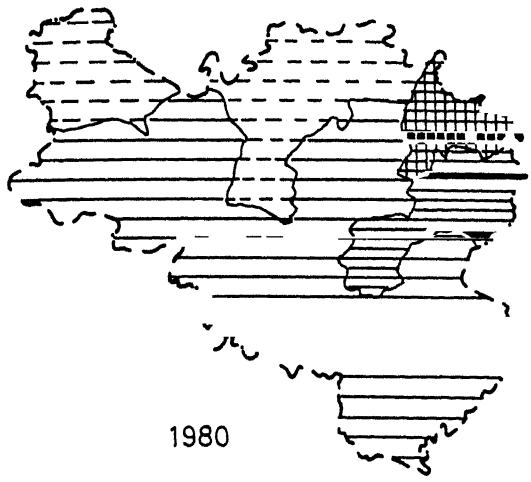
Fig 6.4.2 Distribution of Congress (I) Votes (Z-Score) 1980 to 1991 Vidhan Sabha

निम्नवत क्षेत्र सम्मिलित है वर्ष 1991 मे इलाहाबाद (उ0) करछना 1989 मे प्रतापपुर 1985 मे इलाहाबाद उत्तरी 1980 मे प्रतापपुर 1977 मे करछना प्रतापपुर 1974 मे करछना 1967 मे मेजा बारा एव 1962 मे इलाहाबाद उत्तरी।

**6 2 2 2 उच्च क्षेत्र** इसमे उन निर्वाचन क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है। जिनकी 'Z' लब्धि + 0 5 से + 1 5 के मध्य है। इसका अधिकाश विस्तार शहरी क्षेत्रो मे है। इस क्षेत्र मे वर्षवार सम्मिलित विधानसभा क्षेत्र निम्नानुसार रही–वर्ष 1991 मे चायल बारा वर्ष 1989 मे चायल झूसी 1985 मे हडिया प्रतापपुर करछना 1980 हडिया करछना 1977 मेजा हडिया चायल 1974 सोराव प्रतापपुर मेजा 1967 मे प्रतापपुर नवाबगज इलाहाबाद (उत्तरी) सिराथू 1962 मे मेजा हडिया प्रतापपुर सोराव इलाहाबाद (दक्षिणी)।

**6 2 2 3 मध्यम क्षेत्र** इसके अन्तर्गत जिले के उन विधान सभा क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है जिनकी 'Z' लब्धि +0 5 से –0 5 के बीच पायी गयी। वर्षवार अध्ययन से स्पष्ट होता है कि अधिकाश विधानसभा क्षेत्रो का विभिन्न वर्षो मे 'Z' लब्धितल मध्यम रहा। विभिन्न वर्षो मे जिले के लगभग–2 क्षेत्रो मे माध्यम 'Z' लब्धि पायी गयी। इसमे मुख्य रूप से वर्ष 1991 1980 मे जिले की 1/2 विधान सभा क्षेत्र सम्मिलित थे। मानचित्र मे वर्ष 1991 मे मेजा हडिया प्रतापुर सोराव इलाहाबाद दक्षिणी। मझनपुर सिराथू 1989 मे सिराथू मझनपुर इलाहाबाद उत्तरी नवाबगज सोराव बारा 1985 मे सिराथू नवाबगज सोराव झूसी बारा मेजा 1980 मे मझनपुर चायल इलाहाबाद दक्षिणी इलाहाबाद उत्तरी झूसी बारा मेजा 1977 मे बारा झूसी इलाहाबाद उ0 नवाबगज 1974 मे सिराथू मझनपुर चायल इलाहाबाद पश्चिमी नवाबगज हडिया, 1967 करछना झूसी हडिया इलाहाबाद दक्षिणी इलाहाबाद पश्चिमी मझनपुर 1962 मे करछना झूसी विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित है।

**6 2 2 4 निम्न क्षेत्र** इस क्षेत्र के अन्तर्गत उन निर्वाचन क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है। जिनकी 'Z' लब्धि–0 5 से –1 5 मे मध्य पायी जाती है। मानचित्रानुसार विभिन्न वर्षो जिले की निम्न विधानसभा क्षेत्रो म निम्न 'Z' लब्धि पायी गयी। वर्ष 1991 मे नवावगज इलाहाबाद पश्चिमी 1989 मे इलाहाबाद पश्चिमी इलाहाबाद दक्षिणी करछना मेजा 1985 मे मझनपुर चायल इलाहाबाद पश्चिमी इलाहाबाद दक्षिण 1980 म सिराथू, इलाहाबाद पश्चिमी नवावगज सोराव 1977 इलाहाबाद दक्षिणी मझनपुर सोराव सिराथू, 1974 इलाहाबाद दक्षिणी इलाहाबाद उत्तरी झूसी बारा 1967 मे सोराव 1962 मे बारा नवाबगज इलाहाबाद पश्चिमी चायल मझनपुर सिराथू।

**6 2 2 5 निम्नतम क्षेत्र** इसके अन्तर्गत उन क्षेत्रो की सम्मिलित किया गया है। जिनकी 'Z' लब्धि–1 5 से कम है। जिले मे अधिकाश वर्षो मे निम्नतम 'Z' लब्धि नही पायी गयी इसके अन्तर्गत 1962 से 1991 तक केवल चार वर्षो मे चार विधान सभाओ 'Z' लब्धि निम्न रही। 1991 मे झूँसी 1989 मे हडिया 1977 मे इलाहाबाद पश्चिमी 1967 मे चायल।

## 6 3 भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस (आई) का क्षेत्रीय सकेन्द्रण

इलाहाबाद जिले के विभिन्न लोकसभा एव विधानसभा क्षेत्रो मे काग्रेस (आई) के निरपेक्ष वितरण स्थानिक वितरण तथा काग्रेस (आई) 'Z' लब्धि तल के व्याख्यात्मक विवेचन के उपरान्त उसके सापेक्ष वितरण की आवश्यकता समीचीन प्रतीत होती है। क्योकि सापेक्ष वितरण के द्वारा जिले मे औसत काग्रेस मत विभिन्न क्षेत्रो मे प्राप्त काग्रेस मत की स्थिति का तुलनात्मक स्वरूप स्पष्ट विवेचित हो जाता है।
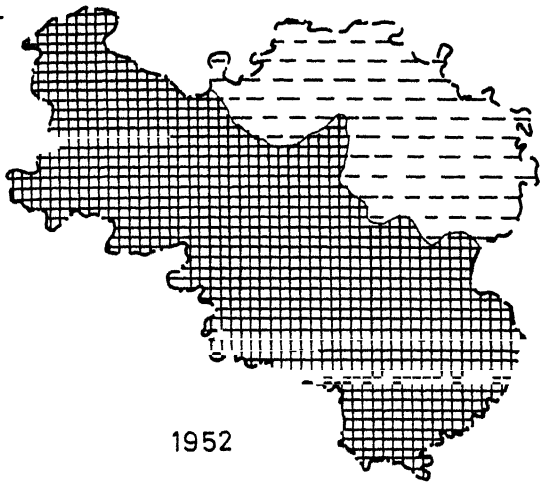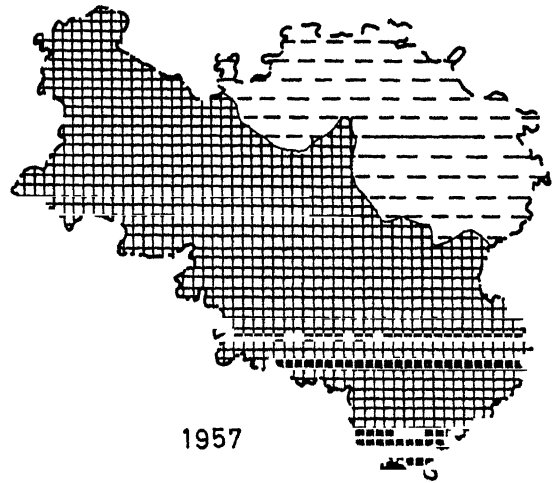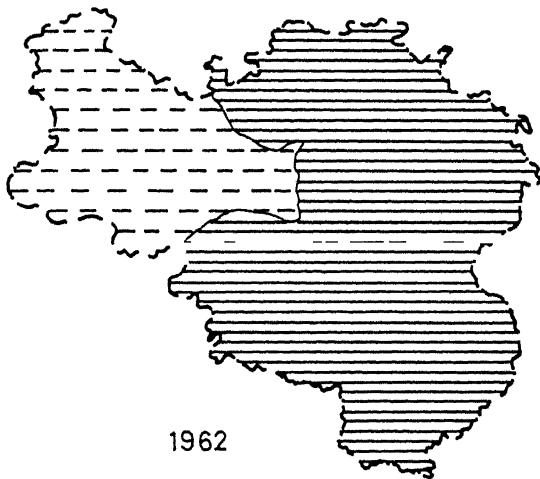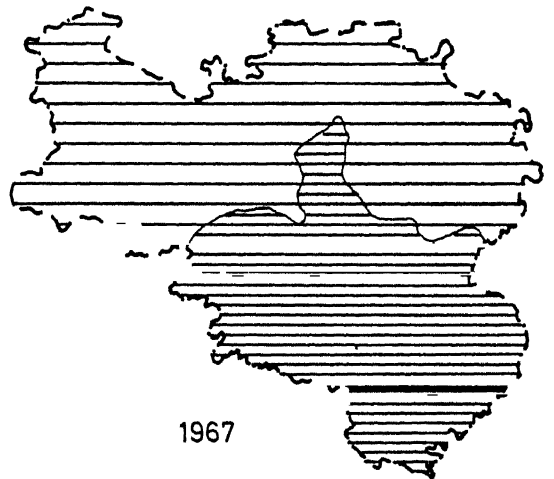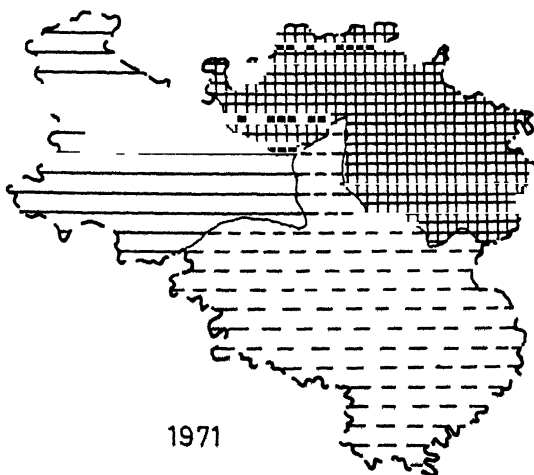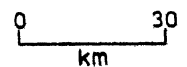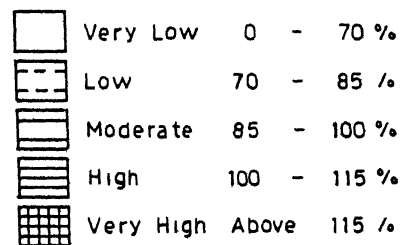
Fig 6 51 Spatial Concentration of Congress(I) Vote 1952 to 1971 (Per cent)
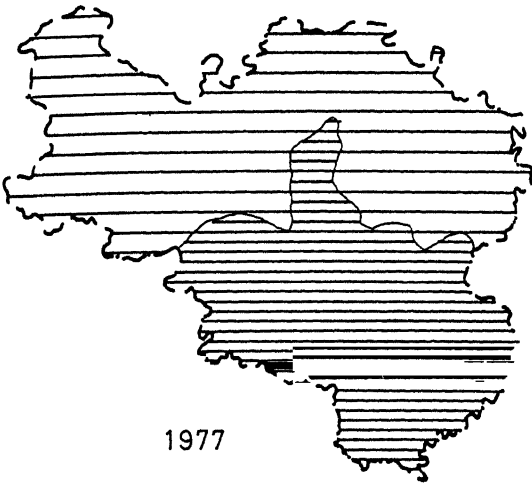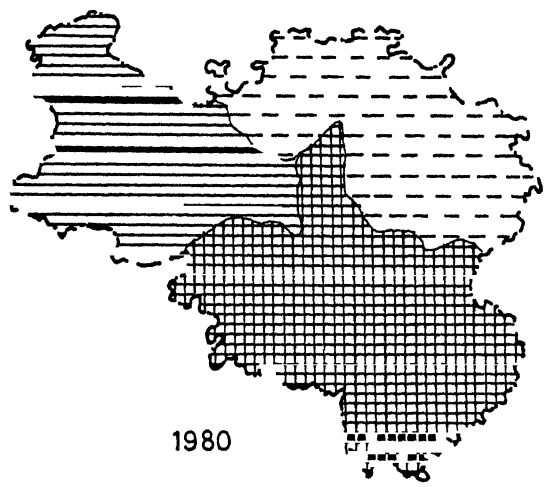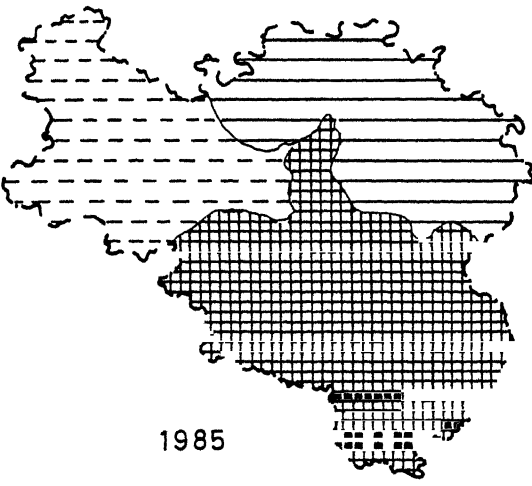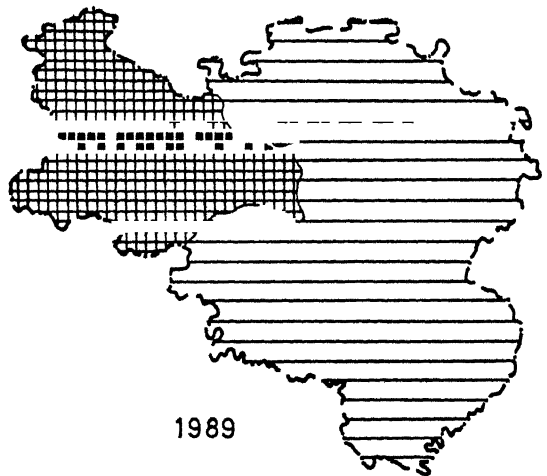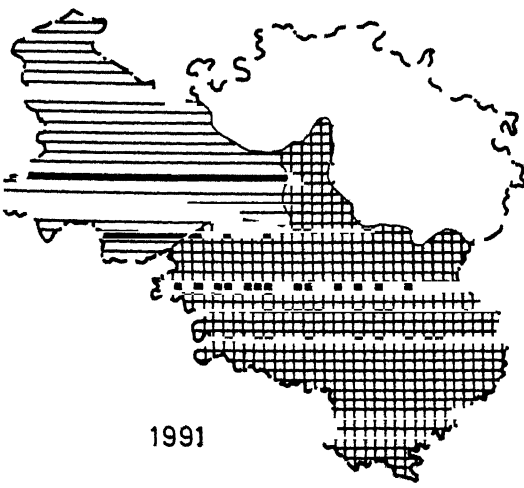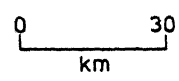
g 6 52 Spatial Concentration of Congress (I) Vote (1977 to 1991) Per cent
Loke Sabha

लोकसभा एव विधानसभा क्षेत्रो मे सकेन्द्रण को स्पष्ट प्रकट करने के लिए निम्न 5 श्रेणियो मे विभक्त किया गया–

1) **उच्चतम सकेन्द्रण क्षेत्र**–जिसके अन्तर्गत 115 प्रतिशत से अधिक [illegible]।

2) **उच्च सकेन्द्रण क्षेत्र**–जिसके अन्तर्गत 100 से 105 प्रतिशत के मध्य आने वाले क्षेत्र सम्मिलित किये गये है।

3) **मध्यम सकेन्द्रण**–इस वर्ग के अन्तर्गत 85 से 100 प्रतिशत के मध्य सकेन्द्रण पाये जाने वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है।

4) **निम्न सकेन्द्रण क्षेत्र**–इसके अन्तर्गत उन लोकसभा एव विधानसभा क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है जिसका सकेन्द्रण 70 से 85 प्रतिशत के बीच मे हे।

5) **निम्नतम सकेन्द्रण वाले क्षेत्र**–इसके अन्तर्गत 70 प्रतिशत से कम सकेन्द्रण वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है।

**6 3 1 लोकसभा निर्वाचन सकेन्द्रण (1952–1991)** लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रो मे काग्रेस (आई) के मतो का प्रतिशत सकेन्द्रण मानचित्र 6 5 1 एव 6 5 2 मे निरूपित किया गया है। जिसके द्वारा काग्रेस (आई) की सापेक्ष स्थिति लोकसभा मे स्पष्ट रूप से विश्लेषित होती है। तदानुसार लोकसभा क्षेत्रो के सकेन्द्रण का विवरण निम्नानुसार है–

**6 3 1 1 उच्चतम सकेन्द्रण क्षेत्र** वर्ष 1952 से वर्ष 1991 तक विभिन्न वर्षो मे उच्चतम सकेन्द्रण निम्न लोकसभा क्षेत्रो मे पायी गयी। वर्ष 1991 मे इलाहाबाद 1989 मे चायल 1985 1980 1957 1952 मे इलाहाबाद 1977 मे

फूलपुर। इस तरह स्पष्ट है कि 1952 से 1991 तक 5 वर्षो के ससदीय चुनाव मे उच्चतम सकेन्द्रण इलाहाबाद ससदीय क्षेत्र मे विद्मान रही।

**6 3 1 2 उच्च सकेन्द्रण क्षेत्र** जिले की तीन लोकसभा क्षेत्रो मे एव दस ससदीय चुनाव के इतिहास मे उच्च सकेन्द्रण 6 बार काग्रेस (आई) को प्रदान हुआ। जिसका विवरण निम्नानुसार है–वर्ष 1991 1980 मे चायल 1977 67 62 मे इलाहाबाद एव 1962 मे फूलपुर मे उच्च सकेन्द्रण प्राप्त हुआ।

**6 3 1 3 मध्यम सकेन्द्रण क्षेत्र** काग्रेस (आई) को अधिकाश ससदीय निर्वाचन वर्षो मे मध्यम सकेन्द्रण प्राप्त हुआ। इसमे मुख्य रूप से वर्ष 1989 मे इलाहाबाद ससदीय क्षेत्र एव वर्ष 1989 85 77 67 मे फूलपुर ससदीय क्षेत्र मे मध्यम सकेन्द्रण पाया गया। इसके अतिरिक्त 1977 71 67 मे चायल ससदीय क्षेत्र मे काग्रेस (आई) को मध्यम सकेन्द्रण प्राप्त हुआ। अत स्पष्ट है कि दस वर्ष ससदीय चुनाव मे काग्रेस (आई) को फूलपुर चायल ससदीय क्षेत्रो से ही मध्यम सकेन्द्रण प्राप्त हुआ है।

**6 3 1 4 निम्न सकेन्द्रण क्षेत्र** इसके अन्तर्गत जिले के निम्न ससदीय क्षेत्र सम्मिलित है। वर्ष 1985 मे चायल 1980 मे फूलपुर 1971 मे इलाहाबाद 1962 मे चायल 1957 मे फूलपुर 1952 मे इलाहाबाद (पूर्वी जौनपुर)।

**6 3 2 विधानसभा निर्वाचन सकेन्द्रण (1952–91)** विधानसभा निर्वाचन मे काग्रेस (आई) की सापेक्ष स्थिति को प्रदर्शित करने के लिए सकेन्द्रण को मानचित्र 6 6 1 एव 6 6 2 म निरूपित किया गया। मानचित्रानुसार विधानसभा मे काग्रेस (आई) सकेन्द्रण निम्नानुसार है–

**6 3 2 1 उच्चतम सकेन्द्रण क्षेत्र** काग्रेस (आई) की सापेक्ष स्थिति अन्य दलो की अपेक्षा विधान सभाओ मे बेहतर रही। उसके अन्तर्गत वर्ष 1991 मे

करछना बारा इलाहाबाद उत्तरी चायल वर्ष 1989 मे प्रतापपुर इलाहाबाद उत्तर चायल मझनपुर सिराथू, वर्ष 1985 मे मेजा इलाहाबाद दक्षिण मझनपुर सिराथू, वर्ष 1980 मे मेजा चायल मझनपुर वर्ष 1977 मे मेजा प्रतापपुर चायल वर्ष 1974 मे मेजा नवाबगज इलाहाबाद उत्तरी चायल मझनपुर वर्ष 1967 मे मेजा सोराव पश्चिमी इलाहाबाद शहर दक्षिणी चायल वर्ष 1962 मे सोरावपूर्व फूलपुर केवाल वर्ष 1957 मे करछना सोराव पश्चिमी सोराव पूर्वी केवाल इलाहाबाद शहर दक्षिणी इलाहाबाद शहर मध्य वर्ष 1952 मे सोराव उत्तर एव फूलपुर सोराव दक्षिण फूलपुर पूर्व एव हडिया (उ0) फूलपुर दक्षिण हडिया दक्षिण इलाहाबाद शहर पूर्व इलाहाबाद शहर मध्य चायल विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित है।

**6 3 2 2 उच्च सकेन्द्रण क्षेत्र** जिले से सीमित विधानसभा क्षेत्रो म उच्च सकेन्द्रण पाया गया। इसके अन्तर्गत वर्ष–1991 मे इलाहाबाद दक्षिण एव सिराथू, 1989 झूसी करछना 1985 मे झूसी प्रतापपुर 1980 मे प्रतापपुर इलाहाबाद उत्तरी इलाहाबाद दक्षिणी एव सिराथू, 1977 मे करछना हडिया नवाबगज 1974 मे झूसी 1967 मे बारा 1962 मे इलाहाबाद शहर उत्तरी मे 1957 मे चायल मेजा विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित है।

**6 3 2 3 मध्यम सकेन्द्रण क्षेत्र** इसके अन्तर्गत 42 से अधिक विधान सभा क्षेत्र विभिन्न वर्षो के चुनाव मे सम्मिलित थे अर्थात काग्रेस (आई) का सकेन्द्रण अधिकाश वर्षो मे मध्यम रहा। मानचित्रानुसार विभिन्न वर्षो मे निम्न विधानसभाऐ इसके अन्तर्गत सम्मिलित है। वर्ष 1991 मे मझनपुर सोराव मेजा वर्ष 1989 मे सोराव इलाहाबाद दक्षिण इलाहाबाद पश्चिमी बारा मेजा वर्ष 1985 मे करछना बारा हडिया वर्ष 1980 मे करछना झूसी हडिया इलाहाबाद पश्चिमी वर्ष 1977 मे बारा झूसी सोराव इलाहाबाद उत्तरी मझनपुर सिराथू वर्ष 1974 मे करछना बारा प्रतापपुर वर्ष 1967 मे सोराव पूर्व प्रतापपुर बहादुरपुर

इलाहाबाद पश्चिमी इलाहाबाद उत्तरी वर्ष 1962 मे मेजा करछना सोराव पश्चिमी बारा झूसी इलाहाबाद शहर दक्षिण चायल भरवारी वर्ष 1957 मे फूलपुर मझनपुर वर्ष 1952 मे मेजा और करछना।

**6 3 2 4 निम्न सकेन्द्रण क्षेत्र** निम्न सकेन्द्रण के अन्तर्गत इलाहाबाद जिले के बहुत कम क्षेत्र सम्मिलित है इसमे मुख्यत वर्ष 1991 मे प्रतापपुर 1985 मे सोराव इलाहाबाद पश्चिमी वर्ष 1980 मे बारा सोराव नवाबगज 1977 मे इलाहाबाद दक्षिणी 1974 मे हडिया सोराव इलाहाबाद (दक्षिणी) 1967 मे करछना हडिया भरवारी सिराथू, 1962 मे सिराथू, 1952 मे करछना उ0 एव चायल दक्षिणी क्षेत्र सम्मिलित है। वर्ष 1989 एव 1957 मे काग्रेस (आई) का किसी भी विधानसभा मे निम्नसकेन्द्रण नही रहा।

**6 3 2 5 निम्नतम सकेन्द्रण क्षेत्र** इसके अन्तर्गत वर्ष 1991 मे इलाहाबाद पश्चिमी नवाबगज हण्डिया झूसी वर्ष 1989 मे नवाबगज हडिया वर्ष 1977 मे इलाहाबाद पश्चिमी वर्ष 1974 इलाहाबाद पश्चिमी सिराथू एव मझनपुर विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित थे। वर्ष 1985 मे काग्रेस (आई) का निम्नतम सकेन्द्रण चायल एव नवाबगज विधानसभा क्षेत्र मे था।

**6 4 विजयी भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस (आई) दल** भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस (आई) प्रारभ के निर्वाचन वर्षो मे इलाहाबाद जिले के ससदीय एव विधानसभा क्षेत्रो मे अपना एकाधिकार बनाए रखी। जो कि मानचित्र क्रमाक (6 6 1 से 6 6 2 तक) से स्पष्ट है। मानचित्रानुसार निम्न स्थिति उभरकर आई है। लोकसभा चुनाव मे 1952 मे सपूर्ण ससदीय क्षेत्रो पर काग्रेस (आई) विजयी हुई। 1957 1962 1967 मे भी काग्रेस (आई) को कोई पराजित नही कर सका किन्तु 1971 के निर्वाचन वर्ष मे काग्रेस (जे) नामक पार्टी ने काग्रेस (आई) को भारी
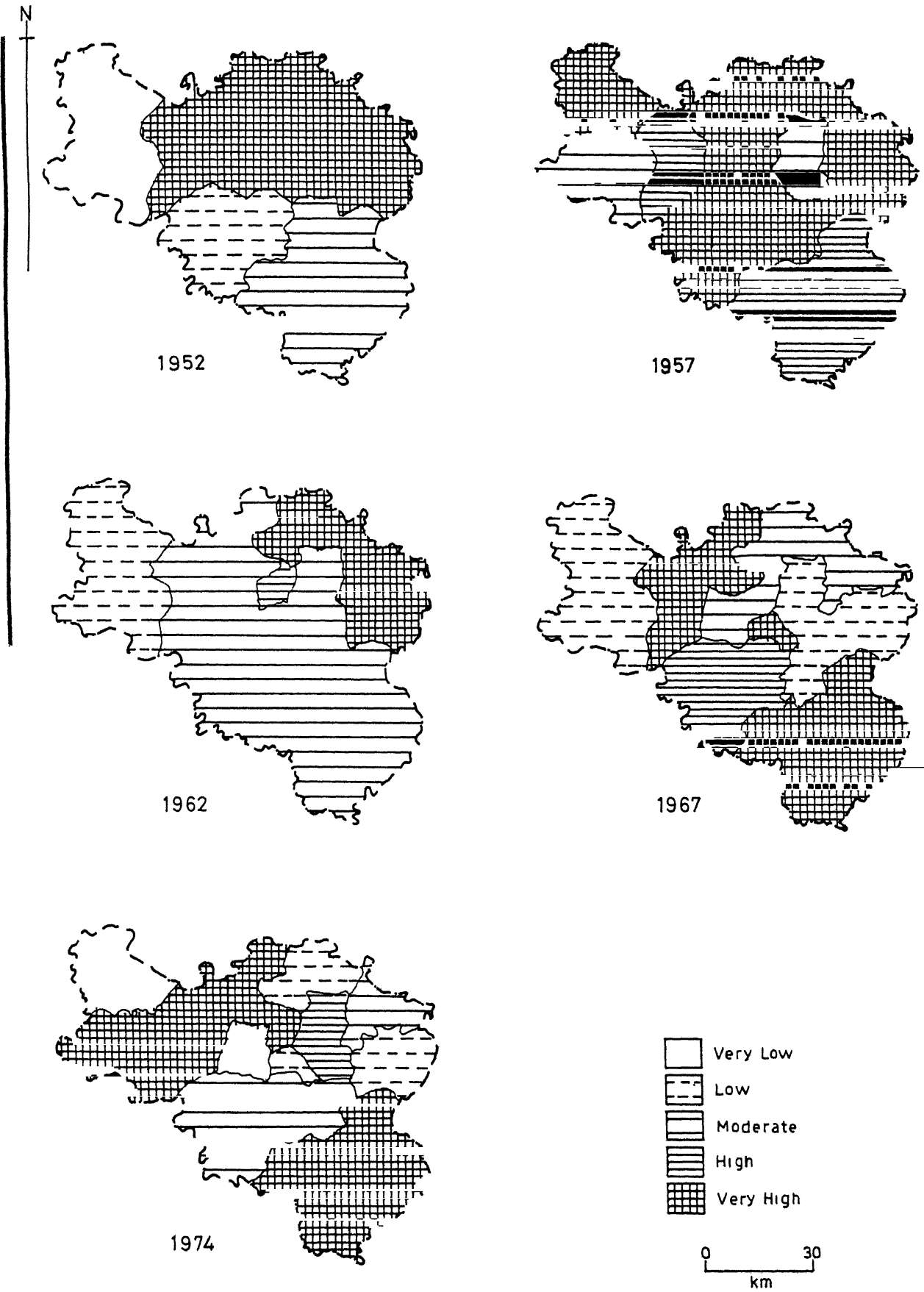
Fig 6 61 Spatial Concentration of Congress(I) Votes 1952 to 1974 (Per cent)
Vidhan Sabha
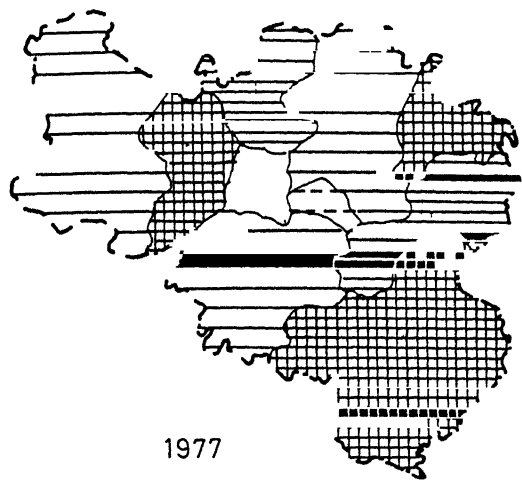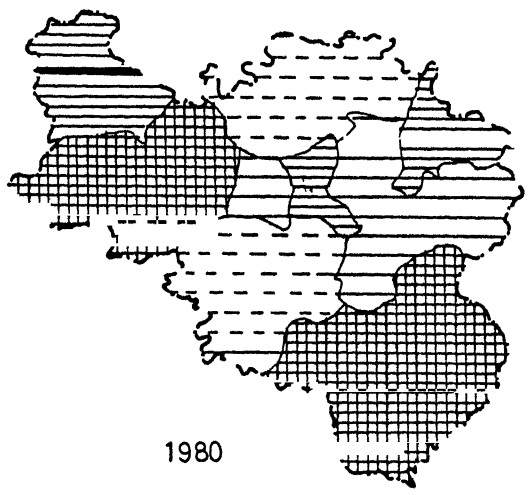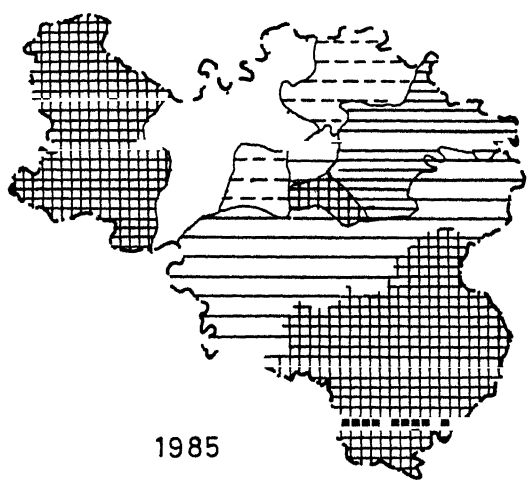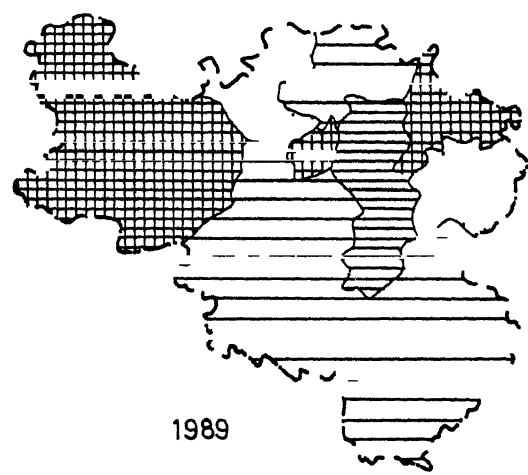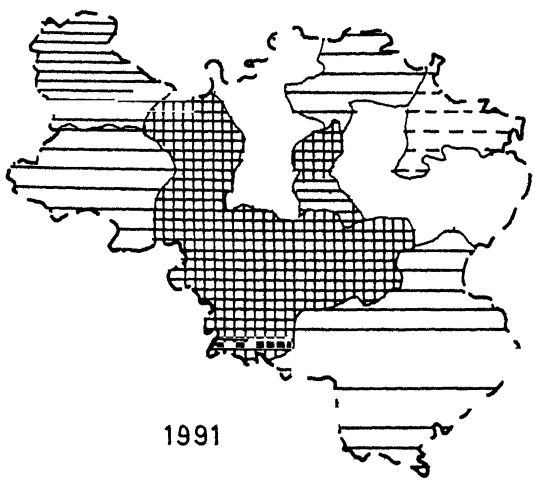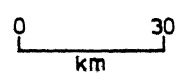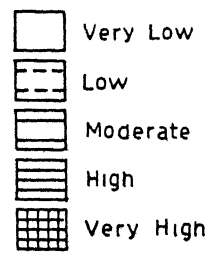
ig 6 6 2 Spatial Concentration of Congress (I) Votes 1977 to 1991 Percent
Vidhan Sabha

शिकस्त दी। निर्वाचन वर्ष 1977 मे इलाहाबाद के तीनो ससदीय क्षेत्रो मे काग्रेस (आई) को मुँह की खानी पडी जबकि 1980 मे उसे दो ससदीय क्षेत्रो मे विजय प्राप्त हुई। पुन वर्ष 1985 के निर्वाचन मे काग्रेस (आई) ने अपनी स्थिति सुदृढ कर ली और जिले के तीनो ससदीय क्षेत्रो पर विजय प्राप्त कर ली किन्तु 1989 के निर्वाचन मे काग्रेस (आई) की स्थिति पुन दयनीय हो गई क्योकि उसे मात्र एक ही ससदीय क्षेत्र पर सफलता मिली। वर्ष 1991 के निर्वाचन मे काग्रेस (आई) बुरी तरह पराजित हुई और जिले से उसका वर्चस्व पूरी तरह से समाप्त हो गया। इस तरह यह स्पष्ट हो गया कि 1967 के बाद काग्रेस (आई) का बलिदानी रूप जनता ने पूर्णत अस्वीकार कर दिया।

विधानसभा चुनाव का विश्लेषण करे तो मानचित्रानुसार लगभग यही स्थिति उभरकर सामने आ रही है क्योकि वर्ष 1952 मे उसने जिले के सपूर्ण विधानसभा क्षेत्रो पर तो कब्जा कर लिया परतु 1971 और 1991 मे उसे किसी भी विधानसभा क्षेत्र मे सफलता नही मिली।

## 6 5 भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस (आई) की जीत के कारण

काग्रेस (आई) भारत का सबसे प्राचीन राजनैतिक दल है। यह आज भी भारत का सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक दल है। पूर्व अध्याय मे इसका राजनैतिक इतिहास वर्णित किया गया है। इसलिए पुन वर्णित करना समीचीन नही है। इस अखिल भारतीय राजनैतिक दल के विभिन्न पहलुओ पर अध्ययन करने के बाद इसकी जीत के निम्न कारण स्पष्ट होते है–

1) काग्रेस (आई) का एकछत्र प्रारभिक वर्षो मे औपचारिक या अनौपचारिक नेतृत्व।

2) अन्य राजनीतिक दलो की तुलना मे काग्रेस (आई) का सगठित सुव्यवस्थित सविधान।

3) काग्रेस (आई) कार्यकर्त्ताओ मे सत्याग्रहियो के रूप मे अनुशासित सगठित चरित्र का विद्यमान होना।

4) काग्रेस (आई) का विशाल सामाजिक ढॉचा।

5) प्रारभ मे काग्रेस (आई) मे सद्‌चरित्र शक्तिशाली पूँजीपति लोगो का सम्मिलित रहना।

6) काग्रेस (आई) के शीर्ष नेताओ यथा प0 जवाहरलाल नेहरू लाल बहादुर शास्त्री श्रीमती इदिरा गाधी राजीव गॉधी के प्रति देश की जनता का विश्वास होना।

7) काग्रेस (आई) की शहीदी छवि (इदिरा गाधी राजीव गाधी की निर्मम हत्या) के कारण जनता का पार्टी के प्रति द्रवित एव सवेदनशील हाकर आस्था व्यक्त करना।

8) कुछ निर्वाचन वर्षो मे जनता को यह विश्वास होना कि काग्रेस (आई) के अलावा देश को अन्य कोई दल नही चला सकता है।

9) प्रारभिक वर्षो मे काग्रेस (आई) की अनुसूचित जाति जनजाति अल्पसख्यक जाति कमजोर वर्ग के विकास हेतु अस्पष्ट एव सुनिश्चित नीति का पालन किया जाना।

10) राष्ट्रीय सुरक्षा राष्ट्रीय विकास राष्ट्रीय आर्थिक नीतियॉ गरीबी उन्मूलन बॅधुआ मजदूर उन्मूलन महिला विकास जैसी नीतियो पर काग्रेस (आई) का स्पष्ट मत होना।

## 6 6 भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस (आई) की पराजय के कारण

एक अखिल भारतीय राजनीतिक दल के रूप मे 1967 के पहले काग्रेस (आई) एक सुदृढ सुव्यवस्थित अनुशासित पार्टी थी किन्तु विभाजन की प्रक्रिया के बाद या दूसरे शब्दो मे कह कि जब भारत मे गैर काग्रेस (आई) वाद की प्रक्रिया प्रारभ हुई तब से इसका निरतर पतन होता जा रहा है। विभिन्न वर्षो के निर्वाचन तथ्यो के अध्ययन से इसके पराजय के निम्न कारण स्पष्ट हो रहे है।

1) भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस मे एकाधिकार की स्थिति का समाप्त होना।

2) भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस मे राष्ट्रीय विकास के चरित्र का समाप्त होना।

3) स्वतत्रता आदोलन से जुडे व्यक्तियो का धीरे–धीरे भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस की नीतियो कार्यक्रमो से मोहभग होना।

4) भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस मे अनैतिक अलोकप्रिय दुश्चरित्र राजनीतिज्ञो का प्रवेश।

5) काग्रेसी नेताओ का भारत के गरीबो मध्यमवर्ग की विकास नीतियो से मुँह मोड लेना।

6) काग्रेसी शारान मे आम आदमी को उदारीकरण की नीति का लाभ न मिलना।

7) काग्रेस के शासनकाल मे घोटालो भ्रष्टाचारो अत्याचारो अव्यवस्थाओ मॅहगाई ने जनता की कमर तोड दी जिससे जनता ने काग्रेस की रीढ तोड दी।

8) मुस्लिम अनुसूचित जाति आदिवासी पिछडो का वोट बैक कॉग्रेस के पास अब नही है।

अत अब काग्रेस अपनी पुरानी नीतियो के परित्याग के कारण जनसमर्थन और जनादेश प्राप्त करने मे बार–बार असफल हो रही है। सक्षेप मे गरीबो के हित और कल्याण का ढोग रचने वाली यह पार्टी पूर्ण रूप से इधर के निर्वाचन वर्षो मे इसी कारण पराजित हो रही है।

सप्तम् अध्याय

# प्रमुख दल समर्थन

# 7 प्रमुख दल समर्थन

**भूमिका**—लोकतात्रिक राजनीतिक व्यवस्था वाले देश मे राजनीतिक दलो का महत्वपूर्ण स्थान होता है। राजनीतिक दल केवल उस देश की राजनीतिक परिस्थितियो का ही परिणाम नही होते बल्कि वे उस देश के इतिहास सस्कृति भूगोल तथा अर्थव्यवस्था से प्रभावित होते है। लोकतत्रीय शासन के लिए राजनीति दल अपरिहार्य होते है लोकतन्त्र का चाहे कोई भी स्वरूप क्यो न हो राजनीतिक दलो की अनुपस्थिति मे अकल्पनीय है। इसलिए दलीय व्यवस्था लोकतन्त्र का प्राण कहना अतिशयोक्ति नही होगी।

प्रारम्भ म भारत की जनता काग्रस के स्वार्णिम इतिहास म अभिभूत थी लेकिन धीरे–धीरे जब विपक्ष ने अपने आप को राष्ट्रीय राजनीति के लिए तैयार कर लिया तो अनेक क्षेत्रीय दलो मे अपना प्रभाव स्थापित करना शुरू कर दिया। प्रस्तुत अध्याय मे इलाहाबाद जनपद मे प्रमुख राष्ट्रीय एव क्षेत्रीय दलो के समर्थन प्रतिरूप को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शन प्रतिरूप का विश्लेषण करने के लिए जनपद मे प्रदर्शन को देखते हुए तीन प्रमुख दलो को चयनित कर उनका वितरण प्रतिरूप प्रस्तुत किया गया है। अध्याय को कुल तीन अनुभगो मे बॉटा गया है। जिसके प्रथम अनुभाग मे भारतीय जनता पार्टी का विकास स्थानिक वितरण (लोकसभा एव विधानसभा) जेडलब्धि तल (लोकसभा एव विधान सभा) के सन्दर्भ मे व्याख्यित है। द्वितीय अनुभाग मे जनता दल का विकास स्थानिक वितरण (लोकसभा एव विधानसभा) जेड लब्धि तल (लोकसभा एव विधानसभा) जनतादल का क्षेत्रीय सकेन्द्रण (लोकसभा एव विधानसभा) प्रस्तुत किया गया है। तृतीय अनुभाग मे बहुजन समाज पार्टी का विकास स्थानिक वितरण (लोकसभा एव

विधानसभा) जेड लब्धि तल (लोकसभा एव विधानसभा) सकेन्द्रण(लोकसभा एव विधानसभा) वर्णित किया गया है।

## 7 1 भारतीय जनता पार्टी

**7 1 1 भारतीय जनता पार्टी का विकास** भारतीय जनता पार्टी का गठन अप्रैल 1980 मे जनता पार्टी की विघटन के बाद हुआ। इस पार्टी के अधिकाश नेता एव कार्यकर्ता जनसघ के पुराने अनुभवी राजनेता एव कुछ जनता पार्टी के सदस्य थे। पार्टी के प्रारभिक अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी जी को श्री लाल कृष्ण आठवाणी सिकन्दर बख्त तथा मुरली मनोहर जोशी को पार्टी का महासचिव नियुक्त किया गया। वर्तमान अध्यक्ष कुशा भाई ठाकरे जी है।

विचारधारा नीति एव सिद्धान्त मे नैतिकता की पुनर्स्थापना का सकल्प प्रमुख है। आधारभूत नीतियो मे प्रामाणिक एव निष्कपट गुट निरपेक्ष विदेशनीति राष्ट्रवाद एव राष्ट्रीय समन्वय लोकतन्त्र की रक्षा गाधीवादी सामाजिक नीति प्रभावकारी धर्मनिरपेक्ष आन्तरिक नीति के रूप मे स्वीकार्य है।

अप्रैल 1980 मे स्थापित इस पार्टी ने सर्वप्रथम मई 1980 मे हुए विधानसभा चुनावो मे भाग लिया जिसमे नौ राज्यो मे 190 विधानसभा क्षेत्रो मे विजय प्राप्त की। उ0प्र0 राज्य मे इसे 11 विधानसभा क्षेत्रो मे विजय श्री प्राप्त हुई किन्तु इलाहाबाद जिले मे इसे किसी भी क्षेत्र मे विजय नही मिली अर्थात इसका प्रभाव नगण्य रहा। शनै शनै पार्टी अपने नीतियो सिद्धान्तो के आधार पर विकसित होती गई। जिस पर 1984 मे लोकसभा चुनाव मे इसे 2 क्षेत्रो मे विजय प्राप्त हुई। नवम्बर 1989 मे लोकसभा चुनाव मे राष्ट्र मे इसे 88 स्थान प्राप्त हुई इसी तरह मई–जून 1991 के चुनाव मे 119 लोकसभा क्षेत्रो मे विजय प्राप्त की

तथा उ0प्र0 के विधानसभा चुनाव मे 211 स्थान प्राप्त कर अपनी सरकार का निर्माण भी किया। अर्थात पार्टी की स्थिति सुदृढ हुई।

क्रमश 1993 मे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली मे हुए पहले विधानसभा चुनाव मे भी भारतीय जनता पार्टी ने उल्लेखनीय विजय प्राप्त की। उत्तरोत्तर विकसित होती हुई यह पार्टी आज प्रमुख राष्ट्रीय दल है। वर्तमान मे भारतीय जनता पार्टी की सरकार केन्द्र मे अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व मे कुशलता पूर्ण ढग से स्वच्छ प्रशासन कर रही है तथा राज्य मे श्री कल्याण सिह के नेतृत्व मे भारतीय जनता पार्टी सत्ता मे है। अर्थात अल्प समय मे भाजपा ने अपना उच्च शिखर प्राप्त कर लिया जिसके पीछे पार्टी विचारधारा नीति नैतिक का सकल्प प्रमुख रहा।

**भारतीय जनता पार्टी का स्थानिक विरतण** प्रस्तुत भाग मे विभिन्न लोकसभा एव विधानसभा चुनावो मे इलाहाबाद जिले की लोकसभा एव विधानसभा क्षेत्रो मे कुल मतो मे भारतीय जनता पार्टी को प्राप्त मत प्रतिशत से स्थानिक वितरण को निरूपित किया गया है। इस स्थानिक वितरण को पॉच वर्गो मे विभक्त किया गया है। 7 1 के अनुसार स्थानिक वितरण इस प्रकार है–

**7 1 2 1 1 उच्चतम क्षेत्र** उच्चतम समर्थन 65% से अधिक मत जिन क्षेत्रो मे भाजपा को प्राप्त हुआ है उन्हे सम्मिलित किया गया है। लोकसभा चुनावो मे 1952 से 1989 तक इलाहाबाद जनपद मे भाजपा का समर्थन नगण्य था। इसी तरह विधानसभा निर्वाचन मे 1952 से 1980 तक पार्टी का समर्थन जनमत मे नही था चूकि पार्टी 1980 तक एक विचारधारा के रूप मे जनता के सामने प्रस्तुत ही नही हुई थी। 1980 मे पार्टी ने सर्वप्रथम एक दल के रूप मे अपना प्रदर्शन

किया। किन्तु भाजपा ने 1952 से 1991 तक किसी भी निर्वाचन वर्ष मे उच्चतम समर्थन नही प्राप्त किया।

**7 1 2 1 2 उच्च समर्थन** उच्च समर्थन 55 से 65 प्रतिशत तक प्राप्त मत प्रतिरूप को दर्शाता है। मानचित्रानुसार भाजपा इलाहाबाद के किसी भी लोकसभा क्षेत्र एव विधानसभा क्षेत्र मे उच्च समर्थन नही प्राप्त किया।

**7 1 2 1 3 मध्यम क्षेत्र** मध्यम समर्थन के अन्तर्गत 35 से 55 प्रतिशत समर्थन वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है। वर्ष 1962 से 1991 तक के विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे मानचित्र अनुसार इलाहाबाद जनपद के केवल वर्ष 1991 के विधानसभा चुनाव मे भा ज पा को इलाहाबाद उ0 एव इलाहाबाद द0 मे मध्यम समर्थन प्राप्त हुआ।

**7 1 2 1 4 निम्न क्षेत्र** इसके अन्तर्गत 20 से 35 प्रतिशत समर्थन वाले क्षेत्र सम्मिलित है। मानचित्र 7 1 के अनुसार विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे भा ज पा का निम्न समर्थन स्थानिक वितरण क्षेत्र इस प्रकार है।

1) वर्ष 1980 के विधानसभा निर्वाचन मे इलाहाबाद उत्तरी विधानसभा क्षेत्र मे निम्न समर्थन प्राप्त किया।

2) 1985 के विधानसभा चुनाव मे भा ज पा किसी भी निर्वाचन क्षेत्र से निम्न समर्थन भी हासिल नही कर सकी।

3) वर्ष 1989 के निर्वाचन मे भा ज पा ने नवाबगज एव इलाहाबाद दक्षिण विधानसभा क्षेत्रो से निम्न समर्थन प्राप्त किया।

4) भा ज पा ने धीरे–धीरे अपने प्रभाव क्षेत्र को बढाया। वर्ष 1991 तक आते–आते भा ज पा का समर्थन थोडा सा बढा जिससे वर्ष 1991 के
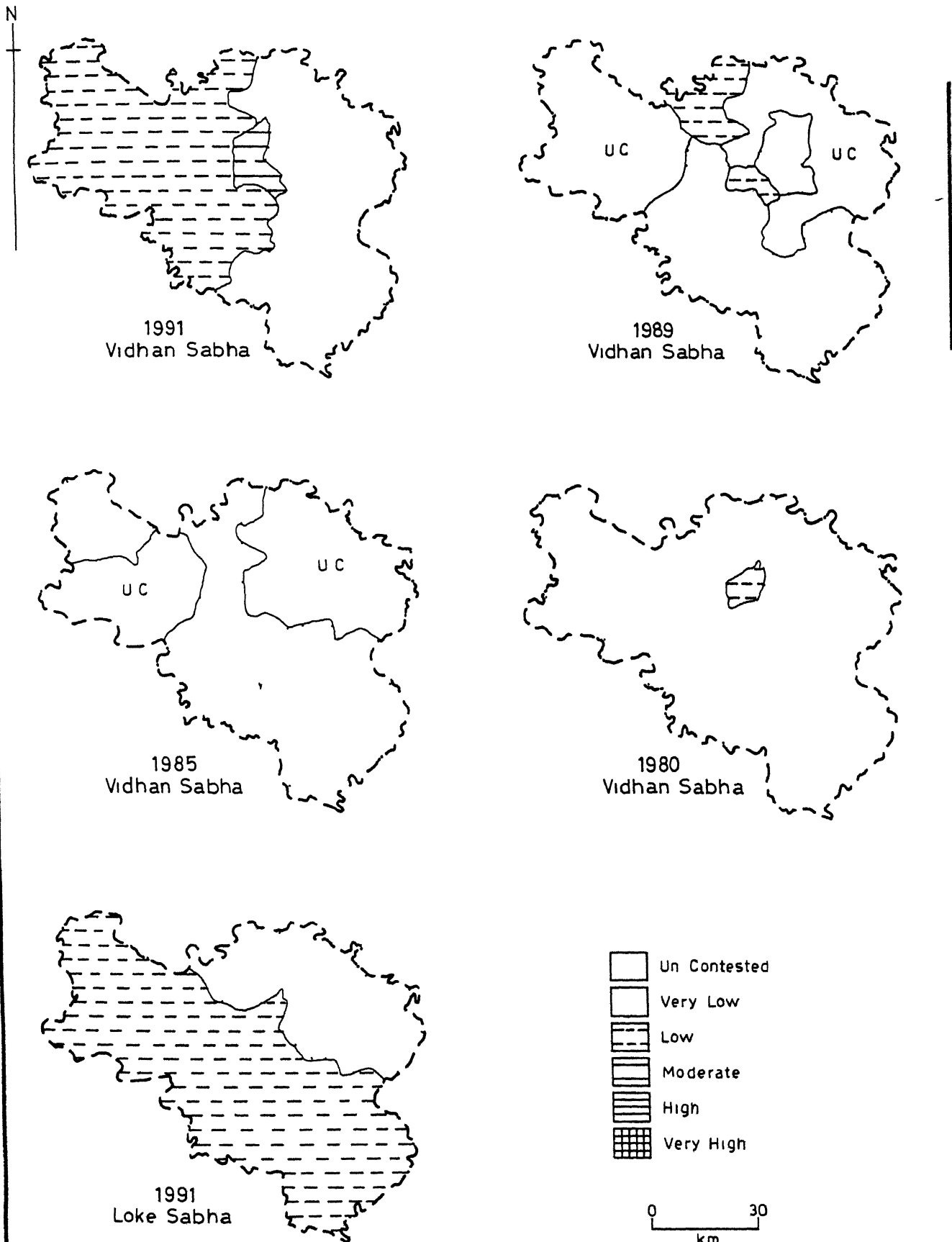
Fig 7.1 Absolute Distribution of B J P Votes 1980 to 1991 (Per cent)

5) ससदीय निर्वाचन मे चायल एव इलाहाबाद ससदीय क्षेत्रो मे निम्न समर्थन प्राप्त हुआ। इसी प्रकार 1991 के विधान सभा चुनाव मे बारा नवाबगज इलाहाबाद पश्चिमी चायल मझनपुर सिराथू मे भा ज पा को निम्न समर्थन प्राप्त हुआ।

**7 1 2 1 5 निम्नतम क्षेत्र** 20 प्रतिशत से कम समर्थन वाले क्षेत्र इसके न्तर्गत आते है। 1980 से 1991 तक के लोकसभा एव विधानसभा चुनावो मे भा पा को निम्नानुसार निम्नतम समर्थन प्राप्त हुआ। मानचित्र 7 1 के अनुसार मर्थन प्रतिरूप इस प्रकार है–

1) वर्ष 1980 के विधानसभा चुनाव मे भा ज पा ने मेजा बारा करछना हडिया झूसी प्रतापपुर सोराव नवाबगज इलाहाबाद द0 इलाहाबाद पश्चिमी चायल मझनपुर सिराथू मे निम्नतम समर्थन प्राप्त किया।

2) वर्ष 1985 के विधानसभा निर्वाचन मे मेजा करछना बारा नवाबगज इलाहाबाद पश्चिमी सिराथू मे निम्नतम समर्थन प्राप्त किया।

3) वर्ष 1989 के विधानसभा निर्वाचन के मेजा बारा झूसी इलाहाबाद पश्चिमी मे निम्न समर्थन प्राप्त हुआ।

4) वर्ष 1991 के विधानसभा निर्वाचन मे भा ज पा ने मेजा करछना झूसी हण्डिया प्रतापपुर सोराव मे निम्नतम समर्थन प्राप्त किया। इसी वर्ष सम्पन्न लोकसभा निर्वाचन मे फूलपुर ससदीय क्षेत्र मे इसे निम्नतम समर्थन मिला वर्ष 1991 के ससदीय निर्वाचन मे फूलपुर लोकसभा क्षेत्र मे निम्नतम समर्थन प्राप्त किया।

इस प्रकार स्पष्ट है कि भा ज पा ने 1991 तक के निर्वाचन वर्षो मे निम्नतम समर्थन ही प्राप्त किया। पार्टी ने विधानसभा चुनावो मे अधिकाश स्थानो से अपने उम्मीदवार ही नही खडा किये।

**7 1 3 भारतीय जनता पार्टी जेड लब्धी तल** प्रस्तुत अनुभाग मे भा ज पा का लोकसभा एव विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रो मे कुल मतो मे प्राप्त जन समर्थन को जेडलब्धी मे स्थानान्तरित करके प्रस्तुत किया गया है। वर्ष 1952 से 1991 के निर्वाचन वर्षो मे मात्र 4 विधानसभा निर्वाचन (1991 89 85 80) मे एव एक लोकसभा चुनाव मे भारतीय जनता पार्टी ने अपनी उम्मीदवारी जतायी। निर्वाचन वर्ष 1989 एव 1985 के कई विधान सभा क्षेत्रो मे भारतीय जनता पार्टी ने अपनी उम्मीदवार ही नही खडा किया। मानचित्र 7 2 के अनुसार भारतीय जनता पार्टी की जेड लब्धि तल विभिन्न वर्षो मे निम्नवत था।

**7 1 3 1 लोकसभा जेडलब्धितल** वर्ष 1952 से 1991 के लोकसभा चुनावो को विश्लेषित करने पर स्पष्ट होता है कि 1989 के लोकसभा चुनाव तक भारतीय जनता पार्टी को जनता के बीच मे मात्र धार्मिक सेठ साहूकार सवर्णो के पार्टी की छवि बनी थी। किन्तु धीरे–धीरे पार्टी ने अपनी विचार धारा से जनमत को अवगत कराया जिससे जनमत इनकी ओर अकृष्ट हुआ। तदोपरान्त मानचित्रानुसार वर्ष 1991 के ससदीय चुनाव ने भारतीय जनता पार्टी ने इलाहाबाद एव चायल ससदीय क्षेत्रो मे उच्च जेड लब्धि एव फूलपुर ससदीय क्षेत्र मे निम्न जेड लब्ध प्राप्त किया।

**7 1 3 2 विधानसभा जेड लब्धि तल** वर्ष 1952 से 1977 तक के निर्वाचन वर्षो मे भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव ही नही लडा इसलिए 1980 से 1991 तक के विधानसभा चुनावो मे भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव मे अपने
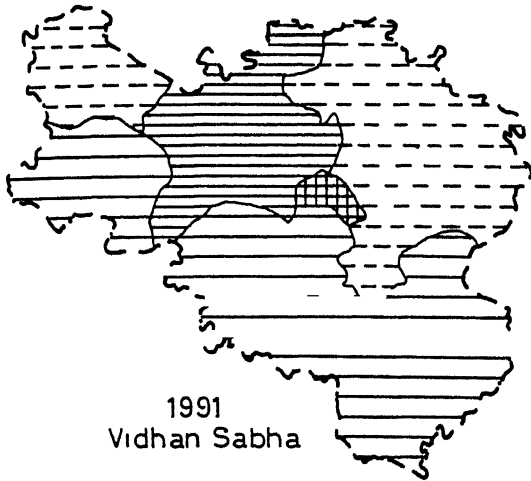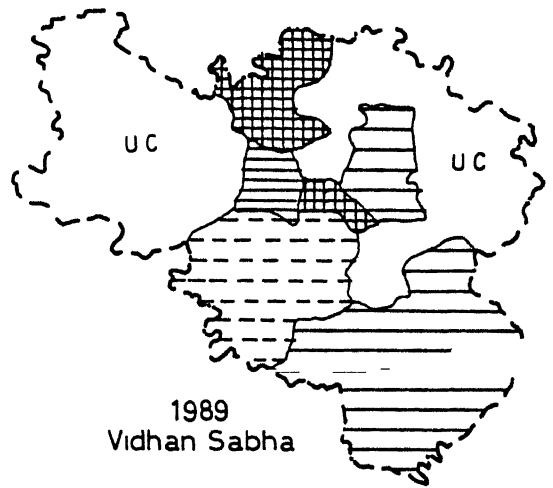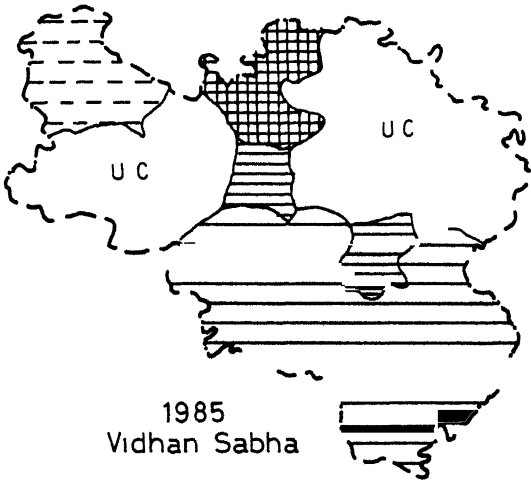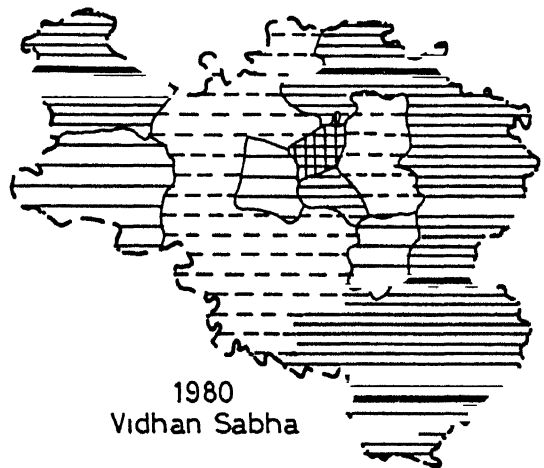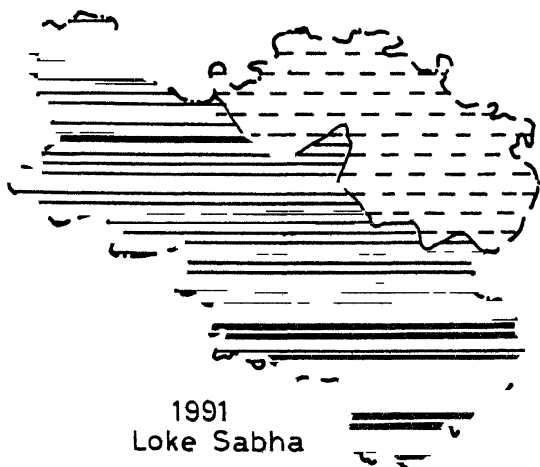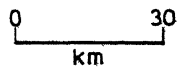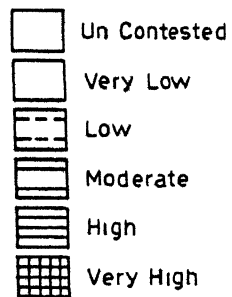
Fig 7.2 Distribution of B J P Votes Loke Sabha & Vidhan Sabha 1989

उम्मीदवार खडे किये जिनका प्रदर्शन मानचित्र 72 मे निरूपित किया गया है। मानचित्रानुसार भारतीय जनता पार्टी जेड लब्धि को निम्न पॉच भागो मे विभाजित किया गया है। उच्चतम क्षेत्र उच्च क्षेत्र मध्यम क्षेत्र निम्न क्षेत्र निम्नतम क्षेत्र।

**उच्चतम जेड लब्धितल** इसके अन्तर्गत +15 से अधिक जेड लब्धि तल वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है। इस वर्ग के अन्तर्गत वर्ष 1991 मे इलाहाबाद दक्षिणी वर्ष 1989 मे इलाहाबाद दक्षिणी नवाबगज वर्ष 1985 मे नवाबगज वर्ष 1980 मे इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा क्षेत्र सम्मिलित है।

**उच्च जेड लब्धि तल** इसके अन्तर्गत +05 से +15 जेड लब्धि तल वाली विधान सभाये सम्मिलित है। मानचित्र 72 के अनुसार 1991 मे इलाहाबाद उत्तरी इलाहाबाद पश्चिमी चायल नवाबगज विधानसभाये वर्ष 1989 इलाहाबाद पश्चिमी वर्ष 1985 मे इलाहाबाद पश्चिमी एव करछना वर्ष 1980 मे मेजा हण्डिया प्रतापपुर सोराव इलाहाबाद दक्षिणी सिराथू विधानसभाये इसके अन्तर्गत आती है।

**मध्यम जेड लब्धि तल** इस वर्ग के अन्तर्गत +05 से –05 जेड लब्धी प्राप्त विधानसभाये सम्मिलित है। मानचित्रानुसार इलाहाबाद जनपद की विभिन्न विधान सभाओ मे मध्यम जेड लब्धि का विवरण निम्नानुसार है।

वर्ष 1991 के निर्वाचन मे बारा मेजा 1989 मे मेजा झूसी 1985 मे मेजा बारा 1980 मे करछना इलाहाबाद पश्चिमी मझनपुर विधान सभाओ मे मध्यम जेड लब्धि तल पायी गयी।

**निम्न जेड लब्धि तल** निम्न जेड लब्धि तल के अनतर्गत –05 से –15 तक प्राप्त जेड लब्धि वाली विधान सभाये आती है। मानचित्रानुसार इसमे वर्ष 1991 मे करछना झूसी हडिया प्रतापपुर सोराव सिराथू 1989 मे बारा

1985 मे सिराथू, 1980 मे बारा झूसी नवाबगज चायल विधानसभाये सम्मिलित है।

**निम्नतम जेड लब्धि तल** इस वर्ग के अन्तर्गत –1 5 से कम जेड लब्धि तल वाली विधानसभाये सम्मिलित है। मानचित्रानुसार इलाहाबाद के किसी भी विधानसभा क्षेत्र मे निम्नतम जेड लब्धि नही पायी गयी। कारण कम से कम विधानसभाओ मे प्रतियोगिता क्षेत्र मे भा ज पा ने भाग लिया।

**7 1 4 भारतीय जनता पार्टी क्षेत्रीय सकेन्द्रण** प्रस्तुत अनुभाग मे भारतीय जनता पार्टी का क्षेत्रीय सकेन्द्रण लोकसभा एव विधानसभा मानचित्र 7 3 मे निरूपित किया गया है। क्षेत्रीय सकेन्द्रण को मुख्य रूप से 5 वर्गो मे विभाजित किया गया है। उच्चतम सकेन्द्रण क्षेत्र उच्च सकेन्द्रण क्षेत्र मध्यम सकेद्रण क्षेत्र निम्न सकेन्द्रण क्षेत्र एव निम्नतम सकेन्द्रण क्षेत्र। इस वितरण के द्वारा लोकसभा एव विधानसभा निर्वाचन वर्षो मे भारतीय जनता पार्टी के सापेक्ष वितरण को विश्लेषित किया गया है।

**7 1 4 1 लोकसभा क्षेत्रीय सकेन्द्रण** विभिन्न निर्वाचन वर्षो के लोकसभा चुनावो का व्यवस्थित अध्ययन करने से यह निश्चित हुआ कि लोकसभा निर्वाचन के वर्ष 1991 मे मात्र भारतीय जनता पार्टी ने एक राष्ट्रीय दल के रूप मे अपनी उपस्थिति का एहसास कराया। यद्यपि इस निर्वाचन वर्ष 1991 मे भारतीय जनता पार्टी का तीनो लोकसभा क्षेत्रो मे सकेन्द्रण निम्नतम रहा। निम्नतम सकेन्द्रण वर्ग के अन्तर्गत 70 प्रतिशत से कम सकेन्द्रण वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया। सकेन्द्रण विश्लेषण तालिका के अनुसार इलाहाबाद ससदीय क्षेत्र का सकेन्द्रण 36 56 चायल ससदीय क्षेत्र का सकेन्द्रण 36 11 प्रतिशत एव फूलपुर ससदीय क्षेत्र का सकेन्द्रण 26 31 प्रतिशत है।
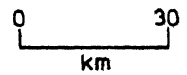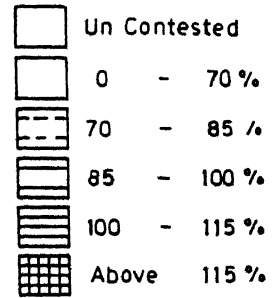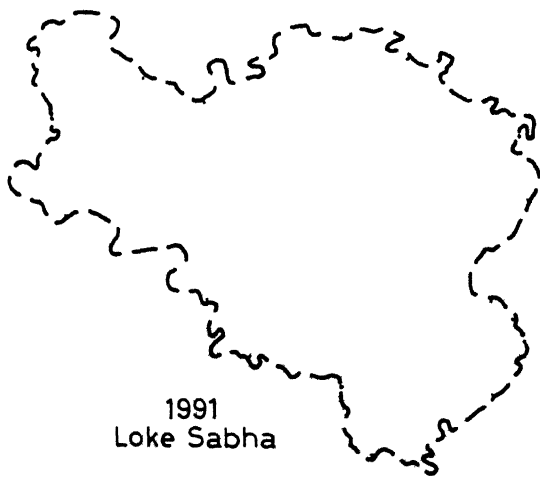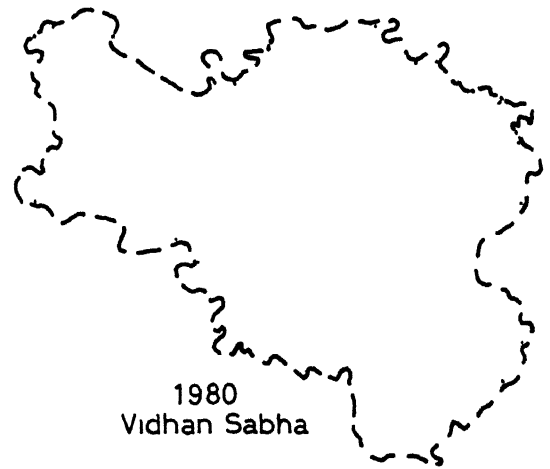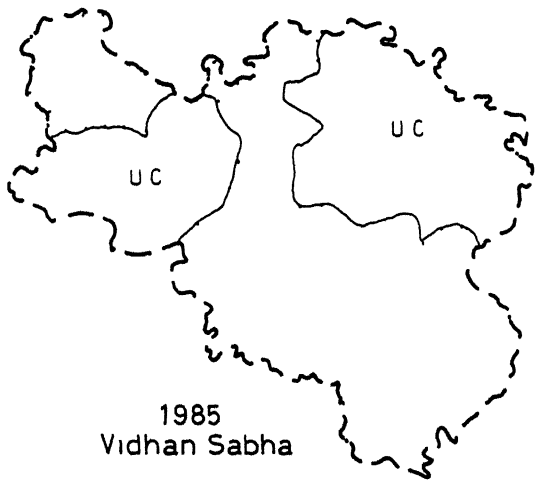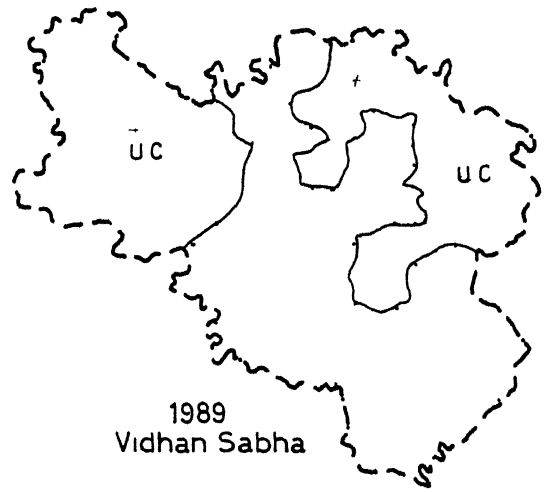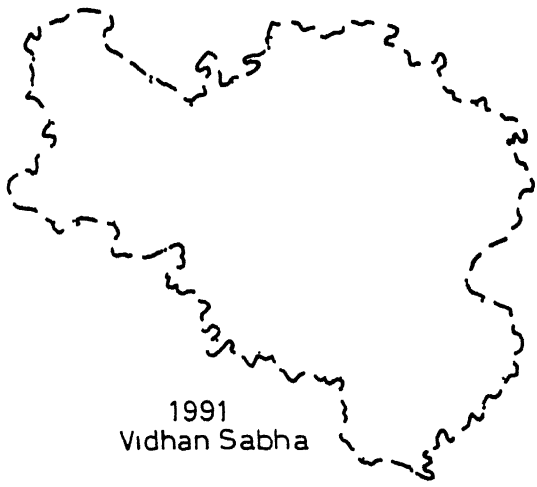
Fig 7.3 Spatial Concentration of B J P Votes 1980 85 89 91 (Per cent) Loke Sabh;

**7 1 4 3 विधानसभा का क्षेत्रीय सकेन्द्रण** इलाहाबाद जनपद मे 1952 से 1991 तक सम्पन्न विधानसभा निर्वाचन के लिए प्राप्त मतो का मानचित्रण एव विश्लेषण किया गया किन्तु चूँकि भारतीय जनता पार्टी 1980 के निर्वाचन से ही एक प्रमुख दल के रूप मे ऊभरी इसलिए विवेचन विश्लेषण निर्वाचन वर्ष 1980 से किया गया। निर्वाचन वर्ष 1980 से 1991 तक भारतीय जनता पार्टी का सकेन्द्रण प्रतिरूप इस प्रकार रहा।

मानचित्र 7 3 के अन्तर्गत निरूपित प्रतिरूपो से स्पष्ट है कि सकेन्द्रण भारतीय जनता पार्टी का निर्वाचन वर्ष 1980 85 89 91 मे लगातार निम्नतम था। इसका कारण जनमत का धीरे–2 पार्टी की स्थिति को स्वीकारना साथ मे विवेचन मे उच्चतम सकेन्द्रण की सीमा का उच्च स्तर होना यह स्तर विभिन्न स्थितियो मे इस प्रकार है उच्चतम सकेन्द्रण की सीमा 115 प्रतिशत से ऊपर उच्च सकेन्द्रण की सीमा 100 से 115 प्रतिशत मध्यम सकेन्द्रण की सीमा 85 से 100 प्रतिशत निम्न सकेन्द्रण की सीमा 20 से 85 प्रतिशत एव निम्नतम सीमा 70 प्रतिशत से कम निर्धारित है। यह मानदण्ड समस्त दलो के सकेन्द्रण पर समान रूप से लागू किया गया है।

भारतीय जनता पार्टी का विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे सकेन्द्रण प्रतिरूप सक्षेप मे निम्न रहा है–

निर्वाचन वर्ष 1991 मे भारतीय जनता पार्टी का सर्वाधिक सकेन्द्रण इलाहाबाद दक्षिणी विधानसभा मे 14 76 प्रतिशत एव अल्पतम सकेन्द्रण 2 31 प्रतिशत हण्डिया विधानसभा मे पाया गया। कुल मिलाकर वर्ष 1991 मे भारतीय जनता पार्टी का सकेन्द्रण समस्त विधानसभाओ मे निम्नतम रहा।

1989 के निर्वाचन वर्ष मे भारतीय जनता पार्टी की स्थिति अत्यन्त कमजोर रही क्योकि 14 विधानसभाओ मे से मात्र 6 स्थान पर भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार भाग लिये जिसमे सर्वाधिक सकेन्द्रण इलाहाबाद दक्षिणी विधानसभा मे 32–86 प्रतिशत एव निम्नतम सकेन्द्रण मेजा विधानसभा मे 4 50 प्रतिशत था।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे 1989 जैसी ही स्थिति रही इसी वर्ष भी भारतीय जनता पार्टी ने केवल 6 स्थानो पर चुनाव लडी। जिसमे सर्वाधिक सकेन्द्रण नवाबगज विधानसभा मे 40 27 प्रतिशत एव निम्नतम सकेन्द्रण बारा विधानसभा क्षेत्र मे 2 32 प्रतिशत रहा।

1980 के निर्वाचन वर्ष मे समस्त विधान सभाओ मे सर्वाधिक सकेन्द्रण इलाहाबाद उत्तरी विधानसभा क्षेत्र मे 31 75 प्रतिशत एव सबसे कम सकेन्द्रण 1 19 प्रतिशत प्रतापपुर विधान सभा क्षेत्र मे थी।

साराशत 1991 से 1980 के चारो निर्वाचन वर्षो मे निम्नतम सकेन्द्रण भारतीय जनता पार्टी का समस्त विधानसभा क्षेत्रो मे था।

## 7 2 जनता दल

**7 2 1 जनता दल का विकास** परिवर्तन प्रकृति का नियम है यह सिलसिला सदियो से चला आ रहा है और रहती दुनिया तक यो ही चलता रहेगा। जिस प्रकार सभी क्षेत्रो परिवर्तन अपरिहार्य है उसी प्रकार से राजनीति मे भी निरन्तर परिवर्तन होते रहते है। इसी राजनीतिक परिवर्तन का एक अग है जनता दल।

1987 से 1989 के मध्य काग्रेस (आई) और उसके नेता राजीव गाधी की तेजी से गिरती लोकप्रियता को देखकर कतिपय काग्रेसी नेताओ ने अपने आदर्शो

मे परिवर्तन किया। इसी परिवर्तन ने जनतादल के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। 1980 मे जनता पार्टी लोकदल (बहुगुणा) और जनमोर्चा (काग्रेस को छोडकर अलग हुआ गुट) के विलय से जनतादल को चुनाव आयोग से विधिवत मान्यता मिली। मूलरूप से जनतापार्टी एव लोकदल (अ) से इस दल का गठन हुआ। इस दल के प्रारम्भिक अध्यक्ष श्री विश्वनाथ प्रताप सिह जी बनाये गये। श्री देवी लाल को ससदीय बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया।

जनतादल ने अपने त्वरित विकास के लिए व्यापक आन्दोलन चलाया जिसका तात्कालिक प्रभाव जनमत पर पडा विशेषकर इलाहाबाद जिले मे क्योकि विश्वनाथ प्रताप सिह जी यही के निवासी थे। दल का सचालन यही से होता था।

अन्य दलो के साथ ताल–मेल करके नवम्बर 1989 के चुनाव मे जनता दल को 141 स्थान प्राप्त हुआ एव केन्द्र मे राष्ट्रीय मोर्चा की सरकार बनी।

1989 के विधानसभा चुनाव मे भी जनता दल ने विहार उ0 प्र0 उडीसा और गुजरात मे सरकार का गठन किया। यद्यपि इन सरकारो का गठन अन्य दलो के समर्थन से ही हुआ।

जिस तीव्र गति से इस दल का विकास हुआ उसी तीव्रगति से पतन भी 1990 मे जनता दल के विभाजन के साथ ही जनता दल की सरकार गिर गयी थी। और चन्द्रशेखर देवीलाल जी ने मिलकर जनता दल (s) का गठन किया।

लोकप्रियता का गिरता ग्राफ मई–जून 1991 के लोकसभा निर्वाचन मे स्पष्ट दिखाई दिया क्योकि श्री विश्वनाथ प्रतापसिह के नेतृत्व वाले जनता दल को केवल 56 स्थान प्राप्त हुए। 1991 के बाद न तो इस दल ने व्यापक समर्थन

प्राप्त किया और न ही अपने अस्तित्व को कायम रख सकी। अब राष्ट्रीय राजनीति मे यह दल केवल राजनीतिक दबाव समूह का कार्य करता है।

उत्तर प्रदेश के अन्य क्षेत्रो की अपेक्षा इलाहाबाद जनपद मे जनतादल का प्रदर्शन वर्ष 1991 एव 1989 मे गुणात्मक था। इसी को ध्यान मे रखकर जनपद मे इसके विभिन्न प्रतिरूपो का अध्ययन करने का प्रयास किया गया।

**7 2 2 1 जनता दल का स्थानिक वितरण** प्रस्तुत अनुभाग मे जनता दल का निर्वाचन वर्ष 1991 एव 1989 मे प्राप्त मत प्रतिशत का स्थानिक वितरण लोकसभा एव विधानसभा निर्वाचन के परिपेक्ष्य मे निरूपित किया गया है। मानचित्र 7 4 के अनुसार स्थनिक वितरण प्रतिरूप लोकसभा एव विधानसभा निम्नानुसार रहा हे–

इलाहाबाद जनपद मे जनतादल को प्राप्त मत प्रतिशत को 5 भागो मे विभक्त किया है। जो इस प्रकार है–

1) उच्चतम क्षेत्र जिसके अन्तर्गत 65 प्रतिशत से अधिक मत वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है।

2) उच्च क्षेत्र मे उन क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है। जहॉ कुल मतो का 55 प्रतिशत से 65 प्रतिशत मत जनता दल को प्राप्त है।

3) मध्यम क्षेत्र मे उन क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है जहॉ कुल मतो का 35 प्रतिशत से 55 प्रतिशत मत जनता दल को प्राप्त है।

4) निम्न क्षेत्र मे उन क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है जहॉ 20 प्रतिशत से 35 प्रतिशत मत जनता दल ने प्राप्त किया है।
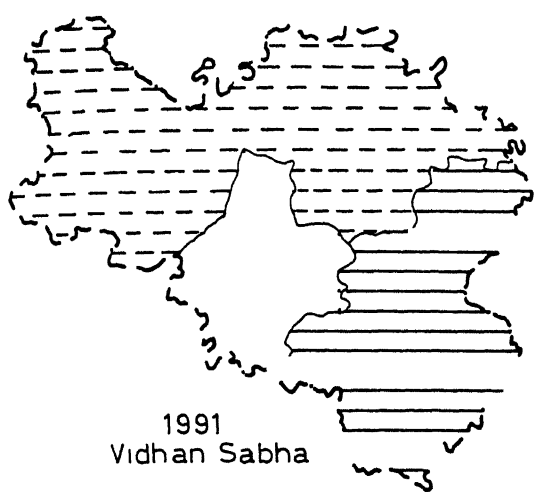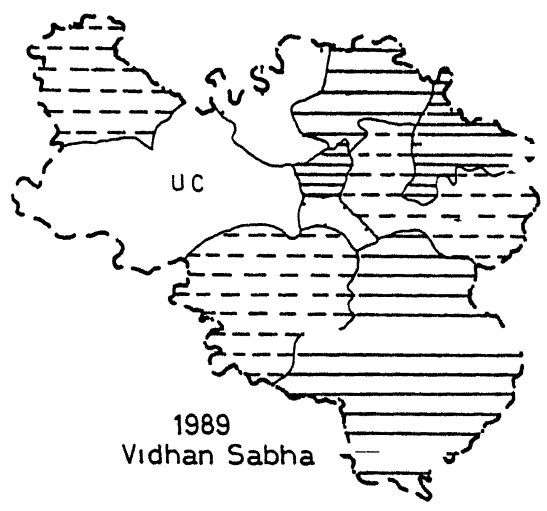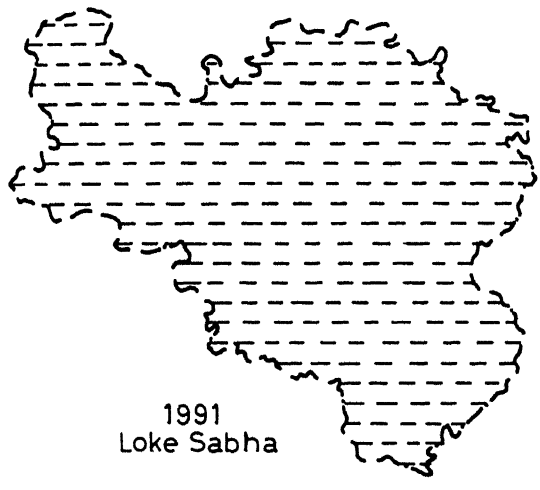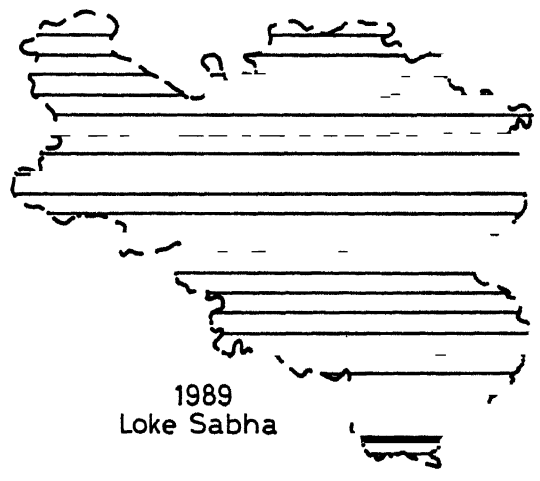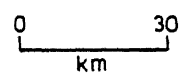
Fig 7.4 Absolute Distribution of Janta Dal Votes Loke Sabha & Vidhan Sabha 1991, 1989 (Per cent)

5) निम्नतम क्षेत्र मे उन क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है। जहॉ कुल मतो का 20 प्रतिशत से कम जनता दल को मिला है।

**7 2 2 1 1 उच्चतम क्षेत्र** उच्चतम क्षेत्र के अन्तर्गत इलाहाबाद जनपद का कोई भी लोकसभा या विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र सम्मिलित नही है क्योकि कोई ऐसा क्षेत्र नही है जहॉ जनता दल को 65 प्रतिशत से अधिक मत कुल मतो का प्राप्त हुआ हो।

**7 2 1 1 2 उच्च क्षेत्र** उच्च जनता दल क्षेत्र इलाहाबाद जनपद मे उत्तरी पूर्वी भाग मे व्याप्त है। इसके अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1989 मे प्रतापपुर एव इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा क्षेत्र सम्मिलित है। निर्वाचन वर्ष 1991 मे कोई विधान सभा या लोकसभा क्षेत्र इसमे सम्मिलित नही है।

**7 2 2 1 3 मध्यम क्षेत्र** मानचित्रानुसार मध्यम समर्थन क्षेत्र निर्वाचन वर्ष 1989 के लोकसभा निर्वाचन मे सम्पूर्ण जिला था। जबकि विधान सभा निर्वाचन मे स्थिति बदल गयी क्योकि मध्यम समर्थन क्षेत्र जिले के दक्षिणी भाग मे पाया गया जिसमे प्रमुख विधनसभा क्षेत्र मेजा करछना सोराव है।

वर्ष 1991 के निर्वाचन मे जनता दल को लोकसभा मे किसी भी क्षेत्र मे मध्यम समर्थन नही मिला जबकि विधानसभा निर्वाचन मे मेजा करछना हडिया मे मध्यम समर्थन प्राप्त हुआ।

**7 2 2 1 4 निम्न क्षेत्र** जनता दल को निम्न समर्थन वर्ष 1989 के निर्वाचन मे बारा झूसी हण्डिया सिराथू विधानसभा क्षेत्र मे प्राप्त हुआ। जबकि वर्ष 1991 के निर्वाचन मे इलाहाबाद फूलपुर चायल तीनो लोकसभा एव झूसी प्रतापपुर सोराव नवाबगज, इलाहाबाद (उत्तर) इलाहाबाद दक्षिण, चायल, मझनपुर सिराथू विधानसभा क्षेत्र मे निम्न समर्थन प्राप्त हुआ।

**7 2 2 1 5 निम्नतम क्षेत्र** इसके अन्तर्गत इलाहाबाद जनपद का कोई भी लोकसभा क्षेत्र सम्मिलित नही है। विधान क्षेत्रो मे जनता दल को वर्ष 1989 मे नवागज इलाहाबाद दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र एव वर्ष 1991 मे बारा इलाहाबाद पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित है।

इसके अतिरिक्त कुछ ऐसे भी क्षेत्र है जहाँ जनता दल ने चुनाव ही नही लडा जैसे वर्ष 1989 के निर्वाचन वर्ष मे इलाहाबाद पश्चिमी चायल मझनपुर।

**7 2 3 जनता दल जेड लब्धि तल** प्रस्तुत अनुभाग मे इलाहाबाद जनपद की लोकसभा एव विधानसभा चुनाव के निर्वाचन क्षेत्रो मे कुल मतो का जनतादल के प्राप्त मत को जेड लब्धि के माध्यम से रूपान्तरण कर प्रस्तुत किया गया है। रूपान्तरण की प्रक्रिया से प्राप्त तल को उच्चावचीय दृष्टिकोण से विश्लेषित किया गया। विश्लेषण उपरान्त सम्पूर्ण जनपद मे जनता दल जेड लब्धि लोकसभा एव विधानसभा मे निम्न प्रकार प्रदर्शित हुई।

**7 2 3 1 लोकसभा जेड लब्धि तल** लोकसभा निर्वाचन मे जनता दल ने 1952 से 1991 तक मात्र दो वर्षो 1989 एव 1991 मे इलाहाबाद जनपद मे हिस्सा लिया। वर्ष 1989 एव 1991 मे प्राप्त जेड लब्धि तल को मानचित्र 7 5 मे प्रदर्शित किया जिसका प्रतिरूप निम्नानुसार है।

उच्चतम तल मे उन क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया जिनकी जेड लब्धि तल +1 5 से अधिक है। इसके अन्तर्गत इलाहाबाद जनपद का काई भी लोकसभा क्षेत्र सम्मिलित नही है।

उच्च तल मे जनतादल के उन क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया जिनकी जेड लब्धि +0 5 से +1 5 के मध्य है इसके अन्तर्गत जिले मे वर्ष 1991 मे फूलपुर एव 1989 मे चायल ससदीय क्षेत्र सम्मिलित है।
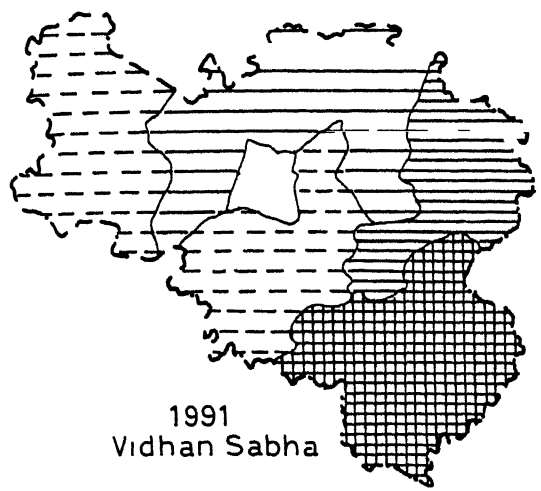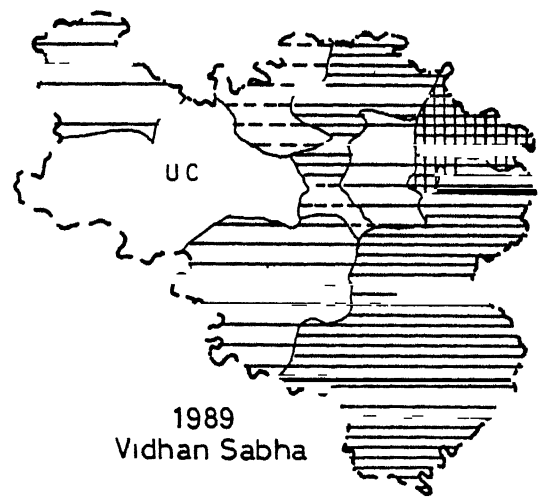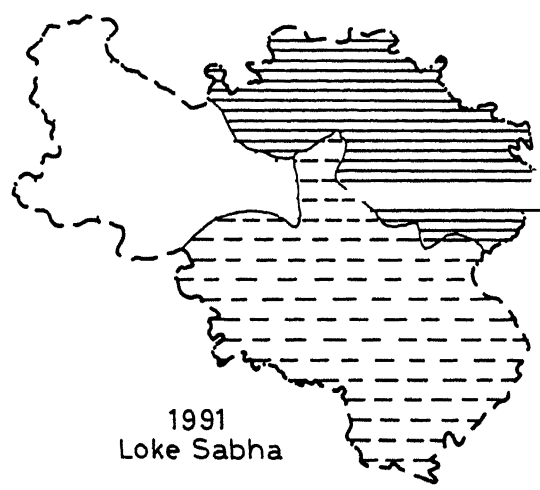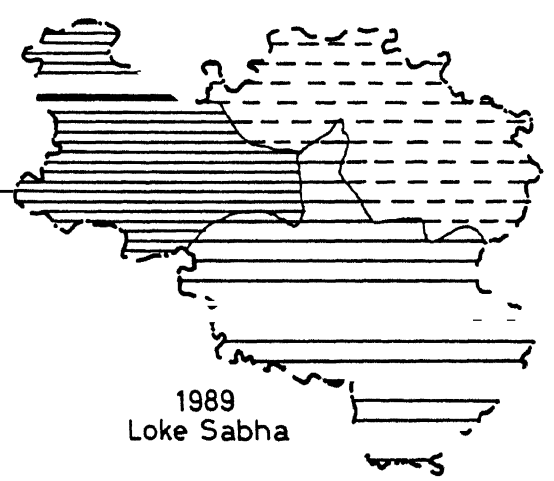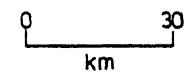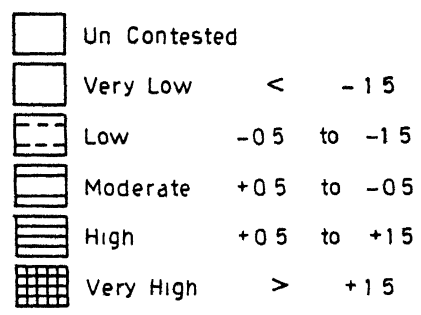
Fig 7 5 Distribution of Janta Dal Votes (Z Score) Loke Sabha & Vidhan Sabha 1991, 1989

मध्यम तल मे उन क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है जिनकी जेड लब्धि+0 5 से –0 5 के मध्य है इसके अन्तर्गत इलाहाबाद जिले की 1991 मे चायल 1989 मे इलाहाबाद लोकसभा क्षेत्र सम्मिलित है।

निम्न तल के अन्तर्गत जेड लब्धि–0 5 से –1 5 के मध्य वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है। इसके अन्तर्गत इलाहाबाद जिले मे 1991 मे इलाहाबाद एव 1989 मे फूलपुर ससदीय क्षेत्र सम्मिलित है।

इलाहाबाद जिले की जिले की किसी भी लोकसभा क्षेत्र मे किसी भी वर्ष मे जनता दल ने निम्नतम जेड लब्धि नही प्राप्त की है। इसकी सीमा –1 5 से कम निर्धारित की गयी है।

**7 2 3 2 विधान सभा जेड लब्धि तल** प्रस्तुत अनुभाग मे इलाहाबाद जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रो मे कुल मतो मे जनता दल को प्राप्त मत को जेड लब्धि मे परिवर्तित किया गया है। प्राप्त परिणामो को उच्चावचीय दृष्टिकोण मे विभक्त कर वर्णन किया गया है।

मानचित्र 7 5 मे निर्वाचन वर्ष 1991 एव 1989 मे प्राप्त जेड लब्धि को प्रदर्शित किया गया।

मानचित्रानुसार उच्चतम तल के अन्तर्गत इलाहाबाद जनपद मे 1991 मे मेजा एव 1989 मे प्रतापपुर विधान सभा क्षेत्र सम्मिलित है। इस तरह जनपद के दक्षिणी एव उत्तरी पूर्वी भाग उच्च जेड लब्धि तल उभरी है।

उच्च जनता दल तल के अन्तर्गत उनको सम्मिलित किया गया है जिनकी जेड लब्धि 0 5 से 1 5 के मध्य है इसके अन्तर्गत जिले की पूर्वी विधानसभा क्षेत्र

एव दक्षिणी विधान सभा क्षेत्र सम्मिलित है। मानचित्रानुसार वर्ष 1991 मे करछना हडिया प्रतापपुर 1989 मे मेजा करछना हडिया सोराव इलाहाबाद उत्तरी है।

मध्यम जनतादल तल के अन्तर्गत +0 5 से –0 5 के मध्य जेड लब्धि वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है। इसके अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1991 मे झूँसी सोराव नवाबगज चायल एव 1989 मे बारा झूसी सिराथू सम्मिलित है।

निम्न जनता दल तल के अन्तर्गत उन क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है जिनकी जेड लब्धि तल –0 5 से –1 5 के मध्य है। इसके अन्तर्गत 1991 मे इलाहाबाद उत्तरी इलाहाबाद दक्षिणी बारा मझनपुर सिराथू एव 1989 मे नवाबगज इलाहाबाद दक्षिणी सम्मिलित है।

निम्नतम जनतादल तल के अन्तर्गत जिनकी जेड लब्धि –1 5 से कम हो उन क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है इसके अन्तर्गत वर्ष 1991 मे इलाहाबाद पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित है।

**7 2 4 जनता दल का क्षेत्रीय सकेन्द्रण** प्रस्तुत अनुभाग मे जनतादल का सापेक्ष तुलनात्मक स्वरूप स्पष्ट किया गया। जनतादल की कुल मातो मे प्राप्त मत प्रतिशत को सकेन्द्रण मे परिवर्तित कर सापेक्ष स्थिति का निरूपण किया गया है।

**7 2 4 1 लोकसभा क्षेत्रीय सकेन्द्रण** इस भाग मे इलाहाबाद जनपद मे लोकदल वितरण के सापेक्ष स्थिति पर विवरण प्रस्तुत किया गया है। सापेक्ष वितरण इलाहाबाद जनपद मे 1991 एव 1989 मे सम्पन्न लोकसभा निर्वाचन का निरूपण किया गया है। मानचित्र 7 6 के अनुसार जनता दल का प्रदर्शन प्रतिरूप निम्नानुसार रहा।

उच्चतम सकेन्द्रण जिसकी सीमा 115 प्रतिशत से अधिक है इसमे कोई भी लोकसभा क्षेत्र सम्मिलित नही है।

उच्च सकेन्द्रण 100 से 115 के मध्य है। फिर भी इसमे इलाहाबाद जनपद मे जनता दल को कही भी उच्च सकेन्द्रण प्राप्त नही हुआ है।

मध्यम एव निम्न सकेन्द्रण मे क्रमश 80 से 100 एव 70 से 80 प्रतिशत वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है। किन्तु इसमे भी कोई लोकसभा क्षेत्र सम्मिलित नही है। जहॉ जनता दल ने सकेन्द्रण इस स्तर का प्राप्त किया हो।

निम्नतम सकेन्द्रण की सीमा 70 प्रतिशत से कम है इसके अन्तर्गत इलाहाबाद जनपद का सम्पूर्ण लोकसभा क्षेत्र सम्मिलित है। इस तरह स्पष्ट है कि लोकसभा निर्वाचन मे वर्ष 1991 एव 1989 मे जनता दल का सकेन्द्रण निम्नतम रहा।

**7 2 4 2 विधान सभा क्षेत्रीय सकेन्द्रण** इलाहाबाद जिले मे निर्वाचन वर्ष 1991 एव 1985 मे सम्पन्न विधान सभा निर्वाचन के लिए प्राप्त जनता दल सकेन्द्रण को मानचित्र 7 6 मे प्रस्तुत किया गया है। मानचित्रानुसार सम्पूर्ण जिले मे उत्पन्न प्रतिरूप निम्नवत है।

उच्चतम सकेन्द्रण क्षेत्र के अन्तर्गत 115 प्रतिशत से अधिक सकेन्द्रण वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है। मानचित्रानुसार इसमे किसी भी वर्ष मे कोई भी विधान सभा क्षेत्र सम्मिलित नही है।

उच्च सकेन्द्रण क्षेत्र के अन्तर्गत जिले के उन क्षेत्रो को रखा गया है जिनका सकेन्द्रण 100 से 115 प्रतिशत के बीच था। मानचित्रानुसार इसमे कोई भी क्षेत्र सम्मिलित नही है।
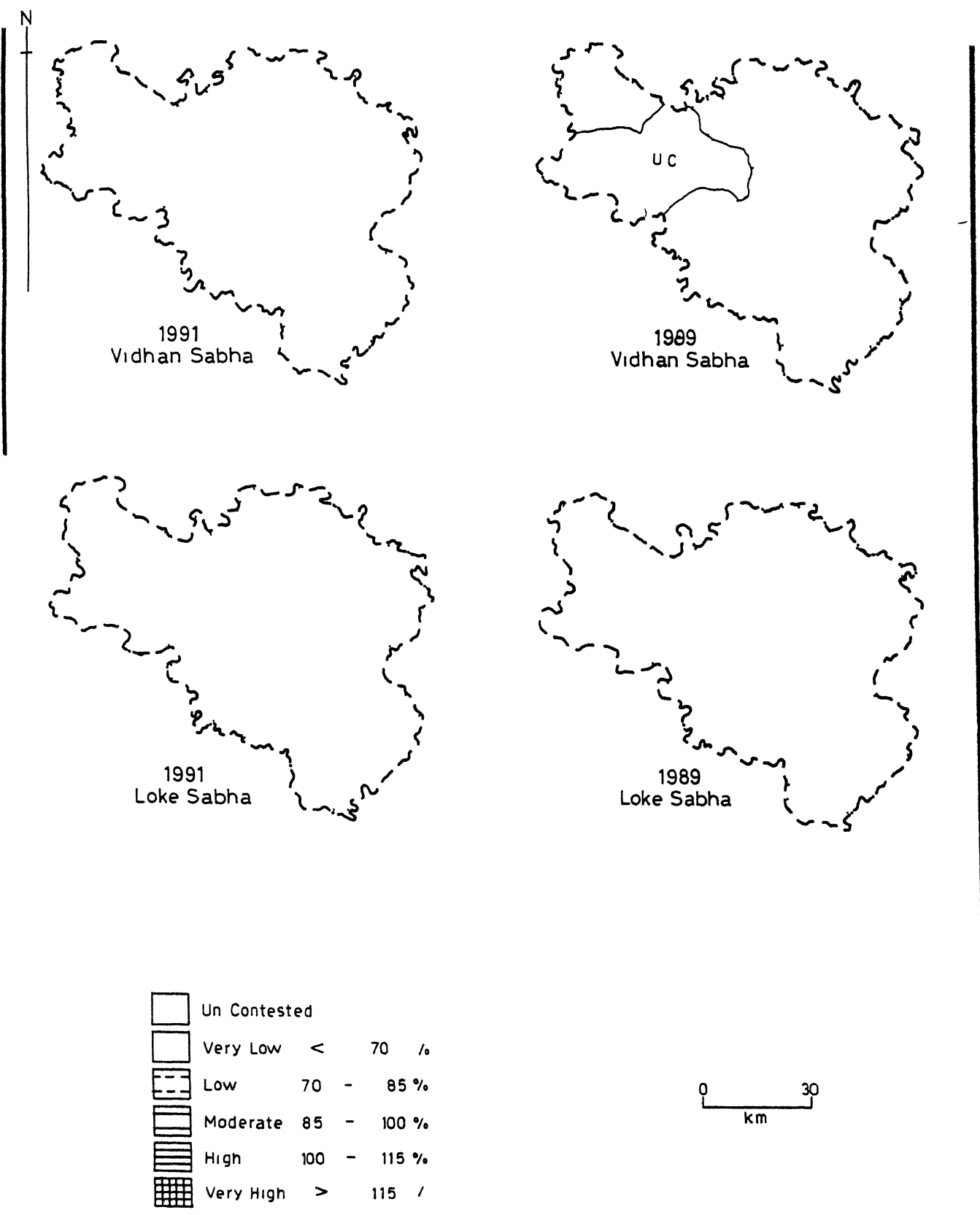
Fig 7.6 Spatial Concentration of Janta Dal Votes (Per cent) Loke Sabha &

मध्यम सकेन्द्रण मे उन क्षेत्रो की निरूपित किया गया है। जिनका सकेन्द्रण 85 से 100 प्रतिशत के मध्य था। इसके अन्तर्गत भी जनतादल किसी भी विधान सभा मे मध्यम सकेन्द्रण नही प्राप्त किया।

निम्न सकेन्द्रण के अन्तर्गत उन क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है जिनका सकेन्द्रण 70 से 85 प्रतिशत के मध्य था इसके अन्तर्गत भी कोई क्षेत्र सम्मिलित नही है।

निम्नतम सकेन्द्रण क्षेत्र के अन्तर्गत उन क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है जिसका सकेन्द्रण 70 प्रतिशत से कम है इसका विस्तार इलाहाबाद जिले के सम्पूर्ण विधान सभा क्षेत्रो मे वर्ष 1991 एव 1989 मे पाया गया।

इसके अतिरिक्त कुछ विधानसभा क्षेत्र ऐसे है जहॉ जनतादल ने निर्वाचन के लिए अपना उम्मीदवार ही नही खडा किया।

## 7 3 बहुजन समाज पार्टी

**7 3 1 बहुजन समाज पार्टी का विकास** बहुजन समाज पार्टी अपने उदय के प्रारम्भिक काल मे एक क्षेत्रीय दल के रूप मे स्थापित हुई। इस दल की स्थापना 14 अप्रैल 1980 को अम्बेडकर जन्म दिवस पर किया गया। इस क्षेत्रीय दल के उदय का प्रमुख कारण भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस जनता पार्टी लोकदल जैसे दलो के अखिल भारतीय स्वरूप मे कमी आना बडे राजनीतिक दलो का अनुसूचित जाति जनजाति दलित जैसी जातियो के प्रति दृष्टिकोण मे परिवर्तन आना। इन जातियो ने अपनी सुरक्षा माग अधिकारो के लिए सर्वप्रथम दबाव समूहो का गठन किया धीरे यही दबाव समूह मिलकर इस क्षेत्रीय दल का गठन किया। वास्तव मे यह दल दलित समाज शोषित सघर्ष समिति ($DS_4$) तथा

पिछडी जाति अल्पसख्य समुदाय कर्मचारी सघ (BAMCEF) का परिवर्तित सशोधित स्वरूप है। इस दल से अनुसूचित जाति जनजाति का लगाव एव समर्थन अधिक है। किन्तु वर्तमान मे पिछडावर्ग मुस्लिम समुदाय भी इस दल से जुड गया है। वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष काशीराम जी है एव राज्य स्तरीय नेतृत्व सुश्री मायावती के हाथ मे है।

प्रारम्भ मे यह दल केवल उ0प्र0 मे सक्रिय था किन्तु वर्तमान मे अन्य राज्यो पजाब मध्य प्रदेश बिहार दिल्ली राजस्थान मे सक्रिय है। उत्तर प्रदेश मे बहुजन समाज पार्टी ने 6 महीने के लिए भारतीय जनता पार्टी के सहयोग से सरकार का भी गठन किया। निर्वाचन वर्ष 1989 मे बहुजन समाज पार्टी ने लोकसभा की तीन सीटो मे विजय प्राप्त कर ससद मे अपनी उपस्थिति दर्ज करायी किन्तु 1991 के निर्वाचन मे लोकसभा मे बहुजन समाज पार्टी की स्थिति शून्य रही। वर्तमान 12वी लोकसभा निर्वाचन मे बहुजन समाज पार्टी एक प्रमुख राष्ट्रीय दल के रूप मे प्रतिस्थपित है इसके कुल 5 सासद लोक सभा मे है। वर्तमान राजनैतिक महौल मे जिसमे दलो की भूमिका बढी है बहुजन समाज पार्टी का प्रमुख स्थान है। विधानसभा चुनावो मे उत्तर प्रदेश एव मध्य प्रदेशमे बहुजन समाज पार्टी एक प्रमुख दल है जो अन्य दलो की राजनीति को पूरी तरह प्रभावित करती है। किन्तु उत्तर प्रदेश मे बहुजन समाज पार्टी मे हुए विभाजन से जनता मे इसकी लोकप्रियता घटी है। इसका प्रमुख कारण बहुजन समाज पार्टी नेताओ की अपनी हटधर्मिता वर्चस्ववाद है। फिर भी आज बहुजन समाज पार्टी अनुसूचित जाति जन जाति अल्पसख्यको की प्रमुख पार्टी है और उनका नैतिक समर्थन इस पार्टी को प्राप्त है।

**7 3 2 1 बहुजन समाज पार्टी का स्थानिक वितरण** प्रस्तुत अनुभाग मे बहुजन समाज पार्टी का इलाहाबाद जिले के विभिन्न लोकसभा एव विधानसभा
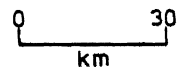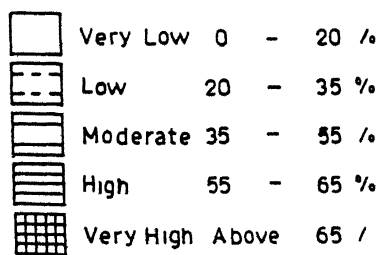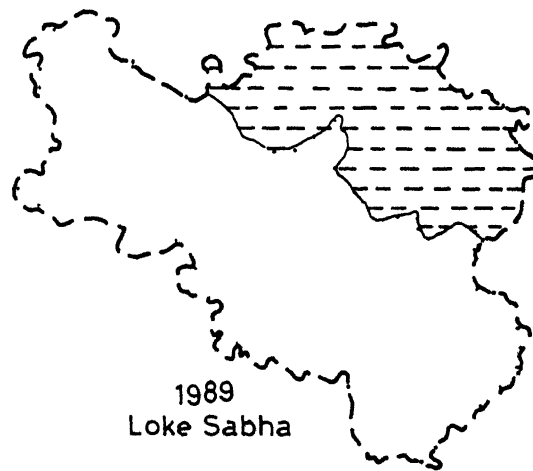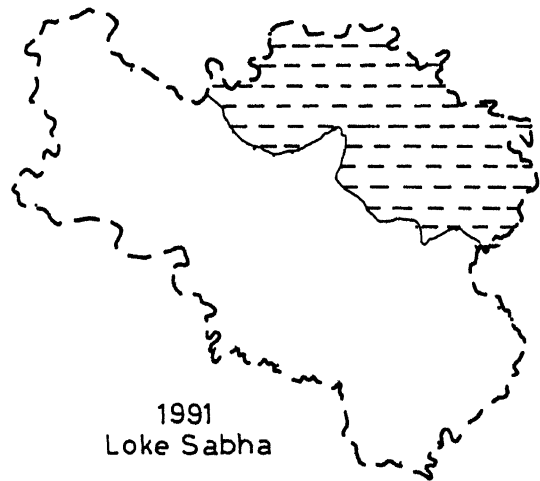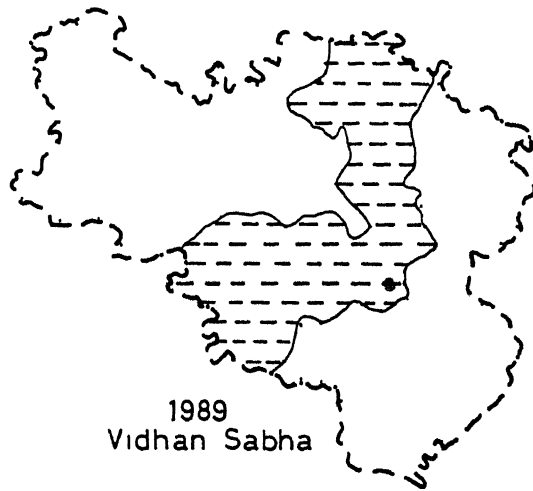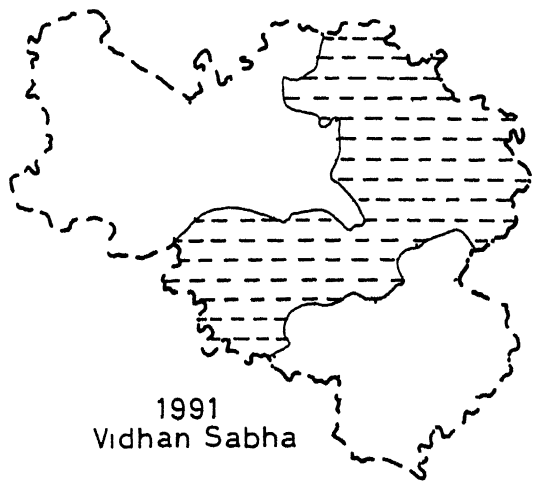
Fig 7 7 Absolute Distribution of B S P Votes (Percent) Loke Sabha &

निर्वाचन क्षेत्रो मे वास्तविक वितरण मानचित्र 77 के द्वारा प्रदर्शित किया गया है। यह मानचित्रण इलाहाबाद जिले मे लोकसभा एव विधानसभा निर्वाचन 1991 1989 द्वारा प्राप्त मतदान परिणामो के आधार पर किया गया है। बहुजन समाज पार्टी के प्रतिशत को पॉच भागो मे विभक्त किया गया है–

1) उच्चतम प्रतिशत वाले बहुजन समाज पार्टी क्षेत्र जिसके अन्तर्गत 65 प्रतिशत से अधिक वाले क्षेत्र सम्मिलित किये गये है।

2) उच्च प्रतिशत वाले बहुजन समाज पार्टी वाले क्षेत्र जिसके अन्तर्गत 55 से 65 प्रतिशत वाले क्षेत्र सम्मिलित है।

3) मध्यम प्रतिशत वाले बहुजन समाज पार्टी क्षेत्र जिसके अन्तर्गत 35 से 55 प्रतिशत वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है।

4) निम्न प्रतिशत वाले बहुजन समाज पार्टी क्षेत्र जिसके अन्तर्गत 20 से 35 प्रतिशत वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है।

5) निम्नतम प्रतिशत वाले बहुजन समाज पार्टी क्षेत्र जिसके अन्तर्गत 0–20 प्रतिशत वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है। उपरोक्त वर्गीकरण के आधार पर इलाहाबाद जिले के 1991 एव 1989 मे सम्पन्न लोकसभा एव विधान सभा निर्वाचन के अनुसार बहुजन समाज पार्टी का स्थानिक वितरण प्रतिरूप निम्नवत प्रस्तुत किया जा रहा है–

**7 3 2 1 1 उच्चतम क्षेत्र** मानचित्रानुसार उच्चतम प्रतिशत क्षेत्र के अन्तर्गत इलाहाबाद जिले का कोई भी लोकसभा क्षेत्र एव विधान सभा क्षेत्र सम्मिलित नही है। अर्थात किसी भी क्षेत्र मे बहुजन समाज पार्टी ने 65 प्रतिशत से अधिक मत नही प्राप्त किया है इस तथ्य का प्रतीक है कि बहुजन समाज

पार्टी का प्रभुत्व शिक्षित नगरीय व्यावसायिक जनसख्या मे नही है बल्कि अशिक्षित अल्पसख्यक अनुसूचित जाति एव जनजाति मे है।

**7 3 2 1 2 उच्च क्षेत्र** इस 55 से 65 प्रतिशत वाले क्षेत्र के अन्तर्गत इलाहाबाद जनपद का कोई भी ससदीय या विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित नही है।

**7 3 2 1 3 मध्यम क्षेत्र** मानचित्र 7 7 के अनुसार बहुजन समाज पार्टी इलाहाबाद जिले के किसी भी लोकसभा एव विधानसभा क्षेत्र मे 35 से 55 प्रतिशत मत नही प्राप्त किया है। अर्थात जनपद का काई भी क्षेत्र इराके अन्तर्गत सम्मिलित नही है।

**7 3 2 1 4 निम्न क्षेत्र** निम्न प्रतिशत वाले क्षेत्रो मे उन निर्वाचन क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है जहॉ बहुजन समाज पार्टी को कुल मतो का 20 से 35 प्रतिशत प्राप्त हुआ है। इसके अन्तर्गत वर्ष 1991 निर्वाचन मे फूलपुर (लोकसभा क्षेत्र) करछना बारा झूसी हण्डिया प्रतापपुर सोराव (विधानसभा क्षेत्र) सम्मिलित है। अर्थात बहुजन समाज पार्टी का प्रभुत्व ग्रामीण क्षेत्रो मे अधिक है।

**7 3 2 1 5 [illegible] क्षेत्र** इसके अन्तर्गत 0 से 20 प्रतिशत वाले क्षेत्र सम्मिलित किये गये है। इसके अन्तर्गत 1991 मे इलाहाबाद चायल (लोकसभा क्षेत्र) मेजा नवाबगज इलाहाबाद उत्तरी इलाहाबाद दक्षिणी इलाहाबाद पश्चिमी चायल मझनपुर सिराथू (विधान सभा) क्षेत्र एव 1989 मे इलाहाबाद चायल (लोकसभा क्षेत्र) मेजा हण्डिया प्रतापपुर नवाबगज इलाहाबाद उत्तरी इलाहाबाद दक्षिणी इलाहाबाद पश्चिमी चायल मझनपुर सिराथू (विधान सभा क्षेत्र) सम्मिलित है।

उपरोक्त निम्नतम समर्थन शहरी क्षेत्रो मे विद्मान है इसका कारण शहरी अनुसूचित जाति पिछडा अशिक्षित का दल की नीतियो से कुछ मायने मे सहमत होना।

**7 3 3 बहुजन समाजवादी पार्टी जेड लब्धि तल** प्रस्तुत अनुभाग मे इलाहाबाद जनपद के निर्वाचन वर्ष 1991 1989 के लोकसभा एव विधान सभा क्षेत्रो मे प्राप्त कुल मतो मे बहुजन समाज पार्टी को प्राप्त मतो की जेडलब्धि के माध्यम से मानचित्र 7 8 म प्रदर्शित किया गया है।

**7 3 3 1 लोकसभा जेड लब्धि तल** 1991 एव 1989 लोकसभा निर्वाचन के लिए प्राप्त जेडलब्धि को मानचित्र 7 8 मे प्रदर्शित किया गया है। जिसे पॉच भागो मे विभक्त किया गया है। उच्चतम उच्च मध्यम निम्न निम्नतम तल।

**उच्चतम तल** मे उन क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया हे। जिनकी जेड लब्धि +1 5 से अधिक थी। इसके अन्तर्गत इलाहाबाद जनपद का कोई ससदीय क्षेत्र सम्मिलित नही है।

**उच्च तल** के अन्तर्गत +0 5 से +1 5 के बीच लोकसभा क्षेत्रो को सम्मिलित किया है। इसके अन्तर्गत वर्ष 1991 मे चायल लोकसभा क्षेत्र एव 1989 मे फूलपुर लोकसभा क्षेत्र सम्मिलित है।

**मध्यम तल** मे उन निर्वाचन क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है जिनकी जेड लब्धि +0 5 से –0 5 के मध्य है। इसके अन्तर्गत 1991 निर्वाचन वर्ष मे इलाहाबाद ससदीय क्षेत्र सम्मिलित है। जब 1989 के निर्वाचन मे कोई क्षेत्र सम्मिलित नही है
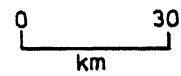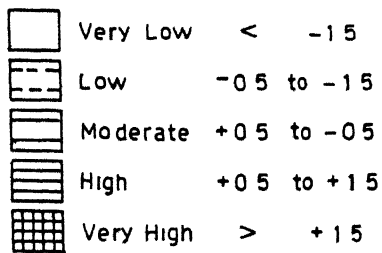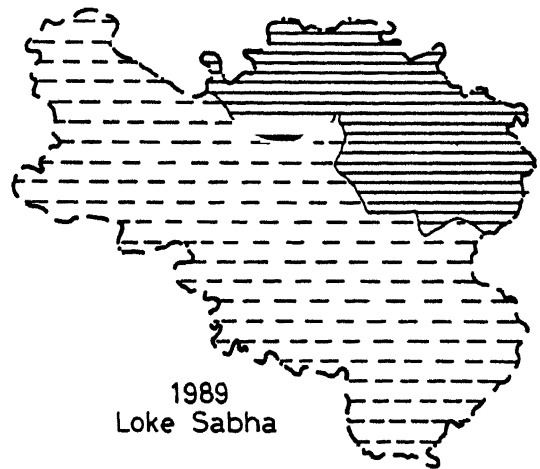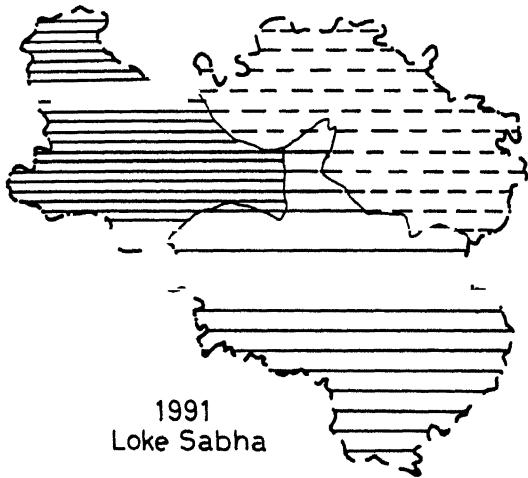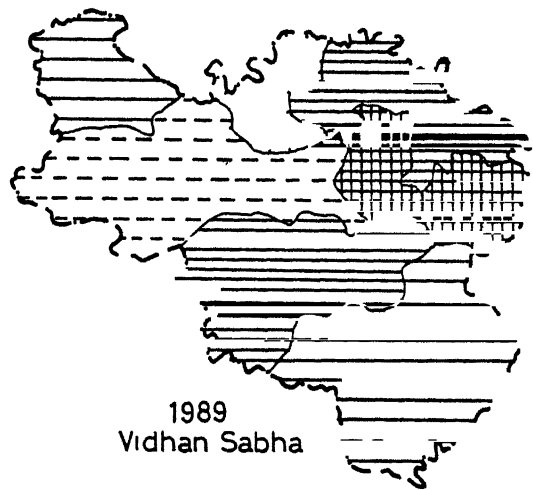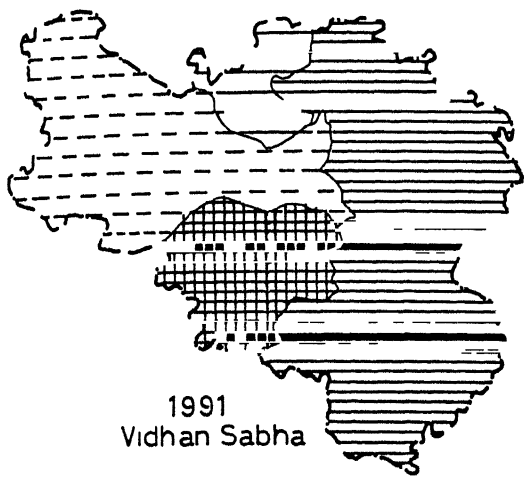
ig 7 8 Distribution of B S P Votes Loke Sabha & Vidhan Sabha (Z-Score) 1991,1989

**निम्न तल** मे उन क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है। जिनकी जेडलब्धि –0 5 से –1 5 के मध्य पाई गयी है। इसके अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1991 मे फूलपुर लोकसभा क्षेत्र एव 1989 मे फूलपुर इलाहाबाद लोकसभा क्षेत्र सम्मिलित है।

**निम्नतम तल** के अन्तर्गत उन निर्वाचन क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है जिनकी जेड लब्धि –1 5 से कम है इलाहाबाद जनपद के किसी भी लोकसभा क्षेत्र मे बहुजन समाज पार्टी निम्नतम जेड लब्धि नही प्राप्त की है।

**7 3 3 2 विधानसभ जेड लब्धि तल** इलाहाबाद जनपद मे 1991 1989 विधानसभा निर्वाचन के लिए प्राप्त जेड लब्धि का मानचित्र 7 8 मे प्रदर्शित किया गया है। जिसमे उत्पन्न प्रतिरूप निम्नवत है।

उच्चतम तल मे उन क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है। जिनकी जेड लब्धि +1 5 से अधिक है। इस प्रकार से इसके अन्तर्गत वर्ष्ज्ञ 1991 मे बारा विधानसभा क्षेत्र एव 1989 मे झूसी हडिया विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित है।

उच्चतल मे बहुजन समाज पार्टी के उन विधान सभा क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है जिनकी जेड लब्धि +0 5 से +1 5 के मध्यम है। इसके अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1991 मे मेजा करछना झूसी हडिया प्रतापपुरि सोराव एव 1989 मे करछा बारा प्रतापपुर सोराव विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित है।

मध्यम तल के अन्तर्गत +0 5 से –0 5 के जेड लब्धि वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है। इसके अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1991 मे नवाबगज एव 1989 मे मेजा सिराथू विधानसभा सम्मिलित है।

निम्नतल के अन्तर्गत –05 से –15 के मध्य जेड लब्धि वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है इसके अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1991 मे इलाहाबाद उत्तरी दक्षिणी पश्चिमी चायल मझनपुर सिराथू विधान सभा क्षेत्र एव 1989 मे इलाहाबाद उत्तरी इलाहाबाद दक्षिणी इलाहाबाद पश्चिमी चायल मझनपुर विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित है जिन क्षेत्रो की जेड लब्धि तल –15 से कम रही उन्हे निम्नतम के अन्तर्गत रखा गया है निर्वाचन वर्ष 1989 मे मात्र नवाबगज विधान सभा निम्नतम जेड लब्धि प्राप्त हुई। 1991 मे किसी विधानसभा की जेड लब्धि निम्नतम नही रही।

**7 3 4 बहुजन समाज पार्टी का क्षेत्रीय सकेन्द्रण** इस अनुभाग मे बहुजन समाज पार्टी के सापेक्ष वितरण को लोकसभा एव विधान सभा निर्वाचन के परिपेक्ष्य मे प्रस्तुत किया गया है। सापेक्ष वितरण के फलस्वरूप इलाहाबाद जिले के औसत बहुजन समाज पार्टी मत से विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रो की बहुजन समाज पार्टी की स्थिति का तुलनात्मक स्वरूप लोकसभा एव विधानसभा क्षेत्रो को मानचित्र 7 9 मे स्पष्ट किया गया है।

**7 3 4 1 लोकसभा क्षेत्रीय सकेन्द्रण** इलाहाबाद जनपद मे 1991 1989 लोकसभा निर्वाचन की सापेक्ष स्थिति को मानचित्र 7 9 मे प्रदर्शित किया गया। जिससे उत्पन्न प्रतिरूप निम्नवत है।

इलाहाबाद जिले के सकेन्द्रण प्रतिरूप को उच्चतम उच्च मध्यम निम्न निम्नतम पॉच भागो मे बॉटा गया जिसमे उच्चतम की सीमा 115 प्रतिशत के ऊपर उच्च की सीमा 100 से 115 प्रतिशत मध्यम की सीमा 85 से 100 प्रतिशत निम्न की सीमा 70 से 85 प्रतिशत एव निम्नतम की सीमा 70 प्रतिशत से कम निर्धारित की गई। तद्नुसार मानचित्र 7 9 मे निरूपण किया गया।
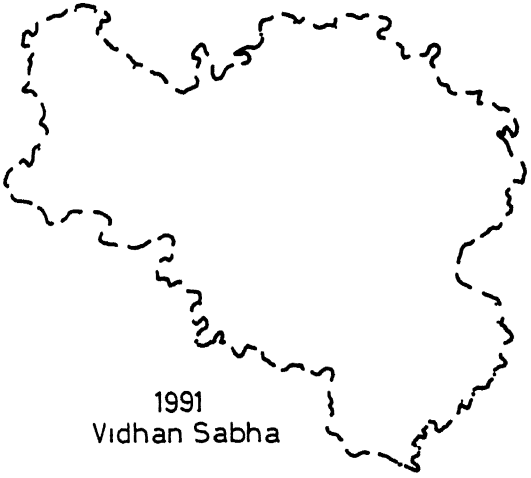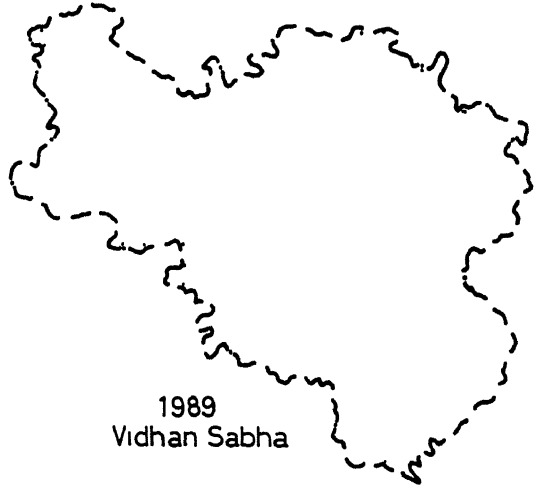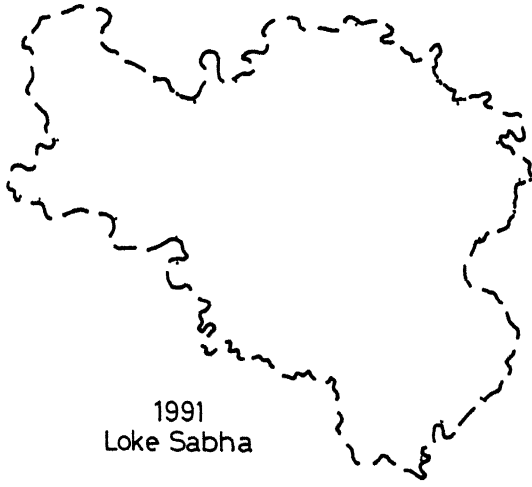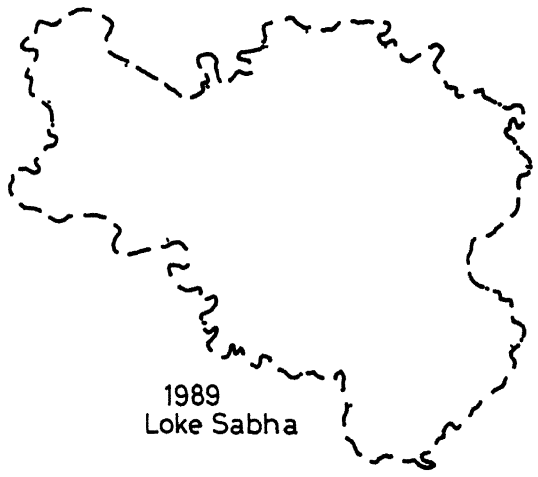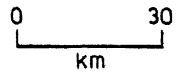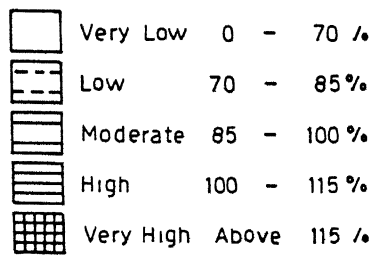
Fig 7 9 Spatial Concentration of B S P Votes Loke Sabha & Vidhan Sabha (Per cent) 1991, 1989

मानचित्रानुसार इलाहाबाद जनपद मे बहुजन समाज पार्टी उच्चतम उच्च मध्यम निम्न सकेन्द्रण की स्थिति कभी नही प्राप्त की। जनमत कभी भी पूर्ण बहुमत से बहुजन समाज पार्टी की मदद नही किया।

निम्नतम सकेन्द्रण क्षेत्र के अन्तर्गत 70 प्रतिशत से कम सकेन्द्रण को सम्मिलित किया गया। इसका विस्तार निर्वाचन 1991 एव 1989 मे सम्पूर्ण जनपद मे पाया गया।

**7 3 4 2 विधानसभा का क्षेत्रीय सकेन्द्रण** इलाहाबाद जनपद मे 1991 1989 विधानसभा निर्वाचन की सापेक्ष स्थिति को मानचित्र 7 9 मे प्रदर्शित किया गया है। जिससे उत्पन्न प्रतिरूप निम्नानुसार है।

सकेन्द्रण प्रतिरूप को लोकसभा निर्वाचन की तरह विधानसभा निर्वाचन के निर्धरित किया गया अर्थात सम्पूर्ण सकेन्द्रण को उच्चतम (115 प्रतिशत से अधिक) उच्च 100 से 115 प्रतिशत के मध्य मध्यम 85 से 100 के मध्य निम्न 70 से 85 के मध्य निम्नतम 70 प्रतिशत से कम 5 वर्गो मे विभाजित किया गया।

मानचित्र 7 9 के अनुसार इलाहाबाद जनपद मे बहुजन समाज पार्टी का सकेन्द्रण प्रतिरूप दोनो निर्वाचन वर्षो 1991 1989 मे कभी भी उच्चतम उच्च मध्यम निम्न नही रहा। बहुजन समाज पार्टी का सकेन्द्रण प्रतिरूप दोनो वर्षो मे विधानसभा क्षेत्रो मे निम्नतम था। निर्वाचन वर्ष 1991 एव 1989 के सन्दर्भ मे सम्पूर्ण जिले मे बहुजन समाज पार्टी निम्नतम दल समर्थन प्राप्त किया अर्थात सकेन्द्रण सभी विधान सभाओ मे 70 प्रतिशत से कम पाया गया।

निम्नतम दल समर्थन प्राप्त करने का प्रमुख कारण बहुजन समाज पार्टी का वर्चस्व सीमित जनसमुदाय मे होना जातिगत समीकरणो की प्रधानता, पार्टी के प्रशासनिक ढाचे का कमजोर होना दल मे व्यक्तिवाद को बढावा जमीनी

नेताओ की कमी जन कल्याण कार्यक्रमो का अभाव कार्यकर्ताओ की कमी अशिक्षित व्यक्तियो का दल से जुडा होना जो पार्टी की नीतियो क्रार्यक्रमा की जानकारी सही ढग से जनमत को नही समझा पाते है।

विश्लेषण से यह भी स्पष्ट हुआ कि पार्टी अपनी छवि कार्यक्रम नीति सीमित लोगो तक ही रखना चाहती है। उपरोक्त परिस्थितियो के होते हुए भी भविष्य मे इस दल के विकास की सम्भावनाये अन्य दलो यथा समाजवादी पार्टी मार्क्सवादी पार्टी समता पार्टी से सर्वाधिक है।

## अष्टम् अध्याय

# मतदान एवं सामाजिक चरों के बीच सह—सम्बन्ध

# 8 मतदान एव सामाजि•ज चरो के बीच सह–सम्बन्ध

सामाजिक विचार मानव चेतना एव भावनाओ को स्वय सगठित एव विकसित करते है। विचार भावना आचरण के परिष्करण से ही सृजनात्मक प्रवृत्ति का निर्माण होता है। यह परिवर्तन सामाजिक सरचना को सुदृढ करता है क्योकि व्यक्ति अपने से ऊपर उठकर सामाजिक विकास को महत्व देता है। इस तरह सामाजिक और राजनैतिक चिन्तन मनन से व्यावध्हारिक उपयोगिता और सुन्दरता दोनो का समावेश होता है। यह सत्य है कि मानव का बहुमुखी विकास प्रकृति से प्रभावित और नियन्त्रित है परन्तु सामाजिक सरचना का विकास वातावरण के आधार पर होता है।

प्रारम्भ से ही भारत मे राजनैतिक व्यवहारो मे व्यापक परिवर्तन होता रहा है। फिर भी यहॉ की सामाजिक सरचना मे अनेकता मे एकता का दर्शन है। उपरोक्त तथ्यो को ध्यान मे रखकर चरो का चयन इलाहाबाद जनपद की राजनैतिक परिस्थिति के अनुसार किया गया है इसके मूलरूप से राजनैतिक प्रासगिकता को ध्यान मे रखा गया है।

कुल जनसख्या अनुसूचित जाति एव जनजाति साक्षर जनसख्या हिन्दू एव मुस्लिम जनसख्या का निर्वाचन व्यवहार मतदान मे उनकी अभिरूचि के माध्यम मे निर्धारित करने का प्रयास प्रस्तुत अध्याय मे किया गया है। प्रस्तुत अध्याय को सुविधा की दृष्टि से आठ अनुभागो मे विभाजित किया गया है। प्रथम अनुभाग 8 1 मे सामाजिक चरो मे सह–सम्बन्ध निरूपित करने के लिए द्विचरीय एव बहुचरीय समाश्रयण परिणामो का विश्लेषण किया गया है। द्वितीय अनुभाग 8

2 मे  मतदान एव कुल जनसख्या के मध्य सह–सम्बन्ध निरूपित किया गया है। तृतीय अनुभाग 8 3 मे मतदान एव अनुसूचित जाति जनसख्या के मध्य सह–सम्बन्ध निरूपित कर स्थानिक वितरण प्रस्तुत किया गया है। चतुर्थ अनुभाग 8 4 मे मतदान एव जनजाति जनसख्या 8 5 मे मतदान एव साक्षर जनसख्या तथा 8 6 मे मतदान एव हिन्दू सख्या 8 7 मे मतदान एव मुस्लिम जनसख्या के मध्य सह–सम्बन्ध निरूपित कर स्थानिक वितरण प्रस्तुत किया गया है। अन्त मे अनुभाग 8 8 मे मतदान एव सयुक्त चरो के मध्य स्थापित सम्बन्ध का वर्णन प्रस्तुत किया गया है।

## 8 1 समाश्रयण प्रतिमान

रैखिक समाश्रयण प्रतिमान (द्विचरीय एव बहुचरीय) के द्वारा मतदान एव सामाजिक चरो के मध्य सम्बन्धो का विश्लेषण क्रमबद्ध ढग से किया जा रहा है। मतदान एव सामाजिक चरो के मध्य रैखिक सह–सम्बन्ध प्रतिमान निम्न सूत्र द्वारा स्पष्ट होता है।

$Y = a + bx$ (द्विचरीय)

$Y = a + b_1x_1 + b\ x_2 + b_3x_3 + b_4x_4 + b_5x_5 + b_6x_6$ (बहुचरीय)

$Y$ = मतदान

a = मतदान के उस परिणाम को बताता है जब मतदान पर सामाजिक–आर्थिक चरो का प्रभाव शून्य हो। b = सामाजिक आर्थिक चरो मे परिवर्तन के फलस्वरूप मतदान मे परिवर्तन की दर को बताता है।

$X_1$ = प्रथम चर (कुल जनसख्या)

$X_2$ = द्वितीय चर (अनुसूचित जाति जनसख्या)

$X_3$ = तृतीय चर (जनजाति जनसख्या)

$X_4$ = चर्तुथ चर (साक्षर जनसख्या)

$X_5$ = पचम चर (हिन्दू जनसख्या)

$X_6$ = षष्टम चर (मुस्लिम जनसख्या)

इस प्रकार $X_1$ से $X_6$ का अभिप्राय सामाजिक आर्थिक चरो से है।

समाभ्रमण प्रतिमान के द्वारा सामाजिक आर्थिक चरो के मध्य सम्बन्धो की प्रकृति मात्रा एव सम्बन्धो का प्रसरण प्राप्त हुआ है जिसका विवरण निम्नानुसार है–

**8 1 1 सम्बन्धो की प्रकृति** इलाहाबाद जिले मे 1962 से 1991 तक सम्पन्न विधान सभा निर्वाचन के लिए समाश्रयण प्रतिमानो का गणितीय अध्ययन किया गया जिसका विवरण तालिक 8 1 1 से 8 1 8 तक दिया गया है।

**तालिका–8 1**

## सम्बन्धो की प्रकृति समाश्रयण प्रतिमान (1991)

द्विचरीय

प्रथम चर – 12871 73–5 717 $x_1$

द्वितीय चर – 12871 73–0 015 $x_2$

तृतीय चर – 12871 73– 0119 $x_3$

चतुर्थ चर – 12871 73–4 578 $x_4$

बहुचरीय

सयुक्तचर

$12871\ 73 - 5\ 717\ x_1 - 0\ 015\ x_2 - 00119\ x_3 - 4\ 578\ x_4$

तालिका 8 1 2

## सम्बन्धो की प्रकृति समाश्रयण प्रतिमान 1989

द्विचरीय–

प्रथम चर – $33937\ 92 - 0190\ x_1$

द्वितीय चर – $33937\ 92 - 01940\ x_2$

तृतीय चर – $33937\ 92 - 0302\ x_3$

चर्तुथ चर – $33937\ 92 - 0502\ x_4$

पचम चर – $33937\ 92 + 1\ 919\ x_5$

षष्टम चर – $33937\ 92 - 1\ 526\ x_6$

बहुचरीय–

सयुक्त चर–

$33937\ 92 - 0190\ x_1 - 1940\ x_2 - 0302\ x_3 - 0502\ x_4 + 1\ 919\ x_5 - 1\ 526\ x_6$

तालिका 8 1 3

## सम्बन्धो की प्रकृति समाश्रयण प्रतिमान (1985)

द्विचरीय–

प्रथम चर – $15895\ 78 + 019\ x_1$

द्वितीय चर – 15895 78 + 089 $x_2$

तृतीय चर – 15895 78 + 032 $x_3$

चर्तुथ चर – 15895 78 + 024 $x_4$

पचम चर – 15895 78 + 022 $x_5$

षष्टम चर – 15895 78 + 083 $x_6$

बहुचरीय–

15895 78 + 019 $x_1$+ 089 $x_2$+ 032 $x_3$+ 024 $x_4$+ 022 $x_5$+ 083 $x_6$

तालिका 8 1 4

## सम्बन्धो की प्रकृति समाभ्रमण प्रतिमान (1980)

**द्विचरीय–**

प्रथम चर – 14497 13 – 0303 $x_1$

द्वितीय चर – 14497 13 – 01360 $x_2$

तृतीय चर – 14497 13 – 1021 $x_3$

चर्तुथ चर – 14497 13 – 0427 $x_4$

पचम चर – 14497 13 – 0125 $x_5$

षष्टम चर – 14497 13 – 0510 $x_6$

**बहुचरीय–** 14497 13 – 0303 $x_1$– 01360 $x_2$– 1021 $x_3$– 0427 $x_4$– 0125 $x_5$– 0510 $x_6$

तालिका 8 1 5

## सम्बन्धो की प्रकृति समाश्रयण प्रतिमान (1977)

द्विचरीय–

प्रथम चर – 85522 43 – 007 $x_1$

द्वितीय चर – 85522 43 – 0624 $x_2$

तृतीय चर – 85522 43 – 2 168 $x_3$

चर्तुथ चर – 85522 43 – 0256 $x_4$

पचम चर – 85522 43 – 0097 $x_5$

षष्टम चर – 85522 43 – 0506 $x_6$

बहुचरीय–

85522 43 – 007 $x_1$– 0624 $x_2$– 2 168 $x_3$– 0256 $x_4$– 0097 x 0506 $x_6$

तालिका 8 1 6

## सम्बन्धो की प्रकृति समाश्रयण प्रतिमान (1974)

द्विचरीय–

प्रथम चर – 851342 – 0031 $x_1$

द्वितीय चर – 851342 – 0515 $x_2$

तृतीय चर – 8513 42 – 0416 $X_3$

चर्तुथ चर – 8513 42 – 0224 $X_4$

पचम चर – 8513 42 – 0091 $X_5$

षष्टम चर – 8513 42 – 0572 $X_6$

**बहुचरीय–**

8513 42 – 0031 $X_1$– 0515 $X_2$– 0416 $X_3$– 0224 $X_4$– 0091 $X_5$– 0572 $X_6$

**तालिका 8 1 7**

## सम्बन्धो की प्रकृति समाश्रयण प्रतिमान (1967)

**द्विचरीय–**

प्रथम चर – 6004 73 – 0111 $X_1$

द्वितीय चर – 6004 73 + 0831 $X_2$

तृतीय चर – 6004 73 – 0052 $X_3$

चर्तुथ चर – 6004 73 – 0054 $X_4$

पचम चर – 6004 73 – 0341 $X_5$

षष्टम चर – 6004 73 – 0251 $X_6$

**बहुचरीय–**

6004 73 – 0111 $x_1$ + 0831 $x_2$ – 0052 $x_3$ – 0054 $x_4$ – 0341 $x_5$
0251 $x_6$

## तालिका 8 1 8

## सम्बन्धो की प्रकृति समाभ्रमण प्रतिमान (1962)

द्विचरीय–

प्रथम चर – 68908 18 + 176 $x_1$

द्वितीय चर – 68908 18 + 1 592 $x_2$

तृतीय चर – 68908 18 + 792 $x_3$

चर्तुथ चर – 68908 18 – 2570 $x_4$

बहुचरीय–

68908 18 + 176 $x_1$ + 1 592 $x_2$ + 792 $x_3$ – 2570 $x_4$

तालिका 8 1 1 से 8 1 8 का अध्ययन करने के उपरान्त निम्नलिखित निष्कर्ष निकलता है–

1 निर्वाचन वर्ष 1962 से 1991 तक अधिकाश चरो के साथ सम्बन्ध ऋणात्मक पाया गया है।

2 निर्वाचन वर्ष 1992 1977 1974 के सम्पूर्ण चर ऋणात्मक है।

3 निर्वाचन वर्ष 1989 मे पचम चर मे धनात्मक सम्बन्ध है बाकी सभी चरो मे ऋणात्मक सम्बन्ध है।

4 निर्वाचन वर्ष 1985 सभी चरो मे धनात्मक सम्बन्ध है।

5 निर्वाचन वर्ष 1980 मे षष्टम चर मे धनात्मक सम्बन्ध है।

6 निर्वाचन वर्ष 1967 मे द्वितीय चर मे धनात्मक सम्बन्ध है।

7 निर्वाचन वर्ष 1962 मे प्रथम द्वितीय तृतीय चरो मे धनात्मक सम्बन्ध पाया गया जब कि चर्तुथ चर मे ऋणात्मक सम्बन्ध है।

## 8 1 2 सम्बन्धो की मात्रा

इस अनुभाग मे 1962 से 1992 तक के निर्वाचन मे चरो के सम्बन्धो की मात्रा या डिग्री का वर्णन प्रस्तुत किया जा रहा है। पॉचो चरो के साथ मतदान का सह–सम्बन्ध गुणाक निरूपित किया जा रहा है। सह–सम्बन्ध तालिका 8 1 2 1 मे प्रस्तुत किया गया है।

तालिका– 8 1 2 1

### सम्बन्धो की मात्रा (सह सम्बन्ध गुणाक) 1962–1991

| क्रम | चर | 1962 | 1967 | 1974 | 1977 | 1980 | 1985 | 1989 | 1991 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | प्रथम चर (कुल जनसख्या) | + 473 | 295 | 075 | 160 | 428 | + 282 | 130 | 005 |
| 2 | द्वितीय चर (अनुसूचित जाति जन) | + 342 | 095 | 212 | 257 | 336 | + 246 | 250 | 077 |
| 3 | तृतीय चर (जनजाति जनसख्या) | N A | 075 | 288 | 332 | 321 | + 255 | N A | 1150 |
| 4 | चतुर्थ चर (साक्षर जन) | 046 | 076 | 288 | 335 | 331 | + 024 | 208 | 187 |
| 5 | पचम चर (हिन्दू जन) | N A | 036 | 232 | 248 | 195 | + 293 | + 001 | N A |
| 6 | षष्टम् चर (मुस्लिम जनसख्या) | N A | 042 | 098 | 085 | 151 | + 304 | 264 | N A |
| 7 | सयुक्त चर | 473 | 295 | 075 | 160 | 428 | + 282 | 130 | 005 |

तालिका 8 1 2 1 के अध्ययन से निम्न निष्कर्ष निकलते है–

1 निर्वाचन वर्ष 1991 मे मतदान के साथ सभी चरो का सह सम्बन्ध निम्न ऋणात्मक पाया गया।

2 निर्वाचन वर्ष 1989 मे पचम चर का धनात्मक सह–सम्बन्ध का बाकी सभी मे ऋणात्मक सह–सम्बन्ध है।

3 निर्वाचन वर्ष 1985 मे सयुक्त चर ऋणात्मक सह–सम्बन्ध धारण किये है बाकी सभी का मतदान के साथ धनात्मक सह–सम्बन्ध है।

4 निर्वाचन वर्ष 1980 मे सयुक्त चर का मतदान के साथ सह–सम्बन्ध धनात्मक है बाकी सभी का ऋणात्मक सह–सम्बन्ध है।

5 निर्वाचन वर्ष 1977 1974 मे मतदान के साथ समस्त चरो का सम्बन्ध ऋणात्मक है किन्तु अन्तर के साथ।

6 निर्वाचन वर्ष 1967 मे समस्त चरो का मतदान के साथ निम्न ऋणात्मक सम्बन्ध है।

7 निर्वाचन वर्ष 1962 मे मतदान के साथ प्रथम द्वितीय एव सयुक्त चर मे धनात्मक सम्बन्ध है बाकी सभी मे ऋणात्मक सह–सम्बन्ध है।

## 8 1 3 समाश्रयण अवशेष

समाश्रयण प्रतिमान से सामाजिक चरो के आधार पर अनुमानित मतदान तथा वास्तविक मतदान के अन्तर (विचलन) को मतदान का समाश्रयण अवशेष कहा गया है। इस समाश्रयण अवशेष को मानचित्रण के लिए मानक लाब्धि मे

परिवर्तित किया गया है। तदोपरान्त इन अवशेषो को विभिन्न वर्गो मे विभक्त किया गया ये वर्ग तालिका–8 1 3 1 मे वर्णित है।

तालिका 8 1 3 1

## समाश्रयण से प्राप्त अवशेषो के वर्ग

| वर्ग | सीमाये मानकलब्धि | दिशा एव स्तर | क्षेत्र विवरण |
|---|---|---|---|
| 1 | 1 5 से ऊपर | उच्चतम धनात्मक | सामान्य से अधिक उच्चतम |
| 2 | 1 0 से 1 5 | उच्च धनात्मक | सामान्य से अधिक (उच्च) |
| 3 | 0 5 से 1 0 | उच्च मध्यम | सामान्य से अधिक (मध्यम) |
| 4 | 0 5 से –0 5 | मध्यम | सामान्य |
| 5 | –0 5 से –1 0 | ऋणात्मक मध्यम | सामान्य से निम्न (मध्यम) |
| 6 | –1 0 से –1 5 | ऋणात्मक उच्च | सामान्य से निम्न (उच्च) |
| 7 | –1 5 से ऊपर | ऋणात्मक उच्चतम | सामान्य से निम्न (उच्चतम) |

समाभ्रमण अवशेषो के माध्यम से सफल एव असफल क्षेत्रो का निर्धारण किया गया। मतदान के साथ पृथक–पृथक चरो एव सयुक्त चरो के सफल क्षेत्र वे है जहॉ इनके मध्य सम्बन्ध सम्पूर्ण रूप मे पाया गया। वास्तविक रूप से मध्यम वर्ग वाले क्षेत्रो से ही परिकल्पना पूर्ण हुई है।

**तालिका– 8 1 3 1**

## मानक त्रुटि (1962–1991)

| क्रम | चर | 1962 | 1967 | 1974 | 1977 | 1980 | 1985 | 1989 | 1991 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | प्रथम चर | 094 | 010 | 011 | 0131 | 0185 | 0188 | 041 | 0031 |
| 2 | द्वितीय चर | 1 26 | 249 | 068 | 067 | 110 | 101 | 216 | 057 |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | तृतीय चर | N A | N A | 066 | 087 | 151 | N A | 021 | 11 41 |
| 4 | चतुर्थ चर | 1 57 | 0197 | 021 | 020 | 035 | 0312 | 067 | 011 |
| 5 | पचम चर | N A | N A | 011 | 0110 | 0184 | 0207 | 046 | N A |
| 6 | षष्टम चर | N A | N A | 167 | 171 | 0191 | 075 | 160 | N A |
| 7 | सयुक्त चर | 094 | 0103 | 0117 | 0131 | 0094 | 0188 | 041 | 0031 |

## तालिका– 8 1 3 3

## एफ0 अनुपात

| क्रम | चर | 1962 | 1967 | 1974 | 1977 | 1980 | 1985 | 1989 | 1991 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | प्रथम चर | 3 47 | 1 14 | 069 | 318 | 2 69 | 1 044 | 209 | 3 5 |
| 2 | द्वितीय चर | 1 59 | 111 | 567 | 855 | 1 529 | 773 | 801 | 072 |
| 3 | तृतीय चर | N A | N A | 651 | 1 27 | 89 | N A | 65 | 161 |
| 4 | चतुर्थ चर | 026 | 070 | 1 091 | 1 53 | 1 485 | 609 | 546 | 43 |
| 5 | पचम चर | N A | N A | 687 | 789 | 476 | 1 131 | 1 68 | N A |
| 6 | षष्टम चर | N A | N A | 116 | 088 | 861 | 1 223 | 899 | N A |
| 7 | सयुक्त चर | 3 473 | 1 148 | 069 | 318 | 794 | 107 | 209 | 3 50 |

## तालिका– 8 1 3 4

## मान की मानक त्रुटि 1962–1991

| क्रम | चर | 1962 | 1967 | 1974 | 1977 | 1980 | 1985 | 1989 | 1991 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | प्रथम चर | 63161.52 | 5970 79 | 8835 80 | 8755 18 | 13637.21 | 15868 84 | 35020.27 | 13397 12 |
| 2 | द्वितीय चर | 67391 13 | 6221.31 | 8658 75 | 8570.39 | 14211 10 | 16036.35 | 34200 82 | 13357 04 |
| 3 | तृतीय चर | N A | N A | 8325 10 | 8460.30 | 12210 80 | N A | 3418.20 | 13308 42 |
| 4 | चतुर्थ चर | 71642.90 | 6231 70 | 8483 83 | 8353 81 | 14223 92 | 16140.31 | 34546.24 | 13160 95 |
| 5 | पचम चर | N A | N A | 8617 68 | 8592.43 | 14798 72 | 15816 13 | 35323 68 | N A |

| 6 | षष्टम चर | N A | N A | 8818 37 | 8838.21 | 14601.32 | 15761 27 | 34070 61 | N A |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | सयुक्त चर | 63161.52 | 5970 79 | 8835 80 | 8755 18 | 6353 80 | 16471 76 | 35020.27 | 13397 |

प्रस्तुत अध्ययन की परिकल्पना निर्धारित थी कि क्या मतदान पर अन्य चरो एव सयुक्त चरो का प्रभाव पडता है। अध्ययन मे यह स्पष्ट हुआ कि कुछ चरो का प्रभाव व्यापक रूप से मतदान पर पडा यद्यपि कुछ चरो का प्रभाव निम्नतम रहा लेकिन सयुक्त चर के द्वारा अध्ययन करने पर परिकल्पना पूर्ण सिद्ध हुई। जिसका पूर्ण विवरण अध्याय के अगले अनुभागो मे वर्णित है।

अध्ययन से यह बात भी स्पष्ट हुई की जनसख्या का कुछ वर्ग मतदान के प्रति अधिक जागरूक है जब कि कुछ वर्ग मे जागरूकता मध्यम है। राजनैतिक जागरूकता मुख्य रूप से शिक्षित वर्ग मे अधिक है जबकि अन्य वर्ग मे मध्यम। इस तरह अपनी परिकल्पना पूर्णत सिद्ध हुई।

तालिका 8 1 3 1 के आधार पर समाश्रयण अवशेषो को तीन भागो मे रखा गया सामान्य क्षेत्र सामान्य से अधिक सामान्य से निम्न। सामान्य क्षेत्र के अन्तर्गत वे चर है जहा मतदान एव चरो के मध्य सम्बन्ध मध्यम है सामान्य से अधिक एव सामान्य निम्न को असफल क्षेत्रो के रूप मे प्रदर्शित किया गया। अर्थात् इन क्षेत्रो मे मतदान एव घटको के मध्य रैखिक सम्बन्ध नही पाया गया।

## 8 2 मतदान एव कुल जनसख्या सह–सम्बन्ध

प्रस्तुत अनुभाग मे इलाहाबाद जिले मे 1962 से 1991 मे सम्पन्न विधान सभा निर्वाचन मे मतदान प्रतिशत तथा प्रथम चर के मध्य स्थापित रैखिक सम्बन्धो वाले क्षेत्रो एव असम्बन्ध क्षेत्रो का वर्णन किया गया है। इन समाश्रयण अवशेषो
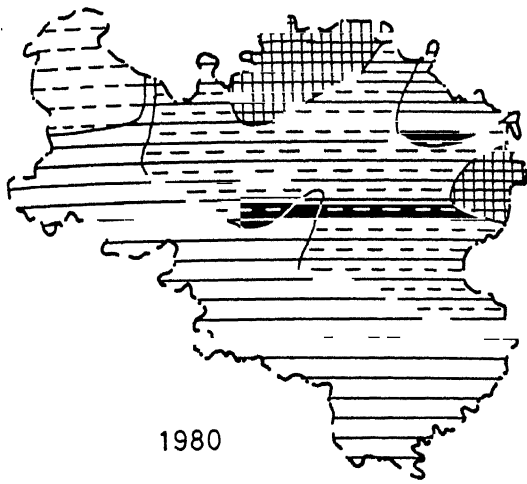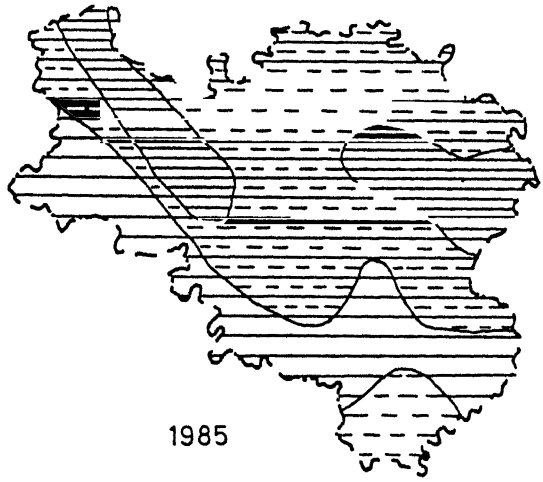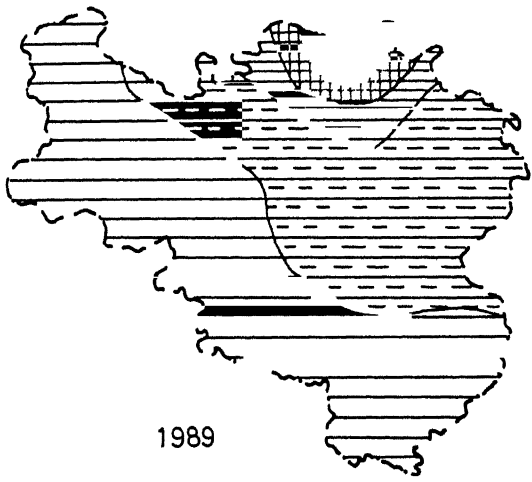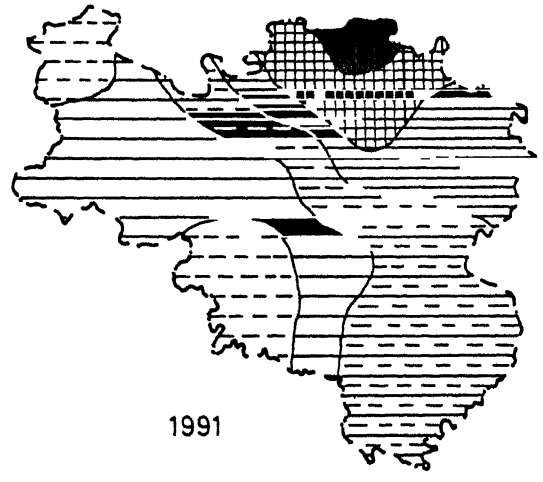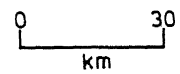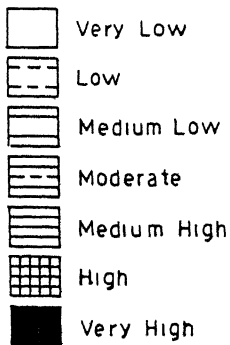
Fig 8 2 1 Relationship Between Turnout and Population 1980-91 Bivariate Regression
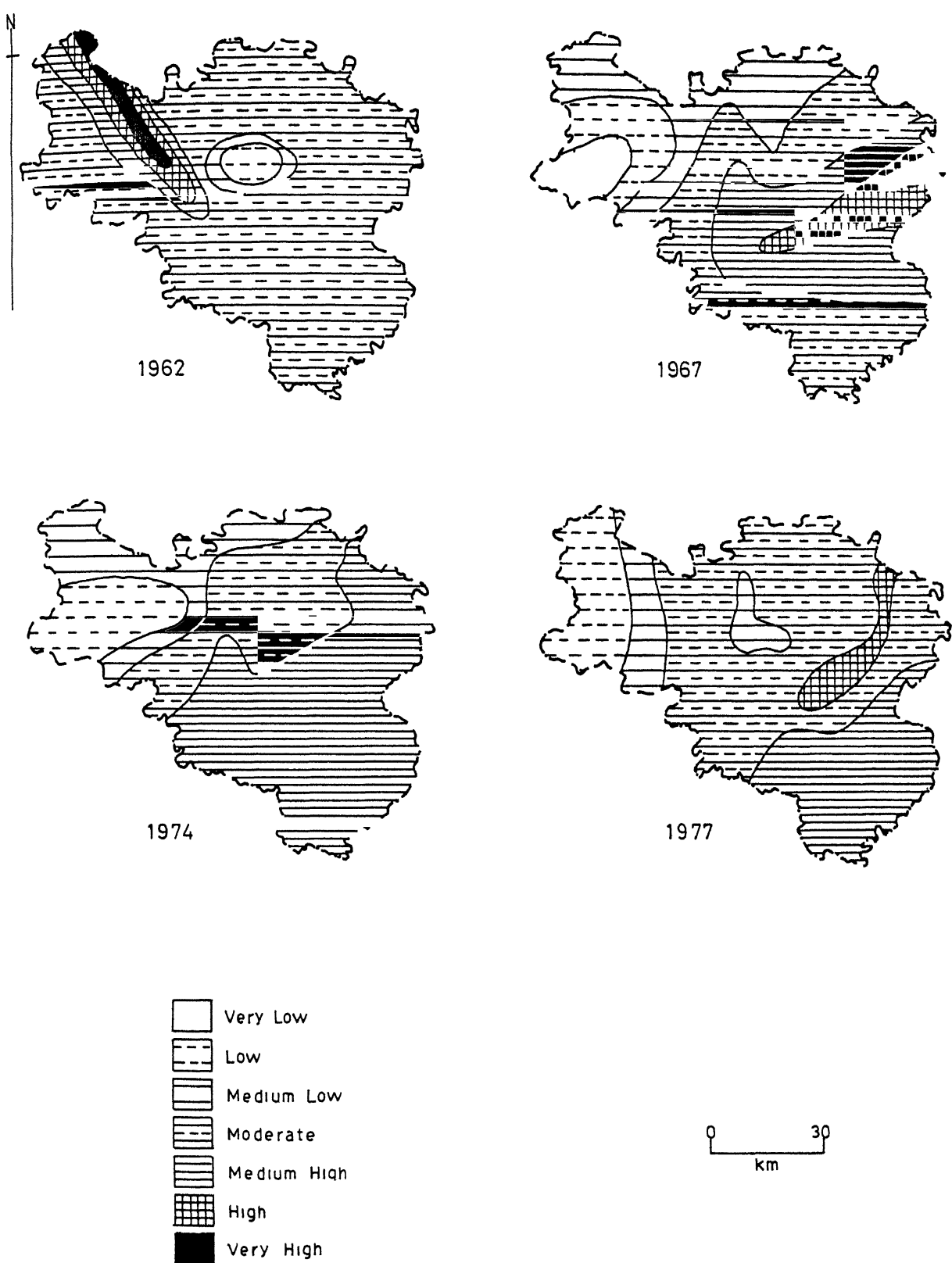
Fig 8.22 Relationship Between Turnout and Population 1962 - 77 Bivariate Regression

को मानचित्र 8 2 1 एव 8 2 2 मे प्रदर्शित किया गया है। इस प्रकार के क्षेत्रो का प्रदर्शन निम्नानुसार निरूपित है।

## 8 2 1 सामान्य क्षेत्र

1962 से 1991 तक सम्पन्न विधान सभा निर्वाचन के मतदान एव कुल जनसख्या चर के मध्य रैखिक सम्बन्ध वाले क्षेत्र इलाहाबाद जनपद मे निम्नानुसार विद्यमान है। इसके अन्तर्गत 1991 मे मेजा करछना विधान सभा का 80 प्रतिशत से अधिक भाग सम्मिलित है अर्थात मेजा करछना का पश्0 भाग छोडकर सम्पूर्ण भाग सामान्य क्षेत्र के अन्तर्गत है। इसके अतिरिक्त इलाहाबाद दक्षिणी का दक्षिणी पश्0 उत्तरी भाग इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा का उत्तर पूर्व भाग छोडकर सम्पूर्ण भाग इलाहाबाद पश्चिमी विधानसभा एव चायल विधान सभा उत्तरी एव उत्तरी पूर्वी भाग नवाबगज विधान सभा का दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे मेजा का उत्तरी पूर्वी भाग सम्पूर्ण करछना हडिया इलाहाबाद दक्षिणी उत्तरी विधान प्रतापपुर का दक्षिणी पूर्वी भाग नवाबगज का दक्षिणी पश्चिमी भाग एव चायल का उत्तरी पूर्वी भाग इलाहाबाद पश्चिमी विधान सभा का उत्तरी पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे मेजा का उत्तरी पूर्वी भाग करछना बारा का अधिकाश भाग सम्मिलित है इसके अतिरिक्त लगभग सम्पूर्ण जिले मे सामान्य मतदान प्रतिरूप प्रदर्शित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे मेजा का उत्तरी पूर्वी करछना इलाहाबाद उत्तरी पश्चिमी चायल सम्पूर्ण विधान सभा प्रतापपुर का उत्तरी पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मेजा नवाबगज सोराव इलाहाबाद पश्चिमी चायल सम्पूर्ण विधान सभा क्षेत्र मेजा का दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी एव पूर्वी भाग बारा विधानसभा का उत्तरी पश्चिमी भाग सामान्य क्षेत्र के अन्तर्गत सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे मेजा का दक्षिणी पश्चिमी पूर्वी भाग झूसी का उत्तरी पूर्वी पश्चिमी भाग इलाहाबाद दक्षिणी एव इलाहाबाद पश्चिमी का उत्तरी भाग सम्पूर्ण इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा क्षेत्र नवाबगज सोराव का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे मेजा का दक्षिणी भाग इलाहाबाद (उ द प) का क्रमश उत्तरी दक्षिणी एव उत्तरी पूर्वी पश्चिमी भाग चायल का उत्तरी पश्चिमी भाग छोडकर सम्पूर्ण भाग नवाबगज का दक्षिणी भाग झूसी प्रतापपुर का उत्तरी भाग इसके अन्तर्गत सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे करारी चायल सिराथू का अल्पतम भाग सामान्य क्षेत्र के अन्तर्गत सम्मिलित है।

## 8 2 2 सामान्य से अधिक

इस वर्ग के अन्तर्गत विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे जिले के अन्तर्गत निम्न स्थिति विद्यमान थी।

वर्ष 1991 के निर्वाचन मे जिले की दक्षिणी पश्चिमी उत्तरी पश्चिमी उत्तरी पूर्वी विधान सभाऐ सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे उत्तरी पूर्वी विधान का छिट–पुट क्षेत्र सम्मिलित है।

वर्ष 1985 मे पूर्वी विधानसभा एव उत्तरी पश्चिमी विधान सभा का थोडा भाग इसके अन्तर्गत सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे हडिया विधान सभा का पूर्वी भाग सिराथू विधान सभा का सम्पूर्ण भाग एव नवाबगज सोराव विधान सभा का उत्तरी भाग इसके अन्तर्गत सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इलाहाबाद जनपद का छिट–पुट भाग इसके अन्तर्गत सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इलाहाबाद जिले का दक्षिणी मध्य भाग सम्मिलित है। निर्वाचन वर्ष 1967 मे इलाहाबाद जनपद के पूर्वी मे मेजा हडिया करछना का छिट–पुट भाग सम्मिलित है।

1962 मे इलाहाबाद जनपद के उत्तरी पश्चिमी भाग मे सिराथू करारी सोराव पश्चिमी एव भरवारी का थोडा सा भाग सम्मिलित है।

## 8 2 3 सामान्य से निम्न

इस वर्ग के अन्तर्गत असम्बद्ध क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है इसके अन्तर्गत जनपद के विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे स्थिति निम्नानुसार रही।

निर्वाचन वर्ष 1991 एव 1989 मे सम्पूर्ण जिले का दक्षिणी पश्चिमी एव उत्तरी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985–80 मे जनपद का दक्षिणी एव दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 19 77 मे चायल मझनपुर का पश्चिमी भाग ही इसके अन्तर्गत सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 एव 1967 मे इलाहाबाद जनपद की पश्चिमी विधान सभा इसके अन्तर्गत सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे इलाहाबाद जनपद की दक्षिणी पश्चिमी विधान सभा बारा मुख्य रूप से सम्मिलित है इसके अतिरिक्त चायल भरवारी विधान सभाये भी सम्मिलित है।

उपरोक्त विश्लेषण से निष्कर्ष निकलता है कि कुल जनसख्या ने नगरीय एव ग्रामीण क्षेत्रो मे अधिकतर सामान्य मतदान किया। नगरीय क्षेत्रो की जनसख्या ग्रामीण क्षेत्रो से अधिक जागरूक है।

## 8 3 मतदान एव अनुसूचित जाति जनसख्या सह–सम्बन्ध

प्रस्तुत अनुभाग मे 1962 से 1991 तक इलाहाबाद जिले के राज्य विधान सभा निर्वाचन से प्राप्त कुल मतदान एव अनुसूचित जाति के बीच स्थापित रैखिक सबध वाले क्षेत्रो एव असम्बद्ध क्षेत्रो का वर्णन प्रस्तुत किया गया है। इन समाश्रयण अवशेषो को मानचित्र 8 3 2 मे निरूपित किया गया है। सम्बद्ध एव असम्बद्ध क्षेत्र जो क्रमश सामान्य एव सामान्य से अधिक तथा सामान्य से निम्न है। उनका वर्णन तार्किक ढग से किया जा रहा है।

### 8 3 1 सामान्य क्षेत्र

मानचित्रानुसार कुल मतदान एव अनुसूचित जाति के मध्य रैखिक सम्बद्ध वाले अधिकाश भाग जिले के पूर्वी एव उत्तरी भागो मे विद्यमान है। विभिन्न वर्षो मे इस स्थिति मे व्यापक परिवर्तन परिलक्षित है।

मानचित्र 8 3 1 एव 8 3 2 के अनुसार वर्ष 1991 मे सामान्य क्षेत्र जिले मे केवल बारा विधान सभा मे रहा।
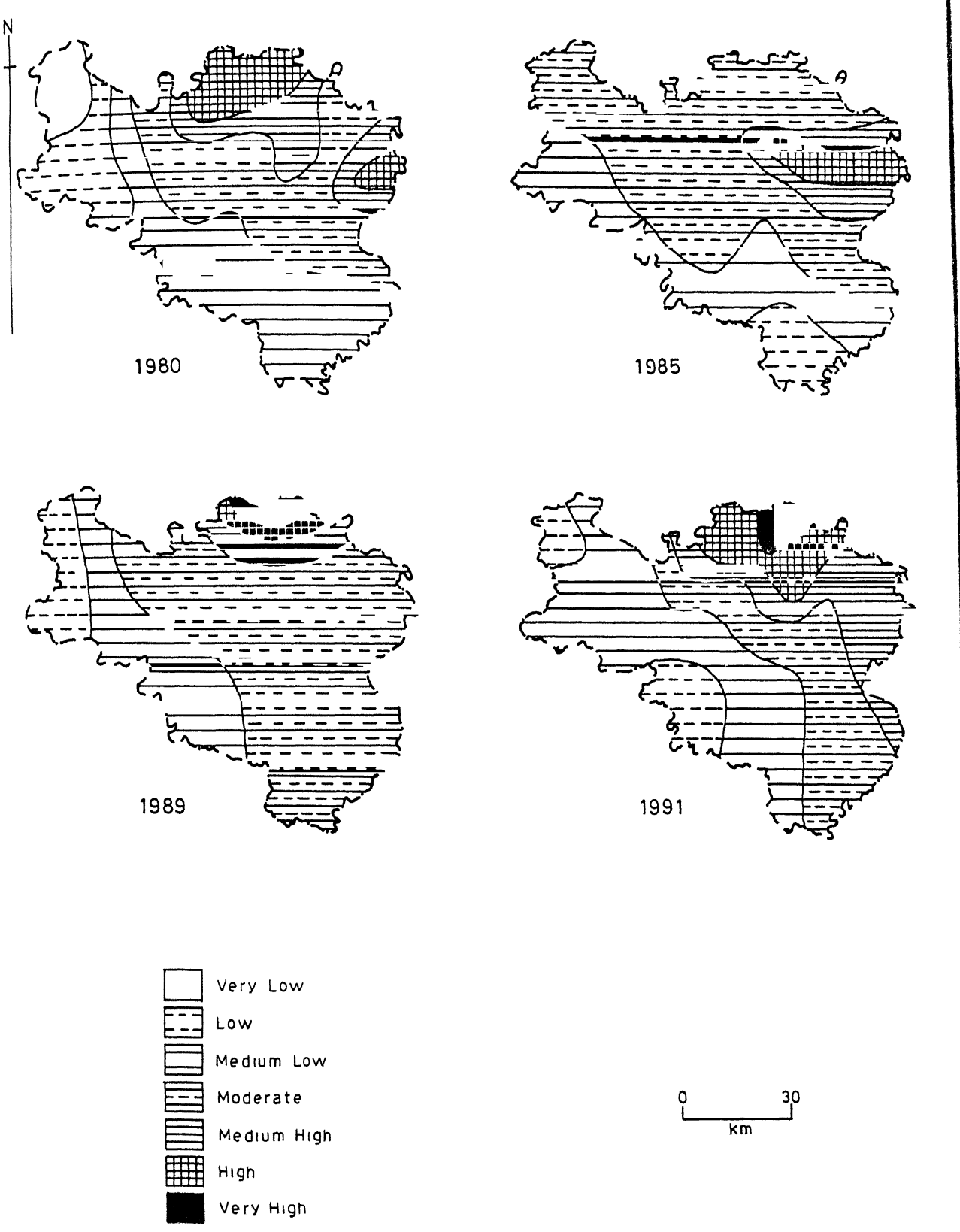
Fig 8.31 Relationship Between Turnout and SC Population 1980-91 Bivariate Regression
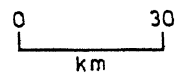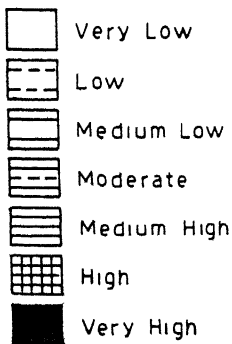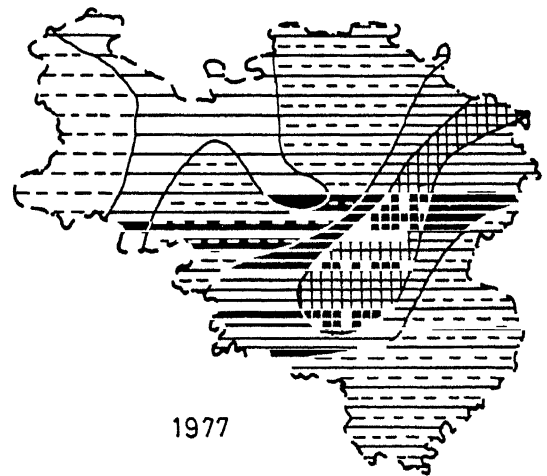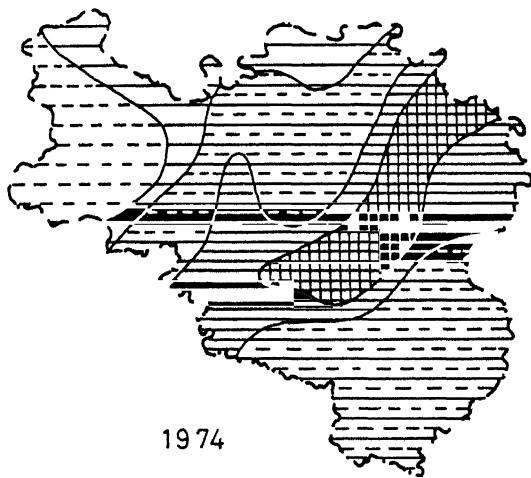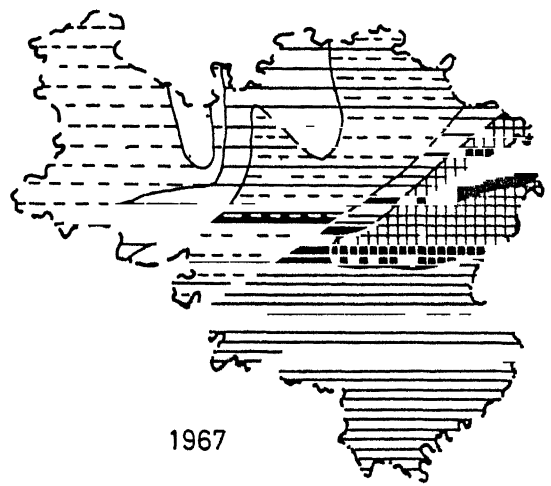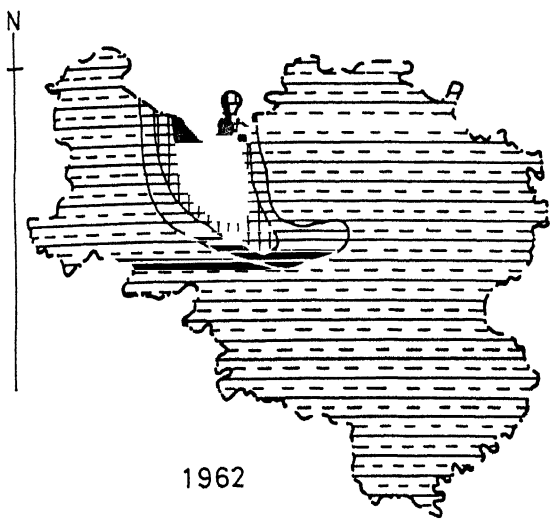
Fig 8 3 2 Relationship Between Turnout and S C Population 1962–77
Bivariate Regression

वर्ष 1989 के निर्वाचन मे स्थित कुछ भिन्न रही इसमे मेजा करछना हडिया इलाहाबाद दक्षिणी पूर्वी पश्चिमी विधानसभा झूसी का उत्तरी भाग छोडकर सम्पूर्ण सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त बारा का उत्तरी पूर्वी भाग नवाबगज दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी दक्षिणी पूर्वी एव सिराथू का पूर्वी किनारा भी सम्मिलित है।

वर्ष 1985 मे इसके अन्तर्गत मेजा उत्तरी पूर्वी करछना उत्तरी पूर्वी बारा इलाहाबाद उत्तरी एव दक्षिणी मझनपुर चायल का उत्तरी पूर्वी भाग नवाबगज पूर्वी सोराव प्रतापपुर उत्तरी पूर्वी एव उत्तरी पश्चिमी सम्मिलित है।

मानचित्रानुसार वर्ष 1980 मे इसके अन्तर्गत मेजा उत्तरी पूर्वी करछना इलाहाबाद उत्तरी दक्षिणी पश्चिमी विधान सभा सम्पूर्ण बारा उत्तरी एव उत्तरी पूर्वी प्रतापपुर मध्यवर्ती हडिया पश्चिमी झूसी दक्षिणी चायल का दक्षिण पश्चिम भाग छोड कर सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

वर्ष 1977 मे मेजा का उत्तरी पश्चिमी भाग छोडकर सम्पूर्ण बारा का पूर्वी उत्तरी भाग छोडकर सम्पूर्ण सिराथू, मझनपुर का पश्चिमी भाग झूसी का दक्षिणी पश्चिमी भाग करछना का दक्षिणी पश्चिमी भाग इलाहाबाद दक्षिणी विधानसभा का दक्षिणी एव उत्तरी विधानसभा का पश्चिमी भाग प्रतापपुर का उत्तरी पश्चिमी किनारा सोराव नवाबगज पूर्वी उत्तरी भाग मे सामान्य सह–सम्बन्ध था।

वर्ष 1974 के निर्वाचन मे इसके अन्तर्गत मेजा बारा का पश्चिमी भाग चायल का दक्षिणी पूर्वी भाग इलाहाबाद पश्चिमी का पश्चिमी भाग नवाबगज सोराव का दक्षिणी भाग झूसी का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे बारा उत्तरी पश्चिमी इलाहाबाद पश्चिमी इलाहाबाद उत्तरी का दक्षिणी भाग एव इलाहाबाद दक्षिणी का मध्य उत्तरी भाग झूसी का मध्य

उत्तरी भाग सोराव पूर्वी प्रतापपुर उत्तरी पूर्वी भाग सामान्य सह सम्बन्ध के अन्तर्गत आते है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा बारा करछना केवाई फूलपुर सोराव पूर्व एव सोराव पश्चिमी झूसी सिराथू का पश्चिमी भाग करारी का पश्चिमी भाग इलाहाबाद शहर उत्तरी का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 से 1991 तक के विश्लेषण से स्पष्ट हो कि सामान्य क्षेत्रो मे व्यापक परिवर्तन नही हुआ है अर्थात अनुसूचित जाति जनसख्या के मतव्यवहार मे आशिक परिवर्तन ही दृष्टिगत है। 1962 की अपेक्षा 1985 1989 1991 के निर्वाचन मे मतदान व्यवहार मे अनुसूचित जाति जनसख्या मे जागरूकता दृष्टिगत होती है अर्थात सामान्य क्षेत्रो की सख्या मे वृद्धि हुई है।

## 8 3 2 सामान्य से अधिक

मानचित्र 8 3 1 एव 8 3 2 के अनुसार विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे अनुसूचित जाति जनसख्या का मतदान व्यवहार सामान्य से अधिक निम्नानुसार है–

निर्वाचन वर्ष 1991 मे ह डिया मध्य उत्तरी पूर्वी दक्षिपी पूर्वी भाग प्रतापपुर झूसी का उत्तरी भाग सोराव का दक्षिणी पश्चिमी भाग छोडकर सम्पूर्ण नवाबगज मध्य उत्तरी उत्तरी पूर्वी दक्षिणी पूर्वी भाग सम्मिलित है।

1989 के निर्वाचन मे इसके अन्तर्गत सोराव नवाबगज उत्तरी पूर्वी झूसी उत्तरी प्रतापपुर उत्तरी पश्चिमी सम्मिलित है।

1985 मे इस वर्ग मे हडिया झूसी मध्यवर्ती भाग प्रतापपुर का दक्षिणी भाग नवाबगज का मध्य भाग इलाहाबादइ पश्चिमी का मध्य भाग चायल का दक्षिणी पश्चिमी भाग सिराथू सम्मिलित है।

1980 के निर्वाचन मे हडिया झूसी उत्तरी सोराव नवाबगज मे सामान्य से अधिक सम्बन्ध स्थापित हुआ।

1977 मे हडिया का उत्तरी पूर्वी एव पश्चिमी भाग करछना नैनी का दक्षिणी भाग प्रतापपुर मध्य बारा मध्य मे सामान्य से अधिक प्रभाव है।

1974 मे सामान्य से अधिक प्रभाव हडिया प्रतापपुर झूसी द0 पूर्वी करछना बारा मध्य इलाहाबाद पश्चिमी दक्षिणी मे था।

1967 मे इस वर्ग के अन्तर्गत हडिया करछना मध्य मेजा बारा पूर्वी प्रतापपुर पूर्वी झूसी दक्षिणी सम्मिलित था।

1962 मे इस वर्ग के अनतर्गत चायल करारी सिराथू पूर्वी भरवारी सोराव का पश्चिमी भाग सम्मिलित था।

## 8 3 3 सामान्य से निम्न

मानचित्रानुसार सामान्य से निम्न के अन्तर्गत विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे स्थिति निम्नानुसार रही–

1991 मे निर्वाचन मे इस वर्ग मे–मेजा का पश्चिमी भाग बारा करछना का दक्षिणी भाग इलाहाबाद पश्चिमी का दक्षिणी पश्चिमी भाग चायल का मध्य भाग एव मझनपुर सिराथू सम्मिलित थे।

वर्ष 1989 के निर्वाचन मे सिराथू सम्पूर्ण पश्चिमी किनारा छोडकर मझनपुर बारा का उत्तरी पूर्वी भाग सम्मिलित था।

इसी तरह वर्ष 1985 मे मध्य मेजा दक्षिणी मेजा दक्षिणी पश्चिमी मझनपुर एव 1980 मे बारा का मध्यवर्ती भाग मझनपुर सिराथू चायल सम्मिलित है।

वर्ष 1977 मे मझनपुर सिराथू का पश्चिमी भाग एव 1974 मे मझनपुर सिराथू–चायल उत्तरी पश्चिमी सोराव उत्तरी इसके अन्तगर्त सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे सिराथू, मझनपुर नवाबगज उत्तरी एव दक्षिणी पूर्वी सोराव सम्मिलित था किन्तु 1962 मे इस वर्ग मे झुकाव शून्य रहा।

## 8 4 मतदान एव जन जाति जनसख्या सह सम्बन्ध

प्रस्तुत अनुभाग मे इलाहाबाद जिले मे 1962 से 1991 तक सम्पन्न विधान सभा निर्वाचन से प्राप्त मत एव जनजाति जनसख्या के बीच स्थापित रैखिक सम्बन्ध वाले क्षेत्रो एव असम्बद्ध क्षेत्रो का वर्णन निरूपित किया गया है। इसके समाश्रयण अवशेषो को मानचित्र 8 4 1 मे प्रदर्शित किया गया है। सम्बद्ध एव असम्बद्ध क्षेत्रो को क्रमश तीन भागो मे बाटकर वर्णन प्रदर्शित किया गया है। मानचित्रानुसार सम्बद्ध एव असम्बद्ध क्षेत्र सामान्य सामान्य से अधिक एव सामान्य से निम्न है। प्रस्तुत मानचित्र मे कुल मतदान मे जनजाति के सम्बन्ध को सुव्यवस्थित ढग से निरूपित किया गया है। मानचित्रानुसार विश्लेषण से निम्नवत स्थिति विद्यमान है।

**8 4 1 सामान्य क्षेत्र** अनुसूचित जाति की अपेक्षा जनजाति चर का विस्तार ग्रामीण क्षेत्रो मे अधिक है मानचित्रानुसार जनजाति सामान्य क्षेत्र की स्थिति विभिन्न वर्षो मे निम्नवत है–

वर्ष 1991 मे सामान्य क्षेत्र जिले मे मेजा मध्यवर्ती पूर्वी भाग करछना उत्तरी पूर्वी एव पश्चिमी भाग हडिया पश्चिमी भाग इलाहाबाद दक्षिणी विधानसभा सम्पूर्ण भाग झूसी का दक्षिणी भाग चायल का उत्तरी पूर्वी भाग इलाहाबाद पश्चिमी विधानसभा का उत्तरी पूर्व एव पश्चिमी भाग सम्मिलित है जिले की अधिकाश विधान सभाओ मे रैखिक समाभ्रमण सम्बद्ध सामान्य है।
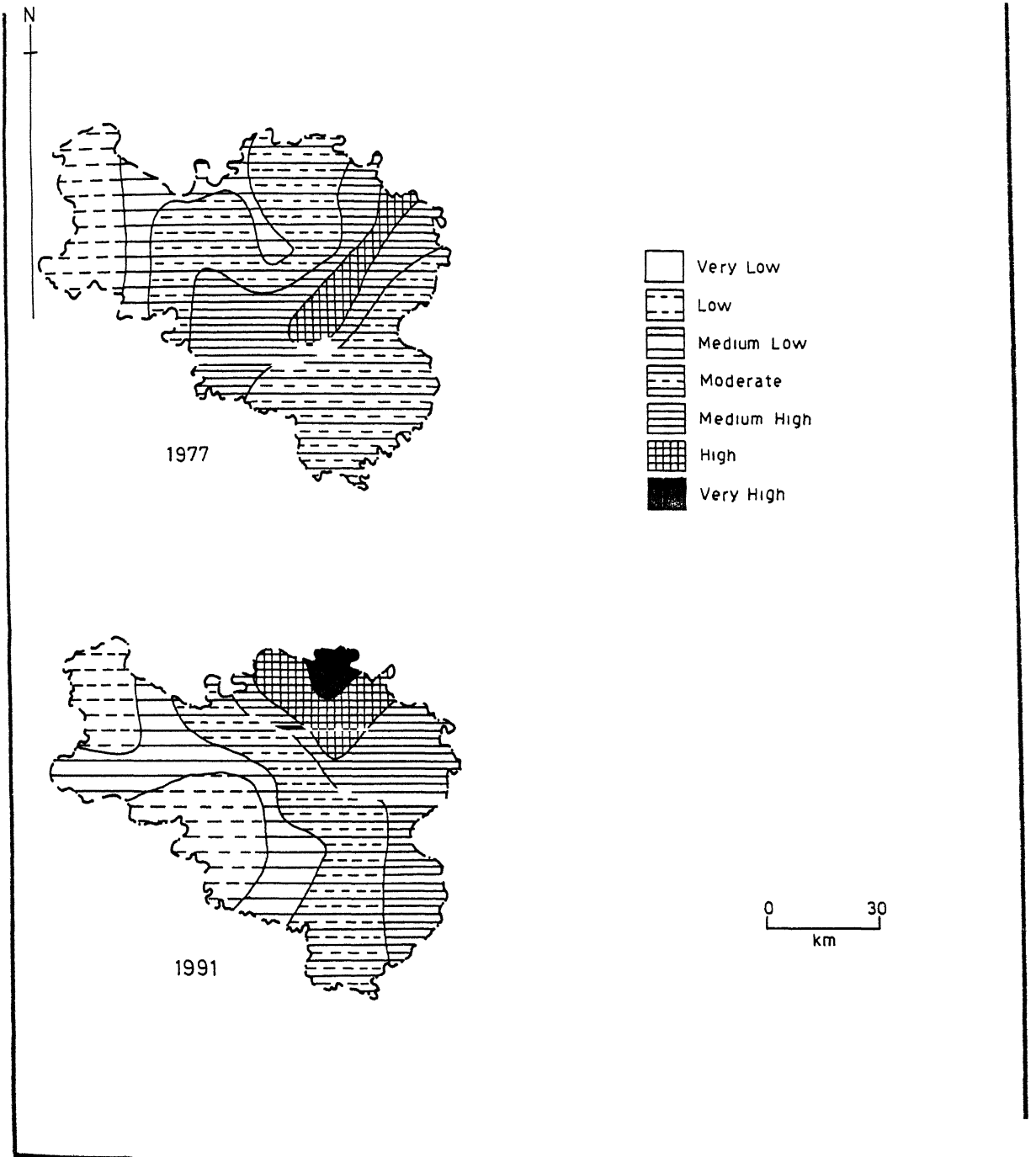
Fig 8.4.1 Relationship Between Turnout and S T Population 1977, 1991 Bivariate Regression

वर्ष 1989 1985 80 74 निर्वाचन मे जनजाति का सम्बद्ध अव्यवस्थित पाया गया। अधिकाश भागो मे समाभ्रमण स्थित ऋणात्मक शून्य रही।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इसके अन्तर्गत मझनपुर सिराथू का पूर्वी भाग प्रतापपुर दक्षिणी हडिया पूर्वी नवाबगज पूर्वी सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 एव 62 मे भी जनजाति सम्बन्ध ऋणात्मक शून्य है।

साराशत स्पष्ट है कि निर्वाचन वर्ष 1991 एव 1977 छोडकर बाकी कुल मतदान मे जनजातियो का ऋणात्मक शून्य सम्बन्ध रहा।

**8 4 2 सामान्य से अधिक** मानचित्र 8 4 1 के अनुसार जन जातियो का मतदान के प्रति सम्बन्ध मात्र दो वर्षो 1991 एव 1977 मे रहा जो निम्नानुसार है।

प्रतिमान के अनुसार असम्बद्ध क्षेत्रो मे वर्ष 1991 मे मेजा का पूर्वी भाग हडिया का दक्षिणी पश्चिमी भाग छोडकर सम्पूर्ण प्रतापपुर का सम्पूर्ण भाग झूसी मध्य उत्तरी पश्चिमी दक्षिणी पूर्वी भाग सोराव सम्पूर्ण भाग नवाबगज का मध्य उत्तरी पूर्वी भाग एव 1977 मे बारा मध्य करछना हडिया पश्चिमी प्रतापपुर का उत्तरी पश्चिम भाग सम्मिलित है।

**8 4 3 सामान्य से निम्न** समाभ्रमण प्रतिमान के द्वारा असम्बद्ध क्षेत्रो मे सामान्य से निम्न मान वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है। जिसके अन्तर्गत वर्ष 1991 मे बारा मझनपुर सिराथू सम्पूर्ण विधानसभा चायल का मध्य दक्षिणी उत्तरी पश्चिमी एव दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मझनपुर सिराथू विधानसभा का पश्चिमी भाग नवाबगज का मध्य एव पश्चिमी भाग इलाहाबाद उत्तरी

विधानसभा का पश्चिमी भाग इलाहाबाद दक्षिणी विधानसभा का उत्तरी भाग इसके अन्तर्गत सम्मिलित है इसके अलावा कुछ विधानसभाओ के किनारे भी सम्मिलित है।

## 8 5 मतदान एव साक्षर जनसख्या सह सम्बन्ध

प्रस्तुत अनुभाग मे इलाहाबाद जनपद मे 1962 से 1991 मे सम्पन्न विधान सभा चुनावो मे मतदान एव साक्षर जनसख्या के मध्य स्थापित सह—सम्बन्ध को रैखिक समाश्रयण से सम्बद्ध एव असम्बद्ध क्षेत्रो मे बाट कर अध्ययन किया गया है। इन समाभ्रमण अवशेषो को मानचित्र (8 5 1 एव 8 5 2) मे प्रदर्शित किया गया है। मानचित्रानुसार साक्षर जनसख्या ए व मतदान के बीच निम्नवत प्रदर्शन निरूपित हुआ है।

## 8 5 1 सामान्य क्षेत्र

निर्वाचन वर्ष 1962 से 1991 तक सम्पन्न विधान सभा निर्वाचनो मे मतदान एव साक्षर जनसख्या के बीच सम्बद्ध क्षेत्रो के अन्तर्गत विभिन्न वर्षो मे निम्नानुसार विधानसभाये सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1991 मे इसके अन्तर्गत मेजा का मध्यवर्ती पूर्वी भाग करछना का उत्तरी पूर्वी भाग हडिया का पश्चिमी भाग इलाहाबाद दक्षिणी सम्पूर्ण झूसी का दक्षिणी भाग चायल का उत्तरी पूर्वी भाग इलाहाबाद उत्तरी विधानसभा का उत्तरीपूर्वी भाग छोडकर समस्त भाग इलाहाबाद पश्चिमी विधानसभा का उत्तरी पूर्वी एव पश्चिमी भाग सम्मिलित है। निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा करछना हडिया इलाहाबाद दक्षिणी इलाहाबाद उत्तरी इलाहाबाद पश्चिम का उत्तरी एव उत्तरी पूर्वी भाग झूसी विधान सभा का ऊपरी उत्तरी भाग छोडकर सम्पूर्ण प्रतापपुर विधान सभा का उत्तरी पश्चिमी भाग छोडकर सम्पूर्ण बारा
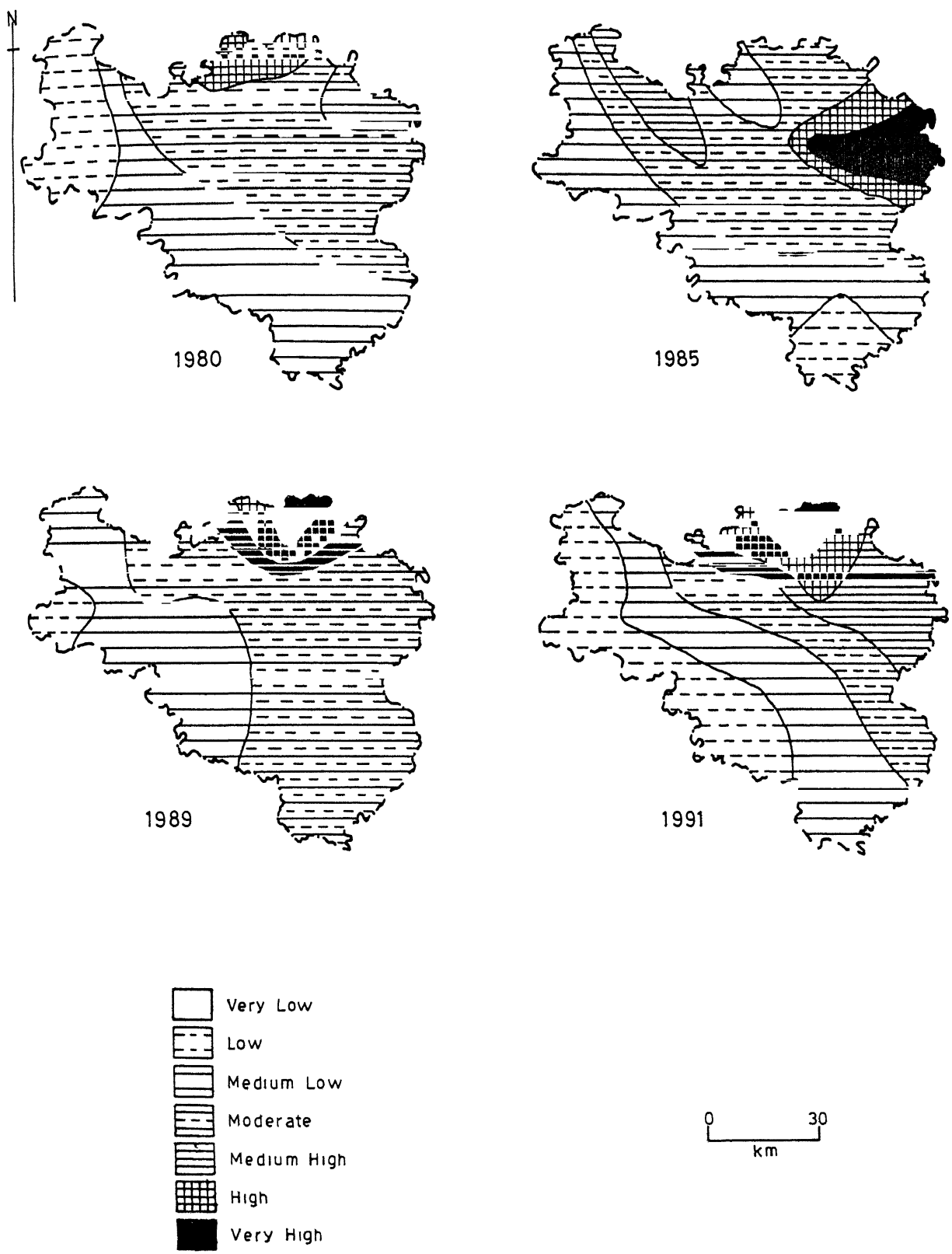
Fig 8 5 1 Relationship Between Turnout and Literate Population 1980-9
Bivariate Regression
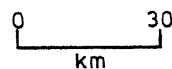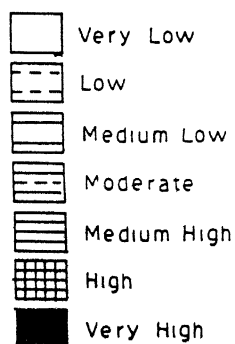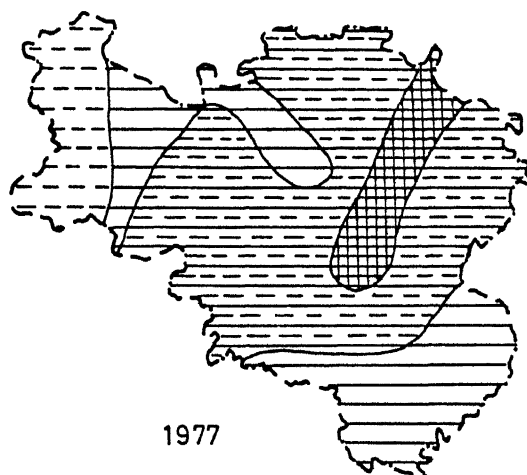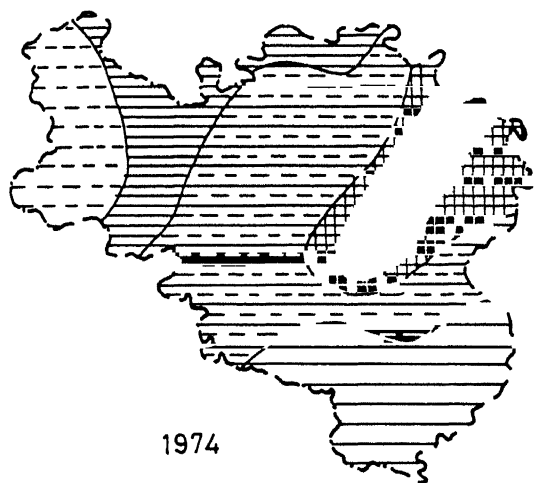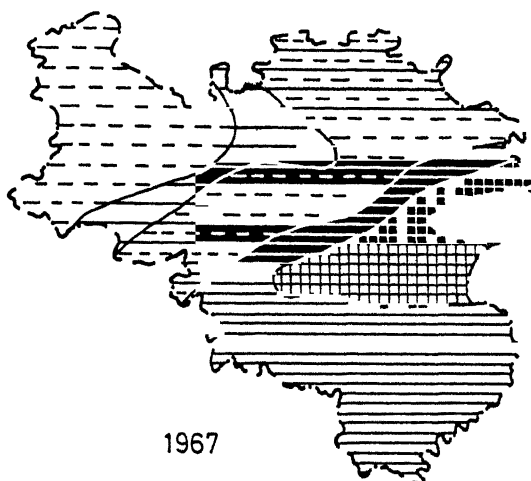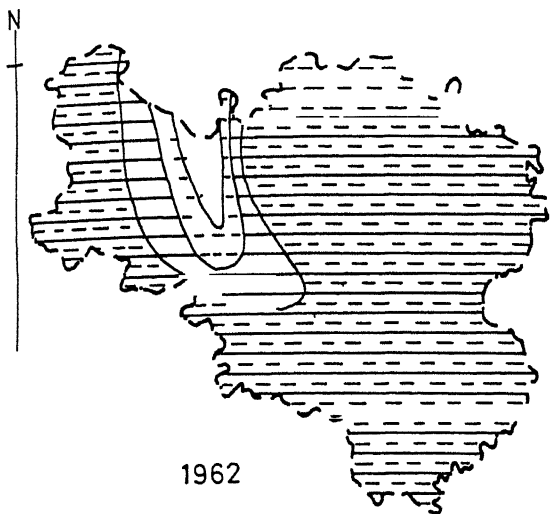
Fig 8 5 2 Relationship Between Turnout and Literate Population 1962-77 Bivariate Regression

विधान सभा का उत्तरी पूर्वी भाग सम्मिलित है। साक्षर जनसख्या का मतदान के साथ सह–सम्बन्ध सामान्य है अर्थात अधिकाश भाग इलाहाबाद जिले का सामान्य के अन्तर्गत समाहित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इसके अन्तर्गत मेजा का उत्तरी पूर्वी भाग करछना का उत्तरी पूर्वी एव उत्तरी पश्चिमी भाग बारा इलाहाबाद उत्तरी एव दक्षिणी विधान सभा मझनपुर चायल का उत्तरी पूर्वी भाग नवाबगज पूर्वी सोराव प्रतापपुर का उत्तरी पूर्वी भाग सम्मिलित है इसी तरह निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस कोटि मे निम्नविधानसभाये है–मेजा उत्तरी एव उत्तरी पूर्वी करछना प्रतापपुर बारा का उत्तरी किनारा इलाहाबाद उत्तरी दक्षिणी एव पश्चिमी विधान सभा सम्पूर्ण चायल दक्षिणी भाग छोडकर सम्पूर्ण।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इसके अन्तर्गत मेजा का उत्तरी पश्चिमी भाग छोडकर सम्पूर्ण बारा का पूर्वी उत्तरी भाग छोडकर सम्पूर्ण सिराथू, मझनपुर का पश्चिमी भाग झूसी का दक्षिणी भाग करछना का दक्षिणी पश्चिमी भाग इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा का दक्षिणी एव उत्तरी विधान सभा का पश्चिमी भाग प्रतापपुर का उत्तरी किनारा सोराव नवाबगज का पूर्वी उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे इसके अन्तर्गत बारा का उत्तरी पश्चिमी भाग इलाहाबाद पश्चिमी का मध्य एव दक्षिणी भाग इलाहाबाद उत्तरी का दक्षिणी पूर्वी भाग इलाहाबाद दक्षिणी का उत्तरी भाग झूसी उत्तरी प्रतापपुर उत्तरी सोराव विधानसभा का पूर्वी एव दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे चायल विधान सभा एव करारी विधान सभा का उत्तरी पूर्वी भाग सिराथू, भरवारी विधानसभा इसके अन्तर्गत सम्मिलित है।

## 8 5 2 सामान्य से अधिक क्षेत्र

धनात्मक असम्बद्ध क्षेत्रो के अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1991 मे हडिया का मध्य एव उत्तरी पूर्वी दक्षिणी पूर्वी भाग प्रतापपुर झूसी का उत्तरी भाग सारावं का दक्षिणी पश्चिमी भाग छोडकर सम्पूर्ण नवाबगज का मध्य भाग उत्तरी पूर्वी एव दक्षिणी पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सोराव प्रतापपुर विधान सभा का उत्तरी पश्चिमी भाग झूसी का उत्तरी ऊपरी भाग नवाबगज विधानसभा का उत्तरी भाग एव पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा का उत्तरी पूर्वी भाग करछना का उत्तरी पूर्वी एव उत्तरी पश्चिमी भाग बारा इलाहाबाद उत्तरी एव दक्षिणी मझनपुर चायल का उत्तरी पूर्वी भाग नवाबगज पूर्वी सोराव प्रतापपुर का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 को इसके अन्तर्गत हडिया झूसी विधान सभा का उत्तरी भाग सोराव नवाबगज विधान सभा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इसके अनतर्गत मेजा बारा करछना प्रतापपुर विधानसभा दक्षिणी पूर्वी भाग सम्मिलित है निर्वाचन वर्ष 1974 मे हडिया प्रतापपुर इलाहाबाद पश्चिमी झूसी दक्षिणी करछना मेजा दक्षिणी विधान सभा धनात्मक असम्बद्ध क्षेत्र मे सम्मिलित थी।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे धनात्मक असम्बद्ध क्षेत्र के अन्तर्गत मेजा करछना हडिया प्रतापपुर एव झूसी का दक्षिणी भाग था। निर्वाचन वर्ष 1962 मे इसके अन्तर्गत चायल भरवारी करारी एव सिराथू पूर्वी विधान सभा सम्मिलित थी।

## 8 5 3 सामान्य से निम्न

ऋणात्मक असम्बद्ध क्षेत्रो के अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1991 मे मेजा का पश्चिमी भाग सम्पूर्ण बारा करछना का दक्षिणी पश्चिमी भाग इलाहाबाद पश्चिमी विधान सभा का दक्षिणी पश्चिमी भाग चायल का मध्य दक्षिणी पश्चिमी एव उत्तरी भाग मझनपुर सिराथू सम्पूर्ण विधान सभा इसके अन्तर्गत सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इसके अनतर्गत बारा का उत्तरी पूर्वी भाग छोडकर सम्पूर्ण सिराथू मझनपुर चायल का दक्षिणी भाग इलाहाबाद पश्चिमी का दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे बारा का मध्यवर्ती पश्चिमी पूर्वी भाग मझनपुर सिराथू, चायल विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित है। इसी तरह निर्वाचन वर्ष 1977 मे असम्बद्ध क्षेत्र के अन्तर्गत मझनपुर सिराथू का पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इसके अन्तर्गत मझनपुर सिराथू, चायल का उत्तरी पश्चिमी भाग एव सोराव सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे इसके अन्तर्गत सिराथू, मझनपुर चायल मध्य एव उत्तरी इलाहावाद पश्चिमी विधान सभा का उत्तरी भाग एव नवाबगज विधान सभा का दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे इसके अन्तर्गत कोई विधानसभा सम्मिलित नही है।

## 8 6 मतदान एव हिन्दू जनसख्या सह–सम्बन्ध

वर्तमान राजनीति मे धर्म एक अपरिहार्य अग बन गया है। इस दृष्टि को ध्यान मे रखकर मतदान मे हिन्दू मतदाताओ की भूमिका को विश्लेषित किया गया है। प्रस्तुत अनुभाग मे उन क्षत्रो का वर्णन किया गया है जिन क्षेत्रो मे मतदान एव हिन्दू जनसख्या के मध्य स्थापित रैखिक सम्बन्ध है चाहे वे सामान्य हो या सामान्य से अधिक और निम्न।
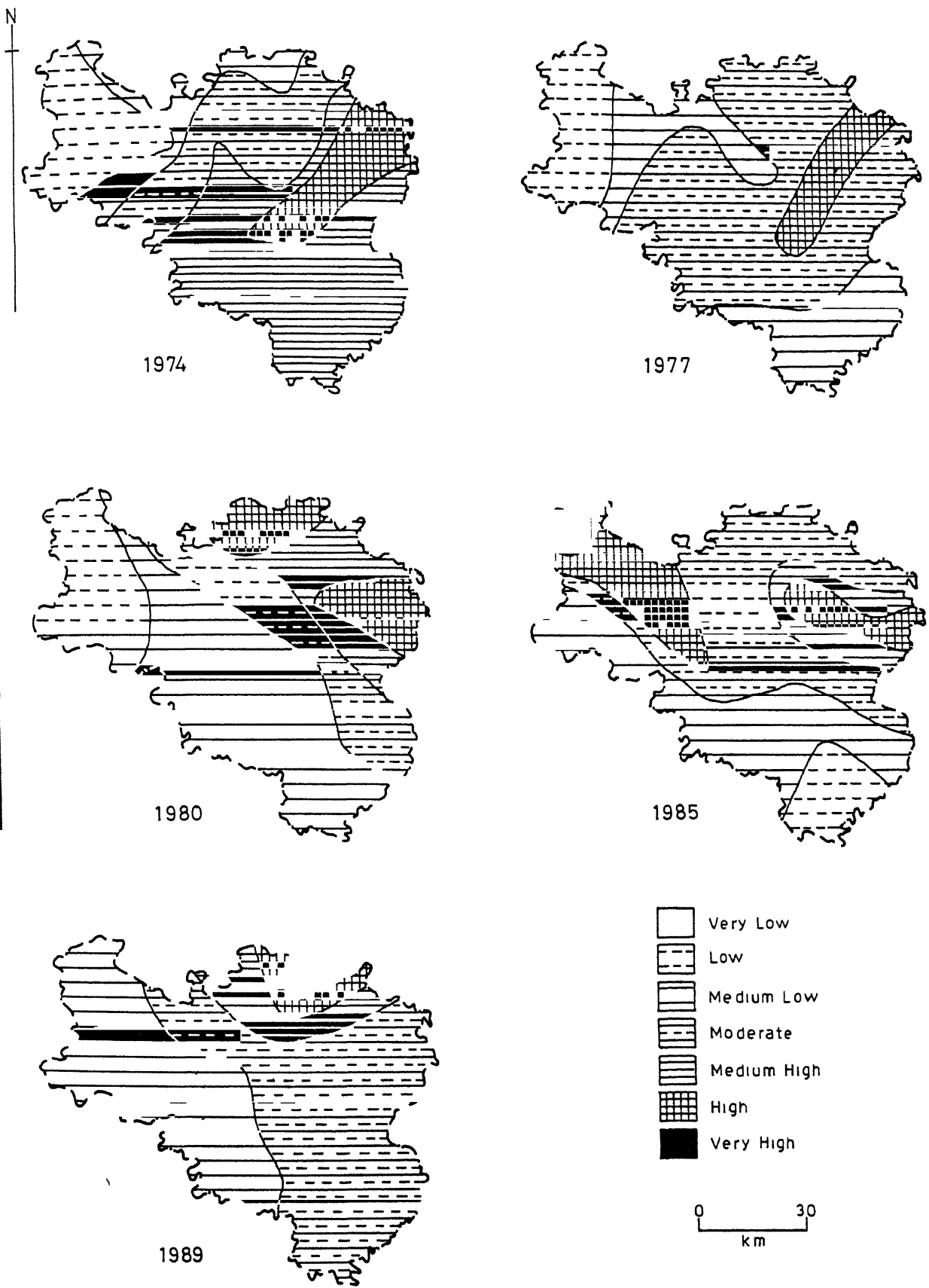
Fig 8 61 Relationship Between Tournout and Hindu Population 1974 Bivariate Regression

समाश्रयण अवशेषो को मानचित्र (8 6 1) मे वर्ष 1962 से 1992 के निर्वाचन वर्षो को प्रदर्शित किया गया है। मानचित्रानुसार सम्बद्ध एव असम्बद्ध क्षेत्र जो क्रमश सामान्य सामान्य से अधिक सामान्य से निम्न है उनका वर्णन निम्नवत है–

## 8 5 1 सामान्य क्षेत्र

मानचित्रानुसार सामान्य क्षेत्र का विस्तार विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे निम्नानुसार है–

निर्वाचन वर्ष 1989 मे अधिकाश क्षेत्रो मे सामान्य क्षेत्र का विस्तार पाया गया। इस वर्ष इसके अन्तर्गत हडिया करछना इलाहाबाद दक्षिणी प्रतापपुर विधान सभा का उत्तरी भाग छोडकर सम्पूर्ण झूसी विधानसभा का उत्तरी ऊपरी किनारा छोडकर सम्पूर्ण इलाहाबाद उत्तरी विधानसभा सम्पूर्ण ऊपरी भाग छोडकर नवाबगज का दक्षिणी भाग एव चायल का उत्तरी भाग सम्मिलित है। अर्थात सम्वद्ध क्षेत्र मे जिले की 80 % भाग सम्मिलित है। इस वर्ष हिन्दू जनसख्या का मतदान के प्रति उच्च स्तरीय दृष्टिकोण रहा।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा उत्तरी पूर्वी करछना उत्तरीपूर्वी एव उत्तरी पश्चिमी बारा इलाहाबाद उत्तरी एव इलाहाबाद दक्षिणी मझनपुर चायल का उत्तरी पूर्वी भाग नवाबगज पूर्वी सोराव प्रतापपुर उत्तरी पूर्वी एव उत्तरी पश्चिमी सम्मिलित है। विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि निर्वाचन वर्ष 1989 एव 1985 की स्थिति लगभग एक जैसी है अर्थात हिन्दू मतदाता का मतदान के प्रति दृष्टिकोण अपरिवर्तित रहा।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे मतदान एव हिन्दू जनसख्या के मध्य स्थापित रैखिक सम्बन्ध वाले सामान्य क्षेत्र इलाहाबाद मध्य पाया गया। मानचित्रानुसार वर्ष 1980 मे इसके अन्तर्गत मेजा का उत्तरी भाग करछना उत्तरी पूर्वी इलाहाबाद दक्षिणी का पश्चिमी भाग इलाहाबाद उत्तरी का दक्षिणी पश्चिमी भाग इलाहाबाद पश्चिमी विधानसभा का उत्तरी भाग चायल का उत्तरी पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इसके अन्तर्गत मेजा का उत्तरी पश्चिमी भाग छोडकर सम्पूर्ण बारा का उत्तरी पूर्वी भाग छोडकर सम्पूर्ण सिराथू, मझनपुर का पश्चिमी भाग झूसी का दक्षिणी भाग करछना का दक्षिणी पश्चिमी भाग इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा एव इलाहाबाद उत्तरी का पश्चिमी भाग प्रतापपुर का उत्तरी किनारा सोराव नवाबगज का पूर्वी उत्तरी भाग सम्मिलित है। सम्बद्ध क्षेत्र के अन्तर्गत इस वर्ष अधिकाश विधान सभाये सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इसके अन्तर्गत मेजा बारा पश्चिमी एव पूर्वी भाग चायल का दक्षिणी पूर्वी भाग इलाहाबाद पश्चिमी का पश्चिमी भाग इलाहाबाद उत्तरी एव दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र सोराव नवाबगज झूसी विधानसभा का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

## 8 6 2 सामान्य से अधिक

सामान्य से अधिक क्षेत्र के अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1989 मे सोराव सम्पूर्ण विधान सभा प्रतापपुर उत्तरी पश्चिमी झूसी का उत्तरी ऊपरी भाग नवाबगज का उत्तरी पूर्वी भाग 1985 मे हडिया झूसी का मध्यवर्ती भाग प्रतापपुर का दक्षिणी भाग नवाबगज का मध्यभाग इलाहाबाद पश्चिमी विधान सभा का मध्य भाग चायल का दक्षिणी पश्चिमी भाग सिराथू सम्मिलित है। उपरोक्त तथ्य से स्पष्ट है कि 1985 एव 1989 मे असम्बद्ध क्षेत्रो मे व्यापक परिवर्तन हुआ है। अर्थात असम्बद्ध क्षेत्र अस्थिर रहे है।

धनात्मक असम्बद्ध क्षेत्रो के अन्तर्गत 1980 के निर्वाचन मे इलाहाबाद जिले की मेजा विधान सभा का मध्य भाग करछना का पश्चिमी एव दक्षिणी पूर्वी भाग सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त कुछ छुटपुट भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत करछना मेजा हडिया प्रतापपुर झूसी का द0 पूर्वी भाग इलाहाबाद पश्चिमी विधान सभा का मध्य भाग एव इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा का मध्यभाग सम्मिलित है।

सामान्य से अधिक के अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1974 मे मेजा बारा का पश्चिम भाग चायल का द0 पूर्वी भाग इलाहाबाद पश्चिम का पश्चिमी भाग इलाहाबाद उत्तरी एव दक्षिणी विधान सभा सोराव नवाबगज एव झूसी का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

## 8 6 3 सामान्य से निम्न क्षेत्र

असम्बद्ध क्षेत्रो मे ऋणात्मक मानवाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है। इसके अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1989 मे बारा विधान सभा का उत्तरी पूर्वी भाग छोडकर सम्पूर्ण सिराथू, मझनपुर चायल का दक्षिणी भग इलाहाबाद पश्चिमी का दक्षिणी पश्चिमी भाग एव झूसी विधान सभा का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे मेजा का दक्षिणी भाग मझनपुर का दक्षिणी एव दक्षिणी पूर्वी दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है। निर्वाचन वर्ष 1980 मे मेजा का दिक्षिणी भाग बारा सम्पूर्ण विधानसभा इलाहाबाद पश्चिमी का दक्षिणी पश्चिमी भाग चायल का दक्षिणी एव दक्षिणी पश्चिमी भाग मझनपुर सिराथू इस वर्ग मे सम्मिलित थी। निर्वाचन वर्ष 1977 मे मात्र दो विधान सभाओ का अत्यल्प भाग सम्मिलित है इसमे प्रमुख है मझनपुर एव सिराथू का पश्चिमी भाग। इस प्रकार हिन्दू जनसख्या 1977 मे ऋणात्मक मतदान व्यवहार नही किया।

1977 की अपेक्षा 1974 मे हिन्दू जनसख्या ने ऋणात्मक असम्बद्ध अधिकाश विधान सभाओ मे किया। इस वर्ष इस वर्ग के अन्तर्गत मझनपुर सिराथू, चायल का उत्तरी पश्चिमी भाग सोराव उत्तरी विधान सभा सम्मिलित है।

## 8 7 मतदान एव मुस्लिम जनसख्या सह–सम्बन्ध

प्रस्तुत अनुभाग मे इलाहाबाद जनपद के 1962 से 1991 तक सम्पन्न विधान सभा निर्वाचन मे प्राप्त मतदान एव मुस्लिम जनसख्या के मध्य स्थापित रैखिक सम्बन्धो को प्रतिपादित किया गया है क्योकि धर्म के दूसरे आचारमूलक स्वरूप के अनुसार मतदाता धर्मानुसार आचरण करते है का परीक्षण अनिवार्य था।
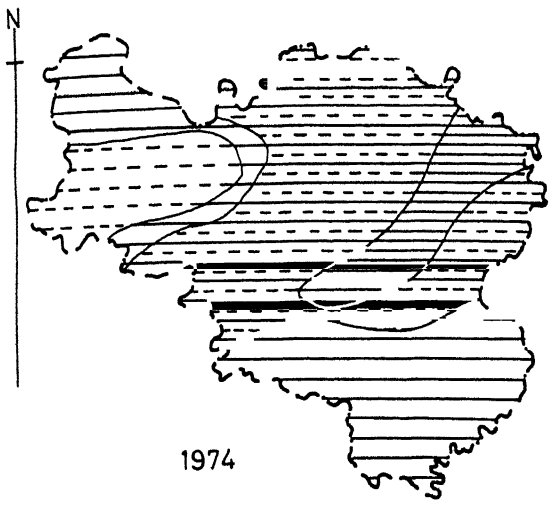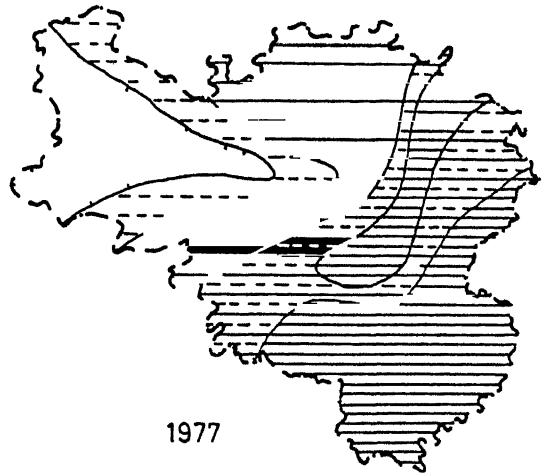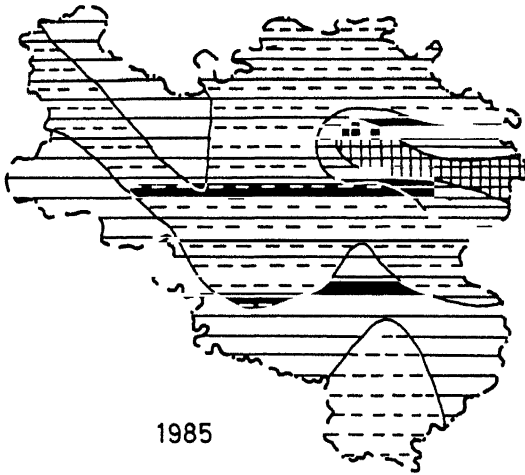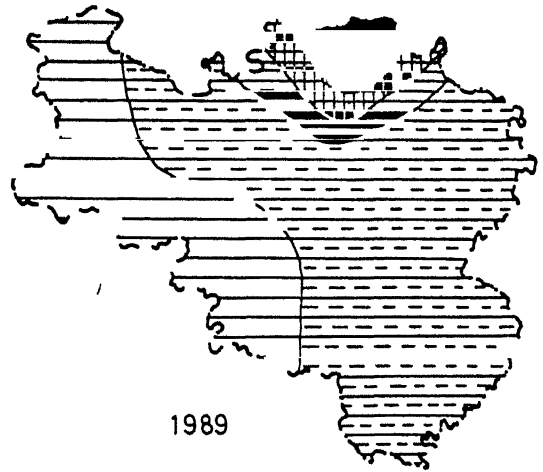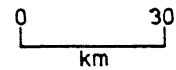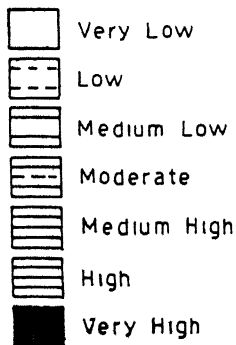
Fig 8 7 1 Relationship Between Turnout and Muslim Population 1974-89
Bivariate Regression

विश्लेषण से इसके अन्तर्गत भी तीन क्षेत्रो का उद्‌भव हुआ प्रथम सामान्य क्षेत्र द्वितीय सामान्य से अधिक तृतीय सामान्य से निम्न क्षेत्र। तदानुसार मानचित्र 8 7 1 मे इन क्षेत्रो को मानचित्रित किया गया। मानचित्रानुसार इनका विवरण निम्नवत रहा–

## 8 7 1 सामान्य क्षेत्र

मतदान एव मुस्लिम चर के मध्य रैखिक सम्बद्ध वाले सामान्य क्षेत्र के अन्तर्गत विभिन्न वर्षो मे निम्नवत क्षेत्र सम्मिलित है –

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा करछना हडिया इलाहाबाद दक्षिणी इलाहाबाद उत्तरी प्रतापपुर विधान सभा का उत्तर पश्चिमी भाग छोडकर सम्पूर्ण झूसी का उत्तरी भाग छोडकर सम्पूर्ण नवाबगज का दक्षिणी एव दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे मेजा उत्तरी एव उत्तरी पूर्वी उत्तरी पश्चिमी बारा करछना चायल का दक्षिणी भाग नवाबगज सोराव प्रतापपुर उत्तर एव उत्तरी पूर्वी झूसी उत्तरी मझनपुर सिराथू का दक्षिणी पश्चिमी भाग इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा इस वर्ग मे सम्मिलित है। निर्वाचन वर्ष 1980 मे कोई भी विधान सभा सम्बद्ध क्षेत्र मे सम्मिलित नही है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधान सभा का उत्तरी किनारा छोडकर सम्पूर्ण बारा उत्तरी एव उत्तरी पश्चिमी चायल दक्षिणी मझनपुर दक्षिणी पूर्वी सोराव नवाबगज झूसी उत्तरी एव उत्तरी पश्चिमी इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा का उत्तरी भाग एव दक्षिणी विधानसभा का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

सम्बद्ध क्षेत्र के अन्तर्गत 1974 के निर्वाचन मे मेजा बारा पश्चिम झूसी द0 पूर्वी सोराव नवाबगज इलाहाबाद उत्तरी दक्षिणी पश्चिमी विधानसभा सम्मिलित है।

## 8 7 2 सामान्य से अधिक

असम्बद्ध क्षेत्रो मे सामान्य से अधिक मान वाले क्षेत्रो मे विभिन्न वर्षो मे स्थिति भिन्न–भिन्न है। मानचित्रानुसार विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे सामान्य से अधिक असम्बद्ध क्षेत्रो की सख्या कम रही है। असम्बद्ध क्षेत्रो मे समरूपता अधिक विद्यमान है। निर्वाचन वर्ष 1989 मे इसके अन्तर्गत सोराव नवाबगज का दक्षिणी भाग छोडकर सम्पूर्ण झूसी का उत्तरी पश्चिमी किनारा बारा का उत्तरी पूर्वी भाग छोडकर सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे हडिया झूसी मध्य प्रतापपुर दक्षिण चायल उत्तरपश्चिम सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे हडिया प्रतापपुर करछना झूसी का दक्षिणी पूर्वी भाग बारा का मध्य भाग इस वर्ग मे सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस कोटि के अन्तर्गत हडिया करछना प्रतापपुर बारा मध्य झूसी विधान सभा का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

## 8 7 3 सामान्य से निम्न

इस वर्ग के अन्तर्गत इलाहाबाद जिले मे बहुत कम विधानसभाये सम्मिलित है। असम्बद्ध ऋणात्मक मान के अनुसार इस क्षेत्र मे विभिन्न वर्षो मे निम्नलिखित विधान सभाये सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इसके अन्तर्गत बारा का उत्तरी पूर्वी भाग छोडकर सम्पूर्ण झूसी का दक्षिणी भाग सिराथू मझनपुर सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे मेजा दक्षिणी एव मझनपुर का एव दक्षिणी पूर्वी दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मझनपुर सिराथू, इलाहाबाद पश्चिमी का पश्चिमी भाग झूसी का मध्य भाग सम्मिलित है।

सामान्य से निम्न वर्ग के अन्तर्गत 1974 मे मझनपुर सिराथू, चायल विधानसभा का उत्तरी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

उपरोक्त वर्णन से स्पष्ट है कि असम्बद्ध क्षेत्रो की सख्या प्रत्येक निर्वाचन वर्ष मे निम्नतम है अधिकाश असम्बद्ध क्षेत्र जिले के पश्चिमी भागो मे स्थित है।

## 8 8 मतदान एव कुल जनसख्या अनुसूचित जाति, जनजाति साक्षर, हिन्दू, मुस्लिम जनसख्या का समग्र सह–सम्बन्ध

पिछले अनुभागो मे मतदान के साथ पृथक–पृथक चरो के परिणामो को सम्बद्ध एव असम्बद्ध क्षेत्रो मे बाटकर वर्णन किया गया है। प्रस्तुत अनुभाग मे पाचो चरो का सयुक्त रूप से मतदान से सबन्धित एव असम्बन्धित क्षेत्रो का वर्णन किया जा रहा है। अलग–2 चरो का प्रभाव एव सयुक्त चरो के प्रभाव मे प्राप्त परिणाम समान नही हो सकते। इस प्रकार के अध्ययन से अपनी परिकल्पना और सार्थक सिद्ध होती है।

समाश्रयण अवशेषो का मानचित्रण चित्र क्रमाक 8 8 1 एव 8 8 2 मे प्रस्तुत किया गया है।

मानचित्रानुसार सयुक्त चरो से निम्न स्वरूप स्पष्ट होता है–

### 8 8 1 सामान्य क्षेत्र

निर्वाचन वर्ष 1962 से 1991 तक मतदान एव सयुक्त चर कुल जनसख्या अनुसूचित जाति जनसख्या साक्षर हिन्दू, मुस्लिम जनसख्या के मध्य रैखिक सम्बद्ध वाले क्षेत्रो को सामान्य क्षेत्र के अन्तर्गत सम्मिलित किया गया है। इसके अन्तर्गत विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे भिन्न–भिन्न क्षेत्र सम्मिलित है।
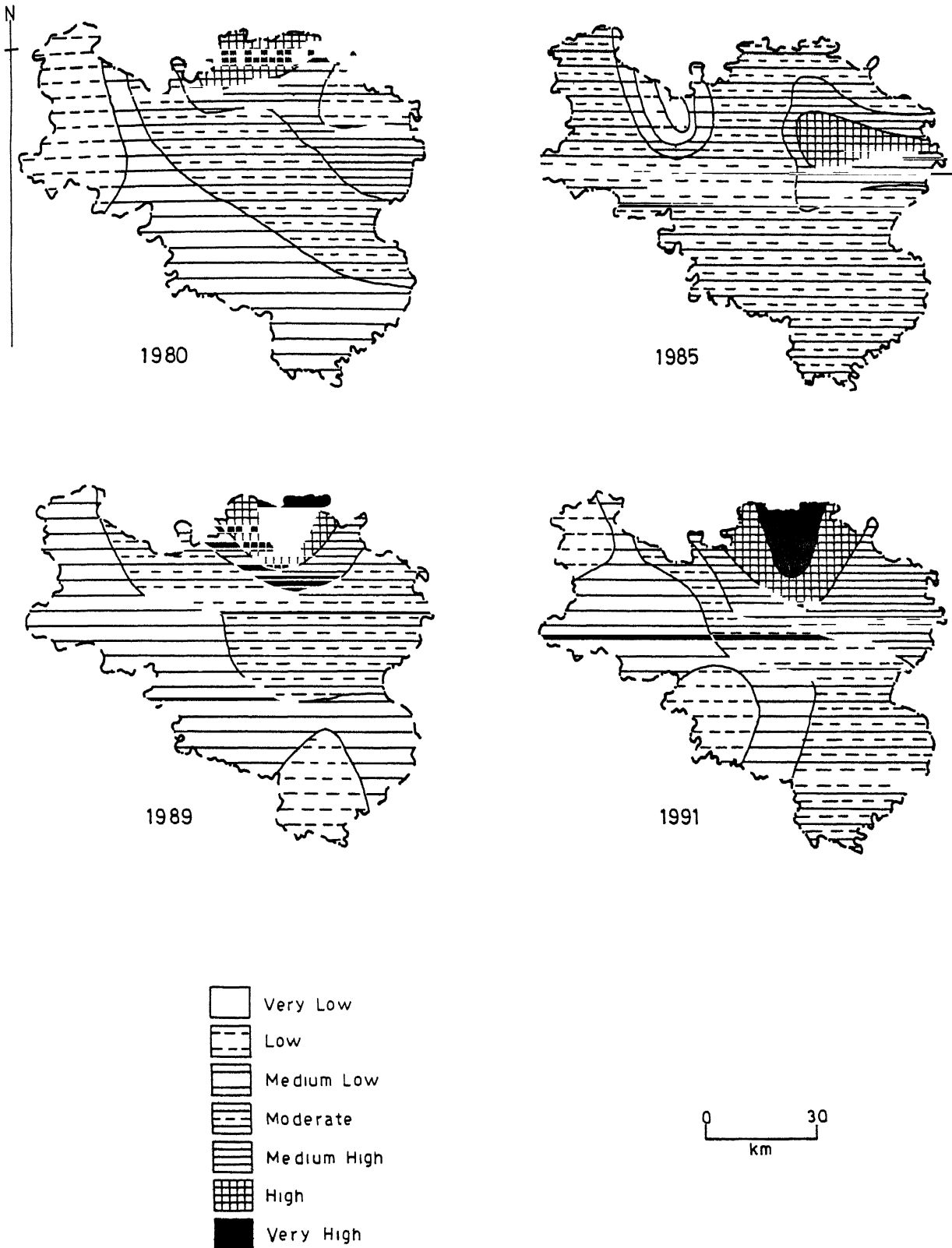
Fig 8 81 Relationship Between Turnout and All Variables 1980-91 Multivariable Regression
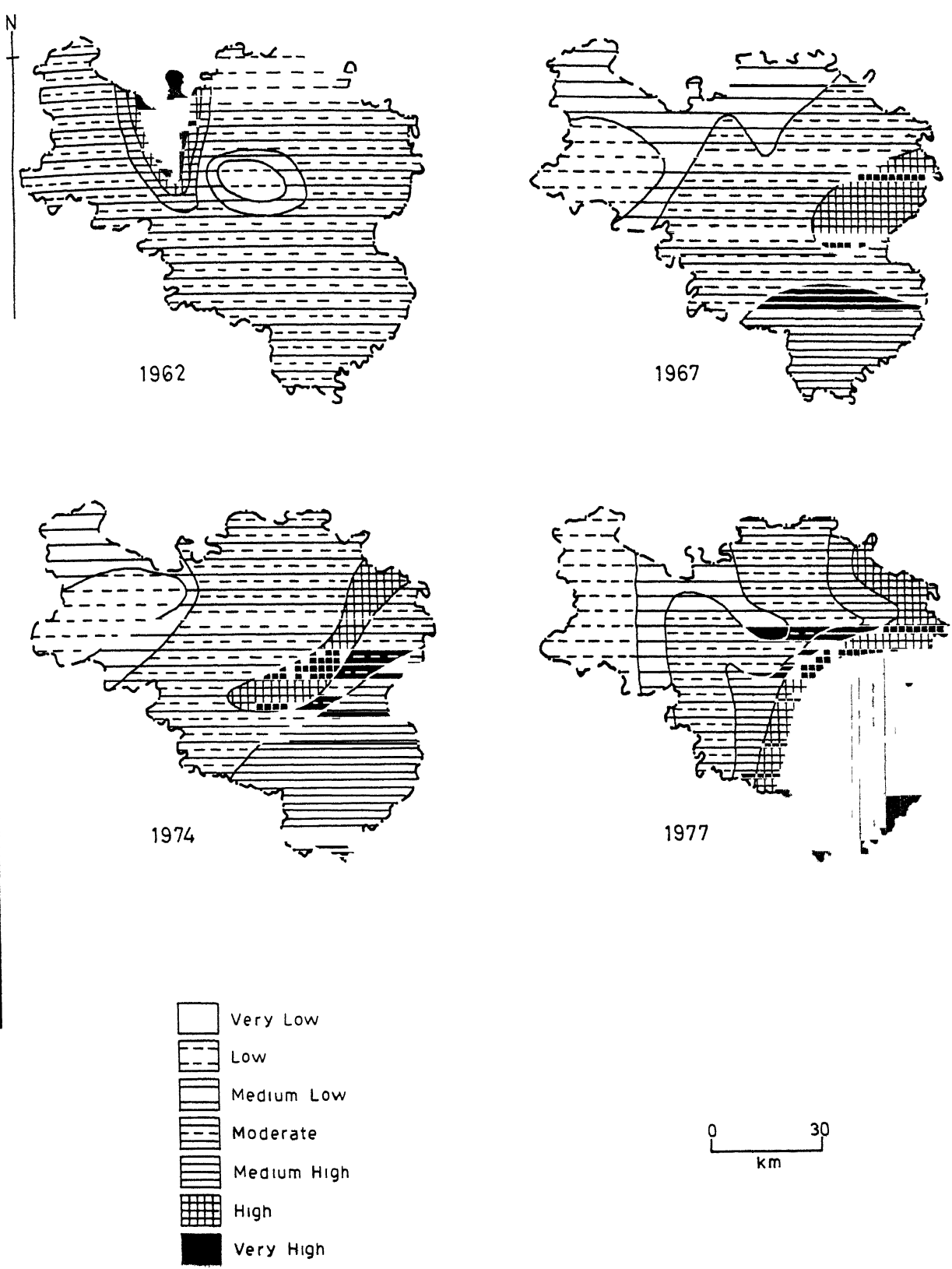
Fig 8 8 2 Relationship Between Turnout and All Variables 1962-77 Multivariate Regression

निर्वाचन वर्ष 1991 मे इसके अन्तर्गत मेजा मध्य दक्षिणी दक्षिणी पूर्वी करछना उत्तरी उत्तरी पूर्वी बारा का उत्तरी किनारा इलाहाबाद पश्चिमी विधानसभा चायल का उत्तरी पूर्वी भाग झूसी विधान सभा का दक्षिणी पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस वर्ग के अन्तर्गत हडिया इलाहाबाद दक्षिणी विधानसभा मेजा का उत्तरी पूर्वी भाग करछना विधान सभा झूसी एव इलाहाबाद उत्तरी का ऊपरी किनारा छोडकर सम्पूर्ण नवाबगज विधान सभा का दक्षिणी पश्चिमी एव दक्षिण पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस कोटि के अन्तर्गत मेजा मध्य बारा करछना का दक्षिणी भाग इलाहाबाद दक्षिणी उत्तरी एव पश्चिमी नवाबगज सोराव प्रतापपुर उत्तरी सिराथू पश्चिमी चायल दक्षिणी सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इसके अन्तर्गत मेजा उत्तरी पूर्वी उत्तरी करछना प्रतापपुर बारा उत्तरी इलाहाबाद दक्षिणी पश्चिमी चायल का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इसके अन्तर्गत बारा का पश्चिमी भाग झूसी दक्षिणी इलाहाबाद पश्चिमी का दक्षिणी भाग इलाहाबाद दक्षिणी का पूर्वी भाग इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा सम्पूर्ण नवाबगज सोराव झूसी सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे मेजा हडिया का दक्षिणी पूर्वी किनारा बारा पश्चिम झूसी दक्षिणी नवाबगज सोराव इलाहाबाद पश्चिमी उत्तरी दक्षिणी विधान सभा मे सामान्य समाभ्रमण रहा अर्थात इन विधानसभाओ से सम्बद्ध क्षेत्र रहे।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे इस वर्ग के अन्तर्गत बारा का पश्चिमी भाग चायल पूर्वी इलाहाबाद पश्चिमी का पश्चिमी भाग इलाहाबाद उतारी झूसी मध्य प्रतापपुर विधान सभा क्षेत्र सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे मेजा करछना केवाई बारा झूसी सोराव पूर्व सोराव पश्चिम का पूर्वी भाग करारी सिराथू का मध्य एव पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

सयुक्त चरो मे अधिकाश विधानसभा क्षेत्र सामान्य के अन्तर्गत रहे।

## 8 8 2 सामान्य से अधिक

मानचित्रानुसार सामान्य से अधिक असम्बद्ध क्षेत्रो के अन्तर्गत सम्बन्ध कम विधानसभाओ का है। असम्बद्ध क्षेत्रो की स्थिति विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे इस प्रकार है।

निर्वाचन वर्ष 1991 मे इसके अन्तर्गत सोराव प्रतापपुर हडिया सम्पूर्ण विधानसभा नवाबगज दक्षिणी किनारा छोडकर सम्पूर्ण विधान सभा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस कोटि मे प्रतापपुर का पश्चिमी किनारा सोराव सम्पूर्ण झूसी का ऊपरी भाग नवाबगज विधान सभा का मध्य उत्तर पश्चिम उत्तर पूर्व भाग इलाहाबाद उत्तरी का ऊपरी भाग आता है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू पूर्वी चायल का उत्तरी एव मध्य भाग झूसी हडिया मेजा उत्तरी एव प्रतापपुर विधान सभा का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इसके अन्तर्गत बारा का उत्तरी भाग छोडकर सम्पूर्ण मेजा सिराथू, चायल उत्तरी मझनपुर सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इसके अन्तर्गत करछना मेजा का उत्तरी भाग हडिया प्रतापपुर बारा पूर्वी विधान सभा क्षेत्र सम्मिलित है। निर्वाचन वर्ष 1974 मे बारा करछना हडिया प्रतापपुर मध्य झूसी दक्षिणी मे असम्बद्ध धनात्मक क्षेत्र विद्यमान रहा। निर्वाचन वर्ष 1967 मे सामान्य से अधिक क्षेत्र के अन्तर्गत मात्र तीन विधान सभाये हडिया करछना बारा पश्चिम सम्मिलित है। इसी तरह 1962

मे भरवारी करारी एव सिराथू पूर्वी विधान सभा सामान्य से अधिक क्षेत्र मे सम्मिलित थी।

## 8 8 3 सामान्य से निम्न

मानचित्रानुसार सामान्य से निम्न के अन्तर्गत 1991 मे सिराथू विधान सभा का पश्चिमी एव उत्तरी पश्चिमी भाग मझनपुर सम्पूर्ण विधान सभा बारा का मध्य दक्षिणी पश्चिमी भाग चायल का मध्य दक्षिण पश्चिमी भाग एव मे जो विधान सभा का पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे प्रतापपुर विधान सभा का पश्चिमी किनारा सोराव सम्पूर्ण विधान सभा झूसी का ऊपरी भाग नवाबगज का मध्य उत्तरीपश्चिमी एव उत्तरी पूर्वी भाग इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा के ऊपरी भाग मे सामान्य से निम्न अर्थात ऋणात्मक रैखिक सम्बद्धता विद्यमान थी।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा का मध्य एव दक्षिणी भाग एव मझनपुर विधान सभा का दक्षिणी पश्चिमी एव दक्षिणी पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सोराव नवाबगज झूसी हडिया सम्मिलित है इसके अतिरिक्त कुछ छिट–पुट विधान सभाये सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मझनपुर सिराथू उत्तरी चायल नवाबगज पश्चिम इलाहाबाद पश्चिमी का उत्तरी भाग एव इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा का पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू, मझनपुर का मध्य उत्तरपूर्व एव उत्तर पश्चिम क्षेत्र सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे मझनपुर सिराथू, चायल पश्चिमी नवाबगज एव सोराव उत्तरी विधान सभा क्षेत्र सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे इस वर्ग के अन्तर्गत इलाहाबाद शहर दक्षिणी का उत्तरी भाग एव चायल विधान सभा का पूर्वी भाग सम्मिलित है।

उपरोक्त विश्लेषण से मतदान एव समस्त चरो के मध्य समाश्रयण प्रतिमान से निम्न निष्कर्ष निकलता है।

1 ग्रामीण क्षेत्रो मे अधिकाश मतदाता सामान्य रूप से जागरूक है।

2 नगरीय मतदाताओ मे उच्च जागरूकता है।

3 ग्रामीण एव नगरीय दोनो क्षेत्रो मे विभिन्न वर्षो मे इस जागरुकता मे व्यापक परिवर्तन हुआ है।

## नवम् अध्याय

# विजयी दल एवं सामाजिक चरों के मध्य सह–सम्बन्ध

# 9 विजयी दल एव सामाजिक चरो के मध्य सह–सम्बन्ध

लोकतत्र मे राजनीतिक दल सरकार एव जनता के मध्य कडी है। इन्ही के माध्यम से जनता को सहभागिता प्राप्त होती है। विजयी दल जनता का प्रतिनिधित्व करता है। पिछले अध्याय छ एव सात मे 1962 से 1991 तक इलाहाबाद जिले मे सम्पन्न निर्वाचनो मे विभिन्न दलो का विस्तृत विवेचन किया गया है। प्रस्तुत अध्याय मे विजयी दल मत एव सामाजिक चरो कुल जनसख्या अनुसूचित जाति जनसख्या साक्षर जनसख्या जनजाति जनसख्या हिन्दू जनसख्या मुस्लिम जनसख्या का पृथक–पृथक एव सयुक्त रूप से विश्लेषण प्रदर्शित किया गया है।

अध्ययन की आवश्यकतानुसार प्रस्तुत अध्याय को आठ अनुभागो मे विभाजित किया गया है। प्रथम अनुभाग 9 1 मे समाश्रयण प्रतिमान सम्बन्धो की प्रकृति समाश्रयण अवशेष की विवेचना की गयी है। अनुभाग 9 2 मे विजयी दल एव कुल जनसख्या अनुभाग 9 3 विजयी दल अनुसूचित जाति जनसख्या अनुभाग 9 4 मे विजयी दल एव जनजाति जनसख्या अनुभाग 9 5 मे विजयी दल एव साक्षर जनसख्या 9 6 मे विजयी दल एव हिन्दू जनसख्या 9 7 मे विजयी दल एव मुस्लिम जन सख्या अन्तिम अनुभाग 9 8 से सभी चरो का समग्र प्रदर्शन वर्णित किया गया है। उपरोक्त विश्लेषण मे विजयी दल एव समस्त चरो के मध्य निर्मित सम्बन्धित एव असम्बन्धित क्षेत्रो का स्थानिक वर्णन प्रस्तुत किया गया है। इस विश्लेषण का मुख्य कारण विजयी दल के साथ किस चर का सम्बन्ध किस परिस्थिति मे जुडा है वर्णित किया गया है।

## 9 1 समाश्रयण प्रतिमान

अध्याय आठ की तरह प्रस्तुत अनुभाग मे विजयी दल मत एव सामाजिक चरो के मध्य सम्बन्धो का विश्लेषण करने के लिए रैखिक समाश्रयण प्रतिमान (द्विचरीय एव बहुचरीय) का प्रयोग किया गया है। इलाहाबाद जनपद मे विजयी दल मत एव सामाजिक चरो के मध्य रैखिक सह सम्बन्ध प्रतिमान निम्न सूत्र द्वारा विश्लेषित किया गया है–

$Y = a + bx$ (द्विचरीय)

$Y = a + b_1x_1 + b\ x_2 + b_3x_3 + b_4x_4 + b_5x_5 + b_6x_6$ (बहुचरीय)

Y = विजयी दल मत

a = विजयी दल मत के उस परिणाम को इगित करता है जब विजयी दल पर चरो का प्रभाव शून्य हो।

b = सामाजिक चरो मे परिवर्तन के समय विजयी दल मत मे परिवर्तन की दर को बतलाता है।

$X_1$ = प्रथम चर

$X_2$ = द्वितीय चर

$X_3$ = तृतीय चर

$X_4$ = चर्तुथ चर

$X_5$ = पचम चर

$X_6$ = षष्टम चर

उपरोक्त समाश्रयण प्रतिभाव के द्वारा विजयी दल एव सामाजिक चरा के मध्य सम्बन्धो की प्रकृति मात्रा एव सम्बन्धो का समाश्रयण अवशेष प्राप्त हुआ है। जिसका विश्लेषण निम्नवत है–

## 9 1 1 सम्बन्धो की प्रकृति

इलाहाबाद जिले मे 1962 से 1991 तक सम्पन्न विधान सभा निर्वाचन के लिए विजयी दल एव समस्त चरो के मध्य समाश्रयण प्रतिमान का गणितीय विश्लेषण किया गया जिसका वर्णन क्रमश तालिक 9 1 1 912 913 914 9 15 916 917 918 मे किया गया है।

**तालिका 9 1 1**

### सम्बन्धो की प्रकृति (समाश्रयण प्रतिमान) 1991

**द्विचरीय**

| | |
|---|---|
| प्रथम चर – | 51097 87 $-0395\ x_1$ |
| द्वितीय चर – | 51097 87 $-1736\ x_2$ |
| तृतीय चर – | 51097 87 $+13\ 764\ x_3$ |
| चतुर्थ चर – | 51097 87 $-0439\ x_4$ |
| पचम चर – | 51097 87 $+000\ x_5$ |
| षष्टम चर – | 51097 87 $-000\ x_6$ |

**बहुचरीय**

सयुक्तचर 51097 87 $- 0395 x_1 - 1736 x_2 + 13\ 764 x_3 - 0439 x_4 + 000 x_5 - 000 x_6$

तालिका 9 1 2

## सम्बन्धो की प्रकृति (समाश्रयण प्रतिमान) 1989

द्विचरीय–

| | |
|---|---|
| प्रथम चर – | $17172\ 25 - 0060 x_1$ |
| द्वितीय चर – | $17172\ 25 - 0713 x_2$ |
| तृतीय चर – | $17172\ 25 - 0812 x_3$ |
| चतुर्थ चर – | $17172\ 25 - 0159 x_4$ |
| पचम चर – | $17172\ 25 + 1\ 675 x_5$ |
| षष्टम चर – | $17172\ 25 - 0433 x_6$ |

**बहुचरीय**

सयुक्त चर – $17172\ 25 - 0060 x_1 - 0713 x_2 - 0812 x_3 - 0159 x_4 + 1\ 675 x_5 - 0433 x_6$

तालिका 9 1 3

## सम्बन्धो की प्रकृति (समाश्रयण प्रतिमान) 1985

द्विचरीय–

| | |
|---|---|
| प्रथम चर – | $6890\ 93 + 0121 x_1$ |

| | |
|---|---|
| द्वितीय चर – | 6890 93 + 0481 $x_2$ |
| तृतीय चर – | 6890 93 + 0000 $x_3$ |
| चतुर्थ चर – | 6890 93 + 0133 $x_4$ |
| पचम चर – | 6890 93 + 0083 $x_5$ |
| षष्टम चर – | 6890 93 + 0364 $x_6$ |

**बहुचरीय**

सयुक्त चर – 6890 93 + 0121 $x_1$ + 0481 $x_2$ + 0000 $x_3$ + 0133 $x_4$ + 0083 $x_5$ + 0364 $x_6$

तालिका 9 1 4

## सम्बन्धो की प्रकृति (समाश्रयण प्रतिमान) 1977

**द्विचरीय–**

| | |
|---|---|
| प्रथम चर – | 5950 20 + 0036 $x_1$ |
| द्वितीय चर – | 5950 20 + 0123 $x_2$ |
| तृतीय चर – | 5950 20 + 6307 $x_3$ |
| चतुर्थ चर – | 5950 20 – 6 593 $x_4$ |
| पचम चर – | 5950 20 – 0019 $x_5$ |
| षष्टम चर – | 5950 20 – 1091 $x_6$ |

**बहुचरीय**

सयुक्त चर – 5950 20 + 0036 $x_1$ + 0123 $x_2$ + 6307 $x_3$ – 6 593 $x_4$ – 0019 $x_5$ – 1091 $x_6$

तालिका 9 1 5

## सम्बन्धो की प्रकृति (समाश्रयण प्रतिमान) 1980

द्विचरीय–

| | |
|---|---|
| प्रथम चर – | 6305 27 – 0083 $x_1$ |
| द्वितीय चर – | 6305 27 – 0502 $x_2$ |
| तृतीय चर – | 6305 27 + 0531 $x_3$ |
| चतुर्थ चर – | 6305 27 – 0156 $x_4$ |
| पचम चर – | 6305 27 – 0053 $x_5$ |
| षष्टम चर – | 6305 27 – 0423 $x_6$ |

**बहुचरीय**

सयुक्त चर – 6305 27 – 0083 $x_1$ – 0502 $x_2$ + 0531$x_3$ – 0156 $x_4$ – 0423 $x_6$

तालिका 9 1 6

## सम्बन्धो की प्रकृति (समाश्रयण प्रतिमान) 1974

द्विचरीय–

| | |
|---|---|
| प्रथम चर – | 8283 79 – 2 071 $x_1$ |

| | |
|---|---|
| द्वितीय चर – | 8283 79 – 0238 $x_2$ |
| तृतीय चर – | 8283 79 – 0124 $x_3$ |
| चतुर्थ चर – | 8283 79 – 0194 $x_4$ |
| पचम चर – | 8283 79 – 0117 $x_5$ |
| षष्टम चर – | 8283 79 – 0164 $x_6$ |

**बहुचरीय**

सयुक्त चर –8283 79 – 2 071$x_1$ – 0238$x_2$ – 0124$x_3$ – 0194$x_4$ – 0117 $x_5$ – 0164 $x_6$

तालिका 9 1 7

## सम्बन्धो की प्रकृति (समाश्रयण प्रतिमान) 1967

**द्विचरीय–**

| | |
|---|---|
| प्रथम चर – | 3220 94 + 0049 $x_1$ |
| द्वितीय चर – | 3220 94 + 0603 $x_2$ |
| तृतीय चर – | 3220 94 + 0601 $x_3$ |
| चतुर्थ चर – | 3220 94 + 0079 $x_4$ |
| पचम चर – | 3220 94 + 0086 $x_5$ |
| षष्टम चर – | 3220 94 + 0076 $x_6$ |

**बहुचरीय**

सयुक्त चर – 3220 94 + 0049 $x_1$ + 0603 $x_2$ + 0601 $x_3$ + 0079$x_4$ + 0086 $x_5$ + 0076 $x_6$

### तालिका 9 1 8

## सम्बन्धो की प्रकृति (समाश्रयण प्रतिमान) 1962

द्विचरीय–

| | |
|---|---|
| प्रथम चर – | 33255 74 + 0946 $x_1$ |
| द्वितीय चर – | 33255 74 + 6066 $x_2$ |
| तृतीय चर – | 33255 74 + 0000 $x_3$ |
| चतुर्थ चर – | 33255 74 + 0533 $x_4$ |
| पचम चर – | 33255 74 + 0000 $x_5$ |
| षष्टम चर – | 33255 74 + 0000 $x_6$ |

**बहुचरीय**

सयुक्त चर – 33255 74 + 0946 $x_1$ + 6066 $x_2$ + 0000 $x_3$ + 0533 $x_4$ + 0000 $x_5$ + 0000 $x_6$

तालिका 9 1 1 से 9 1 8 के विश्लेषण से निम्नलिखित निष्कर्ष निकलता है

1 निर्वाचन वर्ष 1991 मे तृतीय पचम षष्टम चर मे धनात्मक सम्बन्ध पाया गया जब कि प्रथम द्वितीय चतुर्थ मे ऋणात्मक।

2 निर्वाचन वर्ष 1989 मे पचम चर मे धनात्मक सम्बन्ध निर्मित है जब कि शेष चरो मे ऋणात्मक सम्बन्ध।

3 निर्वाचन वर्ष 1985 मे प्रथम द्वितीय तृतीय चतुर्थ पचम षष्टम समस्त चरो मे धनात्मक सम्बन्ध पाया गया।

4 निर्वाचन वर्ष 1980 मे मात्र तृतीय चर मे धनात्मक सम्बन्ध है।

5 निर्वाचन वर्ष 1977 मे प्रथम द्वितीय तृतीय चर सम्बन्ध धनात्मक है जबकि चतुर्थ पचम षष्टम चर ऋणात्मक है।

6 निर्वाचन वर्ष 1974 मे समस्त चर सम्बन्ध ऋणात्मक है।

7 निर्वाचन वर्ष 1967 मे भी ऋणात्मक सम्बन्ध है।

8 निर्वाचन वर्ष 1962 मे प्रथम द्वितीय तृतीय चर मे धनात्मक सम्बनध है जब कि चतुर्थ पचम षष्टम चर मे ऋणात्मक सम्बन्ध है।

उपरोक्तत विश्लेषण से स्पष्ट है कि निर्वाचन वर्ष 1977 एव 62 मे साम्य प्रभाव है जब 1985 के निर्वाचन वर्ष मे अन्य सभी निर्वाचन वर्षो से विपरीत क्योकि इस वर्ष सभी चरो मे धनात्मक सम्बन्ध निर्मित है।

## 9 1 2 सम्बन्धो की मात्रा

प्रस्तुत अनुभाग मे चरो के सम्बन्धो की मात्रा या डिग्री का वर्णन किया जा रहा है। छ चरो एव सयुक्त चर के साथ विजयी दल का सहसम्बन्ध गुणाक के द्वारा निरूपित किया जा रहा है।

निर्वाचन वर्ष 1962 से 1991 तक विजयी दल मत एव चरो का पृथक–पृथक सयुक्त सह–सम्बन्ध गुणाक तालिका 9 2 मे प्रदर्शित किया गया है।

तालिका 9 2

## सम्बन्धो की मात्रा (सह सम्बन्ध गुणाक) 1962 से 91

| क्रम | चर | 1962 | 1967 | 1974 | 1977 | 1980 | 1985 | 1989 | 1991 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | प्रथम चर | +525 | 243 | 005 | +112 | 249 | +345 | -081 | +914 |
| 2 | द्वितीय चर | +270 | +129 | 100 | +072 | 279 | +305 | 181 | 218 |
| 3 | तृतीय चर | +002 | 212 | N A | +013 | N A | N A | 121 | +087 |
| 4 | चतुर्थ चर | -020 | 214 | 2568 | 012 | -276 | +277 | -130 | 174 |
| 5 | पचम चर | -031 | 028 | 3061 | 069 | 183 | +256 | +002 | N A |
| 6 | षष्टम चर | 053 | 065 | 028 | 262 | 097 | +304 | 148 | N A |
| 7 | सयुक्त चर | +525 | 2439 | 0052 | +112 | 24 | +345 | 081 | +941 |

## 9 1 3 समाश्रयण अवशेष

प्रस्तुत अनुभाग मे विजयी दल के अनुमानित मत एव वास्तविक मत के अन्तर (विचलन) को प्रदर्शित किया गया है। जिसे विजयी दल का समाश्रयण अवशेष कहा गया है। इस समाश्रयण अवशेष को मानक लब्धि मे परिवर्तित करके मानचित्र मे प्रदर्शित किया गया किन्तु प्रदर्शन के पूर्व इन अवशेषो को विभिन्न वर्गो मे विभक्त किया गया है। यह वर्ग तालिक (9 1 3 1) प्रस्तुत किया गया है।

### तालिका 9 1 3 1

## समाश्रयण से प्राप्त अवशेषो के वर्ग

समाश्रयण अवशेषो के माध्यम से उन क्षेत्रो को निर्धारित किया गया जिसमे विजयी दल मत एव पृथक–पृथक चरो के बीच समाभ्रमण प्रतिमान सफल

है। सफल क्षेत्रो के अतिरिक्त उन क्षेत्रो का निर्धारण भी किया गया जहाँ विजयी दल एव चरो के बीच समाश्रयण प्रतिमान सफल सिद्ध नही हुआ इसे असफल क्षेत्र की सज्ञा दी गयी।

| वर्ग | सीमाये मानकलब्धि | दिशा एव स्तर | क्षेत्र विवरण |
|---|---|---|---|
| 1 | 15 से ऊपर | उच्चतम धनात्मक | सामान्य से अधिक उच्चतम |
| 2 | 10 से 15 | उच्च धनात्मक | सामान्य से अधिक (उच्च) |
| 3 | 05 से 10 | उच्च मध्यम | सामान्य से अधिक (मध्यम) |
| 4 | 05 से –05 | मध्यम | सामान्य |
| 5 | –05 से –10 | ऋणात्मक मध्यम | सामान्य से निम्न (मध्यम) |
| 6 | –10 से –15 | ऋणात्मक उच्च | सामान्य से निम्न (उच्च) |
| 7 | –15 से ऊपर | ऋणात्मक उच्चतम | सामान्य से निम्न (उच्चतम) |

तालिका (9131) दिशा एव स्तर के आधार पर समाश्रयण अवशेषो को मुख्यत तीन क्षेत्रो मे बाटा गया। प्रथम क्षेत्र को सामानय क्षेत्र कहा गया द्वितीय को सामान्य से अधिक (धनात्मक) तृतीय को सामान्य से निम्न (ऋणात्मक) क्षेत्र की सज्ञा दी गयी। धनात्मक (सामान्य से अधिक) ऋणात्मक (सामान्य से निम्न) क्षेत्रो के अन्तर्गत असफल क्षेत्रो को निरूपित किया गया है जब कि सामान्य क्षेत्र के अन्तर्गत वे क्षेत्र है जहाँ प्रतिमान के द्वारा विजयी दल एव सामाजिक चरो के मध्य रैखिक सम्बन्ध पूर्व रूप से पाया गया अर्थात सम्बन्ध सफल सिद्ध हुआ।

तालिका (9 1 3 2 9 1 3 3 एव 9 1 3 4) मे क्रमश मानक त्रुटि (1962 से 1991) एफ अनुपात (1962 से 1991) b मान की मानक वृति (1962 से 1991) का वर्णन प्रस्तुत किया गया है।

## तालिका 9 1 3 2

## मानक त्रुटि (1962–1991)

| | | वर्ष | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रम | चर | 1962 | 1967 | 1974 | 1977 | 1980 | 1985 | 1989 | 1991 |
| 1 | प्रथम चर (फुल जनसख्या) | 044 | 005 | 011 | 009 | 009 | 0080 | 021 | 004 |
| 2 | द्वितीय चर (अनुसूचित जनसख्या) | 624 | 133 | 067 | 048 | 049 | 0433 | 111 | 224 |
| 3 | तृतीय चर (जनजाति जनसख्या) | | | | | | | | 45 44 |
| 4 | चतुर्थ चर (साक्षर जनसख्या) | 762 | 010 | 021 | 015 | 015 | 0133 | 0348 | 071 |
| 5 | पचम चर (हिन्दू जनसख्या) | | | 010 | 007 | 008 | 009 | 023 | |
| 6 | षष्टम् चर (मुस्लिम जनसख्या) | | | 163 | 115 | 124 | 0329 | 0835 | |
| 7 | सयुक्त चर (उपरोक्त सभी) | 044 | 005 | 011 | 009 | 009 | 0080 | 0211 | 0041 |

## तालिका 9 1 3 3

## एफ0 अनुपात (1962–1991)

| | | वर्ष | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रम | चर | 1962 | 1967 | 1974 | 1977 | 1980 | 1985 | 1989 | 1991 |
| 1 | प्रथम चर (कुल जनसख्या) | 4 56 | 759 | 3 29 | 152 | 794 | 1 62 | 081 | 93 5 |
| 2 | द्वितीय चर (अनुसूचित जनसख्या) | 945 | 204 | 123 | 064 | 1 015 | 1 237 | 409 | 601 |
| 3 | तृतीय चर (जनजाति जनसख्या) | | | | | | | | 092 |
| 4 | चतुर्थ चर (साक्षर जनसख्या) | 4 88 | 579 | 847 | 1 84 | 991 | 1 00 | 0 209 | 375 |
| 5 | पचम चर (हिन्दू जनसख्या) | | | 1 24 | 059 | 420 | 844 | 5 00 | |
| 6 | षष्टम चर (मुस्लिम जनसख्या) | | | 010 | 890 | 116 | 1 22 | 269 | |
| 7 | सयुक्त चर (उपरोक्त सभी) | 4 56 | 759 | 3 29 | 152 | 794 | 1 62 | 081 | 93 55 |

तालिका 9 1 3 4

## 'b' मान की मानक त्रुटि (1962–1991)

| | | वर्ष | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रम | चर | 1962 | 1967 | 1974 | 1977 | 1980 | 1985 | 1989 | 1991 |
| 1 | प्रथम चर (कुल जनसख्या) | 29458 42 | 3251 25 | 8621 93 | 6154 21 | 6353 80 | 6731 82 | 17813 63 | 17932 72 |
| 2 | द्वितीय चर (अनुसूचित | 33326 07 | 3324 55 | 8578 27 | 6176 72 | 6301 61 | 6828 93 | 17576 08 | 51901 47 |

| | जनसख्या) | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | तृतीय चर (जनजाति जनसख्या) | – | – | | | | – | – | 5298 22 |
| 4 | चतुर्थ चर (साक्षर जनसख्या) | 34606 62 | 3274 43 | 8332 00 | 6192 69 | 6307 54 | 6890 10 | 17719 95 | 52372 47 |
| 5 | पचम चर (हिन्दू जनसख्या) | | | 8208 10 | 6178 04 | 6450 83 | 6932 61 | 17873 40 | |
| 6 | षष्टम चर (मुस्लिम जनसख्या) | | | 8618 45 | 5975 46 | 6531 19 | 6832 54 | 17676 69 | |
| 7 | सयुक्त चर (उपरोक्त सभी) | 29458 48 | 3251 85 | 8621 63 | 6154 21 | 6353 80 | 6731 82 | 17813 63 | 17932 72 |

'b' = सामाजिक चरो मे परिवर्तन के दौरान विजयी दल के मत मे परिवर्तन की दर को प्रदर्शित करता है।

## 9 2 विजयी दल एव कुल जनसख्या सह सम्बन्ध

प्रस्तुत अनुभाग मे निर्वाचन वर्ष 1962 से 1991 तक सम्पन्न चुनाव मे इलाहाबाद जिले की समस्त विधान सभाओ मे निर्वाचन से विजयी दल को प्राप्त मत एव प्रथम चर (जनसख्या) के बीच स्थापित रैखिक सम्बद्ध एव असम्बद्ध क्षेत्रो का वर्णन प्रस्तुत किया है। इनके समाश्रयण अवशेषो को मानचित्र 9 2 1 एव 9 2 2 मे प्रदर्शित किया गया है। सम्बद्ध एव असम्बद्ध क्षेत्र जो क्रमश सामान्य सामान्य से अधिक एव सामान्य से निम्न है। उनका विश्लेषण इस प्रकार है।

### 9 2 1 सामान्य क्षेत्र

मानचित्र 9 2 1 एव 9 2 2 के अनुसार सामान्य क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न विधान सभा सम्मिलित है।
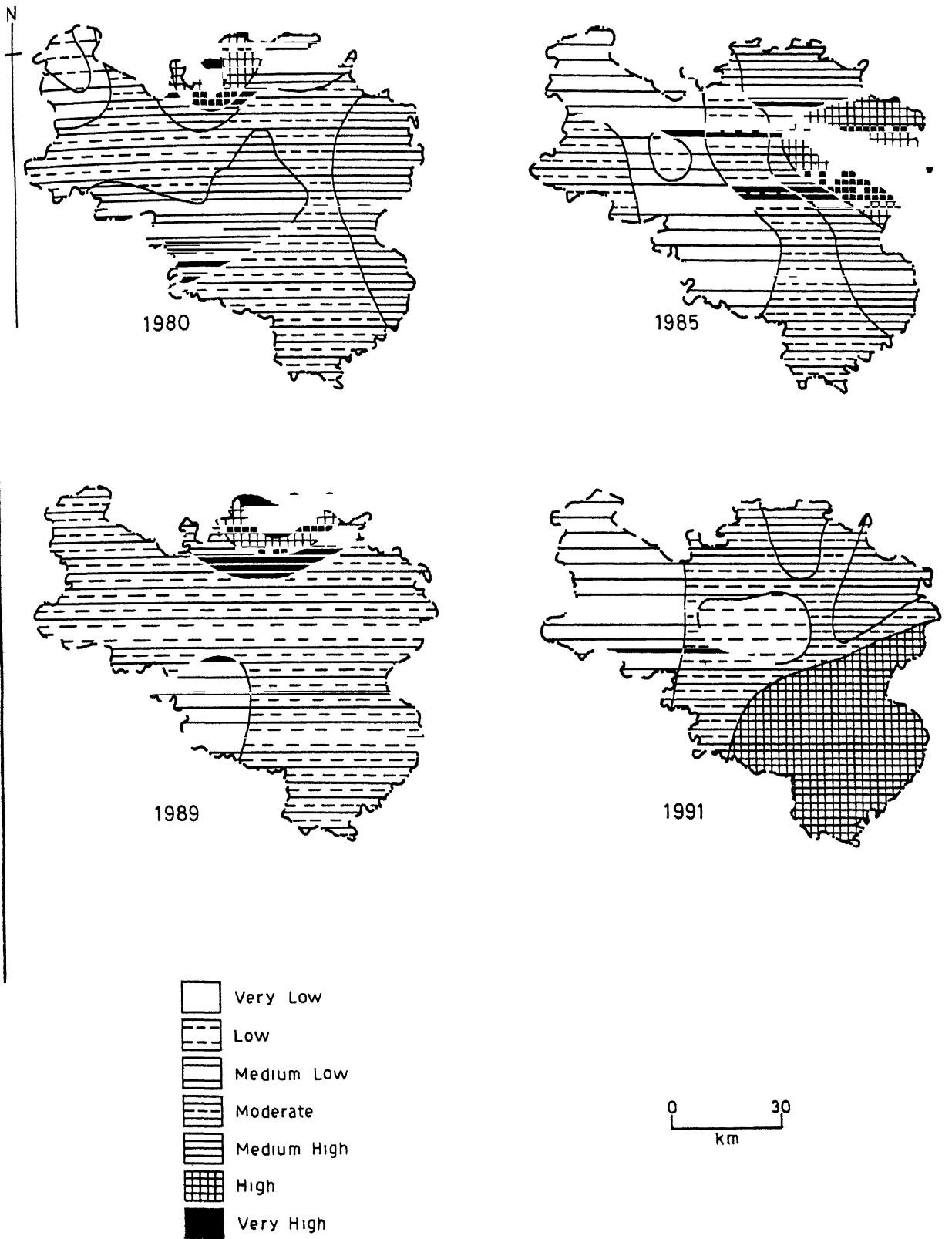
Fig 9.21 Relationship Between Winner and Population 1980 to 1991
Bivariate Regression
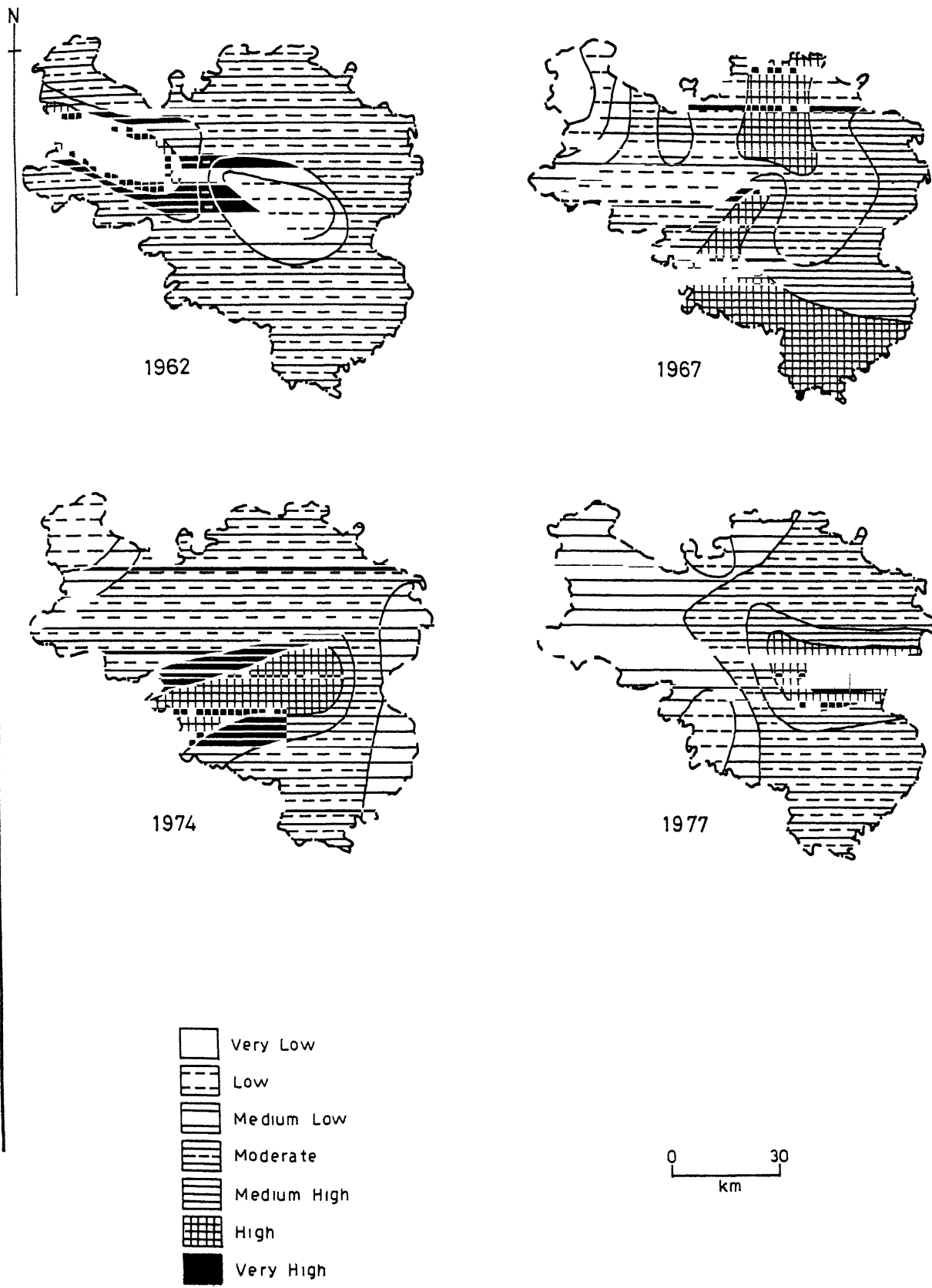
Fig 9.22 Relationship Between Winner and Population 1962 to 1977 Bivariate Regression

निर्वाचन वर्ष 1991 मे इस वर्ग के अन्तर्गत प्रतापपुर झूसी उत्तरी सोराव पूर्वी सिराथू, मझनपुर चायल पश्चिमी सोराव नवाबगज सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त छिट–पुट भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा करछना हडिया प्रतापपुर इलाहाबाद उत्तरी दक्षिणी पश्चिमी विधानसभा सम्पूर्ण मझनपुर सिराथू चायल बारा का उत्तरी भाग एव उत्तरी पूर्वी भाग झूसी विधानसभा का ऊपरी भाग छोडकर सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है। इस वर्ष मे विजयी पार्टी के प्रति कुल जनसख्या का झुकाव सामान्य रहा है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधानसभा का उत्तरी पूर्वी भाग करछना उत्तरी झूसी का पश्चिमी किनारा प्रतापपुर उत्तरी सोराव नबाबगज का उत्तरी पूर्वी भाग चायल उत्तरी विधान सभा एव बारा दक्षिणी विधान सभा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत प्रतापपुर मध्य मेजा मध्य एव पश्चिमी इलाहाबाद उत्तरी दक्षिणी पश्चिमी विधान सभा मझनपुर चायल सम्मिलित है इसके अतिरिक्त छिट पुट विधान सभा क्षेत्र भी सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधान सभा का दक्षिणी एव पूर्वी भाग बारा का मध्य एव उत्तरी पूर्वी भाग इलाहाबाद पश्चिमी सम्पूर्ण इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा का उत्तरी भाग झूसी उत्तरी प्रतापपुर पूर्वी हडिया विधान सभा का दक्षिणी भाग मझनपुर एव चायल विधान सभा का मध्य भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा मध्य प्रतापपुर सोराव झूसी का उत्तरी भाग इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा का उत्तरी भाग एव उत्तरी एव इलाहाबाद पश्चिमी चायल मझनपुर का मध्य भाग एव दक्षिणी पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मझनपुर विधान सभा का मध्य एव दक्षिणी भाग चायल नवाबगज हडिया विधान सभा का पश्चिमी भाग करछना झूसी विधान सभा का दक्षिणी भाग इलाहाबाद पश्चिमी विधान सभा का मध्य भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा केवाई फूलपुर सोराव पूर्व एव सोराव पश्चिमी विधानसभा इलाहाबाद शहर उत्तरी विधान सभा का उत्तरी भाग एव बारा सम्मिलित है।

## 922 सामान्य से अधिक

मानचित्र 921 एव 922 के अनुसार असम्बद्ध क्षेत्रो के अन्तर्गत स्थिति इस प्रकार है–

निर्वाचन वर्ष 1991 मे इस वर्ग के अन्तर्गत हडिया मेजा का पूर्वी भाग करछना का दक्षिणी पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इसके अन्तर्गत सोराव विधान सभा सम्पूर्ण नवाबगज सम्पूर्ण झूसी विधान सभा का ऊपरी उत्तरी किनारा सम्मिलित है। इसी तरह निर्वाचन वर्ष 1985 मे हडिया झूसी का पूर्वी भाग चायल मध्य एव प्रतापपुर दक्षिणी विधान सभा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत नवाबगज मेजा उत्तरपूर्व हडिया मध्य पूर्व सोराव सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत हडिया विधान सभा का दक्षिणी भाग मेजा उत्तरी करछना बारा उत्तरपूर्व इलाहाबाद दक्षिणी एव इलाहाबाद उत्तरी का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत बारा करछना विधान सभा इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा का दक्षिणी पूर्वी भाग झूसी का दक्षिणी किनारा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधान सभा बारा विधान सभा का दक्षिणी भाग हडिया प्रतापपुर विधानसभा का पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे इस वर्ग के अन्तर्गत करारी सिराथू, चायल विधान सभा भरवारी विधान सभा का पूर्वी भाग सम्मिलित है।

## 9 2 3 सामान्य से निम्न

मानचित्रानुसार सामान्य से निम्न के अन्तर्गत विभिन्न वर्षो मे ऋणात्मक असम्बद्ध क्षेत्रो की स्थिति निम्नवत है।

निर्वाचन वर्ष 1991 मे इस वर्ग मे इलाहाबाद उत्तरी दक्षिणी एव पश्चिमी विधान सभा क्षेत्र एव 1989 मे बारा विधान सभा का दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधान सभा का मध्य भाग करछना विधान सभा का दक्षिणी भाग बारा का उत्तरी पूर्वी भाग इलाहाबाद पश्चिमी इलाहाबाद उत्तरी एव दक्षिणी का पश्चिमी भाग नवाबगज विधान सभा का मध्य भाग सम्मिलित है। किन्तु निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के मात्र एक विधान सभा सिराथू सम्मिलित थी।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे सिराथू, नवाबगज का उत्तरी भाग सोराव उत्तर पश्चिमी एव बारा का दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है निर्वाचन वर्ष 1974 मे 1977 से स्थिति भिन्न रही इस वर्ष ऋणात्मक असम्बद्धता मझनपुर विधानसभा के उत्तरी पश्चिमी भाग हडिया मेजा के पूर्वी किनारे मे एव सिराथू विधान सभा का पूर्वी किनारा छोड सम्पूर्ण मे थी।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे सिराथू विधानसभा तथा मझनपुर विधानसभा के उत्तरी किनारे मे सामान्य से निम्न क्षेत्र था। निर्वाचन वर्ष 1962 मे इस वर्ग के अन्तर्गत करछना इलाहाबाद शहर दक्षिणी इलाहाबाद शहर उत्तरी का दक्षिणी भाग एव चायल विधान सभा का पूर्वी भाग सम्मिलित था।

## 9 3 विजयी दल एव अनुसूचित जाति जनसख्या सह सम्बन्ध

प्रस्तुत अनुभाग मे विजयी दल मत एव अनुसूचित जाति जनसख्या चर के साथ सम्बन्ध स्थापित किया गया है। जिसकी प्रकृति एव मात्रा का वर्णन 9 1 1 एव 9 1 2 मे किया गया है। इस अनुभाग मे उन क्षेत्रो का वर्णन किया जा रहा जिन क्षेत्रो मे विजयी दल एव अनुसूचित जाति जनसख्या के बीच स्थापित रैखिक सम्बन्ध है।

समाश्रयण अवशेषो को मानचित्र 9 3 1 एव 9 3 2 मे प्रदर्शित किया गया है। मानचित्रानुसार प्रदर्शित अवशेष सम्बद्ध एव असम्बद्ध क्षेत्र जो क्रमश सामान्य सामान्य से अधिक सामान्य से निम्न है उनका विश्लेषण निम्नवत है।

### 9 3 1 सामान्य क्षेत्र

मानचित्र 9 3 1 एव 9 3 2 के विश्लेषण से इलाहाबाद जिले मे सामान्य क्षेत्रो का विस्तार विभिन्न वर्षो मे निम्नानुसार है–

निर्वाचन वर्ष 1991 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा करछना बारा हडिया प्रतापपुर फूसी सोराव नवाबगज सिराथू मझनपुर चायल विधान सभा के सम्मिलित छिट पुट क्षेत्र भी सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस सम्बद्ध क्षेत्र मे प्रतापपुर विधान सभा का दक्षिणी पूर्वी भाग छोडकर सम्पूर्ण झूसी का उत्तरी भाग इलाहाबाद उत्तरी इलाहाबाद दक्षिणी का उत्तर भाग इलाहाबाद पश्चिमी चायल का दक्षिणी भाग छोडकर
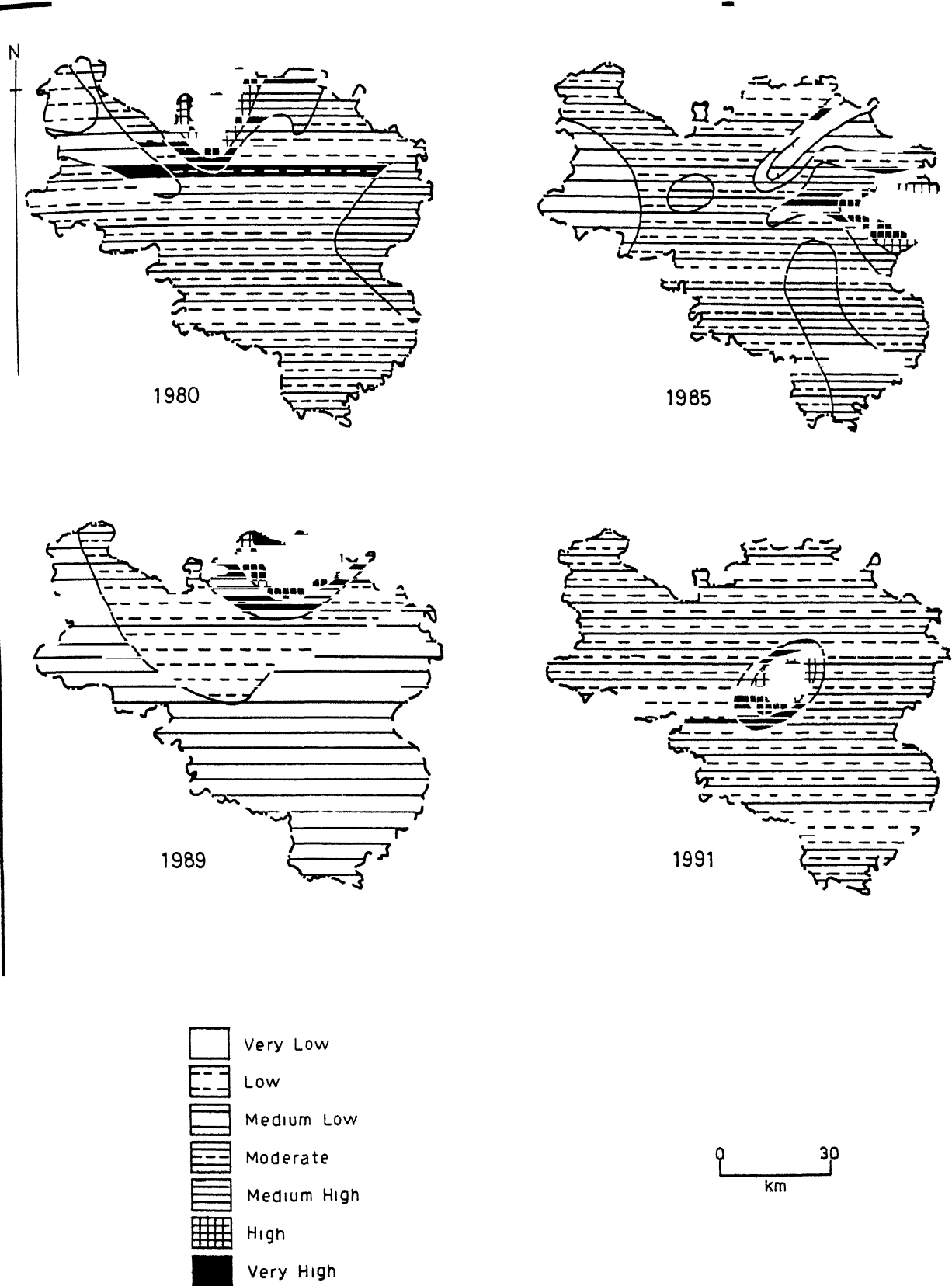
Fig 9.3.1 Relationship Between Winner and SC Population 1980–1991 Bivariate Regression
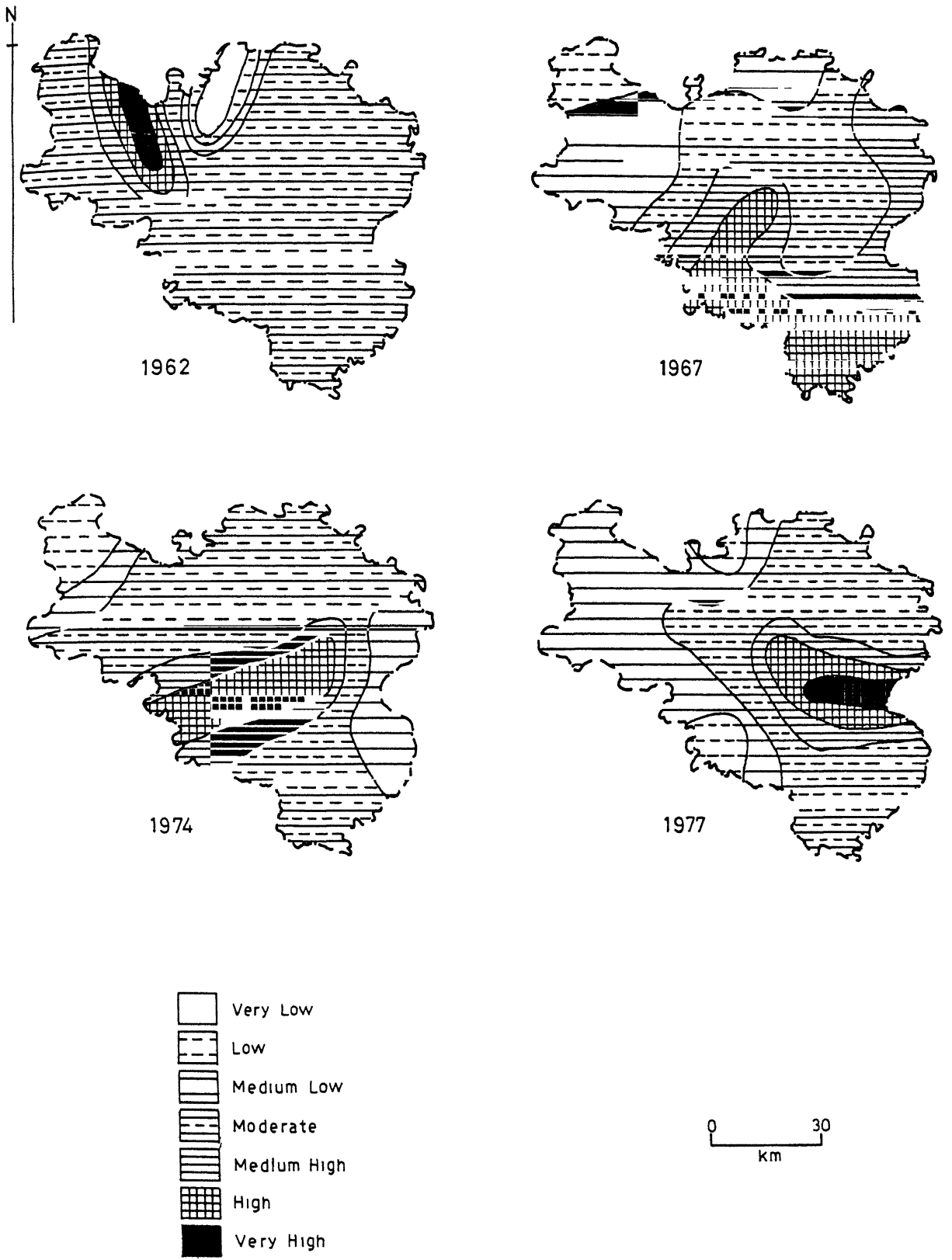
Fig 9.3.2 Relationship Between Winner and S C Population 1962–1977 Bivariate Regression

सम्पूर्ण मझनपुर का उत्तरी पूर्वी भाग सिराथू का उत्तरी पूर्वी भाग नवाबगज का दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्गिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा का उत्तरी उत्तरीपूर्वी एव पश्चिमी भाग बारा सिराथू, चायल का मध्य भाग छोडकर सम्पूर्ण इलाहाबाद पश्चिमी इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा का पश्चिमी भाग प्रतापपुर विधान सभा का दक्षिणी किनारा मझनपुर विधान सभा का उत्तरी पूर्वी किनारा एव नवाबगज विधान सभा का मध्य भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अनतर्गत मेजा करछना बारा झूसी पूर्वी चायल प्रतापपुर सोराव पूर्वी इलाहाबाद उत्तरी दक्षिणी पश्चिमी विधान सभा क्षेत्र सम्मिलित है। इसके अतिरिक्तत कुछ छिट–पुट क्षेत्र भी सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस सम्बद्ध क्षेत्र मे मेजा दक्षिणी एव पूर्वी मध्य बारा मध्य एव उत्तरी पूर्वी इलाहाबाद पश्चिमी सम्पूर्ण इलाहाबाद दक्षिणी का उत्तरी भाग झूसी उत्तरी प्रतापपुर पूर्वी चायल मध्य एव कुछ छिटपुट विधान सभा क्षेत्र सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मझनपुर चायल सोराव नवाबगज इलाहाबाद पश्चिमी इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा झूसी विधान सभा का उत्तरी भाग प्रतापपुर मेजा विधान सभा का दक्षिणी एव दक्षिणी पश्चिमी भग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे इस वर्ग के के अन्तर्गत हडिया प्रतापपुर झूसी विधान सभा सोराव विधान सभा का दक्षिणी नवाबगज विधान सभा का दक्षिणी, इलाहाबाद का उत्तरी भाग इलाहाबाद पश्चिमी विधानसभा का ऊपरी भाग एव झूसी विधान सभा का पूर्वी किनारा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा करछना बारा केवाई फूलपुर झूसी सोराव पूर्व इलाहाबाद शहर उत्तर एव दक्षिणी भाग सोराव पश्चिमी विधान सभा का पश्चिमी भग सम्मिलित है।

उपरोक्त विश्लेषण से यह परिणाम प्राप्त हुआ की अनुसूचित जाति जनसख्या एव विजयी दल के बीच 1962 से 1991 तक अधिकाश भागो मे सामान्य सम्बन्ध स्थापित है। विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे यद्यपि विभिन्नता प्रदर्शित है तथा कुछ–2 वर्षो मे आपसी समानता भी विद्यमान है। सक्षेपत सम्बद्ध क्षेत्रो मे अनुसूचित जाति चर का विस्तार अधिक पाया गया है।

## 9 3 2 सामान्य से अधिक

निर्वाचन वर्ष 1962 से 1991 तक इस कोटि मे इलाहाबाद जिले की सीमित विधानसभाये सम्मिलित है मानचित्र 9 3 1 एव 9 3 2 के अनुसार इसके अन्तर्गत विभिन्न वर्षो मे निम्नवत क्षेत्र सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1991 मे इसके अन्तर्गत इलाहाबाद दक्षिणी उत्तरी विधान सभा क्षेत्र सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सोराव प्रतापपुर विधान सभा का दक्षिणी पूर्वी भाग नवाबगज का उत्तरी भाग झूसी विधान सभा का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इसके अन्तर्गत हडिया एव चायल विधान सभा का मध्य भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत हडिया पश्चिमी नवाबगज का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत हडिया विधान सभा का दक्षिणी भाग मेजा विधान सभा का उत्तरी भाग करछना बारा विधान सभा का उत्तरी

पूर्वी भाग इलाहाबाद दक्षिणी एव इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत बारा करछना विधान सभा इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा का दक्षिणी पूर्वी भाग झूसी विधान सभा का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे मेजा बारा विधान सभा का मध्य एव दक्षिणी पूर्वी भाग इलाहाबाद दक्षिणी का दक्षिणी भाग हडिया प्रतापपुर विधान सभा का पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे इस कोटि मे करारी विधन सभा सिराथू विधान सभा का पूर्वी भाग चायल भरवारी विधान सभा का पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

## 9 3 3 सामान्य से निम्न

मानचित्र 9 3 1 एव 9 3 2 के अनुसार निर्वाचन वर्ष 1991 मे असम्बद्ध ऋणात्मक क्षेत्र मे कोई विधान सभा सम्मिलित नही है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस वर्ग के अन्तर्गत बारा विधान सभा का उत्तरी पश्चिमी किनारा मझनपुर विधान सभ उत्तरी पूर्वी भाग छोडकर सम्पूर्ण सिराथू का पश्चिमी भाग एव चायल विधान सभा का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा एव चायल विधान सभा का मध्य भाग मझनपुर विधान सभा का पश्चिमी भाग इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा का उत्तरी एव मध्य भाग सोराव पूर्वी सम्मिलित है। निर्वाचन वर्ष 1980 मे मात्र एक विधान सभा सिराथू इस वर्ग मे सम्मिलित थी।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू नवाबगज विधान सभा का उत्तरी भाग सोराव उत्तर पश्चिम बारा विधान सभा का दक्षिणी पश्चिमी भाग

सम्मिलित है। निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस कोटि मे मेजा हडिया विधान सभा का पूर्वी किनारा सिराथू विधान सभा का पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मझनपुर सिराथू चायल विधान सभा का पश्चिमी किनारा नवाबगज विधान सभा का उत्तरी भाग एव सोराव विधान सभा का उत्तर पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सोराव पश्चिमी विधान सभा का मध्य एव उत्तर पूर्व भाग सोराव पूर्वी विधान सभा का पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

## 9 4 विजयी दल एव जनजाति जनसख्या सह सम्बन्ध

इलाहाबाद जिले मे सम्पन्न विधान सभा निर्वाचन मे प्राप्त विजयी दल एव जनजाति चर के मध्य स्थापित रैखिक सम्बन्धो की मात्रा एफ अनुपात एव दिशा का वर्णन 9 1 3 2 9 1 3 3 9 1 3 4 मे किया जा चुका है। प्रस्तुत अनुभाग मे विजयी दल एव जनजाति जनसख्या चर के मध्य रैखिक सम्बन्ध वाले क्षेत्रो एव असम्बद्ध धनात्मक ऋणात्मक क्षेत्रो का वर्णन किया गया है।

इस समाश्रयण अवशेषो को मानचित्र 9 4 1 मे प्रदर्शित किया गया है। सम्बद्ध एव असम्बद्ध क्षेत्र जो क्रमश सामान्य एव सामान्य से अधिक तथा सामान्य से निम्न है उनका विश्लेषण निम्नवत है।

### 9 4 1 सामान्य क्षेत्र

मानचित्र 9 4 1 के अनुसार इलाहाबाद जनपद मे रैखिक सम्बन्ध वाले क्षेत्र विभिन्न वर्षो 1962 से 1991 तक निम्नानुसार है–

निर्वाचन वर्ष 1991 मे इस वर्ग के अन्तर्गत बारा मेजा करछना हडिया सिराथू मझनपुर नवाबगज सोराव चायल इलाहाबाद पश्चिमी विधान सभा का पश्चिमी भाग झूसी प्रतापपुर सम्मिलित है।
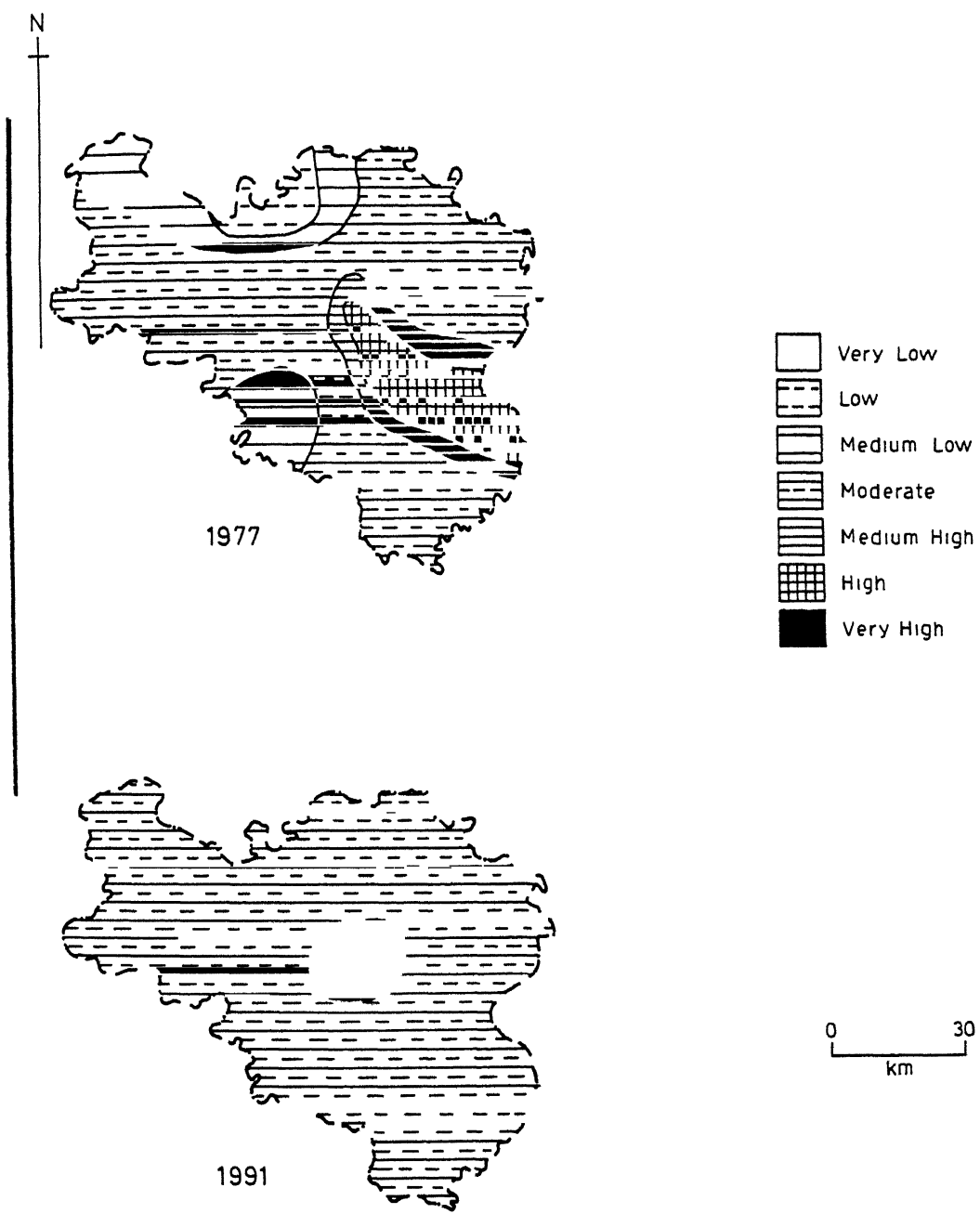
Fig 9 4 1 Relationship Between Winner and S T Population 1977,1
Bivariate Regression

निर्वाचन वर्ष 1989 1985 1980 मे विजयी दल के साथ जन जाति जनसख्या का प्राप्त सम्बन्ध शून्य रहा।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधानसभा का उत्तरी पश्चिमी भाग छोडकर सम्पूर्ण हडिया विधान सभा का दक्षिणी पूर्वी भाग बारा का पश्चिमी एव उत्तरी किनारा चायल इलाहाबाद पश्चिमी विधान सभा इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा का उत्तरी भाग छोडकर सम्पूर्ण इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा का पश्चिमी भाग एव सोराव विधान सभा सम्मिलित है।

## 9 4 2 सामान्य से अधिक

मानचित्रानुसार असम्बद्ध क्षेत्रो मे सामान्य से अधिक मान वाले क्षेत्र इलाहाबाद जिले मे अत्यन्त कम है। निर्वाचन वर्ष 1991 मे इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 85 80 मे विजयी दल एव जनजाति जनसख्या के मध्य असम्बद्ध निर्मित ही नही हुए। जनजाति जनसख्या का सम्बन्ध निरूपित ही नही हो सका। किन्तु निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग का प्रभाव निरूपित हुआ है। इस वर्ग मे मेजा विधान सभा का उत्तरी भाग करछना का दक्षिणी भाग मझनपुर विधान सभा इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा का दक्षिणी पूर्वी भाग बारा विधान सभा का उत्तरी पूर्वी कोना सम्मिलित है।

## 9 4 3 सामान्य से निम्न

इस कोटि के अन्तर्गत विजय दल एव जनजाति के मध्य रैखिक सम्बन्ध ऋणात्मक है। जनजाति जनसख्या का विजयी दल मत से प्राप्त परिणाम व्याख्यायित करना असम्भव है। इसलिए इसमे उन्ही वर्षो के परिणामो को व्याख्यायित किया गया है जिनमे इनके मध्य सम्बन्ध निरूपित हुआ है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे विजयी दल एव जनजाति जनसख्या के मध्य ऋणात्मक असम्बद्ध क्षेत्र सिराथू विधानसभा का उत्तरी भाग बारा विधान सभा का दक्षिणी भाग नवाबगज विधान सभा का दक्षिणी भाग नवाबगज विधान सभा का उत्तरी भाग रहा।

## 9 5 विजयी दल एव साक्षर जनसख्या सह—सम्बन्ध

उत्तर प्रदेश का इलाहाबाद जिला साक्षरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण जिला है किसी भी दल के विजयी होने मे साक्षर जनसख्या व्यापक प्रभाव डालती है। जिले की लगभग 5 विधान सभाओ मे साक्षर जनसख्या अधिक है इसलिए इसका प्रभाव मतदान पर पडता है। इस दृष्टि को ध्यान मे रखकर विधान सभा निर्वाचन मे विजयी दल के प्राप्त मत एव साक्षर जनसख्या के मध्य स्थापित रैखिक सम्बन्धो का विश्लेषण किया जा रहा है।

प्रस्तुत अनुभाग मे मानचित्र 9 5 1 एव 9 5 2 विजयी दल एव साक्षर जनसख्या के समाश्रयण अवशेषो को प्रदर्शित किया गया है। सम्बद्ध एव असम्बद्ध क्षेत्रो को सामान्य सामान्य से अधिक एव सामान्य से निम्न मे वर्णित किया जा रहा है।

### 9 5 1 सामान्य क्षेत्र

मानचित्रानुसार रैखिक सम्बद्ध वाले क्षेत्र विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे भिन्न—भिन्न रहे। जिसका वर्णन निम्नवत है—

निर्वाचन वर्ष 1991 मे सम्पूर्ण जिले मे विजयी पार्टी एव साक्षर जनसख्या मे असम्बद्ध सह सम्बन्ध है। असम्बद्ध सह—सम्बन्ध धनात्मक एव ऋणात्मक रहा।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस वर्ग के अन्तर्गत प्रतापपुर विधान सभा का दक्षिणी पूर्वी भाग छोडकर सम्पूर्ण झूसी का उत्तरी भाग इलाहाबाद उत्तरी इलाहाबाद दक्षिणी का उत्तरी भाग इलाहाबाद पश्चिमी चायल का दक्षिणी भाग
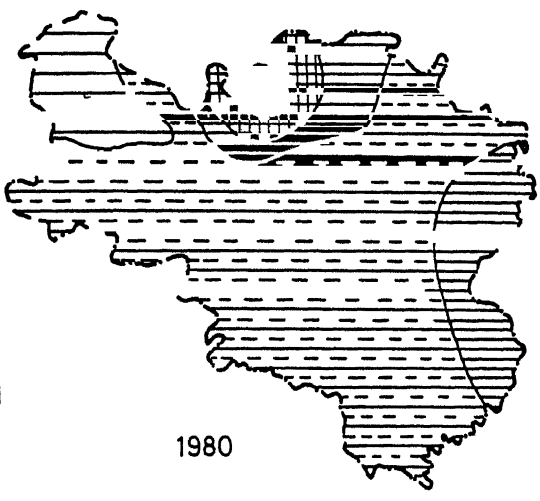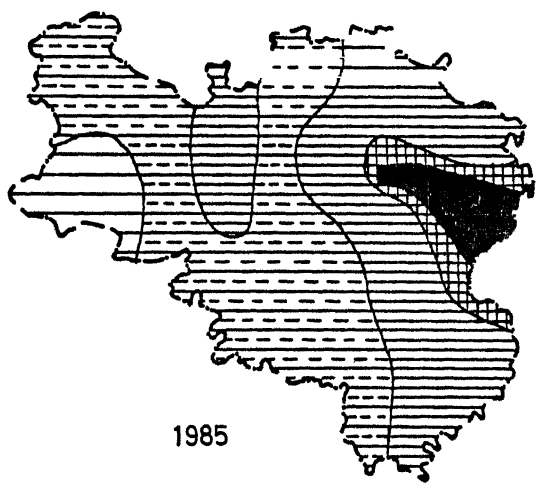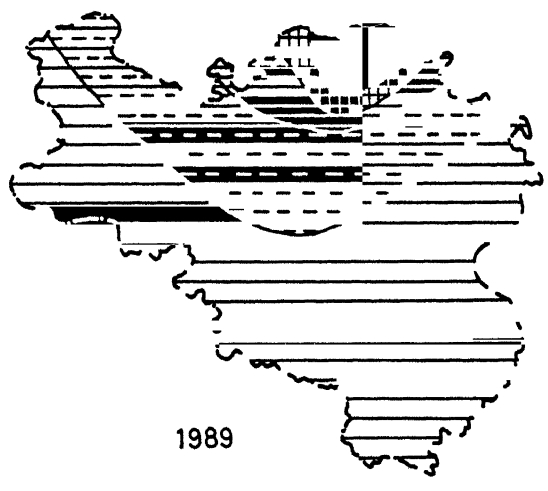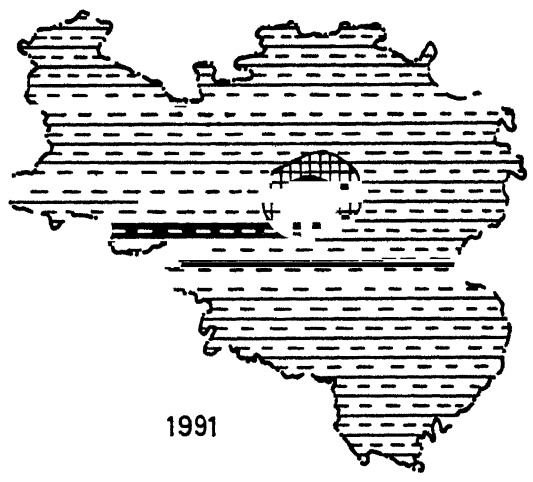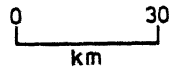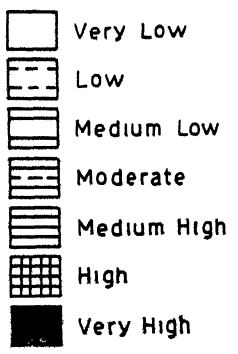
Fig 9 51 Relationship Between Winner and Literate Population 1980-91 Bivariate Regression
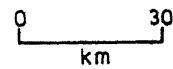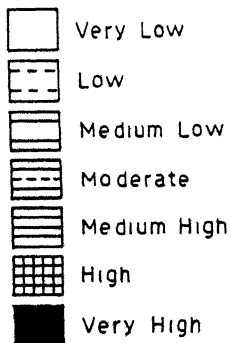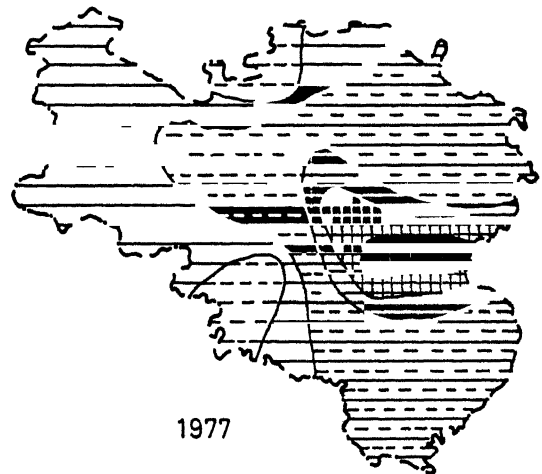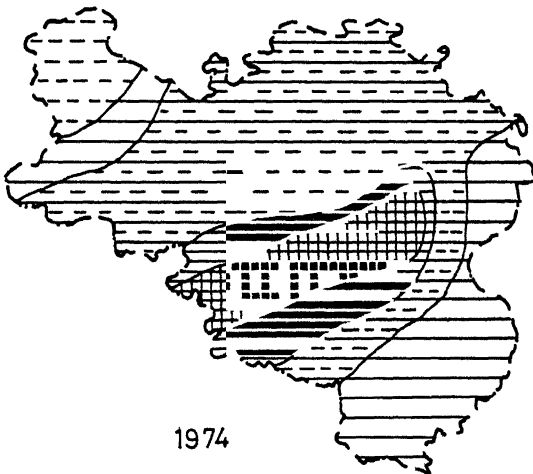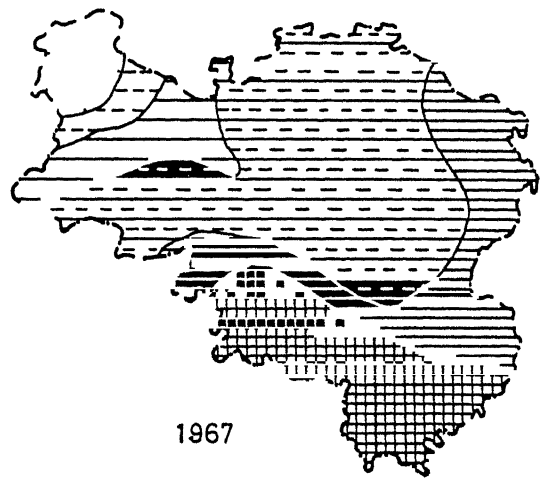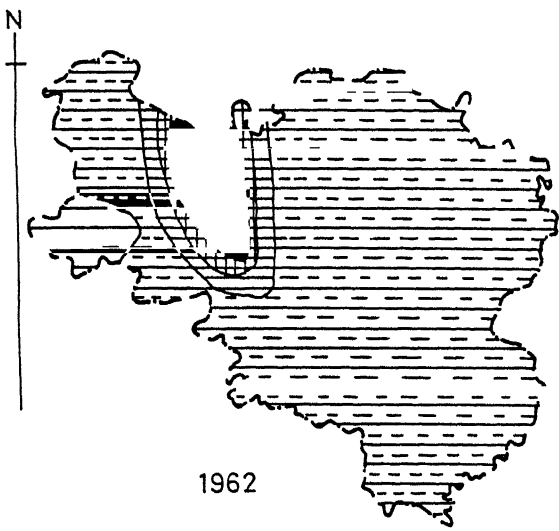
Fig 9 5 2 Relationship Between Winner and Literate Population 1962-67
Bivariate Regression

छोडकर सम्पूर्ण मझनपुर विधान सभा का उत्तरी पूर्वी भाग सिराथू का उत्तरी पूर्वी भाग नवाबगज विधान सभा का दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा मध्यपूर्व एव पश्चिमी करछना उत्तरी पूर्वी झूसी पश्चिमी प्रतापपुर का दक्षिणी किनारा बारा सिराथू इलाहाबाद पश्चिमी मझनपुर विधानसभा का पूर्वी उत्तरी किनारा एव नवाबगज का मध्य भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा हडिया विधान सभा का पूर्वी किनारा छोडकर सम्पूर्ण करछना बारा इलाहाबाद उत्तरी दक्षिणी झूसी प्रतापपुर सोराव पूर्वी चायल दक्षिणी मझनपुर सिराथू विधान सभा का उत्तर पूर्वी किनारा सम्मिलित है। अर्थात स्पष्ट है साक्षर जनसख्या का अधिकाश मत विजयी दल के साथ रहा। सम्बद्ध रैखिक सम्बन्ध सर्वाधिक विधान सभाओ मे था।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे सम्बद्ध क्षेत्र मे मेजा दक्षिणी एव पूर्वी बारा मध्य एव उत्तरी पूर्वी इलाहाबाद पश्चिमी सम्पूर्ण इलाहाबाद दक्षिणी का उत्तरी भाग झूसी उत्तरी प्रतापपुर पूर्व हडिया उत्तरी मझनपुर चायल का मध्य भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मझनपुर विधान सभा का मध्य पूर्व भाग झूसी इलाहाबाद पश्चिमी इलाहाबाद उत्तरी सम्पूर्ण विधान सभा इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा का उत्तरी भाग सोराव नवाबगज प्रतापपुर हडिया विधान सभा एव मेजा विधान सभा का पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे इस कोटि मे मझनपुर मध्य चायल बारा विधान सभा का ऊपरी किनारा इलाहाबाद दक्षिणी इलाहाबाद पश्चिमी नवाबगज सोराव झूसी सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा करछना बारा केवाई फूलपुर झूसी विधान सभा सोराव पश्चिमी विधान सभा का पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

## 9 5 2 सामान्य से अधिक

असम्बद्ध क्षेत्रो मे समान्य से अधिक धनात्मक मान वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है।

निर्वाचन वर्ष 1991 मे इसके अन्तर्गत इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सोराव प्रतापपुर का दक्षिणी पूर्वी भाग नवाबगज उत्तरी एव उत्तरी पूर्वी भाग झूसी का उत्तरी भाग एव छिट–पुट क्षेत्र सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत हडिया झूसी का पश्चिम भाग प्रतापपुर का दक्षिणी किनारा मेजा उत्तरी पूर्वी एव चायल विधान सभा का मध्य भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सोराव मध्य नवाबगज चायल उत्तरी विधान सभा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत हडिया दक्षिणी मेजा उत्तरी करछना बारा उत्तर पूर्व इलाहाबाद दक्षिणी इलाहाबाद उत्तरी का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

इस कोटि के अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1974 मे बारा करछना इलाहाबाद दक्षिणी का दक्षिणी पूर्वी भाग झूसी दक्षिणी सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे इसके अन्तर्गत मेजा विधान सभा का उत्तरी पूर्वी भाग हडिया करछना का उत्तरी पूर्वी मझनपुर का दक्षिणी भाग एव प्रतापपुर विधान सभा का दक्षिणी पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे इस वर्ग मे करारी सिराथू विधान सभा का पूर्वी भाग एव भरवारी का पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

## 9 5 3 सामान्य से निम्न

असम्बद्ध ऋणात्मक क्षेत्रो के अन्तर्गत विभिन्न वर्षो मे इसमे निम्नलिखित विधान सभाये सम्मिलित है–

मानचित्रानुसार निर्वाचन वर्ष 1991 मे धनात्मक असम्बद्ध क्षेत्र की एक विधान सभा छोडकर सम्पूर्ण जिला सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे बारा का उत्तरी पश्चिमी किनारा मझनपुर का उत्तरी पूर्वी किनारा छोडकर सम्पूर्ण सिराथू का पश्चिमी भाग एव चायल का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इसके अन्तर्गत मेजा विधान सभा का मध्य भाग इलाहाबाद दक्षिणी उत्तरी सोराव मध्य हडिया झूसी का पूर्वी भाग प्रतापपुर उत्तरी पश्चिमी एव मझनपुर विधान सभा का दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे सिराथू विधान सभा एव मझनपुर विधान सभा का ऊपरी किनारा इस वर्ग मे सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 म इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू, नवाबगज उत्तरी सोराव उतारी पश्चिम बारा विधान सभा का दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है। इसी तरह निर्वाचन वर्ष 1974 मे सिराथू विधान सभा का पश्चिमी भाग एव हडिया मेजा विधान का दक्षिणी पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू, मझनपुर उत्तरी एव चायल विधान सभा का उत्तरी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे इस वर्ग के अन्तर्गत कोई विधान सभा क्षेत्र सम्मिलित नही है।

## 9 6 विजयी दल एव हिन्दू जनसख्या सह–सम्बन्ध

प्रस्तुत अनुभाग मे इलाहाबाद जिले मे सम्पन्न निर्वाचन वर्ष 1974 से 1989 के मध्य विजयी दल एव हिन्दू जनसख्या के मध्य स्थापित रैखिक सम्बन्ध क्षेत्रो का वर्णन किया गया है। समाश्रयण अवशेषो को मानचित्रित कर सम्बद्ध एव असम्बद्ध क्षेत्रो का वर्णन प्रस्तुत किया जा रहा है।

मानचित्र 9 6 1 मे सम्बद्ध एव असम्बद्ध क्षेत्रो का विभाजन स्पष्ट है तदानुसार तीन प्रकार के क्षेत्र परिलक्षित है सामान्य क्षेत्र सामान्य से अधिक एव सामान्य से निम्न क्षेत्र–

### 9 6 1 सामान्य क्षेत्र

मानचित्र 9 6 1 को अवलोकन करने से सामान्य क्षेत्र का विभिन्न वर्षो मे विस्तार निम्नप्रकार से है–

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस वर्ग के अन्तर्गत प्रतापपुर विधान सभा का दक्षिणी पूर्वी भाग छोडकर समस्त झूसी का उत्तरी भाग इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा का उत्तरी भाग इलाहाबाद पश्चिम चायल का दक्षिणी भाग छोडकर सम्पूर्ण मझनपुर उत्तरी पूर्वी सिराथू का उत्तरी पूर्वी भाग तथा नवाबगज विधानसभा का दक्षिणी पश्चिमी किनारा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस कोटि के अन्तर्गत करछना बारा मेजा उत्तरी एव पश्चिम प्रतापपुर उत्तरी सोराव झूसी का उत्तरी भाग नवाबगज सिराथू मझनपुर पूर्वी एव चायल का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इसके अन्तर्गत मेजा मध्य एव पश्चिमी बारा चायल दक्षिणी मझनपुर दक्षिणी इलाहाबाद उत्तरी, दक्षिणी पश्चिमी विधान सभा सम्पूर्ण, हडिया पश्चिमी करछना प्रतापपुर मध्य एव पश्चिमी झूसी विधान सभा सम्मिलित है।
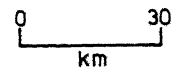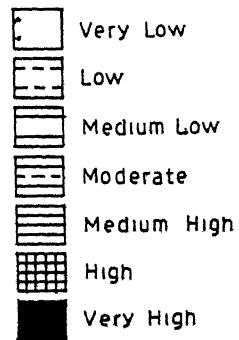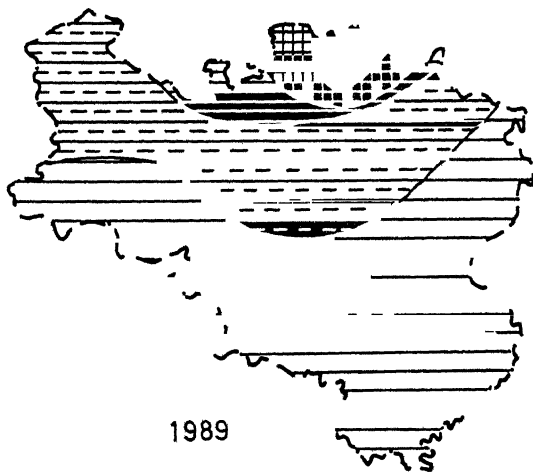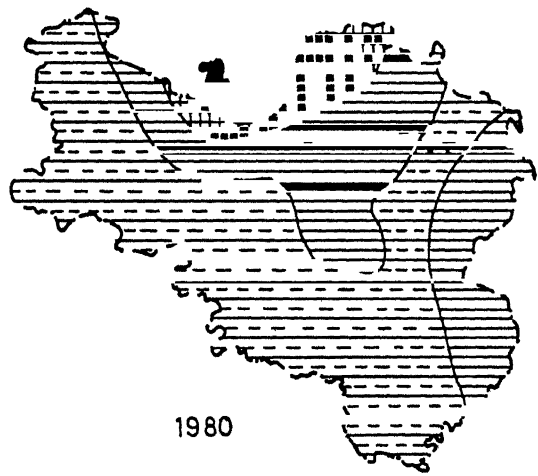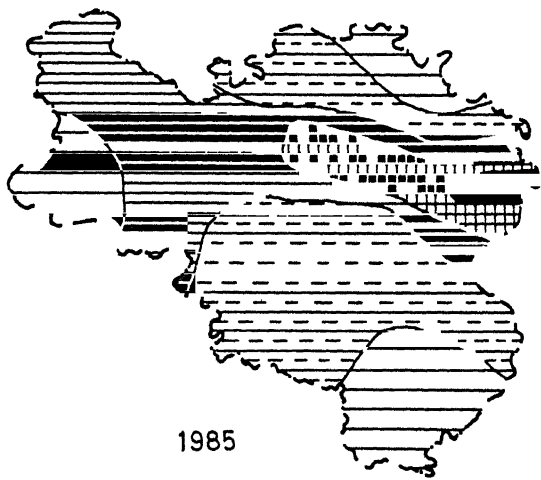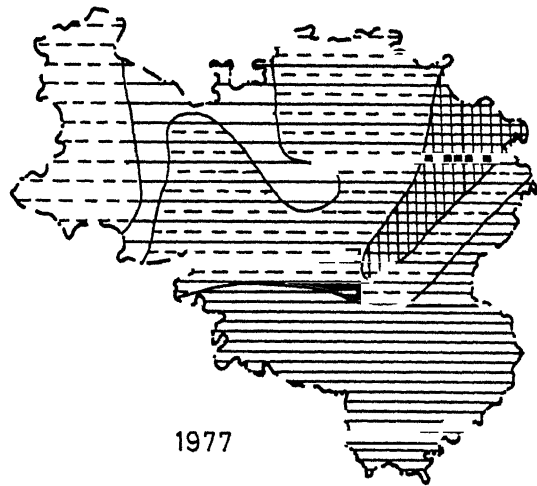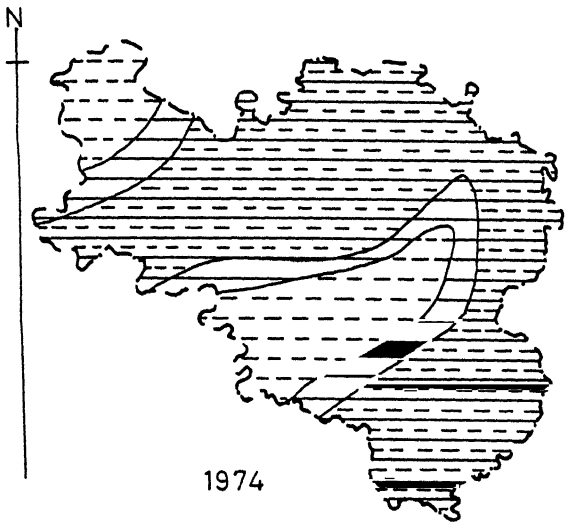
Fig 9 61 Relationship Between Winner and Hindu Population 1974-89 Bivariate Regression

इस सम्बद्ध क्षेत्र के अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1977 मे मेजा दक्षिणी एव पूर्वी बारा मध्य एव उत्तर पूर्व इलाहाबाद पश्चिमी इलाहाबाद दक्षिणी का उत्तरी भाग झूसी उत्तरी प्रतापपुर पूर्व हडिया उत्तर एव मझनपुर चायल का मध्य भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मझनपुर विधान सभा का मध्य पूर्व भाग झूसी इलाहाबाद पश्चिमी इलाहाबाद उत्तरी इलाहाबाद दक्षिणी का उत्तरी भाग सोराव नवाबगज प्रतापपुर हडिया एव मेजा का पश्चिमी भाग समाहित है।

## 9 6 2 सामान्य से अधिक

मानचित्र 9 6 1 के अनुसार इलाहाबाद जिले के निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सोराव प्रतापपुर विधानसभा का दक्षिणी पूर्वी भाग नवाबगज उत्तरी झूसी का उत्तरी किनारा 1985 मे हडिया विधान सभा झूसी का मध्य भाग इलाहाबाद उत्तरी इलाहाबाद दक्षिणी का उत्तरी पश्चिमी भाग एव चायल मध्य सम्मिलित है।

इसी प्रकार निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत नवाबगज चायल का उत्तरी पूर्वी भाग एव सोराव का मध्य पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा का उत्तरी भाग करछना बारा पूर्वी एव उत्तरी झूसी दक्षिणी एव हडिया विधान सभा का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग मे बारा करछना झूसी दक्षिणी हडिया पश्चिमी प्रतापपुर दक्षिणी पश्चिमी सम्मिलित है।

## 9 6 3 सामान्य से निम्न

इस ऋणात्मक असम्बद्ध क्षेत्र मे मानचित्रानुसार विभिन्न वर्षो मे भिन्न–भिन्न रही है। जिसका वर्णन निम्नवत है–

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस वर्ग के अन्तर्गत बारा विधान सभा का उत्तरी एव पश्चिमी किनारा मझनपुर विधान सभा का उत्तरी पूर्वी किनारा छोडकर सम्पूर्ण सिराथू विधान सभा का पश्चिमी भाग एव चायल विधान सभा का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इसके अन्तर्गत मेजा विधान का दक्षिणी भाग एव मझनपुर विधानसभा का दक्षिणी एव पश्चिमी भाग सम्मिलित है। किन्तु निर्वाचन वर्ष 1980 मे इसके अन्तर्गत मात्र एक विधान सभा सिराथू का मध्य एव पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू विधान सभा बारा विधान सभा का दक्षिणी पश्चिमी भाग नवाबगज उत्तरी सोराव उत्तरी सम्मिलित है। किन्तु निर्वाचन वर्ष 1974 मे मात्र दो विधान सभा सिराथू एव मझनपुर का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

## 9 7 विजयी दल एव मुस्लिम जनसख्या सह–सम्बन्ध

प्रस्तुत अनुभाग मे विजयी दल एव मुस्लिम जनसख्या के मध्य स्थापित रैखिक सम्बन्धो की मात्रा एव दिशा का वर्णन मानचित्रानरुसार विजयी दल एव मुस्लिम जनसख्या के मध्य रैखिक सम्बन्धी क्षेत्र सामान्य सामान्य से अधिक एव सामान्य से निम्न तीन प्रकारो मे विभक्त है–

मानचित्र 9 6 1 के अनुसार निर्वाचन वर्ष 1962 से 99 तक सम्बद्ध एव असम्बद्ध क्षेत्र निम्नवत है–

**9 7 1 सामान्य क्षेत्र** सामान्य क्षेत्र के अन्तर्गत इलाहाबाद जनपद की अधिकाश विधान सभाये सम्मिलित है। जो मानचित्र से ही स्पष्ट ही मानचित्र
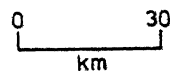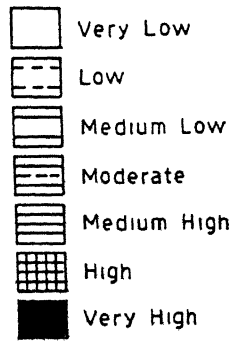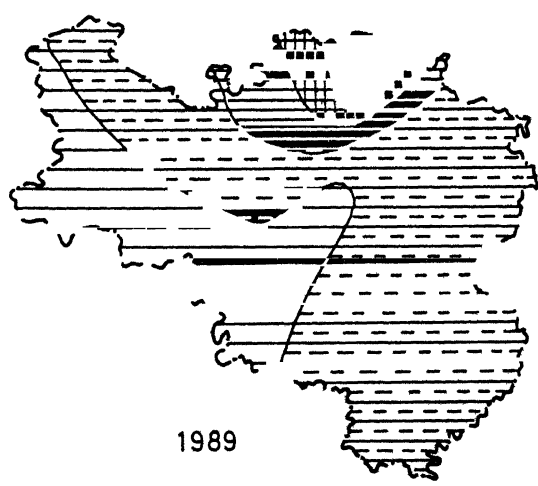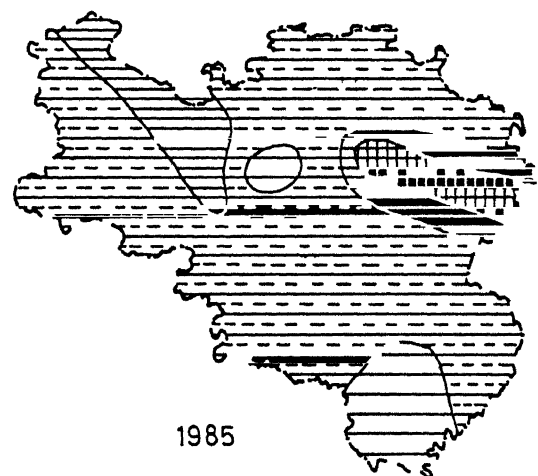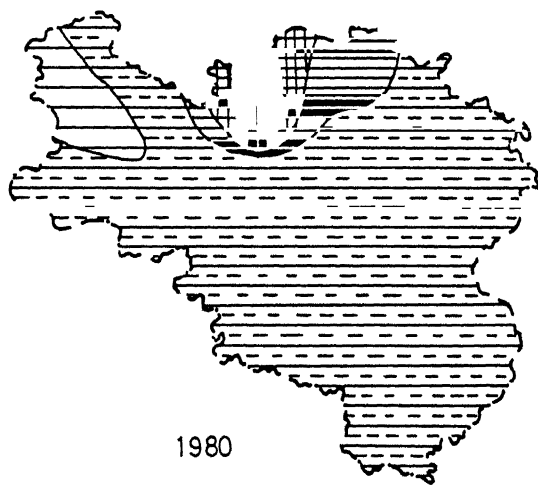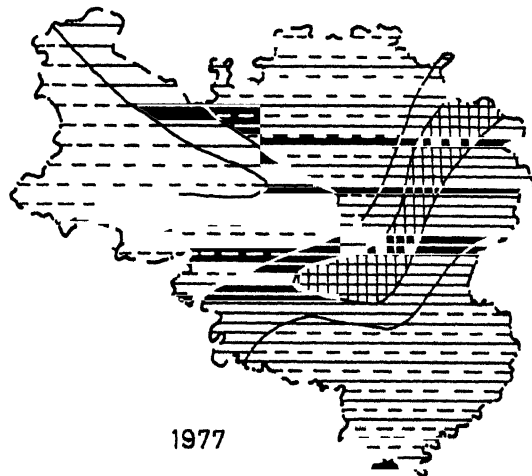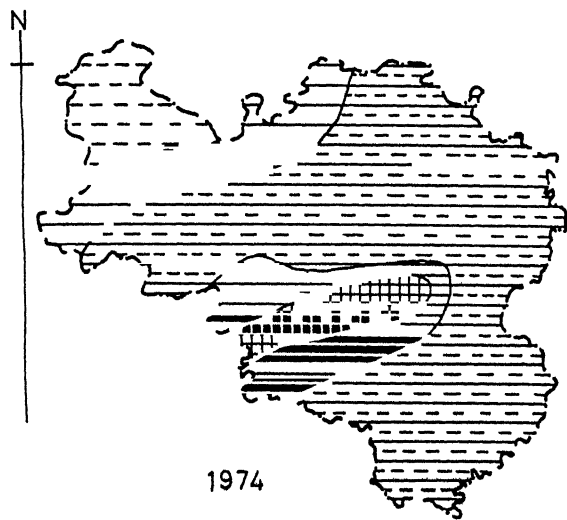
Fig 9 71 Relationship Between Winner and Muslim Population 1974-89
Bivariate Regression

9 6 1 के अनुसार निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा बारा पूर्वी करछना हडिया प्रतापपुर इलाहाबाद उत्तरी झूसी का उत्तरी पश्चिमी किनारा छोडकर सम्पूर्ण इलाहाबाद पश्चिमी चायल का दक्षिणी पश्चिमी किनारा छोडकर सम्पूर्ण मझनपुर का पूर्वी किनारा एव सिराथू का पश्चिमी किनारा छोडकर सम्पूर्ण विधान सभा क्षेत्र सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत बारा पश्चिमी मझनपुर सिराथू का पूर्वी भाग चायल का पश्चिमी किनारा बारा करछना का उत्तरी भाग प्रतापपुर का मध्य भाग सोराव नवाबगज इलाहाबाद पश्चिमी विधान सभा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इसके अन्तर्गत मेजा का मध्य एव पश्चिमी भाग करछना बारा मझनपुर सिराथू इलाहाबाद पश्चिमी उत्तरी दक्षिणी विधान सभा झूसी प्रतापपुर सोराव द0 पूर्व हडिया का पश्चिमी किनारा चायल का मध्य दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इम वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधान सभा का मध्य भाग बारा का मध्य एव उत्तरी भाग चायल का पूर्वी भाग इलाहाबाद पश्चिमी एव इलाहाबाद उत्तरी सम्पूर्ण विधान सभा क्षेत्र झूसी का उत्तरी भाग सोराव प्रतापपुर हडिया उत्तरी सम्मिलित है।

उपरोक्त वर्णन से स्पष्ट है कि निर्वाचन वर्ष 1980 एव 1977 के मध्य रैखिक सम्बन्धो मे विशेष परिवर्तन नही हुआ है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधान सभा प्रतापपुर हडिया झूसी विधान सभा सोराव नवाबगज का दक्षिणी भाग इलाहाबाद उत्तरी पश्चिमी विधानसभा एव इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा का उत्तरी भाग मझनपुर विधानसभा का मध्य भाग सम्मिलित है।

**9 7 2 सामान्य से अधिक**

सामान्य से अधिक क्षेत्र के अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1989 मे सोराव विधान सभा झूसी विधान सभा का उत्तरी पश्चिमी किनारा नवाबगज सम्पूर्ण विधान सभा क्षेत्र सम्मिलित हे।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत हडिया विधान सभा प्रतापपुर विधान सभा का दक्षिणी भाग झूसी विधान सभा का दक्षिणी पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा उत्तर पूर्व हडिया पश्चिमी नवाबगज चायल उत्तरी पूर्वी किनारा सोराव विधान सभा का मध्य एव पश्चिमी किनारा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे धनात्मक असम्बद्ध क्षेत्र के अन्तर्गत मेजा का उत्तरी भाग बारा पूर्वी झूसी का दक्षिणी भाग एव हडिया विधान सभा का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत बारा करछना विधान सभा सम्पूर्ण एव इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

विश्लेषण से स्पष्ट है कि असम्बद्ध धनात्मक क्षेत्र के अन्तर्गत छिट पुट विधान सभाये ही सम्मिलित है।

**9 7 3 सामान्य से निम्न**

मानचित्र 9 6 1 के अनुसार इस ऋणात्मक असम्बद्ध क्षेत्र के अन्तर्गत विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे निम्नवत विधान सभाये सम्मिलित हैं।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मझनपुर विधान सभा का उत्तरी पूर्वी किनारा छोडकर सम्पूर्ण चायल का दक्षिणी भाग एव बारा विधान सभा का पूर्वी किनारा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इसके अन्तर्गत सिराथू एव मझनपुर विधान सभा का पश्चिमी भाग करछना विधान सभा मेजा विधान सभा इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मात्र एक विधान सभा सिराथू सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मझनपुर विधानसभा सिराथू विधान सभा एव बारा विधान सभा का दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू विधान सभा एव मझनपुर विधान सभा का उत्तरी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

विजयी दल एव मुस्लिम जनसख्या के मध्य रैखिक सह–सम्बन्धो के विश्लेषण से प्राप्त परिणाम यह निरूपित करता है कि मुस्लिम चर का विजयी दल के साथ सम्बन्ध सामान्य या सम्बद्ध है बहुत कम ही विधान सभाये ऐसी है जहा धनात्मक एव ऋणात्मक असम्बद्धता विद्यमान है।

**9 8 विजयी दल एव कुल जनसख्या अनुसूचित जाति जनजाति साक्षर हिन्दू मुस्लिम जनसख्या का समग्र सह–सम्बन्ध**

पिछले अनुभागो मे पृथक–पृथक समस्त चरो का विश्लेषण किया गया। प्रस्तुत अनुभाग मे इन छ चरो का सयुक्त विश्लेषण किया जा रहा है। समाश्रयण अवशेषो को विश्लेषण के लिए मानचित्र 9 8 1 एव 9 8 2 मे प्रदर्शित किया गया। मानचित्रानुसार विजयी दल एव सयुक्त चरो के मध्य निम्न परिणाम प्राप्त है। अन्य चरो की तरह इसमे भी सम्बद्ध एव असम्बद्ध क्षेत्र उभरे है। तदानुसार वर्णन निम्नवत् है–

**9 8 1 सामान्य क्षेत्र** इलाहाबाद जिले मे विजयी दल को प्राप्त मत एव सयुक्त चरो के मध्य रैखिक सम्बद्ध वाले क्षेत्रो को सामान्य क्षेत्र के अन्तर्गत रखा गया। विश्लेषण निर्वाचन वर्ष 1962 से 1991 है इसलिए परिस्थितयो के अनुसार
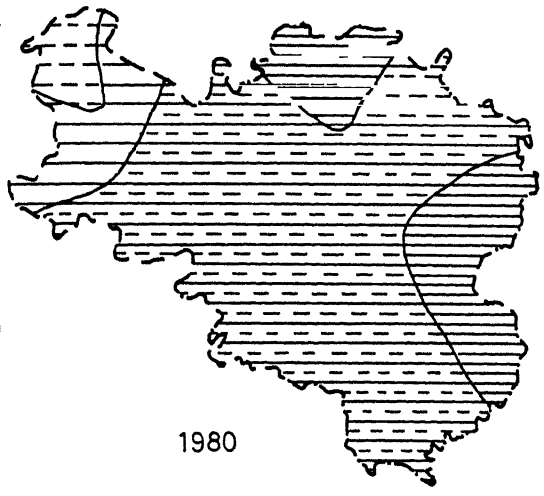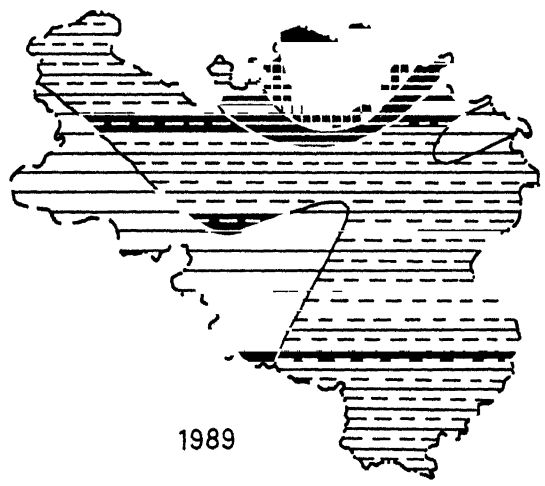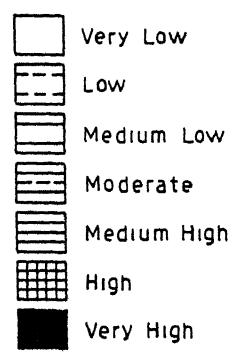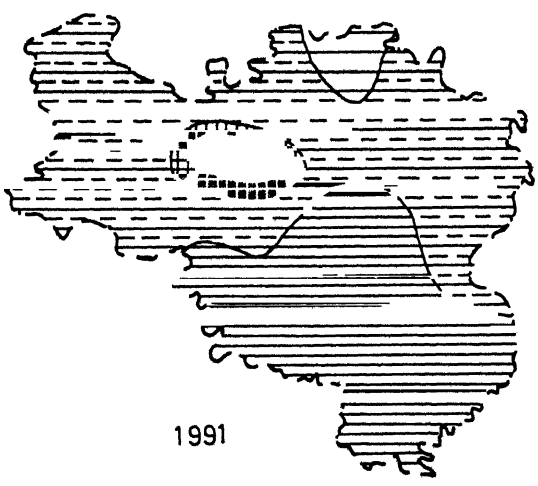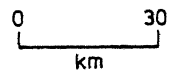
Fig 9 81 Relationship Between Winner and All Variable 1980 to 199
Multivariate Regression

ıg 9 8 2 Relatıonshıp Between Wınner and All Varıable 1962 to 197
Multıvarıate Regressıon

इसमे व्यापक परिवर्तन हुआ है। विभिन्न वर्षो मे सामान्य क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न विधान सभाये सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1991 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू, मझनपुर चायल का दक्षिणी एव उत्तरी भाग नवाबगज का मध्य भाग एव उत्तरी पश्चिमी भाग हडिया करछना सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा हडिया करछना झूसी का उत्तरी भाग छोडकर सम्पूर्ण इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा एव पश्चिमी विधान सभा सम्पूर्ण सिराथू का दक्षिणी पश्चिमी भाग छोडकर सम्पूर्ण चायल का दक्षिणी भाग छोडकर सम्पूर्ण नवाबगज का दक्षिणी किनारा एव इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत बारा इलाहाबाद उत्तरी दक्षिणी पश्चिमी विधान सभा करछना प्रतापपुर चायल झूसी सम्पूर्ण विधान सभा क्षेत्र एव निवागज विधान सभा मध्य पश्चिमी सोराव का पूर्वी भाग सम्मिलित है।

इस सम्बद्ध क्षेत्र के अन्तर्गत 1977 मे सिराथू, झूसी उत्तरी नवाबगज उत्तरी सोराव पश्चिमी बारा मध्य मेजा हडिया सम्मिलित था।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इसके अन्तर्गत मेजा का मध्य भाग हडिया विधान सभा का पश्चिमी भाग झूसी प्रतापपुर सोराव नवाबगज इलाहाबाद उत्तरी दक्षिणी पश्चिमी विधान सभा एव मझनपुर विधान सभा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे इस कोटि मे नवाबगज चायल मझनपुर मध्यपूर्व इलाहाबाद पश्चिमी इलाहाबाद उत्तरी का पश्चिमी भाग झूसी दक्षिणी हडिया प्रतापपुर पश्चिमी करछना उत्तरी सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे इसक अन्तर्गत मेजा करछना केवाई बारा झूसी विधान सभा सम्पूर्ण एव करारी सिराथू विधान सभा का मध्य एव पश्चिमी भाग सोराव पूर्व सोराव पश्चिम का पूर्वी भाग सम्मिलित है।

## 9 8 2 सामान्य से अधिक

असम्बद्ध क्षेत्रो मे सामान्य से अधिक मानवाले क्षेत्रो के अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1991 मे मेजा करछना विधान सभा झूसी विधान का दक्षिणी भाग सोराव विधान सभा का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सोराव पूर्व झूसी विधान सभा का ऊपरी उत्तरी किनारा नवाबगज का दक्षिणी किनारा छोडकर सम्पूर्ण इसके अन्तर्गत सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधान सभा का पूर्वी किनारा हडिया मध्य एव पूर्वी नवाबगज उत्तरपूर्व सोराव का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत करछना विधान सभा झूसी विधान सभा का दक्षिणी भाग एव बारा विधान सभा का पूर्वी भाग सम्मिलित है। इसी तरह निर्वाचन वर्ष 1974 मे मात्र दो विधान सभा क्षेत्र बारा करछना सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा बारा विधान सभा करछना विधान सभा का पश्चिमी भाग एव इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे इस वर्ग के अन्तर्गत भरवारी करारी सिराथू पूर्वी विधान सभा सोराव पश्चिमी का पश्चिमी किनारा सम्मिलित है।

## 9 8 3 सामान्य से निम्न

ऋणात्मक असम्बद्ध क्षेत्र सामान्य से निम्न के अनतर्गत निम्नवत विधान सभा क्षेत्र सम्मिलित है–

निर्वाचन वर्ष 1991 मे इस वर्ग के अन्तर्गत चायल का मध्य भाग इलाहाबाद पश्चिमी एव इलाहाबाद उत्तरी 1989 मे बारा का पूर्वी उत्तरी किनारा छोडकर सम्पूर्ण मझनपुर पूर्वी विधान सभा चायल का दक्षिणी भाग सिराथू का दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू एव मझनपुर विधानसभा का उत्तरी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत बारा विधान सभा का दक्षिणी पश्चिमी भाग मझनपुर चायल दक्षिणी विधान सभा इलाहाबाद पश्चिमी इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा का दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू, चायल उत्तर पश्चिमी मेजा एव हडिया विधान सभा पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू, सोराव झूसी उत्तरी इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे इस वर्ग के अन्तर्गत इलाहाबाद शहर दक्षिणी शहर उत्तरी का दक्षिणी भाग एव चायल का पूर्वी भाग सम्मिलित है।

# 10 पराजित दल एव सामाजिक चरो के मध्य सह–सम्बन्ध

आज राजनीति जीवन का अभिन्न अग है। कोई भी व्यक्ति जो सामाजिक प्राणी है वह एक राजनीतिक प्राणी भी है अस्तु उसका सम्बन्ध राजनीति के समस्त पहलुओ से है आज के सन्दर्भ मे जहा व्यक्ति अपने मत का प्रयोग राजनीतिक दलो को विजयी बनाने मे करता है वही कभी–कभी वह अपने मत का प्रयोग राजनीतिक दलो को पराजित करने मे भी करता है। पिछले अध्यायो मे कुल मतदान विजयी दल मत एव सामाजिक चरो के मध्य स्थापित सह–सम्बन्धो को विश्लेषित किया गया वही इस अध्याय मे पराजित दल एव सामाजिक चरो के मध्य सह–सम्बन्ध प्रस्तुत किया गया है। यह सम्बन्ध सह–सम्बन्ध एव समाश्रयण विधि द्वारा सगठित करने के उपरान्त प्राप्त किया गया।

प्रस्तुत अध्याय को आवश्यकतानकुसार एव परिणामो के आधार पर 8 (आठ) अनुभागो मे विभाजित किया गया है। प्रथम अनुभाग 10 1 मे समाश्रयण प्रतिमान सम्बन्धो की प्रकृति सम्बन्धो की मात्रा समाश्रयण अवशेष को विभिन्न समीकरणो से विश्लेषित किया गया है। द्वितीय अनुभाग 10 2 पराजित दल एव कुल जनसख्या तृतीय अनुभाग 10 3 पराजित दल एव अनुसूचित जाति जनसख्या चर्तुथ अनुभाग पराजित दल एव जनजाति जनसख्या पचम अनुभाग पराजित दल एव साक्षर जनसख्या षष्टम अनुभाग पराजित दल एव हिन्दू जनसख्या सप्तम अनुभाग पराजित दल एव मुस्लिम जनसख्या के मध्य स्थापित सह–सम्बन्ध को प्रस्तुत किया गया है। अन्तिम अनुभाग 10 8 मे पराजित दल एव समस्त चरो के मध्य स्थापित सम्बन्ध का स्थानिक वर्णन प्रस्तुत किया गया है।

## 10 1 समाश्रयण प्रतिमान

रैखिक समाश्रयण प्रतिमान (द्विचरीय एव बहुचरीय) के माध्यम से पराजित दल एव सामाजिक चरो के मध्य स्थापित सम्बन्धो का विश्लेषण किया गया है। पराजित दल एव सामाजिक चरो के मध्य रैखिक सह–सम्बन्ध प्रतिमान निम्न सूत्र द्वारा विवेचित किया गया है।

$Y = a + b\,x$ (द्विचरीय)

$Y = a + b_1 x_1 + b_2 x_2 + b_3 x_3 + b_4 x_4 + b_5 x_5 + b_6 x_6$ (बहुचरीय)

$Y$ = पराजित दल मत

$a$ = पराजित दल के उस परिणाम का सकेत है जब पराजित दल मत पर सामाजिक चरो का प्रभाव शून्य हो

$b$ = सामाजिक चरो मे परिवर्तन के दौरान पराजित दल मत मे परिवर्तन की दर को बतलाता है।

$X_1$ = प्रथम चर (कुल जनसख्या)

$X_2$ = द्वितीय चर (अनुसूचित जाति जनसख्या)

$X_3$ = तृतीय चर (जनजाति जनसख्या)

$X_4$ = चर्तुथ चर (साक्षर जनसख्या)

$X_5$ = पचम चर (हिन्दू जनसख्या)

$X_6$ = षष्टम चर (मुस्लिम जनसख्या)

इस प्रकार $X_1$ से $X_6$ का अभिप्राय सामाजिक चरो से है।

समाश्रयण प्रतिमान के द्वारा ही पराजित दल मत एव सामाजिक चरो के मध्य सम्बन्धो की प्रकृति मात्रा एव प्रसरण प्राप्त हुआ है। इन परिणामो का विस्तृत विवेचन प्रस्तुत है।

## 10 1 1 सम्बन्धो की प्रकृति

निर्वाचन वर्ष 1962 से 1991 तक सम्पन्न राज्य विधान सभा निर्वाचन के लिए प्राप्त मतो को समाश्रयण प्रतिमान के द्वारा गणितीय विधि से विश्लेषित किया गया है।

विश्लेषण से प्राप्त परिणो को क्रमश 10 1 1 10 1 2 10 1 3 10 1 4 10 1 5 10 1 6 10 1 7 10 1 8 मे क्रमबद्ध ढग से प्रस्तुत किया गया है–

**तालिका 10 1 1**

### सम्बन्धो की प्रकृति (समाश्रयण प्रतिमान) 1991

**द्विचरीय**

| | |
|---|---|
| प्रथम चर | 2678 39 + 2 491 $x_1$ |
| द्वितीय चर | 2678 39 + 0012 $x_2$ |
| तृतीय चर | 2678 39 - 319 $x_3$ |
| चतुर्थ चर | 2678 39 - 6 098 $x_4$ |
| पचम चर | 2678 39 + 0123 $x_5$ |
| षष्टम चर | 2678 39 - 346 $x_6$ |

बहुचरीय

सयुक्त चर– $2678\ 39 + 2\ 491\ x_1 + \ 0012\ x_2 - \ 319\ x_3 - 6\ 098\ x_4 + 0123\ x_5 - \ 346\ x_6$

तालिका 10 1 2

## सम्बन्धो की प्रकृति (समाश्रयण प्रतिमान) 1989

द्विचरीय

| | |
|---|---|
| प्रथम चर | $9013\ 46\ -\ 0064\ x_1$ |
| द्वितीय चर | $9013\ 46\ -\ 0614\ x_2$ |
| तृतीय चर | $9013\ 46\ -\ 0431\ x_3$ |
| चतुर्थ चर | $9013\ 46\ -\ 0151\ x_4$ |
| पचम चर | $9013\ 46\ -\ 0016\ x_5$ |
| षष्टम् चर | $9013\ 46\ -\ 0402\ x_6$ |

बहुचरीय

सयुक्त चर– $9013\ 46 - \ 0064\ x_1\ - \ 0614\ x_2 - \ 0431\ x_3 - \ 0151\ x_4 - \ 0016\ x_5 - \ 0402\ x_6$

तालिका 10 1 3

## सम्बन्धो की प्रकृति (समाश्रयण प्रतिमान) 1985

द्विचरीय

| प्रथम चर | $8161\ 93 - 0046\ x_1$ |
|---|---|
| द्वितीय चर | $8161\ 93 - 0199\ x_2$ |
| तृतीय चर | $8161\ 93 - 0156\ x_3$ |
| चतुर्थ चर | $8161\ 93 - 0033\ x_4$ |
| पचम चर | $8161\ 93 - 0135\ x_5$ |
| षष्टम चर | $8161\ 93 - 0149\ x_6$ |

**बहुचरीय**

सयुक्त चर– $8161\ 93 - 0199\ x_2 - 0156\ x_3 - 0033\ x_4 - 0135\ x_5 - 0149\ x_6$

**तालिका 10 1 4**

## सम्बन्धो की प्रकृति (समाश्रयण प्रतिमान) 1980

**द्विचरीय**

| प्रथम चर | $7514\ 72 - 0047\ x_1$ |
|---|---|
| द्वितीय चर | $7514\ 72 - 0376\ x_2$ |
| तृतीय चर | $7514\ 72 - 0358\ x_3$ |
| चतुर्थ चर | $7514\ 72 - 0141\ x_4$ |
| पचम चर | $7514\ 72 - 8\ 137\ x_5$ |

| षष्टम चर | 7514 72 - 0518 $x_6$ |
|---|---|

**बहुचरीय**

सयुक्त चर– 7514 72 - 0047 $x_1$ - 0376 $x_2$ - 0358 $x_3$ - 0141 $x_4$ - 8 137 $x_5$ - 0518 $x_6$

**तालिका 10 1 5**

## सम्बन्धो की प्रकृति (समाश्रयण प्रतिमान) 1977

**द्विचरीय**

| प्रथम चर | 5038 93 - 0029 $x_1$ |
|---|---|
| द्वितीय चर | 5038 93 - 0232 $x_2$ |
| तृतीय चर | 5038 93 - 0421 $x_3$ |
| चतुर्थ चर | 5038 93 - 0087 $x_4$ |
| पचम चर | 5038 93 - 0015 $x_5$ |
| षष्टम चर | 5038 93 - 0248 $x_6$ |

**बहुचरीय**

सयुक्त चर–5038 93 - 0029 $x_1$ - 0232 $x_2$ - 0421 $x_3$ - 0087 $x_4$ - 0015 $x_5$ - 0248 $x_6$

**तालिका 10 1 6**

## सम्बन्धो की प्रकृति (समाश्रयण प्रतिमान) 1974

**द्विचरीय**

| | |
|---|---|
| प्रथम चर | 4571 21 - 0061 $x_1$ |
| द्वितीय चर | 4571 21 - 0291 $x_2$ |
| तृतीय चर | 4571 21 - 0332 $x_3$ |
| चतुर्थ चर | 4571 21 - 0102 $x_4$ |
| पचम चर | 4571 21 - 0048 $x_5$ |
| षष्टम् चर | 4571 21 - 0631 $x_6$ |

**बहुचरीय**

सयुक्त चर–4571 21 - 0061 $x_1$ - 0291 $x_2$ - 0332 $x_3$ - 0102 $x_4$ - 0048 $x_5$ - 0631 $x_6$

**तालिका 10 1 7**

## सम्बन्धो की प्रकृति (समाश्रयण प्रतिमान) 1967

**द्विचरीय**

| | |
|---|---|
| प्रथम चर | 4631 16 - 0088 $x_1$ |
| द्वितीय चर | 4631 16 - 1154 $x_2$ |
| तृतीय चर | 4631 16 - 1031 $x_3$ |

| | |
|---|---|
| चतुर्थ चर | 4631 16 - 0066 $x_4$ |
| पचम चर | 4631 16 - 0126 $x_5$ |
| षष्टम चर | 4631 16 - 761 $x_6$ |

**बहुचरीय**

सयुक्त चर–4631 16 - 0088 $x_1$ - 1154 $x_2$ - 1031 $x_3$ - 0066 $x_4$ - 0126 $x_5$ - 761 $x_6$

**तालिका 10 1 8**

## सम्बन्धो की प्रकृति (समाश्रयण प्रतिमान) 1962

**द्विचरीय**

| | | |
|---|---|---|
| प्रथम चर | 5303 44 | + 0092 $x_1$ |
| द्वितीय चर | 5303 44 | - 0820 $x_2$ |
| तृतीय चर | 5303 44 | - 0021 $x_3$ |
| चतुर्थ चर | 5303 44 | + 0852 $x_4$ |
| पचम चर | 5303 44 | - 0002 $x_5$ |
| षष्टम चर | 5303 44 | - 0041 $x_6$ |

**बहुचरीय**

सयुक्त चर–5303 44 + 0092 $x_1$ - 0820 $x_2$ - 0021 $x_3$ + 0852 $x_4$ - 0002 $x_5$ - 0041 $x_6$

उपरोक्त तालिकाओ के अवलोकन करने के उपरान्त निम्न निष्कर्ष पाया गया।

1 तालिका क्रमाक 10 1 1 के अनुसार पराजित दल मत का प्रथम द्वितीय एव पचम चर के साथ धनात्मक सम्बन्ध पाया गया जब कि अन्य चरो तृतीय चतुर्थ षष्टम के साथ ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया।

2 तालिका क्रमाक 10 1 2 मे पराजित दल मत एव चरो के मध्य ऋणात्मक सम्बन्ध प्रदर्शित है।

3 तालिका क्रमाक 10 1 3 मे भी पराजित दल मत एव समस्त चरो के मध्य सम्बन्ध ऋणात्मक ही रहा।

4 तालिका क्रमाक 10 1 4 एव 10 1 5 मे पराजित दल मत एव समस्त चरो के मध्य ऋणात्मक सम्बन्ध निरूपित हुआ।

5 निर्वाचन वर्ष 1974 मे उपरात वर्षो से विपरीत प्रभाव रहा क्योकि तालिका क्रमाक 10 1 6 से स्पष्ट है कि इस वर्ष पराजित दल एव चरो के मध्य षष्टम चर को छोडकर समस्त मे धनात्मक रहा।

6 तालिका क्रमाक 10 1 7 से निर्वाचन वर्ष 1967 का विश्लेषण होता है तदानुसार चतुर्थ एव षष्टम चर मे धनात्मक सम्बन्ध पाया गया जब प्रथम द्वितीय तृतीय, पचम चर मे ऋणात्मक सम्बन्ध है।

7 तालिका क्रमाक 10 1 8 के अनुसार निर्वाचन वर्ष 1962 मे पराजित दल मत का प्रथम एव चतुर्थ चर के साथ धनात्मक सम्बन्ध पाया गया जब कि द्वितीय तृतीय पचम षष्टम् चर के साथ ऋणात्मक सम्बन्ध।

**10 1 2 सम्बन्धो की मात्रा** प्रस्तुत अनुभाग मे इलाहाबाद जिले मे राज्य विधान सभा निर्वाचन मे पराजित दल को प्राप्त मतो का विश्लेषण साख्यिकीय विधि से किया गया है। इस भाग मे सम्बन्धो की मात्रा या डिग्री का वर्णन प्रस्तुत किया गया। पराजित दल एव छ चरो सयुक्त चर के साथ मतो का सहसम्बन्ध गुणाक प्रदर्शित किया जा रहा है। तालिका क्रमाक 10 1 2 1 मे निर्वाचन वर्ष 1962 से 1991 के निर्वाचनो का सहसम्बन्ध गुणाक प्रदर्शित है।

**तालिका 10 1 2 1**

**सम्बन्धो की प्रकृति (समाश्रयण प्रतिमान) 1962–1991**

| क्रम | चर | वर्ष | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 1962 | 1967 | 1974 | 1977 | 1980 | 1985 | 1989 | 1991 |
| 1 | प्रथम चर | +32 | 303 | +268 | 106 | 116 | +132 | 164 | +113 |
| 2 | द्वितीय चर | 22 | 172 | +223 | 161 | 175 | +106 | 297 | +02 |
| 3 | तृतीय चर | +121 | 171 | +212 | 075 | +100 | +101 | 265 | 385 |
| 4 | चतुर्थ चर | +2021 | +125 | +245 | 193 | 209 | +05 | 236 | 046 |
| 5 | पचम चर | N A | N A | +226 | 064 | 023 | +308 | 036 | N A |
| 6 | षष्टम् चर | N A | N A | 201 | +070 | +100 | +095 | 262 | N A |
| 7 | सयुक्त चर | 32 | 303 | +268 | 106 | 116 | +132 | 164 | +113 |

तालिका क्रमाक 10 1 2 1 के विश्लेषण से निम्न निष्कर्ष निकलता है।

1 इलाहाबाद जनपद मे निर्वाचन वर्ष 1991 मे प्रथम एव सयुक्त चर के पराजित दल का सहसम्बन्ध गुणाक पूर्ण धनात्मक पाया गया अर्थात इसका सहसम्बन्ध पूर्ण सहसम्बन्ध (PERFECT CORELATION) था अन्य चरो के साथ निम्न ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया।

2 निर्वाचन वर्ष 1989 मे पराजित दल एव प्रथम चर सयुक्त चर के साथ ऋणात्मक पूर्ण सहसम्बन्ध पाया गया। सम्पूर्ण चरो के साथ सहसम्बन्ध ऋणात्मक ही रहा।

3 निर्वाचन वर्ष 1985 मे प्रथम चर द्वितीय चर तृतीय चर एव सयुक्त चर के साथ पराजित दल मत का सह सम्बन्ध पूर्ण धनात्मक पाया गया जब कि चतुर्थ एव पचम चर के साथ सह सम्बन्ध निम्न धनात्मक पाया गया। इस निर्वाचन वर्ष मे समस्त चर धनात्मक ही पाये गये।

4 निर्वाचन वर्ष 1980 मे पूर्ण ऋणात्मक सहसम्बन्ध की स्थिति प्रथम चर द्वितीय चर एव सयुक्त चर के साथ पायी गयी। जब कि तृतीय चर एव षष्टम चर के साथ पराजित दल का सहसम्बन्ध पूर्णधनात्मक पाया गया।

5 निर्वाचन वर्ष 1977 मे पराजित दल एव प्रथम चर द्वितीय चर चतुर्थ चर सयुक्त चर के साथ सहसम्बन्ध पूर्ण ऋणात्मक पाया गया। तृतीय पचम षष्टम चर के साथ सह सम्बन्ध निम्न ऋणात्मक पाया गया।

6 निर्वाचन वर्ष 1974 मे समस्त चरो के साथ लगभग एक जैसी स्थिति पायी गयी अर्थात निम्न धनात्मक सह समबन्ध पाया गया किन्तु पराजित दल एव मुस्लिम जनसख्या के बीच सहसम्बन्ध निम्न ऋणात्मक पाया गया।

7 निर्वाचन वर्ष 1967 प्रथम चर एव सयुक्त चर के साथ सह सम्बन्ध निम्न ऋणात्मक है। जब कि द्वितीय तृतीय चर के साथ पूर्ण ऋणात्मक एव चतुर्थ के साथ पूर्ण धनात्मक सह सम्बन्ध है।

8 निर्वाचन वर्ष 1962 मे प्रथम चर चतुर्थ चर एव सयुक्त चर के साथ निम्न धनात्मक तृतीय चर के साथ पूर्ण धनात्मक सह सम्बन्ध है।

उपरोक्त विश्लेषण से निष्कर्ष निकलता है कि सहसम्बन्ध स्थायी नही है समय परिस्थिति एव वातावरण के साथ उसमे निरन्तर परिवर्तन होता रहता है।

## 10 3 1 समाश्रयण अवशेष

समाश्रयण प्रतिमान से समाश्रयण अवशेष की परिगणना की जाती है। समाश्रयण प्रतिमान से सामाजिक चरो के आधार पर अनुमानित पराजित दल मत तथा वास्तविक पराजित दल मत के अन्तर (विचलन) को पराजित दल का समाश्रयण अवशेष कहा गया है। इन समाश्रयण अवशेषो को अध्ययन की आवश्यकतानुसार विभिन्न वर्गो मे विभाजित किया गया है। विभाजन के उपरान्त उनको तालिका क्रमाक 10 1 3 1 मे प्रदर्शित किया गया है।

**तालिका 10 1 3 1**

**समाश्रयण से प्राप्त अवशेषो के वर्ग**

| वर्ग | सीमाये मानकलब्धि | दिशा एव स्तर | क्षेत्र विवरण |
|---|---|---|---|
| 1 | 1 5 से ऊपर | उच्चतम धनात्मक | सामान्य से अधिक उच्चतम |
| 2 | 1 0 से 1 5 | उच्च धनात्मक | सामान्य से अधिक (उच्च) |
| 3 | 0 5 से 1 0 | उच्च मध्यम | सामान्य से अधिक (मध्यम) |
| 4 | 0 5 से –0 5 | मध्यम | सामान्य |
| 5 | –0 5 से –1 0 | ऋणात्मक मध्यम | सामान्य से निम्न (मध्यम) |
| 6 | –1 0 से –1 5 | ऋणात्मक उच्च | सामान्य से निम्न (उच्च) |
| 7 | –1 5 से ऊपर | ऋणात्मक उच्चतम | सामान्य से निम्न (उच्चतम) |

**तालिका 10 1 3 2**

**मानक त्रुटि (1962–1991)**

| क्रम | चर | वर्ष | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 1962 | 1967 | 1974 | 1977 | 1980 | 1985 | 1989 | 1991 |
| 1 | प्रथम चर | 0079 | 008 | 006 | 007 | 011 | 010 | 011 | 6 31 |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
|  | (कुल जनसख्या) |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 2 | द्वितीय चर (अनुसूचित जनसख्या) | 100 | 190 | 036 | 040 | 060 | 053 | 056 | 012 |
| 3 | तृतीय चर (जनजाति जनसख्या) | N A | N A | N A | N A | N A | N A | N A | 2 20 |
| 4 | चतुर्थ चर (साक्षर जनसख्या) | 119 | 015 | 116 | 012 | 019 | 016 | 017 | 003 |
| 5 | पचम चर (हिन्दू जनसख्या) | N A | N A | 0059 | 006 | 010 | 010 | 012 | N A |
| 6 | षष्टम् चर (मुस्लिम जनसख्या) | N A | N A | 088 | 101 | 147 | 0407 | 042 | N A |
| 7 | सयुक्त चर (उपरोक्त सभी) | 0079 | 008 | 006 | 007 | 011 | 010 | 011 | 6 31 |

## तालिका 10 1 3 3

# एफ0 अनुपात (1962–1991)

|  |  | वर्ष |  |  |  |  |  |  |  |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रम | चर | 1962 | 1967 | 1974 | 1977 | 1980 | 1985 | 1989 | 1991 |
| 1 | प्रथम चर (कुल जनसख्या) | 1 37 | 1 21 | 929 | 138 | 166 | 213 | 335 | 156 |
| 2 | द्वितीय चर (अनुसूचित जनसख्या) | 66 | 366 | 632 | 323 | 382 | 138 | 1 16 | 9 72 |
| 3 | तृतीय चर (जनजाति जनसख्या) | N A | N A | N A | N A | N A | N A | N A | 2 09 |
| 4 | चतुर्थ चर (साक्षर जनसख्या) | 511 | 191 | 766 | 466 | 550 | 040 | 710 | 026 |
| 5 | पचम चर (हिन्दू जनसख्या) | N A | N A | 647 | 049 | 6 64 | 2 10 | 016 | N A |
| 6 | षष्टम् चर (मुस्लिम जनसख्या) | N A | N A | 508 | 060 | 123 | 110 | 886 | N A |
| 7 | सयुक्त चर (उपरोक्त सभी) | 1 37 | 1 21 | 929 | 138 | 166 | 213 | 335 | 156 |

## तालिका 10 1 3 4

## 'b' मान की मानक त्रुटि 1962–1991

| | | वर्ष | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रम | चर | 1962 | 1967 | 1974 | 1977 | 1980 | 1985 | 1989 | 1991 |
| 1 | प्रथम चर (कुल जनसख्या) | 5229 37 | 1392 8 | 4583 71 | 5214 73 | 7768 10 | 15438 34 | 9253 29 | 2769 84 |
| 2 | द्वितीय चर (अनुसूचित जनसख्या) | 5373 44 | 4748 32 | 4637 40 | 5175 55 | 7699 86 | 8446 76 | 8953 42 | 2786 63 |
| 3 | तृतीय चर (जनजाति जनसख्या) | N A | N A | N A | N A | N A | N A | N A | 2572 55 |
| 4 | चतुर्थ चर (साक्षर जनसख्या) | 5406 09 | 4882 42 | 4612 87 | 5145 80 | 7648 16 | 8481 04 | 9115 80 | 2784 75 |
| 5 | पचम चर (हिन्दू जनसख्या) | N A | N A | 4634 64 | 5233 90 | 7819 40 | 7834 77 | 9375 36 | N A |
| 6 | षष्टम् चर (मुस्लिम जनसख्या) | N A | N A | 4660 21 | 5231 60 | 7781 91 | 8456 61 | 9053 40 | N A |
| 7 | सयुक्त चर (उपरोक्त सभी) | 5229 37 | 13912 8 | 4583 71 | 5214 73 | 7768 10 | 15438 34 | 9253 29 | 2769 84 |

समाश्रयण अवशेषो के द्वारा सफल समाश्रयण प्रतिमान एव असफल समाश्रयण प्रतिमान क्षेत्रो को निर्धारण पराजित दल मत एव पृथक–2 चरो के बीच किया गया है।

तालिका 10 3 1 1 के आधार पर समाश्रयण अवशेषो के निम्न वर्ग निरूपित होते है। प्रथम वर्ग जिसे सामान्य क्षेत्र नामकरण किया गया है उसके अन्तर्गत वे क्षेत्र आते है जहा प्रतिमान के द्वारा पराजित दल मत एव सामाजिक चरो के मध्य सम्बन्ध सम्पूर्ण रूप से पाया गया है। द्वितीय वर्ग सामान्य से अधिक (धनात्मक) मान वाले क्षेत्रो का एव तृतीय वर्ग सामान्य से अधिक (ऋणात्मक) मान वाले क्षेत्रो

का है। द्वितीय वर्ग तृतीय वर्ग के क्षेत्रो का असफल क्षेत्र के रूप मे प्रदर्शित किया गया है।

निर्वाचन वर्ष 1962 से 1991 तक की विभिन्न गणनाओ को क्रमश तालिका क्रमाक 10132 10133 10134 मे प्रदर्शित किया गया है। तालिका 10132 मे मानक त्रुटि तालिका 10133 एफ0 अनुपात एव तालिका 10134 मे b मान की मानक त्रुटि का वर्णन प्रस्तुत किया गया है।

## 10 2 पराजित दल एव कुल जनसख्या सह–सम्बन्ध

निर्वाचन मे विजयी दल के साथ कुल जनसख्या का सम्बन्ध पिछले अध्याय मे विश्लेषित किया गया है। इस अनुभाग मे विजयी दल मत एव सामाजिक चर एव कुल जनसख्या के मध्य सम्बन्धो को विश्लेषित किया जा रहा है। सम्बन्धो के विश्लेषण मे प्रकृति एव मात्रा के साथ–2 सामाजिक वातावरण के प्रभावो को भी समाहित किया गया है। समस्त परिस्थितियो को ध्यान मे रखते हुए विजयी दल मत एव कुल जनसख्या के मध्य स्थापित रैखिक सम्बन्ध वाले क्षेत्रो को उद्घाटित किया गया। जिसे मानचित्र 1021 एव 1022 मे प्रदर्शित किया गया।

मानचित्र 1021 एव 1022 के आधार पर समाश्रयण अवशेष परिगणना से निम्न क्षेत्र प्रदर्शित हुए। मानचित्रानुसार मुख्य रूप से सम्बद्ध एव असम्बद्ध दो क्षेत्र है। सम्बद्ध क्षेत्र ऐसा है जहॉ परिकल्पना सिद्ध हो रही है अर्थात पराजित दल मे कुल जनसख्या के व्यवहार का प्रभाव स्पष्ट है। असम्बद्ध क्षेत्रो मे दो क्षेत्र है समान्य से अधिक एव सामान्य से निम्न। सामान्य से अधिक उच्च धनात्मक एव सामान्य से निम्न उच्च ऋणात्मक क्षेत्रो को प्रदर्शित करता है। सामान्य क्षेत्र सामान्य से अधिक सामान्य से निम्न का वर्णन निम्नवत है–

**1021 सामान्य क्षेत्र** मानचित्र 1021 एव 1022 के विश्लेषण से इलाहाबाद जनपद मे निर्वाचन वर्ष 1991 मे सामान्य क्षेत्र के अन्तर्गत मझनपुर
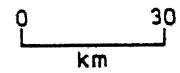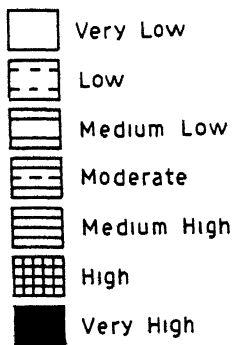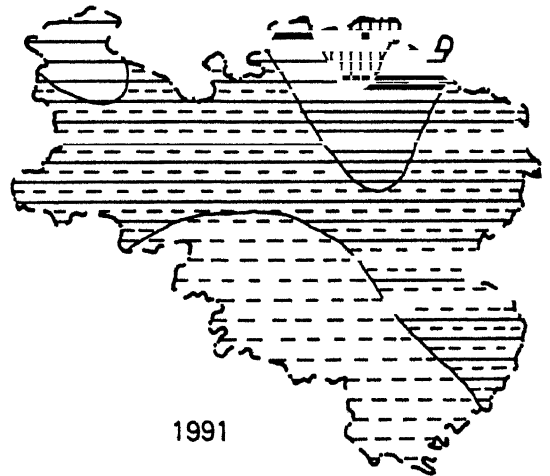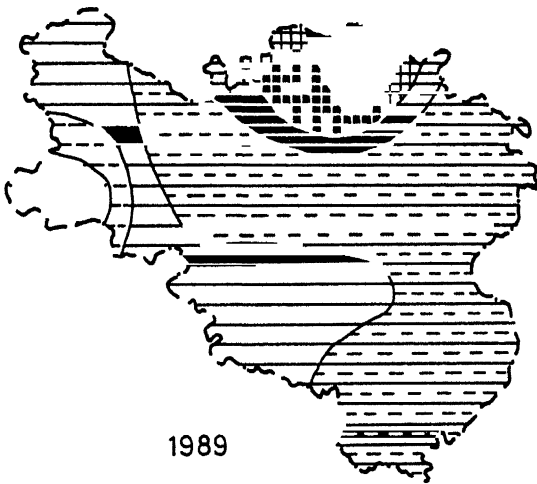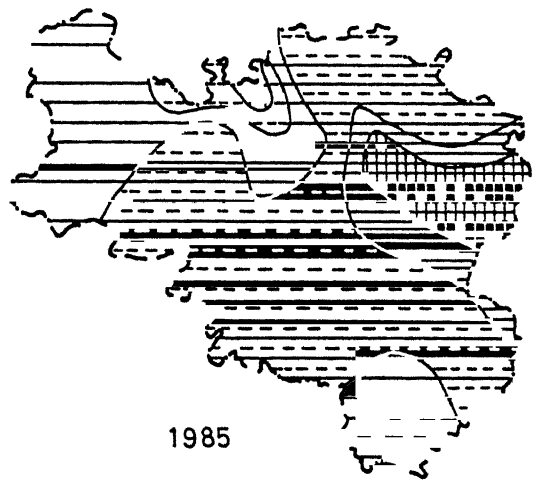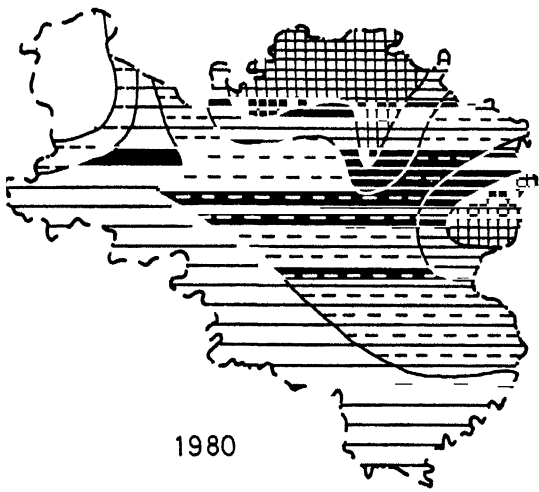
Fig 10 21 Relationship Between Runner and Population 1980-
Bivariate Regression
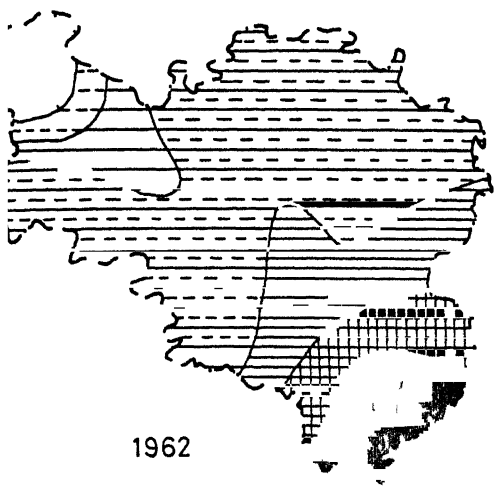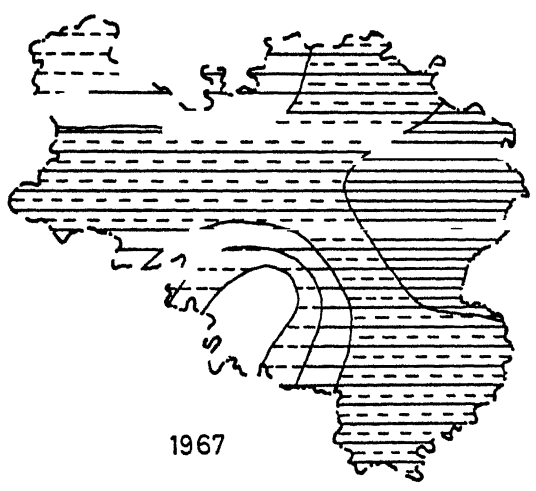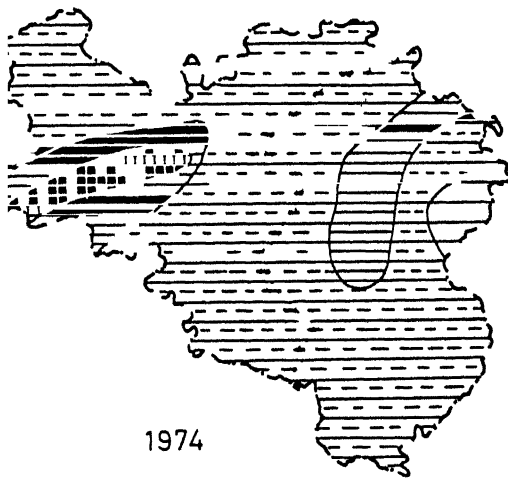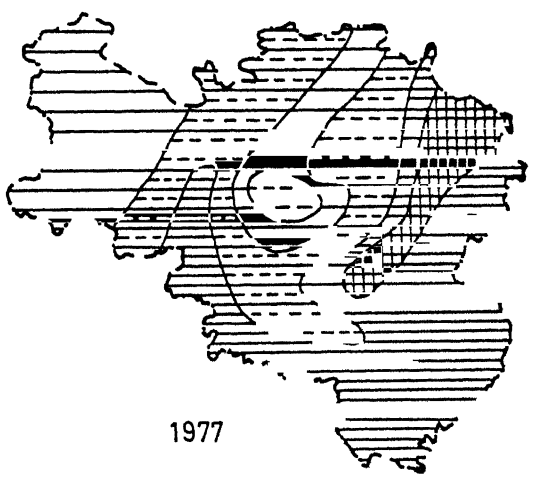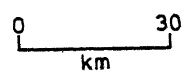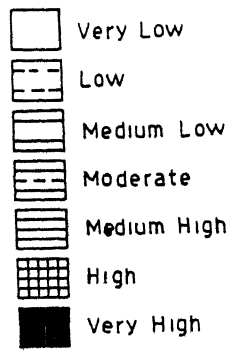
g 10 2 2 Relationship Between Runner and Population 1962-1977 Bivariate Regression

चायल इलाहाबाद पश्चिमी इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा नवाबगज विधान सभा का दक्षिणी पश्चिमी भाग इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा का दक्षिणी पश्चिमी भाग मेजा का पश्चिमी भाग हडिया सम्पूर्ण विधान सभा प्रतापपुर का मध्य एव दक्षिणी पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस कोटि के अन्तर्गत हडिया करछना प्रतापपुर विधान सभा का पश्चिमी किनारा छोडकर सम्पूर्ण झूसी विधान सभा का दक्षिणी भाग इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा का दक्षिणी भाग इलाहाबाद पश्चिमी विधान सभा चायल विधानसभा का उत्तरी पूर्वी एव पश्चिमी भाग सिराथू का उत्तरी पूर्वी भाग नवाबगज का दक्षिणी किनारा मझनपुर का उत्तरी भाग चायल विधान सभा का मध्य उत्तरी एव पूर्वी भाग आता है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे उपरोक्त परिस्थितियो से भिन्न परिस्थिति थी इस वर्ष इस वर्ग मे मेजा विधान सभा का उत्तरी एव उत्तरी पश्चिमी भाग करछना मझनपुर का पूर्वी किनारा सिराथू, चायल झूसी का पश्चिमी भाग इलाहाबाद दक्षिणी प्रताप पुर सोराव सम्मिलित था।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधान सभा का उत्तरी एव उत्तरी पूर्वी भाग करछना झूसी विधान का दक्षिणी भाग इलाहाबाद उत्तरी दक्षिणी पश्चिमी विधान सभा सम्पूर्ण चायल विधान सभा का दक्षिणी भाग छोडकर सम्पूर्ण नवाबगज का दक्षिणी किनारा प्रतापपुर विधान सभा का मध्यवर्ती भाग सम्मिलित है। अधिकाश विस्तार नगरीय क्षेत्र मे है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू का पूर्वी भाग झूसी का उत्तरी भाग नवाबगज का उत्तरी भाग बारा उत्तरी प्रतापपुर विधान सभा का उत्तरी पश्चिमी भाग सोराव विधान सभा का पूर्वी एव पश्चिमी भाग सोराव विधान सभा का पूर्वी एव पश्चिमी भाग सम्मिलित है। निर्वाचन वर्ष 1977 मे जनमत का झुकाव केवल विजयी दल को अधिकतम वोटो से जीताने का था जिससे पराजित

दल का विस्तार छिट पुट ही पाया गया अर्थात पराजित सामान्य जनमत किसी भी विधान सभा मे नही रहा।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे सामान्य क्षेत्र का विस्तार बारा पश्चिमी मझनपुर झूसी पूर्वी सिराथू दक्षिणी मेजा विधान सभा हडिया विधान सभा का पश्चिमी भाग बारा उत्तरी पूर्वी इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा का मध्य भाग इलाहाबाद उत्तरी का पूर्वी भाग झूसी विधानसभा का उत्तरी भाग एव प्रतापपुर विधान सभा के उत्तरी भाग मे है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा एव करछना विधान सभा का मध्य भाग इलाहाबाद पश्चिमी उत्तरी एव दक्षिणी विधान सभा का पश्चिमी भाग झूसी का उत्तरी भाग सोराव नवाबगज का दक्षिणी भाग चायल विधान सभा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे सामान्य क्षेत्र के अन्तर्गत करारी एव भरवारी विधान सभा का मध्य पूर्व दक्षिणी भाग चायल इलाहाबाद शहर का उत्तरी दक्षिणी भाग एव फूलपुर विधान सभा सम्मिलित है।

## 10 2 2 सामान्य से अधिक क्षेत्र

सामान्य से अधिक क्षेत्र असम्बद्ध क्षेत्र है इसमे प्रतिमान उच्च धनात्मक सम्मिलित है। उच्च धनात्मक क्षेत्र चूकि असम्बद्ध क्षेत्र है। पराजित दल एव जनसख्या के मध्य सम्बन्ध उच्च धनात्मक रहा इस वर्ग मे अधिकाश ग्रामीण अशिक्षित जनसख्या सम्मिलित है।

मानचित्रानुसार विभिन्न वर्षो मे इसमे निम्नवत क्षेत्र सम्मिलित है। निर्वाचन वर्ष 1991 मे असम्बद्ध धनात्मक क्षेत्र के अन्तर्गत मेजा बारा विधान सभा का मध्य एव दक्षिणी पश्चिमी भाग सिराथू विधान सभा का उत्तरी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सोराव विधान सभा नवाबगज विधान सभा का दक्षिणी भाग छोडकर समस्त झूसी का उत्तरी पश्चिमी किनारा बारा का उत्तरी पूर्वी भाग छोडकर सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है। निर्वाचन वर्ष 1985 मे हडिया विधान सभा प्रतापपुर विधान सभा का दक्षिणी भाग झूसी का दक्षिणी पूर्वी भाग धनात्मक असम्बद्ध क्षेत्र मे सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत हडिया प्रतापपुर विधान सभा का दक्षिणी किनारा झूसी उत्तरी सोराव नवाबगज विधान सभा का दक्षिणी किनारा छोडकर सम्पूर्ण सम्मिलित है।

सामान्य से अधिक क्षेत्र के अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1977 मे मेजा करछना हडिया विधान सभा बारा विधान सभा का दक्षिणी भाग एव प्रतापपुर विधान सभा का दक्षिणी पूर्वी भाग सम्मिलित है। इसी तरह इस वर्ग निर्वाचन वर्ष 1974 मे भी मात्र 4 विधान सभाओ का सीमित क्षेत्र सम्मिलित है। जो भिन्नवत है– मझनपुर विधान सभा का मध्य भाग चायल का पश्चिमी भाग करछना झूसी विधान सभा एव प्रतापपुर विधान सभा मध्य भाग।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे हडिया प्रतापपुर एव झूसी विधान सभा मे धनात्मक असम्बद्धता थी।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा केवाई दक्षिणी करछना बारा का उत्तरी पूर्वी भाग सम्मिलित है।

उपरोक्त विश्लेषण से निष्कर्ष निकलता है कि पराजित दल का असम्बद्ध धनात्मक सम्बन्ध ग्रामीण क्षेत्र की विधान सभाओ मे अधिक है।

## 10 2 3 सामान्य से निम्न

उच्च ऋणात्मक असम्बद्ध वाले क्षेत्रो को सामान्य से निम्न क्षेत्र की सज्ञा दी गई। इस वर्ग के अन्तर्गत मानचित्रानुसार निम्न विधानसभाये सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1991 मे इसके अन्तर्गत मेजा का दक्षिणी एव दक्षिणी पश्चिमी भाग बारा का मध्य एव दक्षिणी पश्चिमी भाग एव निर्वाचन वर्ष 1989 मे सिराथू का दक्षिणी पश्चिमी भाग मझनपुर का दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधान सभा का दक्षिणी भाग मझनपुर का पश्चिमी भाग इलाहाबाद पश्चिमी का पूर्वी भाग एव नवाबगज विधान सभा का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधान सभा का दक्षिणी पूर्वी एव पश्चिमी भाग बारा एव चायल विधान सभा का दक्षिणी भाग मझनपुर एव सिराथू एव 1977 मे नवाबगज मझनपुर का पश्चिमी भाग सिराथू इलाहाबाद पश्चिमी विधान सभा का पूर्वी भाग एव उत्तरी का पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत हडिया पूर्वी सिराथू उत्तरी पश्चिमी बारा मध्य एव सोराव विधान सभा का उत्तरी पश्चिमी नाम सम्मिलित है निर्वाचन वर्ष 1967 मे बारा मेजा विधान सभा का पश्चिमी भाग एव सिराथू मे उच्च असम्बद्धता विद्यमान थी।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू विधान सभा करारी विधान सभा का उत्तरी पश्चिमी किनारा भरवारी का पश्चिमी किनारा सम्मिलित था।

**उपरोक्त वर्णन से निम्न निष्कर्ष निकलता है–**

1 अधिकाश नगरीय विधानसभाये सामान्य क्षेत्र के अन्तर्गत सम्मिलित है अर्थात नगरीय क्षेत्रो मे सम्बद्ध क्षेत्र अधिक है।

2 धनात्मक असम्बद्ध क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्रो मे विस्तृत है जहॉ की जनमत निरक्षर एव निर्णय लेने मे अक्षम है क्योकि उनके निर्णय परिवार के किसी मुखिया द्वारा लिये जाते हैं।

3 ऋणात्मक क्षेत्र भी ग्रामीण क्षेत्रो मे है।

4 असम्बद्ध ऋणात्मक क्षेत्र सीमित एव निश्चित है।

5 असम्बद्ध धनात्मक क्षेत्र भी सीमित है।

## 10 3 परा।जित दल एव अनुसूचित जाति जनसख्या सह–सम्बन्ध

भारतीय समाज मे अनुसूचित जाति जनसख्या का निर्माण प्रक्रिया मे महत्वपूर्ण योगदान रहा। अनुसूचित जाति का राजनीतिक निर्माण स्वरूप निर्वाचन वर्ष 1952 से 1991 तक व्यापक पैमान पर परिवर्तित होता रहा जिसके पीछे मुख्य कारण राजनीति दलो द्वारा इन जातियो की उपेक्षा। वर्तमान राजनैतिक परिदृश्य मे इस वर्ग को प्रत्येक दल अपने साथ जोडना चाहता है किन्तु वास्तविक रूप से यह वर्ग किस दल या पार्टी के साथ जुडा इसके व्यवहार मे किस–किस वर्ष परिवर्तन आया उस परिवर्तन का क्या कारण था इन सबका विश्लेषण पराजित दल के साथ करना इस अनुभाग का लक्ष्य है।

प्रस्तुत अनुभाग मे पराजित दल एव अनुसूचित जाति जनसख्या के मध्य स्थापित सह सम्बन्ध को प्रस्तुत अनुभाग मे पराजित दल एव अनुसूचित जाति जनसख्या के मध्य स्थापित सह समबन्ध को प्रस्तुत करने के लिए समाश्रयण से प्राप्त प्रतिमानो का गणितीय विश्लेषण किया गया। तदानुसार उन परिणामो को मानचित्रित किया गया। मानचित्र 10 3 1 एव 10 3 2 के अनुसार पराजित दल एव अनुसूचित जाति जनसख्या के मध्य तीन प्रकार के सम्बन्ध क्षेत्र निर्मित है। प्रथम सामान्य क्षेत्र द्वितीय सामान्य से अधिक क्षेत्र तृतीय समान्य से निम्न क्षेत्र जिसका वर्णन निम्नवत है–

### 10 3 1 सामान्य क्षेत्र

सामान्य क्षेत्र सम्बद्ध क्षेत्र है। जिन क्षेत्रो मे पराजित दल एव अनुसूचित जाति जनसख्या के मध्य मध्यम समाश्रयण प्रतिमान निर्मित हुआ उनको इसके अन्तर्गत रखा है। विभिन्न वर्षो मे इनका वर्णन निम्नवत है।
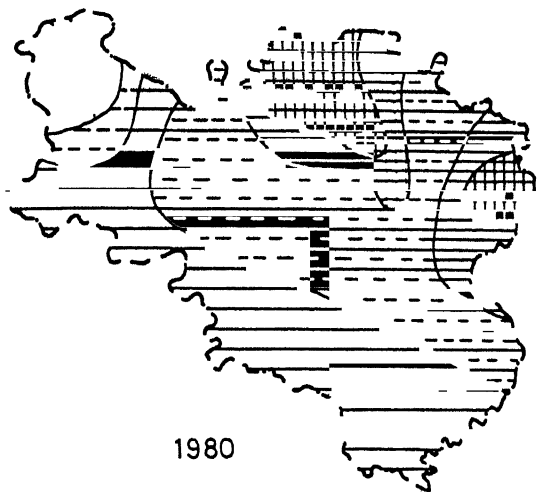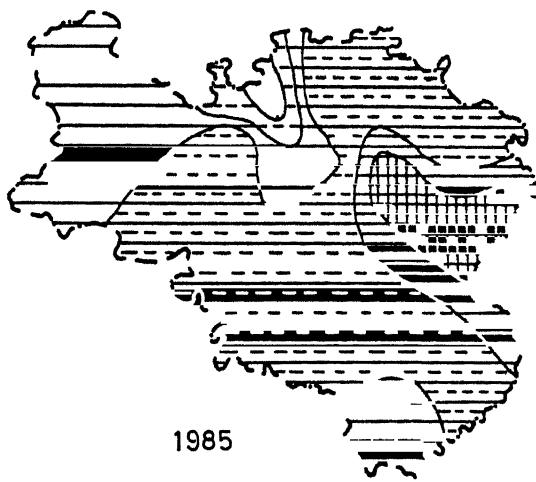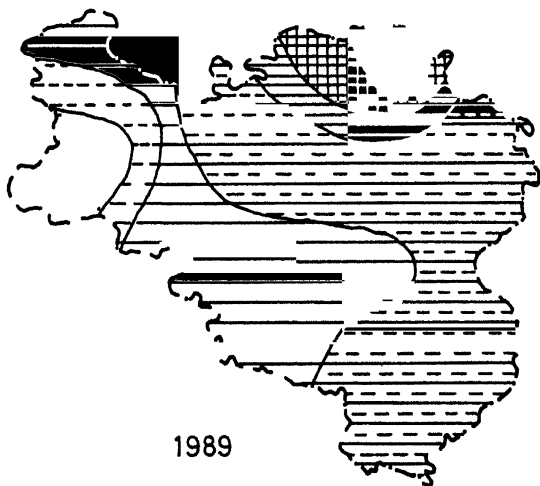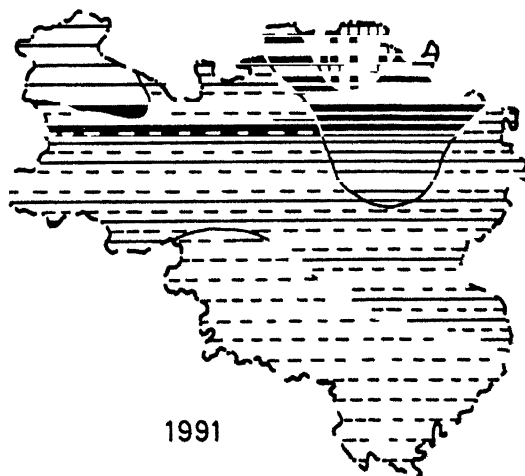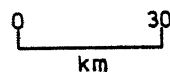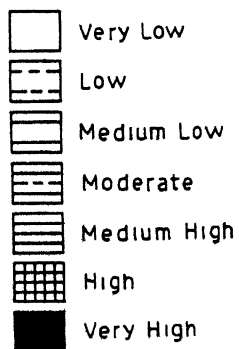
'ig 10 31 Relationship Between Runner and S.C Population 1980-
Bivariate Regression
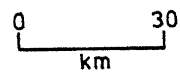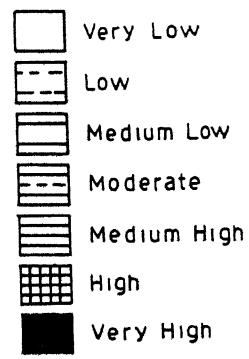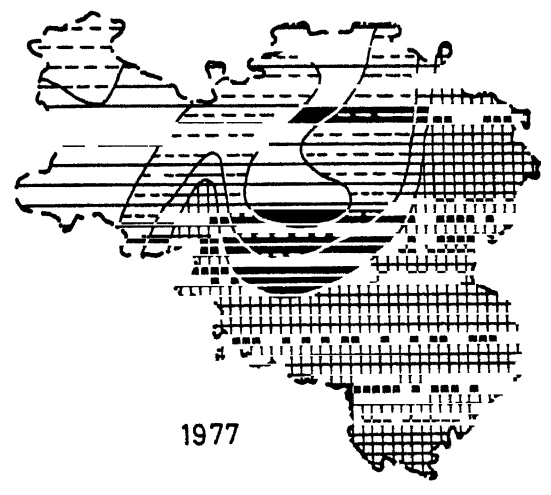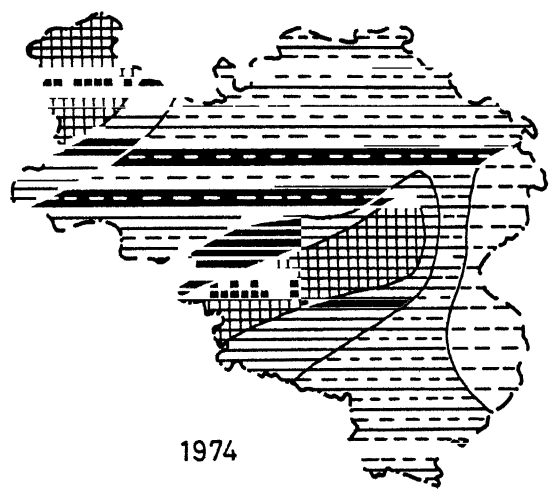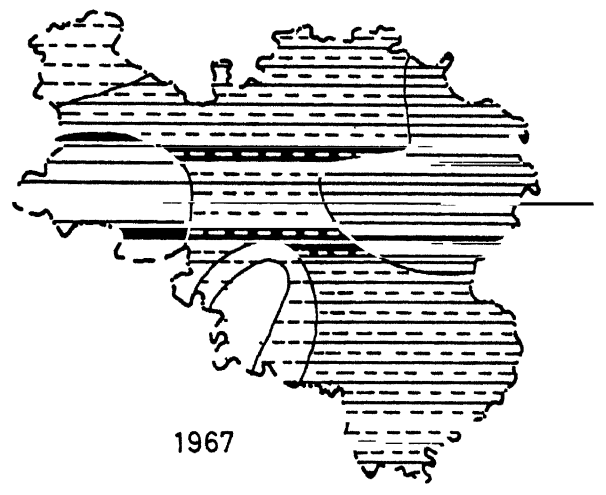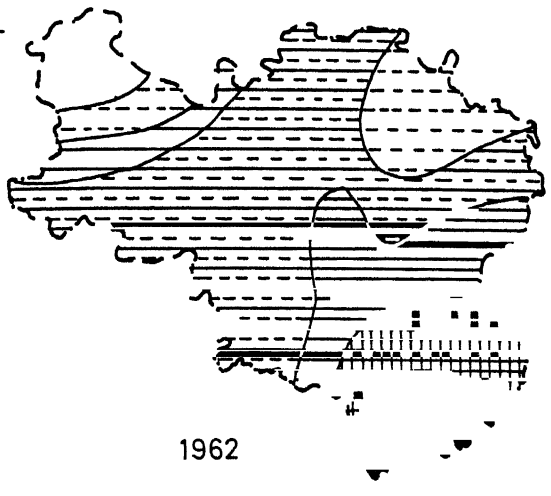
Fig 10 3 2 Relationship Between Runner and SC Population 1962-77
Bivariate Regression

निर्वाचन वर्ष 1991 मे इस वर्ग के अन्तर्गत झूसी विधान सभा सम्पूर्ण नवाबगज विधान सभा का उत्तरी पूर्वी भाग सोराव प्रतापपुर का दक्षिणी पश्चिमी भाग इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा का उत्तरी पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे सामान्य क्षेत्र के अन्तर्गत सम्पूर्ण हडिया विधान सभा प्रतापपुर इलाहाबाद दक्षिणी मेजा का पश्चिमी किनारा छोडकर सम्पूर्ण करछना का उत्तरी भाग झूसी का उत्तरी किनारा छोडकर सम्पूर्ण इलाहाबाद उत्तरी विधानसभा का ङपरी भाग छोडत्रकर सम्पूर्ण इलाहाबाद पश्चिमी चायल का उत्तरी पूर्वी पश्चिमी भाग नवाबगज का दक्षिणी किनारा सिराथू का उत्तरी पूर्वी क्षेत्र चायल विधान सभा का दक्षिणी भाग छोडकर सम्पूर्ण सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे सामान्य क्षेत्र के अन्तर्गत मेजा विधान सभा का उत्तरी एव उत्तरी पश्चिमी भाग हडिया दक्षिणी बारा मझनपुर सिराथू का दक्षिणी किनारा चायल का दक्षिणी पश्चिमी भाग प्रतापपुर सोराव इलाहाबाद दक्षिणी इलाहाबाद उत्तरी एव पश्चिमी विधानसभा का दक्षिणी किनारा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधानसभा का उत्तरी एव उत्तरी पूर्वी भाग करछना सम्पूर्ण झूसी दक्षिणी इलाहाबाद उत्तरी दक्षिणी पश्चिमी विधान सभा सम्पूर्ण चायल का दक्षिणी भाग छोडकर सम्पूर्ण नवाबगज का दक्षिणी किनारा प्रतापपुर विधान सभा का मध्यवर्ती भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे सिराथू का पूर्वी भाग झूसी का उत्तरी भाग नवाबगज का उत्तरी भाग बारा उत्तरी प्रतापपुर उत्तरी पश्चिमी सोराव पूर्ण एव पश्चिमी सामान्य क्षेत्र मे सम्मिलित है। इस वर्ग मे अधिकाश जनसख्या ग्रामीण है। वास्तविक स्थिति की अनभिज्ञता से उन्होने कही भी मतदान करता दिया अर्थात जागरूकता सामान्य है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा मझनपुर बारा विधानसभा का पश्चिमी भाग झूसी का पूर्वी भाग सिराथू का दक्षिणी भाग हडिया पश्चिम

इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा का मध्यवर्ती भाग एव इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा का पूर्वी भाग सम्मिलित है। निर्वाचन वर्ष 1974 मे पराजित दल के साथ नगरीय जनसख्या का झुकाव अधिक था। अर्थात जागरूक साक्षर जनसख्या ने विपक्ष को प्रोत्साहित किया।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा करछना विधानसभा का मध्य भाग इलाहाबाद दक्षिणी पश्चिमी उत्तरी विधानसभा का पश्चिमी भाग झूसी उत्तरी सोराव नवाबगज दक्षिणी एव चायल विधान सभा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे इस वर्ग के अन्तर्गत केवाई उत्तरी फूलपुर दक्षिणी झूसी मध्य सोराव पूर्व का पश्चिमी भाग सोराव पश्चिमी विधान सभा चायल भरवारी करारी विधान सभा का दक्षिणी पूर्वी भाग बारा विधानसभा सम्मिलित है।

## 10 3 2 सामान्य से अधिक

असम्बद्ध क्षेत्र सामान्य से अधिक मान वाले क्षेत्र के अन्तर्गत इलाहाबाद जिले मे विभिन्न वर्षो मे स्थिति निम्नवत है

निर्वाचन वर्ष 1991 मे इस वर्ग के अन्तर्गत बारा विधानसभा का मध्य एव दक्षिण पश्चिम भाग मेजा का मध्य एव दक्षिण पश्चिम भाग सिराथू विधान सभा का उत्तरी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

इस धनात्मक सम्बन्ध क्षेत्र के अन्तर्गत 1989 मे सोराव नवाबगज का दक्षिणी भाग छोडकर सम्पूर्ण झूसी का उत्तरी पश्चिमी किनारा सम्मिलित है जबकि निर्वाचन वर्ष 1985 मे हडिया झूसी का दक्षिणी पश्चिमी भाग प्रतापपुर विधानसभा का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे हडिया पश्चिमी विधानसभा मेजा उत्तरी पूर्वी प्रतापपुर विधानसभा का दक्षिणी पूर्वी भाग झूसी एव इलाहाबाद उत्तरी विधान

इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा का मध्यवर्ती भाग एव इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा का पूर्वी भाग सम्मिलित है। निर्वाचन वर्ष 1974 मे पराजित दल के साथ नगरीय जनसख्या का झुकाव अधिक था। अर्थात जागरूक साक्षर जनसख्या ने विपक्ष को प्रोत्साहित किया।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा करछना विधानसभा का मध्य भाग इलाहाबाद दक्षिणी पश्चिमी उत्तरी विधानसभा का पश्चिमी भाग झूसी उत्तरी सोराव नवाबगज दक्षिणी एव चायल विधान सभा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे इस वर्ग के अन्तर्गत केवाई उत्तरी फूलपुर दक्षिणी झूसी मध्य सोराव पूर्व का पश्चिमी भाग सोराव पश्चिमी विधान सभा चायल भरवारी करारी विधान सभा का दक्षिणी पूर्वी भाग बारा विधानसभा सम्मिलित है।

## 10 3 2 सामान्य से अधिक

असम्बद्ध क्षेत्र सामान्य से अधिक मान वाले क्षेत्र के अन्तर्गत इलाहाबाद जिले मे विभिन्न वर्षो मे स्थिति निम्नवत है

निर्वाचन वर्ष 1991 मे इस वर्ग के अन्तर्गत बारा विधानसभा का मध्य एव दक्षिण पश्चिम भाग मेजा का मध्य एव दक्षिण पश्चिम भाग सिराथू विधान सभा का उत्तरी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

इस धनात्मक सम्बन्ध क्षेत्र के अन्तर्गत 1989 मे सोराव नवाबगज का दक्षिणी भाग छोडकर सम्पूर्ण झूसी का उत्तरी पश्चिमी किनारा सम्मिलित है जबकि निर्वाचन वर्ष 1985 मे हडिया झूसी का दक्षिणी पश्चिमी भाग प्रतापपुर विधानसभा का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे हडिया पश्चिमी विधानसभा मेजा उत्तरी पूर्वी प्रतापपुर विधानसभा का दक्षिणी पूर्वी भाग झूसी एव इलाहाबाद उत्तरी विधान

सभा का उत्तरी भाग नवाबगज सोराव विधान सभा मे सामान्य से अधिक अर्थात धनात्मक असम्बद्धता विद्यमान थी।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा करछना हडिया बारा दक्षिणी एव प्रतापपुर का दक्षिणी पूर्वी भाग सम्मिलित है। इलाहाबाद जिले के सन्दर्भ मे इसकी स्थिति दभिणी एव दक्षिणी पूर्वी है। इस धनात्मक असम्बद्ध क्षेत्र मे 1974 मे बारा मध्य करछना हडिया प्रतापपुर झूसी दक्षिणी पूर्वी इलाहाबाद पश्चिमी विधानसभा का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे हडिया मेजा करछना मध्य बारा पूर्वी प्रतापपुर पूर्वी झूसी दक्षिणी भाग मे असम्बद्ध प्रतिमान प्रदर्शित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधानसभा बारा पूर्वी करछना एव हडिया दक्षिणी सम्मिलित था।

## 10 3 3 सामान्य से निम्न

सामान्य से निम्न मे उच्च ऋणात्मक असम्बद्ध प्रतिमान वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है इन क्षेत्रो मे अनुसूचित जाति जनसख्या एव पराजित दल के मध्य ऋणात्मक सह–सम्बन्ध है। विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे सामान्य से निम्न क्षेत्र निम्नानुसार है–

निर्वाचन वर्ष 1991 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा का दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी भाग बारा विधानसभा का मध्य एव दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है। जबकि 1989 मे बारा मझनपुर सिराथू का उत्तरी पूर्वी किनारा छोडकर सम्पूर्ण चायल का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधान सभा का दक्षिणी भाग सिराथू मध्य नवाबगज उत्तरी इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा का पश्चिमी उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे मेजा दक्षिणी एव दक्षिणी पश्चिमी बारा दक्षिणी एव दक्षिणी पूर्वी चायल दक्षिणी सिराथू, मझनपुर मे ऋणात्मक असम्बद्धता विद्यमान थी।

निर्वाचन वर्ष 1977 के अन्तर्गत मझनपुर का पश्चिमी भाग सिराथू, नवाबगज इलाहाबाद उत्तर का पश्चिमी भाग इलाहाबाद पश्चिम के पूर्वी भाग ऋणात्मक (उच्च) असम्बद्ध के क्षेत्र मे सम्मिलित थे।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू, इलाहाबाद पश्चिमी मेजा मध्य सोराव उत्तरी पश्चिमी बारा मध्य सम्मिलित था।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे इस वर्ग के अन्तर्गत बारा मेजा विधानसभा का पश्चिमी भाग एव बारा मेजा विधानसभा का पश्चिमी भाग एव सिराथू विधानसभा सम्मिलित था।

सिराथू, करारी विधानसभा के उत्तरी ऊपरी भाग मे भरवारी के पश्चिमी भाग मे साराव पूर्वी के पूर्वी भाग मे, फूलपुर विधान सभा के उत्तरी भाग मे निर्वाचन वर्ष 1962 मे ऋणात्मक असम्बद्धता पाई गयी।

## 10 4 पराजित दल एव ज नजाति जनसख्या सह सम्बन्ध

भारतीय ससकृति मे जनजातियो का अपना अलग आधार स्तम्भ है। भारत मे कुल जनसख्या की 8 01 प्रतिशत जनसख्या जनजातियो की है। यद्यपि इलाहाबाद जिले मे जनजाति जनसख्या नाम मात्र की है इसलिए उनका प्रभाव निर्वाचक पर व्यापक रूप मे पडना असम्भव है। फिर भी जो भी है उसका पराजित दलो के साथ क्या सह सम्बन्ध है इसका अध्ययन करना इस अनुभाग का प्रमुख लक्ष्य है। उनका व्यवहार दल के प्रति कैसा रहा इसका विवेचन भी प्रस्तुत है।
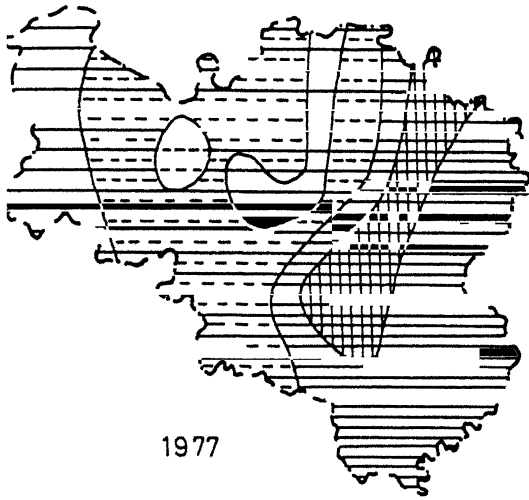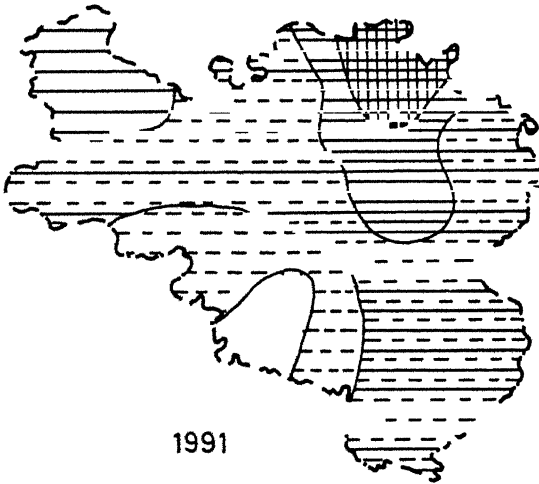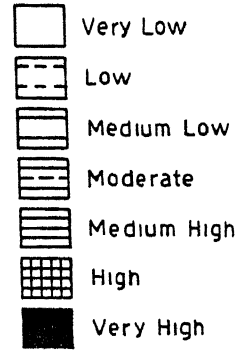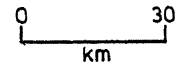
g 10 4 1 Relationship Between Runner and S T Population 19
Bivariate Regression

पिछले अनुभागो मे मतदान विजयी दल के साथ इसके सम्बन्ध को विश्लेषित किया गया है। इस अनुभाग मे पराजित दल एव जनजाति जनसख्या के मध्य सम्बन्ध स्थापित किया गया है। प्राप्त समाश्रयण अवशेषो को मानचित्र 10 4 1 मे प्रदर्शित किया गया है। मानचित्रानुसार पराजितदल एव जनजाति जनसख्या के निर्मित सम्बद्ध एव असम्बद्ध क्षेत्र जो क्रमश सामान्य सामान्य से अधिक एव सामान्य से निम्न है उनका वर्णन निम्नवत है–

## 10 4 1 सामान्य क्षेत्र

मानचित्र (10 4 1) के अनुसार विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे सामान्य क्षेत्र के अन्तर्गत +0 5 से –0 5 के मध्य समर्थन समबद्ध क्षेत्र निम्नवत है।

निर्वाचन वर्ष 1991 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधान सभा का पश्चिमी किनारा छोडकर सम्पूर्ण विधानसभा करछना इलाहाबाद पश्चिमी एव दक्षिणी विधानसभा सम्पूर्ण चायल मझनपुर का दक्षिणी भाग छोडकर सम्पूर्ण नवाबगज का उत्तरी पूर्वी भाग छोडत्रकर सम्पूर्ण इलाहाबाद उत्तर विधान सभा का उत्तर पूर्व भाग छोडकर सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधानसभा का दक्षिणी भाग बारा उत्तरी झूसी प्रतापपुर हडिया सोराव नवाबगज का दक्षिणी भाग इलाहाबाद पश्चिमी विधान सभा का पश्चिमी भाग इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा का उत्तरी भाग एव झूसी विधानसभा सम्मिलित है।

## 10 4 2 सामान्य से अधिक

असम्बद्ध क्षेत्र (धनात्मक) सामान्य से अधिक से अधिक मान वाले क्षेत्रो के अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1991 मे इस वर्ग के अन्तर्गत झूसी विधानसभा सम्पूर्ण नवाबगज विधान सभा का उत्तरी पूर्वी भाग सोराव विधानसभा सम्पूर्ण प्रतापपुर

विधानसभा का दक्षिणी पश्चिम भाग एव इलाहाबाद उत्तरी विधानसभा का उत्तरी पूर्वी भाग सम्मिलित है। अधिकाश विधानसभ क्षेत्र ग्रामीण है।

निर्वाचन वर्ष 1977 इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधान सभा का मध्यवर्ती भाग करछना विधानसभा प्रतापपुर एव हडिया विधान सभा सम्मिलित है।

## 10 4 3 सामान्य से निम्न

सामान्य से निम्न क्षेत्र असम्बद्ध ऋणात्मक क्षेत्र है। समाश्रयण प्रतिमान से प्राप्त परिणाम जिन क्षेत्रो मे उच्च ऋणात्मक है इसके अन्तर्गत वे विधान सभाये सम्मिलित है। पराजित दल एव अनुसूचित जन जाति के मध्य स्थापित इन क्षेत्रो मे जनजातियो का व्यवहारत्मक रूप पराजित दल के विपरीत है। इस वर्ग के अन्तर्गत विभिन्न वर्षो म स्थिति निम्नवत है–

निर्वाचन वर्ष 1991 इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू विधानसभा का मध्य उत्तरी पश्चिमी भाग उत्तरी पूर्वी भाग चायल विधान सभा का दक्षिणी भाग मेजा विधानसभा का पश्चिमी किनारा एव मझनपुर विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू इलाहाबाद दक्षिणी एव मझनपुर विधानसभा का पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

इलाहाबाद जनपद मे जनजातियो की सख्या नगण्य के बराबर है इसलिए इसके साथ पराजित दल का साख्यिकीय विश्लेषण करने पर परिणाम विभिन्न वर्षो मे शून्य ही रहा है। उन वर्षो का विवेचन इसलिए सम्भव नही हो पाया। परिगणना मे मात्र दो निर्वाचन वर्षो 1991 1977 मे मानचित्रण हेतु सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुआ जिनका विवेचन किया गया। सक्षेपत परिणाम विभिन्न क्षेत्रो मे निम्नानुसार रहा।

1 सामान्य क्षेत्र या रैखिक सम्बद्ध क्षेत्र के अन्तर्गत नगरीय विधानसभाये सम्मिलित हैं।

2 सामान्य से अधिक एव सामान्य से निम्न दोनो निर्वाचन वर्षो 1991 1977 मे ग्रामीण क्षेत्रो की विधान सभाये सम्मिलित है।

अस्तु पराजित दल एव जनजाति जनसख्या के मध्य सम्बद्ध सम्बन्ध नगरीय क्षेत्र मे एव असम्बद्ध सम्बन्ध ग्रामीण क्षेत्र मे रहा।

## 10 5 पराजित दल एव साक्षर जनसख्या सह सम्बन्ध

इलाहाबाद जिला प्रथम निर्वाचन से ही राजनीतिक प्रक्रिया मे सक्रिय रहा। देश की राजनीति का प्रारम्भिक क्षेत्र इलाहाबाद ही था। यहा के शिक्षित जनमानस पर निर्वाचकीय राजनीति पूरी तरह हावी रही है। इस दृष्टिकोण को ध्यान मे रखकर प्रस्तुत अनुभाग म पराजित दल के साथ साक्षर जनसख्या का सह सम्बन्ध व्याख्यायित किया गया।

निर्वाचन वर्ष 1962 से 1991 तक लगातार साक्षर जनसख्या मतदान विजयी दल मत पराजित दल मत के साथ अपने व्यवहारिक रूप परिवर्तित करती रही। प्रस्तुत अनुभाग मे पराजित दल मत एव साक्षर जनसख्या चर के बीच स्थापित रैखिक सबध वाले क्षेत्रो एव असम्बन्ध क्षेत्रो का वर्णन किया गया। इन समाश्रयण अवशेषो को मानचित्र 10 5 1 एव 10 5 2 मे प्रदर्शित किया गया है।

मानचित्रानुसार सम्बद्ध एव असम्बद्ध क्षेत्र जो क्रमश सामान्य सामान्य से अधिक एव सामान्य से निम्न है जिनका वर्णन निम्नवत है।

### 10 5 1 सामान्य क्षेत्र

मानचित्र 10 5 1 एव 10 5 2 के अनुसार विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे सामान्य क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न विधानसभाये सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1991 मे इस कोटि के अन्तर्गत चायल इलाहाबाद दक्षिणी इलाहाबाद पश्चिमी विधानसभा सम्पूर्ण नवाबगज का मध्य दक्षिणी एव पश्चिमी
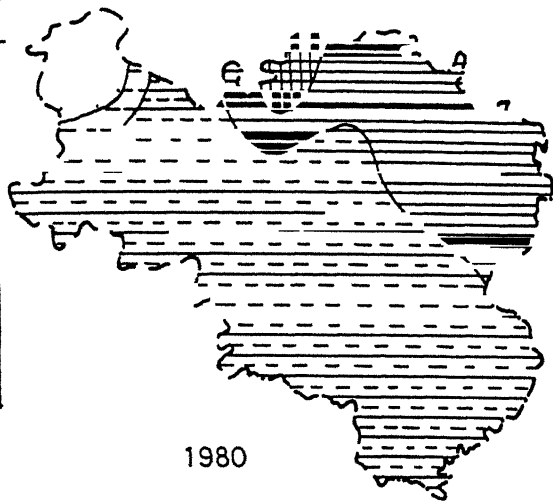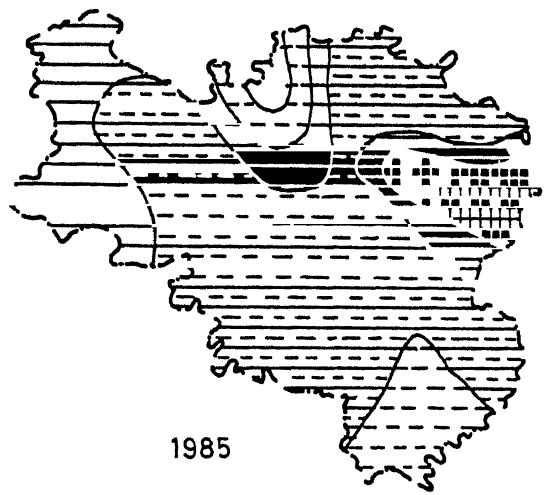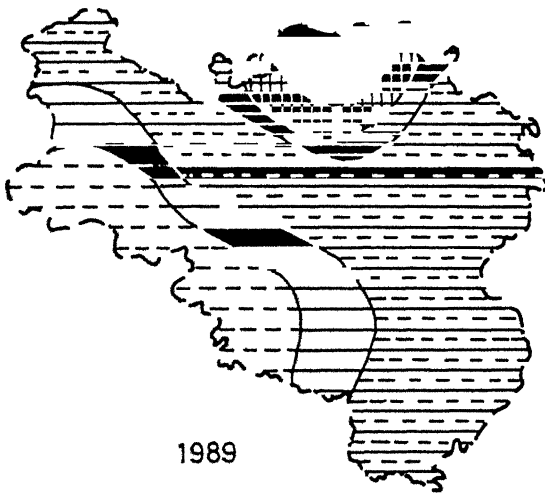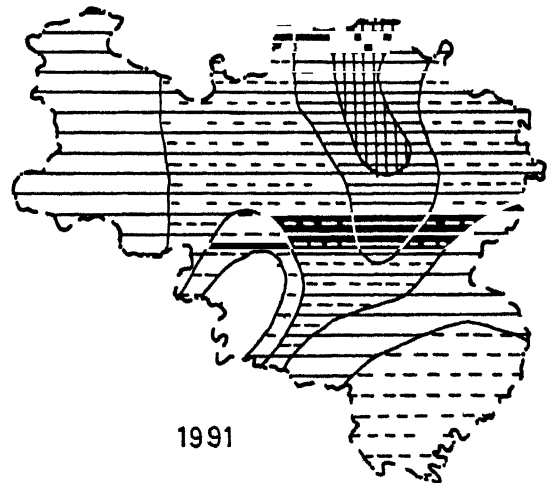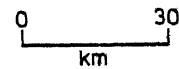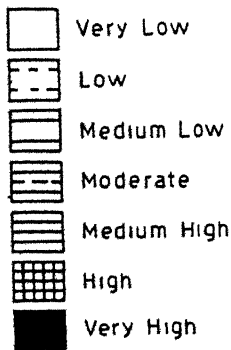
Fig 10 51 Relationship Between Runner and Literate Population 1980-9
Bivariate Regression
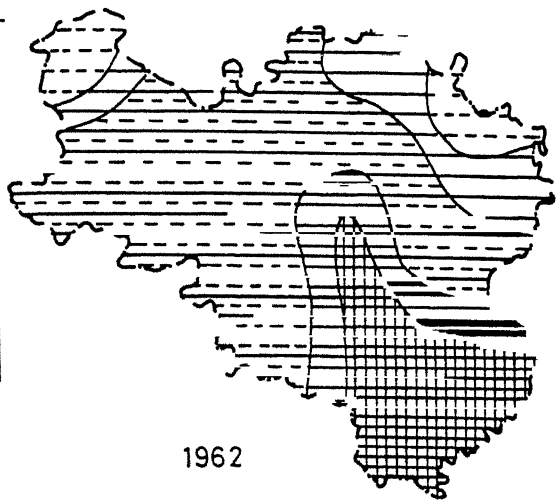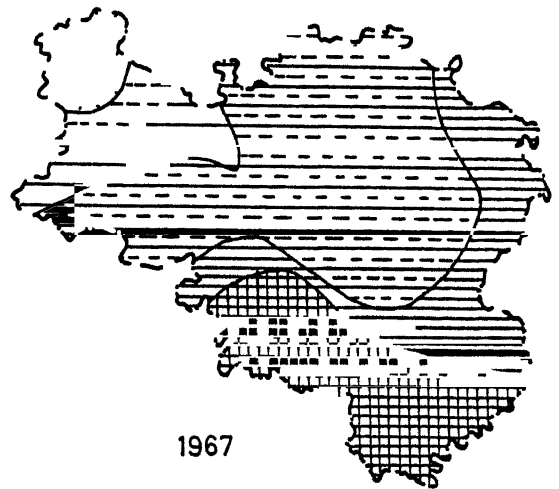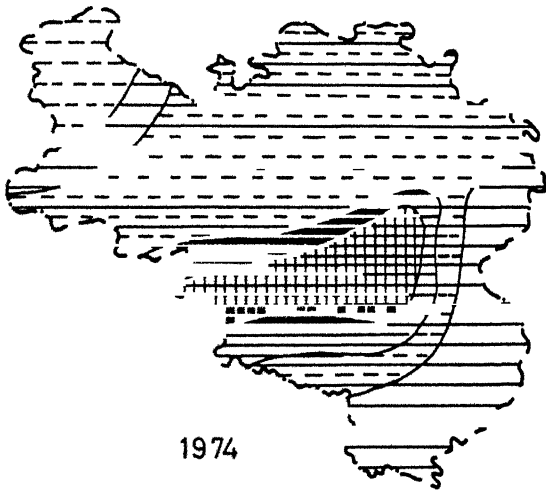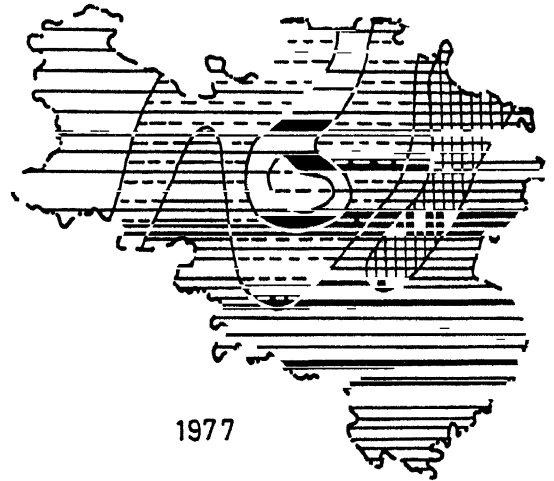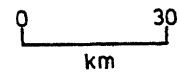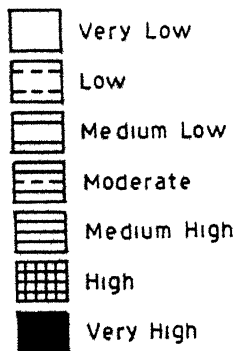
Fig 10 5 2 Relationship Between Runner and Literate Population 1962-7
Bivariate Regression

भाग इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा का दक्षिणी पश्चिमी भाग एव करछना का दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस वर्ग के अन्तर्गत हडिया करछना प्रतापपुर विधानसभा का पश्चिमी किनारा छोडकर सम्पूर्ण झूसी का दक्षिणी भाग इलाहाबाद उत्तरी का दक्षिणी भाग इलाहाबाद पश्चिमी सम्पूर्ण चायल का उत्तरी पूर्वी एव पश्चिमी भाग सिराथू का उत्तरी पूर्वी भाग नवाबगज विधानसभा का दक्षिणी किनारा मझनपुर का उत्तरी भाग चायल का मध्य उत्तरी एव पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधानसभा का उत्तरी एव उत्तरी पश्चिमी भाग करछना बारा मझनपुर का पूर्वी किनारा सिराथू चायल इलाहाबाद उत्तरी एव दक्षिणी विधान सभा इलाहाबाद पश्चिमी विधान सभा का दक्षिणी भाग प्रतापपुर विधान सभा का दक्षिणी भाग छोडकर सम्पूर्ण एव सोराव विधान सभा का पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस सम्बद्ध क्षेत्र के अन्तर्गत मेजा मध्य एव मध्यपूर्व करछना बारा का उत्तरी भाग इलाहाबाद दक्षिणी इलाहाबाद उत्तरी एव इलाहाबाद पश्चिमी चायल विधान सभा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू विधान सभा का पूर्वी भाग, झूसी का उत्तरी भाग नवाबगज विधान सभा का उत्तरी भाग प्रतापपुर विधानसभा का उत्तरी पश्चिमी भाग सोराव विधानसभा का पूर्वी एव पश्चिमी भाग तथा बारा का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू विधानसभा का दक्षिणी भाग, मझनपुर का उत्तरी किनारा नवाबगज पश्चिमी चायल विधानसभा का पूर्वी किनारा, इलाहाबाद दक्षिणी का मध्य भाग प्रतापपुर उत्तरी सोराव दक्षिणी झूसी

उत्तरी मेजा हडिया प्रतापपुर पूर्वी एव बारा का उत्तरी किनारा छोडकर सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा मध्य करछना दक्षिणी पश्चिमी इलाहाबाद पश्चिमी बारा का उत्तरी किनारा झूसी उत्तरी सोराव नवाबगज का दक्षिणी पूर्वी भाग मझनपुर पूर्वी चायल पश्चिमी एव सिराथू पूर्वी सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे बारा चायल भरवारी इलाहाबाद शहर उत्तरी सोराव पश्चिमी सोराव पूर्वी का दक्षिणी भाग झूसी फूलपुर का दक्षिणी पश्चिमी भाग एव केवाई विधानसभा सम्मिलित है।

## 10 5 2 सामान्य से अधिक

प्रतिमान के द्वारा असम्बद्ध क्षेत्रो मे सामान्य से अधिक मे धनात्मक मान वाले क्षेत्रो को सम्मिलित किया गया है। जिसके अन्तर्गत विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे भिन्न–भिन्न स्थिति है।

निर्वाचन वर्ष 1991 मे इस वर्ग के अन्तर्गत झूसी नवाबगज सोराव विधानसभा सम्पूर्ण इलाहाबाद उत्तरी का उत्तरी पूर्वी भाग एव प्रतापपुर का दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे सोराव नवाबगज के दक्षिणी भाग को छोडकर सम्पूर्ण मे झूसी के उत्तरी पश्चिमी किनारे मे बारा के उत्तरी पूर्वी भाग छोडकर सम्पूर्ण मे धनात्मक सम्बन्ध था।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत हडिया झूसी विधानसभा का पूर्वी भाग एव प्रतापपुर विधानसभा के दक्षिणी किनारा सम्मिलित था।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सोराव नवाबगज झूसी उत्तरी हडिया प्रतापपुर सम्मिलित है।

इसके अतिरिक्त निर्वाचन वर्ष 1977 मे मेजा बारा करछना प्रतापपुर दक्षिणी एव पूर्वी 1974 मे मझनपुर चायल पश्चिमी करछना झूसी दक्षिणी प्रतापपुर मध्य निर्वाचन वर्ष 1967 मे मेजा दक्षिणी पूर्वी हडिया करछना उत्तरी पूर्वी मझनपुर दक्षिणी प्रतापपुर दक्षिणी पूर्वी निर्वाचन वर्ष 1962 मे मेजा करछना मध्य इलाहाबाद शहर दक्षिणी के दक्षिण भाग मे धनात्मक सम्बद्धता विद्यमान थी।

## 10 5 3 सामान्य से निम्न

इस वर्ग के अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1991 मे मझनपुर सिराथू विधानसभा सम्पूर्ण एव बारा का दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे सिराथू एव मझनपुर विधानसभा के दक्षिणी पश्चिमी भाग मे ऋणात्मक असम्बद्ध पाई गयी।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत नवाबगज इलाहाबाद पश्चिमी का उत्तरी भाग सोराव एव मझनपुर विधानसभा का पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

ऋणात्मक असम्बद्ध क्षेत्र के अनतर्गत 1980 मे मेजा विधानसभा का दक्षिणी एव दक्षिणी पश्चिमी भाग बारा एव चायल दक्षिणी सिराथू, मझनपुर 1977 मे मझनपुर एव इलाहाबाद उत्तरी विधानसभा का पश्चिमी भाग सिराथू इलाहाबाद पश्चिगी का पूर्वी भाग सम्मिलित था।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इलाहाबाद पश्चिमी सिराथू का दक्षिणी किनारा छोडकर सम्पूर्ण नवाबगज के दक्षिणी भाग सोराव विधानसभा के उत्तरी भाग मे ऋणात्मक असम्बद्धता विधमान थी। 1967 मे इस वर्ग के अन्तर्गत बारा चायल विधानसभा सिराथू एव नवाबगज विधान सभा का पश्चिमी भाग सम्मिलित है। जब कि निर्वाचन वर्ष 1962 मे सिराथू, फूलपुर केवाई सोराव पूर्वी का पूर्वी भाग एव करारी का उत्तरी ऊपरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 से 1991 तक पराजित दल एव साक्षर जनसख्या के बीच स्थापित मध्य सह सम्बन्ध से निम्न निष्कर्ष प्रदर्शित होता है।

1 सम्बद्ध क्षेत्र का 80 प्रतिशत भाग नगरीय क्षेत्रो मे है।

2 असम्बद्ध क्षेत्रो का 80 प्रतिशत भाग ग्रामीण क्षेत्रो मे है।

3 ग्रामीण एव नगरीय दोनो क्षेत्रो मे साक्षर जनसख्या ने पराजित दल के मध्य सह सम्बन्ध स्थापित किया है।

4 साक्षर जनसख्या की विभिन्न वर्षो की सम्बद्धता मे व्यापक भिन्नता रही है।

## 10 6 पराजित दल एव हिन्दू जनसख्या सह सम्बन्ध

मानव चेतना मे धार्मिक चेतना समाहित है धार्मिक चेतना मे आस्था और विश्वास की अपेक्षा भावना की अधिकता है। यद्यपि आस्था और विश्वास पर व्यक्ति का व्यवहार बदलता है किन्तु दोनो की अपेक्षा भावना की प्रबलता अधिक है। वर्तमान राजनीति मे राजनीतिक दल भावना को जगाकर मत व्यवहार मे व्यापक परिवर्तन लाते है। दूसरे शब्दो मे वर्तमान राजनीति मे धर्म एक आवश्यक तत्व है कहे तो अतिशयोक्ति नही होगी। प्रत्येक दल जाति धर्म वर्ग के आधार पर निर्वाचनो मे टिकटो का बटवारा करते है। यह निश्चित है कि निर्वाचन व्यवहार जागरूकता मे धर्म का प्रभाव पडता है इस तथ्य को ध्यान मे रख प्रस्तुत अनुभाग मे पराजित दल एव हिन्दू जनसख्या के मध्य स्थापित सम्बन्धो को मानचित्र 10 6 1 मे प्रदर्शित किया गया है प्रदर्शित मानचित्रानुसार समाश्रयण अवशेषो सम्बद्ध एव असम्बद्ध क्षेत्र निरूपित है जो क्रमश सामान्य सामान्य से अधिक तथा सामान्य से निम्न है जिनका वर्णन निम्नानुसार है

### 10 6 1 सामान्य क्षेत्र

मानचित्र 10 6 1 के अनुसार इस वर्ग मे विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे निम्नलिखित विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित है।
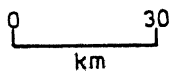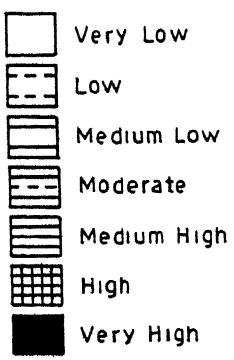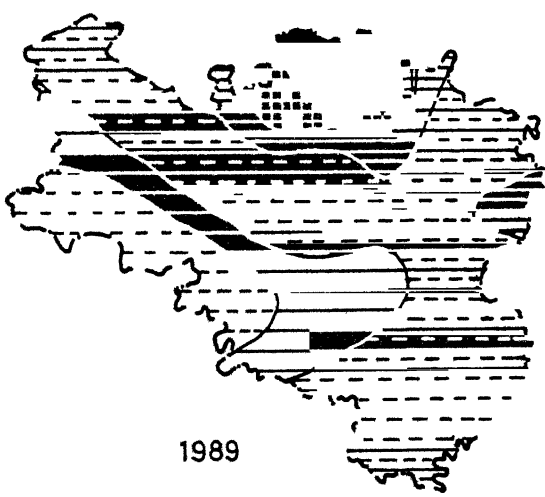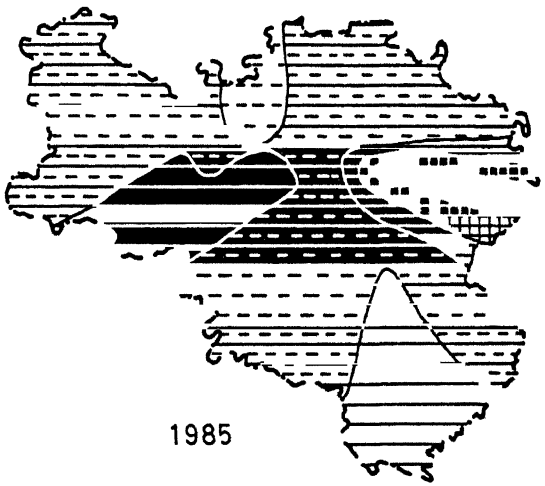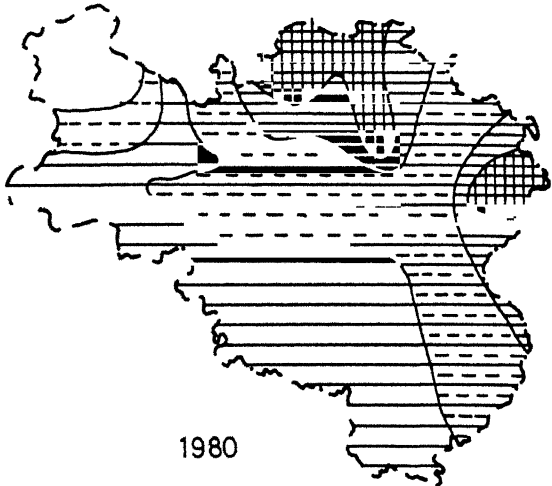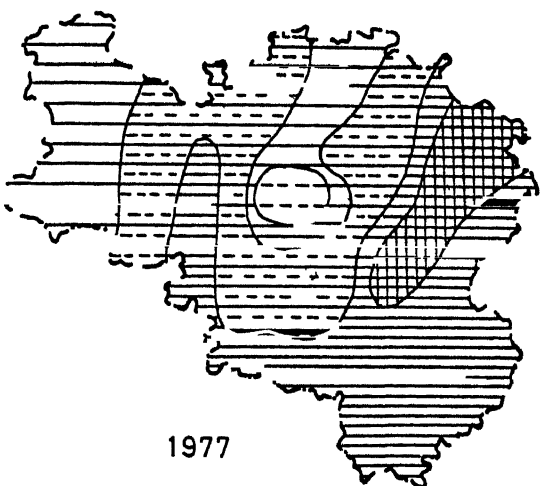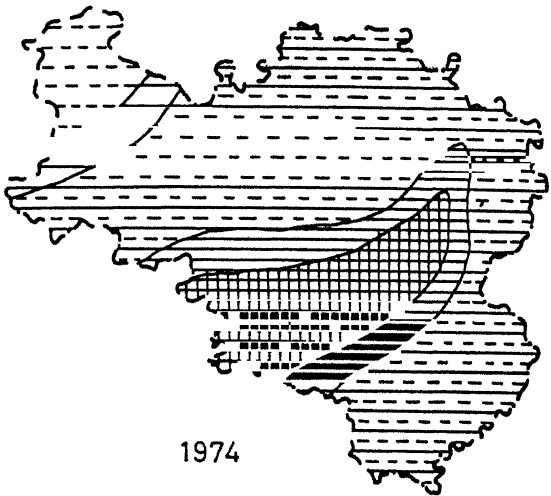
Fig 10 61 Relationship Between Runner and Hindu Population 1974-89 Bivariate Regression

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस वर्ग के अन्तर्गत इलाहाबाद उत्तरी एव दक्षिणी विधानसभा एव प्रतापपुर का पूर्वी भाग हडिया का पूर्वी भाग छोडकर सम्पूर्ण करछना उत्तरी मेजा कादक्षिणी उत्तरी एव पूर्वी भाग बारा विधानसभा का उत्तरी किनारा इलाहाबाद पश्चिमी विधानसभा चायल का दक्षिणी किनारा छोडकर सम्पूर्ण सिराथू का दक्षिणी पश्चिमी भाग छोडकर सम्पूर्ण तथा झूसी विधानसभा का दखिणी पूर्वी एव दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधानसभा का पूर्वी एव पश्चिमी भाग करछना बारा चायल मझनपुर सिराथू, सोराव विधानसभा प्रतापपुर विधानसभा का उत्तरी भाग एव इलाहाबाद उत्तरी इलाहाबाद दक्षिणी इलाहाबाद पश्चिमी विधान सभा क्षेत्र सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस कोटि के अनतर्गत मेजा मध्य पूर्व एव मध्य पश्चिमी झूसी दक्षिणी इलाहाबाद दक्षिणी एव पश्चिमी विधान सभा सम्पूर्ण चायल पूर्वी एव मध्य इलाहाबाद उत्तरी का दक्षिणी भाग एव प्रतापपुर विधानसभा का मध्य भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मझनपुर सोराव नवाबगज विधानसभा सम्पूर्ण सिराथू विधान सभा का पूर्वी भाग एव बारा विधान सभा का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू विधानसभा का दक्षिणी भाग एव मझनपुर का उत्तरी किनारा नवाबगज विधानसभा का पश्चिमी उत्तरी भाग चायल का पूर्वी किनारा इलाहाबाद दक्षिणी विधानसभा का मध्य भाग प्रतापपुर उत्तरी हडिया मेजा विधानसभा एव झूसी विधानसभा का ऊपरी भाग छोडकर सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

## 10 6 2 सामान्य से अधिक

धनात्मक असम्बद्ध क्षेत्र को सामान्य से अधिक की सज्ञा दी गई है इसके अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1989 मे सोराव विधान सभा नवाबगज विधानसभा का दक्षिणी भाग छोडकर समस्त एव झूसी विधानसभा का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत हडिया विधानसभा झूसी विधानसभा का पूर्वी भाग एव प्रतापपुर विधानसभा का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत हडिया विधानसभा का पूर्वी भाग सोराव नवाबगज एव झूसी विधानसभा का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 एव 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत क्रमश करछना मेजा हडिया प्रतापपुर झूसी विधानसभा का दक्षिणी पूर्वी भाग इलाहाबाद पश्चिमी विधान सभा दक्षिणी विधानसभा का मध्य भाग एव 1974 मे सिराथू उत्तरी पश्चिमी सोराव उत्तरी इलाहाबाद पश्चिमी बारा विधानसभा का मध्य भाग सम्मिलित है।

## 10 6 3 सामान्य से निम्न

इस उच्च ऋणात्मक असम्बद्ध क्षेत्र मे निर्वाचन वर्ष 1989 मे बारा विधान सभा ऊपरी किनारा छोडकर सम्पूर्ण करछना का दक्षिणी एव दक्षिणी पश्चिमी भाग चायल का दक्षिणी भाग मझनपुर का पूर्वी भाग सिराथू का दक्षिणी पश्चिमी भाग आता है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधानसभा का दक्षिणी पश्चिमी एव पश्चिमी भाग बारा विधानसभा का उत्तरी किनारा छोडकर सम्पूर्ण मझनपुर सिराथू सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू, मझनपुर का पश्चिमी भाग इलाहाबाद पश्चिमी विधानसभा का पूर्वी भाग इलाहाबाद दक्षिणी विधानसभा का उत्तरी भाग एव उत्तरी विधानसभा का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू विधानसभा का उत्तरी पश्चिमी भाग सोराव विधान का उत्तरी भाग इलाहाबाद पश्चिमी विधानसभा एव बारा का मध्यवर्ती भाग सम्मिलित है।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि–

1 हिन्दू जनसख्या एव पराजित दल के मध्य स्थापित सह सम्बन्ध ग्रामीण एव नगरीय दोनो क्षेत्रो मे है।

2 प्रत्येक निर्वाचन वर्ष मे सह सम्बन्ध स्तर मे व्यापक परिवर्तन हुआ है।

3 ग्रामीण जनसख्या (हिन्दू) भी अपेक्षा नगरीय जनसख्या (हिन्दू) का सह सम्बन्ध सम्बद्ध क्षेत्रो मे अधिक है।

4 अधिकाश असम्बद्ध क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्रो मे है।

## 10 7 पराजित दल एव मुस्लिम जनसख्या सह सम्बन्ध

धर्म मे अपूर्व एकता करने की शक्ति होती है यह दलो को राजसत्ता हथियाने की एक दृष्टि है। प्रजातान्त्रिक शासन प्रणाली मे चुनाव जीतना धर्म और जाति पर निर्भर हो गया है। राजनीतिक दल स्वार्थवश धार्मिक भावना को अपने पक्ष मे करने का प्रयास करते है। पूर्व अनुभाग मे हिन्दू धर्म का पराजित दल के साथ सह सम्बन्ध प्रस्तुत किया गया। उसी कडी मे इस अनुभाग मे मुस्लिम धर्म एव पराजित दल के मध्य सह सम्बन्ध विश्लेषण किया जा रहा है।

प्रस्तुत अनुभाग पराजित दल मत एव मुस्लिम जनसख्या के मध्य स्थापित रैखिक सम्बन्धो वाले सम्बद्ध एव असम्बद्ध क्षेत्रो को प्रकट किया गया है। इनसे प्राप्त समाश्रयण अवशेषो को मानचित्र 10 7 1 मे प्रदर्शित किया गया है।

मानचित्रानुसार इस सम्बद्ध एव असम्बद्ध क्षेत्रो का वर्णन निम्नवत है–
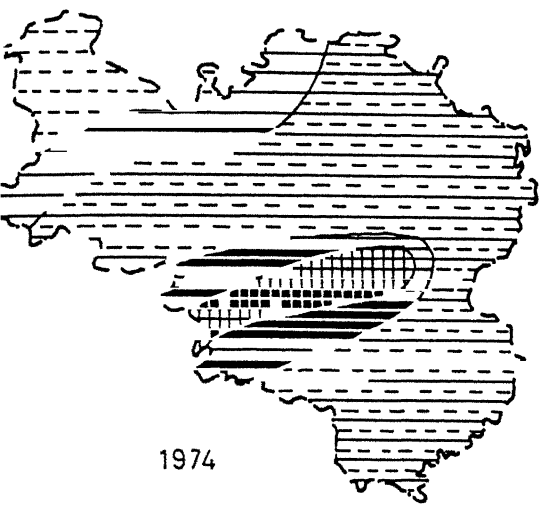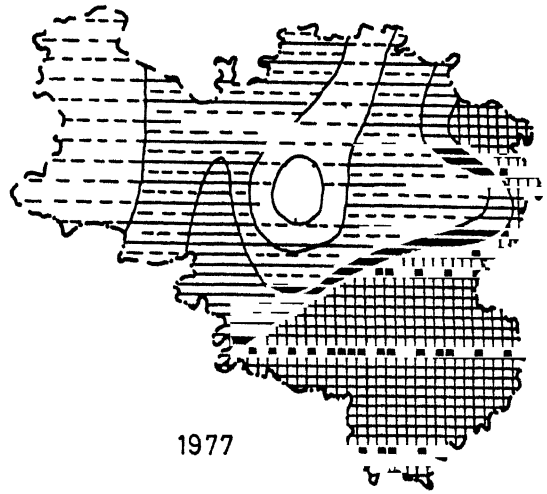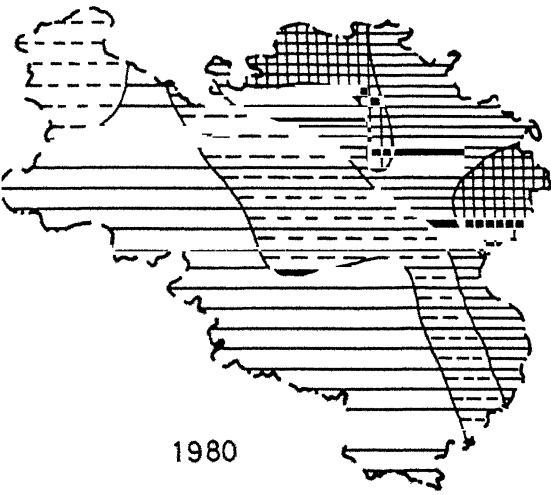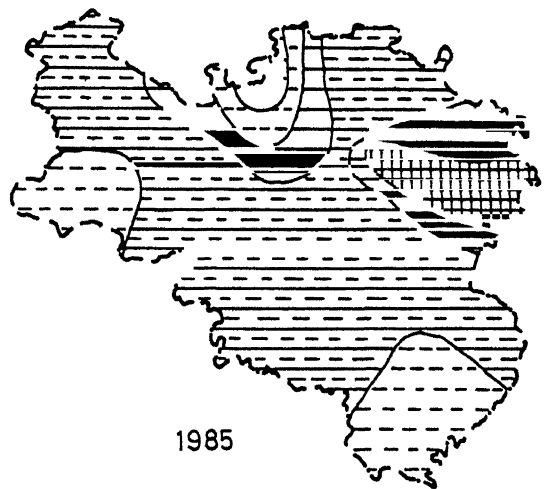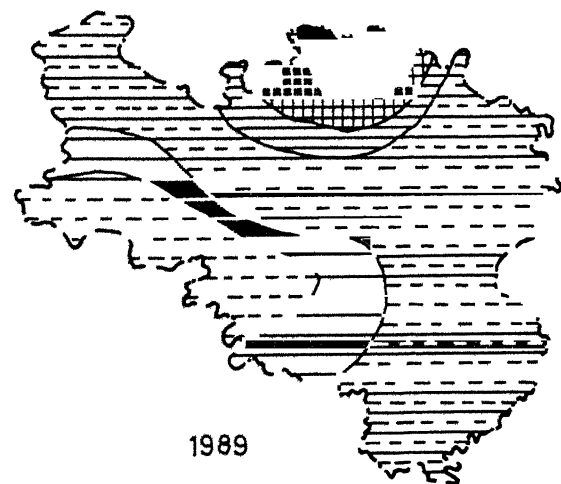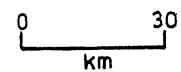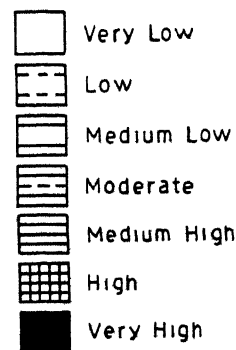
ıa 10 7 1 Relationship Between Runner and Muslim Population 1974-89

## 10 7 1 सामान्य क्षेत्र

इलाहाबाद जिले मे विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे सामान्य क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न विधानसभाये सम्मिलित है--

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस वर्ग के अन्तर्गत हडिया करछना प्रतापपुर विधानसभा का पश्चिमी किनारा छोडकर सम्पूर्ण झूसी का दक्षिणी भाग इलाहाबाद उत्तरी का दक्षिणी भाग इलाहाबाद पश्चिमी सम्पूर्ण चायल विधानसभा का उत्तरी पूर्वी एव पश्चिम भाग सिराथू का उत्तरी पूर्वी भाग नवाबगज का दक्षिणी किनारा मझनपुर का उत्तरी भाग चायल का मध्य उत्तरी एव पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा उत्तरी एव उत्तरी पश्चिम करछना बारा मझनपुर का दक्षिणी पूर्वी किनारा सिराथू चायल इलाहाबाद उत्तरी एव दक्षिणी इलाहाबाद पश्चिमी का दक्षिणी भाग प्रतापपुर विधानसभा का दक्षिणी भाग छोडकर सम्पूर्ण एव सोराव विधानसभा का पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा का मध्यपूर्व भाग करछना उत्तरी इलाहाबाद पश्चिमी विधानसभा का उत्तरी भाग बारा उत्तरी चायल मध्य एव पूर्वी नवाबगज का दक्षिणी किनारा एव झूसी का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मझनपुर सोराव नवाबगज विधान सभा सिराथू विधानसभा का पूर्वी भाग चायल विधानसभा का उत्तरी भाग बारा विधानसभा का उत्तरी भाग सम्मिलित हे।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मझनपुर विधानसभा का उत्तरी भाग सिराथू दक्षिणी सोराव नवाबगज प्रतापपुर उत्तरी एव दक्षिणी हडिया मेजा विधानसभा बारा का पूर्वी भाग इलाहाबाद दक्षिणी विधानसभा का मध्यभाग एव झूसी उत्तरी विधानसभा सम्मिलित है।

## 10 7 2 सामान्य से अधिक

असम्बद्ध उच्च धनात्मक सामान्य से अधिक क्षेत्र के अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1989 मे सोराव नवाबगज का दक्षिणी पश्चिमी भाग छोडकर सम्पूर्ण झूसी विधानसभा का उत्तरी पश्चिमी किनारा एव बारा विधानसभा का उत्तरी पूर्वी भाग छोडकर सम्पूर्ण सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत हडिया विधानसभा झूसी विधानसभा का पूर्वी भाग एव प्रतापपुर विधानसभा का दक्षिणी किनारा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत हडिया विधानसभा का पूर्वी भाग सोराव नवाबगज झूसी उत्तरी एव इलाहाबाद उत्तरी विधानसभा का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत करछना मेजा हडिया प्रतापुर झूसी विधानसभा का दखिणीपूर्वी भाग बारा दक्षिणी पूर्वी एव इलाहाबाद पश्चिमी एव दक्षिणी विधानसभा का मध्यवर्ती भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत बारा विधानसभा का मध्य भाग करछना हडिया प्रतापपुर एव झूसी विधानसभा का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

## 10 7 8 सामान्य से निम्न

ऋणात्मक असम्बद्ध क्षेत्र के अन्तर्गत विभिन्न वर्षो मे निम्नवत स्थिति रही–

निर्वाचन वर्ष 1989 मे सिराथू का दक्षिणी पश्चिमी भाग एव मझनपुर विधानसभा का दक्षिणी पश्चिमी भाग 1985 मे नवाबगज इलाहाबाद पश्चिमी विधानसभा का उत्तरी भाग सोराव का पश्चिमी भाग एव मझनपुर विधानसभा का पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मझनपुर सिराथू, चायल विधानसभा का दक्षिणी पश्चिमी भाग बारा पश्चिमी एव पूर्वी मेजा विधानसभा का दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू, मझनपुर विधानसभा का पश्चिम भाग एव प्रतापपुर विधानसभा का मध्यवर्ती भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू विधानसभा का उत्तरी पश्चिमी भाग इलाहाबाद पश्चिमी विधानसभा बारा विधानसभा का मध्यवर्ती भाग एव चायल विधानसभा का पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

पराजित दल एव मुस्लिम जनसख्या के मध्य स्थापित सम्बन्धो के विश्लेषण निम्न निष्कर्ष निकलता है–

1 नगरीय मुस्लिम जनसख्या सामान्य क्षेत्र मे पराजित दल के साथ सह सम्बन्ध धनात्मक है।

2 ग्रामीण क्षेत्रो मे ऋणात्मक क्षेत्रो की अधिकता है।

## 10 8 पराजित दल एव कुल जनसख्या, अनुसूचित जाति, जनजाति साक्षर, हिन्दू, मुस्लिम जनसख्या का समग्र सह सम्बन्ध

पिछले छ अनुभागो मे पराजित दल मत के साथ कुल जनसख्या अनुसूचित जाति जनसख्या जनजाति जनसख्या साक्षर जनसख्या हिन्दू जनसख्या मुस्लिम जनसख्या का विश्लेषण पृथक–पृथक प्रस्तुत किया गया। जिनके परिणामो प्रभावो को सम्यक रूप से विवेचित किया गया। प्रस्तुत अनुभाग मे छ चरो का सयुक्त रूप से पराजित दल मत से गणना करके सबधित असम्बन्धित क्षेत्रो का वर्णन प्रस्तुत किया जा रहा। समाश्रयण अवशेष प्रतिमान
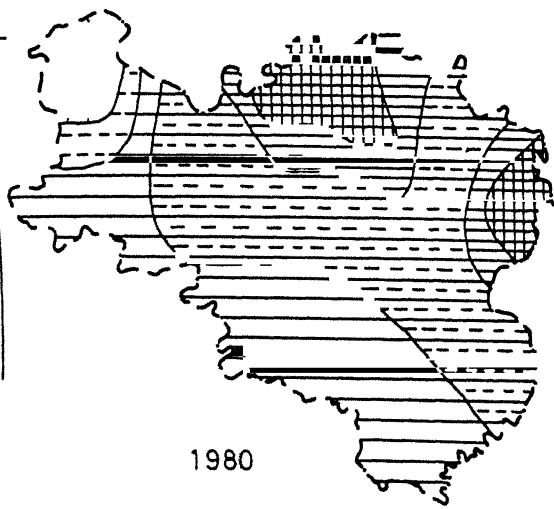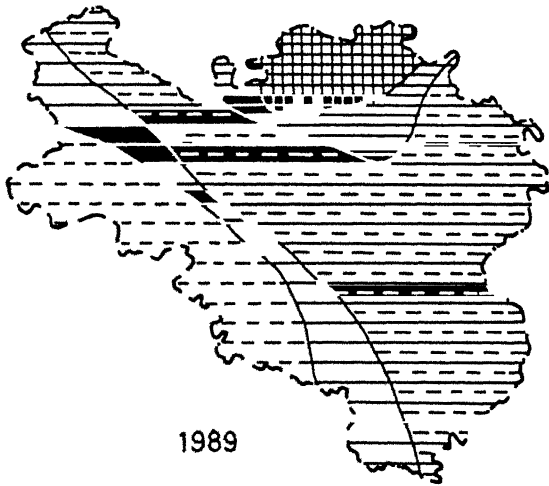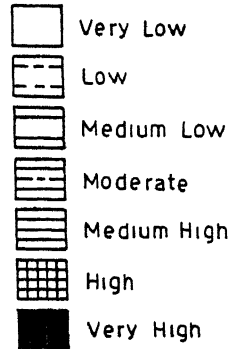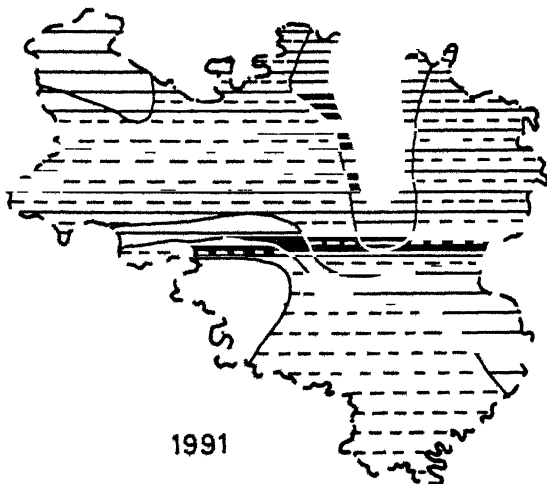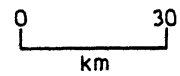
Fig 10 8 1 Relationship Between Runner and All Variables 1980-91
Multivariate Regression
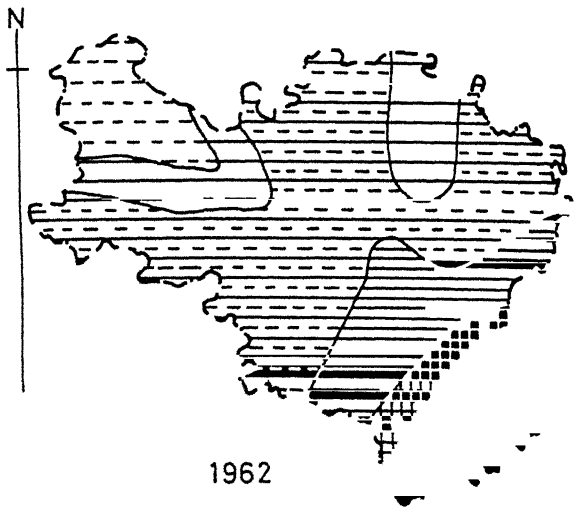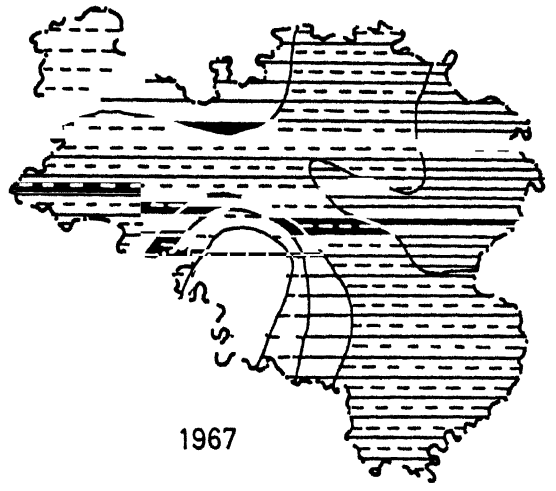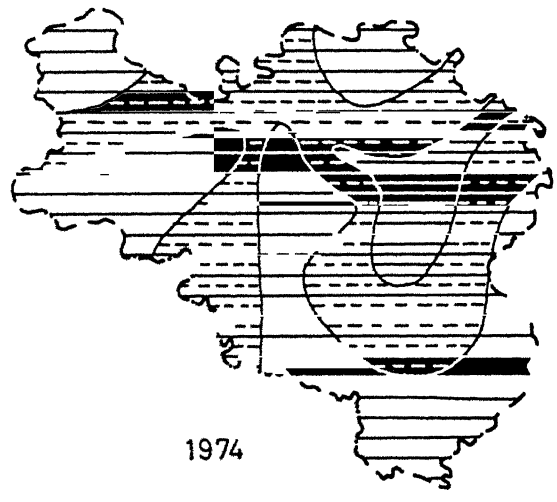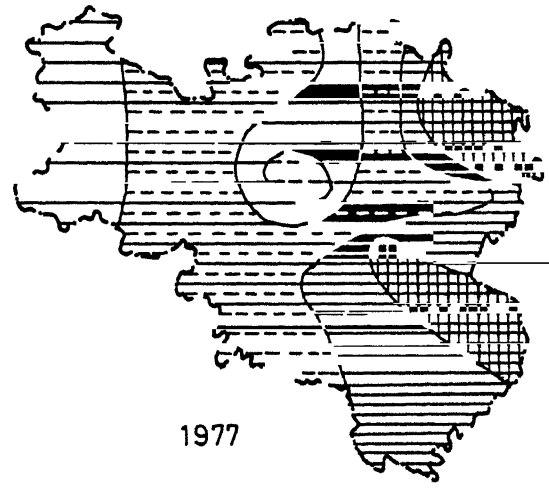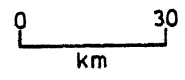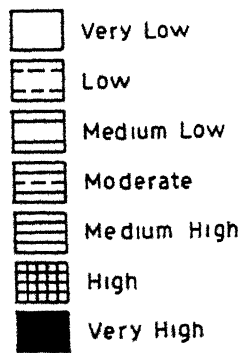
Fig 10 8 2 Relationship Between Runner and All Variables 1962 - 77 Multivariate Regression

मानचित्र 1081 एव 1082 मे प्रदर्शित किया गया है। जिसका वर्णन निम्नानुसार है–

## 1081 सामान्य क्षेत्र

मानचित्रानुसार सामान्य क्षेत्र के अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1991 मे हडिया इलाहाबाद उत्तरी दक्षिणी पश्चिमी विधानसभा सम्पूर्ण करछना का मध्यवर्ती भाग नवाबगज विधानसभा का पश्चिमी किनारा छोडकर सम्पूर्ण मझनपुर एव चायल विधानसभा का दक्षिणी किनारा छोडकर सम्पूर्ण सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1989 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा हडिया करछना प्रतापपुर सिराथू, इलाहाबाद उत्तरी दक्षिणी एव पश्चिमी चायल का मध्यवर्ती भाग उत्तरी भाग एव झूसी का ऊपरी उत्तरी भाग छोडकर सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधानसभा का उत्तरी एव उत्तरी पश्चिमी भाग बारा करछना सिराथू, चायल मझनपुर का पूर्वी भाग झूसी पश्चिमी इलाहाबाद दक्षिणी प्रतापपुर सोराव विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधानसभा का मध्यपूर्व भाग करछना इलाहाबाद दक्षिणी एव पश्चिमी विधानसभा चायल विधानसभा इलाहाबाद उत्तरी विधानसभा का दक्षिणी भाग झूसी दक्षिणी प्रतापपुर मध्य एव हडिया विधानसभा का पश्चिम भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत बारा चायल मझनपुर सिराथू विधानसभा का पूर्वी भाग नवाबगज इलाहाबाद उत्तरी विधानसभा झूसी विधानसभा का मध्यभाग एव प्रतापपुर सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मझनपुर उत्तरी सिराथू दक्षिणी नवाबगज मेजा प्रतापपुर विधानसभा का दक्षिणी भाग हडिया पूर्वी बारा पूर्वी इलाहाबाद दक्षिणी विधानसभा इलाहाबाद उत्तरी विधानसभा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधानसभा का मध्यवर्ती भाग करछना मध्य दक्षिणी इलाहाबाद पश्चिमी विधानसभा उत्तरी विधानसभा दक्षिणी विधानसभा का पश्चिमी भाग सोराव झूसी उत्तरी मझनपुर एव चायल विधानसभा का मध्यवर्ती भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे इस वर्ग के अन्तर्गत चायल विधानसभा भरवारी [illegible]

[illegible]

## 10 8 2 सामान्य अधिक

उच्च धनात्मक समाश्रयण अवशेष प्रतिमान सामान्य से अधिक के अन्तर्गत सम्मिलित किये गये है यह धनात्मक असम्बद्ध क्षेत्र है इसके अन्तर्गत निर्वाचन वर्ष 1991 मे सोराव एव झूसी विधानसभा 1989 मे सोराव पूर्वी झूसी का ऊपरी उत्तरी किनारा नबाबगज विधानसभा का दक्षिणी किनारा छोडकर सम्पूर्ण विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत हडिया प्रतापपुर दक्षिणी एव झूसी विधानसभा का दक्षिणी पूर्वी एव मध्य भाग 1980 मे हडिया मध्यपूर्व सोराव नवाबगज इलाहाबाद उत्तरी का उत्तरी भाग एव झूसी विधानसभा का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत प्रतापपुर विधानसभा का पूर्वी भाग मेजा विधानसभाा का मध्य भाग करछना एव हडिया विधानसभा का पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मझनपुर चायल विधानसभा का पश्चिमी भाग करछना उत्तरी झूसी दक्षिणी एव प्रतापपुर विधानसभा का मध्यवर्ती भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1967 मे इस वर्ग के अन्तर्गत हडिया प्रतापपुर विधानसभा करछना एव इलाहाबाद दक्षिणी विधानसभा का पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1962 मे मेजा करछना हडिया विधानसभा के दक्षिणी एव बारा विधानसभा के पूर्वी भाग मे धनात्मक असम्बद्ध पायी गयी।

## 10 8 8 सामान्य से निम्न

इस वर्ग को ऋणात्मक असम्बद्धता क्षेत्र भी कहा जाता है इसमे विभिन्न वर्षो मे भिन्न–भिन्न विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1991 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा बारा सिराथू विधानसभा 1989 मे सिराथू का दक्षिणी पश्चिमी भाग एव मझनपुर विधानसभा का दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1985 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा दक्षिणी मझनपुर पश्चिमी इलाहाबाद पश्चिमी का पूर्वी भाग इलाहाबाद उत्तरी विधानसभा का उत्तरी भाग एव नवाबगज विधानसभ सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1980 मे इस वर्ग के अन्तर्गत मेजा विधानसभा का दक्षिणी एव दक्षिणी पश्चिमी भाग बारा विधानसभा का दक्षिणी एव दक्षिणी पूर्वी भाग मझनपुर एव सिराथू विधानसभा सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1977 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू विधानसभा मझनपुर विधानसभा का पश्चिमी भाग इलाहाबाद उत्तरी दक्षिणी एव पश्चिमी विधानसभा सोराव विधानसभा का मध्यवर्ती भाग एव नवाबगज विधानसभा का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निर्वाचन वर्ष 1974 मे इस वर्ग के अन्तर्गत सिराथू विधानसभा का पश्चिमी भाग इलाहाबाद पश्चिमी बारा विधानसभा का मध्यवर्ती भाग एव सोराव विधानसभा का मध्यवर्ती भाग सम्मिलित है।

पराजित दल एव सयुक्त चरो के मध्य स्थापित रैखिक सम्बन्धो के विश्लेषण से स्पष्ट है कि इलाहाबाद जनपद मे तीन समाश्रयण अवशेष क्षेत्रो का निर्माण हुआ जो क्रमश सामान्य सामान्य से अधिक सामान्य से निम्न कहलाये। विभिन्न वर्षो मे इसके अध्ययन से निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुआ।

1 अन्य चरो की भॉति सयुक्त चर का प्रभाव भी ग्रामीण क्षेत्रो मे अधिक रहा अर्थात् ग्रामीण क्षेत्रो मे व्यवहार परिवर्तन तीव्रगति से हुआ।

2 नगरीय क्षेत्रो मे व्यवहार परिवर्तन अस्थायी तो था किन्तु स्थिर था अर्थात विधानसभा क्षेत्रो मे अल्प परिवर्तन हुआ।

3 नगरीय क्षेत्र की विधानसभाओ मे रैखिक सम्बद्धता पायी गयी जबकि ग्रामीण क्षेत्र की विधानसभाओ मे असम्बद्धता पायी गयी।

# एकादश् अध्याय

# सारांश

# 11 साराश

वर्तमान काल वस्तुत जनतत्र का काल है जिसका स्वरूप विश्वव्यापी हो गया है। जनतत्र यह लोकतत्र का मूलमत्र प्रत्येक व्यक्ति मे भाईचारा परस्पर निष्काम सेवा एव सहायता भाव का होना जिसके बिना जनतन्त्र सम्भव नही है। जनतत्र समाज जीवन का एक विशिष्ट दृष्टिकोण है जहा किसी भी व्यक्ति को दूसरे के साथ वैसा व्यवहार नही करना चाहिए जिसे वह स्वय नही चाहता है। इसका मुख्य उद्देश्य **अधिक से अधिक मनुष्य को अधिक से अधिक सुख** ।

लोकतन्त्र मे राजनीतिक दल सरकार एव जनता के मध्य कडी है। इन्ही के माध्यम स जनता का सहभागिता प्राप्त होती है सहभागिता के लिए वह अपने मताधिकार का प्रयोग करता है। मताधिकार जनतत्र की प्राणवायु है। जिसके बिना जनतत्र की परिकल्पना नही की जा सकती। जनतन्त्र मे निहित मताधिकार से जनता का व्यक्तित्व गौरव पूर्ण होता है एव इस अधिकार से कर्तव्यपालन की भावना का विकास होता है। निर्वाचक अपने इसी अधिकार से लोकतत्र की रक्षा करता है।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध मे निर्वाचन प्रक्रिया निर्वाचन अधिकार मतदान व्यवहार मतदान जागरूकता निर्वाचकीय दायित्व मे होने वाला परिवर्तन मतदाता दल समर्थन विजयी दल समर्थन पराजित दल समर्थन का अध्ययन विभिन्न आयामो दृष्टिकोणो समीकरणो अध्ययन विधियो से इलाहाबाद जिले के निर्वाचन क्षेत्रो के सन्दर्भ मे करने का प्रयास किया गया है।

उत्तर प्रदेश राज्य मे स्थित जिला इलाहाबाद पडोसी राज्य मध्य प्रदेश की सीमा को स्पर्श करता है इसलिए राज्य सीमा पर स्थित विधानसभाओ मे मतदान

व्यवहार पर पडोसी राज्य की राजनीति का प्रभाव पडना निश्चित है। इलाहाबाद स्वतन्त्रता सग्राम का मुख्य केन्द्र रहा है इसलिए इसके राजनीतिक व्यवहार मे स्वतन्त्रता सग्राम सेनानियो का प्रभाव भी समाहित है। वर्तमान कुल स्वतत्रता सग्राम सेनानियो के 99% लोग आज भी काग्रेस से जुडे है। इन इन्कलाबी नेताओ ने अपने नेतृत्व के बल पर बहुत दिनो तक लगातार काग्रेस के प्रति मतदान व्यवहार को परिवर्तित करते रहे। इन्ही के बल पर स्वतन्त्रता के बाद मतदाताओ मे राजनैतिक जागरूकता सचालित थी जो अध्ययन मे स्पष्ट है।

शोध अध्ययन मे यह भी स्पष्ट हुआ है कि प्रारम्भिक चुनाव (1952) से लेकर 1971 तक लगभग बीस वर्षो तक भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस दल का ही प्रभाव रहा परन्तु धीरे–धीरे क्षेत्रीय दलो ने जनमत मे अपने विचार प्रस्तुत किये जिससे उनका प्रभाव निर्मित हुआ। राजनैतिक व्यवहार के अध्ययन से यह उजागर हुआ है कि प्रारम्भिक राजनीति मे जिले मे व्यक्तिवाद को बढावा मिला था।

प्रारम्भिक निर्वाचन वर्षो मे मतदाताओ ने देश के विकास की भावना से काम किया जिससे राष्ट्रीय मुद्दे पर मतदान हुआ। धीरे–धीरे क्षेत्रीय विकास का मुद्दा आया जनमत ग्रामीण विकास को महत्व दिया। जनमत आर्थिक पक्षो पर बल दिया। जनमत जागरूकता का दूसरा महत्वपूर्ण आधार साक्षरता जागरूकता मतदाता जागरूकता रहा जिसका सम्यक विवेचन प्रस्तुत शोध प्रबन्ध मे किया गया। प्रतियोगिता प्रगाढता अध्ययन इसकी प्रमुख पहचान है।

उपरोक्त सन्दर्भ मे प्रस्तुत शोध प्रबन्ध मे 1952 से 1991 तक सम्पन्न लोकसभा एव विधानसभा निर्वाचन से प्राप्त परिणामो के आधार पर उत्तर प्रदेश के

इलाहाबाद जनपद मे निर्वाचन की राजनैतिक पृष्टिभूमि का अध्ययन विभिन्न भौगोलिक प्रतिरूपो के साथ सकारण विश्लेषण विभिन्न अध्ययो मे किया गया है।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के प्रथम अध्याय मे निर्वाचन भूगोल का सक्षिप्त परिचय निर्वाचन भूगोल के अध्ययन का विकास क्रम भारत मे निर्वाचन सम्बन्धी अध्ययन अध्ययन का उद्देश्य सकल्पना विधितत्रात्मक औचित्य उपागम एव विधि अध्ययन क्षेत्र परिचय अध्ययन से सम्बन्धित समस्याओ का वर्णन प्रस्तुत किया गया है।

सामाजिक एव निर्वाचन सम्बन्धी प्रमुख आकडो के द्वारा समस्या के विश्लेषण मे जिन विधियो का प्रयोग हुआ है उनका वर्णन अध्याय दो मे किया गया है। प्रस्तुत भाग मे शोध योजना आकडो का श्रोत आकडो का शुद्धीकरण आकडो की विसगति आकडो के साख्यिकीय विश्लेषण की विधि प्रमुख चर विश्लेषण सहसम्बन्ध एव चर विश्लेषण मानचित्रण की विधियो का उल्लेख किया गया है।

प्रस्तुत अध्ययन के तीसरे अध्याय मे निर्वाचन की एतिहासिक पृष्ठिभूमि वर्तमान भारतीय निर्वाचन प्रणाली निर्वाचन का सवैधानिक ढाचा निर्वाचन आयोग सीटो का आरक्षण निर्वाचन नामाकन चुनाव चिन्ह आवटन लोकसभा एव निर्वाचन प्रक्रिया विधानसभा एव निर्वाचन प्रक्रिया निर्वाचन की राजनैतिक पृष्ठिभूमि प्रथम लोकसभा विधानसभा निर्वाचन 1952 द्वितीय लोक सभा विधानसभा निर्वाचन 1957 तृतीय लोकसभा विधान निर्वाचन 1962 चर्तुथ लोकसभा विधानसभा निर्वाचन 1967 पचम लोकसभा का मध्यावधि चुनाव 1971 षष्टम लोकसभा विधानसभा निर्वाचन 1974 सप्तम लोकसभा विधानसभा निर्वाचन

1977 अष्टम निर्वाचन 1980 नवम निर्वाचन 1985 दशम निर्वाचन 1989 एव एकादश निर्वाचन 1991 को क्रमबद्ध ढग से प्रस्तुत किया गया।

प्रस्तुत अध्ययन के चतुर्थ अध्याय मे सीट वितरण प्रतिरूप को प्रदर्शित किया गया है वितरण प्रतिरूप मे लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र एव विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र दोनो का चयन किया गया है। लोकसभा निर्वाचन मे भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस ने 1952 से 1967 तक लगातार सभी सीटो पर विजय प्राप्त की जब कि 1971 मे काग्रेस (जे) नामक दल ने 1977 मे भारतीय लोकदल ने सभी सीटो पर विजय प्राप्त की है 1952 से 1971 लगभग बीस वर्षों तक जनमत ने स्पष्ट जनाधार दिया किन्तु निर्वाचन वर्ष 1980 मे स्थिति परिवर्तित हुई लोकसभा निर्वाचन मे सीटे विभिन्न दलो को प्राप्त हुई। जो काग्रेस 1952 मे 73 20 प्रतिशत मत प्राप्त की थी वही निर्वाचन वर्ष 1991 मे 10 90 प्रतिशत मत ही प्राप्त कर सकी। तालिका 4 2 से स्पष्ट है कि 1971 के बाद मतो मे बटवारा हुआ अर्थात दल विशेष का वर्चस्व समाप्त हुआ। लोकसभा से विधानसभा की स्थिति कुल भिन्न रही। विधानसभा मे मतो के बटवारे का क्रम 1962 से ही प्रारम्भ हो गया था। दलो के बीच मतो के विभाजन से यह निष्कर्ष निकलता है कि दल प्रतियोगिता प्रगाढता मे वृद्धि हुई है। तालिका 4 5 एव 4 6 मे प्रतियोगिता प्रगाढता के अवलोकन से स्पष्ट है कि 1952 से 1967 तक लोकसभा निर्वाचन मे उम्मीदवारो की सख्या 1 से 5 के बीच थी किन्तु 1971 मे 66 67 प्रतिशत सीटो पर उम्मीदवारो की सख्या 11 से 15 हो गयी तथा 33 33 प्रतिशत सीटो पर उम्मीदवारो की सख्या 1 से 5 के बीच रह गयी। अगले निर्वाचन वर्षो मे कही भी उम्मीदवारो की सख्या 1 से 5 नही रह गयी 1991 के निर्वाचन वर्ष मे स्थिति विपरीत हो गयी 66 67 प्रतिशत सीटो पर 11 से 15 उम्मीदवार चुनाव लडे एव 33 33 प्रतिशत सीटो पर 25 से अधिक उम्मीदवार चुनाव मे सहभागी हुए।

विधानसभा के सन्दर्भ मे स्थिति दूसरी थी निर्वाचन वर्ष 1957 तक तो लोकसभा की स्थिति थी किन्तु इसके बाद व्यापक परिवर्तन हुआ। तालिका 4 6 के अनुसार 1991 के विधानसभा निर्वाचन मे 7 14 प्रतिशत सीटो पर 6 से 10 उम्मीदवार 21 47 प्रतिशत सीटो पर 11 से 15 उम्मीदवार 19 28 प्रतिशत सीटो पर 16–20 उम्मीदवार एव 35 72 प्रतिशत सीटो पर 25 से ऊपर उम्मीदवार चुनाव मे प्रत्याशी बने। अत स्पष्ट हुआ कि दल प्रतियोगिता मे उच्च स्तर पर वृद्धि हुई। अध्याय के अगले अनुभागो मे आरक्षित एव सामान्य सीट वितरण को प्रस्तुत किया गया है लोकसभा निर्वाचन वर्ष 1952 से 1991 तक कुल आरक्षित सीटो के 62 50 प्रतिशत भाग पर काग्रेस (आई) ने विजय प्राप्त की। किन्तु विधानसभा निर्वाचन मे सीटो का बटवारा हो गया। विधानसभा निर्वाचन मे 1952 से 91 तक काग्रेस (I) ने मात्र 57 58 प्रतिशत आरक्षित सीटे प्राप्त की जब कि जनतादल ने 12 12 प्रतिशत हासिल की शेष आरक्षित सीटे अन्य दलो या निर्दलीय ने जीती। इसके अतिरिक्त आरक्षित एव सामान्य सीटो पर मतदान का प्रतिशत भी विश्लेषित किया गया।

प्रस्तुत अध्ययन के अध्याय पाच मे मतदान वितरण प्रतिरूप निरूपित किया गया है। जिसमे लोकसभा मतदान का स्थानिक वितरण जेड लब्धि एव विधानसभा मतदान का स्थानिक वितरण एव जेडलब्धि प्रदर्शित किया गया है। तालिका 5 1 एव 5 2 मे मतदान प्रतिशत प्रस्तुत किया गया है। तदानुसार लोकसभा निर्वाचन मे इलाहाबाद जिले मे सर्वाधिक मतदान का प्रतिशत 1952 से 1991 के बीच निर्वाचन वर्ष 1985 मे 54 81 प्रतिशत था। जब कि विधानसभा निर्वाचन मे सर्वाधिक मतदान निर्वाचन वर्ष 1957 मे 60 82 प्रतिशत था। इस औसत वितरण के अतिरिक्त मानचित्र द्वारा 1952 से 91 तक लोकसभा क्षेत्रवार एव विधानसभा क्षेत्रवार वितरण भी प्रस्तुत किया गया है। अध्याय के अनुभाग 5 2 1 मे लोकसभा मतदान का क्षेत्रीय सकेन्द्रण एव 5 2 2 मे विधानसभा मतदान का

क्षेत्रीय सकेन्द्रण प्रस्तुत किया गया है। फूलपुर लोकसभा क्षेत्र मे निर्वाचन वर्ष 1971 1980 1989 मे उच्चतम सकेन्द्रण पाया गया जब कि सम्पूर्ण जनपद के किसी भी लोकसभा क्षेत्र मे निम्नतम सकेन्द्रण नही पाया गया। लोकसभा से विधानसभा की स्थिति भिन्न है। विधानसभा निर्वाचन वर्ष 1952 मे मेजा करछना उत्तरी एव दक्षिणी चायल दक्षिणी मझनपुर सिराथू विधानसभा मे 1957 मे मेजा फूलपुर चायल मझनपुर 1962 मे मेजा केवाई इलाहाबाद उत्तरी इलाहाबाद दक्षिणी 1967 मे मेजा करछना हडिया प्रतापपुर इलाहाबाद दक्षिणी और उत्तरी विधान सभा 1974 मे बारा करछना प्रतापपुर 1977 मे बारा करछना प्रतापपुर 1980 मे करछना बारा झूसी हडिया प्रतापपुर 1985 मे करछना झूसी हडिया वर्ष 1989 मे झूसी हडिया प्रतापपुर एव 1991 मे झूसी हडिया मे उच्चतम सकेन्द्रण पाया गया जब कि निम्नतम सकेन्द्रण 10 निर्वाचन वर्षो मे मात्र पाच विधानसभा क्षेत्रो 1952 मे इलाहाबाद (मध्य) 1980 मे इलाहाबाद पश्चिमी मझनपुर सिराथू एव 1989 मे मझनपुर मे पाया गया।

लोकतात्रिक शासन मे राजनीतिक दल अपरिहार्य होते है। लोकतन्त्र को चाहे कोई स्वरूप क्यो न हो राजनीतिक दलो की अनुपस्थिति अकल्पनीय है। इसलिए दलीय व्यवस्था को लोकतत्र का प्राण कहना अतिशयोक्ति नही है। दलो का वास्तविक अध्ययन स्थानिक वितरण अध्याय–6 एव अध्याय–7 मे प्रस्तुत किया गया है।

अध्याय–6 के प्रथम अनुभाग मे लोकसभा चुनाव मे भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस (काग्रेस आई) का स्थानिक वितरण सामान्य गणना एव जेडलब्धि के माध्यम से प्रस्तुत किया। काग्रेस (आई) को उच्चतम समर्थन अर्थात 65 प्रतिशत से अधिक मत निर्वाचन वर्ष 1985 मे इलाहाबाद ससदीय क्षेत्र मे प्राप्त हुआ है इससे स्पष्ट है नगरीय शिक्षित मतदाताओ ने 1985 मे इस दल को स्वीकार

किया उच्चतम जेडलब्धि किसी भी लोकसभा क्षेत्र मे इस दल ने नही प्राप्त किया। द्वितीय अनुभाग मे विधान सभा निर्वाचन मे भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस/ (काग्रेस आई) का स्थानिक वितरण एव जेडलब्धि प्रस्तुत किया गया है। 1952 से 1991 तक के विधानसभा निर्वाचन मे उच्चतम समर्थन 1952 मे सोराव उत्तर एव फूलुर विधानसभा क्षेत्र मे 69 32% मत एव 1962 के निर्वाचन मे फूलपुर विधानसभा क्षेत्र मे 69 91 प्रतिशत मत प्राप्त कर उच्च समर्थन प्राप्त किया। वास्तव मे यह पडित जवाहर लाल नेहरू जी की छवि का द्योतक था। विधानसभा निर्वाचन मे भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस/(काग्रेस आई) ने उच्चतम जेडलब्धि 1962 के निर्वाचन मे इलाहाबाद उत्तरी विधानसभा 1967 मे मेजा बारा 1974 मे करछना 1977 मे करछना प्रतापपुर 1980 मे प्रतापपुर 1985 मे इलाहाबाद (उत्तरी) 1989 मे प्रतापपुर एव 1991 मे इलाहाबाद उत्तरी विधानसभा क्षेत्र प्राप्त किया। अनुभाग तीन मे भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस (आई) का लोकसभा एव विधानसभा सकेन्द्रण प्रस्तुत किया गया है। अध्याय के अन्तिम तीन अनुभागो मे भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस (आई) विजयी दल के रूप मे विजय के कारण एव पराजय के कारणो का क्रमबद्ध ढग से विश्लेषण किया गया है।

अध्याय सात मे इलाहाबाद जिले मे प्रदर्शन के आधार पर तीन प्रमुख दलो का समर्थन प्रतिरूप एव स्थानिक वितरण प्रस्तुत किया गया है। अध्याय के प्रथम अनुभाग मे भारतीय जनता पार्टी का विकास स्थानिक वितरण जेडलब्धि क्षेत्रीय सकेन्द्रण (लोकसभा एव विधानसभा) के सन्दर्भ मे प्रस्तुत किया गया है। निर्वाचन वर्ष 1952–91 तक किसी भी क्षेत्र मे भा0ज0पा0 ने उच्चतम समर्थन एव उच्चतम जेडलब्धि नही प्राप्त किया। विधान सभा चुनावो मे दल की स्थिति लोकसभा से भिन्न थी। विधानसभा निर्वाचन वर्ष 1980 मे इलाहाबाद उत्तरी विधानसभा, 1985 मे नवाबगज विधानसभा 1989 मे इलाहाबाद दक्षिणी एव

नवाबगज विधानसभा 1991 मे इलाहाबाद दक्षिणी विधानसभा मे भाजपा ने उच्चतम जेडलब्धि प्राप्त किया। अन्तिम दो उपअनुभागो मे भाजपा का लोकसभा एव विधानसभा सकेन्द्रण वर्णित किया गया है। निर्वाचन वर्ष 1952 से 1991 तक किसी भी क्षेत्र (लोकसभा एव विधानसभा मे) भाजपा का सकेन्द्रण उच्चतम नही था। अध्याय के दूसरे अनुभाग मे जनता दल का विकास उसका स्थानिक वितरण जेडलब्धितल क्षेत्रीय सकेन्द्रण (लोकसभा एव विधानसभा) के सन्दर्भ मे प्रस्तुत किया गया है। किसी भी निर्वाचन वर्ष मे जनता दल ने उच्चतम समर्थन जेडलब्धि तल सकेन्द्रण नही प्राप्त किया। अध्याय के तीसरे अनुभाग मे बहुजन समाज पार्टी का विकास स्थानिक वितरण जेडलब्धि तल क्षेत्रीय सकेन्द्रण (लोकसभा एव विधानसभा) के सन्दर्भ मे प्रस्तुत किया गया है। बहुजन समाज पार्टी का प्रदर्शन इलाहाबाद जिले मे मध्यम एव निम्न पाया गया। इसका क्षेत्र जिले की ग्रामीण विधानसभाये मे है। इस दल ने किसी भी लोकसभा एव विधानसभा चुनाव मे उच्चतम समर्थन नही प्राप्त किया इसलिए इसकी जेडलब्धि तल एव सकेन्द्रण भी मध्यम या निम्न रही।

विचार भावना अभिव्यक्ति व्यवहार सम्बन्ध जागरूकता प्रत्येक व्यक्ति मे भिन्न–भिन्न एव अस्थायी होता है यद्यपि इसका विवेचन कठिन होता है फिर भी विभिन्न निर्वाचनो मे सह सम्बन्ध व्यवहार एव जागरूकता को साख्यिकीय विधि से प्रस्तुत किया गया है। अध्याय आठ मे कुल मतदान के साथ विभिन्न वर्षो मे कुल जनसख्या अनुसूचित जाति जनसख्या जनजाति जनसख्या हिन्दू जनसख्या मुस्लिम जनसख्या सयुक्त चर स्थापित सह सम्बन्धो को प्रस्तुत किया गया है। इसके प्रथम अनुभाग मे समाश्रयण प्रतिमान सम्बन्धो की प्रकृति सम्बन्धो की मात्रा एव सह सम्बनध को विस्तृत रूप से विश्लेषित किया गया है। सम्बन्धो की मात्रा तालिका 8 9 के अवलोकन से निम्न निष्कर्ष निकलता है। निर्वाचन वर्ष 1991 77

74 67 मे मतदान एव समस्त चरो मे ऋणात्मक सह सम्बन्ध पाया गया जब कि निर्वाचन वर्ष 1989 85 80 62 मे सभी चरो के साथ धनात्मक एव ऋणात्मक दो सम्बन्ध पाये गये। तालिका 8 1 4 1 समाश्रयण अवशेषो के वर्ग दिशा एव स्तर निर्धारित है। अध्ययन मे त्रुटि का होना भी स्वाभाविक है इसलिए मानक त्रुटि 'F' अनुपात 'b' मान की मानक त्रुटि निर्वाचन वर्ष 1962 से 1991 तक विधानसभा के सन्दर्भ मे प्रस्तुत की गयी। तालिका क्रमाक 8 1 4 1 के अनुसार सर्वाधिक मानक त्रुटि निर्वाचन वर्ष 1991 मे तृतीय चर (जनजाति सख्या) मे पायी गयी जब कि सबसे कम मानक त्रुटि 1967 मे प्रथम चर (कुल जनसख्या) मे पायी गयी। तालिका 8 1 4 3 के अनुसार F अनुपात सर्वाधिक निर्वाचन वर्ष 1991 मे मतदान एव प्रथम चर (कुल जनसख्या) के बीच तथा सबसे कम 1962 मे चतुर्थ चर (साक्षरता) मे 026 पायी गयी। इसी अध्याय के अनुभाग 8 2 मे मतदान एव कुल जनसख्या के मध्य सह सम्बन्ध प्रस्तुत किया गया जिसमे निष्कर्ष निकला कि मतदान एव कुल जनसख्या मे सम्बद्ध क्षेत्र नगरीय विधानसभा एव आसपास भी विधानसभाओ मे था जब कि असम्बद्ध क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्रो मे पाया गया। अनुभाग 8 3 मे मतदान एव अनुसूचित जाति के बीच सह सम्बन्ध निरूपित किया गया। कुल मतदान एव अनुसूचित जाति चर के मध्य रैखिक सम्बद्ध वाले अधिकाश भाग जिले के पूर्वी एव उत्तरी भागो मे पाये गये जब कि अन्य भागो मे असम्बद्ध क्षेत्र निर्मित हुए। अनुभाग 8 4 मे मतदान एव जनजाति जनसख्या के मध्य सह सम्बनध निरूपित किया गया। जनजाति जनसख्या का सम्बद्ध (सामान्य क्षेत्र) ग्रामीण विधानसभाये है। अधिकाश सह सम्बन्ध ऋणात्मक शून्य है। निर्वाचन वर्ष 1962 एव 67 मे मतदान एव जनजाति समर्थन ऋणात्मक शून्य है। अनुभाग 8 5 मे मतदान एव साक्षर जनसख्या के मध्य 8 6 मे मतदान एव हिन्दू जनसख्या के मध्य 8 7 मे मतदान एव मुस्लिम जनसख्या मे मध्य 8 8 मे मतदान एव सयुक्त चरो के मध्य रैखिक समाश्रयण से सम्बद्ध एव असम्बद्ध क्षेत्रो का अध्ययन प्रस्तुत किया गया।

सामान्य क्षेत्र नगरीय विधानसभाओ एव सामान्य से अधिक (धनात्मक) सामान्य से निम्न (ऋणात्मक) ग्रामीण विधानसभाओ मे पाया गया है अर्थात नगरीय क्षत्रो सम्बद्ध क्षेत्र एव ग्रामीण क्षेत्रो मे असम्बद्ध क्षेत्र पाये गये।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के अध्याय नौ को कुल आठ अनुभागो मे बाटकर विजयी दल एव सामाजिक चरो के मध्य सह सम्बन्ध का वर्णन किया गया है। अध्याय के प्रथम अनुभाग मे समाश्रयण प्रतिमान सम्बन्धो की प्रकृति प्रसरण विश्लेषण एव समाश्रयण अवशेष की विवेचना की गयी। सम्बन्धो की प्रकृति तालिका 9 1 1 से 9 1 8 तक प्रस्तुत किया गया है। तदानुसार सम्बन्धो की प्रकृति विभिन्न वर्षो मे भिन्न–भिन्न रही। निर्वाचन वर्ष 1991 मे तृतीय चर पचम चर षष्टम चर मे धनात्मक सम्बन्ध पाया गया जब कि प्रथम द्वितीय चतुर्थ चर मे ऋणात्मक सम्बन्ध था अर्थात निर्वाचन वर्ष 1991 मे जनजाति जनसख्या हिन्दू जनसख्या मुस्लिम जनसख्या ने विजयी दल को समर्थन किया। निर्वाचन वर्ष 1989 मे पचम चर मे 1985 मे समस्त चरो मे 1980 मे तीसरे चर मे 1977 मे प्रथम द्वितीय तृतीय चर मे धनात्मक सम्बन्ध पाया गया। ऋणात्मक सम्बन्ध 1977 मे चतुर्थ पचम षष्टम चर मे 1976 एव 67 मे समस्त चरो मे 1962 मे चतुर्थ पचम षष्टम् चर के साथ पाया गया। सम्बन्धो की मात्रा या डिग्री विजयी दल एव चरो के मध्य भिन्न–भिन्न रही निर्वाचन वर्ष ।991 सह सम्बन्ध प्रथम से चतुर्थ चर तक क्रमश +914 –218 +087 –174 एव सयुक्तचर मे +914 पाया गया जो धनात्मक एव ऋणात्मक दोनो है अर्थात सम्बन्ध सामान्य पाया गया। निर्वाचन वर्ष 1989 मे सह सम्बन्ध प्रथम चर का 081 द्वितीय चर का +181 तृतीय चर का –1 21 चतुर्थ चर का – 130 पचम चर का +003 षष्टम चर का – 148 पाया गया अर्थात निर्वाचन वर्ष 1989 मे सामान्य सम्बन्ध प्रदर्शित है। निर्वाचन वर्ष 1985 मे समस्त चरो के साथ धनात्मक सह सम्बन्ध पाया गया जिससे स्पष्ट है

कि विजयी दल के साथ समस्त चरो का सम्बन्ध उच्च था। 1980 के निर्वाचन मे समस्त चरो के साथ ऋणात्मक सह सम्बन्ध था अर्थात विजयी दल एव सामाजिक चरो के बीच सम्बन्ध ऋणात्मक था। 1977 मे मतदान एव चरो के बीच मिला जुला सम्बन्ध रहा प्रथम चर के साथ +112 द्वितीय चर के साथ +072 तृतीय चर के साथ +013 चतुर्थ चर के साथ −012 पचम चर के साथ −069 षष्टम चर के साथ −262 एव सयुक्त चर के साथ +112 सह सम्बन्ध पाया गया। निर्वाचन वर्ष 1974 मे समस्त सामाजिक चरो के साथ ऋणात्मक सहसम्बन्ध पाया गया जब 1967 एव 62 के निर्वाचन मे धनात्मक एव ऋणात्मक सह सम्बन्ध था। विजयी दल एव सामाजिक चरो के मध्य परिगणना के समय मानक त्रुटि पायी गयी। सर्वाधिक मानक त्रुटि विजयी दल एव जनजाति जनसख्या बीच जबकि सबसे कम त्रुटि 1991 मे 004 पायी गयी। सर्वाधिक F अनुपात 1991 मे प्रथम चर मे एव सबसे कम F अनुपात 1974 मे 010 पायी गयी। अध्याय के द्वितीय अनुभाग 9 2 मे विजयी दल एव कुल जनसख्या के मध्य सह सम्बन्ध प्रस्तुत किया गया जिसमे अधिकाश विधानसभा क्षेत्र सम्बद्ध क्षेत्र म सम्मिलित है। अनुभाग 9 3 मे विजयी दल एव अनुसूचित जाति के मध्य स्थापित रैखिक सम्बध मे सामान्य क्षेत्र नगर से दूर एव ग्रामीण विधानसभाओ का है। अनुभाग 9 4 विजयी दल एव साक्षर जनसख्या के बीच सह सम्बन्ध स्थापित किया गया है इसके अन्तर्गत अधिकाश ग्रामीण एव नगरीय दोनो क्षेत्र सामान्य क्षेत्र है। अनुभाग 9 5 मे विजयी दल एव साक्षर जनसख्या के मध्य सह सम्बन्ध प्रस्तुत किया गया है। अनुभाग 9 6 मे विजयी दल एव हिन्दू जनसख्या के मध्य सह सम्बन्ध प्रस्तुत किया गया है। इसमे हिन्दू जनसख्या का विजयी दल का समर्थन ग्रामीण एव नगरीय क्षेत्रो मे सामान्य रहा। अनुभाग 9 7 मे विजयी दल एव मुस्लिम जनसख्या के मध्य सह सम्बन्ध निरूपित किया गया। मुस्लिम जनसख्या का समर्थन विजयी दल के साथ नगरीय क्षेत्रो मे सामान्य है। अन्तिम अनुभाग मे विजयी पार्टी एव सयुक्त चरो

के मध्य रैखिक सम्बन्ध का विवरण प्रस्तुत किया गया है। तदानुसार इसके अन्तर्गत अधिकाश सम्बद्ध क्षेत्र नगरीय क्षेत्रो एव आस–पास की विधानसभाओ मे है। असम्बद्ध क्षेत्र ग्रामीण एव दूरस्थ क्षेत्रो मे है।

कोई भी व्यक्ति जो सामाजिक प्राणी है वह एक राजनीतिक प्राणी भी है। अस्तु उसका सम्बन्ध राजनीति के समस्त पहलुओ से है। आज के सन्दर्भ मे जहा व्यक्ति अपने मत का प्रयोग राजनीतिक दलो को विजयी बनाने मे करता है वही कभी–कभी अपने मतो का प्रयोग राजनीतिक दलो को पराजित करने मे करता है। ऋणात्मक मतदान दल विशेष के प्रति ही किया जाता है। इस शोध प्रबन्ध के अन्तिम अध्याय 10 मे पराजित दलो के साथ सामाजिक चरो के मध्य सम्बन्धो का परीक्षण किया गया है। अध्ययन की आवश्यकतानुसार अध्याय 10 को आठ अनुभागो मे विभाजित किया गया है। प्रथम अनुभाग 10 1 मे समाश्रयण प्रतिमान सम्बन्धो की प्रकृति सम्बन्धो की मात्रा समाश्रयण अवशेष को विभिन्न समीकरणो से विश्लेषित किया गया है। द्वितीय अनुभाग 10 2 मे पराजित दल एव कुल जनसख्या तृतीय अनुभाग 10 3 मे पराजित दल एव अनुसूचित जाति जनसख्या अनुभाग 10 4 10 5 10 6 10 7 10 8 मे क्रमश पराजित दल जनजाति जनसख्या साक्षर जनसख्या हिन्दू जनसख्या मुस्लिम जनसख्या एव सयुक्त चर के मध्य स्थापित सह सम्बन्ध को प्रस्तुत किया गया है। समाश्रयण प्रतिमान के आधार पर सम्बन्धो की प्रकृति मात्रा का भी विश्लेषण किया गया है। पराजित दल एव सामाजिक चरो के मध्य सम्बन्धो की प्रकृति विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे भिन्न–भिन्न है। निर्वाचन वर्ष 1991 प्रथम द्वितीय पचम चर के साथ सम्बन्ध धनात्मक है जब कि अन्य चरो के साथ ऋणात्मक सह सम्बन्ध है। निर्वाचन वर्ष 1989 85 80 77 मे समस्त चरो के साथ पराजित दल का समाश्रयण प्रतिमान ऋणात्मक है। निर्वाचन वर्ष 1974 मे षष्टम चर को छोडकर समस्त चरो के साथ

धनात्मक सम्वन्ध है। निर्वाचन वर्ष 1967 चतुर्थ षष्टम चर के साथ धनात्मक सम्बन्ध है जब कि अन्य चरो के साथ ऋणात्मक सम्बन्ध है। निर्वाचन वर्ष 1962 मे प्रथम चतुर्थ चर के साथ धनात्मक सम्बन्ध है जबकि शेष चरो के साथ ऋणात्मक सम्बन्ध है। सहसम्बन्ध गुणाक की गणना समस्त सामाजिक चरो के साथ की गयी जिसका परिणाम निम्नवत रहा। जनपद मे निर्वाचन वर्ष 1991 मे प्रथमचर एव पराजित दल के साथ सहसम्बन्ध गुणाक पूर्व धनात्मक पाया गया अर्थात सहसम्बन्ध पूर्ण था। निर्वाचन वर्ष 1989 मे समस्त चरो के साथ सहसम्बन्ध ऋणात्मक था। निर्वाचन वर्ष 1985 मे प्रथम द्वितीय तृतीय एव सयुक्त चर के साथ सहसम्बन्ध पूर्ण धनात्मक पाया गया जब कि शेष चरो के साथ ऋणात्मक सह सम्बन्ध था। निर्वाचन वर्ष 1980 मे तृतीय एव षष्टम चर के साथ सह सम्बन्ध पूर्ण धनात्मक पाया गया जबकि अन्य चरो के मध्य ऋणात्मक सम्बन्ध रहा। निर्वाचन वर्ष 1977 मे प्रथम द्वितीय चतुर्थ एव सयुक्त चर के मध्य ऋणात्मक सहसम्बन्ध था जबकि शेष चरो के साथ धनात्मक। निर्वाचन वर्ष 1974 मे निम्न धनात्मक सहसम्बन्ध केवल मुस्लिम चर के साथ पाया गया शेष चरो के साथ ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया। निर्वाचन वर्ष 1967 मे प्रथम एव सयुक्त चर के साथ ऋणात्मक सहसम्बन्ध था अन्य सामाजिक चरो के साथ पूर्व धनात्मक। धनात्मक सहसम्बन्ध से तात्पर्य समर्थन करना एव ऋणात्मक सहसम्बन्ध विरोध करना है। प्रथम अनुभाग के अन्तिम उपअनुभाग मे मानक त्रुटि F अनुपात एव b मानकी मानक त्रुटि का वर्णन किया गया है। सर्वाधिक मानक त्रुटि निर्वाचन वर्ष 1991 के प्रथम चर मे एव सबसे कम चतुर्थ चर मे 003 पायी गयी। 1962 से 1991 तक सर्वाधिक F अनुपात 1991 के निर्वाचन मे द्वितीय चर मे और सबसे कम 1989 मे हिन्दू चर (पचम चर) मे पायी गयी। अध्याय के दूसरे अनुभाग 10 2 मे पराजित दल एव कुल जनसख्या के मध्य सहसम्बन्ध का विश्लेषण किया गया। प्राप्त परिणाम यह स्पष्ट करता है कि नगरीय विधान सभाये सम्बद्ध क्षेत्र मे

है जब कि ग्रामीण विधानसभाये असम्बद्ध क्षेत्र मे है। पराजित दल एव अनुसूचित जाति जनसख्या के बीच सह सम्बन्ध विश्लेषण से निष्कर्ष निकला कि अनुसूचित जातियो का अधिकाश मत समर्थन उच्च धनात्मक या उच्च ऋणात्मक रहा अर्थात असम्बद्ध सम्बन्ध व्यापक था। अनुभाग 104 मे पराजित दल एव जनजाति जनसख्या के मध्य स्थापित रैखिक सम्बन्धो का अध्ययन किया गया तदानुसार सम्बद्ध क्षेत्रो मे इस चर का सम्बन्ध सामान्य रहा। अनुभाग 105 मे पराजित दल साक्षर ज नसख्या के मध्य सह सम्बन्ध का विश्लेषण किया गया जिसमे ग्रामीण एव नगरीय दोनो विधानसभाओ मे शिखित जनसख्या का सम्बन्ध मध्यम धनात्मक रहा। अनुभाग 106 मे पराजित दल एव हिन्दू जनसख्या के मध्य सम्बनधो का विश्लेषण किया गया है। प्राप्त परिणाम से स्पष्ट है कि ग्रामीण असम्बद्धता उच्च ऋणात्मक है जब कि नगरीय असम्बद्धता धनात्मक है। ग्रामीण एव नगरीय दोनो क्षेत्रो मे इसका सम्बन्ध सामान्य है अर्थात् सम्बद्ध विधान क्षेत्रो की सख्या अधिक है। अनुभाग 107 मे पराजित दल एव मुस्लिम जनसख्या के मध्य सम्बन्धो का विश्लेषण किया गया है। मुस्लिम जनसख्या का सम्बन्ध मध्यम धनात्मक एव ऋणात्मक पाया गया अर्थात इस वर्ग मे अधिकाश विधानसभा सम्बद्ध क्षेत्रो मे पायी गयी। अध्याय के अन्तिम अनुभाग मे पराजित दल एव सयुक्त चरो के मध्य रैखिक सम्बन्धो का विश्लेषण किया गया है तदानुसार अन्य चरो की भाति सयुक्त चरो का प्रभाव भी ग्रामीण क्षेत्रो मे अधिक रहा अर्थात ग्रामीण क्षेत्रो मे व्यवहार तीव्रगति से परिवर्तित हुआ। नगरीय क्षेत्र भी विधान सभाओ का व्यवहार प्रतिरूप स्थिर एव स्थायी था। विभिन्न निर्वाचन वर्षो मे इसमे परिवर्तन अल्पतम हुआ।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध मे अनेक साख्यिकीय माध्यमो को चयनित कर बहु आयामी निष्कर्षो को निरूपित किया गया। तथापि साख्यिकीय गणनाओ के अतिरिक्त व्यक्तिगत अनुभव क्षेत्रीय सर्वेक्षण विचार विमर्श से जो निष्कर्ष सामने

आये है ये गणनाओ से अलग है। तदानुसार वर्तमान राजनैतिक पृष्ठिभूमि मे जनमत का राजनैतिक दलो नेताओ व्यक्तियो से विश्वास टूट सा गया है। जिसके प्रमुख कारण उनकी कथनी एव करनी मे व्यापक अन्तर का होना है निर्वाचन के पूर्व एव पश्चात जातिगत भावनाओ वर्गवाद सम्प्रदायवाद मे सलग्न रहना जनमत से भेदभाव करना (आर्थिक आधार पर) अपने वर्ग एव जाति के लोगो को प्रश्रय देना। जनभावनाओ का अनादर करना कर्तव्यो को भूल जाना अधिकारो की हेकडी दिखाना अपने को सार्वभौम समझना। जनमत से विचारोपरान्त यह बात स्पष्ट हुई कि जनमत सारे दलो को वर्तमान मे एक जैसा मानता है किन्तु मजबूरी मे किसी न किसी दल को समर्थन करता है।

वर्तमान मे कर्तव्यनिष्ठ ईमानदार राजनैतिक दलो एव व्यक्तियो की आवश्यकता है निश्चित ही ऐसे व्यक्तियो एव दलो को जनमत स्वीकार करेगा। जिसके उदाहरण पिछले निर्वाचन है। प्रथम एव द्वितीय महानिर्वाचन मे पूर्व प्रधानमत्री पडित जवाहर लाल नेहरू एव लाल बहादुर शास्त्री चतुर्थ महानिर्वाचन मे श्रीमती इन्दिरागाधी जी निर्वाचन वर्ष 1977 मे जयप्रकाश नारायन 1985 मे श्री राजीव गाधी जी 1989 मे श्री बीपी सिह जी । निर्वाचन वर्ष 1991 का जनमत दिग्भ्रमित था जिससे उसके बाद अलपमत अस्थिर सरकार ही देश को मिली। देश की विकासगति मन्द हो गयी। यह प्रक्रिया तब तक चलते रहने की सम्भावना है जब तक देश मे राजनीतिज्ञो एव राजनीतिक दलो की कर्तव्यनिष्ठ ईमानदार छवि निर्मित नही होगी। वस्तुत जनमत किसी राजनैतिक दल के समर्थन के पूर्व उनकी आर्थिक नीति कर्तव्य परायणता ईमानदारी व्यक्तित्व की समीक्षा करता है। परिस्थितिकी के साथ–साथ इन तत्वो का जन समर्थन पर पूर्ण प्रभाव पडता है।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध वैध मतदान कांग्रेस मत भाजपा मत जनता दल मत बहुजन समाजपार्टी मत विजयी दल मत पराजित दल मत एव सामाजिक सरचना के परिस्थितिकी की तर्क पूर्ण विवेचना है। प्रत्येक निर्वाचन वर्ष के लिए अलग–2 दलो एव सामाजिक चरो के साथ सम्बन्धो को परिस्थितिकी स्तर पर मूल्याकित किया गया है। सम्बन्धो की सफलता एव असफलता को भी क्षेत्रीय सन्दर्भो मे मूल्याकित कर प्रस्तुत किया गया है। यह शोध प्रबन्ध भविष्य मे शोध कत्ताओ को आधार प्रदान करेगा। प्रशासकीय सेवाओ प्राध्यपको पाठको राजनीतिक दलो निर्वाचन आयोगो के लिए उपयोगी एव ज्ञानवर्द्धक सिद्ध होगा।

# APPENDIX

APPENDIX N0 2 1

# PARLIAMENTARY CONSTITUENCIES OF ALLAHABAD DISTRICTS

## YEAR - 1952

| CONSTITUENCIE S N0 | NAME OF PARLIAMENTARY |
|---|---|
| 1- | ALLAHABAD DISTT (WEST) |
| 2- | ALLAHABAD DISTT (East) cum Jaunpur |
| | **Year - 1957** |
| 1- | Allahabad |
| 2- | Phulpur |
| | **YEAR - 1962, 67, 71, 77, 80, 85, 89, 91** |
| 1- | Allahabad |
| 2- | Phulpur |
| 3- | Chail (S C ) |

APPENDIX N0 2 2

# ASSEMBLYCONSTITUENCIES OF ALLAHABAD

## YEAR - 1952 TO 1991

## YEAR - 1'52

| CONSTITUENCIE S N0 | NAME OF ASSEMBLY CONSTITUENCIES |
|---|---|
| 1- | Meja-Cum-Karchana(South) |
| 2- | Karchana (North-Cum-Chail South) |
| 3- | Soraon (North)-Cum-Phulpur (West) |
| 4- | SORAON [SOUTH] |
| 5- | PHULPUR [CENTRAL] |
| 6- | Phulpur East-Cum-Handi North West |
| 7- | Handia (South) |
| 8- | Shirathu Cum -Manjhanpur |
| 9- | Allahabad City (East) |
| 10- | Allahabad City (Central) |
| 11- | Chail (North) |
| | **Year - 1957** |
| 1- | Manjhanpur |
| 2- | Chail |
| 3- | Allahabad City (North) |
| 4- | Allahabad City (South) |
| 5- | Soraon (West) |
| 6- | Soraon (East) |
| 7- | Phulpur |
| 8- | Kewai |
| 9- | Karchana |
| 10- | Media |

**Year - 1962**

1- Media
2- Bara (S C )
3- Karchana
4- Kewai
5- Jhusi (S C )
6- Phulpur
7- Soraon East
8- Soraon West
9- Allahabad City (North)
10- Allahabad City (East)
11- Chail
12- Bharwari (S C )
13- Karari (S C )
14- Sirathu

**Year - 1967**

1- Meja (SC )
2- Karchnana
3- Bara
4- Bahadurpur
5- Handia
6- Pratappur
7- Soraon
8- Kaurihar

9- Allahabad (North)

10- Allahabad (South)

11- Allahabad (West)

12- Chail (S C )

13- Manjanapur (S C )

14- Sirathu

**Year - 1974, 1977, 1980, 1985, 1989, 1991**

1- Media

2- Karchana

3- Bara

4- Jhusi

5- Handia

6- Pratappur

7- Soraon

8- Nawabgunj

9- Allahabad (North)

10- Allahabad (South)

11- Allahabad (West)

12- Chail

13- Manjanapur

14- Sirathu

# Appendix 2 3

## TEHSILS OF ALLAHABAD DISTRICTS

### Year-1951, 1961, 1971, 1981

| S N of Tehsils | Name of Tehsils |
|---|---|
| 1- | Media |
| 2- | Karchana |
| 3- | Chail |
| 4- | Phulpur |
| 5- | Soraon |
| 6- | Handia |
| 7- | Sirathu |
| 8- | Manjanapur |
| | **Year - 1991** |
| 1- | Media |
| 2- | Karchhana |
| 3- | Bara |
| 4- | Chail |
| 5- | Phulpur |
| 6- | Soraon |
| 7- | Handia |
| 8- | Sirathu |
| 9- | Manjanapur |

# Bibliography

# *BIBLIOGRAPHY*

Abrams, p and lıttle A (1965) 'The young voter ın Brıtısh polıtıcs ' The Brıtısh journal of Socıolıgy, 16, 95-100.

Acharya, N C N (1937) Indıan Electıons and Rranchıse. The Allıance co , Madras

Ahmad, H (1963) kansas Gubernatorıal electıons - a study ın polıtıcal Geography. ph D Thesıs, Kansas Unıversıty

Ahmad, H (1966) 'Electıon data analysıs as a tool of research ın polıtıcal geography Pakıstan Geographıcal Revıew 21, 34-40

Ahmad, B (1970) 'Caste and electoral polıtıcs', Asıan Survey 10 (11), 979-92

Alford, R R (1963) 'The role of socıal class ın Amerıcan Votıng Behavıour' Western polıtıcl Geography, 16, 180-99

Alford, Robert R and Engene C lee (Sep 1968) 'Votıng Turnout ın Amerıcan Cıtıes' Amerıcan polıtıcal Scıence Revıew, 62 (3) 796-813

Alıc Jacob (ed ) (1978), Constitutional Development ın India since Independence, Bombay, Trıpathı

Alıc and yaseemasa Kuroda (1968) ' Aspects of Community polıtical partıcıpatıon ın Japan The Journal of Asıan Studıes x x vıı

Amanı, K Z 1970 'Electıons ın Haryana Indıa A Study ın Electroral geography' The Geographer 17, 27-40

Amanı, K Z (1972) 'Votıng patterns ın Indıan electıons Uttar Pradesh - a case study' Geographıcal Revıew of ındıa. 34, 123-133

Amanı, K Z (1973) 'Electoral Geography and ındıan electıons, Geographıcal Revıew of ındıa. 35 (4)

Amanı, K Z (1974) 'Questıons raısed by a map of the 1971 Indıan electıons ' 'Questıons raısed by a map of the 1971 Indıan electıons ' Professıonal Geographer. 26 207-209

Andrews and mookerjee (1967) Rıse and growth of the Congress ın ındıa', Meerut

Archer, J C (1982) "Some Geographıcal Aspects of the Amerıcan presıdentıal Electıon of 1980" Polıtıcal Geography Quarterly, But terworth, U K

Austin Ranney (1972) Turnout and Representation in presidential primary Election " American political Science Review. 66

Ayyar, K (1956) All India Election Guide Oriental publications,Madras

Barnett, J R (1973) "Scale components in the diffusion of the Danish Communist party, Geographical Analysis 5, 35-44

Babulal Fadia (1984) State politics in India' New Delhi, Radient

Bassett, K (1972) "Numerical methods for map analysis " Progress in Geography 4 219-254

Barnett, M R et al (1975) Electoral politics in the Indian State vol 4-party systems and cleavages Manohar Book Service, Delhi

Baxter, L (1969) District Voting Trends in India - A Research tool, Columbia University press, New York

Berelson, B R and Stelner, G A (1964) Human Behaviour An Inventory of Scientific Findings Harcour Brace and World, Inc , New york

Benjamin, Roger, W and et al (1972) Patterns of political Development Japan, India, Israel Devid Mckay Company, INC, New york

Berelson, B R et al (1968) Voting 'University of chicago,' Chicago

Berry, B J L and Marble, D F eds (1968) Spatial Analysis A Reader in Statistical Geography, Prentice-Hall New Jersey

Bhagwati, J N et al (1975) Electoral politics in the Indian States Vol 2 - Three Disadvantaged Sectors Manohar Book Service Delhi

Bhalla R P (1973) Elections in India (1950-72) S Chand, Delhi

Bhambhari, C P and Verma p s (1972) 'Voting behaviour of Muslim Cummunity A study of Lok Sabha Constituency Indian Journal of political Science 33 (2)

Bhambhari, C P and Verma, P S (1974) 'Voting behaviour a Comparative study of the minority and majority communities' Indian Journal of political Science 35 (4)

Bnambhari, c p (1980) The janata party . A New profile Delhi

Bhunia, S B (1968) 'Social and economic context of Indian election ' Economic studies 8 (11-12) 644-77

Birdsall, S S (1969) 'preliminary analysis of the 1968 Wallace Vote in the Southeast ' South-eastern Geographer 9 55-66

Biswas, J (1984) 'Lok sabha Elections, West Bengal, 1952- 82 A study in Electoral Geography ' Unpublished D phil Theses, Department of Geography, Allahabad University

Blair, H W (1978) Voting, Caste, Community, Society young Asia publications, New delhi

Blake, D E (1967) 'The measurement of regionalism in canadian Voting patterns ' Canadian Journal of political Science 5 55-81

Blakes E (March 1972) 'The measurement of Regionalism in Canadian Voting patterns ' The Canadian Journal of political Science 5 (1) 55-81

Brunn, S D (1974) Geography and politics in America Harper and row new york

Buchman, William (May 1956) 'An Inquiry into purposive Voting journal of politics.

Buruhan, W D and Sprague, J (1970) 'Additive and multiplicative Models of the Voting behavour the case of pensylvamia 1960-1968' American political Science Review 114 (2) 471-90

Busted, M A (1975) Geography and Voting behavour Oxfort University press, London

Butter, D E and Stokes D E (1969) political change in Britain . Forces Shaping electoral choice Macmillan, London

Cambell, A et al (1954) The Votes Decides Row peterson Evouston

Cambell, A et al (1960) The American Voter John wiley New york

Cambell, R V and knight, D B (1976) 'political territoriality, in canada - a choropleth and Is opleth analysis Canadian Cartographer 13 1-10

Cassetti, E and Sample, R K (1968) 'A method for stepwise Separation of Spartial Trends , Michigan Inter-University Community of Mathematical Geographers Discussion paper II

Capecchi, V and Galli, G (1969) 'Determinats of voting behaviour in Italy a linear causal model of analysis

ın Dogan, M and Robhan, S (edıtors) Quantatıve Ecologıcal Analysıs ın the socıal Scıences The M I T press Cambrıdge Mass 235-84

Casetevens, T W (1968) 'a Theorem about votıng' The Amerıcan polıtıcal Scıence Revıew 62 (1) 205-207

Chandıdas, R et al eds (1968) 'Indıa votes . A Source Book on Indıan Electıons ' Popular Bombay

Chandıdas, R (1968) Changıng Geography of Representatıon of parlıamentary Constıtuencıes from 1951-1966 Economıc & polıtıcal weekly, Bombay, 3, 41

Chandra, A and Saxena, T P (1979) Style Manual for Wrıtıng thesı Dıssertatıons and papers ın socıal Scıences Metropolıta Book company pvt Ltd new Delhı

Chorley, R J and Haggetts, P (1965) 'Trend surface mappıng ın geographıcal research ' Trans. Inst. Brıt. Geographer 37

Converse P E (1966) "The Concept of a normal Vote' ın campbell, A Converse, P E Mıller, W E , and stokes, D E Eletıons and the polıtıcal Order John Wıley New York 9-39

Costar, E P W da (1970-71) 'The congress multiplier in 1971, Monthly public opinion Surveys. 16, Dec , 70 Jan and Feb 1971

Cox, K R (1967) 'Regional anomolies in the voting behaviour of the population of England and walls, 1921-1951' Ph D Thesis, University of Illinois (1967)

Cox, K R (1968) 'Suburbia and voting behaviour in the London Metropoliton areas' Annuals, Association of American Geographers 58, 111-27

Cox, K R (1969 a) 'The voting decision in a spatial context', progress in Geography 1, 81-117

Cox, K R (1969 b) 'Voting in the London suburbs a factor analysis and causal model' in Dogan, M and Robban, S (editors), Quantitative Ecological Analysis in the Social Sciences The M I T press, Cambridge, Mass, 343-70

Cox, K R (1970) 'Geography, Social contexts, and voting Behaviour in wales, 1861-1951', in Allardt, E , and Robban, S (editors), Mass politics The Free press, New York, 117-59

Cox, K R (1971) 'The spatial components of urban voting Response surfaces' Economic Geography 47 27-35

Cox, K R (1972) 'The neighbourhood affect in urban voting response surfaces' in Sweet, D C (editor) Models of urban structure D C Heath Lexington, Mass 159-76

Cox, K R (Undated) 'The spatial evolution of national voting response surfaces theory and measurement', Department of Geography Ohio State University Disenssion paper No 9 Columbus

Crisler, R M (1952) 'Voting habits in the united States' Geographical Review 42 300-301

Dasgupta, B and morris - Jones, W H (1975) putterns and Trends in Indian politics, allied New Delhi

Davis, OA et al (1970) 'An expositary development of a mathematical model of the electoral process' American political Science Review. 64 (2) 426-48

Dikshit, R D (1980) 'On the place of electrol studies in political Geography' Transactions, Institute of Indian Geographer. 2 (2) 23-27

Dikshit, S K & 'Giri, H H (1987) Delimitation of Indian parliamentary constituencies ' National Geographer Allahabad , XXII, 1, 65-69

Dikshit, S K (1988) 'patterns of party performance in Haryana 1982 Vidhan Sabha Election 'National Geographer, Allahabad, XXIII, 1, 75-82

Dogan, M (1969) 'A covarionce analysis of French electoral Data in Dogan M , and Rokkan, S (editor), Quantitative Ecological Analysis in the social Sciences The M I T press, Cambridge Mass 285-98

Dogan M and Robban, S editors (1969) Quantitative Ecological Analysis in the Social Sciences the M I T Press Combridge Mass

Dreyer, R C and Reseubaurn, U A eds (1970) Political Opinion and Electroral Behaviour-Essays and Studies. Wordsworth Belmont

Dubey, B N (1988) Electoral Turnout in parliamentary Elections of Kerala . A study in Electroal Geography D phil thesis, Department of Geography, Allahabad University,
Allahabad

Elkins, David, J (1975) 'Electoral participation in a South Indian Context', Delhi, Vikas

Field, J C et al (1977) Electoral politics in the Indian states, vol 3 the impact of modernisation, manohar Book service Delhi

Galli, G 'patterns of political participation in study N. Haveryale University.

Gautam Om p (1985) Indian National Congress An Analytical Biography

Gahlot, N S (1985) 'State Governors in India, Trends and Issues' New Delhi, Gitanjali

Gahlot, N S (1988) 'Trends in Indian politics' new Delhi

Galanville, T C (1970) Spatial Biases in Electoral Distributions, Unpublished Thesis, University of Melbourne

Goel, Madan lal (Jan-June 1971) 'Urban-Rural Correlates of political participation in India', political Science Review, 10 (182)

Goguel, F (1951) Geographic des elections frencaises de 1870 a 1951 Ammand colin, peris

Goldsere, A S (1969) 'Social determinism and rationality as bases of party identification', American political Science Review, 63 (1) 5-25

Goldberg, A S (1966) 'Discerning a causal pattern among date on voting variables', Am. pol. Sc. Rev , 60

Goodey, Brain H (1964) Some Comments on the Application of Electora Data . A new Direction in political Geography, Bloonington Indians

Goodey, B R (1968) The Geography of Elections . An Introductory Bibliography University of North Dekota, Centrs for the study of Cultural and Social Change, Monographs, Grandforks, North Dekota

Goodmen L A (1950) "Some alternatives to ecological correlations' American Journal of Sociology, 44 610-25

Goyal, O P (1969) 'politics Caste and Voting Behaviour', political Science Review, 3 (2), 237-44

Goyal, D P (1980) 'India Government and politics, New Delhi

Graham, B D (1967) 'A report on some trends in Indian elections the case of Uttar pradesh, Journal of Common Wealth. Political Studies 5, 179-99

Greer, S , and Kaufman, W C (1960) 'Voting in a metropolitan community' an application of social area analysis, Social Forces, 33, 196-204

Gudgin, G and Taylor, p j (1978) Seats, Votes and the Spatial Orqanisation of Elections, pion, London

Gudgin, G and Taylor, P G (1974) 'Electoral, bias and the distribution of party voters', Transactions, Institute of British Geographers, 63, 53-73

Gupta, R L (1985) Spatial patterns of Voting Behaviour in The Assembly Elections (1967-80) in Rajasthan Ph D Thesis, Rajasthan University, Jaipur

Hardgrave, Robert L (1970) 'Government and politics in Developi/ng nation', New york

Harring, L L (1959) An Analysis of Spatial Aspects of Voting Behaviour in Teneresses, ph D Thesis, Iowa State University, Iowa

Harris Lovis (1956) 'Some observations on Electoral behaviour Research' Public opinion Quarterly, 20

Hudson T W (1977) 'Mississippi's 1975 Gubernatorial Race in Mattiesburg-petal . An Electoral Geography M A thesis, University of Southern Mississippi

Hall, P (1982) The new political Geography Seven Years on

India, Census Commission Census Reports, 1951, 1961, 1971, 1981 and 1991, New Delhi

India, Election Commission Reports on the General Elections in India, New Delhi.

Jahari, J C (1985) 'Indian Government and politics Jullundhar

Jahdak 8 Gillies R (1982) How well does 'region' explain political party charaeteristice political Geography Quraterly Butterworth, U K

Johnston, R J (1974) Social distance, proximity and Social Contact, Geographika Annaler, 56b, 57-67

Johnston, R J (1973) 'Spatial patterns and influences on voting in multi-condidate elections- the Christchurch city Council election 1963', Urban Studies 10, 69-82

Johnston, R J (1972) Spatial elements in voting patterns at the 1968 christchurch city council election Political Science 24 (1), 49-61

Johnston, R J (1976 a) Parliamentary seat redistribution more opinions on the theme', Area 8, 30-34

Johnston, R J (1976 b) Spatial Structure plurality system and electoral bias', Canadian Geogapher 20, 310-28

Johnston, R J (1977 a) 'Prıncıpal components analysıs and factor analysıs ın geographıcal research some problems and ıssues, South Afrıcan Geographıcal Journal, 59, 30-44

Johnston, R J (1977 b) The compatıbılıty of spatıal structure and electroal reforms obervatıons on the electoral geography of wales, Cambrıa, 125-51

Johnston, R J (1977 c) The electoral geography of an electıon campaıgn Scottısh Geographıcal Magazıne 93, 98-108

Johnston, R J (1978) Multıvarıate Statıstıcal Methods ın Geography A prımer on the general lınear Model, Longman, London

Johnston, R J (1979) Polıtıcal Electoral and Spatıal systems, Clarendon Press, Oxrord

Johnston, Gerald W (1971) 'Polıtıcal Correlates of Voter, partıcıpatıon A Devıant Case Analysıs', Amerıcan polıtıcal Scıence Revıew, 65 (3), 768-76

Johnston, R J (1982) Short-term electoral change ın England, Estımates of ıts spatıal varıatıon, polıtıcal Geography Quarterly Butterworth, U K

Johnston R J & Otheis (1983) The Changing Electoral Geography of the Netherlands 1946-1981 Journal of Economic and Social geography, 1983, IXXIV

John W House (1982) political Geography of Contemporary events unfinished business in the south Atlantic, political Geography Quarterly Butterworth, U.K.

Janda K & Gillies R (1982) How well does 'region' explain political party characteristics ? political Geography Quarterly Butterworth, U K

Kashyap, Subhosh, C (ed) (1971) 'Elections and Electoral Reforms in India', New Delhi, Institute of Constitutional and parliamentary studies.

Kasperson, R E (1969) 'On suburbia and voting behaviour', Commentary, Annals, Association of American Geographers 59, 405-411

Key, V C (1968) The Responsible Electorates Belknap press of Harvard University press, Cambridge, Mass

Khan, Rashiududdin (1969 a) political participation and political Change in Andhra pradesh', A Study of Electoral politic in a Developing participatory Democracy (Memeographed) Hyderabad Osmenia University

Khan, Rashudddin (1969 b) Charminar Communal politics and Electoral Behaviour in Hyderabad City, political Science Review, 8 (1), 569-90

Khan, Shamshad (1989), Parliamentary Elections in orissa A study in electoral Geography

Kim, J , and Mueller, C W (1978) 'Factor Analysis Beverly Hills, Calif Sage

Khan, R Sharma, B A V and Acharya, K R (1975) 'Electoral polctics in Andhra pradesh' (india) An Interpretation of Multivariate Factor in political Behaviour of voters in two selected Constituencies (mimeographed), Osmenia University, Hyderabad, 4(12), 1161-73

Kothari, R ed (1967) Party systems and Election studies. Occassional papers of the Centre for Developing Society, No I Allied puplishers, Bombay

Kothary, R (1970) Caste in Indian politics Orient Longmans, New delhi

Krehbiel, E (1916) 'Geographical influences in British elections', Geographical Review, 2, 419-32

Krishna Gopal (1967) 'Electoral participation and political Integration', Economic and political weekly, Bombay

Kasperson, R E and Minghi, J V , eds (1969) The Structure of political Geography, Aldine, Chicago

Kanshik, S (1982) Elections in India . Its Social Basis K P Bagehis Company, Calcutta

Krishna, M P H (1967) Elections, Candidates and Voters. New India press, New Delhi

Laux, H D and Simms, A (1973) 'parliamentary elections in West germany the geogaphy of electoral choice', Area 5, 161-71

Lewis, p w and Skipworth, C E (1966) Some Geographical and Statistical Aspects of the Distribution of Votes in Recent General Elections University of Hull, Department of Geography, Miscelleneous series No 32 Hull

Lipset, S M and Rokram, s (1967) 'Cleavage Structures, party Systems and Voter alignments an introduction', in lipset, S M and Rokram, S (editors) party systems and Voter Alignments. The Free press, new York, 3-64

Maheshwari, S R (1985) Political Development in India' New Delhi, Concept

Manrite, V G (1982) Changes in Regional Voting patterns in Maharashtra, 1975-80 paper presented at NAGI CONGRESS, 1982, Bombay

Madan, N L (1984) Congress party and Social Change

Mcgfe, T C (1962) "The Malayan election of 1959 - a study in electoral geography' Journal of Tropical Geography, 16, 72-99

Mcgte, I C (1965) 'The Malayan parliamentary elections, 1964 Pacific View-point, 6, 96-101

Mcphall, I R (1971) 'Recent trends in electoral geography', proceedings of the sixth New Zeal and Geography Conference Christchurch 1, 7-12

Mehrotra, N C (1972) 'Political Crises and Polls in India', new Delhi

Miller, W E (1959) 'The Study of Electoral Behaviour, Survey Research Centre, Ann Arbor, Michigan

Narain, I (1978) Indian Elections Studies. Allied pub New Delhi

Narain, I and Sharma, M (1969) Election Politics in India notes towards empirical theory', Asian Survey 9(3), 202-20

Naraın, I et al (1976) Electıons studıes ın Indıa . An evaluatıon Allıed publıshers, New Delhı

Os senbrugge, J (1982) Polıtıcal Geography around the world West Germany, Polıtıcal Geography Quarterly, Butterworth, U K

Osei-Kwame, P (1980) A new conceptual Model for the Study of polıtıcal ıntegratıon ın Afrıca, Washıngton Unıversıty Press of Amerıca

Oseı-Kwame, P and peter J Taylor (1984) A polıtıcs of Faılure . the Polıtıcal Geography of Ghanaıan Electıons, 1954-1979 Annals of the assocıatıon of Amerıcan Geographers, 74(4), 574-589

O Loughlın, J & Taylor, A M (1982) Choıces ın redıstrıctıng and electoral outcomes the case of Mobıle, Alabama, Polıtıcal Geography Quarterly Butterworth, U K

O Loughlın, J V (1971) Selected Aspects of the Electoral Geography ın Phıladelphıa, 1906-71 . A cartographıc and Multıvarıate Analysıs M.A. Theses, penn State Unıversıty

Pal, A (1985) Assembly Election in Utter Pradesh 1985 Astudy in electroal Geography D phil, thesis, Department of Geography Allahabad University, Allahabad

Pal, S (1972) Indian Elections since Independence Election Archives, New Delhi

Palmer, M D (1975) Elections and Political Development . The South Asian Experience Vikas, New Delhi

Pandey, J (1982) 'State politics in India ' New Delhi

Pattabhiram, M Editor (1972) General Elections in India An Exhaustive Study of Main political trends Allied publishers, New Delhi

Phillips, C H editor (1963) Politics and Society in India George Allan and Unwin, London

Pomper, C M (1968) Elections in America-control And influence in Democratic politics New York

Prescott, H R V (1959) 'The functions and Methods of electoral Geography', Annals of the Association of American Geographers 49, 296-304

Prescott, J R V (1972) Political Geography, Methuen, London

Parker, A J (1982) 'The friends and neighbour's voting effect in the Galway west constituency 'political Geography quarterly Butterworth, U K

Ranney, A (1962) 'The utility and limitation of aggregate data in the study of electoral behavour in A Ranney, Essays on the Behavioural Study of politics, University of Illinois press

Reeves, P D , Graham, B D and Goodman, J M (1975) Elections in Uttar pradesh, 1929-1951, Manohar, Delhi

Reynods, D R (1969) A Spatial model for analysing voting behaviour', Acta Sociologica 12, 122-30

Reynold D R and Archer, J C (1969) An Inquiry into the Spatial basis of Electoral Geography Department of Geography University of Lowa, Discussion paper No 11

Rice, S A (1928) Quantitative Methods in politics, Alfred A knof New York

Robinson, A H and sale, R D (1969) Elements of cartography John willey, New York

Rokkan, S and Neyriat, J (1969) International Guide to Electoral Statistics, Mouton paris

Ross, R Editor (1974) Electoral Behavour . A comparative Handbook The Free press, New York

Rowley, G (1969) Electoral behavour and Electoral behavour a Note on certain recent developments in electoral Geography professional Geographer, 21 (6), 398-400

Rowley, G (1970) Elections and population change, Area 3, 13-18

Rowley, G (1971) The Greater London Council Elections of 1964 and 1967 a study in Electoral Geography', Transactions. Institute of British Geographers, 53, 117-32

Rowley, G (1975) The redistribution of parlimentary seats in the U K Themes and opinions Area, 7, 16-21

Rowley, G (1975) Parliamentary seat redistribution elaborated, Area, 7, 279-81

Rowley, D and Minghi, J V (1977) 'A geographical frame-work for the study of the stability, and change of Urban electoral patterns, Tijeschrift Voor Economiche on Social Geographie. 63 (3)

Robinson, A H (1961) 'The Cartographic representation of statistical Surface', International Year book of Cartography, 1, 53-61

Rose, R and Mossawir, H (1968) 'Voting and election-a functional analysis', political Studies, 15

Rajalakshmi, Y (1985) political Behavour of Women in Tamil nadu

Schofield, A N (1959) Parliamentary Elections Shaw and Sons, London

Segal, D R and Meyer, M W (1969) "the Social Context of political partisenship, in Dogan, M and Rokan, S (editors) Quantitative Ecological Analysis in the Social Sciences, M I T press, Cambridge, 217-32

Shaffer, W R (1972) computer Simulations of Voting Behavour. Oxford University press, New York

Sharma, M (1972) 'pattern of party competitiveness a case study of Uttar pradesh up to 1976', Indian Journal of political Science 33(1) 75-98

Sharma, J C (1980) 'The Geography of political choice in punjab (1952-1977) . An Econological Analysis of patterns and Trends of Electoral Behavour based on Aggregate

Data for Elections to the State Assembly, An Unpulished ph.D. Thesis, punjab University, Patiala

Sharma J C (1982) 'The Indian Context and Geographical Study of Voting Behavour' Indian Geographical Studies, Research Bulletin, 19 9-16, Patna

Sheth, D L (1970) 'Political Development of Indian Electorate', Econimic and political Weekly, 5, 137-148

Sheth, P N (1973) 'Indian electoral behavour Patterns of continuity and change', Indian' Journal of political Science, 34 (2)

Singh, C P (1981) 'Geography and Electoral Studies', Transactions of the Institute of Indian Geographers 3(1) 81-87

Singh, C P (1981) Indian Electoral Geography " Some Methodological Aspects (Short-Communication) Annals of NAGI 1, 2, 105-8

Sinha, M (1977) Electoral Geography of India with Reference to parliamentary Elections of 1971 D phil Thesis, Department of Geography, Allahabad University, Allahabad

Sirsikar, V M (1962) 'The study of voting behaviour in India Limitation and problems', Political Science Review 2(1), 54-59

Sirsikar, V N (1973) Sovereiars without crowns-A Behavioural Analysis of the Indian Electoral process Popular prakashan Bombay

Smith Geoffre, A (1965) An Electoral Geography of South Lancashire and North Cheshire Unpublished M A thesis, Department of Geography Unpublished M A Thesis, Department of Geography, University of Nothingham

Sorauf, F J (1972) Party politics in America Little, Brown Company, Boston

Srivastava, M K (1979) 'A Statistical package of Computer programms' (Unpublished) Allahabad

Srivastava, M K (1982) Electoral Geography of an Indian State Space-Time Sociological Models of Congress Support in Uttar Pradesh Atul Dissertations Allahabad

Srivastava, G L (1986) Locational Analysis of Electoral-Turnout in India Lok Sabha polls 1952-80. D Phil Thesis,

department of Geography, Allahabad University, Allahabad

Srivastava, A K (1987) Parliamentary Elections in Rajasthan 1952-80 A Study in Electoral Geography D Phil Thesis, Department of Geography D Phil Thesis, Department of Geography, Allahabad University, Allahabad

Singh, C P (1980) The Seventh Parliamentary Election in India, ICSSR project (Just Completed)

Sharpe, L J (1967) 'Voting in Cities, 'Macmillan, London

Shelley, F M (1982) A Constitutional Choice approach to electoral district boundary delineation, political Geography Quarterly, Butterworth, U.K.

Simmons, J W (1967) 'Voting behavour and socio-economic characteristics-the Middlesex East federal election, 1965', Canadian Journal of Eco. And pol. Sc 33, 239-258

Singh, U S (1985) 'Spatial Analysis of Rightist Support in India . Lok Sabha Election, 1952-80', Umpublished D phil Thesis, Department of Geography, Allahabad University, Allahabad

Sukhwal, B L (1985) 'Modern political Geography of India', Sterling publishers private Ltd , New Delhi

Tate, C N (1974) 'Individual and contextual variable in British Voting, behaviour an exploratory note', American political Science Review, 68, 1956-62

Taylor, A H (1973) 'Variations in the relationship, between class and voting in England, 1950-1970', Tijeschrift Voor Economiche en Social Geography, 64, 164-8

Taylor, P J and Jhonston, R J (1979) Geography of Elections Croom Helm, London

Tayler, P J (1981a) Political Geography and the world-economy In Political Studies from Spatial perspectives, ed A D Burnett And P J Tayler, pp 157-74 Chichester, U K wiley

Tayler, P J (1981b) Factor Analysis in Geographical research. In European progress in Spatial-Analysis, ed R J Bennett 251-67, London Pion

Tayler, P J (1982a) A materialist framework for political Geography. Transactions Institute of British Geographers Ns7 15-34

Tayler, P J (1982) The changing political Map in the changing Geography of the united Kingdom, ed R J Johnston and J C Doornkamp, 275-90 London, Methuen

Tayler, P J (1984a) Accumulation legitimation and the electoral geographies within liberal democracies . In political Geography . recent advances and future directions Eds, P J Tayler and J W House, 117-32

Tayler, P J (1984b) The Geography of Elections, In progress in political Geography, ed M pacione London Croom Helm

Tayler, P J (1984c) The political Geography of Electoral Reform Geographical Journal 150

Tayler, P J (1985) Political Geography . World Economy, nation State and locality London Longmans

Thorburn, Hugh C (1963) ed Party Politics in Canada Prentice Hall, Toronto

Tiwari, V K (1982) Lok Sabha Elections in Andhra pradesh, 1952-77 A study in Electoral Geography. D phil thesis, Department of Geography, Allahabad University, Allahabad

Tufte, E R (1973) 'The relationship between Seats and Votes in two party system', American political Science Review, 67, 540-54

Thurstone, L L (1947) Multiple Factor Analysis University of Chicago press, Chicago

Thrift, N & Forbes, D (1982) A landscape with figures . political Geography with human conflict, political Geography quarter Butterworth, U K

Unwin, D J (1975) An Introduction to Trend-Surface Analysis, CATMOG, 5

Verma S et al (1971) The models of Democratic participation . A Cross-National Comparision Sage publication Bevely Hills, California

Verma S P et al (1973) Voting Behaviour in a Changing Society National, New Delhi

Verma, S P and Bhambhri, C D (1967) Elections and political Consciousness in India, Meenakshi prakashan Meerut, Delhi, Calcutta

Verba Sidney (1967) 'Democratic participation', The Annals of the American Academy of political and social Science CCL XXIII

Wallerstein, I (1961) Africa . the politics of independence New York Random House

Wallerstein, I (1974) The Modern World System New York Academic Press

Wallerstein, I (1979) The capitalist world Economy Cambridge University press

Weiner, M (1957) Party politics in India-The Development of a Multi-party System, princeton University press

Weiner, M (1967) Party Building in a New Nation-the Indian National Congress, The University of Chicago press, Chicago

Weiner, M (1978) India at the polls-The parliamentary Elections of 1977 American Enterprise Institute for public policy Research, Washington, D C

Weiner, W and Kothari, W editors (1963) Indian Voting Behavour, Mukhopadhyay, Calcutta

Wolpert, J (1964) 'The decision process in spatial context', Annalsl of the Association of American Geographers 54 (4), 537-553

Wright, C C (1977) 'Contextual mdels of electoial behaviour the southern Wallace Vote', American political Science Review, 71, 497-508

Wright, J K (1932) 'Voting habits in the United States', Geographical Review, 22, 266-72

Wrong, Lennis, H (1957 'The pattern of party voting in Canada, public Opinion Quarterly, 21, 252-264

Wolfinger, R E (1965) 'The development and persistence of Esthnic voting', American political Sceince Review 59 (4), 896-908

Yeates, M (1974) An Introduction to Quantitative Analysis in Human Geography Mc Graw-Hill New York

Young, C (1982) Ideology and development in Africa New Haven Yale University press

Zain pukhraj (1978) Constitution of India (Hindi) Sahitya Bhawan, Agra

Zaidi A M (1974) The annual Register of Indian political parties Michico and Panjathan, New Delhi

# शब्दावली

# शब्दावली

| | |
|---|---|
| अवशेष | Residuals |
| अन्तर्वेशन | Interpotation |
| अनावलम्बित | Orthogonal |
| अनुपात मापक | Ratio Seale |
| अप्रसमता | Non-Normality |
| अभिज्ञान | Identification |
| अवलम्बित | Dependent |
| अवस्थितिकी विश्लेषण | Locational Analysis |
| आवटन | Allocation |
| आकलित | Estimated |
| आकलन | Estimation, Estimates |
| आगम समूह विश्लेषण | Aggregate Analaysis |
| आशिक | Net |
| औसत उच्चताविधि | Mean Elevation Method |
| केन्द्रक विधि | Centroid Method |

| | |
|---|---|
| कालिक सदर्श | Temporal Dimension |
| क्रमागत | Continued |
| घटक | Component |
| चर | Variable |
| दल प्रतियोगिता | Competitiveness |
| निरपेक्ष वितरण | Absolute Distribution |
| निगमनात्मक | Deductive |
| प्रकाशित स्रोत | Archival |
| प्रसमता | Normality |
| प्रतिमान | Model |
| प्रतियोगियो की प्रगाढता | contest Intensity |
| प्रसार | Extension |
| प्रसरण | variance |
| बृहत प्रतिदर्श मापदण्ड | Large Sample Criterion |
| व्याख्यायित | Explained |
| व्यवहारपरक | Behavioural |
| भारण | Loadings |

| | |
|---|---|
| मतदान | Turnout |
| माध्यवर्ग | mean Square |
| मान | Parameters |
| मानकलब्धि | Standardised Score |
| मानकत्रुटि | Standard Error |
| मापदण्ड | Criterion |
| यौगिक | Aggregate |
| रैखिक अर्न्वेशन | Linear interaction |
| लब्धि | Score |
| वर्ग योग | Sum of Squares |
| विचलन | Deviation |
| स्थानिक वितरण | Spatial Distribution |
| सजातीयता | Communality |
| समाश्रयण | Regression |
| समूह | Set |
| सह–सम्बन्ध | Co-relation |
| सयुक्त | Multiple |

| | |
|---|---|
| सकेन्द्रण | Concentration |
| सतत | Continuous |
| सापेक्ष आवृत्ति | Relative Frequency |
| स्थायित्व | Stability |
| स्वतन्त्रताक | Degree of Freedom |
| स्थूल | Gross |
| सूक्ष्म | Net |
| स्पर्शाक | Contact number |